सत्यमेव जयते

विदेश मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट | 2021-2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृपया स्कैन करें

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट | 2021-22

The Annual Report of the Ministry of External Affairs is brought out by the Policy Planning and Research Division.
A digital copy of the Annual Report can be accessed at the Ministry's website : **www.mea.gov.in**.

Designed and Produced by
creativ*Edge*
ce@aravalifoundation.in
www.creativedge.in

विषय सूची

	प्रस्तावना एवं सारांश	8
1.	भारत के पड़ोसी	39
2.	हिंद महासागर क्षेत्र	55
3.	दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया	60
4.	पूर्वी एशिया	78
5.	यूरेशिया	85
6.	खाड़ी, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका	91
7.	अफ्रीका	108
8.	यूरोप और यूरोपीय संघ	131
9.	अमेरिका	157
10.	बिम्स्टेक और सार्क	182
11.	नालंदा विश्वविद्यालय	185
12.	हिंद-प्रशांत	188
13.	संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठन	193
14.	बहुपक्षीय आर्थिक संबंध	208
15.	विकास सहयोग	214
16.	आर्थिक राजनय	223
17.	राज्यम प्रभाग (स्टेट डिवीजन)	230
18.	निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामले (डी एंड आईएसए)	234
19.	विधि एवं संधि प्रभाग	240
20.	नीति नियोजन एवं अनुसंधान (पीपी एवं आर)	245
21.	आतंकवाद का प्रतिकार	250
22.	साइबर राजनय, ई-गवर्नेंस और सूचना प्रौद्योगिकी	253
23.	कांसुलर, पासपोर्ट एवं वीज़ा सेवाएं	256
24.	प्रवासी भारतीय मामले	264
25.	नई, उभरती और सामरिक प्रौद्योगिकी प्रभाग	268
26.	प्रोटोकॉल प्रभाग	269
27.	विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग	272
28.	प्रशासन, स्थापना, वैश्विक संपदा प्रबंधन, और सूचना का अधिकार	276
29.	राजभाषा नीति का कार्यान्वयन	279
30.	वित्त और बजट	280
31.	संसद और समन्वय प्रभाग	286
32.	सम्मेलन प्रभाग	289
33.	अभिलेखागार	291
34.	सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस)	292
35.	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद	298
36.	त्वरित सहायता प्रकोष्ठ	304
	परिशिष्ट	307

प्रस्तावना और सार-संक्षेप

2021-22 में, अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से जूझती रही। महामारी के कारण उत्पन्न हुए व्यवधान ने मानव स्वास्थ्य प्रणालियों को भारी क्षति पहुंचाने के अलावा, आजीविका और अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया। समाज और सरकारों ने स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को मजबूत करके, चिकित्सा अवसंरचना को उन्नत करके और आवाजाही तथा लोगों के एकत्रित होने पर उपयुक्त प्रतिबंध लगाकर कोविड वास्तविकताओं के अनुरूप स्वयं को ढाल लिया। जबकि महामारी के प्रारंभिक चरण में लॉकडाउन के माध्यम से इस बीमारी की प्राथमिक रूप से रोकथाम की गई, बाद के चरणों में सामूहिक टीकाकरण पर ध्यान दिया गया। 31 जनवरी 2022 तक, भारत ने 1.5 बिलियन से अधिक टीके लगाए हैं, जिसमें टीकाकरण योग्य आबादी के 75% से अधिक का पूर्ण टीकाकरण किया गया है।

इस अवधि के दौरान, विदेश मंत्रालय ने कोविड -19 चुनौतियों के प्रति अपनी व्यवस्थित प्रतिक्रिया जारी रखी। सरकार के वैश्विक अंग के रूप में, मंत्रालय कोविड प्रतिक्रिया प्रणाली की एक विस्तृत श्रृंखला में सम्मिलित रहा-जिसमें खरीद कार्यों से लेकर प्रौद्योगिकियां प्राप्त करना और टीकों की आपूर्ति तथा वितरण का समन्वय शामिल है।

अप्रैल-जून 2021 में महामारी की दूसरी लहर ने हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर भारी दबाव डाला। ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसेन्ट्रेटर्स जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्तियों की कमी थी। दूसरी लहर के दौरान खरीद और संभारतंत्रीय व्यवस्था बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हुई क्योंकि संक्रमण, गंभीर रूप से बीमार रोगियों और मौतों की संख्या बहुत अधिक थी। मंत्रालय ने दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा सार्जोसामान की त्वरित प्राप्त के लिए वैश्विक प्रयास शुरू किया। विदेश स्थित भारतीय मिशन एवं केंद्र इस विशाल कार्य में सबसे आगे थे।

'वैक्सीन मैत्री' पहल – फरवरी 2021 में भारत ने मालदीव को कोविशील्ड वैक्सीन की 100,000 खुराक प्रदान की

मंत्रालय में चौबीसों घंटे कार्यरत एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। महत्वपूर्ण आपूर्ति जिसमें लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ), ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, कंसेन्ट्रेटर, ईसीएमओ मशीन, टीके और आवश्यक दवाएं शामिल हैं, दुनिया भर से प्राप्त की गईं। 50 से अधिक देशों ने इस कठिन समय के दौरान आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति दान करके भारत का सहयोग किया। भारतीय मिशनों एवं केंद्रों ने उन गैर-सरकारी संगठनों और व्यक्तिगत दानदाताओं से भी संपर्क किया जो महामारी की चरम स्थिति में भारत की सहायता करने के इच्छुक थे।

मंत्रालय ने भारत में विदेशी टीकों की व्यवस्था करने के लिए वैश्विक और घरेलू हितधारकों के साथ भी काम किया। भारत में थोक वैक्सीन उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण दवाओं की आपूर्ति एक बड़ी चुनौती थी। दवा सामग्री के आयात को आसान बनाने के लिए मंत्रालय ने अमेरिका और यूरोपीय समकक्षों के साथ समन्वय किया। मंत्रालय ने 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन के लिए त्वरित अनुमोदन हेतु विदेशी नियामक एजेंसियों के साथ भी समन्वय किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविशील्ड को फरवरी 2021 में और कोवैक्सीन को नवंबर 2021 में अनुमोदित किया।

वैक्सीन मैत्री पहल ने कई मायनों में "दुनिया की फार्मेसी" के रूप में भारत की साख को बढ़ाया। विश्व के नेताओं ने महामारी के कठिन दौर में टीकों के तेजी से उत्पादन और आपूर्ति के भारत के प्रयासों की सार्वजनिक रूप से सराहना की। 31 दिसंबर 2021 तक, भारत ने 97 देशों को 110 मिलियन से अधिक वैक्सीन खुराक की आपूर्ति की है।

मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा व्यवस्था को तेजी से सामान्य बनाने के लिए 100 से अधिक देशों के साथ वैक्सीन प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता के आधार पर अंतरराष्ट्रीय यात्रा की व्यवस्था भी की है। जुलाई 2021 में, महामारी से लड़ने में भारत की डिजिटल क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए कोविन ग्लोबल कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था।

सितंबर 2021 में वाशिंगटन डीसी में क्वॉड नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री

कोविड -19 महामारी ने वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। भारत ने तेजी से उभर रहे इस अंतरराष्ट्रीय परिवेश में उच्चतम स्तरों पर अपने राजनयिक कार्यकलाप तेज किए हैं। 2021-22 के दौरान, प्रधानमंत्री ने जी7, जी20 और कॉप-26 की शिखर सम्मेलन स्तरीय बैठकों में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सत्र, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और शासनाध्यक्षों की शंघाई सहयोग संगठन परिषद की अध्यक्षता की, और वर्चुअल प्रारूप में भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन की पहली बैठक की मेजबानी की। उन्होंने पूर्वी आर्थिक मंच; और ग्लोबल कोविड-19 समिट में एक वर्चुअल संदेश भी दिया। इन आयोजनों के दौरान, प्रधानमंत्री ने उन्नत बहुपक्षवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और वैश्विक समस्याओं के वैश्विक समाधान में योगदान करने में "कल्याणकारी राष्ट्र" के रूप में भारत की उभरती भूमिका की पुष्टि की।

21 सितंबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन की मेजबानी में आयोजित प्रथम व्यक्तिगत उपस्थिति वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लिया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने भी इसमें भाग लिया। नेताओं ने 21 वीं सदी की चुनौतियों: टीकों का उत्पादन बढ़ाकर और सुरक्षित एवं प्रभावी टीके मुहैया कराकर कोविड -19 महामारी को समाप्त करना; बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए उच्च मानकों को बढ़ावा देना; जलवायु संकट का मुकाबला करना; उभरती प्रौद्योगिकियों, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा पर भागीदारी; और अगली पीढ़ी की प्रतिभा को विकसित करने के संबंध में पारस्परिक संबंधो को गहरा करने तथा व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी पहलें प्रस्तुत की।

प्रधानमंत्री ने 27 जनवरी 2022 को वर्चुअल प्रारूप में कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के राष्ट्रपतियों की भागीदारी वाले पहले भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी की। यह शासनाध्यक्षों के स्तर पर भारत और मध्य एशियाई देश की सरकार के बीच इस प्रकार की पहली व्यवस्था है। पहला भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन मध्य एशियाई देशों,जो भारत के "विस्तारित पड़ोस" का हिस्सा हैं, के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव का प्रतिबिंब है।

ग्लासगो (कॉप26) में ऐतिहासिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में, प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए भारत का 'पांच सूत्री एजेंडा' या 'पंचामृत' प्रस्तुत किया। भारत वर्ष 2070 तक 'निवल-शून्य' कार्बन उत्सर्जन स्तर तक आने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घोषणा की गई कि 2030 तक, भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50% पूरा करेगा। यह भी घोषणा की गई थी कि भारत गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक बढ़ाएगा, और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 45% तक कम करेगा।

2021-22 में, प्रधानमंत्री ने रूस, अमेरिका, जापान, सेशेल्स, फ्रांस, भूटान, ऑस्ट्रेलिया, मालदीव, नेपाल, वियतनाम, इटली, जर्मनी, यूके, कजाकिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के अपने समकक्षों के साथ 30 से अधिक वर्चुअल बैठकें कीं।

इस अवधि के दौरान, विदेश मंत्री ने विभिन्न द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और अनेक पक्षीय बैठकों में भाग लेने के लिए 20 से अधिक देशों की यात्रा की। इनमें अमेरिका, यूके, ग्रीस, केन्या, कुवैत, ताजिकिस्तान, जॉर्जिया, रूस, न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, ईरान, मैक्सिको, सऊदी अरब, स्लोवेनिया, आर्मेनिया, क्रोएशिया, डेनमार्क, इज़राइल, कजाकिस्तान और आर्मेनिया की यात्राएं शामिल हैं।

राज्य मंत्री, श्रीमती मीनाक्षी लेखी (विदेश राज्य मंत्री -श्रीमती मीनाक्षी लेखी) और श्री राजकुमार रंजन सिंह (विदेश राज्य मंत्री-राजकुमार रंजन सिंह) ने जुलाई 2021 में मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण किया। राज्य मंत्रियों ने भी विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा की।

जनवरी 22 में प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा आयोजित प्रथम भारत-मध्य एशिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन को संबोधित किया

2021-22 के दौरान, भारत ने महाशक्तियों के साथ रणनीतिक जुड़ाव को और बढ़ाने की अपनी नीति जारी रखी। उच्च स्तरीय द्विपक्षीय आदान-प्रदान व्यवस्था को बनाए रखा गया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने 27-28 जुलाई 2021 को भारत की यात्रा और भारत-अमेरिका संबंधों को सुदृढ़ करने संबंधी द्विपक्षीय चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 10-12 सितंबर 2021 को ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मारिस पायने और रक्षा मंत्री पीटर डटन की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से अपनी पहली 2+2 वार्ता की। भारत और रूस ने 5-6 दिसंबर 2021 को विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की यात्रा के दौरान भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले 2+2 प्रारूप में भी बातचीत की। यूके के विदेश सचिव एलिजाबेथ ट्रस ने 22-24 अक्टूबर 2021 तक भारत की यात्रा की और विदेश मंत्री के साथ बातचीत की।

महामारी के कारण आए अंतराल के पश्चात अन्य देशों से भारत की उच्च स्तरीय यात्राएं फिर से शुरू हुईं। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन 9-11 अक्टूबर 2021 को भारत की राजकीय यात्रा पर आने वाली पहली शासनाध्यक्ष थी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने हाल ही में हस्ताक्षरित हरित रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, और कृषि प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं स्वास्थ्य में सहयोग का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 6 दिसंबर 2021 को 21वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा की। भारत और रूस ने अपनी अनूठी एवं विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी की पुनः पुष्टि की और आपसी हित के मुद्दों पर मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। सरकार ने अपनी "पड़ोस प्रथम" नीति के तहत भारत के पड़ोसियों को प्राथमिकता देना जारी रखा। उच्च स्तरीय यात्राओं सहित, इस क्षेत्र के देशों के साथ भारत के संबंधों में और अधिक प्रगति और समेकन देखा गया।

वर्ष 2021 को बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की स्वर्ण जयंती और भारत तथा बांग्लादेश के बीच 50 वर्षों के राजनयिक संबंधों के उत्सव के रूप में मनाया गया। बांग्लादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर, भारत के राष्ट्रपति ने सम्मानीय अतिथि के रूप में बांग्लादेश में 50वें विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए 15-17 दिसंबर 2021 तक बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार एवं कनेक्टिविटी, ऊर्जा तथा बिजली, जल संसाधन, सीमा प्रबंधन, रक्षा एवं सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के आपसी संपर्कों सहित विविध क्षेत्रों में मजबूत तथा बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग है। 50वें विजय दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर भारत के राष्ट्रपति की बांग्लादेश यात्रा दोनों देश द्वारा एक-दूसरे को दी जाने वाली उच्च प्राथमिकता और साझा मूल्यों, आपसी विश्वास तथा समझ के आधार पर इन संबंधों को और अधिक मजबूत करने की इच्छा का प्रमाण है।

स्वर्णिम विजय वर्ष के हिस्से के रूप में, दोनों देशों ने भारत और बांग्लादेश में 6 दिसंबर 2021 को मैत्री दिवस मनाया। 18 देशों- बेल्जियम, कनाडा, मिस्र, इंडोनेशिया, रूस, कतर, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, मलेशिया, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मैत्री दिवस मनाया गया।

इससे पहले, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर, हमारे प्रधानमंत्री ने 26-27 मार्च 2021 तक बांग्लादेश की स्वतंत्रता, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, के स्वर्ण जयंती समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की। 2020 के आरंभ में कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से यह प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा थी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने चिलाहाटी- हल्दीबाड़ी रेल संपर्क के माध्यम से ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका मार्ग पर 'मिताली -एक्सप्रेस'- यात्री ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया।

दिसंबर 2021 में बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद में विजय दिवस और मुजीब बोरशो समारोह में राष्ट्रपति

अगस्त 2021 में, अफगानिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया। भारत की तत्काल प्राथमिकता फंसे हुए भारतीय और अफगान नागरिकों को सुरक्षित निकालना तथा अफगान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना था। भारत ने गोलीबारी में फंसे लोगों को निकालने के लिए ऑपरेशन देवी शक्ति शुरू किया। ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत, भारत ने भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया की 6 उड़ानों द्वारा 438 भारतीय नागरिकों; 112 अफगान नागरिकों; और 15 अन्य विदेशी नागरिकों को निकाला। हम पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के 2 स्वरूपों को सुरक्षित लाने में भी सफल रहे। मंत्रालय ने अफगानिस्तान से प्रत्यावर्तन और अन्य अनुरोधों के समन्वय के लिए एक विशेष अफगानिस्तान सेल की भी स्थापना की।

भारत ने अफगानिस्तान के लोगों की मदद और सहायता करने के तरीके खोजने के लिए विभिन्न मंचों पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ संपर्क बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर 2021 को एससीओ सीएसटीओ आउटरीच शिखर सम्मेलन और 20 अक्टूबर 2021 को अफगानिस्तान पर जी-20 असाधारण शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश मंत्री ने 8 सितंबर 2021 को अमेरिका और जर्मनी द्वारा सह-आयोजित अफगानिस्तान सम्मेलन में भाग लिया। भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषदों के सचिवों के स्तर पर 10 नवंबर 2021 को अफगानिस्तान संबंधी "दिल्ली" क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता" की मेजबानी की इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने की।

भारत ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना (एफवाईपी) (2018-23) के लिए 4500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। 13 जुलाई 2021 को भूटान में भीम यूपीआई की शुरुआत की गई। इसके साथ ही भूटान अपने क्यूआर डिप्लायमेंट के लिए यूपीआई मानकों को अपनाने वाला पहला देश बन गया और भीम ऐप के माध्यम से मोबाइल-आधारित भुगतान स्वीकार करने वाला पड़ोस में पहला देश बन गया।

'भारत प्रथम' मालदीव सरकार की घोषित नीति बन गई है। भारत अब मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जहां भारतीय निर्यात का हिस्सा 13% है। जुलाई 2021 में, भारत ने मालदीव को 9 आवश्यक वस्तुओं के प्रतिबंध-मुक्त निर्यात के लिए कोटा करार को अगले 3 वर्षों के लिए बढ़ा दिया।

1 फरवरी 2021 के बाद से म्यांमार का घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली प्राथमिकता बनी हुई है। भारत ने हिंसा की समाप्ति, कानून के शासन को बनाए रखने और राजनीतिक बंदियों की रिहाई का आह्वान किया है। म्यांमार के लोगों के मित्र के रूप में, भारत ने म्यांमार में मानवीय और विकास सहायता जारी रखी है। 22-23 दिसंबर 2021 को, विदेश सचिव ने म्यांमार का दौरा किया और द्विपक्षीय विकास की समीक्षा की।

भारत ने नेपाल के साथ अपने बहुआयामी संबंधों की प्रगति जारी रखी। वर्ष के दौरान, भारत और नेपाल ने भारत-नेपाल रेल सेवा समझौते (आरएसए) के लिए एक विनिमय पत्र (एलओई) पर हस्ताक्षर किए, जिससे निजी कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों सहित सभी अधिकृत कार्गो ट्रेन ऑपरेटरों को नेपाल के कंटेनर और अन्य माल ले जाने में सहायता मिली है। भारत ने जयनगर (बिहार में) को कुर्था (नेपाल में) से जोड़ने वाला 34.9 किलोमीटर लंबी सीमा पार रेल लिंक भी नेपाल सरकार को सौंप दिया।

कोविड -19 महामारी से उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद, भारत और श्रीलंका अपने सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए कार्य करते रहे। अक्टूबर 2021 में विदेश सचिव और भारत के चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ की श्रीलंका यात्रा के साथ उच्च स्तरीय आदान-प्रदान जारी रहा। भारत और श्रीलंका के बीच विकास साझेदारी में चार ऋण सहायताओं के तहत परियोजनाओं का कार्यान्वयन चल रहा है। सितंबर 2021 में एलओसी सहायता के तहत श्रीलंका को बीस यात्री रेलवे डिब्बों की आपूर्ति की गई थी। भारत ने जून 2021 में सौर ऊर्जा क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए श्रीलंका को 100 मिलियन अमरीकी डालर की एक नई ऋण सहायता की शुरुआत की।

मार्च 2021 में प्रधानमंत्री ने अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

निकट संपर्क बनाए रखने, मजबूत संपर्क बनाने तथा सहयोग बढ़ाने के भारत के दृष्टिकोण को पड़ोस में हमारे भागीदारों के बीच अधिक समर्थन और स्वीकृति मिली है। हालाँकि, पाकिस्तान के साथ संबंधों को सामान्य करने के हमारे प्रयास तब कमजोर पड़ गए जब पाकिस्तान ने जुलाई 2021 से सीमा पार से घुसपैठ और संघर्ष विराम उल्लंघन की कार्रवाई तेज कर दी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ भारत की सक्रिय पहुंच के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र की स्थिति की एक खतरनाक तस्वीर पेश करने और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के पाकिस्तान के भ्रामक प्रयास विफल हो गए। भारत पाकिस्तान सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ सामान्य संबंध चाहता है। हमारा निरंतर यह रुख है कि द्विपक्षीय मुद्दों का आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से समाधान किया जाना चाहिए।

चीन के साथ भारत के संबंध जटिल हैं। दोनों पक्ष अपने मतभेदों को दूर करने और किसी भी मुद्दे पर मतभेदों को विवाद नहीं बनने देने पर सहमत हुए हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि सीमा विवाद के अंतिम समाधान तक, सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति बनाए रखना द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए एक आवश्यक आधार है। हालाँकि, अप्रैल-मई 2020 के बाद से चीनी पक्ष ने पश्चिमी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने के कई प्रयास किए, जिसने पश्चिमी क्षेत्र में से एलएसी के साथ अमन और शांति की गंभीर स्थिति में व्यवधान आया। इन प्रयासों का भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा हमेशा उचित जवाब दिया गया है। हालाँकि, इसके बाद से चीन द्वारा यथास्थिति को बदलने के लिए जारी एकतरफा प्रयासों से द्विपक्षीय संबंध प्रभावित हुए हैं।

विदेश मंत्री ने 16 सितंबर, 2021 को दुशांबे, ताजिकिस्तान में राष्ट्राध्यक्षों की 21वीं एससीओ बैठक के दौरान चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री श्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सीमा की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जुलाई 2021 में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों की मुलाकात दुशान्बे, ताजिकिस्तान में भी हुई थी ।

दोनों पक्षों के सैन्य और राजनयिक अधिकारी शेष मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने पर चर्चा जारी रखने के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहे हैं। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि मौजूदा स्थिति को लंबा खींचना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है क्योंकि इससे संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

2021-22 में, , भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करते हुए भारत और जापान ने अपने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों का विस्तार किया। जापान के आत्मरक्षा बलों और भारतीय सशस्त्र बलों (या एसीएसए) के बीच आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान संबंधी करार, जिस पर 9 सितंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे, 11 जुलाई 2021 को लागू हुआ। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने 27 अप्रैल 2021 को आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन पहल (एससीआरआई) की औपचारिक शुरुआत की।

भारत और खाड़ी तथा पश्चिम एशियाई देशों के बीच ऐतिहासिक और भ्रातृत्व भाव के संबंध भारत की 'थिंक वेस्ट' नीति के अनुरूप सभी क्षेत्रों में गहरे और मजबूत होते रहे हैं। भारत ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में इन देशों के साथ गहन सहयोग किया ।

विदेश मंत्री ने अप्रैल और नवंबर 2021 में संयुक्त अरब अमीरात, जून 2021 में कुवैत और जून 2021 में कतर (पारगमन पर) की यात्रा की। विदेश मंत्री ने बहुपक्षीय बैठकों और अन्य कार्यक्रमों के दौरान बहरीन, इराक, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब और यमन के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की। राज्य मंत्री-वी मुरलीधरन (राज्य मंत्री-वीएम) ने अगस्त-सितंबर 2021 में बहरीन का दौरा किया। भारत ने अप्रैल 2021 में बहरीन और सितंबर 2021 में सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ नवंबर 2021 में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव की यात्राओं की मेजबानी की।

ईरान सरकार के निमंत्रण पर, विदेश मंत्री ने निर्वाचित राष्ट्रपति महामहिम अयातुल्ला सैय्यद इब्राहिम रायसी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 5-6 अगस्त 2021 को ईरान की यात्रा की। विदेश मंत्री ने शीर्ष ईरानी नेताओं के साथ उपयोगी बैठकें कीं और शाहिद चाबहार पोर्ट बेहेस्ती टर्मिनल के विकास सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

मार्च 2021 में आयोजित भारत-स्वीडन वर्चुअल शिखर सम्मेलन में स्वीडन के प्रधानमंत्री के साथ प्रधानमंत्री

वर्ष 2022 भारत और इज़राइल के बीच राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे होने का वर्ष है। विदेश मंत्री ने 17-21 अक्टूबर 2021 तक इज़राइल की आधिकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान, इज़राइल ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अनुसमर्थन दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भारत अफ्रीका के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है। वर्ष के दौरान अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय जुड़ाव में गति आई। वर्ष के दौरान मॉरीतानिया और लाइबेरिया में दो और मिशनों के खुलने के अफ्रीका में भारत की राजनयिक उपस्थिति और बढ़ गई। गिनी बिसाऊ और केप वर्डे में राजनयिक मिशन खोलने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इनके इस वर्ष के अंत में खुलने की संभावना है।

सितंबर 2021 में भारत द्वारा आयोजित तेरहवे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री

भारत ने विभिन्न ऋण सहायताओं की घोषणा करके अफ्रीका के साथ अपने विकास साझेदारी सहयोग को जारी रखा। भारत ने इस क्षेत्र के 18 अफ्रीकी मित्र देशों को भारत में निर्मित, कोविड टीके उपलब्ध कराकर महामारी पर काबू पाने में सहायता की। भारत ने रक्षा क्षमताओं और बुनियादी ढांचे के संवर्धन के लिए मई 2021 में अंगोला सरकार को 100 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता (एलओसी) भी प्रदान की। सितंबर 2021 में, भारत ने 108.28 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से एस्वातिनी में एक नए संसद भवन के निर्माण के लिए एलओसी समझौते को लागू किया। राज्य मंत्री-वीएम ने जनवरी 2021 में घाना, नवंबर 2021 में सेनेगल और नवंबर 2021 में गाम्बिया का दौरा किया और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

कोविड महामारी से उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद यूरोपीय देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के संबंधों में नई गति आई, और 2021-22 में कई उच्च-स्तरीय बैठकें और शिखर सम्मेलन हुए। इनमें अप्रैल 2021 में नीदरलैंड के साथ वर्चुअल शिखर सम्मेलन और मई 2021 में यूनाइटेड किंगडम और मई 2021 में पहली भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक शामिल है। प्रधानमंत्री ने जी20 और कॉप26 शिखर सम्मेलन भाग लेने के लिए क्रमशः रोम (अक्टूबर 2021) और ग्लासगो (अक्टूबर-नवंबर 2021) की भी यात्रा की। जहां उन्होंने यूके, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली के साथ-साथ यूरोपीय संघ परिषद और यूरोपीय संघ आयोग के अध्यक्षों सहित पश्चिमी यूरोपीय देशों के कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

कोविड महामारी के कारण लगे प्रतिबंधों के बावजूद 2021 में उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान जारी रहा। भारत-स्वीडन वर्चुअल शिखर सम्मेलन की बैठक प्रधानमंत्री और स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के बीच5 मार्च 2021 को हुई। प्रधानमंत्री और डच प्रधानमंत्री मार्क रूट ने 9 अप्रैल 2021 को एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किया। जल संबंधी क्षेत्रों में भारत-डच सहयोग को और गहन करने के लिए दोनों नेताओं ने 'जल संबंधी रणनीतिक भागीदारी' गठित करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत और यूके ने 4 मई 2021 को एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किया। प्रधानमंत्री और यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अगले 10 वर्षों के लिए सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी भारत-यूके रोडमैप 2030 को अंगीकार किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-यूके द्विपक्षीय सहयोग में वृद्धि से न केवल पारस्परिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं, बल्कि यह जीवन यापन एवं आजीविका को पुनबहाल करने, दुनिया भर में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक कल्याणकारी शक्ति के रूप में कार्य कर सकती है। दोनों नेताओं ने एक व्यापक एफटीए संबधी वार्ता के माध्यम से दोनों देशों के बीच पूर्ण व्यापार क्षमता का दोहन करने के लिए 'संबंधित

कार्यात्मक भागीदारी' (ईटीपी) की भी शुरुात की और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा।

प्रधानमंत्री और फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन के बीच भारत-फिनलैंड वर्चुअल शिखर सम्मेलन की बैठक 16 मार्च 2021 को हुई। शिखर बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5जी/6जी, और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में संबंधों का और विस्तार करने और इन्हें विविधता प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की।

2021 के दौरान, विदेश मंत्री ने ग्रीस, स्लोवेनिया, डेनमार्क और क्रोएशिया की यात्रा की। विदेश मंत्री ने स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, चेक गणराज्य, साइप्रस, एस्टोनिया, फिनलैंड, नॉर्वे और पोलैंड के अपने समकक्षों के साथ वर्चुअल और टेलीफोनिक परामर्श भी किया। विदेश राज्य मंत्री -श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने 11-12 अक्टूबर 2021 को बेलग्रेड में आयोजित गुटनिरपेक्ष आंदोलन की 60 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उच्च स्तरीय स्मारकीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने 28- 30 सितंबर 2021 तक स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा भी की। सर्बिया के विदेश मंत्री निकोला सेलाकोविच ने 19-20 सितंबर 2021 को सर्बिया के राष्ट्रपति के विशेष दूत के रूप में भारत की आधिकारिक यात्रा की।

2021 में रूस और यूरेशियन क्षेत्र के अन्य देशों के साथ भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ संबंधों में निरंतर गति बनी रही। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ बहुपक्षीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, उज्बेकिस्तान, आर्मेनिया और जॉर्जिया की यात्रा की। विदेश मंत्री ने 9-10 जुलाई 2021 को जॉर्जिया की अपनी यात्रा के दौरान सेंट क्वीन केतेवन के पवित्र अवशेष को जॉर्जियाई पक्ष को सौंप दिया। उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री व्लादिमीर नोरोव ने 24-25 फरवरी 2021 को नई दिल्ली की यात्रा की। विदेश राज्य मंत्री -श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने 23-26 सितंबर 2021 उज़्बेकिस्तान की यात्रा की।

वर्ष के दौरान लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन (एलएसी) क्षेत्र भारतीय विदेश नीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना रहा। भारत ने वैश्विक महामारी के कारण लगे प्रतिबंधों के बावजूद एलएसी देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत और विविधतापूर्ण बनाने के अपने प्रयास जारी रखे। न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान विदेश मंत्री ने डोमिनिकन गणराज्य, चिली, कोलंबिया, वेनेजुएला, निकारागुआ के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। जून 2021 में, विदेश मंत्री ने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के अवसर पर अर्जेंटीना के विदेश मंत्री से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने अगस्त 2021 में तेहरान में निकारागुआ और बोलीविया के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 26-28 सितंबर 2021 तक मेक्सिको की आधिकारिक यात्रा की। विदेश राज्य मंत्री -श्री वी.मुरलीधरन ने 4-6 जुलाई 2021 तक ग्वाटेमाला की आधिकारिक यात्रा की और विदेश राज्य मंत्री -श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने किया 4-6 सितंबर 2021 को कोलंबिया की आधिकारिक यात्रा की। कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ ने 1-3 अक्टूबर 2021 तक भारत की यात्रा की।

भारत बहुपक्षवाद में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें मानव-केंद्रित वैश्वीकरण और वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं पर ध्यान दिया गया है। अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अध्यक्षता कई नई पहलों के साथ उल्लेखनीय रही। यह पहली बार था कि सुरक्षा परिषद, जिसका भारत वर्तमान में अध्यक्ष में है, ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कार्यसूची के तहत तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे समुद्री सुरक्षा के विषय पर बहस हुई। भारत समुद्री सुरक्षा की चुनौतियों की बेहतर समझ रखने वाला एक समुद्री राष्ट्र है। इसलिए यह उपयुक्त है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहली बार समुद्री सुरक्षा के विषय पर एक परिणामी दस्तावेज, एक अध्यक्षीय वक्तव्य को अंगीकार किया, और भारत की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से ऐसा किया गया। सबसे विशेष, जब प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की "समुद्री सुरक्षा संवर्धन" संबंधी बहस की अध्यक्षता की, तो वह परिषद में बहस की अध्यक्षता करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। उन्होंने इस अवसर का उपयोग करते हुए समुद्री सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक रूपरेखा के रूप में पांच सिद्धांतों के एक समूह का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

भारत ने 2012 और 2016 के बाद तीसरी बार 2021 में बारी के आधार पर ब्रिक्स की अध्यक्षता की। 2021 में भारत की अध्यक्षता के साथ इस वर्ष ब्रिक्स की 15वीं वर्षगांठ भी थी। भारत ने "ब्रिक्स@15: निरंतरता, समेकन और सहमति के लिए अंतर-ब्रिक्स सहयोग" के समग्र विषय को चुना।

प्रधानमंत्री ने अगस्त 2021 में ''समुद्री सुरक्षा का संवर्धन-अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए मामला" विषय पर यूएनएससी उच्च स्तरीय खुली बहस की अध्यक्षता की

महामारी के बाद की वास्तविकता के अवसरों का लाभ उठाने का अर्थ था आत्मनिर्भर अभियान के एक हिस्से के रूप में आर्थिक राजनय का पुनर्विन्यास। भारत को उद्योग के लिए एक विश्वसनीय, भरोसेमंद और मुक्त स्थान के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास किए गए, जिनके लिए जोखिम-नियंत्रण और अनुकूलित आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता होती है। महामारी के बावजूद, भारत में 2020-21 में 77 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह आया। 2021 में, विदेशों में भारतीय मिशनों और केंद्रों ने भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का केंद्र बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को कार्यान्वित करने के लिए काम किया। आत्मानिर्भर भारत अभियान के अनुरूप, भारत को उद्योग के लिए एक विश्वसनीय, भरोसेमंद और खुली व्यवस्था के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। भारत ने फरवरी 2021 में मॉरीशस के साथ ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी करार (सीईसीपीए) संपन्न किया। भारत ने सितंबर 2021 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) वार्ता भी शुरू की।

2021 में, मंत्रालय ने रायसीना डायलॉग, हिंद महासागर सम्मेलन और वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन जैसे विभिन्न प्रमुख सम्मेलनों और लोक राजनय कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रधानमंत्री ने 13 अप्रैल 2021 को एक वीडियो संदेश के माध्यम से रायसीना संवाद का शुभारंभ किया। रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र में सम्मिलित हुई। यूके के प्रधानमंत्री, बोरिस जॉनसन ने 14-16 दिसंबर 2021 तक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के छठे संस्करण में एक वर्चुअल विशिष्ट संभाषण दिया।

प्रवासी भारतीय नागरिकों और राष्ट्रिकों का कल्याण मंत्रालय के लिए एक उच्च प्राथमिकता है। जुलाई 2021 में, विदेश राज्य मंत्री -श्री वी.मुरलीधरन ने प्रवासी कामगारों के लिए प्रस्थान-पूर्व अनुकूलन प्रशिक्षण (पीडीओटी) पोर्टल लॉन्च किया। पीडीओटी हमारे आदर्श वाक्य ‘ सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं , विश्वास के साथ जाएं” के कार्यढांचे के तहत एक सुरक्षित, व्यवस्थित, कानूनी और मानवीय प्रवासन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा शुरू की गई कई पहलों और तंत्रों में से एक है।

कार्यक्रम को अधिक पारदर्शी, संरचित, उद्देश्यपरक, समावेशी, विविध, केंद्रित और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से विदेश मंत्रालय इंटर्नशिप नीति 2021 शुरू की गई थी ।

वर्ष के दौरान कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक राजनयिक उपलब्धियां प्राप्त हुईं। भारत को 2021-25 के लिए यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के लिए चुना गया। दुर्गा पूजा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में जोड़ा गया; शिल्प और लोक कला के एक रचनात्मक शहर के रूप में श्रीनगर को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में जोड़ा गया है; तेलंगाना में ककातिया रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर और गुजरात में ‘धोलावीरा : एक हड़प्पा शहर’ को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों के रूप में उत्कीर्ण किया गया था।

वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय नियुक्तियों में भी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं। भारत को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद के लिए फिर से चुना गया। भारत के सीएजी को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में भारी संख्या में उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़े जाने के बाद छह साल की अवधि (2022-27) के लिए चुना गया था। भारत को प्रशासन परिषद और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल के लिए चुना गया। भारतीय उम्मीदवारों को इंटरपोल की मुख्यालय कार्यकारी समिति और अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग के लिए चुना गया। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया है।

भारत ने 1947 में अपनी आजादी के बाद से एक लंबी यात्रा तय की है। भारत की यात्रा के 75 साल पूरे होने पर, मंत्रालय और विदेश स्थित मिशनों एवं केंद्रों ने “आजादी का अमृत महोत्सव” मनाया। विदेशों में हमारा प्रत्येक मिशन भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों को प्रदर्शित करता रहा है।

निम्नलिखित पृष्ठ हमारे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों के विवरण के साथ-साथ विदेश मंत्रालय की सेवा और सहायक इकाइयों के कार्यकलापों का विवरण देते हुए उपर्युक्त उल्लिखित प्रवृत्तियों की व्यापक प्रस्तुति करते हैं।

भारत के पड़ोसी

अफ़ग़ानिस्तान

भारत और अफगानिस्तान सदियों के ऐतिहासिक, लोगों के आपसी संपर्कों और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े हुए हैं। पड़ोसी देश होने के नाते, भारत अफगानिस्तान में घरेलू घटनाक्रमों और इनके बाह्य प्रभावों के संबंध में चिंतित है।

अगस्त 2021 में, अफगानिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आया। भारत की तत्काल प्राथमिकता फंसे हुए भारतीयों और अफगानों को सुरक्षित निकालना और अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना था।

भारतीय और अफगान नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए मंत्रालय ने 24x7 विशेष अफगानिस्तान सेल की स्थापना के साथ-साथ ऑपरेशन देवी शक्ति शुरू किया।

भारत ने अफगानिस्तान के लोगों की मदद और समर्थन के तरीके खोजने के लिए विभिन्न मंचों पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बनाए रखा। भारत, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन करने में अग्रणी रहा है।

इस संबंध में, प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर 2021 को एससीओ सीएसटीओ आउटरीच शिखर सम्मेलन और 20 अक्टूबर को अफगानिस्तान संबंधी जी-20 असाधारण शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश मंत्री ने 8 सितंबर को अमेरिका और जर्मनी द्वारा सह-आयोजित अफगानिस्तान सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने 13 सितंबर को यूएनएचसीआर द्वारा अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति पर आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में भी भाग लिया। भारत ने 10 नवंबर 2021 को “अफगानिस्तान संबंधी दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद” की मेजबानी की। यह संवाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषदों के सचिवों

के स्तर पर आयोजित किया गया था और इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने की थी।

वर्ष के दौरान, भारत ने अफगानिस्तान को चिकित्सा सहायता की चार खेप भेजी है जिसमें महामारी से लड़ने के लिए टीके शामिल हैं।

पिछले 20 वर्षों में, अफगानिस्तान के साथ भारत की विकासात्मक भागीदारी पाँच स्तंभों के आसपास केंद्रित रही है, अर्थात्, बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं; मानव संसाधन विकास एवं क्षमता निर्माण; मानवीय सहायता; उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाएं; और हवाई तथा भूमि संपर्क के माध्यम से व्यापार एवं निवेश को बढ़ाना।

बांग्लादेश

भारत-बांग्लादेश संबंध भारत की "पड़ोस प्रथम" नीति का एक महत्वपूर्ण तत्व है। वर्ष 2021 का विशेष महत्व था क्योंकि दोनों देशों ने राजनयिक संबंधों के 50 साल, बांग्लादेश की आजादी के पांच दशक और इसके राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी मनाई।

इस वर्ष दोनों देशों के बीच कई उच्च स्तरीय आदान-प्रदान और यात्राएं की गईं। कोविड -19 के प्रकोप के बाद से अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ने मार्च 2021 में बांग्लादेश की यात्रा की। भारत के राष्ट्रपति ने सम्मानीय अतिथि के रूप में बांग्लादेश में 50वें विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए 15-17 दिसंबर 2021 तक बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की।

1971 में भारत द्वारा बांग्लादेश को राजनयिक मान्यता दिए जाने के उपलक्ष्य में भारत और बांग्लादेश ने नई दिल्ली, ढाका और विश्व की 18 अन्य राजधानियों में, 6 दिसंबर 2021 को "मैत्री दिवस" के रूप में मनाया।

संपर्क व्यवस्था बढ़ाना दोनों पक्षों का साझा उद्देश्य रहा है। हल्दीबाड़ी -चिलाहटी रेल लिंक 1 अगस्त 2021 को चालू किया गया था। इस संपर्क का उपयोग करते हुए मालगाड़ियों की आवाजाही पहले ही शुरू हो चुकी है और इसका उपयोग जलपाईगुड़ी भारत)- ढाका (बांग्लादेश) मार्ग पर तीसरी सीमा पार यात्री ट्रेन सेवा 'मिताली एक्सप्रेस' चलाने के लिए भी किया जाएगा। त्रिपुरा में फेनी नदी पर 'मैत्री सेतु' पुल का निर्माण पूरा किया गया और इसका उद्घाटन 2021 में दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा किया गया था, इस प्रकार भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र और बांग्लादेश के बीच बेहतर सड़क संपर्क की व्यवस्था की गई।

कोविड से संबंधित व्यवधानों के बावजूद, द्विपक्षीय व्यापार 14% की अभूतपूर्व दर से वित्त वर्ष 2019-20 में 9.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2020-21 में 10.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। रक्षा, संपर्क और विकास सहयोग सहित अन्य क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिला।

महामारी का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग 2021 में वर्ष जारी रहा। भारत ने बांग्लादेश को महामारी से लड़ने के लिए चल रहे प्रयासों में सहायता के लिए 3.3 मिलियन कोविशील्ड टीके उपहार में दिए। यह भारत द्वारा किसी भी देश को उपहार में दिए गए मेड-इन-इंडिया कोविड टीकों की सबसे बड़ी खेप थी।

भूटान

भारत और भूटान के बीच बहुआयामी संबंध 2021-22 में और प्रगाढ़ हुए। जल विद्युत, आईसीटी, स्वास्थ्य, संस्कृति, कृषि, अंतरिक्ष, तृतीयक शिक्षा, डिजिटल और वित्तीय संपर्क आदि सहित पारंपरिक और सहयोग के नए क्षेत्रों को और मजबूत किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद मैत्री सुदृढ़ हुई।

जलविद्युत सहयोग भारत-भूटान सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और इस क्षेत्र में 2021 में लगातार प्रगति हुई है। पुनात्सांगछु - द्वितीय जलविद्युत परियोजना और मांगदेछु जल विद्युत परियोजना के लिए द्विपक्षीय बैठकें सितंबर 2021 में आयोजित की गई थीं। दोनों सरकारें 1200 मेगावाट की पुनात्सांगछु-I परियोजना के कार्यान्वयन पर भी काम कर रही हैं। ।

भारत ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना (एफवाईपी) (2018-23) के लिए 4500 करोड़ भारतीय रुपये की वित्तीय सहायता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। इसमें प्रोजेक्ट टाईड असिस्टेंस के लिए 2800 करोड़ भारतीय रुपये, उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के लिए 850 करोड़ भारतीय रुपये और प्रोग्राम ग्रांट के लिए 850 करोड़ भारतीय रुपये शामिल हैं। भारत ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 400 करोड़ रुपये की 'परिवर्ती व्यापार सहायता सुविधा' देने की भी प्रतिबद्धता जताई है। दोनों पक्षों द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास, उद्योग, कृषि, ई-गवर्नेंस, सामुदायिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में 82 से अधिक बड़ी और मध्यम परियोजनाएं और 524 एचआईसीडीपी की पहचान की गई और ये परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

13 जुलाई 2021 को भूटान में भीम यूपीआई की शुरुआत की गई थी, जिससे अगस्त 2019 में प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा के दौरान जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में की गई प्रतिबद्धता पूरी हुई। इस लॉन्च के साथ, भूटान अपने क्यूआर डिप्लायमेंट के लिए यूपीआई मानकों को अपनाने वाला पहला देश बन गया और भीम ऐप के माध्यम से मोबाइल-आधारित भुगतान स्वीकार करने के लिए पड़ोस में पहला देश बन गया।

भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। 2020-21 में, द्विपक्षीय व्यापार 1083 मिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य तक पहुँच गया, जिसमें से भूटान को भारत का निर्यात 694 मिलियन अमरीकी डालर और भूटान से भारत को आयात 389 मिलियन अमरीकी डालर था।

कोविड से संबंधित सहायता 2021 में भी जारी रही, मार्च 2021 में भूटान को अनुदान सहायता के रूप में कोविशील्ड टीकों की 400,000 खुराक भेजी गई। 11 मई 2021 को, प्रधानमंत्री ने भूटानी प्रधानमंत्री लोते शेरिंग के साथ बात की और कोविड महामारी से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों में एकजुटता व्यक्त की।

मालदीव

भारत के लिए मालदीव हमेशा से एक करीबी और महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी रहा है। महामारी संबंधी व्यवधानों के बावजूद दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध मजबूत हुए हैं।

फरवरी 2021 में विदेश मंत्री की मालदीव यात्रा और अप्रैल तथा जुलाई 2021 में मालदीव के विदेश मंत्री द्वारा भारत की दो यात्राओं के साथ उच्च स्तरीय संपर्क जारी रहे। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सोलिह ने जुलाई 2021 में टेलीफोन पर बातचीत की।

मालदीव के साथ द्विपक्षीय सहयोग में जनोपयोगी बुनियादी ढांचे-आवास, जल एवं स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, बंदरगाह, सड़क और स्टेडियम का निर्माण शामिल है। इसमें समुद्री सुरक्षा, संपर्क व्यवस्था लोगों के मध्य आपसी आदान-प्रदान भी शामिल हैं।

भारत ने जनवरी-फरवरी 2021 में मालदीव को कोविशील्ड टीकों की 200,000 खुराकें भेंट कीं और इससे मालदीव में त्वरित एवं सफल टीकाकरण अभियान के लिए मंच तैयार हुआ। आज, मालदीव में 90% से अधिक टीकाकरण योग्य आबादी का टीकाकरण किया जा चुका है। इससे मालदीव की अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर आने में सहायता मिली है।

भारतीय निर्यात के लिए लगभग 13% बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत मालदीव के दूसरे सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है। जुलाई 2021 में, भारत ने मालदीव को 9 आवश्यक वस्तुओं के प्रतिबंध-रहित निर्यात संबंधी कोटा समझौते को अगले 3 वर्षों के लिए बढ़ा दिया।

भारत की "पड़ोस प्रथम" नीति और मालदीव की "भारत प्रथम" नीति साझा चिंताओं से निपटने और आपसी हितों को आगे बढ़ाने के लिए परस्पर समन्वय में काम करती है।

विदेश मंत्री ने फरवरी 2021 में मालदीव की यात्रा की

म्यांमार

भारत और म्यांमार के सभ्यतागत, ऐतिहासिक और लोगों से लोगों के बीच आपसी संबंध हैं। म्यांमार आसियान के लिए भारत की भू-मार्ग कड़ी है और भारत की "पड़ोस प्रथम" और "एक्ट ईस्ट" नीतियों का एक महत्वपूर्ण घटक है।

भारत ने 1 फरवरी 2021 से म्यांमार के घटनाक्रमों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारत ने लोकतंत्र की बहाली, कानून के शासन को बनाए रखने, राजनीतिक बंदियों की रिहाई और हिंसा की समाप्ति का आह्वान किया है। म्यांमार के लोगों के मित्र के रूप में, भारत ने म्यांमार को मानवीय और विकास सहायता देना जारी रखा है। विदेश सचिव ने दिसंबर 2021 में म्यांमार की दो दिवसीय कार्यकारी यात्रा की।

कोविड से निपटने के लिए म्यांमार को दी गई भारत की कुल द्विपक्षीय चिकित्सा सहायता लगभग 2.3 मिलियन अमरीकी डालर है। इसके अलावा, भारत ने आसियान मानवीय सहायता केंद्र के माध्यम से म्यांमार को 200,000 अमेरिकी डॉलर की चिकित्सा सहायता भी प्रदान की है। भारत ने म्यांमार को 10,000 टन चावल और गेहूं देने की भी घोषणा की है।

नेपाल

भारत और नेपाल के घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनकी विशेषता सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध, एक खुली सीमा और लोगों से लोगों के बीच गहरे संपर्क हैं। 'पड़ोस प्रथम' नीति के अनुरूप, बुनियादी ढांचे के विकास और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, नेपाल के साथ द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर गति बनी हुई है, चाहे वह भौतिक, आर्थिक, ऊर्जा, डिजिटल या सांस्कृतिक संबंध हों।

2021-22 के दौरान, दोनों प्रधानमंत्रियों ने नवंबर 2021 में कॉप26 शिखर सम्मेलन के अवसर पर ग्लासगो, यूके में बैठक के अलावा, दो बार टेलीफोन पर बातचीत की है।

उच्च स्तरीय यात्राओं और विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों की आभासी बैठकों के साथ भारत और नेपाल के बीच संबंध और मजबूत हुए। विदेश मंत्री और नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का ने 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान एक द्विपक्षीय बैठक की। नेपाल के थल सेना प्रमुख जनरल प्रभु शर्मा

ने नवंबर 2021 में भारत की यात्रा की और 2015 में विनाशकारी भूकंप के बाद नेपाल की पुनर्बहाली के सबसे बड़े भागीदार के रूप में भारत के विदेश मंत्री ने 8 दिसंबर 2021 को नेपाल के पुनर्निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएन) में वर्चुअल रूप से अपना संबोधन दिया।

भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। भारत नेपाल के अन्य देशों के साथ लगभग समस्त व्यापार के लिए पारगमन प्रदान करता है। नेपाल को भारत का निर्यात पिछले 10 वर्षों में 8 गुना से अधिक बढ़ा है जबकि नेपाल से निर्यात लगभग दोगुना हो गया है।

कोविड प्रतिबंधों के बावजूद, इस अवधि के दौरान विभिन्न संयुक्त संवाद तंत्र आयोजित किए गए, जिसमें सितंबर 2021 में भूकंप पुनर्निमाण संबंधी संयुक्त परियोजना निगरानी समिति (जेपीएमसी) की बैठक, दोनों देशों के सीमा रक्षक बलों, रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर भारत-नेपाल कार्य समूहों के बीच वार्ता और सितंबर-अक्टूबर 2021 में संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास सूर्य किरण के 15वें संस्करण के अलावा अक्टूबर 2021 में रेलवे सहयोग शामिल है ।

नेपाल को कोविड महामारी की दूसरी लहर से निपटने में मदद करने के लिए, अगस्त 2021 में धरान में बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान में भारत की स्वदेशी तकनीक पर आधारित एक मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया था। इस संयंत्र में नेपाल को मेडिकल ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, एक साथ 200 रोगियों की इलाज करने की क्षमता है। ।

भारत से सहायता प्राप्त विकास परियोजनाओं ने पर्याप्त प्रगति हासिल की। जयनगर (बिहार) से कुर्था (नेपाल) को जोड़ने वाली 34.9 किलोमीटर लंबे सीमा पार रेल लिंक को 22 अक्टूबर 2021 को नेपाल सरकार को सौंप दिया गया और नुवाकोट और गोरखाली जिलों में सभी 50,000 पुनर्निर्मित आवास इकाइयों को 15 नवंबर 2021 को सौंप दिया गया था।

पाकिस्तान

भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसा संबंध चाहता है। भारत का निरंतर दृष्टिकोण यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच यदि कोई मुद्दे हैं, तो उन्हें आतंकवाद और हिंसा से मुक्त वातावरण में द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। इस तरह के अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। पाकिस्तान भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करना जारी रखे हुए है; सामान्य व्यापार, कनेक्टिविटी और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को प्रतिबंधित किया हुआ है; और भारत को बदनाम करने के लिए शत्रुतापूर्ण और मनगढ़ंत प्रचार में शामिल हैं।

वर्ष 2021 में फरवरी में भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच नए सिरे से संघर्ष विराम समझौते के रूप में सकारात्मक विकास हुआ। पहले कुछ महीनों तक आपसी समझबूझ काफी अच्छी तरह से बनी रही, लेकिन पाकिस्तान ने जुलाई 2021 से सीमा पार से घुसपैठ और संघर्ष विराम उल्लंघन की कार्रवाई फिर से तेज कर दी।

वर्ष के दौरान, भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सक्रिय संपर्क के परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र की स्थिति की एक खतरनाक तस्वीर पेश करने; भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और द्विपक्षीय मुद्दों का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। पाकिस्तान को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर समझौता नहीं करेगा और भारत की सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने के सभी प्रयासों से निपटने के लिए दृढ़ और निर्णायक कदम उठाएगा।

कोविड की स्थिति में सुधार को देखते हुए, भारत ने 17 नवंबर 2021 को करतारपुर कॉरिडोर को फिर से खोल दिया। कॉरिडोर के फिर से खुलने के बाद से 1500 से अधिक धार्मिक तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने के लिए करतारपुर कॉरिडोर का उपयोग किया है ।

श्रीलंका

कोविड महामारी से उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद, भारत और श्रीलंका अपने सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए जुड़े रहे।

अक्टूबर 2021 में विदेश सचिव और भारत के थल सेनाध्यक्ष की श्रीलंका यात्रा के साथ उच्च स्तरीय आदान-प्रदान जारी रहा। पुलिस प्रमुखों का संवाद अप्रैल 2021 में; भारतीय और श्रीलंकाई तटरक्षकों के बीच 5वीं उच्च स्तरीय बैठक जून 2021 में; पर्यटन पर संयुक्त कार्यसमूह की बैठक अक्टूबर 2021 में तथा; संयुक्त सैन्य अभ्यास- मित्र शक्ति अक्टूबर 2021 में हुआ। इन उच्च-स्तरीय संस्थागत वार्ताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की गति को बनाए रखा।

भारत और श्रीलंका के बीच एक व्यापक आर्थिक और व्यापार साझेदारी हैं जो लगातार विकसित हो रही है और मजबूत हो रही है। वित्त वर्ष 2021-22 (अप्रैल से सितंबर) के पहले छह महीनों के लिए द्विपक्षीय माल व्यापार 2.44 बिलियन अमरीकी डालर रहा। इन छह महीनों के दौरान, भारत से श्रीलंका को 2.06 बिलियन अमरीकी डॉलर के माल का निर्यात किया गया, जबकि श्रीलंका से भारत का व्यापारिक आयात 0.37 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

भारत ने श्रीलंका को कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में और इसके प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में और श्रीलंका की विकास प्राथमिकताओं में सहायता करना जारी रखा। भारत ने श्रीलंका के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक की विदेशी मुद्रा विनिमय प्रदान की, जो कुल मिलाकर 900 मिलियन अमरीकी डालर हो गई। भारत ने एशियाई अनुमोदन पंचाट के तहत श्रीलंका के 500 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण के पुनर्भुगतान की समय सीमा भी बढ़ा दी।

व्यापार एवं निवेश, रक्षा और संस्कृति के क्षेत्रों में भी सहयोग में वृद्धि देखी गई।

श्रीलंका भारत की "पड़ोस प्रथम" नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) नीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। तदनुसार, 2021-22 में दोनों देशों के बीच संबंधों में सकारात्मक रुझान देखे गए।

हिंद महासागर क्षेत्र

कोविड महामारी के बावजूद हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ भारत का जुड़ाव 2021-22 में निर्बाध रूप से जारी रहा।

कोमोरोस

2021-22 के दौरान भारत-कोमोरोस द्विपक्षीय संबंधों में और अधिक गति आई। विदेश मामले एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री धोइहिर धौलकमल के नेतृत्व में कोमोरोस के 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 3-5 फरवरी 2021 तक बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2021 और आईओआर रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया। इस आयोजन के दौरान, कोमोरोस के विदेश मंत्री ने रक्षा मंत्री जी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। जैसा कि अक्टूबर 2019 में उपराष्ट्रपति की कोमोरोस यात्रा के दौरान घोषणा की गई थी, मार्च 2021 में आईएनएस जलाश्व के द्वारा कोमोरोस को 1000 मीट्रिक टन चावल की एक विशेष खेप पहुंचाई गई। सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान द्वारा 19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2021 तक आयोजित हिंद महासागर क्षेत्र के राजनयिकों के लिए पहले विशेष पाठ्यक्रम में कोमोरोस के बारह राजनयिकों ने भाग लिया था।

मेडागास्कर

भारत-मेडागास्कर संबंध 2021-22 में और प्रगाढ़ हुए। आईएनएस जलाश्व ने मालागासी सशस्त्र बलों को प्रशिक्षित करने के लिए 5 सदस्यीय भारतीय नौसेना मोबाइल प्रशिक्षण दल को लेकर 12-13 मार्च 2021 तक अंतसिरानाना बंदरगाह का दौरा किया। सद्भावना स्वरूप, और सूखे की स्थिति से निपटने के लिए मानवीय सहायता प्रदान करने हेतु मेडागास्कर सरकार द्वारा की गई अपील के प्रत्युत्तर में, मार्च 2021 में आईएनएस जलाश्व के द्वारा मानवीय सहायता के रूप में 1000 टन चावल और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की 100,000 टेबलेट भेजी गईं।

मेडागास्कर के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री, लेफ्टिनेंट जनरल राकोटोनिरिना लियोन जीन रिचर्ड के नेतृत्व में 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 3-5 फरवरी 2021 तक बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2021 और आईओआर रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया। यात्रा के दौरान, मालागासी रक्षा मंत्री ने रक्षा मंत्री जी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के कदमों पर चर्चा की। मेडागास्कर के दस राजनयिकों ने सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान द्वारा 19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2021 तक आयोजित हिंद महासागर क्षेत्र के राजनयिकों के लिए पहले विशेष पाठ्यक्रम में भाग लिया।

मॉरीशस

मॉरीशस के साथ भारत के संबंधों में 2021-22 में और गति आई। विदेश मंत्री ने 22-23 फरवरी 2021 को मॉरीशस की यात्रा की और द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं और मॉरीशस में भारत द्वारा विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की। विदेश मंत्री ने भारत द्वारा मॉरीशस को दी गई सहायता सहित आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। यात्रा के दौरान कई अहम समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यात्रा के दौरान 22 फरवरी 2021 को ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी करार (सीईसीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए। मॉरीशस ने भारत द्वारा उपहार में दिए गए टीकों की 100,000 खुराक के साथ 26 जनवरी 2021 को अपने कोविड टीकाकरण अभियान की शुरुआत की।

भारत की सहायता से क्वाते बॉर्न्स से रोज़ हिल तक मॉरीशस मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना के अगले चरण की शुरुआत प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ द्वारा 20 जून 2021 को की गई। भारतीय नौसेना से मॉरीशस पुलिस बल (एमपीएफ) को लीज पर पैसेंजर वेरियंट डोर्नियर (पीवीडी) विमान को निःशुल्क आधार पर सौंपने और नए पीवीडी के लिए संविदाओं के आदान-प्रदान संबंधी समारोह 13 सितंबर 2021 को एसएसआर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, मॉरीशस में आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने 2 नवंबर 2021 को ग्लासगो में कॉप26 के अवसर पर 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (आईआरआईएस)' पहल का प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त रूप से शुभारंभ किया।

सेशल्स

सेशेल्स के साथ भारत के संबंध 2021-22 में 8 अप्रैल 2021 को हुई भारतीय प्रधानमंत्री और सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन के बीच उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक के साथ और गहरे हुए। इस कार्यक्रम में 3.45 मिलियन अमरीकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता से निर्मित नए मजिस्ट्रेट कोर्ट का संयुक्त ई-उद्घाटन किया गया; 48.9 मीटर फास्ट पेट्रोल वेसल, पीएस जोरोस्टर को सौंपा गया; 1 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र को सौंपा गया और भारतीय अनुदान सहायता के तहत 10 उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) का उद्घाटन किया गया और दोनों नेताओं द्वारा वक्तव्य दिए गए।

सेशेल्स आईओआर क्षेत्र का पहला देश था जिसने 'मेड इन इंडिया' टीके प्राप्त किए थे। भारत ने 22 जनवरी 2021 को सेशेल्स को कोविशील्ड की 50,000 खुराक दान की। 23 अगस्त 2021 को, टेली-एजुकेशन और टेली-मेडिसिन प्रदान करने के लिए एक ई- विद्याभारती और आरोग्यभारती (ई-वीबीएबी) केंद्र स्थापित करने के लिए उपकरण सेशेल्स सरकार को सौंपे गए थे। ।

भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक तथा सरकारी पासपोर्ट धारकों के लिए समेकन सहयोग वीजा छूट करार पर 24 मई 2021 को हस्ताक्षर किए गए।

जनवरी 2021 में भारत द्वारा सेशेल्स को प्रेषित 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन

दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों और ओशिनिया के साथ भारत का जुड़ाव एक्ट ईस्ट पॉलिसी के कार्य ढांचे के तहत होता है। एक्ट ईस्ट पॉलिसी के प्रमुख तत्वों में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर निरंतर जुड़ाव के माध्यम से इस क्षेत्र के देशों के साथ बढ़ते आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों एवं रणनीतिक संबंधों के विकास के साथ 2021-22 में निरंतर गति आती रही।

कोविड की दूसरी लहर के कारण उत्पन्न बाधाओं के बावजूद, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया एवं ओशिनिया के सभी देशों के बीच संबंधों में उतरोत्तर वृद्धि होती रही और उच्च स्तरीय बैठकें वर्चुअल रूप से हुई।

सितंबर 2021 में यूएनजीए, अक्टूबर 2021 में कॉप-26 और जी20 के दौरान उच्च-स्तरीय व्यक्तिगत बैठकें हुईं। भारत और इस क्षेत्र के देशों ने राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक, आर्थिक एवं संस्कृति सहित द्विपक्षीय सहयोग के अन्य पहलुओं की समीक्षा की, और विशेष रूप से महामारी के संदर्भ में आर्थिक पुनरुद्धार का समर्थन करने हेतु साझेदारी के नए अवसरों की खोज करते हुए पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

बहुपक्षीय मंचों पर एक दूसरे के हितों का समर्थन करते हुए, भारत और इस क्षेत्र के देशों ने क्षेत्र में सभी के लिए साझा सुरक्षा, समृद्धि और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता पुनः व्यक्त की। विकास सहयोग, मानव संसाधन विकास एवं क्षमता निर्माण गतिविधियां इस क्षेत्र के देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस क्षेत्र में भारतीय मिशनों और केंद्रों ने नियमित गतिविधियों के अलावा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत कई विशेष कार्यक्रम और क्रियाकलाप आयोजित किए हैं।

भारत को कोविड की दूसरी लहर के दौरान दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और ऑक्सीजन टैंक/सिलेंडर के रूप में समय पर सहायता मिली। इन देशों में प्रवासी भारतीयों ने एक साथ मिलकर भारत को समय पर चिकित्सा आपूर्ति भेजी। जब कुछ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में तीसरी लहर आई, तो भारत ने भी उदारतापूर्वक कार्य करते हुए कोविड से संबंधित दवा और सामग्री के दान और निर्यात की सुविधा प्रदान की।

भारत ने फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन (वीबीएम) के तहत दक्षिण पूर्व एशिया के विभिन्न देशों से सैकड़ों उड़ानें संचालित कीं। इसी तरह, भारत ने भी दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के कई नागरिकों को सुगम वापसी की सुविधा प्रदान की। भारत और इस क्षेत्र के देशों ने एयर बबल व्यवस्था स्थापित करने और वैक्सीन एवं क्वारंटाइन आवश्यकताओं पर परस्पर सहमत प्रोटोकॉल स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

भारत-प्रशांत

2021-22 के दौरान, महामारी द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के बावजूद, भारत ने विभिन्न इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाया। इनमें दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस), हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए), एशिया-यूरोप बैठक (एएसईएम), मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी), अय्यावादी-चाओ फ्राया-मेकांग आर्थिक सहयोग रणनीति (एसीएमईसीएस), और इंडो-पैसिफिक ओसन इनिशिएटिव (आईपीओआई) शामिल हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक होने के कारण इस अवधि के दौरान भू-राजनीतिक चर्चा के केंद्र में रहा। भारत ने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, समुद्री एवं आर्थिक संबंधों सहित जुड़ाव पर और ध्यान देते हुए इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी को सुदृढ़ किया।

आसियान-भारत वरिष्ठ अधिकारियों की 23वीं बैठक वर्चुअल रूप से 28 अप्रैल 2021 को आयोजित की गई। विदेश मंत्री और कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन की सह-अध्यक्षता में 11वीं एमजीसी विदेश मंत्रियों की बैठक, वर्चुअल रूप से 21 जुलाई 2021 को आयोजित की गई थी। यह बैठक एमजीसी की 20 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई। 4 अगस्त 2021 को, विदेश मंत्री ने थाईलैंड के विदेश मंत्री श्री डॉन प्रमुदविनई के साथ आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की। बैठक में कनेक्टिविटी, शिक्षा, क्षमता निर्माण एवं समुद्री सहयोग सहित सभी क्षेत्रों में आसियान और भारत के बीच चल रहे सहयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। इसने आसियान-भारत कार्य योजना (2021-2025) के कार्यान्वयन में प्रगति की भी समीक्षा की और 2022 में आसियान-भारत संबंधों की आगामी 30 वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर चर्चा की।

27 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने ब्रुनेई की मेजबानी में आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। 28 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने आसियान के वर्तमान अध्यक्ष ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्कैया के साथ वर्चुअल रूप से आयोजित 18वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। नेताओं ने आसियान-भारत साझेदारी के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2022 को भारत-आसियान मैत्री वर्ष घोषित किया।

आईओआरए की वार्षिक मंत्रिपरिषद बैठक17 नवंबर, 2021 को ढाका में एक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की गई, जहां बांग्लादेश ने अगले दो वर्षों के लिए यूएई से आईओआरए की अध्यक्षता संभाली। विदेश राज्य मंत्री- राजकुमार रंजन सिंह ने इस बैठक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व किया। "साझा विकास के लिए बहुपक्षवाद को सुदृढ़ करना" विषय के साथ 13 वां एएसईएम शिखर सम्मेलन वर्चुअल रूप से 25-26 नवंबर 2021 तक आयोजित किया गया। उपराष्ट्रपति ने इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

इस क्षेत्र में भारत की भागीदारी एक स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित क्षेत्र के इंडो-पैसिफिक विजन द्वारा निर्देशित है, जोकि 2018 में सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद में प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्त एमएजीएआर- "क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास" की नीति पर आधारित है।

नवंबर 2021 में आयोजित आईओआरए की 21वीं वार्षिक मंत्रिपरिषद की बैठक में विदेश राज्य मंत्री (राजकुमार रंजन सिंह)

पूर्वी एशिया

चीन

पिछले तीन दशकों में, सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति अन्य क्षेत्रों में संबंधों के विकास का आधार बनी हुई है। वर्ष 2020 में जहां भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ थी, वहीं इस वर्ष भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में तनाव भी बढ़ गया।

अप्रैल-मई 2020 से, चीनी पक्ष ने सीमावर्ती क्षेत्रों में और पश्चिमी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ सैनिकों और हथियारों की तैनाती बढ़ा दी है। मई के मध्य से, चीनी पक्ष ने भारत-चीन सीमा क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्र के कई इलाकों में एलएसी को पार करने का प्रयास किया है। इन प्रयासों का भारतीय सशस्त्र बलों ने हमेशा उपयुक्त जवाब दिया है।

विदेश मंत्री ने 16 सितंबर, 2021 को दुशांबे, ताजिकिस्तान में राष्ट्राध्यक्षों की 21वीं एससीओ बैठक के दौरान चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री श्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास पर सीमा पर स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जुलाई 2021 में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक के अवसर पर दोनों की मुलाकात ताजिकिस्तान के दुशांबे में भी हुई थी।

दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि मौजूदा स्थिति को लम्बा खींचना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है क्योंकि इससे संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। दोनों पक्षों के सैन्य और राजनयिक अधिकारी शेष मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने पर चर्चा जारी रखने के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहे हैं।

जापान

इस वर्ष भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय कार्यकलापों में वृद्धि हुई तथा भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूती मिली। महामारी के बावजूद दोनों पक्षों ने वर्चुअल बैठकों और फोन कॉल के माध्यम से संबंधों में गति बनाए रखी। प्रधानमंत्री ने महामारी के प्रबंधन और कोविड के बाद की दुनिया में सहयोग को मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने हेतु 26 अप्रैल 2021 को तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री सुगा से बात की। वाशिंगटन डीसी में 23 सितंबर 2021 को क्वाड लीडर्स समिट के अवसर पर उनकी पहली व्यक्तिगत मुलाकात भी हुई थी।

विदेश मंत्री ने तत्कालीन जापानी विदेश मंत्री मोतेगियो तोशिमित्सु से वर्ष के दौरान कई बार मुलाकात की जिनमें 5 मई 2021 को लंदन में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान; 29 जून 2021 को रोम में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के अवसर पर; और 23 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई मुलाकातें शामिल हैं।

इस वर्ष में द्विपक्षीय सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग को भी और मजबूत किया गया। जापान के आत्मरक्षा बलों और भारतीय सशस्त्र बलों (या एसीएसए) के बीच आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान संबंधी करार, जिस पर 9 सितंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे, 11 जुलाई 2021 को लागू हुआ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने जापान और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्रियों के साथ 27 अप्रैल 2021 को एक वर्चुअल त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय बैठक में औपचारिक रूप से आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन पहल (एससीआरआई) की शुरुआत की।

पहला भारत-जापान पर्यावरण नीति संवाद वर्चुअल प्रारूप में 7 सितंबर 2021 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री और जापान के पर्यावरण मंत्री श्री कोइज़ुमी शिंजिरो के बीच आयोजित किया गया था।

कनेक्टिविटी परियोजनाओं के माध्यम से भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम के तहत संयुक्त प्रयास जारी रहे।

इस वर्ष दोनों देशों के आपसी आदान-प्रदान के विस्तार पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया गया। 27 जून 2021 को, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अहमदाबाद प्रबंधन संघ (एएमए) में एक ज़ेन गार्डन और काइज़न अकादमी का उद्घाटन किया।

कोरिया गणराज्य (आरओके)

भारत और कोरिया गणराज्य ने विशेष सामरिक साझेदारों के रूप में 2021-22 में उच्च स्तरीय भागीदारी जारी रखी। विदेश मंत्री ने मार्च 2021 में कोरिया गणराज्य के अपने समकक्ष चुंग यूई-योंग के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके बाद सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में यूएनजीए के अवसर पर उनकी मुलाकात हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने अक्टूबर 2021 में इटली में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के अवसर पर कोरिया गणराज्य के व्यापार मंत्री येओ हांकू के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पर्यावरण मंत्री ने नवंबर 2021 में कॉप26 के मौके पर ग्लासगो में कोरिया गणराज्य के अपने समकक्ष हान जोंग-ए से मुलाकात की। रक्षा राज्य मंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से दिसंबर 2021 में सियोल में आयोजित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के प्रति भारत का संकल्प प्रस्तुत किया।

कोरिया गणराज्य के रक्षा मंत्री सुह वूक ने मार्च 2021 में भारत की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान दिल्ली में भारत-कोरिया मैत्री उद्यान का उद्घाटन किया गया।

कोरिया डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक

दिसंबर 1973 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से, भारत और डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण रहे हैं। भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और स्थिरता लाने के प्रयासों का लगातार समर्थन करता रहा है।

मंगोलिया

वर्ष 2021 में भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों की 66 वीं वर्षगांठ मनाई गई, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने लगातार आदान-प्रदान बनाए रखा और उच्च स्तर पर व्यक्तिगत रूप से बातचीत फिर से शुरू की। विदेश मंत्री ने मंगोलियाई विदेश मंत्री बत्त्सेत्सेग बतमुंख के साथ 12 अक्टूबर 2021 को कजाख़स्तान में सीआईसीए के विदेश मंत्रियों की छठी बैठक के दौरान द्विपक्षीय बैठक की। दोनों विदेश मंत्रियों की 03 नवंबर 2021 को ग्लासगो में कॉप26 शिखर सम्मेलन के दौरान फिर से कुछ समय के लिए मुलाकात हुई। विदेश राज्य मंत्री -राजकुमार रंजन सिंह ने 23-26 नवंबर 2021 तक मंगोलिया की आधिकारिक यात्रा की, जो कोविड महामारी के प्रकोप के बाद से भारत से मंगोलिया की पहली आधिकारिक यात्रा थी।

खाड़ी और पश्चिम एशिया

खाड़ी

भारत और खाड़ी देशों के बीच ऐतिहासिक और भाईचारे पर आधारित संबंध भारत की 'थिंक वेस्ट' नीति के अनुरूप सभी क्षेत्रों में गहरे और मजबूत होते रहे हैं। दोनों पक्षों ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए घनिष्ठ सहयोग किया है।

भारत में दूसरी कोविड लहर के दौरान, खाड़ी देशों ने भारत को ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा आपूर्ति के रूप में त्वरित और महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। उन्होंने कोविड टीकों के प्रावधान सहित अपने-अपने देशों में भारतीय समुदाय की देखभाल करना भी जारी रखा। भारत और खाड़ी देशों ने कोविड के कारण यात्रा प्रतिबंधों को कम करने के लिए भी मिलकर काम किया ताकि लोग व्यापार, रोजगार, परिवार या पर्यटन उद्देश्यों के लिए दोनों देशों की यात्रा कर सकें।

वर्चुअल बैठकों और व्यक्तिगत यात्राओं दोनों के माध्यम से खाड़ी देशों के नेताओं के साथ भारत की घनिष्ठ बातचीत भी जारी रही। प्रधानमंत्री ने 2021 के दौरान कई खाड़ी नेताओं से बात की और पत्रों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री ने अपने समकक्षों और अन्य मंत्रियों के साथ बातचीत करने के लिए अप्रैल, नवंबर और दिसंबर 2021 में यूएई, जून 2021 में कुवैत और जून 2021 में कतर (पारगमन पर) की यात्रा की। विदेश मंत्री ने विभिन्न बहुपक्षीय बैठकों के दौरान बहरीन, इराक, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब और यमन के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की।

विदेश राज्य मंत्री -श्री वी.मुरलीधरन ने अगस्त-सितंबर 2021 में बहरीन की यात्रा की, शाह और क्राउन प्रिंस/प्रधानमंत्री और कई अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। भारत ने अप्रैल 2021 में बहरीन और सितंबर 2021 में सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ नवंबर 2021 में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव की यात्राओं की मेजबानी की।

हालांकि कोविड महामारी ने भारत और खाड़ी देशों के बीच व्यापार को प्रभावित किया, लेकिन इन देशों के मध्य यह आपसी विश्वास है कि व्यापार सामान्य स्तर पर वापस आ जाएगा और कोविड के पश्चात व्यापार में फिर से उन्नति होगी। भारत खाड़ी देशों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना रहा। दोनों पक्षों ने ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करने के लिए नए परिदृश्यों पर भी ध्यान दिया।

व्यापार एवं निवेश पक्ष का एक प्रमुख आकर्षण सितंबर 2021 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) वार्ता का शुरू किया जाना था। साथ ही, जीसीसी महासचिव की भारत यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार करार पर बातचीत की। शुरुआत में उनके आर्थिक संबंधों के सभी पहलुओं की जांच हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया॥

ईरान

ईरान के साथ भारत के संबंध अनूठे और ऐतिहासिक हैं। ईरान एक महत्वपूर्ण भागीदार और घनिष्ठ पड़ोसी है। 2021-22 के दौरान द्विपक्षीय कार्यकलापों में बढोतरी हुई। विदेश मंत्री ने दो बार तेहरान की यात्रा की और ईरानी नेतृत्व के साथ उपयोगी बैठकें कीं।

दोनों देशों ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी भागीदारी जारी रखी, और स्वास्थ्य संबंधी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की एक बैठक अप्रैल 2021 में आयोजित की गई। भारत ने ईरान में अफगान शरणार्थियों के लिए कोविड टीके उपहार स्वरूप दिए।

इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनसीटीसी) के साथ शाहिद बेहेस्ती टर्मिनल, चाबहार पोर्ट के विकास सहित क्षेत्रीय संपर्क के क्षेत्र में सहयोग जारी रहा। बंदरगाहों और समुद्री सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह की बैठक जुलाई 2021 में हुई।

पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (वाना)

कोविड की बाधाओं के बावजूद, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (वाना) क्षेत्र के देशों के साथ भारत के संबंधों में गति बनी रही। फोन कॉल्स, वर्चुअल बैठकों और यात्राओं के माध्यम से-विभिन्न स्तरों पर उच्च-स्तरीय बातचीत से इन देशों के साथ कार्यकलापों में गति बनी रही।

प्रधानमंत्री ने 2 नवंबर 2021 को ग्लासगो में कॉप26 जलवायु शिखर सम्मेलन के मौके पर इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 17-21 अक्टूबर 2021 तक इजरायल की द्विपक्षीय यात्रा की। उन्होंने सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में 76वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर सीरिया, मिस्र और अल्जीरिया के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने जॉर्डन के विदेश मंत्री से भी दो बार मुलाकात की और मोरक्को और सूडान के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की।

भारत और इज़राइल 29 जनवरी 2022 से राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं, इस तारीख को 1992 में आधिकारिक तौर पर यह घोषणा की गई थी।

पिछले साल कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से, भारत और वाना क्षेत्र के बीच सहयोग उच्चतम स्तर पर है। भारत ने वाना क्षेत्र के देशों को टीके, दवा और उपकरण प्रदान किए। इस साल भारत में कोविड की दूसरी लहर के दौरान, इज़राइल और मिस्र जैसे देश भारत के साथ खड़े रहे और ऑक्सीजन जनरेटर, सिलेंडर, वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा सामग्री भेजी।

भारत और मोरक्को की सह-अध्यक्षता में अरब-भारत ऊर्जा मंच का पहला संस्करण वर्चुअल प्रारूप में 8-9 जून 2021 तक आयोजित किया गया। फोरम के उद्घाटन सत्र को भारत के विद्युत, नवीन एव नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), और मोरक्को के ऊर्जा, खान एवं पर्यावरण मंत्री द्वारा संबोधित किया गया था।

इस अवधि के दौरान, औपचारिक तंत्रों, यात्राओं, अनौपचारिक संवादों, संयुक्त अभ्यास आदि के माध्यम से खाना देशों के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत किया गया।

जून 2021 में भारत और मोरक्को अधिराज्य की सह-अध्यक्षता में आयोजित अरब-भारत ऊर्जा मंच की प्रथम बैठक

अफ्रीका

मध्य और पश्चिम अफ्रीका

इस क्षेत्र में पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका के 25 देश शामिल हैं। यह क्षेत्र अफ्रीका की सबसे बड़ी आबादी वाला क्षेत्र है और ऊर्जा, संसाधनों और खनिजों के वृहत भंडारों के साथ सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 18% इसी क्षेत्र से प्राप्त करता है। सभी 25 पश्चिमी अफ्रीकी देशों ने संयुक्त राष्ट्र और संबंधित अंतरराष्ट्रीय निकायों में विभिन्न चुनावों में भारत की उम्मीदवारी का लगातार समर्थन किया है।

वर्ष के दौरान, कोविड के कारण यात्रा प्रतिबंधों के बावजूद, भारत और मध्य एवं पश्चिम अफ्रीकी देशों के बीच विकास और प्रगति की भावना बनी रही। यह क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और 2014 से इस क्षेत्र के साथ द्विपक्षीय व्यापार में धीरे-धीरे 13% की वृद्धि हुई है। वर्ष 2020-21 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 23.89 बिलियन अमरीकी डालर का था।

भारत वर्तमान में अफ्रीका के लिए टेली-एजुकेशन और टेली-मेडिसिन के क्षेत्र में ई-विद्या भारती आरोग्य भारती नेटवर्क प्रोजेक्ट (ई-वीबीएबी) नामक एक प्रमुख परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। अब तक 19 अफ्रीकी देशों ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और परियोजना में भाग ले रहे हैं। ऑनलाइन स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए नामांकन फरवरी 2020 से शुरू हो गया है, और अब तक 3 शैक्षणिक सत्रों में 3570 छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई है।

यात्रा प्रतिबंधों से भारत की अफ्रीका आउटरीच पॉलिसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि भारत इस क्षेत्र के देशों के साथ अपने निर्धारित कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए वर्चुअल प्रारूप में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। विदेश मंत्री ने कई देशों के अपने समकक्षों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। विदेश राज्य मंत्री -श्री वी.मुरलीधरन ने जनवरी 2021 में घाना, नवंबर 2021 में सेनेगल और नवंबर 2021 में गाम्बिया का दौरा किया और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और उच्च पदस्थ नेताओं से मुलाकात की।

वर्ष के दौरान दो और मिशनों - मॉरिटानिया और लाइबेरिया की शुरुआत के साथ भारत ने अफ्रीका में अपनी राजनयिक उपस्थिति बढ़ाई। गिनी बिसाऊ और काबो वर्डे में राजनयिक मिशन जल्द ही खोले जाने की संभावना है, जिसके लिए अपेक्षित अनुमोदन पहले ही प्राप्त कर लिया गया है।

भारत ने विभिन्न प्रकार के ऋण सहायताओं की घोषणा करते हुए अफ्रीका के साथ अपने विकास साझेदारी सहयोग को जारी रखा। भारत ने मित्र अफ्रीकी देशों के 18 देशों को भारत में निर्मित 10 मिलियन कोविड टीके प्रदान करके महामारी पर काबू पाने में सहायता की।

पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका

भारत ने 2021-22 के दौरान पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के सभी देशों के साथ अपने बहुआयामी और जीवंत संबंध बनाए रखे। इस क्षेत्र में सभी देशों के साथ जुड़ाव और द्विपक्षीय सहयोग ने संबंधों को घनिष्ठ बनाया और नई ऊर्जा प्रदान की।

यूरेशिया

2021-22 में, महामारी के नकारात्मक प्रभावों के बावजूद रूस और यूरेशियन क्षेत्र के अन्य देशों के साथ भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ संबंधों में सतत विकास हुआ। संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एससीओ, जी-20, सीआईसीए जैसे मंचों और भारत-मध्य एशिया वार्ता जैसी पहलों के माध्यम से बहुपक्षीय व्यवस्थाओं के तहत गहन भागीदारी से द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती मिली।

भारत की विदेश नीति में रूस की विशेष भूमिका 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की सफल यात्रा और विदेश एवं रक्षा मंत्रियों के बीच भारत-रूस 2+2 संवाद के आयोजन और साथ ही 6 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 20वीं बैठक से स्पष्ट होती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने 2021 में रूस के राष्ट्रपति के साथ दो बार टेलीफोन पर बातचीत की।

वर्ष के दौरान, भारत और रूस के बीच मंत्रिस्तरीय और वरिष्ठ आधिकारिक स्तरों पर नियमित रूप से उच्च स्तरीय आदान-प्रदान हुआ, जिसमें कई वर्चुअल बैठकें भी शामिल थीं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 5-6 अप्रैल 2021 को भारत की आधिकारिक यात्रा की, जबकि विदेश मंत्री ने 6-7 जुलाई 2021 तक रूस की यात्रा की। रूसी संघ की सुरक्षा परिषद के सचिव ने अफगानिस्तान संबंधी उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी परामर्श के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ 7-8 सितंबर 2021 तक, और फिर 10 नवंबर 2021 को अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता के लिए भारत की यात्रा की। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने छठे पूर्वी आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए 1-5 सितंबर 2021 तक रूस की यात्रा की। इस्पात मंत्री ने 14-15 अक्टूबर 2021 तक 'रूसी ऊर्जा सप्ताह' में भाग लेने के लिए मास्को की यात्रा की।

यूरेशियाई क्षेत्र के देशों के साथ सक्रिय भागीदारी रही। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ बहुपक्षीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, उज्बेकिस्तान, आर्मेनिया और जॉर्जिया का दौरा किया। विदेश मंत्री ने 9-10 जुलाई 2021 को जॉर्जिया की अपनी यात्रा के दौरान सेंट क्वीन केतेवन के पवित्र अवशेष को जॉर्जियाई पक्ष को सौंप दिया। उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री व्लादिमीर नोरोव ने 24-25 फरवरी 2021 को नई दिल्ली की यात्रा की। विदेश राज्य मंत्री -श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने 23-26 सितंबर 2021 तक उज़्बेकिस्तान की यात्रा की। सभी मध्य एशियाई देशों की सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने 10 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में अफगानिस्तान संबंधी दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद में भाग लिया। भारत-मध्य एशिया वार्ता की तीसरी बैठक नई दिल्ली में 19 दिसंबर 2021 को विदेश मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में कजाकिस्तान गणराज्य, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया।

वर्ष के दौरान, किर्गिज़ गणराज्य और तुर्कमेनिस्तान के साथ उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री ने 2 नवंबर 2021 को यूके के ग्लासगो में कॉप-26 के मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने फरवरी 2021 में बेंगलुरु में आयोजित एयरो-इंडिया एक्सपो के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

प्रधानमंत्री ने 27 जनवरी 2022 को पहली बार भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन की वर्चुअल रूप से मेजबानी की, जिसमें कजाकिस्तान गणराज्य, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपतियों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था।

दिसंबर 2021 में भारत-रूस 2+2 वार्ता में विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री अपने रूसी समकक्षों के साथ

यूरोप और यूरोपीय संघ

2021-22 में मध्य यूरोप (सीई) के देशों के साथ भारत के संबंध निरंतर आगे बढ़ते रहे और सौहार्द एवं प्रगति इसकी विशेषता रही। सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित, मध्य यूरोपीय देशों के साथ हमारे संबंध किसी भी अड़चन से मुक्त रहे हैं । भारत को विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर इन देशों से समर्थन मिला है। यूरोपीय संघ के तहत, मध्य यूरोप के देश एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मध्य यूरोप के तहत क्षेत्रीय समूह जैसे वाइजग्रेड समूह (चेक गणराज्य, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया) और नॉर्डिक समूह (स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड) भी भारत के साथ बहुपक्षीय आदान- प्रदान के लिए मंच प्रदान करते हैं। विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, सर्कुलर अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटलीकरण के क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के नए अवसरों ने पारंपरिक रूप से घनिष्ठ संबंधों को गति प्रदान की है।

2021-22 में कोविड महामारी के कारण लगे प्रतिबंधों के बावजूद उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान जारी रहा। भारत-स्वीडन वर्चुअल शिखर सम्मेलन की बैठक 5 मार्च 2021 को प्रधानमंत्री और स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के बीच हुई, जहाँ द्विपक्षीय और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत-स्वीडन की संयुक्त पहल, लीडरशिप ग्रुप ऑन इंडस्ट्री ट्रांजिशन (लीडआईटी) में वर्ष के दौरान विस्तार होता रहा। यूएसए के अप्रैल 2021 में लीडआईटी में शामिल होने के साथ, वर्तमान में इसके 35 सदस्य हैं जिनमें 16 देश और 19 कंपनियां शामिल हैं।

भारत के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के प्रधानमंत्री सना मारिन के बीच भारत-फिनलैंड वर्चुअल शिखर सम्मेलन की बैठक 16 मार्च 2021 को हुई। शिखर सम्मेलन के दौरान, दोनों नेताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5G/6G, और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में संबंधों को और विस्तार और विविधता प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की।

कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद किसी शासनाध्यक्ष की भारत की पहली यात्रा के लिए, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन 9-11 अक्टूबर 2021 तक भारत में राजकीय यात्रा के लिए आई। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप में प्रगति की समीक्षा की और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग का और विस्तार करने के लिए सहमत हुए जिसमें खाद्य सुरक्षा, कोल्ड चेन, खाद्य प्रसंस्करण, उर्वरक, मत्स्य पालन, जलीय कृषि आदि शामिल हैं। उन्नत जल संसाधन प्रबंधन, अपशिष्ट से श्रेष्ठ संसाधनों का निर्माण, जैसे सहयोग के नए क्षेत्र और कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की भी पहचान की गई।

एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में, 21 वर्षों के अंतराल के बाद, प्रधानमंत्री ने 30 अक्टूबर 2021 को वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में निजी तौर पर परम पावन पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने कोविड और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों पर चर्चा की॥ पोप ने महामारी के दौरान जरूरतमंद देशों को भारत द्वारा दी गई सहायता की सराहना की।

2021 के दौरान, विदेश मंत्री ने ग्रीस, स्लोवेनिया, डेनमार्क और क्रोएशिया का दौरा किया और पारस्परिक हित के मुद्दों पर अपने समकक्षों के साथ व्यापक परामर्श किया। विदेश मंत्री ने स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, चेक गणराज्य, साइप्रस, एस्टोनिया, फिनलैंड, नॉर्वे और पोलैण्ड के अपने समकक्षों के साथ वर्चुअल और टेलीफोनिक परामर्श भी किया ।

सर्बिया के विदेश मंत्री निकोला सेलाकोविच ने 19-20 सितंबर 2021 को सर्बिया के राष्ट्रपति के विशेष दूत के रूप में भारत की आधिकारिक यात्रा की। विदेश राज्य मंत्री-मीनाक्षी लेखी ने 11-12 अक्टूबर 2021 को बेलग्रेड में आयोजित गुटनिरपेक्ष आंदोलन की 60 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उच्च स्तरीय स्मारक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने ने 28-30 सितंबर 2021 तक स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा भी की।

2 जुलाई 2021 को, विदेश राज्य मंत्री-वी. मुरलीधरन ने स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्रालय के राज्य सचिव, इंग्रिड ब्रोकोवा के साथ वर्चुअल परामर्श किया। 1 जुलाई 2021 को, उन्होंने रोमानिया, मोल्दोवा और अल्बानिया में भारतीय समुदाय के साथ वर्चुअल बातचीत की।

मध्य यूरोप के कई देशों ने कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। महामारी के बाद वैश्विक आर्थिक सुधार और टीकाकरण प्रयासों के संबंध में आधिकारिक स्तर पर भी आदान-प्रदान हुआ।

कोविड द्वारा उत्पन्न बाधाओं के बावजूद 2021-22 में पश्चिम यूरोपीय देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के संबंधों में एक नई गति देखी गई, जिसमें कई उच्च-स्तरीय बैठकें और शिखर सम्मेलन हुए। इनमें अप्रैल 2021 में नीदरलैंड के साथ वर्चुअल शिखर सम्मेलन और मई 2021 में यूनाइटेड किंगडम और मई 2021 में पहली भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक शामिल है। प्रधानमंत्री ने जी20 और कोप26 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए क्रमशः रोम (अक्टूबर 2021) और ग्लासगो (अक्टूबर-नवंबर 2021) की भी यात्रा की जहां उन्होंने यूके, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली सहित पश्चिमी यूरोपीय देशों के कई नेताओं सहित यूरोपीय संघ परिषद और यूरोपीय संघ आयोग के अध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की।

वैक्सीन और वैक्सीन प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता सहित कोविड से संबंधित काफी बेहतर सहयोग रहा। यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्र और यूके, भारत में कोविड की दूसरी लहर के संकट पर सबसे पहले सहायता देने वालों में थे, जिन्होंने तुरंत ऑक्सीजन कंसंटेटर और वेंटिलेटर सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की।

जनवरी 2022 में यूके के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के औपचारिक शुभारंभ और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार एवं निवेश समझौतों पर वार्ता की बहाली के साथ आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा दी गई थी। नीदरलैंड के साथ जल संबंधी रणनीतिक साझेदारी, इटली के साथ ऊर्जा ट्रांसमिशन पर रणनीतिक साझेदारी और यूरोपीय संघ के साथ कनेक्टिविटी साझेदारी के शुभारंभ के साथ क्षेत्र विशिष्ट रणनीतिक सहयोग को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया गया था।

सहयोग के नए और उभरते क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, डिजिटल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। भारत ने यूके के साथ एमएमपी पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, पुर्तगाल के साथ श्रम गतिशीलता पर करार और फ्रांस के साथ एमएमपी करार के अनुसमर्थन के साथ प्रवासन गतिशीलता भागीदारी (एमएमपी) को भी सफलतापूर्वक संपन्न किया।

अमेरिका

संयुक्त राज्य अमरीका

भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को 2021 में विभिन्न क्षेत्रों में नियमित और व्यापक संवाद, बातचीत एवं सहयोग के माध्यम से समेकित तथा मजबूत किया गया था। दोनों पक्षों की ओर से यात्राएं होती रहीं और पूरे कोविड महामारी के दौरान द्विपक्षीय एजेंडा की गति को बनाए रखा गया।

जोसेफ बाइडन के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के बाद, नए अमेरिकी प्रशासन के साथ फोन पर बातचीत और यात्राओं के माध्यम से उत्कृष्ट प्रारंभिक संपर्क बनाया गया। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा मंत्री, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, जलवायु संबंधी राष्ट्रपति के विशेष दूत और उप विदेश मंत्री ने 2021-22 में भारत की यात्रा की। भारत की ओर से विदेश मंत्री और वित्त मंत्री, विदेश सचिव तथा रक्षा सचिव ने अमेरिका की यात्रा की।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडन के साथ अपनी पहली व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक के लिए 22-25 सितंबर 2021 तक अमेरिका की यात्रा की। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन द्वारा बुलाई गई क्वाड लीडर्स समिट में भी भाग लिया।

प्रगति की समीक्षा करने तथा आगे की कार्ययोजना बनाने के उद्देश्य से कई द्विपक्षीय तंत्रों की बैठक बुलाए जाने के साथ भारत-अमेरिका रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को और दृढ़ किया गया। 2021 में आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों में पुनः मजबूती आई। महामारी संबंधी यात्रा प्रतिबंधों के बावजूद, विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय कार्यात्मक सहयोग आगे बढ़ा। लोगों से लोगों के बीच संबंधों ने अपनी जीवंतता बनाए रखी क्योंकि अमेरिका भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए एक पसंदीदा स्थान बना हुआ है।

2021 में भारत में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान, अमेरिका भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा था और कोविड प्रसार से निपटने के प्रयासों को मजबूत करने के लिए समय पर और पर्याप्त स्वास्थ्य सहायता प्रदान की।

कनाडा

भारत और कनाडा की रणनीतिक साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुलवाद और कानून के शासन के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। हमारा द्विपक्षीय एजेंडा, आर्थिक जुड़ाव, नियमित बातचीत और लंबे समय से दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों के विस्तार पर आधारित है। हालांकि कोविड महामारी के कारण मंत्रिस्तरीय या आधिकारिक यात्राएं नहीं की जा सकी, वर्चुअल बातचीत ने द्विपक्षीय कार्यकलापों की निरंतरता को बनाए रखा।

फरवरी 2021 में, प्रधानमंत्री ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से कनाडा के लिए भारत के कोविड टीकों की आवश्यकता के संदर्भ में फोन पर बात की।

विदेश मंत्री ने 27 अप्रैल 2021 और 1 सितंबर 2021 को कनाडा के विदेश मंत्री मार्क गार्नेउ के साथ फोन पर बात की। उन्होंने 5 मई 2021 को एक वर्चुअल बैठक की और जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान 29 जून 2021 को इटली के मटेरा में उनकी मुलाकात हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, निर्यात संवर्धन, लघु व्यवसाय एवं आर्थिक विकास मंत्री मैरी एनजी से 11 अक्टूबर 2021 को सोरेंटो, इटली में जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान मुलाकात की।

1 अप्रैल 2021 से 31 अगस्त 2021 तक द्विपक्षीय व्यापार 2.968 बिलियन अमरीकी डॉलर का था। इस अवधि के दौरान कनाडा को भारत का निर्यात 1.982 बिलियन अमरीकी डॉलर और कनाडा से आयात 0.985 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इस अवधि के दौरान कनाडा से भारत में पोर्टफोलियो निवेश में वृद्धि हुई। दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) और द्विपक्षीय निवेश संवर्धन और संरक्षण करार (बीआईपीपीए) के लिए बातचीत जारी रखी।

दोनों देशों के बीच ज्ञान और प्रतिभा का सशक्त आदान-प्रदान है, भारत विदेशी छात्रों का शीर्ष स्रोत बनने की ओर अग्रसर है, जिसके तहत 230,000 भारतीय छात्र कनाडा में पढ़ रहे हैं। कोविड महामारी के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की सहायता की। भारत ने कनाडा को कोविशील्ड वैक्सीन, पैरासिटामोल और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवाओं की आपूर्ति की। अप्रैल-मई 2021 के दौरान, कनाडा ने महत्वपूर्ण दवाओं और ऑक्सीजन से संबंधित उपकरणों की आपूर्ति की।

लैटिन अमेरिका और कैरेबियन

वर्ष के दौरान लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन (लैक) क्षेत्र भारतीय विदेश नीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना रहा। वैश्विक महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने लैक देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत और विविधतापूर्ण बनाने के अपने प्रयास जारी रखे। विदेश मंत्री ने 26-28 सितंबर 2021 तक मेक्सिको की आधिकारिक यात्रा की। उन्होंने अन्य विश्व नेताओं के साथ मैक्सिकन स्वतंत्रता के एकीकरण की 200वीं वर्षगांठ के स्मारक कार्यक्रमों में भाग लिया। यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने मैक्सिकन विदेश मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और मेक्सिको के राष्ट्रपति मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर से भी मुलाकात की तथा देश के प्रमुख सीईओ और व्यापारिक समुदाय के साथ बातचीत की। मेक्सिको, लैटिन अमेरिका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और 2021-22 की अवधि के लिए भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है।

न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान, विदेश मंत्री ने 21 सितंबर 2021 को डोमिनिकन गणराज्य के विदेश मंत्री रॉबर्टो अल्वारेज़ के साथ, 22 सितंबर 2021 को चिली के विदेश मंत्री आंद्रेज अल्लामंद के साथ, 25 सितंबर 2021को, कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मामलों की मंत्री मार्ता लूसिया रामिरेज़, वेनेजुएला के विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेनिया और निकारागुआ के विदेश मामलों के मंत्री डेनिस मोंकाडा कोलिंड्रेस के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें की। इससे पहले विदेश मंत्री ने 30 जून 2021 को जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ अर्जेंटीना के विदेश मंत्री फेलिप सोला से इटली के मटेरा में, निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोंकाडा कोलिंड्रेस और बोलीविया के विदेश मंत्री रोगेलियो मायटा से तेहरान में अगस्त 2021 में मुलाकात की। बैठकों के दौरान व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, ऊर्जा, अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई ।

विदेश राज्य मंत्री- वी. मुरलीधरन ने 4-6 जुलाई 2021 तक ग्वाटेमाला की आधिकारिक यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति एलेजांद्रो जियामाटेई से मुलाकात की एवं ग्वाटेमाला के विदेश मंत्री पेड्रो ब्रोलो से भी मिले और द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा और क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। विदेश राज्य मंत्री-मीनाक्षी लेखी ने 4-6 सितंबर 2021 तक कोलंबिया की आधिकारिक यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ के साथ चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ ने 1-3 अक्टूबर 2021 तक भारत की यात्रा की और भारत के उपराष्ट्रपति और विदेश राज्य मंत्री-मीनाक्षी लेखी के साथ उपयोगी बैठकें की। सचिव (पूर्व) ने 5 मई 2021 को ग्वाटेमाला के साथ दूसरे विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में और 7 मई 2021 को कोलंबिया के साथ नौवें एफओसी में वर्चुअल प्रारूप में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने 14 सितंबर 2021 को एफओसी के 7वें दौर का आयोजन करने के लिए चिली, 16 और 17 सितंबर 2021 को एफओसी के तीसरे दौर के आयोजन के लिए कोस्टा रिका और अल सल्वाडोर का भी दौरा किया। इन परामर्शों ने समूचे द्विपक्षीय सहयोग की व्यापक समीक्षा करने का अवसर प्रदान किया जिसमें राजनीतिक, व्यापार एवं आर्थिक सहयोग, कृषि, अंतरिक्ष, ऊर्जा, स्वास्थ्य तथा फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, विकास साझेदारी, खेल एवं संस्कृति, और क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करना शामिल है।

भारत@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोहों के भाग के रूप में, लैक क्षेत्र में भारतीय मिशनों ने स्थानीय कला और संस्कृति केंद्रों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने पर सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इन गतिविधियों में योग संबंधी सेमिनार और प्रदर्शनी तथा महात्मा गांधी के जन्म की 152वीं वर्षगांठ से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

बिम्सटेक और सार्क

भारत सार्क और बिम्सटेक दोनों का संस्थापक सदस्य है। सार्क और बिम्सटेक के तहत गतिविधियां भारत की 'पड़ोस प्रथम' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों की पूरक हैं। विशेष रूप से, इस वर्ष 14वें सार्क महासचिव एसाला रुवान वीराकून ने भारत की यात्रा की। सार्क वित्त मंत्रियों की 16वीं अनौपचारिक बैठक भी 5 मई 2021 को वर्चुअल रूप में "कोविड के पश्चात अर्थव्यवस्था में सुधार: समावेशी और अनुकूलित विकास की ओर" विषय पर आयोजित की गई थी। 17वीं बिम्सटेक मंत्रिस्तरीय बैठक वर्चुअल रूप में सभी बिम्सटेक सदस्य राष्ट्रों की भागीदारी के साथ 1 अप्रैल 2021 को आयोजित की गई थी। जून 2021 में भारत के मंत्रिमंडल ने अगले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में चार्टर पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी।

नालंदा विश्वविद्यालय

नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना नवंबर 2010 में संसद के एक अधिनियम द्वारा बौद्धिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अध्ययन के एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में उभरने के उद्देश्य से की गई थी। नालंदा विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर अधिक ध्यान देने के साथ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया गया है।

वर्ष के दौरान, नालंदा विश्वविद्यालय ने भौतिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ अकादमिक कार्यक्रमों, के संदर्भ में भी लगातार प्रगति की। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 31 देशों के 173 छात्रों सहित 736 छात्र हैं, और 18 विदेशी संकाय सहित 45 संकाय सदस्य हैं।

वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय ने अपने परिसर को प्रभावी रूप से एक नेट-जीरो स्थायी पर्यावरण अनुकूलन परिसर भी बनाया। इस नेट ज़ीरो परिसर को विकसित करने के लिए प्रमुख सतत सुविधाओं में नेट जीरो ऊर्जा, नेट जीरो पानी, नेट जीरो अपशिष्ट और नेट जीरो उत्सर्जन शामिल हैं।

आतंकवाद का मुकाबला

दुनिया भर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों को देखते हुए, आतंकवाद का मुकाबला करने के मुद्दे को 2021 के दौरान सभी स्तरों पर विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में प्रमुखता से उठाया गया। इस तरह की सभी वार्ताओं के दौरान, भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा

की और वैश्विक तथा क्षेत्रीय स्तर पर आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वर्ष के दौरान, कोविड महामारी के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, भारत ने मालदीव, अमेरिका और फ्रांस जैसे साझेदार देशों के साथ आतंकवाद रोध संबंधी संयुक्त कार्य समूहों (जेडब्ल्यूजी-सीटी) के तंत्रों के माध्यम से संरचित परामर्श जारी रखा। भारत ने ब्रिक्स आतंकवाद रोध कार्य समूह और उप समूहों की बैठकों की भी अध्यक्षता की। भारत ने आतंकवाद का मुकाबला करने से संबंधित मुद्दों पर एफएटीएफ, जीसीटीएफ, यूएन और विभिन्न अन्य क्षेत्रीय और बहुपक्षीय संगठनों की बैठकों में भी भाग लिया।

नीति योजना और अनुसंधान (पीपी एंड आर)

नीति योजना और अनुसंधान (पीपी एंड आर) प्रभाग, मध्यावधि नीति नियोजन तथा सामरिक और शैक्षणिक समुदाय के साथ सार्वजनिक कूटनीतिक पहल करने के लिए मंत्रालय का नोडल प्रभाग है। यह प्रभाग विदेश नीति के मुद्दों पर नियमित आधार पर मंत्रालय के लिए आंतरिक नीति विश्लेषण करता है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर साझा समझ विकसित करने के लिए विदेशी समकक्षों के नीति नियोजन ब्यूरो के साथ नीति नियोजन संवाद आयोजित करता है।

वर्ष के दौरान, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, पोलैंड और ब्रिक्स देशों के साथ वर्चुअल नीति नियोजन संवाद किए गए। रूस के साथ व्यक्तिगत बातचीत हुई। जापान, अमेरिका, यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश के साथ ट्रैक 1.5/2 के कई संवाद सुविधाजनक बनाए गए।

प्रबुद्ध मंडलों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ नियमित और संरचित बातचीत हुई। प्रमुख सम्मेलनों - रायसीना संवाद, ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट (जीटीएस) और एशियन इकोनॉमिक डायलॉग हाइब्रिड / वर्चुअल फॉर्मेट में आयोजित किए गए, जिसमें कोविड महामारी के चलते डिजिटल तकनीकों को अपनाया गया।

रायसीना संवाद का छठा संस्करण पूरी तरह से वर्चुअल प्रारूप में 13-16 अप्रैल 2021 तक आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 13 अप्रैल को एक वीडियो संदेश के माध्यम से संवाद का उद्घाटन किया। रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे और डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिकसेन मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने दिसंबर 2021 में जीटीएस-2021 को वर्चुअल रूप में संबोधित किया। हिंद महासागर सम्मेलन दिसंबर 2021 में अबू धाबी में व्यक्तिगत रूप से आयोजित किया गया था। इसमें मंत्रियों सहित हिंद महासागर क्षेत्र के देशों से कई शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए)

आईसीडब्ल्यूए एशिया, अफ्रीका, यूरोप, संयुक्त राष्ट्र, भारत प्रशान्त क्षेत्र में राजनैतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा घटनाक्रमों तथा व्यापक वैश्विक भू-रणनीतिक परिवेश पर शोध एवं अध्ययन को उच्च प्राथमिकता देता रहा है। इसके निष्कर्षों का प्रसार इश्यू ब्रीफ, दृष्टिकोणों तथा विशेष रिपोर्टों के रूप में किया गया था। जिन्हें आईसीडब्ल्यूए की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया था।

विकासशील देशों के लिए शोध एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस)

विकासशील देशों के लिए शोध एवं सूचना प्रणाली एक स्वायत्त नीति शोध संस्था है जिसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विकास, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञता प्राप्त है। यह वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक मुद्दों पर विकासशील देशों में प्रभावशाली नीतिगत वार्ता और क्षमता निर्माण का प्रसार करता है। इसका मुख्य केन्द्र बिन्दु दक्षिण-दक्षिण सहयोग को संवर्धित करना तथा विभिन्न मंचों पर बहुपक्षीय वार्ताओं में विकासशील देशों के साथ सहयोग करना है। आरआईएस, प्रबुद्ध मंडलों के गहन नेटवर्क के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों तथा विकास सहभागिता क्षेत्र में नीति समरूपता को सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

नई, विकासशील और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों (नेस्ट)

जनवरी 2020 में स्थापित नई, विकासशील एवं रणनीतिक प्रौद्योगिकी प्रभाग नए प्रौद्योगिकी राजनय के कार्य मे लगा हुआ है तथा यह विदेश नीति तथा वैश्विक मंचो पर ऐसी चर्चा के अंतरराष्ट्रीय विधिक पहलुओं की देखरेख का कार्य भी करता है। नेस्ट संयुक्त राष्ट्र तथा प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित बहुपक्षीय अथवा बहुलवादी संदर्भ में प्रौद्योगिकी अभिशासन नियमावली, मानकों तथा संरचना से संबंधित वार्ता में भारत का पक्ष रखने के लिए समन्वय केन्द्र है। भारत ने मार्च 2021 में आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस पर अंतरराष्ट्रीय शोध केन्द्र, जिसे यूनेस्कों के तत्वाधान में स्थापित किया गया है, के संस्थापक भागीदार के रूप में कार्य ग्रहण किया।

साइबर राजनय, ई-अभिशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी

मंत्रालय का साइबर राजनय प्रभाग एक विशेषता प्राप्त प्रभाग है जो संयुक्त राष्ट्र सहित द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर अंतरराष्ट्रीय साइबर अभिशासन नीति निर्माण तथा घटनाक्रम से संबंधित कार्य करता है। साइबर राजनय प्रभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय, गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, दूरसंचार विभाग जैसे भारत सरकार के अन्य हितधारकों के परामर्श से साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दों, डेटा सुरक्षा, साइबर अपराध तथा इंटरनेट अभिशासन पर चर्चा के लिए एक नोडल केन्द्र है।

भारत साइबर वार्ता, सम्मेलन और अभिसमय में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है ताकि अपने विचार प्रस्तुत कर सके, वैश्विक साइबर नीतियां तैयार कर सके तथा अपनी साइबर सुरक्षा को सशक्त बना सके। भारत साइबर अभिशासन के बहुहितधारक मॉडल के प्रति अपनी वचनबद्धता के अनुसार गैर-सरकारी क्षेत्र, सिविल सोसाइटी तथा अकादमिक संगठनों के साथ कार्य-कलापों में हिस्सा ले रहा है ताकि साइबर नीति तैयार की जा सके तथा इसे रणनीतिक बनाया जा सके। साइबर राजनय प्रभाग रणनीतिक देशों के साथ द्विपक्षीय साइबर परामर्श प्रस्तावित और प्रारम्भ करने में सहायक है तथा इस प्रभाग ने 16 देशों, यूएस, यूके, ऑस्ट्रेलिया, जापान और रूस सहित संयुक्त कार्यसमूहों के साथ साइबर वार्ता की है तथा एससीओ, ब्रिक्स, एआरएफ, ईयू, आईबीएसए तथा अन्य क्षेत्रीय समूहों के साथ आदान-प्रदान किया है।

अभिशासन तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग अन्य कार्यों के साथ-साथ मंत्रालय के लिए कई ई-अभिशासन अनुप्रयोगों के अभिकल्पन, विकास, कार्यान्वयन तथा रख-रखाव में भी शामिल है। ईजी एण्ड आईटी प्रभाग मंत्रालय तथा विदेश स्थित मिशनों/केन्द्रों को सभी आईटी अवसंरचनाओं की खरीद, अनुरक्षण तथा रखरखाव के लिए हर प्रकार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित सहायता भी प्रदान करता है। वर्ष के दौरान ईजी एण्ड आईटी प्रभाग ने मंत्रालय तथा विदेश स्थित सभी मिशनों में डिजिटल इण्डिया के कार्यक्रमों के विभिन्न संघटकों का कार्यान्वयन करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मंत्रालय में सभी कार्यात्मक स्तरों पर समन्वय स्थापित करने तथा सरकारी कर्मचारियों को कारगर सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करने के लिए आटोमेशन और नेटवर्किंग का साधन के रूप प्रयोग किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठन

भारत ने विश्व व्यवस्था में केन्द्रीय भूमिका निभाने वाले संस्थान की तरह संयुक्त राष्ट्र के साथ उच्चस्तरीय संपर्क बनाए रखा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए।

प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर, 2021 को संयुक्त राष्ट्र के 76वें सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर, 2021 को आम बहस के दौरान महासभा को संबोधित करते हुए यह पुष्टि की कि प्रजातंत्र के लक्ष्य प्राप्त हो सकते हैं तथा प्रजातंत्र ने लक्ष्य प्राप्त किए हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वैश्विक प्रगति में भारत के विकास का प्रभाव स्पष्ट है।

भारत ने 01 जनवरी 2021 को 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी 2021-22 की अवधि के दौरान भारत को 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति, 1970 लीबिया प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता तथा 2022 में आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता के लिए नामित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 09 अगस्त 2021 को सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा पर उच्चस्तरीय वर्चुअल खुली बहस की अध्यक्षता की। यह पहली बार है कि किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता की।

विदेश मंत्री ने 18 अगस्त 2021 को संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियान-रक्षकों की सुरक्षाः प्रौद्योगिकी एवं शांति स्थापना के विषय पर खुली बहस की अध्यक्षता की। इस बैठक के दौरान अध्यक्षीय वक्तव्य पारित किया गया था जोकि परिषद का प्रोद्योगिकी और शांति स्थापना पर केन्द्रित प्रथम एकमात्र निष्कर्ष था। विदेश सचिव ने काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद पहली बार 30 अगस्त 2021 को संकल्प 2593/2021 को पारित कराने के लिए भी अध्यक्षता की। इस संकल्प में यह मांग की गई थी कि अफगान के भू-भाग का उपयोग किसी भी देश पर हमला करने या धमकी देने अथवा प्रशिक्षित आतंकवादियों को आश्रय प्रदान करने अथवा आतंकवादी गतिविधियों के नियोजन या वित्तपोषण के लिए नहीं किया जाएगा।

भारत ने 2021 में मानवाधिकार परिषद में अपना 5वां कार्यकाल पूरा किया। भारत ने सितम्बर 2021 में इंटरनेशनल कोवेनेन्ट ऑन सिविल एण्ड पॉलिटिकल राइट्स (आईसीसीपीआर) पर चौथी आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। भारत को 14 अक्टूबर 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में आयोजित 2020-2024 की अवधि के लिए चुनावों में छठी बार मानवाधिकार परिषद में पुनः निर्वाचित किया गया था।

भारत ने 1950 से संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना बलों में 2,53,000 सैनिक भेजे हैं तथा इसके परिणामस्वरूप यह कुल मिलाकर इसका सबसे बड़ा अंशदाता बना रहा। भारत संयुक्त राष्ट्र के 9 मिशनों में तैनात 5538 कार्मिकों (सैन्य, पुलिस तथा असैनिक) सहित तीसरा सबसे बड़ा अंशदाता था।

बहुपक्षीय आर्थिक संबंध

भारत ने बहुपक्षीय मंच पर यह सुनिश्चित करने के लिए अपने ध्यान केंद्रण की पुनः पुष्टि की कि कोविड महामारी के विरुद्ध वैश्विक कार्रवाई मानवता केन्द्रित समावेशी तथा सतत है।

भारत ने 2012 तथा 2016 के बाद 2021 में तीसरी बार ब्रिक्स की बारी आने पर अध्यक्षता की। वर्ष 2021 में भारत की अध्यक्षता ब्रिक्स की 15वीं वर्षगांठ के अवसर पर थी। भारत ने ब्रिक्स@15: इंट्राब्रिक्स कोऑपरेशन फॉर कान्टुन्युटी, कन्सॉलिडेशन एण्ड कन्सेंशस के समग्र विषय का चयन किया। प्रधानमंत्री ने 09 सितम्बर, 2021 को 13वें ब्रिक्स सम्मेलन का वर्चअल आयोजन और अध्यक्षता की जिसमें ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बॉल्सोनारो, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने अपने संबंधित प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

प्रधानमंत्री ने 30 और 31 अक्तूबर 2021 को प्यूपिल, प्लेनेट, प्रॉसपैरिटी-विषय पर रोम में आयोजित जी-20 रोम शिखर सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन के सभी तीन सत्रों अर्थात् वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा वैश्विक स्वास्थ्य; जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण; तथा सतत विकास में भाग लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने 12 अक्तूबर 2021 को अफगानिस्तान पर जी-20 नेताओं की असाधारण बैठक में भी भाग लिया जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि अफगानिस्तान को तत्काल तथा निर्बाध मानवीय सहायता प्रदान की जाए तथा उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि अफगानी भू-भाग क्षेत्रीय और वैश्विक रूप से कट्टरवाद और आतंकवाद का स्रोत न बन जाए।

प्रधानमंत्री ने 12-13 जून 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के अतिथि सत्र में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उचित वैश्विक एकजुटता और नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर दिया तथा "एक धरती एक स्वास्थ्य" का उल्लेख किया।

भारत ने आईबीएसए के अध्यक्ष के रूप में इस वर्ष को आईबीएसए तंत्र के पुनरुद्धार पर केन्द्रित किया।

आर्थिक राजनय

आर्थिक राजनय प्रभाग ने देश की विदेश नीति के आर्थिक राजनय पहलू को संकेन्द्रित दिशा प्रदान करने के अपने प्रयासों के भाग के रूप में 2021-22 के दौरान कई पहलें कीं। आर्थिक राजनय प्रभाग विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केन्द्रों, मंत्रालय के टेरीटोरियल प्रभागों, भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों/विभागों, राज्य सरकारों तथा भारत में स्थित विदेशी मिशनों/केन्द्रों के समन्वय से विदेशी निवेश प्राप्ति को सुविधाजनक बनाने तथा द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा तथा पारम्परिक भारतीय दवाओं को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय की एक आर्थिक शाखा है।

इस समय भारत वर्ष 2022 तक अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) आम सभा का अध्यक्ष है। आईएसए की चौथी महासभा 20 अक्तूबर 2021 को आयोजित की गई थी। आईएसए महासभा में 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' पहल पर राजनीतिक घोषणापत्र का अनुसमर्थन किया गया तथा वर्ष 2030 के लिए सौर निवेश कार्ययोजना जैसी आईएसए की अन्य कई प्रमुख पहलों पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों से सौर ऊर्जा को जोड़ने के लक्ष्य से वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड पहल की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने 02 नवम्बर, 2021 को ग्लास्गो में आयोजित विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन कॉप26 के दौरान विश्व के अन्य नेताओं के साथ वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड नामक ग्रीन ग्रिड्स पहल को विश्व के समक्ष पेश किया।

भारत आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना संगठन के सहयोग से वैश्विक रूप से आपदारोधी अवसंरचना को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। भारत ने यूएनसीआईटीआरएएल के आयोग सत्र में भी भाग लिया तथा यूएनसीआईटीआरएएल के कई कार्यसमूहों में भाग ले रहा है तथा समन्वय कर रहा है।

स्थाई मध्यस्थता न्यायालय (पीसीए) मेजबान देश करार के अधिकार क्षेत्र में पीसीए-भारत सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है। भारत अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के साथ निकटता से कार्य रहा है ताकि भारत के लिए आईईए की सदस्यता के सम्भावित मार्ग सहित संस्थागत संबंधों को सशक्त बनाया जा सके।

भारत ने अब तक कुल 20 देशों के साथ सामाजिक सुरक्षा करारों पर हस्ताक्षर किए हैं तथा उनका अनुसमर्थन किया है और 30 से अधिक सम्भावित हैं।

भारत निवेश संधि वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेता है तथा समन्वय वार्ता में शामिल रहा है और नीतिगत, राजनीतिक तथा अंतरराष्ट्रीय विधिक परिपेक्ष्य से अपेक्षित इनपुट प्रदान करता रहा है। भारत पुरानी निवेश संधियों की समीक्षा करने की कार्रवाई कर रहा है तथा नए मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि 2015 पर आधारित निवेश पर वार्ता करने के लिए 30 से अधिक देशों के साथ सक्रिय रूप से आदान-प्रदान कर रहा है।

राज्य प्रभाग

राज्य प्रभाग को मुख्य रूप से विदेश स्थित भारतीय मिशनों और केन्द्रों तथा भारत में शाखा सचिवालय/क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से राज्यों के विदेशी आर्थिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने का अधिदेश प्राप्त है। इस वर्ष के दौरान कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने के बाद राज्य प्रभाग ने अपने अधिदेश के सभी पहलुओं को पूरा करने के लिए सुविधाजनक सभी अवसरों का पता लगाकर समय और अवसरों की हानि को पूरा करने के लिए कार्य किया है। राज्य प्रभाग ने विदेश राज्य मंत्री - राजुकमार रंजन सिंह के साथ पूर्वोत्तर आवासीय आयोग आदान-प्रदान सत्र स्थापित करके पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रियता से अपने अधिदेश पर कार्य किया है तथा पूर्वोत्तर गोलमेज सम्मेलन इम्फाल में आयोजित किए जाने की संभावना है। राज्य प्रभाग ने हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव की श्रृंखला 1 को भी सुविधाजनक बनाया है।

आवासीय आयुक्त के साथ नियमित आदान-प्रदान के माध्यम से राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के साथ संपर्क जारी है। राज्य प्रभाग ने राज्य सरकारों और नगरों तथा उनके विदेशी समकक्षों के बीच कई समझौता ज्ञापन सुविधाजनक बनाया है ताकि समान राज्य तथा नगर सहभागिता को सुविधाजनक बनाया जा सके।

निरस्त्रीकरण तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामले (डीसा)

भारत ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए निरस्त्रीकरण, अप्रसार तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय रूप से भाग लिया है। भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय रूप से भी संपर्क कर रहा है तथा इन मामलों पर क्षेत्रीय मंचों में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहा है। भारत का योगदान विभिन्न देशों द्वारा उभरते अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिवेश तथा पहल के जवाब में सार्वभौमिक तथा निष्पक्ष परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के प्रति इसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता तथा अंतरिक्ष, समुद्री और सामूहिक विनाश के हथियारों के क्षेत्र में वैश्विक शान्ति सुरक्षा के लिए समर्थन से दर्शित होता है। भारत द्वारा 09 अगस्त, 2021 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मे प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में समुद्री सुरक्षा पर उच्चस्तरीय वार्ता के आयोजन से उभरते समुद्री मुद्दे उभरे तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इसकी व्यापक सराहना हुई।

शिखर सम्मेलन एवं सम्मेलन प्रभाग

सम्मेलन प्रभाग मंत्रालय के कई प्रभागों को विदेश मंत्रियों, भारत तथा विदेशों के प्रतिनिधियों के अंतरराष्ट्रीय एवं बहुपक्षीय कार्यक्रमों सहित बैठकें, कार्यक्रम, संगोष्ठियां एवं सम्मेलन आयोजित करने के लिए हर प्रकार की संभारतंत्र व्यवस्था प्रदान करता है। वर्ष के दौरान शिखर सम्मेलन एवं सम्मेलन प्रभाग ने विभिन्न स्तरों पर सहभागिता सहित 44 अन्य बैठकों के आयोजन के लिए हर प्रकार के संभारतंत्र संबंधी सहायता प्रदान की। इस प्रकार के कुल 151 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इस प्रभाग ने ब्रिक्स/जी7/आईबीएसएसए/जी20 से संबंधित 106 बैठकों तथा विभिन्न स्तरों पर सहभागिता सहित 40 बैठकों के आयोजन के लिए संभारतंत्र संबंधी सहायता प्रदान की।

विकास सहयोग

विकास सहयोग भारत की विदेश नीति का एक अपरिहार्य भाग है। हाल ही के वर्षों में भारत ने कई देशों के साथ अपने विकास कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त कार्य किया है जिसमें अनुदान सहायता, ऋण व्यवस्था, तकनीकी परामर्श, आपदा राहत, मानवीय सहायता, शैक्षिक छात्रवृत्ति तथा भौगोलिक पहुँच तथा क्षेत्रीय कवरेज में अल्पावधिक सिविलियन एवं सैन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों सहित विविध क्षमता निर्माण कार्यक्रम शामिल हैं।

बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव की पड़ोसी सरकारों द्वारा जलविद्युत, विद्युत पारेषण, कृषि एवं सिंचाई, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुरातत्व संरक्षण बुनियादी ढाँचे सहित इन देशों के साथ सीमा-पार संपर्क के सशक्तीकरण के क्षेत्र में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के रूप में अभिज्ञात मुख्य विकास परियोजनाएं कार्यान्वयनाधीन हैं तथा इनपर संतोषजनक प्रगति हो रही है। पड़ोसी देशों से परे दक्षिण पूर्व एशिया, ओशियानिया, मध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका में ऊर्जा, विद्युत संयत्र, विद्युत पारेषण एवं संवितरण, सड़क, रेलवे, बंदरगाह, कृषि एवं सिंचाई, औद्योगिक इकाइयां, सूचना एवं कम्प्यूटर तथा लघु एवं मध्यम उद्यमों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

पिछले कुछ वर्षों में अन्य विकासशील देशों को ऋण व्यवस्था के तहत किफायती ऋण प्रदान करना भारतीय विकास सहायता का एक मुख्य पहलू रहा है। पिछले वर्षों में 31.7 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक राशि की 309 ऋण व्यवस्थाएं विभिन्न देशों को प्रदान की गई हैं जिसमें से 12.35 बिलियन अमरीकी डॉल अफ्रीकी देशों के लिए, 16.15 बिलियन अमरीकी डॉलर एशियाई देशों के लिए तथा 2.6 बिलियन अमरीकी डॉलर लैटिन अमरीका, ओशियानिया तथा स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) को प्रदान की गई हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कोविड महामारी के वैश्विक प्रसार तथा इसके परिणामस्वरूप लॉकडाउन के कारण फ्लैगशिप कार्यक्रम, भारतीय तकनीकी

एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के व्यक्तिगत पाठ्यक्रम रद्द कर दिए गए थे तथापि इन पाठ्यक्रमों के महत्व तथा सहभागी देशों से मांग को ध्यान में रखते हुए ईआईटीईसी पद्धति के माध्यम से कुल 83 आईटीईसी पाठ्यक्रमों को वर्चुअल रूप से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कोविड की स्थिति सामान्य होने पर प्रभाग व्यक्तिगत आईटीईसी कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

हाल ही के वर्षों में भारत ने भौगोलिक क्षेत्र तथा सहयोग के क्षेत्रों में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से प्रेरित होकर अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग का पर्याप्त विस्तार किया है। भारत की पड़ोस प्रथम तथा एक्ट ईस्ट नीतियों द्वारा समर्थित इसके समीपवर्ती एवं विस्तारित पड़ोस के संबंध में विदेशी संपर्क को ध्यान में रखते हुए भारत की पर्याप्त विकास सहभागिता में पड़ोसी देशों को शामिल करना स्वभाविक है। भारत की विकास सहभागिता की एक अन्य उल्लेखनीय विशेषता इसकी मांग आधारित प्रकृति तथा सहभागी देशों की प्राथमिकताओं के अनुरूप इसकी प्राथमिकताएं हैं।

चूंकि मंत्रालय की डीपीए शाखा को पिछले 9 वर्षों का अनुभव है इसलिए परियोजना सुपुर्दगी और कार्यक्रम के अलावा परियोजनाओं की धारणीयताओं की ओर अधिक से अधिक ध्यान आकृष्ट हुआ है। भारत की विकास सहायता मॉडल को अपने सहभागियों की ओर से काफी स्वीकार्यता प्राप्त हुई है क्योंकि इनमें परियोजनाओं के दौरान सहभागियों की अपेक्षाओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। विकास सहायता के प्रति भारत का दृष्टिकोण व्यापक रहा है जिसमें अवसंरचना निर्माण से लेकर क्षमता निर्माण तथा शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, कृषि एवं समुदायिक विकास के क्षेत्र में सभी प्रकार के कार्यकलापों में भारत के विकास अनुभव को साझा किया जाता है तथा सहायता की पेशकश की जाती है।

भारत की विकास सहायता भागीदार देशों में रेलवे संपर्क, सड़क एवं पुल, जलमार्ग, सीमा से संबंधित अवसंरचना, पारेषण लाइनों, विद्युत उत्पादन, जलविद्युत इत्यादि जैसी अत्यावश्यक अवसंरचनाओं की स्थापना के मुख्य उत्प्रेरक हैं।

सांस्कृतिक राजनय पूरे विश्व में भारत के सॉफ्ट पॉवर राजनय का स्थाई अभिन्न अंग रहा है। भारत कई भागीदारी देशों में सांस्कृतिक एवं विरासत संरक्षण परियोजनाओं में शामिल रहा है। विरासत संरक्षण के लिए नवगठित विशेष प्रभाग (डीपीए-IV प्रभाग) ने महामारी के प्रभाव के वाबजूद कम्बोडिया और वियतनाम जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय विरासत संरक्षण परियोजनाओं का कार्यान्वयन जारी रखा। मध्य एशिया में बौद्ध स्थलों की खुदाई, जीर्णोद्धार तथा संरक्षण के उद्देश्य से नई परियोजनाओं पर विचार किया जा रहा है।

विधिक एवं संधि प्रभाग

विधिक एव संधि प्रभाग मंत्रालय के संबंध में सभी विधिक एवं संधि से संबंधी सभी मामलों पर कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी है। 2021-22 के दौरान भारत ने 28 देशों और संगठनों के साथ 55 करार किए; 9 करारों का अनुसमर्थन किया तथा 6 प्रतिबद्धताओं के लिए पूर्ण शक्तियाँ प्रदान की। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की 6ठी समिति (विधिक), संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार विधि आयोग के तहत गठित कार्य समूहों, भारत, एशियाई–अफ्रीकी विधिक परामर्शदायी संगठन सहित अंतरराष्ट्रीय निवेश मध्यस्थता मामलों तथा कई संधि वार्ताओं में भाग लिया।

कंसुलर पासपोर्ट एवं वीजा सेवाएं

मंत्रालय में सीपीवी प्रभाग कोंसली मामलों एवं शिकायतों, भारतीय वीजा नीति जारी करने और दस्तावेजों के सत्यापन/प्रमाणीकरण, विदेशी भारतीय नागरिक कार्ड, राजनयिक एवं सरकारी पासपोर्ट जारी करने से संबंधित कार्य का समन्वय करता है।

विदेशों में भारतीयों को कोंसली शिकायतों का समाधान करने के लिए अच्छी अभिशासन पहल के भाग के रूप में विदेश मंत्रालय ने वेब पोर्टल 'मदद' शुरू किया है। विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों और केन्द्रों के साथ-साथ विदेश मंत्रालय के शाखा सचिवालयों/संघ शासित प्रदेशों की सरकारों को कोंसली शिकायतों के निवारण के लिए इस पोर्टल के साथ जोड़ा गया है। मदद ऑनलाइन पोर्टल से, ऑनलाइन पंजीकरण, अग्रेषण, समाधान होने तक ट्रैकिंग एवं एस्कलेशन के माध्यम से कोंसली शिकायतों पर कार्रवाई में गुणवत्तात्मक सुधार हुआ है।

वर्ष के दौरान प्रभाग ने कई कोंसली वार्ताएं, वीजा छूट करार, प्रत्यर्पण संधियाँ की हैं तथा ओसीआई एवं ई-वीजा सेवाओं की सिफारिश की है।

भारत ने राजनयिक एवं सरकारी/सेवा पासपोर्ट धारकों के संबंध में 120 देशों के साथ वीजा छूट करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। 1 अप्रैल से 31 अक्तूबर 2021 के दौरान जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य अल्जीरिया तथा गाम्बिया गणराज्य, यूनियन ऑफ कॉमोरोस, लिसोथो साम्राज्य, घाना गणराज्य के साथ राजनयिक एवं सरकारी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट करार पर हस्ताक्षर किए गए थे।

अगस्त 2005 से लगभग 39.5 लाख ओसीआई कार्ड जारी किए गए हैं। 1 अप्रैल से 31 अक्तूबर 2021 के दौरान जारी किए गए ओसीआई कार्डों की संख्या 1,26,463 किए गए थे।

भारत 2005 से ही 5 अक्तूबर 1961 के हेग अभिसमय का सदस्य है जिसमें विदेश लोक दस्तावेज के वैधीकरण की अपेक्षा को समाप्त किया गया था। अभिसमय के सभी सदस्य देशों में प्रमाणीकरण अनिवार्य है। अप्रैल 2021 से अक्तूबर 2021 तक ऑनलाइन पद्धति से 42658 दस्तावेज सत्यापित किए गए हैं तथा 57014 दस्तावेजों का प्रमाणीकरण किया गया है। अप्रैल 2021 से अक्तूबर 2021 तक ऑनलाइन पद्धति से 198038 सत्यापन और 2,22,556 प्रमाणीकरण सेवाएं प्रदान की गई हैं।

पासपोर्ट सेवा परियोजना

मंत्रालय का पासपोर्ट सेवा कार्यालय प्रभाग भारत तथा विदेशों में पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करता है। पासपोर्ट जारी करना मंत्रालय द्वारा प्रदत्त उल्लेखनीय सांविधिक एवं नागरिक केन्द्रित सेवा के रूप में उभरा है। मंत्रालय गुणवत्तात्मक और मात्रात्मक परिवर्तन कर रहा है ताकि नागरिकों को सुचारु प्रक्रियाओं के माध्यम से तथा प्रतिबद्ध प्रशिक्षित और प्रेरित कर्मचारियों के द्वारा समय पर पारदर्शी, और सरल, विश्वसनीय तरीके से तथा आरामदायक परिवेश में पासपोर्ट प्रदान किए जा सकें।

विदेश मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय पासपोर्ट संगठन तथा पूरे भारत में इसके 36 पासपोर्ट कार्यालयों, सीपीवी प्रभाग (केवल राजनयिक एवं सरकारी पासपोर्ट) और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन के माध्यम से भारतीय पासपोर्ट (गैर-सरकारी व्यक्तियों को पहचान प्रमाणपत्र, भारत लौटने वाले व्यक्तियों को आपातकालीन प्रमाणपत्र, पुलिस अनापत्ति प्रमाणपत्र, प्रत्यर्पण प्रमाणपत्र) जारी किए जाते हैं।

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम, मिशन मोड परियोजना का कार्यान्वयन सेवा प्रदाता के रूप में मैसर्स टाटा परामर्शदायी सेवाओं (टीसीएस) के साथ सरकारी-निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड में कार्यान्वित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 जून, 2012 को शुरू हुआ था तथा इसने 9 वर्षों से अधिक समय तक सफलतापूर्वक प्रचालन पूरा कर लिया है।

30 नवंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार, पीएसके तथी पीओपीएसके सहित देश में कार्यरत पासपोर्ट सेवा केन्द्रों की कुल संख्या 521 थी। विदेशों में रहने वाले भारीतीयों को विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केन्द्रों के माध्यम से पासपोर्ट से संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं। अब तक 176 भारतीय मिशनों/केन्द्रों को पासपोर्ट सेवा कार्यक्रमों से जोड़ा गया है।

अप्रैल-नवंबर 2021 के दौरान भारत सरकार को भारत में तथा विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों के माध्यम से 60.54 लाख पासपोर्ट और पासपोर्ट से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। मंत्रालय ने भारत में लगभग 50.10 लाख पासपोर्ट तथा पासपोर्ट से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई की तथा वर्ष 2021 के दौरान इनमें से 48.00 लाख आवेदनों पर कार्रवाई की गई थी। अप्रैल-नवंबर 2021 के दौरान विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केन्द्रों को 10.44 लाख पासपोर्ट और पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे और इनमें से 9.94 लाख पासपोर्ट जारी किए गए थे जबकि भारत सरकार ने इसी अवधि के दौरान 57.94 लाख से अधिक पासपोर्ट तथा पासपोर्ट से संबंधित दस्तावेज जारी किए थे।

दिनांक 24 जून, 1967 को पासपोर्ट अधिनियम के अधिनियमन के उपलक्ष्य में 24 जून, 2021 को पासपोर्ट सेवा दिवस आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मंत्रालय द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें विदेश मंत्री तथा विदेश राज्य मंत्री – वी. एम ने वीडियों कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से पासपोर्ट अधिकारियों को संबोधित किया था।

विदेशी भारतीय मामले

वर्ष 2009 में स्थापित भारतीय समुदाय कल्याण कोष का उद्देश्य आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर, विदेशों में फंसे भारतीयों को वायुयान से वापस भेजकर, विधिक सहायता, भोजन एवं आश्रय उपलब्ध कराकर, वैवाहिक मामलों में भारतीय महिलाओं को सहायता प्रदान करके तथा पार्थिव शरीर को भारत भेजकर संकट के समय में विदेशी भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करना है। 31 दिसंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार 1,76,000 भारतीयों को सहायता प्रदान करने के लिए लगभग 44.19 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया था।

जापान की विशिष्टता प्राप्त कुशल कर्मचारी वीजा श्रेणी योजना के तहत भारतीय कुशल कर्मचारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए 18 जनवरी, 2021 को जापान के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत तथा पुर्तगाल ने 13 सितंबर, 2021 को भारतीय कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में एक द्विपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन के संपन्न होने पर भारत और पुर्तगाल जी2जी तंत्र के माध्यम से भारतीय कर्मचारियों की भर्ती के लिए औपचारिक व्यवस्था करेंगे।

भारत और यूके ने 4 मई, 2021 को प्रवास एवं आवाजाही करार पर हस्ताक्षर किए हैं तथा उन्होंने युवा व्यावसायिकों के लिए संवर्धित आवाजाही प्रावधानों पर सहमति व्यक्त की है। इस समझौता ज्ञापन के तहत प्रवास एवं आवाजाही सहभागिता पर भारत-यूके संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक अगस्त 2021 में आयोजित की गई थी।

विदेशी भारतीय मामले प्रभाग भाग-II भारतीय डायस्पोरा के साथ आदान-प्रदान से संबंधित मामलों पर कार्य करता है। इस प्रभाग द्वारा कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रमों/योजनाओं में प्रवासी भारतीय दिवस अभिसमय, प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन, क्षेत्रीय प्रवासी भारतीय दिवस, भारत को जानें कार्यक्रम, प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना, डायस्पोरा के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम, भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी, प्रवासी भारतीयों के वैवाहिक विवाद तथा डायस्पोरा के साथ सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना, विद्यार्थियों से संबंधित मामले, डायस्पोरा से संबंधित शिकायतें, डायस्पोरा से सबंधित अन्य मामले तथा सरकार द्वारा समय-समय पर की गई नई पहलें शामिल हैं।

भारतीय फाउंडेशन तथा मंत्रालय ने 16-17 सितंबर, 2021 को वर्चुअल रूप से पहला गिरमिटिया सम्मेलन, 2021 आयोजित किया था। विदेश राज्यमंत्री श्री वी. मुरलीधरन ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। इस सम्मेलन का 'चेंजिंग आइडेंटिटीज, शिफ्टिंग ट्रेंड्स एंड रोल' था। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 16 अक्तूबर, 2021 को 'लिवरेजिंग ऑफ सॉफ्ट पावर ऑफ इंडिया' तथा 29 अक्तूबर, 2021 को 'फ्यूचर ऑफ नेशनल रिसोर्सेज' विषय पर आयोजित किया गया था।

विदेश प्रचार

विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग ने अपने अधिदेश के अनुसार विदेश नीति से संबंधित मुख्य मुद्दों पर भारत के पक्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के प्रयास जारी रखे। इसके साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदायों को भारत के घटनाक्रमों तथा अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के बारे में जानकारी देने के लिए पूर्व सक्रिय प्रयास निर्बाध जारी रहे। हालांकि कोविड महामारी के कारण बाधाओं से कई चुनौतियाँ उत्पन्न हुई, तथापि वर्ष के दौरान यह प्रभाग वर्चुअल मंच के सकारात्मक प्रयोग से अपने कार्यकलापों की गति को बरकरार करने में समर्थ रहा।

व्यक्तिगत यात्राओं में अप्रैल 2021 में रूस परिसंघ, बहरीन, इरीट्रिया, फ्रांस तथा मालदीव के विदेश मंत्रियों की भारत यात्रा शामिल है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें निर्वाचित अध्यक्ष और मालदीव के विदेश मंत्री तथा अमरीका के विदेश मंत्री ने जुलाई 2021 में भारत की यात्रा की। ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब और कंबोडिया के विदेश मंत्रियों ने सितंबर 2021 में (भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता) तथा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। भारत के राष्ट्रपति ने दिसंबर 2021 में ढाका की यात्रा की। मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने दिसंबर 2021 में भारत-मध्य एशियाई वार्ता की तीसरी बैठक के लिए भारत की यात्रा की। इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार किया गया था। विदेश मंत्रालय में ट्विटर पर @meaindia पर 3.74 मिलियन फॉलोअर्स और @indiandiplomacy पर 2.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं जिनमें से लगभग 1,40,000 फॉलोअर्स पिछले वर्ष जुड़े थे। मिशनों तथा केन्द्रों ने सोशल मीडिया मंचों का माध्यम से डायस्पोरा तथा स्थानीय लोगों से अधिक से अधिक आदान-प्रदान जारी रखा है। इस समय लगभग 192 भारतीय मिशन/केन्द्र ट्विटर पर हैं, 186 मिशन/केन्द्र फेसबुक पर हैं तथा लगभग 150 मिशन इंस्टाग्राम पर हैं। इसके साथ-साथ और मिशनों को भी इन मंचों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्रालय चहुँतरफा डिजिटल आउटरीच से न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में मंत्रालय तथा मिशनों/केन्द्रों के कार्यकलापों से संबंधित सूचनाओं का तीव्र, प्रत्यक्ष और सही प्रसारण करने में समर्थ रहा है।

प्रोतोकॉल

प्रोतोकॉल प्रभाग में 7 अनुभाग अर्थात् प्रोतोकॉल –I, प्रोतोकॉल -II तथा प्रोतोकॉल –III तथा (हैदराबाद हाउस), प्रोतोकॉल (आतिथ्य एवं अकाउंट और सरकारी आतिथ्य संगठन (जीएचओ) शामिल है) में अप्रैल 2021 से नवंबर 2021 के दौरान प्रधानमंत्री के स्तर पर 9 वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किए गए थे। इसी अवधि के दौरान उप-राष्ट्रपति और विदेश मंत्री/उप विदेश मंत्री के स्तर पर 16 भारतीय यात्राएं तथा 146 आतिथ्य समारोह आयोजित किए गए थे। एयरपोर्ट पास, लाउंज (औपचारित तथा आरक्षित), तलाशी से छूट के लिए 1230 अनुरोधों पर कार्रवाई की गई थी।

प्रशासन तथा सूचना का अधिकार

प्रशासन – मंत्रालय के प्रशासन प्रभाग का मुख्य दायित्व मुख्यालय और 199 भारतीय मिशनों/केन्द्रों तथा 3 प्रतिनिधि कार्यालयों में मानव शक्ति संसाधन प्रदान करना है। इस संबंध में प्रभाग संवर्ग प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण करता है जिसमें अन्य के अलावा भर्ती, प्रशिक्षण, तैनाती/स्थानांतरण, प्रतिनियुक्ति और कैरियर पदोन्नति शामिल है। इसके अलावा, यह प्रभाग विदेशों में तैनात भारतीय कार्मिकों तथा भारतीय मिशनों और केन्द्रों में कार्यरत स्थानीय कर्मचारियों से संबंधित सभी संबद्ध नियमों और विनियमों को तैयार करने, संशोधित और उनमें सुधार करने से संबंधित कार्य भी करता है।

विदेश मंत्रालय की प्रशिक्षुता नीति 2021 कार्यक्रम को और पारदर्शी, संगठित, उद्देश्यपरक, समावेशी, विविध, संकेन्द्रित और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

यह प्रभाग नए घटनाक्रम एवं कार्यकारी प्राथमिकताओं जैसे कि कोविड कक्ष तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत को जोड़कर त्वरित कार्रवाई प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए भी उत्तरदायी है। इस समय मंत्रालय में 56 प्रभाग हैं।

वर्ष 2018-21 के दौरान अफ्रीका में 18 नए मिशन खोलने के संबंध में मार्च 2018 में मंत्रिमंडल के अनुमोदन के अनुसरण में मोनरोविया (लाइबेरिया) और नोकछोट (मॉरीशियाना) में मिशनों ने क्रमशः मई 2021 तथा जून 2021 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। केप वर्डे, गिनी बिसाऊ तथा सोमालिया में नए मिशन स्थापित करने के लिए प्रारंभिक प्रशासनिक एवं स्थापना से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

दिसंबर 2020 में एस्टोनिया, पराग्वे और डोमिनिकन गणराज्य में तीन नए मिशन खोलने के लिए मंत्रिमंडल के अनुमोदन के बाद राजदूतों को नामित किया गया है तथा विदेश मंत्रालय के कार्मिकों को तैनात किया गया है जो शीघ्र ही अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। मंत्रालय ने मई 2021 में अददु,मालदीव में कोंसलावास खोलने का अनुमोदन भी कर दिया है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई)

1 जनवरी, 2021 से 20 दिसंबर, 2021 के दौरान मंत्रालय को आरटीआई अधिनियम, 2021 के तहत सूचना प्राप्त करने के लिए 1666 आरटीआई आवेदन तथा 114 प्रथम अपीलें प्राप्त हुई थीं तथा इनका निपटान संतोषजनक रूप से कर दिया गया है। आवेदनों में सामान्यतः विदेश संबंध, प्रशासनिक मामले, द्विपक्षीय यात्राएं, कोविड महामारी, वंदे भारत उड़ानें तथा उन पर हुए व्यय से संबंधित विषय शामिल हैं।

स्थापना प्रभाग

वर्ष 2021 में स्थापना प्रभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत अपने कार्यकलापों को जारी रखते हुए अप्रैल से मई 2021 में पहले चरण के दौरान कोविड महामारी के विरुद्ध लड़ाई में योगदान दिया। प्रभाग ने मंत्रालय के आवासीय परिसरों में ऑक्सीजन सिलेंडर, चिकित्सा बेड तथा अनिवार्य दवाएं प्रदान की। जवाहरलाल नेहरू भवन में लगभग 3000 वर्ग फुट का स्थान खाली करने के लिए पुरानी अप्रचलित तथा अप्रयुक्त मदों का निपटान करने पर विशेष जोर दिया गया था। 8 नवंबर, 2021 को प्रसार भारती ने मंत्रालय के मुख्यालय के रूप में जवाहरलाल नेहरू भवन की स्वच्छता पर एक वीडियो क्लिप रिकॉर्ड किया।

वैश्विक संपदा प्रबंधन

वैश्विक संपदा प्रबंधन प्रभाग सक्रिय रूप से विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केन्द्रों तथा भारत में आरपीओ/आईसीसीआर/पीओई/शाखा सचिवालयों में संपदाओं के अधिग्रहण, निर्माण, पुनर्निर्माण तथा आधुनिकीकरण का कार्य किया है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के लिए नई दिल्ली में उपलब्ध आवासीय भवनों में विस्तार की पहल की गई थी ताकि ऐसे भवनों की उपलब्धता में वर्तमान कमी को पूरा किया जा सके तथा विदेश मंत्रालय की संवर्धित भावी आवासन अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके।

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन तथा विदेश में हिंदी प्रचार

विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयव के लिए मंत्रालय की एक व्यापक योजना है। विश्व हिंदी सम्मेलन तथा क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर को हिंदी पखवाड़ा सहित हिंदी दिवस तथा 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। मंत्रालय ने विशेषज्ञता प्राप्त द्विभाषियों का पूल स्थापित करने के लिए भाषा विशेषज्ञों के प्रशिक्षण के लिए अटल भाषांतर योजना भी शुरू की है।

सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान

भारत सरकार ने 1986 में सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान स्थापित किया था ताकि प्रतिवर्ष यूपीएससी के माध्यम से प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा नियुक्त भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों की कौशल प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एसएसआईएफएस ने भारतीय तथा विदेशी प्रशिक्षकों के लिए वर्ष के दौरान अपनी प्रशिक्षण पद्धति का समायोजन करके कोविड महामारी की चुनौती का सामना किया। दूसरी लहर शुरू होने के कारण 2020 बैच के आईएफएस ओटी (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों) के छह मासिक प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला चरण हाइब्रिड पद्धति में आयोजित किया गया था जिसमें एक माह लंबे मिशन ओरिएंटेशन अटैचमेंट कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा था। मई 2021 के बाद कैंपस में भेजे गए अधिकारी प्रशिक्षणार्थी आईटीपी के समापन पर अपने मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। विदेश मंत्री ने जून 2021 में विदाई समारोह में भाग लिया।

एसएसआईएफएस ने सीएजी (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) कार्यालय एचआईपीए (हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिकि एडमिनिस्ट्रेशन) तथा एनएससीएस (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय) के अधिकारियों के लिए निर्धारित कार्यक्रमों के अनुरोध के उत्तर में पहली बार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे।

विदेशी राजनयिकों के प्रशिक्षण के मामले में अगस्त 2021 में रेजिडेंट मिशन अध्यक्ष के लिए एक कार्यक्रम सहित रेजिडेंट राजनियक मिशनों के राजनयिकों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जुलाई 2021 से अफ़गान राजनयिकों के लिए 8वें विशेष पाठ्यक्रम के साथ विदेशी राजनयिकों (विदेश से भारत आने वाले) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्यक्ष रूप में फिर से शुरू किया गए थे।

पहले कुछ महीनों के दौरान मंत्रालय के कार्मिकों के लिए पदोन्नति से संबंधित तथा तैनाती से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्चुअल रूप से आयोजित किए

गए थे तथा अगस्त 2021 से इसे प्रत्यक्ष रूप से शुरू कर दिया गया था। नवंबर-दिसंबर 2021 में वैयक्तिक सहायकों और आशुलिपिकों तथा सहायक अनुभाग अधिकारियों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

आईसीसीआर ने पूरे विश्व में भारत के सांस्कृतिक संबंधों में विस्तार तथा सॉफ्ट पावर के संवर्धन के लिए कई कार्यकलाप और कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विश्व को अस्त-व्यस्त करने वाली महामारी के बावजूद आईसीसीआर ने अपने मनोबल को बनाए रखा तथा ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन कार्यकलापों के माध्यम से पूरे विश्व में विदेशी छात्रों के साथ संपर्क बनाए रखा। आईसीसीआर ने सक्रिय रूप से आजादी के अमृत महोत्सव के फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समारोहों के लिए कई मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए।

यह परिषद विदेशों में 37 भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों तथा 18 क्षेत्रीय केन्द्रों के सहयोग से कार्य करता है। इसके अलावा, आईसीसीआर ने वेलोडॉलिट, स्पेन में पीपीपी मॉडल (सरकारी - निजी सहभागिता) पर कासा डि ला इंडिया को सहायता दी। आईसीसीआर के कार्यकलाप चालू और नियमित कार्यकलापों के साथ नई पहलों और विशेष कार्यकलापों को जारी रखना है।

संसद एवं समन्वय प्रभाग

संसद एवं समन्वय प्रभाग के मुख्य दायित्व में संसदीय कार्य, मंत्रालय के भीतर और बाहर समन्वय, भारतीय शैक्षिक संस्थानों में विदेशी छात्रों के प्रवेश, आजादी के अमृत महोत्सव के तहत किए गए मंत्रालय के कार्यकलापों का समन्वय तथा भारत द्वारा विदेशों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की समीक्षा और अनुवीक्षण शामिल है। महामारी के कारण लागू प्रतिबंधों के बावजूद वर्ष के दौरान इस प्रभाग के कार्य निर्बाध जारी रहे।

1

भारत के पड़ोसी

अफ़ग़ानिस्तान

भारत और अफगानिस्तान सदियों से ऐतिहासिक, लोगों के आपसी संबंधों और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े हुए हैं। पिछले 20 वर्षों में, अफगानिस्तान के साथ विकासात्मक साझेदारी इन पांच स्तंभों पर केंद्रित रही है: (क) बुनियादी ढांचे से संबंधित बड़ी परियोजनाएं; (ख) मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण; (ग) मानवीय सहयोग; (घ) उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं; और (ङ) हवाई और भूमि संपर्क के माध्यम से व्यापार और निवेश को बढ़ाना।

अगस्त 2021 में, अफगानिस्तान ने अपने राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव देखा। भारत की तात्कालिक प्राथमिकता वहां फंसे हुए भारतीय और अफगान नागरिकों को सुरक्षित निकालना और जरूरतमंद अफगान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना था। इसी क्रम में, भारत ने अफगानिस्तान के लोगों को 50,000 मीट्रिक टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। इसके अलावा, ईरान में अफगान शरणार्थियों की सहायता के लिए, भारत ने ईरान सरकार को कोवैक्सिन की दस लाख खुराकें भेंट की।

सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति के चलते भारत ने अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के अपने प्रयास आरम्भ किए। तात्कालिक उपाय के रूप में, 16 अगस्त 2021 को मंत्रालय में एक 24x7 विशेष अफगानिस्तान सेल की स्थापना की गई थी। सेल द्वारा अब तक लगभग 5,000 टेलीफोन कॉल, 8000 से अधिक ईमेल और 13,000 व्हाट्सएप संदेशों का उत्तर दिया गया है। ऑपरेशन 'देवी शक्ति' के अंतर्गत भारतीय, अफगान और विदेशियों समेत कुल 565 लोगों को वहाँ से निकाला गया है। अगस्त 2021 में ऑपरेशन देवी शक्ति के अंतर्गत दूतावास के कर्मियों को छोड़कर, 263 भारतीय नागरिकों और 112 अफगान नागरिकों (सिख और हिंदुओं सहित) और तीसरे देशों के 15 नागरिकों को छह उड़ानों में निकाला गया था।

भारत अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका में सहयोग करने में सबसे आगे रहा है। भारत ने अगस्त 2021 के महीने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आवर्ती अध्यक्षता संभाली। भारतीय अध्यक्षता के अंतर्गत, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान में उभरती स्थिति पर चर्चा करने के लिए तीन बार बैठक की, जिसके परिणामस्वरूप चार परिणाम दस्तावेज प्राप्त हुए। इनमें तीन प्रेस वक्तव्य और एक प्रस्ताव शामिल था। भारत की

अध्यक्षता में अफगानिस्तान पर पिछली बैठक के दौरान, 30 अगस्त को, परिषद ने यूएनएससी प्रस्ताव (यूएनएससीआर) 2593 को अपनाया, जिसमें अफगानिस्तान से संबंधित मुख्य लंबित मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित किया गया था। प्रस्ताव में मांग की गई है कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकाने या हमला करने या आतंकवादियों को शरण देने या प्रशिक्षित करने के लिए या यूएनएससीआर 1267 (1999) के अनुसार आतंकवादी कृत्यों की योजना और वित्तपोषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

वर्ष के दौरान अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना और ऑनलाइन अल्पकालिक क्षमता निर्माण पाठ्यक्रम सहित विभिन्न छात्रवृत्ति कार्यक्रम जारी रहे। वर्तमान में लगभग 2000 अफगान छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं। इनमें से कुछ पाठ्यक्रमों का भौतिक संचालन कोविड महामारी और अफगानिस्तान में उत्तपन्न हुई परिस्थितियों के कारण बाधित हुआ था।

भारत ने अफगानिस्तान के लोगों की सहायता और सहयोग करने के तरीके खोजने के लिए विभिन्न मंचों पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कार्य जारी रखा। इस संबंध में, प्रधान मंत्री ने अफगानिस्तान पर एससीओ सीएसटीओ आउटरीच शिखर सम्मेलन (17 सितंबर) और जी -20 असाधारण शिखर सम्मेलन (12 अक्टूबर) में भाग लिया। विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान सम्मेलन (08 सितंबर को अमेरिका और जर्मनी द्वारा सह-आयोजित) और यूएनएचसीआर द्वारा आयोजित अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति पर उच्च स्तरीय कार्यक्रम (13 सितंबर) में भाग लिया। संयुक्त सचिव, पीएआई ने 20 अक्टूबर को मास्को प्रारूप वार्ता में भाग लिया।

काबुल से नई दिल्ली के लिए भारत सरकार द्वारा चार्टर्ड एक विशेष उड़ान 10 दिसंबर को नई दिल्ली पहुंची। उड़ान में 10 भारतीयों और 94 अफगानों को लाया गया, जिनमें अफगान अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य भी शामिल थे। अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य अपने साथ गुरु ग्रंथ साहिब के 2 स्वरूप और कुछ प्राचीन हिंदू पांडुलिपियां लेकर आए।

"ऑपरेशन देवी शक्ति" के अंतर्गत, अब तक कुल 669 लोगों को अफगानिस्तान से निकाला जा चुका है। इनमें 448 भारतीय और 206 अफगान शामिल हैं, जिसमें अफगान हिंदू / सिख अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य शामिल हैं।

अफगानिस्तान में चुनौतीपूर्ण मानवीय स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने मानवीय सहायता भेजी है जिसमें कोविड वैक्सीन की एक मिलियन खुराक और आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं से युक्त चिकित्सा आपूर्ति शामिल है। इन दवाओं को काबुल में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रतिनिधियों को सौंपा गया और इनका उपयोग इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय, काबुल में किया जाएगा। वर्ष 2022 के आरम्भ में, भारत ने भूख की मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए अफगान लोगों की सहायता हेतु गेहूं भी प्रदान किया।

अफगान लोगों के साथ भारत के सभ्यतागत संबंध हैं और लंबे समय से चले आ रहे ये संबंध भारतीय दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं और आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे। अफगान लोगों के साथ भारत के विशेष संबंध और यूएनएससी प्रस्ताव 2593 अफगानिस्तान पर भविष्य के दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे।

ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत अगस्त 2021 में भारतीय नागरिकों और विदेशी नागरिकों को अफगानिस्तान से निकाला गया

बांग्लादेश

भारत-बांग्लादेश संबंध भारत की "पड़ोसी पहले" नीति का एक महत्वपूर्ण तत्व है। वर्ष 2021 का विशेष महत्व है क्योंकि दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे हो गए हैं और बांग्लादेश अपनी स्वतंत्रता के 50 साल और राष्ट्रपिता, बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी का जश्न मना रहा है।

यह वर्ष दोनों देशों के बीच कई उच्च स्तरीय आदान-प्रदान और यात्राओं का साक्षी रहा। बांग्लादेश के राष्ट्रपति श्री अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर, भारत

के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने सम्मानित अतिथि के रूप में बांग्लादेश में 50वें विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए 15-17 दिसंबर 2021 तक बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की। राष्ट्रपति ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना और विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमन ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। 16 दिसंबर को, राष्ट्रपति सम्मानित अतिथि के रूप में ढाका में विजय दिवस परेड में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों के 122 सदस्यीय त्रि-सेवा दल ने भी भाग लिया।

दिसंबर 2021 में ढाका आगमन पर बांग्लादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद ने सदभावना सहित भारत के राष्ट्रपति की अगवानी की

इससे पहले, बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना के निमंत्रण पर, प्रधान मंत्री ने 26-27 मार्च 2021 को बांग्लादेश की स्वतंत्रता, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, की स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की। 2020 के आरम्भ में कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से प्रधान मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा थी।इस यात्रा के दौरान, आपदा प्रबंधन, व्यापार और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में कुल 5 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों प्रधानमंत्रियों ने चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक के माध्यम से ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका मार्ग पर 'मिताली-एक्सप्रेस'-पैसेंजर ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया।

विदेश मंत्री ने 4 मार्च 2021 को ढाका का दौरा किया। माननीय राष्ट्रपति की दिसंबर 2021 यात्रा की तैयारी के संबंध में, विदेश सचिव ने भी 7-8 दिसंबर 2021 तक ढाका का दौरा किया।

बांग्लादेश के सूचना मंत्री डॉ हसन महमूद ने सितंबर 2021 में नई दिल्ली में उनके समकक्ष विदेश मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री और विदेश सचिव से मुलाकात की।

दोनों देशों के बीच उपरोक्त उच्च-स्तरीय संबंधों के अलावा, विभिन्न द्विपक्षीय संस्थागत तंत्रों के तहत वरिष्ठ आधिकारिक स्तर पर कई वार्ताएं हुई। मार्च 2021 में वाणिज्य सचिव स्तर की वार्ता और जल सचिव स्तर की वार्ता हुई, अक्टूबर 2021 में शिपिंग सचिव स्तर की वार्ता और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, भारत और नारकोटिक्स कंट्रोल विभाग, बांग्लादेश के बीच महानिदेशक स्तर की वार्ता की वर्चुअल बैठक हुई।

मार्च 2021 में प्रधान मंत्री-स्तरीय शिखर सम्मेलन के दौरान लिए गए संयुक्त निर्णय के अनुसार भारत और बांग्लादेश ने 6 दिसंबर 2021 को, जिस दिन भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश को राजनयिक मान्यता प्रदान की थी, दिल्ली, ढाका और विश्व की 18 अन्य राजधानियों में "मैत्री दिवस" (मैत्री दिवस) के रूप में मनाया। बांग्लादेश के सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री केएम खालिद भी समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली आए।

रक्षा सहयोग

हाल के वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग बढ़ा है। इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण द्विपक्षीय आदान-प्रदान हुए, जिसमें अप्रैल में सेनाध्यक्ष और जून में एयर चीफ मार्शल, वायु सेना प्रमुख के बांग्लादेश दौरे के साथ-साथ सितंबर में जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद, सेना प्रमुख, बांग्लादेश सेना, अक्टूबर में एडमिरल एम शाहीन इकबाल, नौसेना स्टाफ के प्रमुख, बांग्लादेश नौसेना और दिसंबर में एयर चीफ मार्शल शेख अब्दुल हन्नान की भारत यात्राएं शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण स्मारक वर्ष में औपचारिक बंदरगाह कॉल के हिस्से के रूप में, आईएनएस कुलिश और आईएनएस सुमेधा ने मार्च 2021 में मोंगला बंदरगाह का दौरा किया, जो बांग्लादेश की आजादी के बाद से मोंगला बंदरगाह पर डॉक करने वाले पहले भारतीय नौसैनिक युद्धपोत बन गए। इसी तरह, बीएनएस सोमुद्रा अविजन ने अक्टूबर 2021 में विशाखापत्तनम का दौरा किया। दोनों पक्षों ने रक्षा प्रशिक्षण में भी सहयोग किया।

मार्च 2021 में विदेश मंत्री की बांग्लादेश यात्रा के दौरान बांग्लादेश के विदेश मंत्री अब्दुल मोमेन ने उनका स्वागत किया

सम्पर्क साझेदारी

व्यापक संपर्क को बढ़ाना दोनों पक्षों का एक साझा उद्देश्य रहा है। हाल के वर्षों में, न केवल 1965 से पहले के कनेक्टिविटी मोड को बहाल किया गया हैअपितु जलमार्ग, यात्री और क्रूज शिपिंग, ऊर्जा और बिजली लाइनों जैसे नए चैनलों को कनेक्टिविटी मिश्रण में जोड़ा गया है। हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल लिंक 1 अगस्त 2021 को चालू हो गया। मालगाड़ियों की आवाजाही पहले ही इस लिंक का उपयोग करना शुरू कर चुकी है और इसका उपयोग जलपाईगुड़ी (भारत)- ढाका (बांग्लादेश) मार्ग पर तीसरी सीमा पार यात्री ट्रेन सेवा 'मिताली एक्सप्रेस' चलाने के लिए भी किया जाएगा । इसके साथ, 1965 से पहले के छह में से पांच भारत-बांग्लादेश रेल संपर्क बहाल हो गए हैं।अखौरा, बांग्लादेश और अगरतला, त्रिपुरा के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण रेलवे सम्पर्क परियोजना वर्तमान में चल रही है और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र और बांग्लादेश के बीच रेलवे कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी। त्रिपुरा में फेनी नदी पर 'मैत्री सेतु' पुल का निर्माण पूरा किया गया और 2021 में दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा इसका उद्घाटन किया गया, इस प्रकार पूर्वोत्तर क्षेत्र और बांग्लादेश के बीच बेहतर सड़क संपर्क प्रदान किया गया।भारत और बांग्लादेश ने अपने रेल सहयोग को बढ़ाया, क्योंकि भूमि सीमा के माध्यम से व्यापार में व्यवधान का सामना करना पड़ा था। आवश्यक वस्तुओं के सीमा पार परिवहन के लिए रेल पसंदीदा, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल साधन के रूप में उभरा। इस वर्ष पार्सल और कंटेनर सेवाओं को सुविधाजनक बनाते हुए मालगाड़ियों का अब तक का सबसे अधिक आवागमन हुआ। रेल के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार ने अप्रैल-अक्टूबर 2021 के बीच 2020 में इसी अवधि की तुलना में 45% की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की।सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के अधिक आधुनिकीकरण और सीमा पार कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए, 17 सितंबर 2021 को एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पेट्रापोल में एक नए यात्री टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया गया। भारत के लिए नौवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आप्रवासन बंदरगाह, आईसीपी पेट्रापोल दोनों देशों के बीच सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमि बंदरगाह भी है जहां सालाना 23 लाख यात्री आते हैं और इसके उन्नयन से व्यापार और लोगों के सम्पर्क में सुविधा होगी।

विकास सहयोग

भारत अपनी कुल वैश्विक विकास सहायता का लगभग 30% बांग्लादेश को देता है। भारत ने बांग्लादेश को तीन लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) सहित करीब 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कुल रियायती ऋण दिया है, जो किसी भी देश को दिया गया सबसे बड़ा ऋण है। इन एलओसी द्वारा समर्थित क्षेत्रों में अन्य के साथ साथ बिजली उत्पादन और पारेषण, रेल और सड़क परिवहन, बहुउद्देशीय टर्मिनल और बंदरगाह, अवसंरचनागत विकास जैसे स्ट्रीट लाइट, आर्थिक क्षेत्र आदि शामिल हैं। एलओसी के अलावा, भारत सरकार विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं और उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के लिए बांग्लादेश को अनुदान सहायता भी प्रदान कर रही है।

आर्थिक और वाणिज्यिक

बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। बांग्लादेश भारत के लिए चौथा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बन गया है। कोविड से संबंधित व्यवधानों के बावजूद, द्विपक्षीय व्यापार 14% की अभूतपूर्व दर से वित्त वर्ष 2019-20 में 9.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2020-21 में 10.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह दोनों देशों में सीमा पार उत्पादों के लिए निजी उद्योग और उपभोक्ताओं द्वारा व्यक्त किए गए भरोसे का एक प्रमाण है। बांग्लादेश में आरएमजी और कपड़ा कारोबार के समर्थन में पहली बार 468 टन सूती धागे को रेल द्वारा बेनापोल (बांग्लादेश) पहुंचाया गया। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) ने सितंबर 2021 में बांग्लादेश में एक अपतटीय (ऑफशोर) ब्लॉक में अपना पहला कुआं खोदा है।

कोविड महामारी की चुनौती से निपटने के लिए सहयोग2021 में, भारत सरकार ने बांग्लादेश को महामारी से लड़ने के लिए चल रहे प्रयासों में सहायता के लिए 3.3 मिलियन कोविशील्ड टीके उपहार में दिए। यह भारत द्वारा किसी भी देश को उपहार में दिए गए मेड-इन-इंडिया कोविड टीकों की सबसे बड़ी

खेप है।भारत द्वारा बांग्लादेश को उपहार में दिए गए दो 'मोबाइल ऑक्सीजन प्लांट' सितंबर 2021 में आईएनएस सावित्री की यात्रा के माध्यम से वितरित किए गए थे। पुनः, भारत ने पहली बार, रेलवे कंटेनरों में तरल चिकित्सा ऑक्सीजन (एलएमओ) के परिवहन के लिए 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' ट्रेनों का संचालन किया। पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस 24 जुलाई 2021 को टाटानगर से बांग्लादेश पहुंची। भारत ने मार्च 2021 की अपनी यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप बांग्लादेश को 109 लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भी सौंपी। अगस्त 2021 में बांग्लादेश को ऑक्सीजन नेज़ल कैनुला, ऑक्सीजन फेस मास्क, ऑक्सीजन फ्लो मीटर, नॉन-रिब्रीथर मास्क, पल्स ऑक्सीमीटर, हाई फ्लो नेज़ल कैनुला, मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर और इन्फ्रारेड थर्मामीटर सहित लगभग 20 टन आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति भेंट की गई थी।

भूटान

आपसी समझ और सम्मान का आधार, साझा सांस्कृतिक विरासत, और लोगों से लोगों का मजबूत जुड़ाव भारत और भूटान के बीच विशेष और अद्वितीय साझेदारी की पहचान है। विकास के पारंपरिक क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करते हुए और सहयोग के नए क्षेत्रों का विकास करते हुए दोनों देशों के बीच बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध वर्ष के दौरान फलते-फूलते रहे।

जुलाई 2021 में भूटान में भीम यूपीआई की शुरुआत

उच्च स्तरीय आदान प्रदान

सीमा पार यात्रा के कोविड महामारी से प्रभावित होने के बावजूद उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा जारी रही। प्रधान मंत्री ने 11 मई 2021 को भूटान के प्रधान मंत्री, ल्योनचेन डॉ. लोटे शेरिंग के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने कोविड महामारी से निपटने के लिए एक-दूसरे के प्रयासों में एकजुटता व्यक्त की और कहा कि वर्तमान संकट ने भारत और भूटान के बीच विशेष मित्रता को और मजबूत किया है।

भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री और भूटान के विदेश मंत्री डॉ. टांडी दोरजी पर्यावरण के क्षेत्रों में सहयोग पर द्विपक्षीय सहमति ज्ञापन के हस्ताक्षरकर्ता थे, जो 18 जून 2021 को आयोजित एक आभासी हस्ताक्षर समारोह में संपन्न हुआ। इसने इस महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र के नए क्षेत्रों में इसका विस्तार करते हुए सहयोग और संयोजन को नवीनीकृत किया। सहमति ज्ञापन के तहत परिकल्पित सहयोगात्मक गतिविधियों में सहयोग के विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करने के लिए गठित एक संयुक्त कार्य समूह के साथ तकनीकी सहायता, क्षमता निर्माण, ज्ञान का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, विशेषज्ञों, विद्वानों और प्रतिनिधिमंडलों द्वारा परस्पर दौरे, परियोजनाएं और संगोष्ठियां शामिल हैं।

भीम यूपीआई का 13 जुलाई 2021 को भारत के वित्त मंत्री और भूटान के वित्त मंत्री ल्योंपो नामगे शेरिंग द्वारा संयुक्त रूप से भूटान में शुभारंभ (लॉन्च) किया गया था, जो अगस्त 2019 में प्रधान मंत्री की भूटान यात्रा के दौरान जारी संयुक्त वक्तव्य में की गई प्रतिबद्धता को पूरा करता है। इस लॉन्च के साथ भूटान अपने क्यूआर परिनियोजन के लिए यूपीआई मानकों को अपनाने वाला पहला विदेशी राष्ट्र और भीम ऐप के माध्यम से मोबाइल-आधारित भुगतान स्वीकार करने वाला हमारे बिल्कुल पड़ोस का पहला देश बन गया। भूटान में भीम यूपीआई का शुभारंभ रुपे परियोजना की सफलता पर आधारित है और भारत और भूटान के बीच आर्थिक और वित्तीय संबंधों को और गहरा करता है।

विकास साझेदारी

4500 करोड़ रुपये की योजना सहायता और 400 करोड़ रुपये की ट्रांजिशनल व्यापार सहायता सुविधा (टीएसएफ) की भारत की प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन और आवंटन की निगरानी के लिए जून 2021 में भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीसरी भूटान-भारत विकास सहयोग वार्ता आयोजित की गई थी।वार्ता के दौरान, भारत भूटान की 9 नई प्राथमिकता वाली परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने पर सहमत हुआ, जिसमें जल प्रमुख परियोजना और अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना शामिल है। 1 अप्रैल 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक, भारत सरकार ने प्रोजेक्ट टाईड असिस्टेंस (पीटीए), हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (एचआईसीडीपी), प्रोग्राम ग्रांट और टीएसएफ के लिए 496.53 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

इस अवधि के दौरान भूटान को भारत सरकार की योजना सहायता की मुख्य विशेषताओं में भूटान का 110 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख कार्यक्रम, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित पीटीए (प्रोजेक्ट टाईड असिस्टेंस) परियोजना, शामिल है, जिसे मार्च 2021 में भूटान में स्क्रीनिंग सुविधाओं और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण के प्रावधान के माध्यम से गैस्ट्रिक, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर के कारण मृत्यु दर को कम करने के लिए शुरू किया गया था और भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए भारत सरकार के पीटीए के माध्यम से 68.1 करोड़ रुपये की लागत से मोंगर में अत्याधुनिक मातृ एवं शिशु अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है।

जल विद्युत सहयोग

जलविद्युत सहयोग द्विपक्षीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिससे भूटान की विशाल जलविद्युत क्षमता का पारस्परिक लाभ के लिए दोहन किया जा सकता है। संयुक्त रूप से विकसित जलविद्युत क्षमता अभी 2136 मेगावाट है। इंस्टिट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियर्स, लंदन द्वारा सिविल इंजीनियरिंग, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए संयुक्त रूप से गठित मंगदेछु जलविद्युत परियोजना प्राधिकरण (एमएचपीए) को प्रतिष्ठित ब्रूनेल मेडल प्रदान करने के लिए एक समारोह के माध्यम से, जिसका आयोजन 5 अगस्त 2021 को थिम्पू में किया गया था और जिसमें भूटान के आर्थिक मामलों के मंत्री ल्योंपो लोकनाथ शर्मा ने भाग लिया था, कुछ परियोजनाओं को भी स्थानीय अर्थव्यवस्था और समुदायों में उनके सकारात्मक योगदान के लिए मान्यता दी गई है।

दोनों सरकारों द्वारा चालू परियोजनाओं पर समन्वय जारी है जिसमें 21 और 22 सितंबर 2021 को पुनात्सांगछु-II जलविद्युत परियोजना और मंगदेछु जल परियोजना के लिए प्राधिकरण की बैठकें आयोजित करना शामिल है, जो पिछली बार सितंबर 2019 में आयोजित की गई थी। खोलोंगछु एचईपी द्वारा भी इसके सिविल कार्यों के लिए अनुबंध प्रदान किए जा रहे हैं।

शिक्षा और क्षमता निर्माण

भूटान की प्राथमिकताओं के अनुरूप विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग वर्ष 2021-22 तक जारी रहा। भारत सरकार द्वारा भूटानी छात्रों को भारत में व्यापक विषयों में अध्ययन करने के लिए प्रतिवर्ष 950 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इसमें प्रतिष्ठित नेहरू-वांगचुक छात्रवृत्ति शामिल है जो सालाना 8 स्लॉट प्रदान करती है, आईसीसीआर छात्रवृत्ति के तहत 20 वार्षिक स्लॉट, एमबेस्डर्स स्कॉलरशिप और नालंदा विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति शामिल है। तीन भूटानी छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर में एम.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया और 2021-2022 के लिए भारत-भूटान मैत्री छात्रवृत्ति प्राप्त की। एक अन्य छात्र को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर द्वारा ग्लोबल फेलोशिप प्रदान की गई। भूटान की पर्यटन परिषद के 30 टूर गाइड और अधिकारियों के एक समूह ने महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित एक महीने के ऑनलाइन परिचयात्मक स्तर के हिंदी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

मंत्रालय के ई-आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण के अवसरों के लिए भूटानी नागरिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 200 से अधिक स्लॉटों के साथ, भारत ने उनके सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण में भूटान के साथ भागीदारी जारी रखी। वर्ष के दौरान भूटानी न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा समकालीन कानूनी मुद्दों पर 14-सप्ताह का एक कस्टमाइज़्ड इंटेंसिव ई-आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था।

नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग

सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान की जा रही है, जो लगातार विविधता ला रहे हैं और दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को नई गति प्रदान कर रहे हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एक ऐसा क्षेत्र है जहां प्रधान मंत्री और महामहिम भूटान के राजा के विज़न के अनुसार द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़े हैं। 24 सितंबर 2021 को, भूटान के लिए एक छोटे उपग्रह के संयुक्त विकास पर कार्यान्वयन व्यवस्था के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार विभाग के बीच एक आभासी हस्ताक्षर समारोह सूचना और संचार मंत्रालय, रॉयल सरकार, भूटान में आयोजित किया गया था। समझौते के अनुसरण में, भूटान के सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार विभाग के भूटानी अंतरिक्ष इंजीनियरों की एक टीम ने नवंबर 2021 से बेंगलुरु में यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) में प्रशिक्षण लिया। 2022 की पहली तिमाही में उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए एक उपयुक्त तिथि पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) द्वारा जुलाई 2021 में भूटान इन्फोकॉम और मीडिया अथॉरिटी (बीआईसीएमए) के अधिकारियों के लिए आयोजित शुरुआती क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑगमेंटेड रियलिटी और आभासी वास्तविकता जैसी उभरती हुई तकनीकों को शामिल किया गया था।

व्यापार और आर्थिक सहयोग

भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। 2020-21 में, द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1083 मिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया, जिसमें से भूटान को भारत का निर्यात 694 मिलियन अमरीकी डालर और भूटान से भारत का आयात 389 मिलियन अमरीकी डालर था। दोनों सरकारें व्यापार और आपसी निवेश को सुविधाजनक बनाने के उपाय करने में लगी

रहीं। भारत सरकार ने 14 जुलाई 2021 से भारत-भूटान सीमा पर जयगांव में प्लांट क्वारंटाइन स्टेशन के माध्यम से भूटान से भारत में सात ताजा सब्जियों - अर्थात मिर्च, बीन्स, बंदगोभी, फूलगोभी, गाजर, मटर, और सोयाबीन के आयात की अनुमति दी। इसके अलावा, भूटान को आईएनआर की कमी से निपटने में मदद करने के लिए, भारत सरकार दवारा आरजीओबी को 5% प्रति वर्ष की दर पर प्रदान की गई क्रमशः 300 करोड़ रूपये और 400 करोड़ रूपये की दो स्टैंडबाय क्रेडिट सुविधाओं (एससीएफ) की सीमा को भी बढ़ाया जो क्रमशः दिसंबर 2021 और जून 2022 में समाप्त होने वाली थी। इन्हें अब 2.5% प्रति वर्ष की संशोधित ब्याज दर पर प्रदान किया गया है। भूटान के रॉयल मॉनेटरी अथॉरिटी को सार्क देशों के लिए मुद्रा स्वैप व्यवस्था पर फ्रेमवर्क के तहत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ 200 मिलियन अमरीकी डालर तक की मुद्रा स्वैप सुविधा भी प्राप्त है।

व्यापार और पारगमन मुद्दों पर भारत और भूटान के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की बैठक 03 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव और भूटानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आर्थिक मामलों के सचिव दाशो कर्मा शेरिंग ने किया था। दोनों सह-अध्यक्षों ने भारत और भूटान के बीच व्यापार के लिए सात अतिरिक्त प्रवेश/निकास बिंदुओं यथा (i) नगरकाटा भूमि सीमा शुल्क स्टेशन; (ii) अगरतला भूमि सीमा शुल्क स्टेशन; (iii) पांडु बंदरगाह; (iv) जोगीघोपा बंदरगाह; (v) भारत में तोर्शा चाय बागान और भूटान में अहले को जोड़ने वाला एशियाई राजमार्ग 48; (vi) कामर्दविसा; और (vii) बीरपारा को औपचारिक रूप देने के लिए पत्रों का आदान-प्रदान किया॥

डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड ऑफ इंडिया, इन्वेस्ट इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और टीआईई दिल्ली-एनसीआर के सहयोग से भूटानी उद्यमियों के लिए 'इग्नाइट' शीर्षक से एक वर्चुअल स्टार्टअप मेंटरशिप प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। वर्चुअल सत्र अक्टूबर 2021 से जनवरी 2022 तक आयोजित किए गए थे, जिसमें 150 से अधिक भूटानी उद्यमियों को भारतीय स्टार्टअप द्वारा सलाह प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया था।

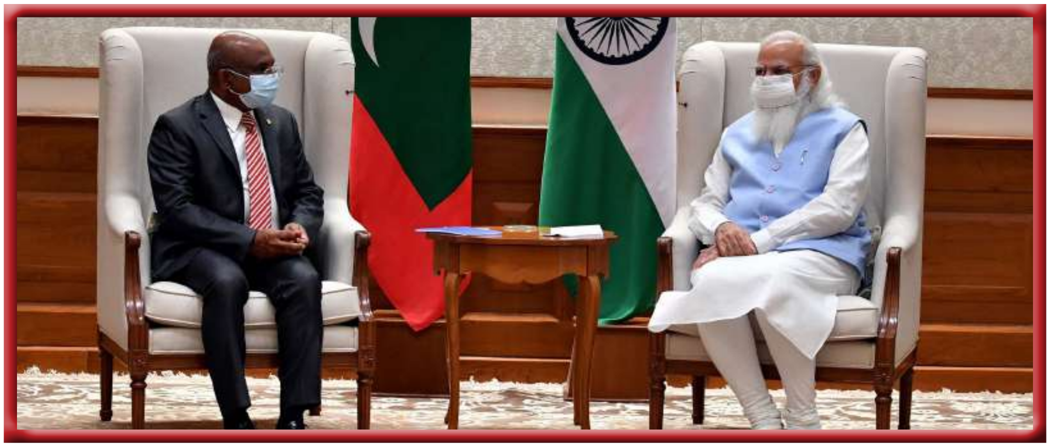

जुलाई 2021 में प्रधानमंत्री ने 76वें यूनजीए के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद से मुलाकात की

कोविड महामारी के दौरान सहयोग

भारत और भूटान के बीच अनुकरणीय संबंधों के अनुरूप और एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में प्रधान मंत्री द्वारा भूटान को दिए गए आश्वासनों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने कोविड महामारी के कारण हुए व्यवधानों के बावजूद भूटान को आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की। जनवरी 2021 में भूटान को दिए गए 150,000 कोविशील्ड टीकों की पहली किश्त के बाद, मार्च 2021 में भूटान को अनुदान सहायता के रूप में अन्य 400,000 टीके भेजे गए। 3 मई 2021 को भूटान की शाही सरकार को पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीनों की छह (06) इकाइयों वाली तेरहवीं चिकित्सा खेप सौंपी गई।

सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंधभारत और भूटान बौद्ध धर्म की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा को साझा करते हैं। इस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से इन संबंधों को जीवित रखा गया है और इसे और गहरा किया गया है। आईसीसीआर द्वारा कमीशन की गई भगवान बुद्ध की एक कांस्य प्रतिमा, भूटान की सरकार और लोगों को उपहार में दी गई थी, जिसे 20 जून 2021 को गुरु रिनपोछे की जयंती के अवसर पर प्रतिष्ठित ताशिछो द्ज़ोंग मठ में स्थापित किया गया था। अक्टूबर 2021 में, भगवान बुद्ध के अवतरण दिवस की पूर्व संध्या पर, धर्माचार्य शांतम सेठ और प्रो. रवींद्र पंथ द्वारा संचालित भारत में बौद्ध सर्किट का एक आभासी दौरा, पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें भूटान के विदेश मंत्री ल्योंपो डॉ टांडी दोरजिक ने भी भाग लिया था।

लोगों से लोगों के बीच जीवंत संबंध भारत और भूटान के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की पहचान हैं। भारत के दूतावास, थिम्पू द्वारा भूटानी संगठनों के साथ साझेदारी में भारत@75 अमृत महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी और कला प्रतियोगिताएं, पैनल चर्चाएं और खेलों के आयोजन शामिल हैं, जिसमें भूटान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। चार भूटानी युवा नेताओं ने 25 नवंबर से 2 दिसंबर 2021 तक आईसीसीआर द्वारा आयोजित जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेटिक नेटवर्क प्रोग्राम में भाग लिया।

मालदीव

भारत और मालदीव जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक संबंध साझा करते हैं। दोनों राष्ट्र लोकतांत्रिक गुणों, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और कानून के शासन के साझा मूल्यों के आधार पर घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी संबंधों का आनंद लेते हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) की सुरक्षा और संरक्षा बनाए रखने में दोनों देशों की प्रमुख भूमिका है। प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह (पीआईएमएस) के नेतृत्व में, संबंधों को एक आधुनिक, गतिशील और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी में उन्नत किया गया है। प्रधान मंत्री और पीआईएमएस ने पिछले 3 वर्ष में 4 अवसरों पर मुलाकात की और 20 अप्रैल 2020 और 14 जुलाई 2021 को टेलीफोन पर भी बात की। भारत की "पड़ोसी पहले" नीति और मालदीव की "इंडिया फर्स्ट" नीति हमारी साझा विषयों से निपटने और हमारे आपसी हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करती है ।

कोविड संबंधी सहयोग

मालदीव कोविड राहत उपायों के लिए भारत द्वारा पूरे दिल से और त्वरित सहायता करने और बार बार सर्वप्रथम सहायता प्रदान करने के लिए मालदीव के समाज के सभी हिस्सों से प्रशंसा मिली है। भारत ने जनवरी और फरवरी 2021 में मालदीव को कोविशील्ड टीकों की 200,000 खुराकें भेंट कीं और इसने मालदीव में तेजी से और सफल टीकाकरण अभियान के लिए मंच तैयार किया। आज, मालदीव में 90% से अधिक योग्य आबादी का टीकाकरण किया जा चुका है। इसने मालदीव की अर्थव्यवस्था को सुधार के रास्ते पर वापस लाने में समर्थ बनाया है।

लोगों के बीच आपसी संबंध

2020 में स्थापित हवाई यात्रा बबल मई-जून 2021 में एक संक्षिप्त विराम के साथ जारी रहा। एयर बबल, प्रति सप्ताह 60 से अधिक उड़ानों के साथ, 2021 में मालदीव के पर्यटकों के लिए शीर्ष स्रोत बन गया है। 15 अक्टूबर 2021 को भारत ने पर्यटन, चिकित्सा और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मार्च 2019 के वीजा-मुक्त समझौते को बहाल कर दिया। इस निर्णय ने मालदीव में बहुत सद्भावना अर्जित की।

मालदीव के एक 14 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने नवंबर 2021 में भारत का दौरा किया। दिसंबर 2021 में, सीयूएसएटी कोच्चि की 4 सदस्यीय टीम ने मालदीव के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से मालदीव के उत्तर में मैंग्रोव डाई-ऑफ फील्ड जांच के लिए मालदीव का दौरा किया।

व्यापार एवं वाणिज्य

भारत मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बनकर उभरा है। निर्यात और आयात को और आसान बनाने के लिए, जुलाई 2021 में, भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और मालदीव सीमा शुल्क सेवा (एमसीएस) ने कार्गो डेटा के आगमन से पहले विनिमय पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जुलाई 2021 में, भारत ने मालदीव को 9 आवश्यक वस्तुओं के प्रतिबंध-मुक्त निर्यात के लिए कोटा समझौते को अगले 3 वर्ष के लिए बढ़ा दिया। भारत और मालदीव के बीच सितंबर 2020 में शुरू हुई सीधी कार्गो वेसल सेवा ने अपनी यात्राओं को जारी रखा और आपूर्ति लाइनों में व्यवधान के समय मालदीव के उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को कम रखने में सहायता की।

भारत और मालदीव के बीच व्यापार और वाणिज्यिक संबंध बढ़ रहे हैं। 2020 और 2021 में, भारत 2019 में चौथे स्थान से मालदीव के दूसरे सबसे बड़े व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है, जिसमें भारतीय निर्यात के लिए बाजार की हिस्सेदारी लगभग 13% है। इसे ध्यान में रखते हुए, मालदीव पर एक विशेष देश सत्र दिसंबर 2021 में आयोजित इस वर्ष के सीआईआई पार्टनरशिप वर्चुअल समिट का हिस्सा था।अवसंरचना विकास

मालदीव में भारत का विकास सहयोग 2.2 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक है। इस क्षेत्र में, लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) के तहत 9 बड़ी अवसंरचना परियोजनाएं शुरू हुई - जिसमें ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, एडु रोड्स और 34 द्वीपों पर पानी और सीवरेज सुविधाएं शामिल हैं। हनीमाधू और गण हवाई अड्डे के पुनर्विकास परियोजनाओं, मत्स्य प्रसंस्करण सुविधा परियोजना और हुलहुमले में क्रिकेट स्टेडियम की निविदा पर काम तेजी से जारी है। लगभग 40 अनुदान और उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाएं (एचआईसीडीपी) द्वीपों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। सितंबर 2021 में, हुलहुमले में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 40 मिलियन अमरीकी डालर के एलओसी और 4000 सामाजिक आवास इकाइयों के निर्माण के लिए एक्जिम बैंक के 227 मिलियन अमरीकी डालर के बायर्स क्रेडिट पर हस्ताक्षर किए गए थे। जुलाई की यात्रा में, एचआईसीडीपी के लिए एक संशोधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने परिव्यय को 5.5 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़ाकर 10 मिलियन अमरीकी डॉलर कर दिया। आज की तारीख में, स्थानीय निकायों के माध्यम से 20 एचआईसीडीपी कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

बहुपक्षीय सहयोग

जून 2021 में, विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद को भारत के समर्थन से चुनाव में भारी मतों से संयुक्त राष्ट्र महासभा (पीजीए) का 76वां अध्यक्ष चुना गया था। विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने अप्रैल 2021 में और जुलाई 2021 में यूएनजीए के अध्यक्ष के रूप में भारत का दौरा किया।

रक्षा सहयोग

रक्षा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। रक्षा सहयोग पर, संयुक्त अभ्यास "एकथा" का चौथा संस्करण जुलाई 2021 में आयोजित किया गया था। जुलाई 2021 में एक नया एंटी-नारकोटिक्स और एसएआर त्रिपक्षीय अभ्यास "ऑपरेशन शील्ड" भी आयोजित किया गया था। काउंटर टेररिज्म पर पहला जेडब्ल्यूजी अप्रैल 2021 में आयोजित किया गया था और कार्यान्वयन पर एक कार्य योजना पर सहमति हुई थी। वार्षिक संयुक्त स्टाफ वार्ता का 5 वां संस्करण अगस्त 2021 में आयोजित किया गया था। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) के पहले अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारी सितंबर 2021 में सूचना संलयन केंद्र - हिंद महासागर क्षेत्र, गुरुग्राम में शामिल हुए। समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाने के लिए ' कोओपरेशन इन लॉंग रेंज आईडेंटिफिकेशन एंड ट्रैकिंग ऑफ शिप्स (एलआरआईटी)'

पर भारत-मालदीव समझौता ज्ञापन पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। तटीय रडार प्रणाली (सीआरएस) और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बलों (एमएनडीएफ) के लिए समग्र प्रशिक्षण केंद्र (सीटीसी) के दूसरे चरण का कार्य पूर्ण होने के करीब है। अड्डु में नेशनल कॉलेज ऑफ पुलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट (एनसीपीएलईएस) - मालदीव पुलिस सर्विसेज (एमपीएस) के लिए प्रशिक्षण अकादमी - का कार्य पूरा होने वाला है और शीघ्र ही उद्घाटन के लिए तैयार होगा। एमएनडीएफ के रक्षा बल के प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल ने नवंबर 2021 में गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2021 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

नवंबर 2021 में त्रिपक्षीय अभ्यास 'दोस्ती' का 15वां संस्करण आयोजित किया गया था। साथ ही, रक्षा मंत्री मारिया दीदी ने भारतीय नौसेना अकादमी में पासिंग आउट परेड की समीक्षा करने वाली पहली विदेश रक्षा मंत्री के रूप में भारत का दौरा किया। कमांडेंट मालदीवियन कोस्ट गार्ड ने गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव के तीसरे संस्करण में भाग लिया। क्षमता निर्माण के मोर्चे पर, मालदीव पुलिस सेवा (एमपीएस) के 06 अधिकारी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। दिसंबर 2021 में मालदीव में संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' का 11वां संस्करण आयोजित किया गया था। अड्डु में नेशनल कॉलेज ऑफ पुलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट (एनसीपीएलईएस) - मालदीव पुलिस सर्विसेज (एमपीएस) के लिए प्रशिक्षण अकादमी - का कार्य पूरा होने वाला है और 2022 के आरम्भ में उद्घाटन के लिए तैयार होगा।

क्षमता विकास

मानव संसाधन के क्षमता निर्माण पर, ऑनलाइन शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में ई-आईटीईसी के तहत विभिन्न आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। हवाई संपर्क में सामान्य स्थिति की वापसी के साथ, अगस्त 2021 से स्थल प्रशिक्षण फिर से शुरू हुआ। विदेश मंत्रालय के छह युवा राजनयिकों ने सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस) द्वारा आयोजित 'आईओआर क्षेत्र के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम' में भाग लिया; मालदीव के 30 सिविल सेवकों - 6 वें बैच - ने दिल्ली और मसूरी में नेशनल सेन्टर फॉर गुड गवर्नेंस(एनसीजीजी) द्वारा आयोजित "प्रशासन में क्षमता निर्माण का छठा कार्यक्रम" में भाग लिया; मालदीव सीमा शुल्क सेवा के 10 अधिकारियों ने दिल्ली में 'रासायनिक विश्लेषण और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) परीक्षण' में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। एक और महत्वपूर्ण विकास भारत और मालदीव के बीच उभरते ऑडिट क्षेत्रों में क्षमता निर्माण शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना था, 25 अक्टूबर 2021 को नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की यात्रा के दौरान, भारत और मालदीव के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भविष्य में, मालदीव में सभी अवसंरचनागत और सामाजिक विकास परियोजनाओं की समय पर प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें 20 उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाएं, 800 मिलियन अमरीकी डालर की लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत परियोजनाएं, 500 मिलियन अमरीकी डालर की ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना और इनके लिए ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह का आयोजन किया जाना शामिल है। अड्डू में 225 करोड़ रुपये के अनुदान से वित्त पोषित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का उद्घाटन किया जाएगा। 2021-22 की चौथी तिमाही में और अधिक द्विपक्षीय आदान-प्रदान, दौरे और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण होंगे।

म्यांमार

भारत और म्यांमार सभ्यतागत, ऐतिहासिक और लोगों से लोगों के बीच संबंध साझा करते हैं। म्यांमार आसियान के लिए भारत की भूमि कड़ी है और भारत की "पड़ोसी पहले" और "एक्ट ईस्ट" नीतियों का एक महत्वपूर्ण घटक है। भारत ने 01 फरवरी 2021 से म्यांमार के घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारत ने लोकतंत्र की बहाली, कानून के शासन को बनाए रखने, राजनीतिक बंदियों की रिहाई और हिंसा की समाप्ति का आह्वान किया है। म्यांमार के लोगों के मित्र के रूप में, भारत ने म्यांमार में मानवीय और विकास सहायता जारी रखी है।

विदेश सचिव ने 22-23 दिसंबर 2021 तक म्यांमार की दो दिवसीय कार्यशील यात्रा की।

[विदेश सचिव ने अपनी म्यांमार यात्रा के दौरान आपसी हित के मुद्दों पर चुनिंदा राजदूतों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया]कोविड संबंधी सहयोग

भारत ने देश में तीसरी लहर के प्रकोप के दौरान कोविड के विरुद्ध म्यांमार की लड़ाई में सहयोग किया। अगस्त और सितंबर 2021 के दौरान तीन चरणों में म्यांमार को 1 मिलियन अमरीकी डालर की दवाएं और चिकित्सा उपकरण दान किए गए, जिससे कोविड से निपटने के लिए कुल द्विपक्षीय चिकित्सा सहायता लगभग 2.3 मिलियन अमरीकी डालर हो गई। इसके अलावा, भारत ने आसियान सेंटर फॉर ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस (एएचए सेंटर) के माध्यम से म्यांमार के लिए 200,000 अमरीकी डालर की चिकित्सा सहायता भी प्रदान की है। भारत ने म्यांमार को 10,000 टन चावल और गेहूं देने की घोषणा की है।

भारत ने 2021 में म्यांमार को 5.7 मिलियन से अधिक खुराक की भी आपूर्ति की है, जिसमें 3.7 मिलियन खुराक अनुदान के रूप में है।

विकास सहयोग

विकास सहयोग म्यांमार के साथ भारत के संबंध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत की सहायता और भागीदारी कालादान मल्टी मोडल ट्रांजिट प्रोजेक्ट के निर्माण जैसी प्रमुख कनेक्टिविटी और अवसंरचना परियोजनाओं से लेकर दीर्घकालिक प्रभाव के लिए क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास के लिए संस्थानों की स्थापना तक है। म्यांमार को भारत की विकास सहायता 2 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है, जिसमें सहायता अनुदान परियोजनाएं सबसे बड़ा घटक हैं।

कोविड महामारी के बावजूद, भारत ने भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग, भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम, रखाइन राज्य विकास कार्यक्रम, मोनिवा और थाटन में भारत-म्यांमार औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्रों की

स्थापना, यामेथिन में एक महिला पुलिस प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, बागान में भूकंप से क्षतिग्रस्त पैगोडा के संरचनात्मक संरक्षण और संरक्षा सहित अपनी विकास सहायता जारी रखी है।

व्यापार

भारत 2020-21 (म्यांमार वित्तीय वर्ष अक्टूबर 2020- सितंबर 2021) में म्यांमार का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 1.46 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। भारत का निर्यात 873.43 मिलियन अमरीकी डॉलर और म्यांमार से आयात का मूल्य 586.54 मिलियन अमरीकी डॉलर था। चालू वित्तीय वर्ष (अप्रैल-अगस्त) के दौरान, म्यांमार को भारत का निर्यात 315.73 मिलियन अमरीकी डॉलर और म्यांमार से आयात 294.05 मिलियन अमरीकी डॉलर है।

भारत और म्यांमार ने जून 2021 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत भारत म्यांमार को 2.5 लाख मीट्रिक टन ब्लैक मैटे (उरद) और 1 लाख मीट्रिक टन अरहर (अरहर) का वार्षिक आयात कोटा प्रदान करता है, जिसे पांच साल के लिए अर्थात 2021-22 से 2025-26 (अप्रैल-मार्च) तक निजी व्यापारियों के माध्यम से आयात किया जाएगा।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

वित्तीय वर्ष 2020-21 में उच्च शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति के तहत म्यांमार के छह उम्मीदवार भारत में अध्ययन कर रहे हैं। 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2021 तक विभिन्न क्षेत्रों में 61 ई-आईटीईसी ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित किए गए जिनमें म्यांमार के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। म्यांमार के चार छात्र "आसियान छात्रों के लिए 1000 एकीकृत पीएचडी फैलोशिप" के तहत विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में म्यांमार के छात्रों को दी जाने वाली आईआईटी छात्रवृत्ति के तहत भारत में अध्ययन कर रहे हैं।

भारत म्यांमार के नागरिकों को म्यांमार इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमआईआईटी) और एडवांस्ड सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन (एसीएआरई) जैसे आईटी और कृषि क्षेत्र के संस्थानों में डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करके क्षमता निर्माण में भी योगदान दे रहा है, जिन्हें भारत की सहायता से स्थापित किया गया है

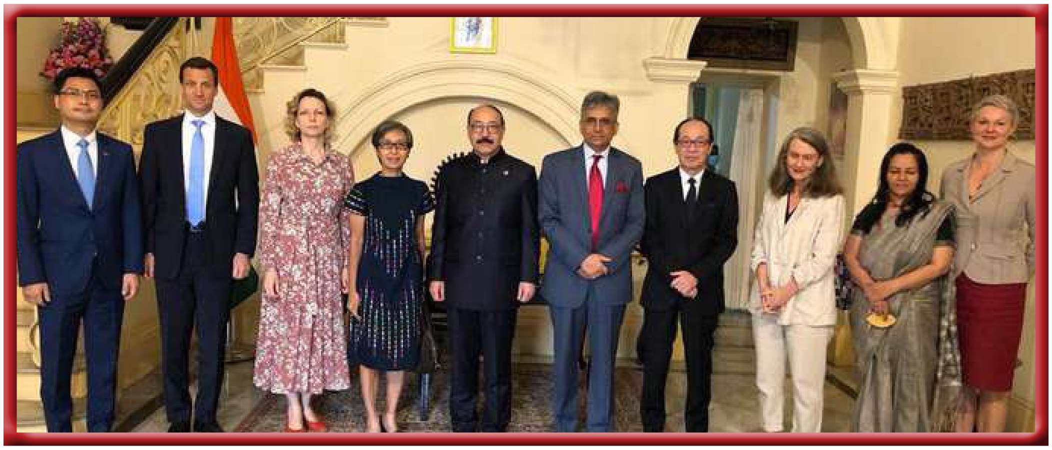

विदेश सचिव ने दिसंबर 2021 में अपनी म्यांमार यात्रा के दौरान विशिष्ट राजदूतों के साथ बातचीत की

नेपाल

नेपाल के विकास और समग्र प्रगति में एक स्थायी रुचि के साथ-साथ निरंतर बढती साझेदारी भारत की "पड़ोसी पहले नीति" के अनुरूप है। बहुआयामी आर्थिक और विकास सहयोग से हमारे सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध सुदृढ़ हुए हैं। नेपाल के संबंध में हमारे प्रमुख उद्देश्य घनिष्ठ आर्थिक एकीकरण, संवर्धित संपर्क, मजबूत विकास साझेदारी और लोगों के बीच घनिष्ठ संपर्क हैं। नियमित उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान और द्विपक्षीय तंत्र की नियमित बैठकों ने हमारी साझेदारी को एक नई गति दी है।

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान

प्रधान मंत्री ने 2014 के बाद से चार बार नेपाल का दौरा किया है और इसी तरह नेपाली प्रधानमंत्रियों ने भारत की नियमित यात्रा की है। 2021 में, प्रधान मंत्री ने नेपाल के प्रधान मंत्री के साथ दो टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें 19 जुलाई 2021 को आने वाले नए प्रधान मंत्री श्री शेर बहादुर देउबा को उनके पदभार ग्रहण करने के बाद की गई बधाई टेलीफोन कॉल भी शामिल है। यह पांचवीं बार है जब श्री शेर बहादुर देउबा ने नेपाल के प्रधान मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया है। दोनों नेताओं ने 02 नवंबर 2021 को ग्लासगो, यूके में सीओपी26 जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान भी मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें कोविड महामारी के खिलाफ चल रहे प्रयास भी शामिल है। प्रधान मंत्री देउबा ने 10-12 जनवरी 2021 तक वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। यह प्रधान मंत्री के रूप में भारत की उनकी पांचवीं आधिकारिक यात्रा है और नेपाल के प्रधान मंत्री के रूप में अपने पिछले प्रत्येक कार्यकाल के दौरान एक बार भारत की आधिकारिक यात्रा की है।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री और नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा

उच्च स्तरीय यात्राओं और विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों की आभासी बैठकों के साथ भारत और नेपाल के बीच संबंधों को और मजबूत किया गया। विदेश मंत्री और नेपाल के विदेश मंत्री डॉ. नारायण खड़का ने 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के अवसर पर द्विपक्षीय बैठक की। नेपाल के थल सेना प्रमुख जनरल प्रभु राम शर्मा ने अपने समकक्ष के निमंत्रण पर 9-12 नवंबर 2021 को भारत का दौरा किया और दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी अनूठी परंपरा को जारी रखते हुए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन्हें भारतीय सेना के मानद जनरल के पद से सम्मानित किया गया। 2015 में विनाशकारी भूकंप के बाद नेपाल के पुनर्निर्माण के सबसे बड़े भागीदार के रूप में, विदेश मंत्री ने 8 दिसंबर 2021 को नेपाल के पुनर्निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएन) में अपनी टिप्पणी वर्चुअली प्रस्तुत की।

भूकंप पुनर्निर्माण पर संयुक्त परियोजना निगरानी समिति (जेपीएमसी) की बैठक सितंबर 2021 में हुई थी। दोनों देशों के सीमा रक्षक बलों (अक्टूबर 2021), रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर भारत-नेपाल कार्य समूहों (अक्टूबर 2021), रेलवे कोओपरेशन (अक्टूबर 2021) के बीच वार्ता हाल ही में हुए कुछ द्विपक्षीय कार्यक्रम हैं। भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण का 15वां संस्करण, भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच अभ्यास सूर्य किरण सितंबर-अक्टूबर 2021 के दौरान उत्तराखंड में आयोजित किया गया था।

रक्षा और सुरक्षा सहयोग

भारत और नेपाल के बीच रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से और व्यापक पारस्पर लाभकारी सहयोग है। ऐतिहासिक रूप से, दोनों सेनाओं के बीच उत्कृष्ट और सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं, और 1950 से, भारत और नेपाल एक दूसरे के सेना प्रमुख को जनरल का मानद पद प्रदान करते रहे हैं। दोनों पक्षों की सुरक्षा एजेंसियां भी सूचनाओं के आदान-प्रदान सहित घनिष्ठ सहयोग साझा करती हैं। संस्थागत द्विपक्षीय तंत्रों में सीमा प्रबंधन सहित आपसी सरोकार के सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियां विभिन्न स्तरों पर नियमित द्विपक्षीय बैठकें करती हैं। सुरक्षा मुद्दों पर द्विपक्षीय सलाहकार समूह (बीसीजीएसआई) का 14वां दौर 28 अक्टूबर 2021 को बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, जिसमें आपसी सुरक्षा चिंताओं, नेपाल के रक्षा बलों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण संबंधी आवश्यकताओं, विशेषज्ञों / प्रशिक्षकों के आदान-प्रदान, उच्च स्तर और कार्यात्मक स्तर के आदान-प्रदान यात्राओं आदि पर चर्चा की गई थी।

भारत-नेपाल रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर कार्य समूहों (अक्टूबर 2021), रेलवे कोओपरेशन (अक्टूबर 2021), दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों (अक्टूबर 2021) के बीच वार्ता और भूकंप पुनर्निर्माण पर संयुक्त परियोजना निगरानी समिति (जेपीएमसी) की बैठक (सितंबर) 2021) हाल के कुछ द्विपक्षीय कार्यक्रम थे। भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण का 15 वां संस्करण, भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच अभ्यास सूर्य किरण सितंबर-अक्टूबर 2021 के दौरान उत्तराखंड में आयोजित किया गया था।

ऑपरेशन मैत्री और भूकंप के बाद पुनर्निर्माण सहायता

नेपाल में 2015 के भूकंप के मद्देनजर, भारत सरकार प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश था और विदेश में अपना सबसे बड़ा आपदा राहत अभियान (ऑपरेशन मैत्री) चलाया। भारत ने आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति विरासत क्षेत्रों में भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के लिए अपनी दीर्घकालिक सहायता के हिस्से के रूप में नेपाल को1 बिलियन अमरीकी डालर प्रदान किए। काठमांडू में 30 सितंबर 2021 को संयुक्त परियोजना निगरानी समिति द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति विरासत और आवास क्षेत्रों में पुनर्निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। भारत सरकार ने 15 नवंबर 2021 को नेपाल के गोरखा और नुवाकोट जिलों में 150 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता से पुनर्निर्मित सभी 50,000 घरों को सफलतापूर्वक सौंप दिया है। पिछले एक साल में 14 हायर सेकेंडरी स्कूल भी बनकर तैयार हो गए हैं और उनका उद्घाटन हो गया है। नेपाल में 130 से अधिक अस्पताल/स्वास्थ्य केंद्रों और 28 सांस्कृतिक विरासत

स्थलों के पुनर्निर्माण का कार्य कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है।

विकास साझेदारी

भारत नेपाल को पूरे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका विकास आदि के प्रमुख क्षेत्रों में बड़े विकास और अवसंरचना और कनेक्टिविटी परियोजनाओं के साथ-साथ छोटी विकास परियोजनाओं / उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार की अनुदान सहायता से रेल संपर्क, सड़कें, एकीकृत चेक पोस्ट जैसी सीमा-पार संपर्क परियोजनाओं की एक श्रृंखला कार्यान्वित की जा रही है।

भारत के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक की पहली सीमा पार पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन हैं, जिसका उद्घाटन 10 सितंबर 2019 को दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया; सालाना लगभग 2 मिलियन यात्रियों की सीमा पार आवाजाही और कार्गो यातायात की सुविधा के लिए बीरगंज और विराटनगर में एकीकृत चेक पोस्ट; नेपाल को 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करने वाली तीन सीमा पार विद्युत पारेषण लाइनें दक्षिण एशिया में हाल के वर्षों में पूरी की गई कुछ प्रमुख फ्लैगशिप परियोजनाएं हैं।

कोविड संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद, चालू कनेक्टिविटी और विकासात्मक परियोजनाओं पर काम जारी रहा और इसमें काफी प्रगति हुई। फरवरी 2021 में, भारत सरकार की 400 करोड़ रुपये की सहायता से13 तराई सड़क पैकेज पूरे किए गए और नेपाल सरकार को सौंपे गए। कोविड अवधि में आरम्भ की गई कुछ उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) में नेपालगंज में फतेह बल नेत्र अस्पताल, लमही बाजार में राप्ती कोल्ड स्टोरेज भवन और जुमला जिले में पुनर्वासित लघु जल विद्युत संयंत्र शामिल हैं। भारत और नेपाल ने कृषि, रेलवे और अंतर्देशीय जलमार्ग कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में नई पहलों को शामिल करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग का भी विस्तार किया है। अप्रैल 2018 में 'कृषि में नई भागीदारी' की घोषणा की गई थी, जो कृषि शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास में सहयोगी परियोजनाओं पर केंद्रित है।

भारत और नेपाल ने भारत-नेपाल रेल सेवा समझौते (आरएसए) के लिए एक विनिमय पत्र (एलओई) पर हस्ताक्षर किए, जिसने निजी कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों सहित सभी अधिकृत कार्गो ट्रेन ऑपरेटरों को नेपाल के कंटेनर और अन्य माल ले जाने में सक्षम बनाया। इसके अलावा, भारत सरकार ने जयनगर (बिहार में) को कुर्था (नेपाल में) से जोड़ने वाली 34.9 किलोमीटर लंबी सीमा पार रेल लिंक नेपाली सरकार को सौंप दी और जयनगर-कुर्था खंड पर यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर हस्ताक्षर करने के अलावा दोनों देशों ने रक्सुअल और काठमांडू के बीच प्रस्तावित ब्रॉड गेज लाइन के अंतिम स्थान सर्वेक्षण के संचालन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत सरकार ने भूकंप के बाद पुनर्निर्माण प्रयासों के हिस्से के रूप में 15 नवंबर 2021 को नेपाल के गोरखा और नुवाकोट जिलों में सभी 50,000 पुनर्निर्मित घरों को सफलतापूर्वक सौंप दिया है।

जल संसाधनों में सहयोग

जल संसाधनों में सहयोग, मुख्य रूप से साझा नदियों से संबंधित, सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जल संसाधन, बाढ़ प्रबंधन और बाढ़ में सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 2008 में त्रिस्तरीय द्विपक्षीय तंत्र (शीर्ष पर मंत्रिस्तरीय बैठक के साथ) स्थापित किया गया है। नदी प्रशिक्षण और तटबंध निर्माण के क्षेत्र में, भारत सरकार नेपाल में नदियों के किनारे तटबंधों के सुदृढ़ीकरण और विस्तार के लिए नेपाल को सहायता प्रदान कर रही है। जेसीआईएफएम जैसे मौजूदा द्विपक्षीय तंत्रों में बाढ़ प्रबंधन और बाढ़ संबंधी मामलों पर चर्चा चल रही है।

विद्युत सहयोग

बिजली क्षेत्र में भारत और नेपाल के बीच मजबूत सहयोग है। भारत सरकार की सहायता से हाल ही में तीन सीमा पार पारेषण: 400 केवी मुजफ्फरपुर-धालकेबार लाइन (2016); 132 केवी कटैया-कुसाहा और रक्सौल-परवानीपुर लाइन (2017) लाइनें पूरी की गई हैं। वर्तमान में भारत द्वारा नेपाल को विभिन्न पारेषण लाइनों के माध्यम से कुल लगभग 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जा रही है, जिससे नेपाल को देश में बिजली की कमी को दूर करने में मदद मिल रही है। बिजली और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग को भारत सरकार द्वारा बिजली के सीमा पार व्यापार की सुविधा के लिए प्रक्रिया की अधिसूचना के साथ एक और बढ़ावा मिला, जो नेपाल के साथ बिजली के निर्यात/आयात को सक्षम बनाता है। क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइनों को बढ़ाया गया है और 106 किलोमीटर लंबी कोशी कॉरिडोर डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन 220 केवी को भारत सरकार के तहत नेपाल को क्रेडिट लाइन के तहत पूरा किया गया था, जिसे 06 अक्टूबर 2021 को नेपाल सरकार को सौंप दिया गया था।

भारत सरकार ने फरवरी 2021 में जारी क्रॉस बॉर्डर ट्रेड ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (सीबीटीई) दिशानिर्देशों के तहत नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) को अपनी अधिशेष ऊर्जा बेचने की अनुमति दी है और पहले चरण में, एनईए के स्वामित्व वाली त्रिशूली जलविद्युत द्वारा उत्पादित 24 मेगावाट और देवीघाट बिजली घर से और 15 मेगावाट सहित 39 मेगावाट बिजली को भारतीय ऊर्जा विनिमय (आईईएक्स) में व्यापार के लिए अनुमति दी गई है। इन दोनों परियोजनाओं को भारत की सहायता से विकसित किया गया था।

व्यापार और आर्थिक संबंध

वित्त वर्ष 2019-20 में 7 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बना हुआ है। भारत नेपाल के लगभग पूरे तीसरे देश के व्यापार के लिए पारगमन प्रदान करता है। नेपाल को भारत का निर्यात पिछले 10 वर्षों में 8 गुना से अधिक बढ़ा है जबकि नेपाल से निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। महामारी के कारण उत्पन्न कठिनाइयों के बावजूद, भारत ने नेपाल को व्यापार और आपूर्ति का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित किया। नेपाल में 150 से अधिक भारतीय उद्यम संचालित हैं, जो मुख्य रूप से पर्यटन, बिजली, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पादों और विनिर्माण क्षेत्रों में लगे हुए हैं। भारतीय फर्में भी नेपाल में निवेश करने में सक्रिय हैं, और नेपाल का 30% से अधिक एफडीआई भारतीय फर्मों से आता है। नेपाल को भारत का शीर्ष निर्यात पेट्रोलियम, वाहन, मशीनरी, चावल हैं। नेपाल से भारत के शीर्ष आयात खाद्य तेल, पॉलीस्टर, जूट, जूस, इलायची हैं।

शिक्षा, सांस्कृतिक सहयोग और लोगों से लोगों का आदान-प्रदान

भारत और नेपाल अपने-अपने क्षेत्रों में एक-दूसरे के नागरिकों को वीजा-मुक्त

प्रवेश प्रदान करते हैं। लगभग आठ (8) मिलियन नेपाली नागरिक भारत में रहते हैं और काम करते हैं और लगभग 6,00,000 भारतीय नेपाल में रहते हैं। नेपाल के विदेशी पर्यटकों में लगभग 30% भारतीय हैं। पी2पी एक्सचेंजों को सुदृढ़ करने के लिए, सिस्टर सिटी समझौतों पर (काठमांडू-वाराणसी, लुंबिनी-बोधगया, जनकपुर-अयोध्या) हस्ताक्षर किए गए हैं और भारत-नेपाल रामायण सर्किट शुरू किया गया है। वर्षों से, नेपाल में मानव संसाधन विकास में भारत का योगदान हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। भारत सरकार शिक्षा के सभी स्तरों पर भारत और नेपाल में अध्ययन कर रहे नेपाली नागरिकों को विभिन्न विषयों में सालाना लगभग 3000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। आईटीईसी कार्यक्रम के तहत, भारत में विभिन्न तकनीकी संस्थानों में नेपाल के लगभग 250 अधिकारियों को सालाना व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

कोविड संबंधी सहायता

अपनी कोविड सहायता के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने नेपाल को कोविडटीकों की 3.1 मिलियन से अधिक खुराक की आपूर्ति की है। भारत सरकार ने नेपाल की कोविड सहायता के लिए 150 आईसीयू बेड भी भेंट किए हैं और एक अत्याधुनिक स्वदृशी ऑक्सीजन प्लांट बी.पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज में लगाया है जिसका उपयोग एक साथ 200 मरीजों के लिए किया जा सकता है। यह ऑक्सीजन प्लांट डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है और यह प्रेशर स्विंग एबज़ोर्बशन तकनीक का उपयोग करता है। भारत ने अपनी कोविड सहायता के हिस्से के रूप में 23 टन दवाएं और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के अलावा, नेपाल को मेडिकल ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की है।

पाकिस्तान

भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत की सतत स्थिति यह है कि आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुद्दों, यदि कोई हो, को द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच संघर्ष विराम समझौताएक सकारात्मक कदम में, भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने 25 फरवरी 2021 को एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें "सभी करारो, समझौतों और 24/25 फरवरी 2021 की मध्यरात्रि से नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अन्य सभी सेक्टरों में संघर्ष विराम का कड़ाई से पालन करने पर सहमति व्यक्त की गई थी। डीजीएमओ के संयुक्त वक्तव्य ने दोनों देशों में प्रभावी रूप से सकारात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न की।

फरवरी 2021 में इसकी घोषणा के बाद से पहले कुछ महीनों के लिए युद्धविराम समझौते का काफ़ी पालन किया गया। हालांकि, जुलाई 2021 के बाद से अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और एलओसी पर पाकिस्तान द्वारा सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी हिंसा और संघर्ष विराम उल्लंघन में तेजी आई है।

2021 में, 31 अक्टूबर 2021 तक संघर्ष विराम उल्लंघन की 666 घटनाएं दर्ज की गई हैं। आतंकवादी हिंसा की घटनाओं में 37 नागरिक और सुरक्षा बलों के 34 सदस्य मारे गए हैं और 70 नागरिक और सुरक्षा बलों के 78 सदस्य घायल हुए हैं। भारत ने, राजनयिक चैनलों और डीजीएमओ के बीच हॉटलाइन वार्ता के स्थापित चैनलों के माध्यम से इन घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान के साथ कड़ा विरोध दर्ज कराया।

सिंधु जल आयोग की बैठकभारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के तहत स्थापित स्थायी सिंधु आयोग की 117वीं बैठक इस्लामाबाद में 18-20 जनवरी 2021 तक हुई।

बहुपक्षीय मंचों में उच्च स्तरीय बातचीत

उच्च स्तरीय बातचीत को सार्क, एससीओ, एनएएम, सीआईसीए सहित बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी तक सीमित कर दिया गया है। पाकिस्तान की एकतरफा कार्रवाई और शत्रुतापूर्ण प्रचार

पाकिस्तान ने अभी तक एक सामान्य पड़ोसी की तरह प्रतिक्रिया नहीं दी है क्योंकि वह भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करना; सामान्य व्यापार, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के आदान-प्रदान को प्रतिबंधित करना; भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार करने और दुनिया के सामने द्विपक्षीय संबंधों की एक संकटपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए शत्रुतापूर्ण और मनगढ़ंत प्रचार जारी रखे हुए है। पाकिस्तान के नेतृत्व ने अपनी घरेलू राजनीतिक और आर्थिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए भारत के विरुद्ध, उसके घरेलू मामलों सहित, अभद्र भाषा, बयानबाजी और भड़काऊ बयानों में कोई राहत नहीं दिखाई है।

भारत ने पाकिस्तान के उन सभी कार्यों और बयानों को पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है जो भारत के लिए पूरी तरह से आंतरिक हैं। परिणामस्वरूप, भारत और विदेशों दोनों में हमारी राजनयिक पहुंच के कारण, भारत की स्थिति को भली प्रकार से समझा गया है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इससे संबंधित मामले भारत के आंतरिक मामले हैं। देशों ने पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों, जिनमें भारत को लक्षित करने वाले आतंकी समूह भी शामिल हैं, के लिए अपना समर्थन और सुरक्षित आश्रय समाप्त करने और भारत के साथ मुद्दों, यदि कोई हो, को द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का आह्वान किया है।

सीमा पार आतंकवाद

भारत ने लगातार सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान को विश्वसनीय, अपरिवर्तनीय और सत्यापन योग्य कार्रवाई करने की आवश्यकता पर बल दिया है। पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध बनाने के भारत के प्रयास सीमा पार आतंकवाद और भारत के खिलाफ हिंसा के लिए पाकिस्तान के निरंतर समर्थन से कमजोर पड़ते रहे हैं।

पाकिस्तान ने अभी तक 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के परिवारों को न्याय दिलाने में ईमानदारी नहीं दिखाई है क्योंकि वह लगातार उलझाने और टालमटोल करने की रणनीति में लगा हुआ है।हमारे लगातार आग्रह के बावजूद कि पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपनी धरती या अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र का उपयोग नहीं करने की जनवरी 2004 की प्रतिबद्धता का सम्मान किया जाए, एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर

सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और भारत में हथियारों की अवैध तस्करी में कोई कमी नहीं आई है।

भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए मजबूती और दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। भारत सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादी घुसपैठ के लिए पाकिस्तान के समर्थन का मुद्दा निरंतर द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर उठाता रहा है; और पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमापार आतंकवाद की निरंतर चिंताओं के बारे में अपने भागीदारों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को जानकारी देता रहा है। हमारे आउटरीच में, पकड़े गए आतंकवादियों के पाकिस्तानी मूल के बारे में विश्वसनीय जानकारी भी साझा की जाती है।

लोगों से लोगों के संबंध

धार्मिक तीर्थयात्राएं:

1974 के धार्मिक स्थलों के दौरे पर द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत, सरकार ने बैसाखी के अवसर पर अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के गुरुद्वारों में 818 सदस्यों के एक सिख जत्थे की तीर्थयात्रा की सुविधा प्रदान की। नवंबर 2021 में निज़ामुद्दीन औलिया के उर्स के लिए ज़ैरेन्स के एक समूह की पाकिस्तान से नई दिल्ली की यात्रा की सुविधा भी दी गई थी। इन यात्राओं को कोविड प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए सुगम बनाया गया था।

[भारत से 818 सदस्यों के एक सिख जत्थे ने अप्रैल 2021 में बैसाखी के अवसर पर पाकिस्तान में गुरुद्वारों की यात्रा की]

भारत और पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन नवंबर 2019 में किया गया था। हालांकि, कोविड महामारी के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में, गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की यात्रा और पंजीकरण को 16 मार्च 2020 को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। कोविड की स्थिति में सुधार के बाद, प्रधान मंत्री ने 17 नवंबर 2021 को करतारपुर कॉरिडोर को फिर से खोलने की घोषणा की। 17 नवंबर 2021 को कॉरिडोर के फिर से खुलने के बाद से 1500 से अधिक धार्मिक तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने के लिए करतारपुर कॉरिडोर का उपयोग किया है। कुल मिलाकर, लगभग 64,000 तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान में पवित्र गुरुद्वारा दरबार साहिब के उद्घाटन के बाद से करतारपुर कॉरिडोर का सफलतापूर्वक उपयोग किया है।

बंदियों और मछुआरों से संबंधित मानवीय मुद्देः:

सरकार पाकिस्तान की हिरासत में बंद कैदियों के मुद्दे को अत्यधिक महत्व देती है और उनकी शीघ्र रिहाई और भारत प्रत्यावर्तन के मामले को लगातार उठाती है। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ उनकी हिरासत में नागरिक मछुआरों और कैदियों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह 2008 के समझौते के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है जिसके तहत हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान किया जाता है। 1 जुलाई 2021 को आदान-प्रदान की गई सूचियों के अनुसार, भारत की हिरासत में पाकिस्तान के 271 नागरिक कैदी और 74 मछुआरे हैं। पाकिस्तान ने 51 नागरिक कैदियों और 558 मछुआरों का हिरासत में होना स्वीकार किया जो भारतीय हैं या भारतीय माने जाते हैं।

सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारत 2014 से पाकिस्तान की हिरासत से 2600 से अधिक भारतीय कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी हासिल करने में सफल रहा है। इसमें 20 भारतीय मछुआरे और 7 भारतीय नागरिक कैदी शामिल हैं, जिन्हें 2021 में रिहा किया गया था और भारत वापस लाया गया था। भारत ने पाकिस्तान की हिरासत में शेष भारतीय नागरिकों तक कांसुलर की शीघ्र पहुंच और रिहाई और प्रत्यावर्तन की मांग की है।

इसके अलावा, भारत ने युद्ध के कैदियों सहित 83 लापता भारतीय रक्षा कर्मियों का मुद्दा उठाया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तान की हिरासत में हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने अब तक उनकी हिरासत को स्वीकार नहीं किया है। भारत एक-दूसरे की हिरासत में मानसिक रूप से अस्वस्थ कैदियों के मुद्दे को हल करने के लिए एक मेडिकल टीम के दौरे का मुद्दा भी उठाता रहा है।

सरकार ने कोविड के चलते लगे सीमा प्रतिबंधों के कारण सीमा के दोनों ओर फंसे पाकिस्तान और भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा भी प्रदान की। अब तक, 1700 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों और 1500 से अधिक भारतीय नागरिकों और पाकिस्तान के दीर्घकालिक वीजा धारकों (एनओआरआई वीजा) को स्वदेश भेजा जा चुका है।

भारत और पाकिस्तान ने 1 जनवरी 2022 को भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के विरुद्ध हमले के निषेध पर समझौते के तहत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का भी आदान-प्रदान किया।

श्रीलंका

कोविड महामारी से उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद, भारत और श्रीलंका अपने सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए लगे रहे। अक्टूबर 2021 में विदेश सचिव और भारत के थल सेनाध्यक्ष की श्रीलंका यात्रा के साथ उच्च स्तरीय आदान-प्रदान जारी रहा। पुलिस प्रमुखों का संवाद (अप्रैल 2021); भारतीय और श्रीलंकाई तट रक्षकों के बीच 5वीं उच्च स्तरीय बैठक (जून 2021), टूरिज्म पर जेडब्ल्यूजी (अक्टूबर 2021), संयुक्त सैन्य अभ्यास- मित्र शक्ति (अक्टूबर 2021) ने इस अवधि के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की गति को बनाए रखा। भारत ने श्रीलंका को कोविड महामारी से लड़ने और उसके प्रतिकूल प्रभाव को कम करने और उसकी विकास संबंधी प्राथमिकताओं में सहायता करना जारी रखा। व्यापार और निवेश, रक्षा और संस्कृति के क्षेत्रों में भी सहयोग में वृद्धि देखी गई। श्रीलंका भारत की "पड़ोसी पहले" नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) सिद्धांत में एक केंद्रीय स्थान रखता है। तदनुसार, दोनों देशों के बीच संबंधों में वर्ष में सकारात्मक रुझान देखे गए।

द्विपक्षीय संबंध

उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ताओं में मार्च 2021 में राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के साथ प्रधानमंत्री की टेलीफोन पर बातचीत और नवंबर 2021 में ग्लासगो

में सीओपी26 के अवसर पर दोनों नेताओं की एक बैठक शामिल थी। विदेश मंत्री ने जून 2021 में अपने पूर्व श्रीलंकाई समकक्ष दिनेश गुणवर्धन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। सितंबर 2021 में, विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान श्रीलंका के मौजूदा विदेश मंत्री जीएलपेइरिस से भी मुलाकात की।

अक्टूबर 2021 में, विदेश सचिव ने श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान, विदेश सचिव ने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे, श्रीलंका के प्रधान मंत्री महिंदा राजपक्षे, वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे और विदेश मामलों के मंत्री प्रो जीएल पेइरिस से मुलाकात की। उन्होंने राज्य के एस्टेट हाउसिंग एंड कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्री जीवन थोंडामन, विदेश सचिव एडमिरल (सेवानिवृत्त) प्रो जयनाथ कोलम्बेज और रक्षा महासचिव (सेवानिवृत्त) जी.डी. एच. कमल गुणरत्ने के साथ सौहार्दपूर्ण और उपयोगी बैठकें और चर्चा की। इन कार्यों के अलावा, विदेश सचिव ने भारतीय अनुदान सहायता के माध्यम से पूरी की गई चार (4) विकास सहयोग परियोजनाओं का वर्चुअल मोड में संयुक्त रूप से उद्घाटन/सुपुर्द किया। इनमें उत्तरी प्रांत में वडामराडची सेंट्रल लेडीज कॉलेज और पुसेलवा, कैंडी जिले में सरस्वती सेंट्रल कॉलेज; भारतीय आवास परियोजना (आईएचपी) चरण III के तहत 1235 घरों की सुपुर्दगी और वावुनिया जिले में आदर्श ग्राम आवास परियोजना के तहत घरों की सुपुर्दगी शामिल है।

[श्रीलंका के वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे ने भारत के वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के साथ बैठक की]

इस वर्ष चल रहे द्विपक्षीय संबंधों के क्रम में, श्रीलंका के वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे ने 30 नवंबर - 3 दिसंबर 2021 तक नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा की। जुलाई 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से विदेश मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा थी। दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान, उन्होंने अपने समकक्ष, वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री और विदेश मंत्री के साथ चर्चा की। उन्होंने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से अलग से मुलाकात की।

कोविड संबंधी सहयोग

भारत ने श्रीलंका को अनुदान के रूप में जनवरी 2021 में कोविशील्ड टीकों की 5,00,000 खुराक प्रदान की। इसके अलावा, कॉविशील्ड की अन्य 5,00,000 खुराक फरवरी 2021 में व्यावसायिक आधार पर प्रदान की गई। श्रीलंका को कोवैक्स सुविधा के माध्यम से भारत में निर्मित कोविशील्ड वैक्सीन की 264,000 खुराक भी प्राप्त की। भारत ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के खिलाफ लड़ाई में श्रीलंका की सहायता करना जारी रखा। एलएमओ की तत्काल आपूर्ति के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा सहायता के लिए अनुरोध प्राप्त होने पर, अगस्त 2021 में, 'ऑपरेशन समुद्र सेतु-II'' के तहत विशाखापत्तनम से 100 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) के साथ भारतीय नौसेना जहाज शक्ति कोलंबो के लिए रवाना हुआ।

विकास सहयोग

इस अवधि के दौरान जन-केंद्रित और आवश्यकता आधारित परियोजनाओं का निष्पादन श्रीलंका के साथ भारत की विकास सहयोग साझेदारी के अंतर्गत जारी रहा, जो इस द्विपक्षीय संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। फ्लैगशिप आईएचपी का चरण- III कोविड द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ा। अब तक 3639 के करीब घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और शेष घरों के जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। अब तक, आईएचपी के तहत पूर्ण किए गए घरों की कुल संख्या लगभग 49,500 है। श्रीलंका के साथ विकास सहयोग साझेदारी के लिए अपनी स्थायी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, भारत सरकार ने पांच साल की अवधि के लिए प्रतिष्ठित जाफना सांस्कृतिक केंद्र के रखरखाव में सहयोग करने का निर्णय लिया। श्रीलंका के सभी जिलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका आदि जैसे कई क्षेत्रों में फैली उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाएं (एचआईसीडीपी) भी इस अवधि के दौरान अच्छी तरह से आगे बढ़ीं।

भारत और श्रीलंका के बीच विकास साझेदारी के तहत चार लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया गया। एलओसी सहायता के तहत सितंबर 2021 में श्रीलंका को और 20 यात्री रेलवे डिब्बों की आपूर्ति की गई। दोनों पक्षों ने जून 2021 में श्रीलंका में सौर ऊर्जा क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए भारत द्वारा प्रदान की गई 100 मिलियन अमरीकी डालर की एक नई लाइन ऑफ क्रेडिट का भी समापन किया।

4 नवंबर 2021 को, भारतीय वायु सेना के विमान ने भारत से श्रीलंका में 100,000 किलोग्राम नैनो नाइट्रोजन उर्वरक पहुँचाया। यह खेप अनिवार्य रूप से जैविक खेती की दिशा में श्रीलंका सरकार की पहल का समर्थन करने के लिए थी।

जीवन थोंडामन, स्टेट मिनिस्टर ऑफ एस्टेट हाउसिंग एंड कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर, डॉ कविंदा हेशान जयवर्धन, एमपी, गायत्री विक्रमसिंघे, कोलंबो म्युनिसिपल काउंसिल के सदस्य और श्री रेहान जयविक्रमा, वेलिगामा अर्बन काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष ने आईसीसीआर द्वारा 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2021 तक आयोजित जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम में भाग लिया।

श्रीलंका के साथ विकास सहयोग साझेदारी को नई परियोजनाओं की शुरुआत के साथ-साथ चालू परियोजनाओं को निकट भविष्य में जारी रखने और बढ़ाने की दिशा में कई द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के माध्यम से और गति मिलने की उम्मीद है।

आर्थिक और व्यापार सहयोग

भारत और श्रीलंका एक व्यापक आर्थिक और व्यापार साझेदारी का आनंद लेते हैं जो लगातार विकसित हो रही है और मजबूत हो रही है। भारत वर्ष 2020 में श्रीलंका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था और वित्त वर्ष 2021-22 (अप्रैल से सितंबर) के पहले छह महीनों के लिए द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 2.44 बिलियन अमरीकी डालर था। इन छह महीनों के दौरान, भारत से श्रीलंका को 2.06 बिलियन अमरीकी डॉलर के माल का निर्यात हुआ, जबकि श्रीलंका से भारत का व्यापारिक आयात 0.37 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा।

भारत और श्रीलंका के निवेश के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं जो वित्त वर्ष 2021-22 के पहले छह महीनों के दौरान फलते-फूलते रहते हैं।कोलंबो के बंदरगाह पर वेस्ट कंटेनर टर्मिनल - I (डब्ल्यूसीटी- I) के विकास के लिए 30 सितंबर 2021 को कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (प्राइवेट) लिमिटेड (सीडब्ल्यूआईटी) और श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी (एसएलपीए) के

बीच एक बिल्ड ओन ट्रांसफर (बीओटी) समझौता किया गया था। डब्ल्यूसीटी-I का विकास श्रीलंका में सबसे बड़े निवेशों में से एक होगा और भारत की एक निजी संस्था सीडब्ल्यूआईटी, जो डब्ल्यूसीटी- I के लिए प्रोजेक्ट कंपनी है, की मुख्य शेयरधारक है।

श्रीलंका ने अक्टूबर-नवंबर 2021 के दौरान वाणिज्यिक आधार पर भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) द्वारा निर्मित नैनो-नाइट्रोजन (एक प्रकार का नैनो-उर्वरक) की भारत से खरीद की। जीओएसएल के अनुरोध पर, भारतीय वायु सेना ने नवंबर 2021 में लगभग 100 मीट्रिक टन नैनो-नाइट्रोजन को एयरलिफ्ट करने की सुविधा भी प्रदान की।

रक्षा सहयोग

रक्षा सहयोग तेजी से जारी रहा। अक्टूबर 2021 में, भारत के सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवने ने कोलंबो का दौरा किया। भारतीय और श्रीलंकाई सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का आठवां संस्करण- अभ्यास मित्र शक्ति - अक्टूबर 2021 में श्रीलंका में आयोजित किया गया था। यह श्रीलंकाई सेना द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा द्विपक्षीय अभ्यास है।

अक्टूबर 2021 में, भारतीय नौसेना के पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के छह जहाज श्रीलंकाई नौसेना में अपने समकक्षों के साथ अब तक की सबसे बड़ी प्रशिक्षण इंटरेक्शन के लिए कोलंबो और त्रिंकोमाली के बंदरगाहों पर पहुंचे। द्विपक्षीय संबंधों के इतिहास में यह पहली बार था कि इतनी बड़ी संख्या में भारतीय नौसेना के जहाजों ने श्रीलंका का दौरा किया है। जहाज का यह दौरा फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान वाइस एडमिरल अनिल कुमार चावला, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम के दौरे के साथ भी हुआ।

ऑपरेशन सागर आरक्षा-II के तहत, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने मई 2021 में मेसर्स एक्सप्रेस पर्ल पर आग बुझाने के लिए अपने श्रीलंकाई समकक्षों की त्वरित रूप से सहायता की, जिससे बड़ी पर्यावरणीय क्षति और जानमाल का नुकसान टल गया। जून 2021 में, एमवी एक्सप्रेस पर्ल आपदा के बाद सर्वेक्षण सहायता के लिए श्रीलंका सरकार के औपचारिक अनुरोध पर आईएनएस सर्वेक्षक को तैनात किया गया था।

श्रीलंकाई नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल डीएनएस उलुगेटन ने गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2021 में भाग लेने के लिए नवंबर 2021 में भारत का दौरा किया।

27-28 नवंबर 2021 से, कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव (सीएससी) के तत्वावधान में भारत-श्रीलंका-मालदीव के बीच त्रि-पार्श्व केंद्रित संचालन समुद्र में शुरू हुआ।

सांस्कृतिक सहयोग

कोविड महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, संस्कृति के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों ने और भी ऊंचाई प्राप्त की। 20 अक्टूबर 2021 को शुभ वाप पोया दिवस (पूर्णिमा) पर श्रीलंका से पवित्र शहर कुशीनगर के लिए उद्घाटन उड़ान एक मील का पत्थर घटना थी। सितंबर 2020 में वर्चुअल द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री ने श्रीलंकाई पक्ष को कुशीनगर के नए अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक उद्घाटन उड़ान भेजने के लिए निमंत्रण दिया था।

कैबिनेट मंत्री नमल राजपक्षे के नेतृत्व में और 85 से अधिक वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं, 4 राज्य मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के एक बड़े हाई-प्रोफाइल प्रतिनिधिमंडल ने उद्घाटन उड़ान पर कुशीनगर की यात्रा की। वास्काडुवा के राजगुरु श्री सुभूति महा विहार से पवित्र कपिलवस्तु बुद्ध अवशेष भी एक प्रदर्शनी के लिए उड़ान पर भारत लाए गए और उन्हें भारत के विभिन्न शहरों में ले जाया गया। श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने महापरिनिर्वाण मंदिर, कुशीनगर में आयोजित अभिधम्म दिवस समारोह में भाग लिया, जिसमें हमारे प्रधान मंत्री मुख्य अतिथि थे।

दो प्रमुख श्रीलंकाई नागरिक, डॉ. वजीरा चित्रसेना, एक प्रसिद्ध नृत्यांगना और भाषाविद्, इंद्र दासनायके, हिंदी के एक प्रसिद्ध प्रोफेसर, जिनका पिछले साल निधन हो गया, को नवंबर 2021 में आयोजित एक समारोह में वर्ष 2020 के लिए भारत में सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, पद्म श्री पुरस्कार मिला।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), कोलंबो द्वारा पूरे वर्ष भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष- आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती को मई 2021 में उच्चायुक्त द्वारा गुरुदेव टैगोर को समर्पित 'श्रीलंका हिंदी समाचार' के एक विशेष संस्करण के विमोचन के साथ मनाया गया।

महात्मा गांधी की 152वीं जयंती को श्रीलंका के विदेश मंत्री और भारत के विदेश सचिव द्वारा श्रीलंका के प्रधान मंत्री के निवास टेम्पल ट्रीज़ में महात्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ मनाया गया।

कोविड -19 के चलते लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों को हटाने के बाद भारत और श्रीलंका के बीच लोगों के बीच भारी आवागमन फिर से शुरू हो गया। सितंबर 2021 में लगभग दो-तिहाई विदेशी आगमन भारत से हुआ था।

8 नवंबर 2021 को, श्रीलंका की दो प्रख्यात हस्तियों, डॉ. वजीरा चित्रसेना और स्वर्गीय प्रो. इंद्र दासनायके को भारत के राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः नृत्य, और साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके मौलिक योगदान के लिए वर्ष 2020 के लिए 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया।

11 नवंबर 2021 को श्रीलंका की 9वीं संसद के लिए श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ की स्थापना की गई।

2

हिंद महासागर क्षेत्र

कोमोरोस

भारत ने 1976 में कोमोरोस के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किया था और भारत एवं कोमोरोस के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। भारत का मोरोनी में कोई रेजिडेंट मिशन नहीं है और मेडागास्कर में स्थित मिशन समवर्ती रूप से कोमोरोस का कार्य सौंपा गया है। 10-12 अक्टूबर 2019 को भारत के उपराष्ट्रपति की मोरोनी की सफल यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों ने एक नई गति पकड़ी है, जब दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए छह नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे और अनुदान के लिए घोषणाएं की गई थीं और भारतीय पक्ष द्वारा 20 मिलियन अमरीकी डालर की एलओसी की घोषणा की गई थी।

द्विपक्षीय समझौते

विदेश और कोमोरोस के अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री धोईहिर ढोलकमल के नेतृत्व में 3 सदस्यीय कोमोरियन प्रतिनिधिमंडल ने 3-5 फरवरी 2021 को बेंगलुरु के येलहंका में एयरो इंडिया 2021 और आईओआर रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम से इतर कोमोरियन विदेश मंत्री ने रक्षा मंत्री जी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। कोमोरियन तटरक्षक बल के प्रमुख सीडीआर मौदजिब-रहमाने अदीन ने नवंबर 2021 में गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2021 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

एचएडीआर और क्षमता वर्धन

जैसा कि अक्टूबर 2019 में उपराष्ट्रपति की कोमोरोस यात्रा के दौरान घोषणा की गई थी, मार्च 2021 में आईएनएस जलाश्वा से कोमोरोस को 1000 मीट्रिक टन चावल की एक विशेष खेप भेजी गई थी।

कोमोरोस के 12 राजनयिकों ने सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2021 तक हिंद महासागर क्षेत्र में राजनयिकों के लिए पहले विशेष पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सांस्कृतिक सहायोग

15 सदस्यीय कोमोरियन समूह ने 1-16 फरवरी 2020 के दौरान सूरजकुंड मेले में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विश्वव्यापी समारोहों के साथ इसके सभी सात संस्करणों को मोरोनी, कोमोरोस में मनाया गया है। कोमोरियन

समाज के सभी वर्गों के लोगों, जिसमें स्थानीय वरिष्ठ सरकारी गणमान्य व्यक्ति, राजनयिक कोर्प्स के सदस्य और भारतीय प्रवासी शामिल थे, ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस साल, 21 जून 2021 को मोरोनी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था।

व्यापार संबंध 2021-22

(क) कोमोरोस को भारतीय निर्यात: 12.90 मिलियन अमेरिकी डॉलर

(ख) कोमोरोस से भारत में आयात: 6.00 मिलियन अमेरिकी डॉलर

मेडागास्कर

भारत और मेडागास्कर के बीच सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। मार्च 2018 में राष्ट्रपति जी की मेडागास्कर की यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत गति मिली। मेडागास्कर 'सागर- 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' की दृष्टिकोण से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान देश है ।

द्विपक्षीय समझौते

विदेश मंत्री ने दिनांक 1 मार्च, 2021 को मेडागास्कर के विदेश मंत्री डॉ. टेहिन्द्राजेनेरिवेलो जोकोबा ए. एस. ओलिवा के साथ टेलिफोन पर वार्ता की।

रक्षा सहयोग

आईएनएस जलाश्व ने 12-13 मार्च 2021 को मलागासी सशस्त्र बलों को प्रशिक्षित करने के लिए 5 सदस्यीय भारतीय नौसेना के मोबाइल प्रशिक्षण दल को लेकर एंटीसिरनाना बंदरगाह का दौरा किया। टीम ने 30 मार्च 2021 को आईएनएस जलाश्व पर लौटने से पहले मालागासी के 50 प्रशिक्षुओं को 14 दिनों का प्रशिक्षण दिया। आईएनएस शार्दूल ने 21-24 मार्च 2021 तक एंटीसिराNाना के बंदरगाह का दौरा किया और 24 मार्च 2021 को मलागासी नौसेना जहाज ट्रॉजोना के साथ मलागासी विदेश आर्थिक क्षेत्र और पासेक्स की पहली संयुक्त गश्त में भाग लिया।

मेडागास्कर के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल राकोटोनीरिना लियोन जीन रिचर्ड ने 3-5 फरवरी 2021 तक बेंगलुरु के येलहंका में एयरो इंडिया 2021 और आईओआर रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस यात्रा के दौरान, मालागासी रक्षा मंत्री ने रक्षा मंत्री जी के साथ द्विपक्षीय बैठक की और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए कदमों पर चर्चा की। दो वरिष्ठ मलागासी नौसेना अधिकारियों ने 11-13 मई 2021 को गोवा समुद्री संगोष्ठी के ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। मेडागास्कर के नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल जीए जैक्वे ऑनर ने नवंबर 2021 में गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2021 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

एचएडीआर और क्षमता वर्धन

भारत-मेडागास्कर संबंधों के संकेत के रूप में और अपनी सूखे की स्थिति से निपटने के लिए मानवीय सहायता प्राप्त करने के लिए मेडागास्कर सरकार द्वारा की गई अपील के जवाब में मार्च 2021 में आईएनएस जलाश्वा द्वारा मानवीय सहायता के रूप में 1000 टन चावल और हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की 100,000 गोलियां बोर्ड पर भेजी गई थीं।

मेडागास्कर के दस राजनयिकों ने सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2021 तक हिंद महासागर क्षेत्र में राजनयिकों के लिए पहले विशेष पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सांस्कृतिक सहयोग

मिशन द्वारा 21 जून 2021 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का सातवां संस्करण मनाया गया था। एंटानानारिवो में मौजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अलावा मलागासी समुदाय की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत की आजादी के 75 वर्षों के समारोह के भाग के रूप में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

एंटानानारिवो की शहरी नगरपालिका की महापौर श्री नैना एंड्रियानसिटोहैना ने 7-15 नवंबर 2021 तक आईसीसीआर विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत भारत का दौरा किया।

आर्थिक और व्यापार सहयोग

14 दिसंबर 2021 को भारतीय औषध निर्यात संवर्धन परिषद् (फार्मेक्सिल) के सहयोग से स्वास्थ्य परिचर्या और औषधियों के क्षेत्र में अवसरों पर एक वेबिनार और वर्चुअल बिजनेस टू बिजनेस बैठकों का आयोजन किया गया था।

व्यापार संबंध 2021-22

(क) मेडागास्कर को भारत से निर्यात: 191.22 मिलियन अमेरिकी डॉलर

(ख) मेडागास्कर से भारत में आयात: 63.65 मिलियन अमेरिकी डॉलर

मॉरीशस

भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और समय पर जांचा परखा संबंध का साझा इतिहास, वंश, संस्कृति, लोगों से लोगों के बीच परंपरा और समृद्ध संबंधों से प्रभावित हैं। लोकतंत्र और बहुलवाद जैसे साझा मूल्यों के आधार पर, यह विशेषाधिकार प्राप्त संबंध रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में आर्थिक सहयोग और समुद्री सुरक्षा जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करने के लिए वर्षों से विकसित हुआ है। दोनों पक्षों के बीच विश्वास और आपसी समझ का उच्च स्तर नियमित रूप से उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान में परिलक्षित होता है। दोनों देश मॉरीशस में कई बड़ी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के निष्पादन पर भी सहयोग कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने 22-23 फरवरी 2021 को मॉरीशस का दौरा किया और द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं, मॉरीशस में भारत द्वारा किए जा रहे विभिन्न

बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के चल रहे कार्यान्वयन की समीक्षा की और मॉरीशस को भारत की सहायता सहित पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। यात्रा के दौरान ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) सहित कई प्रमुख समझौता ज्ञापनों / समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए यथा 100 मिलियन अमरीकी डालर की रक्षा नियंत्रण रेखा के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट समझौता; एक इन-सर्विस पैसेंजर वेरिएंट डोर्नियर और एक इनसर्विस एएलएच ध्रुव की तैनाती पर विनिमय पत्र, उपभोक्ता संरक्षण और कानूनी मेट्रोलॉजी पर एक समझौता ज्ञापन।

मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सर अनीरूद जगन्नाथ (एसएजे) का 3 जून 2021 को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। प्रधानमंत्री ने 4 जून 2021 को अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ को फोन किया। सर अनिरूद जगन्नाथ के सम्मान में भारत सरकार ने पूरे भारत में 5 जून 2021 को एक दिन का राजकीय शोक मनाने का फैसला किया। जुलाई 2021 में मानसून सत्र के दौरान भारत की संसद में इस दिवंगत गणमान्य के सम्मान में एक निधन संबंधी लेख भी रखा गया था। 08 नवंबर 2021 को सर अनीरूद जगन्नाथ की पत्नी लेडी सरोजिनी जगन्नाथ ने राष्ट्रपति जी से सर अनीरूद जगन्नाथ को प्रदान किए गए पद्मविभूषण स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ 10-12 जनवरी, 2022 को 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2022 में भाग लेने और प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के लिए भारत की यात्रा करने का इरादा रखते हैं।

विदेश मंत्री ने फरवरी 2021 में अपनी मॉरीशस यात्रा के दौरान मेट्रो एक्सप्रेस का सर्वेक्षण किया

कोविड सहयोग

मॉरीशस ने 26 जनवरी 2021 को भारत द्वारा उपहार में दी गई टीकों की 100,000 खुराक के साथ अपना कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया। भारत ने फरवरी-मार्च 2021 में मॉरीशस को वाणिज्यिक आधार पर टीकों की 300,000 खुराक की आपूर्ति की। मॉरीशस सरकार ने भारत में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान भारत को 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए। इन्हें 28 अप्रैल 2021 को एक विशेष उड़ान से भारत को दिया गया था और इसे पूरे भारत के विभिन्न अस्पतालों में तैनात किया गया था।

विकास सहयोग

क्वात्र बोर्नेस से रोज हिल तक भारत-सहायता प्राप्त मॉरीशस मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना के अगले चरण को 20 जून 2021 को प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ द्वारा शुरू किया गया। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण (आईसीटीए), मॉरीशस ने दूरसंचार और प्रसारण क्षेत्रों के विनियमन में द्विपक्षीय सहयोग के लिए 7 जुलाई 2021 को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

मॉरीशस सरकार को 16 मानव भस्मक, 13 ट्रेलर माउंटेड वाटर पंप और अग्निशमन वाहनों के पहले बैच की आपूर्ति 21 दिसंबर 2021 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

आर्थिक और व्यापार सहयोग

इस क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंध व्यापक है। विदेश मंत्री की 22 फरवरी 2021 को मॉरीशस यात्रा के दौरान ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों पक्षों द्वारा आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद 01 अप्रैल 2021 को लागू हुआ। सीईसीपीए अफ्रीका में किसी देश के साथ भारत द्वारा हस्ताक्षरित पहला व्यापार समझौता है।

भारत और मॉरीशस के बीच एक एयर बबल समझौता 15 नवंबर 2021 से लागू हो गया, जिसमें मुंबई और मॉरीशस के बीच दो साप्ताहिक उड़ानों का प्रावधान किया गया।

रक्षा सहयोग

भारतीय नौसेना से मॉरीशस पुलिस बल (एमपीएफ) (मुफ्त आधार पर) को लीज पर यात्री वेरिएंट डोर्नियर (पीवीडी) विमान को सौंपने और नए पीवीडी के अनुबंधों का आदान-प्रदान 13 सितंबर 2021 को एसएसआर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, मॉरीशस में आयोजित किया गया। शॉर्ट रिफिट के सफल समापन पर मॉरीशस तटरक्षक जहाज (सीजीएस) बैराकुडा को 27 अक्टूबर 2021 को मॉरीशस वापस कर दिया गया। सीजीएस बैराकुडा का रिफिट मैसर्स गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), कोलकाता में भारत सरकार द्वारा 8 महीने की छोटी सी अवधि के भीतर मुफ्त आधार पर किया गया। कार्यवाहक पुलिस आयुक्त श्री अनिल कुमारसिंह दीप ने नवंबर 2021 में गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2021 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

26 नवंबर 2021 को मॉरीशस सरकार के मंत्रिमंडल ने मॉरीशस के समुद्र के इलेक्ट्रॉनिक नेविगेशनल चार्ट की बिक्री के लिए संशोधित 'नेविगेशनल उत्पादों की बिक्री संबंधी प्रोटोकॉल' पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की।

सांस्कृतिक सहयोग

मॉरीशस में 7वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2021 व्यक्तिगत कार्यक्रमों (कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के कारण 10 व्यक्तियों तक सीमित भागीदारी के साथ) और ऑनलाइन कार्यक्रमों के मिश्रण के साथ मनाया गया। 19 जून 2021 को चांसरी परिसर में 'योग विद एंबेसडर' नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मॉरीशस सरकार के स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के सहयोग से 21 जून 2021 को चांसरी परिसर में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोक सेवा, प्रशासनिक और संस्थागत सुधार मंत्रालय ने मिशन के सहयोग से लोक सेवकों के लिए 21 जून 2021 को एक कार्यक्रम की भी मेजबानी की। इस अवसर पर मंत्री तीर्थराज हुरदोयाल ने अपने विचार रखे। इसके अलावा, विदेश मंत्री एलन गानू ने आईडीवाई 2021 के अवसर पर एक वीडियो संदेश रिकॉर्ड किया, जिसे मिशन के सोशल मीडिया हैंडल का उपयोग करके व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। ऑनलाइन कार्यक्रमों में विजियानंद दुरुड़की के साथ 'सभी के लिए योग' (17 जून 2021); 'कोविड के दौरान योग की प्रासंगिकता - साहित्य संवाद समिति द्वारा चर्चा' (18 जून 2021); और 'आयुर्वेदिक चिकित्सकों के संघ द्वारा योग पर वेबिनार' (20 जून 2021) शामिल थे। इस समारोह को मनाने के लिए एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता, 'प्रकृति के साथ योग' को मॉरीशस के प्रतिभागियों के लिए आयोजित की गई।

15 अक्टूबर 2021 को मॉरीशस सरकार के मंत्रिमंडल ने मॉरीशस विश्वविद्यालय और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत आयुर्वेद विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद के बीच आयुर्वेद में एक पीठ की स्थापना पर मौजूदा समझौता ज्ञापन के तीन साल की अवधि के विस्तार के लिए एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की।

आईआरआईएस पहल को शुरू करना

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री श्री बोरिस जॉनसन; ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, श्री स्कॉट मॉरिसन; फिजी के प्रधानमंत्री श्री फ्रैंक बैनिमारामा; और जमैका के प्रधानमंत्री श्री एंड्रयू होलनेस के साथ 2 नवंबर 2021 को 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (आईआरआईएस)' पहल शुरू करने में प्रधानमंत्री के साथ शामिल हुए। आईआरआईएस, एक समर्पित पहल, सदस्य देशों और संगठनों और छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) प्रतिनिधियों की सहायता से आपदा लचीला बुनियादी ढांचे (सीडीआरआई) के लिए गठबंधन द्वारा सह-निर्मित किया गया है। आईआरआईएस का उद्देश्य लचीला, टिकाऊ और समावेशी बुनियादी ढांचे के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के माध्यम से सतत विकास प्राप्त करने में एसआईडीएस का समर्थन करना है।

सेशेल्स

भारत और सेशेल्स के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। सेशेल्स भारत को अपने विकासात्मक और राष्ट्रीय प्राथमिकता लक्ष्यों को पूरा करने में वरीयता के भागीदार के रूप में देखता है। सहयोग के मुख्य क्षेत्रों में विकासात्मक भागीदारी, रक्षा सहयोग, छात्रवृत्ति और आईटीईसी कार्यक्रमों सहित क्षमता निर्माण, सांस्कृतिक सहयोग आदि शामिल हैं।

द्विपक्षीय समझौते

2021 के दौरान सेशेल्स गणराज्य के साथ भारत के संबंधों को और गति मिली। प्रधान मंत्री और सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति के बीच एक उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक 08 अप्रैल 2021 को हुई थी। इस कार्यक्रम में 3.45 मिलियन अमरीकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता के तहत निर्मित नए मजिस्ट्रेट अदालत का संयुक्त ई-उद्घाटन, 48.9 मीटर फास्ट पेट्रोल वेसल पीएस ज़ोरोस्टर को सौंपना, 1 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र सौंपना, भारतीय अनुदान सहायता के तहत 10 उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) का उद्घाटन और दोनों नेताओं द्वारा संबोधन शामिल थे।

कोविड सहयोग

सेशेल्स पहला अफ्रीकी देश था जिसने भारत में निर्मित टीके प्राप्त किए। भारत ने 22 जनवरी 2021 को सेशेल्स को कोविशील्ड की 50,000 खुराक दान की।

विकास सहयोग

विकासात्मक सहायता सेशेल्स के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनी हुई है। 23 अगस्त 2021 को टेली-शिक्षा और टेली-मेडिसिन प्रदान करने के लिए ई-विद्या भारती और आरोग्य भारती (ई-वीबीएबी) केंद्र की स्थापना के लिए उपकरण सेशेल्स सरकार को सौंप दिए गए।

आर्थिक और व्यापार सहयोग

भारत-सेशेल्स व्यापार और निवेश संगोष्ठी के तीसरे संस्करण को 13 जनवरी 2021 को आयोजित करने की योजना है।

रक्षा सहयोग

11 नवंबर 2021 को एक उच्च स्तरीय संयुक्त रक्षा समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें रक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। सेशेल्स के ईईजेड में चलने वाले मछली पकड़ने के जहाजों और जहाजों के विवरण की एक रिपोर्ट सेशेल्स पक्ष के साथ मासिक आधार पर साझा की जाती है। रक्षा बल प्रमुख (सीडीएफ), सेशेल्स पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (एसपीडीएफ) के ब्रिगेडियर माइकल रोसेट ने नवंबर 2021 में आयोजित गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव में वर्चुअली भाग लिया। 12 नवंबर 2021 को रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक वेबिनार और एक आईटीईसी रक्षा पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक सहयोग

आजादी का अमृत महोत्सव सेशेल्स में कई कार्यक्रमों और गतिविधियां के माध्यम से मनाया गया था। 29 अप्रैल 2021 को एक भारतीय शास्त्रीय भरतनाट्यम नृत्य प्रदर्शन का आयोजन किया गया था और सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया गया। सेशेल्स गणराज्य के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ के एक वीडियो संदेश के साथ सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग पर एक छह भाग की वीडियो श्रृंखला को शूट किया गया और सेशेल्स ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन्स के राष्ट्रीय टीवी चैनल पर प्रसारित किया गया। भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया और इसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री और मंत्रिमंडल के कई सदस्यों सहित उच्च स्तरीय उपस्थिति देखी गई। उच्चायोग ने सेशेल्स नेशनल पार्क्स अथॉरिटी की साझेदारी में 28 जुलाई 2021 को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 75 स्थानिक पेड़ लगाए। महात्मा गांधी की 152वीं जयंती महात्मा के आदर्शों पर आधारित एक बॉलीवुड फिल्म की मुफ्त स्क्रीनिंग और उच्च स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भाग लेने वाले एक सेमिनार के साथ मनाई गई।

दूतावास और मीडिया कार्यों में सहयोग

भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए समेकन सहयोग वीजा छूट समझौते पर 24 मई 2021 को हस्ताक्षर किए गए। प्रसार भारती और सेशेल्स ब्रॉडकास्टिंग कोऑपरेशन के बीच 17 अगस्त 2021 को प्रसारण संबंधी सहयोग और समन्वय पर एक समझौता किया गया।

3

दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया

ऑस्ट्रेलिया

जून 2020 में ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों का एक रणनीतिक साझेदारी से एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) तक उन्नयन के साथ, वर्ष 2021-22 में द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय और बहुपक्षीय प्रारूपों में संबंधों के सभी आयामों में वृद्धि हुई, जिसमें सहयोग के लिए नए तंत्रों की स्थापना सहित सीएसपी के तहत सम्मत विभिन्न पहलों में प्रगति हुई।

उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बातचीत

महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधान के बावजूद, नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में गति आई। प्रधानमंत्री ने 23 सितंबर 2021 को वाशिंगटन डीसी में क्वाड लीडर्स समिट के मौके पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ महामारी के बाद की पहली द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने व्यापार, रक्षा, लोगों के लोगों से संपर्क तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं पर प्राप्त प्रगति की समीक्षा की और महत्वपूर्ण खनिजों और बहुत कम लागत वाली सौर ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक नई कम उत्सर्जन प्रौद्योगिकी साझेदारी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने 1 नवंबर 2021 को सीओपी 26 जलवायु शिखर सम्मेलन के मौके पर ग्लासगो में प्रधानमंत्री मॉरिसन से भी मुलाकात की। अन्य नेताओं के साथ, उन्होंने 2 नवंबर 2021 को सीओपी 26, ग्लासगो में विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन में संयुक्त रूप से 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रैजिलियंट आइलैंड स्टेट्स (आईआरआईएस)' का शुभारंभ किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने कई बार टेलीफोन पर बात भी की।

प्रधानमंत्री मॉरिसन और विदेश मामलों की मंत्री मारिस पायने ने अप्रैल 2021 में रायसीना संवाद में (वर्चुअल) भाग लिया। प्रधानमंत्री ने 18 नवंबर 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी विकास एवं क्रांति पर सिडनी संवाद में मुख्य भाषण दिया। विदेश मंत्री ने 19 नवंबर 2021 को विदेश मंत्री मारिस पायने और निक क्लेग, वीपी, फेसबुक के साथ "लोकतंत्र और वैश्विक प्रौद्योगिकी शासन" पर सिडनी संवाद सत्र में भाग लिया। विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित वार्षिक जेजी क्रॉफर्ड व्याख्यान वर्चुअल रूप से दिया। प्रधानमंत्री मॉरिसन ने 17 नवंबर 2021 को बेंगलुरु टेक समिट को संबोधित किया, जहां उन्होंने महत्वपूर्ण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी नीति संबंधी नए ऑस्ट्रेलिया-भारत उत्कृष्टता केंद्र और बेंगलुरु में एक नया महाकोंसलावास स्थापित करने के इरादे की घोषणा की।

विदेश मंत्री मारिस पायने और रक्षा मंत्री पीटर डटन ने दिल्ली की यात्रा की और11 सितंबर 2021 को विदेश मंत्री तथा रक्षा मंत्री के साथ पहली भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता की। वार्ता में सुरक्षा मुद्दों पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती एकजुटता और एक स्वतंत्र, खुले, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता दिखाई दी। मंत्री पायने और डटन ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

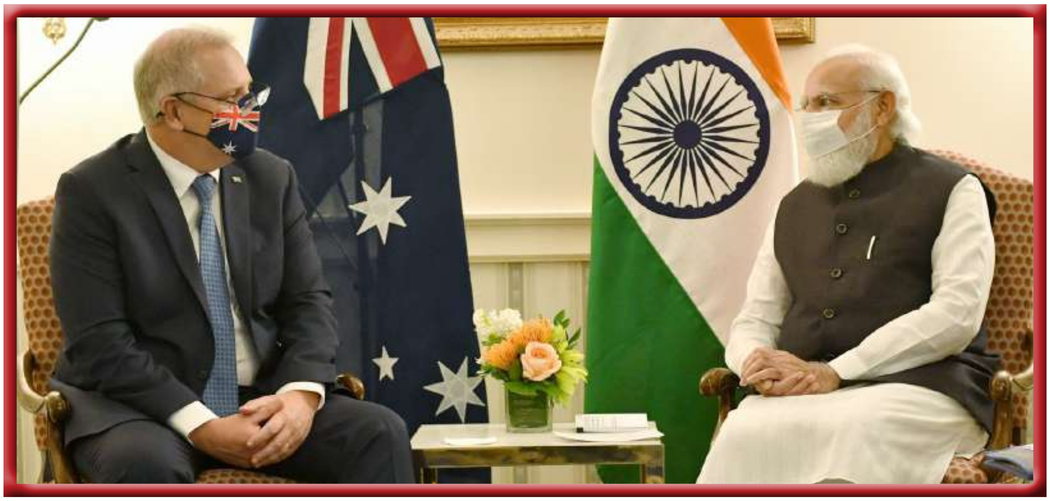

प्रधानमंत्री ने सितंबर 2021 में वाशिंगटन डीसी में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से मुलाकात की

विदेश मंत्री और उनके समकक्ष मंत्री मारिस पायने ने वर्ष के दौरान कई बार मुलाकात की, जिसमें लंदन में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान की गई मुलाकात शामिल हैं। 4 मई 2021 को, उन्होंने लंदन में पहली भारत-फ्रांस-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए यूरोप और विदेश मामलों के फ्रांसीसी मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन से मुलाकात की।

विदेश मंत्री मारिसे पायने ने भारतीय विदेश मंत्री को 10-12 फरवरी 2021 को ऑस्ट्रेलिया में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ विदेश मंत्री की ऑस्ट्रेलिया की पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्रियों के स्तर पर द्विपक्षीय वर्चुअल लीडर्स समिट 2022 की शुरुआत में होने की संभावना है।

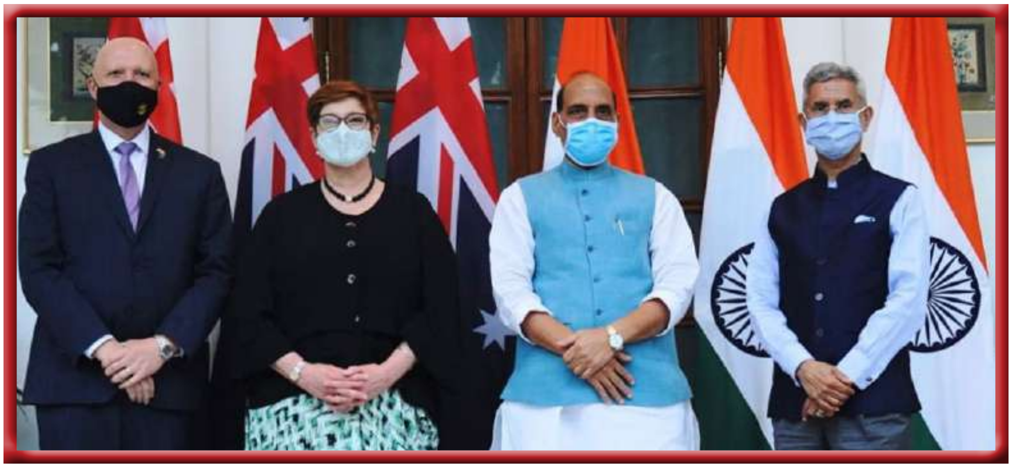

सितंबर 2021 में 2+2 बैठक में विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ

रक्षा सहयोग

भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग का विस्तार जारी रहा। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री पीटर डटन से मुलाकात की। ऑस्ट्रेलिया ने भारत, अमेरिका और जापान के साथ मालाबार अभ्यास में भाग लिया। भारत को पहली बार द्वि-वार्षिक ऑस्ट्रेलिया-यूएसए द्विपक्षीय अभ्यास तालिज़्मैन सेबर 2021 का पर्यावेक्षण करने के लिए आमंत्रित किया गया था। भारतीय नौसेना और

रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (आरएएन) के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास ऑसीइनडैक्स का चौथा संस्करण 6-10 सितंबर 2021 तक ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी भू-क्षेत्र के तट से सुदूर आयोजित किया गया था। पहली बार, भारतीय नौसेना ने 5 से 7 अप्रैल 2021 तक पूर्वी हिंद महासागर में बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास ला पेरोस में फ्रांस, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ भाग लिया।

18 अगस्त 2021 को भारतीय नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के बीच 'ऑस्ट्रेलिया -भारत नौसेना से नौसेना संबंध के लिए एक संयुक्त दिशानिर्देश'पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके परिणामस्वरूप, 'नौसेना-से-नौसेना वार्ता के संचालन के लिए संदर्भ की शर्तों'पर29 सितंबर 2021 को हस्ताक्षर किए। ऑस्ट्रेलियाई उद्योग और रक्षा नेटवर्क (एआईडीएन) और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) ने 23 सितंबर 2021 को दो रक्षा उद्योग संघों के बीच सहयोग की रूपरेखा स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री पीटर डटन और विदेश मंत्री मारिस पायने ने सितंबर 2021 में अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री से मुलाकात की

आर्थिक संबंध

इस वर्ष द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए नई पहलें शुरू की गईं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने 2-5 अगस्त 2021 तक प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के विशेष व्यापार दूत के रूप में भारत की यात्रा की और प्रधानमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, वित्त मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापार को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डैन तेहान ने 30 सितंबर - 02 अक्टूबर 2021 तक भारत की यात्रा की और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ नई दिल्ली में भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग की 17वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। मंत्रियों ने महत्वाकांक्षी समयसीमा के साथ भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग करार (सीईसीए) करने के लिए वार्ता को औपचारिक रूप से फिर से शुरू किया, जिसमें वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को उदार तथा गहरा करने के लिए दिसंबर 2021 तक एक अंतरिम करार और 2022 के अंत तक एक पूर्ण सीईसीए संपादित किया जाना शामिल है। 27 अप्रैल 2021 को, जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री काजियामा हिरोशी के साथ दोनों मंत्रियों ने त्रिपक्षीय भारत-ऑस्ट्रेलिया-जापान आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन पहल (एससीआरआई) का शुभारंभ किया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के लिए 1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डालर और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना (सीडीआरआई) के लिए गठबंधन हेतु 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डालर की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शिक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी संबंध

अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ साइबर, महत्वपूर्ण खनिज, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में सहयोग जारी रहा।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए आयुष शैक्षणिक पीठ के पद पर नियुक्ति के लिए 2 सितंबर 2021 को वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी और आयुष मंत्रालय के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

29 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलियाई जल भागीदारी (एडब्ल्यूपी), जल शक्ति मंत्रालय और ऑस्ट्रेलिया-भारत जल केंद्र (एआईडब्ल्यूसी)-ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय विश्वविद्यालयों के एक संघ द्वारा एक नया भारत युवा जल पेशेवर (वाईडब्ल्यूपी) कार्यक्रम शुरू किया गया था।

दोनों देशों के लोगों के मध्य संबंध

महामारी के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लोगों के आपसी संपर्क और यात्रा बाधित हो गई थी। अप्रैल और अक्टूबर 2021 के बीच, मंत्रालय ने वंदे भारत मिशन और चार्टर उड़ानों के माध्यम से 909 भारतीय नागरिकों के सफल प्रत्यावर्तन की सुविधा प्रदान की। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत को नॉन-इनवेसिव वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर दान किए। मंत्रालय ने ऑस्ट्रेलिया से भारत के लिए पांच क्रायोजेनिक टैंकरों को एयरलिफ्ट करने की सुविधा प्रदान की। 1 नवंबर 2021 से ऑस्ट्रेलिया की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ उत्तरोत्तर खुलने के साथ, ऑस्ट्रेलिया टीकाकरण के प्रमाण के रूप में कोविड के लिए भारत के कोविन टीकाकरण प्रमाणपत्र को और भारत की कोवीशील्ड और कोवैक्स को अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए मान्यता देनी शुरू कर दी। थैरेपैटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (ऑस्ट्रेलिया के नियामक प्राधिकरण) ने 1 नवंबर 2021 कोवैक्सीन को एक यात्री के टीकाकरण की स्थिति का पता लगाने के उद्देश्य से मान्यता दी। ऑस्ट्रेलिया को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की "श्रेणी क" देशों की सूची में शामिल किया गया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टीकाकरण प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता एनवी के आदान-प्रदान द्वारा संपन्न हुई (दिनांक 3 नवंबर ऑस्ट्रेलिया से और 16 नवंबर भारत से)।

ब्रूनेइ दारुस्सलाम

भारत और ब्रुनेई दारुस्सलाम (या ब्रुनेई) के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण बने हुए हैं। भारत को कच्चे तेल के निर्यात; आसियान की इसकी सदस्यता; भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक अवधारणा में भागीदारी और ब्रुनेई में लगभग 8,000 भारतीय नागरिकों की उपस्थिति के साथ ब्रुनेई भारत की ऊर्जा सुरक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ब्रुनेई आमतौर पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) की ट्रैकिंग में सहायता के लिए 1998 में ब्रुनेई में एक टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड टेलीकॉम (टीटीसी) स्टेशन की स्थापना की। वर्तमान में इसके उन्नयन और इसे एक वैकल्पिक साइट पर स्थानांतरित करने के प्रयास चल रहे हैं। ब्रुनेई ने यूनेस्को और आईएमओ सहित कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पदों/कार्यालयों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

18 फरवरी 2021 को आभासी मंच पर विदेश मंत्री और ब्रुनेई के विदेश मंत्री-द्वितीय के बीच "द्विपक्षीय संबंध समीक्षा बैठक (बीआरआरएम) „के दौरान भारत और ब्रुनेई के बीच संबंधों में गति आई। मंत्रियों ने विभिन्न चल रहे द्विपक्षीय मुद्दों/द्विपक्षीय तंत्रों; आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों; और द्विपक्षीय सहयोग और व्यापार एवं निवेश को बढ़ाने की संभावना की प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्री और ब्रुनेई के विदेश मंत्री-द्वितीय ने म्यांमार पर आसियान पीठ के विशेष दूत की क्षमता में म्यांमार के घटनाक्रम पर इस वर्ष दो बार टेलीफोन पर बात की है।

रक्षा सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण के साथ भारत और ब्रुनेई के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत किया गया। इस वर्ष अगस्त 2021 में रॉयल ब्रुनेई नेवी के साथ पोर्ट कॉल और पासिंग एक्सरसाइज (पासेक्स) के लिए आईएनएस शिवालिक और आईएनएस कदमत ने भी शिरकत की।

ब्रुनेई में प्रवासी भारतीयों ने भारत को कोविड राहत के रूप में मेडिकल ऑक्सीजन से भरे 1050 सिलेंडरों का योगदान दिया। भारत सरकार द्वारा निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित किए जाने के कारण, 987 फंसे हुए भारतीय नागरिकों को ब्रुनेई से कोयंबटूर के लिए चलाई गई रॉयल ब्रुनेई एयरलाइंस द्वारा संचालित सात चार्टर्ड उड़ानों के माध्यम से स्वदेश लाया गया है। आठवीं चार्टर्ड उड़ान दिसंबर 2021- जनवरी 2022 की अवधि के लिए निर्धारित की गई है।

कोविड महामारी और यात्रा संबंधी प्रतिबंधों से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, भारत और ब्रुनेई के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नई गति मिली और इस अवधि के दौरान कई वर्चुअल बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें स्वास्थ्य सहयोग पर पहला संयुक्त कार्य समूह; और ईईपीस, एफआईओ, एपीईडीए और सीआईआई के साथ वर्चुअल बैठकें शामिल हैं।

2021 के लिए ब्रुनेई की आसियान अध्यक्षता के तहत, भारत ने विभिन्न ऑनलाइन आसियान-भारत संबंधी तंत्रों अर्थात् आसियान-भारत वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक; आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक; एडीएमएम+ और आसियान-भारत लीडर्स समिट तथा ईएएस आदि में भाग लिया जिसमें भारत और ब्रुनेई के बीच घनिष्ठ सहयोग देखा गया।

ब्रुनेई में भारतीय डायस्पोरा की ताकत और पेशेवर विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए 3 दिसंबर 2021 को इंडियन ओवरसीज प्रोफेशनल नेटवर्क (आईओपीएन) की शुरुआत की गई थी ताकि इसके सदस्यों के बीच प्रभावी संबंध विकसित हो सकें और ब्रुनेई और भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अन्य पेशेवरों के साथ सहयोग को बढ़ावा मिल सके। भारत की विशेषज्ञता का प्रदर्शन करने के लिए ये कार्यकलाप शुरुआत में फार्मा एवं स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, प्राथमिक संसाधन, पर्यटन एवं उद्यमिता सहित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे।

वाणिज्य मंत्रालय, भारत और वित्त एवं अर्थव्यवस्था मंत्रालय के बीच दूसरी संयुक्त व्यापार समिति की बैठक जनवरी 2022 के दौरान निर्धारित होने की संभावना है। इसके अलावा, भारत और ब्रुनेई के बीच एमएसएमई क्षेत्र पर बैठकें भी 2022 की पहली तिमाही के दौरान आयोजित होने की उम्मीद है।

कंबोडिया

भारत के कंबोडिया के साथ मजबूत मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो साझा इतिहास तथा जीवंत सांस्कृतिक एवं लोगों के आपसी संपर्कों पर आधारित हैं। अपनी 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के अनुरूप, भारत ने घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के संवर्धन हेतु कंबोडिया के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाया है। राजनीतिक और आधिकारिक

स्तरों पर उच्च स्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान, विकास साझेदारी कार्यक्रम के कार्यान्वयन और भारत सरकार की छात्रवृत्तियों के तहत कंबोडिया की क्षमता निर्माण पहलों में सहायता देने से द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं।

3टी अर्थात व्यापार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहलों को ध्यान में रखते हुए, भारत में धार्मिक और चिकित्सा पर्यटन पर विशेष ध्यान देते हुए दोनों देशों के मध्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने 22 सितंबर 2021 को पर्यटन संवर्धन संबंधी तीसरी संयुक्त कार्य समूह की बैठक आयोजित की। कंबोडिया की शाही सरकार के पर्यटन मंत्री के आमंत्रण पर, नौवीं आसियान-भारत पर्यटन मंत्रियों की बैठक 22 जनवरी 2022 को सिएम रीप में हाइब्रिड प्रारूप में होगी। कंबोडिया, जिसकी भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के समान अपनी पारंपरिक दवाएं भी हैं, में आयुर्वेद आदि जैसी भारतीय पारंपरिक दवाओं के लिए व्यावसायिक क्षमता का आकलन करते हुए मिशन ने 3 नवंबर 2021 को छठा आयुर्वेद दिवस मनाया। समारोह के हिस्से के रूप में, मिशन ने "आयुर्वेद - भोजन एवं पोषण की अवधारणा"पर 3 नवंबर 2021 को कंबोडिया और भारत की प्रभावशाली भागीदारी के साथ एक वेबिनार का आयोजन किया। आयुर्वेद के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कंबोडियाई लोगों की रुचि के विषयों पर सुविज्ञ प्रस्तुतियाँ दीं।

विकास सहयोग, मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण गतिविधियों ने 2021-22 में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंबोडिया में ग्रामीण जल आपूर्ति में संवर्धन के लिए 1,500 अफरीदेव हैंड पंपों की आपूर्ति और स्थापना के लिए परियोजना, जो तबोंग खम्मम और सीमावर्ती बन्तेय मींची प्रांतों में लक्षित समुदायों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2017 में शुरू हुई और वाप्कोस द्वारा निष्पादित की गई, को आधिकारिक तौर पर विदेश राज्य मंत्री (एमओएस-आरआरएस) द्वारा 27 सितंबर 2021 को कंबोडिया की शाही सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री यूके रबुन को सौंप दिया गया था।

त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) योजना, जिसे 2015 में मेकांग गंगा सहयोग पहल के तहत शुरू किया गया था, उसमें कंबोडिया में अच्छी प्रगति हुई है। 28 अक्टूबर 2021 को भारत सरकार की त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) योजना के तहत वाट पोर्थिसट प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1-6 में पढ़ने वाले बच्चों के लिए दो स्कूल भवनों के उद्घाटन समारोह में कंबोडिया की शाही सरकार की महिला मामलों की मंत्री डॉ. इंग कांथा फवी ने भाग लिया और सामाजिक क्षेत्र में कंबोडिया की मदद करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया।

2021-22 में मिशन ने 9 अनुकूलित ई-आईटीईसी पाठ्यक्रम आयोजित किए-शिक्षा, युवा एवं खेल मंत्रालय के लिए 2 पाठ्यक्रम, कंबोडिया की पुलिस अकादमी, आंतरिक मंत्रालय के लिए 2 पाठ्यक्रम और कंबोडियन सीनेट के लिए 5 पाठ्यक्रम, जिनसे 2020-21 में आवंटित किए गए कुल 200 स्लॉट में से 154 स्लॉट के उपयोग की तुलना में 242 अधिकारी लाभन्वित हुए। इसके अलावा, एमजीसी (10), जीसीएसएस (13) और सीईपी (2) के तहत कंबोडियाई छात्रों के लिए भारत में अंडर-ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट और उच्चतर अध्ययन के लिए 25 छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष उपलब्ध हैं। 2021-22 के दौरान, कंबोडियाई छात्रों द्वारा अब तक 19 स्लॉट स्वीकार किए गए हैं। आसियान देशों के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,000 अध्येतावृत्तियों के तहत प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में पीएचडी करने के लिए पहली बार 2 छात्र भारत आ रहे हैं। ।

वर्ष के दौरान, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश पर भारत-कंबोडिया संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी-टीआई) के संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप दिया और जेडब्ल्यूजी-टीआई की पहली बैठक चालू वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित होने की उम्मीद है। इसी तरह, दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन के पाठ को भी अंतिम रूप दे दिया है। भारत-कंबोडिया द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के पाठ में कुछ छोटे मुद्दों को सुलझाने के लिए भी चर्चा चल रही है। इसी सिलसिले में 24 नवंबर, 2021 को एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। आर्थिक सलाहकार (आईआईटीएफ), निवेश प्रभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि कंबोडियन पक्ष का नेतृत्व श्री सर सेनेरा, निदेशक, कानूनी मामले एवं निवेश विधिक विभाग, कंबोडिया विकास परिषद ने किया। दोनों पक्षों ने भारत और कंबोडिया में "स्थानीय सरकार"की अवधारणा पर गहन चर्चा की।

सांस्कृतिक मोर्चे पर, मिशन ने नोम पेन्ह में छठा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मिशन ने वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता और योग पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि सहित विभिन्न ऑनलाइन क्रियाकलापों का भी आयोजन किया। 23 जून 2021 को आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (एनसीटीएम), कंबोडियन स्वास्थ्य मंत्रालय एवं कंबोडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से, मिशन ने 23 जून 2021 को भारत के विषय विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ "योग एवं आयुर्वेद: समग्र कल्याण"पर एक वेबिनार का आयोजन किया। आईसीसीआर के समन्वय में "दक्षिण पूर्व एशिया में साहित्य में बौद्ध धर्म"विषय पर भारतीय राजदूतावास ने 25 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल प्रारूप में सिहानोकराजा बौद्ध विश्वविद्यालय (एसबीयू) के सहयोग से क्षेत्रीय बौद्ध सम्मेलन (आरबीसी) का आयोजन किया। इस वर्ष, मिशन ने एक बार फिर स्थानीय विशेषज्ञ व्यक्तियों की भर्ती करके दूतावास में योग और हिंदी कक्षाएं शुरू कीं।

प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ाव के प्रयासों की गति भी विशेष जोश और नवीन तंत्र के साथ जारी रही। वर्ष के दौरान, 25 जून 2021 को वंदे भारत मिशन के तहत पांचवीं विशेष उड़ान, जिसके माध्यम से कंबोडिया से 148 भारतीय नागरिकों और पीआईओ कार्ड धारकों को निकाला गया, के संचालन सहित फंसे हुए भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए हर संभव कोंसली सहायता प्रदान की गई।

इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के साथ उच्च स्तरीय बातचीत का क्रम वर्ष 2021 में बना रहा। 31 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने रोम, इटली में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया को अगले वर्ष जी20 की अध्यक्षता के लिए बधाई दी, और

उन्हें ट्रोइका के हिस्से के रूप में उनके साथ मिलकर काम करने के लिए भारत की तत्परता का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के हालिया स्थिति पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने कोविड महामारी के दौरान एक-दूसरे के दृढ़ समर्थन की सराहना की और महामारी से उबरने के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए। उन्होंने भारत-प्रशांत सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को मजबूत करने और लोगों से लोगों के बीच अधिक से अधिक बातचीत का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रतिबद्ध व्यक्त की। विशेष रूप से जलवायु वित्त प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता सहित जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने पर भी चर्चा हुई।

विदेश मंत्री और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री रेटनो मारसुडी ने तीन मौकों पर आपस में बातचीत की। 20 अप्रैल 2021 को, विदेश मंत्री ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत की; उन्होंने क्षेत्र में साझा चिंताओं और साझा हितों पर चर्चा की। 21 सितंबर को विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में 76वें संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान विदेश मंत्री मार्सुडी से मुलाकात की। मंत्रियों ने कोविड, आर्थिक सुधार, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर वार्ता की। उन्होंने एयर बबल व्यवस्था स्थापित करने की संभावनाओं और दोनों देशों के बीच वैक्सीन और संगरोध आवश्यकताओं पर परस्पर सहमत प्रोटोकॉल स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया। 29 अक्टूबर को, विदेश मंत्री ने रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर इंडोनेशियाई विदेश मंत्री से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

10 जून 2021 को एक वर्चुअल बातचीत में, एमओएस-वीएम ने इंडोनेशिया के उप विदेश मंत्री महेंद्र सिरेगर से मुलाकात की और साझा हित के मुद्दों पर चर्चा की तथा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

25 जून 2021 को भारत और इंडोनेशिया के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए छठे दौर के विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) का आयोजन किया गया। सचिव (पूर्व) ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया जबकि इंडोनेशियाई पक्ष का नेतृत्व एशिया प्रशांत और अफ्रीका के महानिदेशक, अब्दुल कादिरो जेलानी ने किया। दोनों पक्षों ने राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक, आर्थिक एवं संस्कृति सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत और इंडोनेशिया ने कोविड महामारी से लड़ने में एक दूसरे की सहायता की। भारत ने जुलाई 2021 में इंडोनेशिया को 100 मीट्रिक टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन और 300 ऑक्सीजन सांद्रकों की आपूर्ति की। अगस्त 2021 में, भारत ने इंडोनेशिया को निःशुल्क पट्टे पर 10 (खाली) आईएसओ टैंकों का अतिरिक्त सहयोग प्रदान किया। शिपमेंट को आईएनएस ऐरावत द्वारा विशाखापत्तनम से इंडोनेशिया में तंजुंग प्रियक पोर्ट तक ले जाया गया। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा निर्मित मेड-इन-इंडिया कोविड वैक्सीन, कोवैक्स , एसआईआई और पीटी इंडोफार्म के बीच एक अनुबंध के हिस्से के रूप में इंडोनेशिया को आपूर्ति की गई थी।

कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान , इंडोनेशिया सरकार ने भारत के कोविड के विरुद्ध प्रयासों में सहायता करने के लिए अनुदान सहायता के रूप में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, नई दिल्ली को 3400 ऑक्सीजन सिलेंडर और 200 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर की आपूर्ति की। इसके अलावा, वाणिज्यिक अनुबंधों के माध्यम से दी जाने वाली सहायता के हिस्से के रूप में, मई 2021 में भारतीय वायु सेना आईएल-76 द्वारा जकार्ता से 10 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन आईएसओ कंटेनरों को एयरलिफ्ट किया गया था।

इंडोनेशिया आसियान क्षेत्र में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। अप्रैल से अगस्त 2021 की अवधि में, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 9.7 बिलियन अमरीकी डालर दर्ज किया गया। 5 अगस्त 2021 को, व्यापार एवं निवेश पर संयुक्त कार्य समूह की वर्चुअल बैठक हुई, और संतुलित व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने और बाजार पहुंच के मुद्दों को हल करने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध (आईईआर), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिसंबर 2021 में बाली में जी20 वित्त और केंद्रीय बैंक प्रतिनिधि और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया की यात्रा की।

रक्षा और समुद्री सुरक्षा, सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक बने हुए हैं। 22 अप्रैल 2021 को रक्षा मंत्री ने इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री जनरल प्रबोवो सुबियंतो से फोन पर बात की और चालक दल के सदस्यों के साथ लापता इंडोनेशियाई पनडुब्बी नंगगला के संबंध में शोक व्यक्त किया । 8 मई को, भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस शारदा और इंडोनेशियाई नौसेना के कार्वेट केआरआई सुल्तान हसनुद्दीन ने दोनों देशों के बीच अंतरसंचालनीयता बढ़ाने और समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए अरब सागर में पैसेज अभ्यास किया। भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्त (इंडो-इंडो कोर्पेट) का 36 वां संस्करण 30 और 31 जुलाई 2021 को आयोजित किया गया था। भारतीय नौसेना जहाज (आईएनएस) सरयू, एक स्वदेशी निर्मित अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) के साथ डोर्नियर मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट (एमपीए) ने इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज केआरआई बंग टोमो और इंडोनेशियाई नौसेना के एमपीए के साथ समन्वित गश्त की।

उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 9-10 दिसंबर 2021 तक इंडोनेशिया की यात्रा की। प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया के संबंधित मंत्रालयों के साथ व्यापक चर्चा की, और मार्च 2022 में दूसरी भारत-इंडोनेशिया सुरक्षा वार्ता के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की यात्रा के लिए आधार तैयार किया। यात्रा के दौरान, एनएसए अपने समकक्ष, राजनीतिक, कानूनी और सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री महफूद एमडी से मुलाकात करेंगे।

भारतीय दूतावास, जकार्ता ने दोनों देशों के बीच बेहतर सांस्कृतिक संपर्क और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। आजादी का अमृत महोत्सव"। के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती एक वीडियो प्रदर्शनी, गुरुदेव के जीवन पर एक फिल्म की स्क्रीनिंग और रवींद्र संगीत का ऑनलाइन प्रदर्शन करके मनाई गई। दूतावास ने पूरे इंडोनेशिया में 100 से अधिक स्थानों से 2000 से अधिक योग प्रेमी दर्शकों के साथ हाइब्रिड मोड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इंडोनेशिया के शिक्षा, संस्कृति, अनुसंधान और

प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा "भारत में अध्ययन और छात्रवृत्ति अवसर" संबंधी एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

जैसा कि इंडोनेशिया को वर्ष 2022 के लिए जी20 की अध्यक्षता प्राप्त हुई है, और 2023 में भारत के जी20 की अध्यक्षता मिलेगी, दोनों देशों के बीच कई उच्च-स्तरीय वार्ता की जाएंगी।

अक्टूबर 2021 में रोम में जी20 के दौरान प्रधानमंत्री और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो

लाओ पीडीआर

लाओ पीडीआर के साथ द्विपक्षीय संबंध सौहार्दपूर्ण और मजबूत बने रहे। इस वर्ष, भारत और लाओ पीडीआर ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 65 वर्ष पूरे किए।

भारत मेकांग गंगा सहयोग के तहत सामाजिक-आर्थिक विकास की छोटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए लाओ पीडीआर को अनुदान सहायता प्रदान कर रहा है। इस वर्ष तीन त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 11 अगस्त 2021 को तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फाउट सिमलावोंग , शिक्षा और खेल मंत्री, लाओ पीडीआर ने ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। उर्वरक विश्लेषण प्रयोगशाला की स्थापना से संबंधित त्वरित प्रभाव परियोजना को 12 अप्रैल 2021 को पूरा कर लाओ पीडीआर सरकार को सौंप दिया गया। श्री फेट फाम्फिफक , कृषि और वानिकी मंत्री, लाओ पीडीआर ने हैंडओवर समारोह की अध्यक्षता की। शीघ्र ही छह नई त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है ।

भारत और लाओ पीडीआर के बीच बौद्ध संबंधों का लाभ उठाने संबंधी गतिविधियों के एक भाग के रूप में, लाओ में डब किए गए "द वे ऑफ द बुद्धा"और "द लैंड ऑफ बुद्धा"नामक दो वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग 6 अप्रैल 2021 को केसोन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (कौंड), लाओ पीडीआर के परिसर में आयोजित की गई थी। मेजर जनरल ओनेसी सेनसौक, राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री ने इस अवसर की अध्यक्षता की। मेजर जनरल खामलास फान्हसैयासौक , कमिसार, और कैंड के कमांडेंट, ब्रिगेडियर जनरल केओसौवान्हो इंथावोंगसा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग (सीईएसडीटी) जिसका उद्घाटन नवंबर 2018 में भारत से अनुदान सहायता के साथ वियनतियाने में हुआ था, ने डेटा संचार और नेटवर्किंग तथा जावा प्रोग्रामिंग पर ऑनलाइन आईटी पाठ्यक्रम आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों का संचालन सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे द्वारा किया गया था। कुल 13 प्रतिभागियों ने डेटा संचार और नेटवर्किंग पर पाठ्यक्रम पूरा किया और 15 प्रतिभागियों ने जावा प्रोग्रामिंग पाठ्यक्रम पूरा किया।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में व्यापार और सहयोग को समर्थन देने के लिए, 12 मई 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। लाओ प्रौद्योगिकी एवं संचार उप मंत्री डॉ. संतिसौक सिमालवोंग ने कार्यक्रम के दौरान अपना वक्तव्य दिया। भारत और लाओ पीडीआर के बीच कृषि क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए 11 अगस्त 2021 को एक वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया। श्री फेट फोम्फिफक , कृषि और वानिकी मंत्री, लाओ पीडीआर ने कार्यक्रम के दौरान अपना संबोधन दिया।

मेकांग-गंगा सहयोग के तहत भारत सरकार की त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) योजना के माध्यम से समर्थित लाओ-भारत उद्यमिता विकास केंद्र में एक आवास सुविधा के निर्माण के लिए एक भूमिपूजन समारोह 25 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया था। श्रीमती खंथली सिरीफोंगफान , शिक्षा और खेल उप मंत्री, लाओ पीडीआर ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

लाओ पीडीआर में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को मनाने के लिए तीन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 13 जून 2021 को ईशा फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा वर्चुअल योग सत्र का आयोजन किया गया। 21 जून 2021 को भारतीय योग स्टूडियो, वियनतियाने के सहयोग से एक योग सत्र का वर्चुअल आयोजन किया गया। 26 जून 2021 को, लाओ पीडीआर की सरकार और दूतावास ने संयुक्त रूप से 7वें आईडीवाई को हाइब्रिड मोड में "योग फॉर वेलनेस „थीम के साथ मनाया। यह कार्यक्रम वियनतियाने के चाओ अनुओवोंग स्टेडियम में आयोजित किया गया था। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फाउट सिमलावोंग , शिक्षा और खेल मंत्री; श्री बाउंटीम फिसामी, अध्यक्ष, लाओ-इंडिया फ्रेंडशिप एसोसिएशन; और श्रीमती खांथली सिरीफोंगफान, शिक्षा और खेल उप मंत्री ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के एक भाग के रूप में 15 अगस्त 2021 की शाम को दूतावास परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 29 अक्टूबर 2021 को, राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए लाओ पीडीआर के भारतीय डायस्पोरा और मित्रों की भागीदारी के साथ एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 2 नवंबर 2021 को छठे आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में और दोनों देशों के आयुष और फार्मा उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। 26 नवंबर 2021, को सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह और संविधान दिवस के उत्सव को मनाने के लिए एक वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। 3 दिसंबर 2021 को, भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के विभिन्न पहलुओं को प्रकट करने और भारत के उत्तर पूर्व राज्यों और दक्षिण एशियाई देशों विशेष रूप से लाओ पीडीआर के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल को वर्चुअल रूप से मनाया गया। 6 दिसंबर 2021 को महापरिनिर्वाण दिवस के उत्सव के एक भाग के रूप में, बौद्ध भिक्षुओं द्वारा चांसरी परिसर में "मंत्रों का जाप" किया गया था।

2 जुलाई 2021 को, लाओ पीडीआर में भारतीय डायस्पोरा के साथ वर्चुअल बातचीत का आयोजन किया गया ताकि उन्हें यात्रा संबंधी दिशानिर्देशों के साथ-साथ भारतीय सामुदायिक कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ), वैश्विक प्रवासी। रिश्ता पोर्टल, पासपोर्ट सेवा दिवस एमपासपोर्टसेवा मोबाइल ऐप और उमंग ऐप के बारे में जानकारी दी जा सके।

31 जुलाई 2021 को लाओ पीडीआर में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा के लिए एक विशेष इंडिगो चार्टर उड़ान की व्यवस्था की गई थी ।

मलेशिया

भारत और मलेशिया के बीच लोगों के बीच जीवंत पर आधारित घनिष्ठ संबंध हैं, साझा इतिहास और सुस्थापित व्यापार संबंधों पर आधारित घनिष्ठ संबंध हैं। हालांकि विभिन्न मोर्चों पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रहा, भारत और मलेशिया में महामारी की स्थिति के कारण दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय जुड़ाव इस वर्ष वर्चुअल बातचीत तक सीमित रहा है।

भारत और मलेशिया के बीच वर्ष 2020-21 के लिए 14.45 बिलियन अमरीकी डालर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध रहे। महामारी संबंधी प्रतिबंधों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित होने के बावजूद वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2021) के लिए, द्विपक्षीय व्यापार 3.3 बिलियन अमरीकी डालर रह। 2020-21 में मलेशिया भारत का 13वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहा। दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा (भारत के लिए) 2019-20 में 3.42 बिलियन अमरीकी डॉलर से घटकर 2020-21 में 2.3 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया है। मलेशिया को चावल का निर्यात 2019 में 56.80 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2020 में 165.46 मिलियन अमरीकी डालर हो गया और केवल अप्रैल-अक्टूबर 2021 की अवधि के लिए ही 121 मिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया है। इस देश को भारत से चीनी का निर्यात 2019 में 38 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2020 में 148 मिलियन अमरीकी डालर हो गया। मलेशिया 70% भैंस के मांस के आयात के लिए भारत पर निर्भर है और 2020 में 418 मिलियन अमरीकी डालर और अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान 235 मिलियन अमरीकी डालर का व्यापार हुआ।

भारतीय उच्चायोग कुआलालंपुर ने विभिन्न विषयों पर अनेक कार्यक्रमों और समारोहों के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। इस श्रृंखला में कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में आईएनए के दिग्गज मैडम अंजलाई पोन्नुसामी की 101वीं जयंती समारोह, अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस और महात्मा गांधी की 152वीं जयंती, मलय भाषा पर भारत के प्रभाव पर वार्ता, आईएनए की रानी झांसी रेजिमेंट का स्मरण, योग पर कार्यक्रमों की श्रृंखला, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आईएनए स्थापना दिवस समारोह और छठे आयुर्वेद दिवस सहित आयुर्वेद से संबंधित कई कार्यक्रम शामिल हैं।

कोविड के कारण यात्रा प्रतिबंधों के बाद, भारत और मलेशिया के बीच वंदे भारत मिशन की उड़ानें मई 2020 से परिचालन में हैं। यह देखते हुए कि दोनों देशों के बीच कोई अन्य निर्धारित उड़ानें नहीं चल रही हैं, यह कई कामगारों और मलेशिया में अन्य भारतीय नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत साबित हुई। वंदे भारत मिशन के तहत 5 दिसंबर 2021 तक 85,329 से अधिक भारतीयों को मलेशिया से भारत वापस लाया गया है। मिशन ने इस अवधि के दौरान मलेशिया में हिरासत में लिए गए 900 से अधिक भारतीय नागरिकों को भारत वापस लाने में सहायता की।

रक्षा और सुरक्षा में सहयोग भारत-मलेशिया द्विपक्षीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया है। वर्चुअल स्टाफ वार्ता, वेबिनार, अगस्त 2021 में मलेशियाई बंदरगाह पर दो भारतीय नौसेना के जहाजों द्वारा पोर्ट कॉल, सहित दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच नियमित आदान-प्रदान होता रहा मलक्का स्ट्रेट्स के पास सितंबर 2021 में दो भारतीय नौसेना के जहाजों और रॉयल

मलेशियाई नौसेना के बीच पैसेक्स दोनों सेनाओं के प्रमुखों के बीच अक्टूबर 2021 में वर्चुअल बातचीत हुई। दोनों देश सशस्त्र बलों के लिए दोनों देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों के लिए स्लॉट का आदान-प्रदान भी करते हैं।

भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर आज़ादी का अमृत महोत्सव, भारत आयुर्वेद दिवस, पर्यटन संवर्धन कार्यक्रम, एकता दिवस , संविधान दिवस, और महापरिनिर्वाण दिवस, भारत-बांग्लादेश मैत्री दिवस (बांग्लादेश के उच्चायोग के साथ संयुक्त रूप से मनाया जाता है) और श्रद्धांजलि - 26/11 के मुंबई हमलों की 13वीं बरसी के उपलक्ष्य में आतंक पीड़ितों को श्रद्धांजलि 14 अन्य देशों के साथ जिनके नागरिक मुंबई हमलों में पीड़ित थे) मना रहा है।

मलेशिया के विदेश मंत्री दातो सैफुद्दीन अब्दुल्ला, भारतीय विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए 24-25 दिसंबर 2021 को भारत आने वाले हैं।

न्यूजीलैंड

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। कोविड बाधाओं के बावजूद, वर्ष के दौरान दोनों देशों के बीच जुड़ाव बढ़ता रहा। विदेश मंत्री ने न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री, नानैया महुता के साथ 5 नवंबर 2021 को वर्चुअल बातचीत की। इससे पहले दोनों मंत्रियों ने 1 मार्च 2021 को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का तीसरा दौर 25 मई 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, अंतरिक्ष, आतंकवाद रोधी, साइबर सुरक्षा, निरस्त्रीकरण और जलवायु परिवर्तन तथा लोगों के बीच आपसी संबंधों में सहयोग बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। कोविड के विरुद्ध प्रतिक्रिया और महामारी से निपटने के लिए टीकों और दवाओं तक पहुंच संबंधी चर्चा भी की गई। भारत के रक्षा सचिव और न्यूजीलैंड के रक्षा सचिव के बीच एक वर्चुअल बैठक 12 अगस्त 2021 को हुई थी।

विदेश मंत्री ने नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नान्या महुता के साथ एक वर्चुअल बैठक की

साइबर स्पेस में मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने, द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर साइबर मुद्दों संबंधी नवीनतम घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करते और साइबर सहयोग को और गहरा करने के लिए पहलों का पता लगाने के लिए भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय साइबर वार्ता का दूसरा संस्करण 16-17 नवंबर, 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार परिषद ने भारत के उच्चायोग के सहयोग से 23-24 जून को ऑकलैंड में हाइब्रिड प्रारूप में 7वें भारत-न्यूजीलैंड व्यापार शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन संयुक्त रूप से न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री नानैया महुता और विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) (वीएम) ने किया था

न्यूजीलैंड सरकार में भारत में जन्मी पहली मंत्री सुश्री प्रियंका राधाकृष्णन को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2021 दिया गया। जनवरी 2021 में, सुश्री प्रियंका राधाकृष्णन ''भारत और प्रवासी भारतीयों में से उपलब्धि हासिल करने वालों युवाओं को एक साथ लाना'' विषय पर युवा प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में मुख्य अतिथि थी।

न्यूजीलैंड की संसद के अग्रभूमि में 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 पर एक पूर्व प्रस्तुति का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पहली बार, न्यूज़ीलैंड डाक विभाग ने दिवाली की कहानी को दर्शाने वाले चार डाक टिकटों के एक सेट के साथ भारतीय रोशनी का त्योहार मनाया।

फिलीपींस

महामारी की बाधाओं के बावजूद द्विपक्षीय संबंधों में गति को बनाए रखी गई, दोनों देशों द्वारा साझेदारी को गहरा और विस्तारित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गहन प्रयास किए गए। विदेश मंत्री और विदेश मामलों के विभाग के सचिव तियोदोरो एल. लोक्सिन जूनियर ने 28 अप्रैल 2021 को टेलीफोन पर बातचीत की। वार्ताओं में कोविड की स्थिति और इंडो-पैसिफिक में हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा शामिल थी।

संस्थागत स्तर के तंत्र की बैठकें वर्चुअल फॉर्मेट में होती रहीं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंधित विभागों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग के द्विपक्षीय कार्यक्रम (पीओसी) के तहत पहली संयुक्त समिति की बैठक (जेसीएम) 08 जुलाई 2021 को आयोजित की गई थी। बैठक में प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान की गई:

क. विषाणु विज्ञान;

ख. कृषि, स्वास्थ्य और स्मार्ट शहरों जैसे विविध क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग;

ग. सरकारी सेवाओं/प्रक्रियाओं पर ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियां; तथा

घ. संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं (जेआरपी) के लिए नई सामग्री (धातु और चीनी मिट्टी की चीज़ें) का योगात्मक निर्माण

27 सितंबर 2021 को परिवहन विभाग के सचिव आर्थर तुगड़े और राजदूत शंभू कुमारन द्वारा नए हवाई सेवा करार (एएसए) पर हस्ताक्षर किए गए। नई पीढ़ी के एएसए से भारत और फिलीपींस के बीच प्रत्यक्ष नागरिक उड्डयन संबंधों और द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के विकास को बढ़ावा मिलेगा की संभावना है।

24-26 अगस्त 2021 तक दो भारतीय नौसेना जहाजों आईएनएस रणविजय और आईएनएस कोरा की मनीला की यात्राओं के साथ रक्षा और सुरक्षा जुड़ाव फिर से शुरू हुआ। जहाजों ने पश्चिम फिलीपीन सागर में पहली बार द्विपक्षीय नौसेना-से-नौसेना पैसेज अभ्यास भी किया। फिलीपींस नौसेना के एक अधिकारी प्रशिक्षण के साथ प्रशिक्षण आदान-प्रदान जारी है जो वर्तमान में भारत में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है और एक भारतीय सेना अधिकारी मनीला में फिलीपींस नेशनल डिफेंस कॉलेज में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रशासन पाठ्यक्रम में परास्नातक पाठ्यक्रम चल रहा है।

वर्ष के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र सहयोग पर एक प्रमुख ध्यान था, फिलीपींस कोवैक्सीन के लिए आपातकालीन उपयोग प्राधिकार जारी करने वाला पहला आसियान देश बन गया। भारतीय कंपनियों ने फिलीपींस के लिए फार्मास्यूटिकल्स के सबसे बड़े स्रोत के रूप में अपनी प्रमुख स्थिति बरकरार रखी। फिलीपींस के 'नेशनल वैक्सीन जार'जनरल कार्लिटो गैल्वेज ने एक उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ मार्च 2021 में फिलीपींस के लिए कोवोवैक्स टीकों की खरीद पर चर्चा करने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का दौरा किया।

क्षमता निर्माण के संदर्भ में, फिलीपींस की सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों के 74 पेशेवरों ने आपदा प्रबंधन (बाढ़ और सूखा), सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल प्रलेखन और विकासात्मक परियोजनाओं पर पर्यावरणीय प्रभाव आकलन संबंधी सर्वाधिक लोकप्रिय पाठ्यक्रमों के लिए 01 अप्रैल 2021 से आयोजित ई-आईटीईसी पाठ्यक्रमों में भाग लिया। दोनों देशों के बीच शैक्षिक सहयोग को मजबूत करते हुए 5 मई 2021 को आपदा अध्ययन के क्षेत्र में आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई और एटिनो डी मनीला विश्वविद्यालय, मनीला के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अक्षय ऊर्जा (जुलाई 2021), समुद्री मत्स्य पालन और जलीय कृषि (मई 2021) और इंजीनियरिंग उत्पादों (अगस्त 2021) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वर्ष के दौरान अन्यों के साथ व्यवसाय से व्यवसाय और व्यवसाय से सरकारी सम्मेलनों की एक श्रृंखला के साथ आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों का काफी विस्तार किया गया। सम्मेलनों को दोनों देशों के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय व्यापार मंडलों के सहयोग से आयोजित किया गया था और अनेक व्यापार प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया था और इन्हें दोनों पक्षों के मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों ने संबोधित किया था।

संस्थागत स्तर के तंत्रों में, 13वां विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) और चौथा सामरिक संवाद (एसडी); चौथी संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी); तीसरी संयुक्त रक्षा उद्योग और संभारतंत्र समिति (जेडीआईएलसी) और 8 वीं इन्टेलेक्स को 2022 की पहली तिमाही में आयोजित करने का प्रस्ताव है। चौथी जेडीसीसी बैठक के दौरान भारतीय तटरक्षक बल और फिलीपींस तटरक्षक (पीसीजी) के बीच संवर्धित समुद्री सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है ।

प्रशिक्षण का आदान-प्रदान जारी रहने की संभावना है। एनडीसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए जाने वाले में 62वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अध्ययन (एनएसएसएस) पाठ्यक्रम (3 जनवरी 2022 - दिसंबर 2022 के अंत तक) की पेशकश पहली बार फिलीपींस को की गई है। फिलीपींस की नौसेना ने क्रमशः जनवरी और फरवरी 2022 में आयोजित किए जाने वाले बेसिक हेलो कंट्रोल एंड ट्रेनिंग डिजाइन एंड मैनेजमेंट कोर्स (भारतीय नौसेना द्वारा प्रस्तावित) के लिए कर्मियों को नामित किया है। फिलीपींस कमांड और जनरल स्टाफ कोर्स (एएफपीसीजीएससी) के सशस्त्र बलों के लिए टीवाई 2022 (एएफपी द्वारा) के लिए दो रिक्तियों (भारतीय नौसेना और भारतीय सेना के लिए एक-एक) की पेशकश की गई है। फिलीपींस पक्ष के गांधीनगर, गुजरात में 10-13 मार्च 2022 तक निर्धारित डेफएक्सो 2022 में भाग लेने की संभावना है और भारतीय पक्ष के भी मनीला में 19-21 जनवरी 2022 तक होने वाले एशियाई रक्षा एवं सुरक्षा (एडीएएस) 2022 कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना है।

संस्कृति मंत्रालय और फिलीपींस के राष्ट्रीय संस्कृति और कला आयोग के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2019-2023) के तहत, एक संगीत सहयोग जिसमें दोनों देशों के प्रमुख संगीत समूह दूसरे देश के लोक गीतों को

अपनी विशिष्ट संगीत परंपराओं के अनुरूप प्रस्तुत करेंगे, की परिकल्पना की गई है। परियोजना का पहला भाग, फिलीपींस संगीत समूह द्वारा भारतीय लोक गीतों का गायन, 2022 की पहली तिमाही में किए जाने की संभावना है।

पश्चिमी प्रशांत सागर में तैनात भारतीय नौसेना के दो जहाजों - आईएनएस रणविजय और आईएनएस कोरा ने अगस्त 2021 में फिलीपीन नौसेना के बीआरपी एंटोनियो लूना के साथ एक, संप्रभुत्व समुद्री अभ्यास किया

सिंगापुर

यात्रा और व्यक्तिगत रूप से बातचीत पर गंभीर प्रतिबंधों के साथ, उच्चतम स्तर पर बातचीत वर्चुअल तरीकों से हुई, और बहुपक्षीय कार्यक्रमों के दौरान व्यक्तिगत उपस्थिति वाली बैठकों की बहाली के माध्यम से हुई। 14 अप्रैल 2021 को सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालकृष्णन ने छठी रायसीना वर्चुअल वार्ता के रूप में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि भारत को कोविड के बाद की दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने ऐसे समय में वैश्विक वैक्सीन सहयोग के लिए भारत के मजबूत सहयोग की प्रशंसा की, जब महामारी ने पूरी दुनिया में संरक्षणवाद और राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया था।

29 अप्रैल 2021 को सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एनजी इंग हेन ने कोविड की दूसरी लहर से निपटने के लिए भारत के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए रक्षा मंत्री से बातचीत की। 1 मई 2021 को, हमारे विदेश मंत्री और सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालकृष्णन ने टेलीफोन पर बात की और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और एक दूसरे का समर्थन करने की पारस्परिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने 27 सितंबर 2021 को यूएनजीए के 76वें सत्र के दौरान मुलाकात की और हिंद-प्रशांत के घटनाक्रम और कोविड से संबंधित चुनौतियों से उबरने के बारे में चर्चा की।

17 जून 2021 को, एमओएस (वीएम) ने सिंगापुर की वरिष्ठ विदेश राज्य मंत्री सुश्री सिम एन के साथ एक वर्चुअल बैठक की। 11 अगस्त 2021 को, 15वां भारत -सिंगापुर विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। सचिव (पूर्व) और स्थायी सचिव श्री ची वी किओंग , एमएफए, सिंगापुर ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और सामरिक साझेदारी को मजबूत करने के समग्र उद्देश्य के साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

28 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ली ने वर्चुअल 18वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, सिंगापुर द्वारा देशों के समन्वय के दौरान भारत-आसियान संबंधों के लिए डिजिटल परिवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाना । प्रधानमंत्री ली द्वारा चिह्नित सहयोग के अन्य क्षेत्रों में स्मार्ट सिटी, सतत विकास, साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के मुद्दे शामिल थे।

30 अक्टूबर 2021 को, भारतीय प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री ली ने रोम, इटली में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर महामारी के बाद की अवधि में अपनी पहली व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों, आगामी सीओपी26 और कोविड महामारी को रोकने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने दूसरी लहर के दौरान भारत को कोविड सहायता प्रदान करने के लिए सिंगापुर की पहुंच की सराहना की। प्रधानमंत्री ली ने भारत में तेजी से टीकाकरण अभियान के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की जिसमें दोनों देशों के बीच आवाजाही को जल्द सामान्य बनाना भी शामिल है।

विदेश मंत्री ने 16-20 नवंबर 2021 तक सिंगापुर की यात्रा की। यात्रा के

दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री ली से मुलाकात की और भारत और सिंगापुर के बीच साझा हितों तथा समान विचारधारा तथा एक और मजबूत साझेदारी के निर्माण की दिशा में जारी प्रयासों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने एमेरिटस वरिष्ठ मंत्री गोह चोक टोंग, वरिष्ठ मंत्री थरमन शनमुगरत्नम, विदेश मंत्री डॉ विवियन बालकृष्णन, परिवहन मंत्री एस ईश्वरन, रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन, गृह मामलों के मंत्री के षणमुगम, स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग और वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर दोनों देशों के बीच सहयोग पर चर्चा की। इन वार्ताओं में यात्रा प्रतिबंधों में ढील पर विशेष ध्यान दिया गया। विदेश मंत्री ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में "ग्रेट पावर कॉम्पिटिशन: द इमर्जिंग वर्ड ऑर्डर"पर एक सत्र में भी बात की।

अक्टूबर 2021 में रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के साथ प्रधानमंत्री।

सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार (2020-21) है, जिसकी भारत के कुल व्यापार में 3.2% हिस्सेदारी है। 2021-22 (अप्रैल-सितंबर 2021) में द्विपक्षीय व्यापार 14.2 बिलियन अमरीकी डालर था। 2020-21 में, द्विपक्षीय व्यापार 21.98 बिलियन अमरीकी डालर था। सिंगापुर से भारत में संचयी एफडीआई प्रवाह 118.39 बिलियन अमरीकी डालर (अप्रैल 2000 - जून 2021) था जो भारत में कुल एफडीआई अंतर्वाह का 22% है। 2018-19, 2019-20 और 2020-21 में सिंगापुर भारत में एफडीआी का सबसे बड़ा स्रोत था। 2020-21 में, सिंगापुर से भारत में एफडीआई का प्रवाह 17.42 बिलियन अमरीकी डालर था, और अप्रैल 2021-जून 2021 की अवधि के लिए, यह 3.31 बिलियन अमरीकी डालर था। सिंगापुर के लिए संचयी जावक एफडीआई 76.061 बिलियन अमरीकी डालर (जनवरी 2008 - सितंबर 2021) था। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए, यह 3.49 बिलियन अमरीकी डालर था।

महामारी की दूसरी लहर के दौरान, सिंगापुर के लॉजिस्टिक हब होने के कारण सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को सिंगापुर से भारत के लिए ऑक्सीजन-टैंक, सिलेंडर, सांद्रक, वेंटिलेटर आदि जैसी आपातकालीन राहत आपूर्ति प्राप्त हुई। जून 2021 के अंत तक, 26 भारतीय वायु सेना की उड़ानों और 4 भारतीय नौसेना के जहाजों ने सिंगापुर से भारत में इन वस्तुओं का पर्याप्त मात्रा में परिवहन किया।

5 वीं भारत-सिंगापुर रक्षा मंत्रियों की वार्ता 20 जनवरी, 2021 को वीसी के माध्यम से आयोजित की गई थी। रक्षा मंत्री ने सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ एनजी इंग हेन के साथ सहयोग और जुड़ाव को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। एक दूसरे की पनडुब्बियों को बचाव संबंधी सुविधा प्रदान करने के लिए दोनों नौसेनाओं के बीच पनडुब्बी बचाव सहायता और सहयोग पर कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए । क्षेत्रीय सुरक्षा विकास के मुद्दों एवं रक्षा प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय कार्यों में सेवाओं के मध्य सहयोग में हुई प्रगति की भी समीक्षा की गई ।

4 फरवरी 2021 को, सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ एनजी इंग हेन ने पहले हिंद महासागर क्षेत्र रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन (डीएमसी) में भाग लिया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में नियम आधारित समुद्री व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए भारत के नेताओं को सिंगापुर का समर्थन व्यक्त किया। 2-4 सितंबर 2021 को, सिंगापुर नौसेना और भारतीय नौसेना ने वार्षिक सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (सिम्बैक्स) का आयोजन किया। सिम्बैक्स 2021 में एक वर्चुअल योजना चरण शामिल था, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के भीतर दक्षिण चीन सागर के दक्षिणी भाग में एक 'संपर्क रहित'समुद्री चरण शामिल था।

वंदे भारत मिशन के तहत एयर इंडिया की पहली प्रत्यावर्तन उड़ान 8 मई 2020 को 234 यात्रियों के साथ सिंगापुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई। 28 नवंबर, 2021 तक, 856 उड़ानों में कुल 125,296 यात्रियों को सिंगापुर से भारत वापस लाया जा चुका है।

थाईलैंड

आसियान, मेकांग गंगा सहयोग और बिम्सटेक के ढांचे के साथ-साथ अन्य बहुपक्षीय मंचों पर क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय स्तरों पर सहयोग के साथ वर्ष के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होते रहे। थाईलैंड ने 2018-2021 तक तीन वर्षों के लिए आसियान-भारत रणनीतिक साझेदारी के लिए देशों के समन्वयक-की भूमिका सफलतापूर्वक निभाई और अगस्त 2021 में सिंगापुर को समन्वयक-का पद सौंप दिया। चल रही कोविड महामारी और यात्रा प्रतिबंधों के बावजूद, दोनों पक्षों ने वर्चुअल मंच पर वाणिज्यिक, रक्षा, शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग के साथ नियमित रूप से उच्च स्तरीय राजनीतिक संपर्क बनाए रखा।

दोनों पक्षों ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में एक-दूसरे की मदद की। थाई सरकार और थाईलैंड के राजा ने भारत को 25 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और 200 ऑक्सीजन सिलेंडर दान में दिए। भारत ने थाईलैंड को 300 ऑक्सीजन सांद्रक भी दान किए जो 03 सितंबर 2021 को आईएनएस ऐरावत द्वारा वहां पहुंचे। थाई प्राधिकारियों ने भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान भारतीय वायु सेना के विमानों द्वारा थाईलैंड में भारतीय समुदाय संघों द्वारा दान किए गए 34 क्रायोजेनिक आईएसओ टैंक, 750 ऑक्सीजन सिलेंडर और 105 ऑक्सीजन सांद्रकों के परिवहन में सक्रिय सहयोग दिया।

थाईलैंड ने 17 नवंबर 2021 से थाईलैंड पास सिस्टम के तहत थाईलैंड में प्रवेश करने के लिए उन व्यक्तियों के कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र को मंजूरी दी, जिन्हें कोवैक्सीन के दोनों टीके लगाए जा चुके हैं।

विदेश मंत्री ने 25 सितंबर 2021 को 76वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौके पर थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री डॉन प्रमुद्विनई के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने 1 मई 2021 और 23 जुलाई 2021 को दो बार टेलीफोन पर बातचीत की और कोविड महामारी से निपटने और वैक्सीन और दवा की खरीद में सहयोग के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री एवं थाईलैंड के विदेश मंत्री ने 4 अगस्त 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 19वीं आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने 29 अगस्त 2021 को प्रसारित 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम के दौरान थाईलैंड में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने में योगदान के लिए थाईलैंड के संस्कृत विद्वान डॉ. चिरापती प्रपंडविद्या और डॉ. कुसुमा रुक्समणि का उल्लेख किया।

23वीं आसियान -भारत के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक 28 अप्रैल 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से सचिव (पूर्व) और थामी थोंगफकदी, थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव, ने भारत-आसियान रणनीतिक साझेदारी के लिए देश समन्वयक के रूप में की थी।

इंडो-थाई कॉर्पेट अभ्यास का 31 वां संस्करण 9-11 जून तक आयोजित किया गया था। भारतीय त्रि-सेवा दल ने 27 से 31 जुलाई तक कोबरा गोल्ड बहुपक्षीय अभ्यास में वर्चुअल रूप से भाग लिया। रॉयल थाई वायु सेना और भारतीय वायु सेना के बीच 12वीं एयर स्टाफ वार्ता 20 सितंबर 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई थी ।

वर्ष के दौरान, दूतावास ने भारत और थाईलैंड के बीच व्यापार, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ विभिन्न व्यावसायिक चैम्ब्रों/निर्यात प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ साझेदारी में 21 जुलाई 2021 को 'भारत-थाईलैंड बिजनेस मीट ऑन मरीन एंड एक्वाकल्चर प्रोडक्ट्स' सहित कई व्यावसायिक आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके बाद समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के सहयोग से 4 अगस्त 2021 को एक वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन किया गया; 18 अगस्त 2021 को मसाला बोर्ड के साथ साझेदारी में 'भारत में मसाला क्षेत्र में अवसर'पर संगोष्ठी; 26 अगस्त 2021 को 'इंडिया आसियान इंजीनियरिंग पार्टनरशिप समिट' के दौरान "भारत-थाईलैंड द्विपक्षीय इंजीनियरिंग संबंधों को मजबूत करने" पर एक वेबिनार और उसके बाद 21 सितंबर 2021 को एक वर्चुअल बीएसएम; थाईलैंड में भारतीय बाइक्स को बढ़ावा देने के लिए एंबेसडर द्वारा 26 सितंबर 2021को रॉयल एनफील्ड बाइक रैली 'वन राइड'को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना; 18 अक्टूबर 2021 को चियांग माई में 'भारत में व्यापार करने में आसानी'पर संगोष्ठी जिसमें 3 टी-व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटनमें भारत की ताकत पर विशेष ध्यान दिया गया और प्रमुख संघों और व्यवसायों के साथ राजदूत द्वारा बातचीत की गई; 28 अक्टूबर 2021 को जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (जीजेईपीसी) के सहयोग से रत्न और आभूषण क्षेत्र पर बिजनेस नेटवर्किंग बैठक गी गई। थाईलैंड की ग्लोबल पावर सिनर्जी पब्लिक कंपनी ने जुलाई 2021 में भारत की अवाडा एनर्जी में 41.6% हिस्सेदारी खरीद कर किसी थाई कंपनी द्वारा 14,825 मिलियन डॉलर (453.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का सबसे बड़ा निवेश किया गया। दूतावास ने इस अवधि के दौरान एक पर्यटन रोड शो; एक मेक इन इंडिया प्रदर्शनी और थाई कंपनियों के साथ निवेश बैठक, और नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल आयोजित करने की योजना बनाई है।

दूतावास ने अतुल्य भारत और भारत के विभिन्न राज्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 1-31 अक्टूबर 2021 तक फुकेट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर और 18 अक्टूबर से 17 नवंबर 2021 तक बैंकॉक के सुखुमवित मेट्रो स्टेशन पर डिजिटल पर्यटन प्रचार अभियान का आयोजन किया।

वर्ष के दौरान, आज़ादी के अमृत महोत्सव (एकेएएम)/भारत @75 के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनकी शुरुआत 12 मार्च 2021 को थाई संसद के अध्यक्ष चुआन लीकपाई द्वारा भारत के संविधान के थाई अनुवाद के विमोचन के साथ हुई। अन्य कार्यक्रमों में 9 अप्रैल 2021 को आईसीसीआर स्थापना दिवस का उत्सव मनाया जाना; 19 जून 2021 को 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हाइब्रिड प्रारूप में मनाया गया, विभिन्न स्थानों से भाग लेने वाले लगभग 16 समूहों को जोड़ते हुए फेसबुक और यूट्यूब पर कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की गई; 75वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव और भारतीय ध्वज के रंगों में बैंकॉक में दो ऐतिहासिक इमारतों में

रोशनी; भारत के आदिवासी सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) द्वारा उत्पादित हस्तशिल्प का प्रदर्शन करते हुए भारत के बाहर पहले आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर का उद्घाटन; 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस का उत्सव; 15 सितंबर 2021 को आईटीईसी दिवस; 24 सितंबर 2021 को सम्मान प्रवासी भारतीय पुरस्कार समारोह; 4 अक्टूबर 2021 को यूएनईएससीएपी के साथ संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का स्मरणोत्सव, जिसमें थाईलैंड अधिराज्य के संस्कृति मंत्री श्री इथिफोल कुनप्लोम मुख्य अतिथि थे; 4 और 5 अक्टूबर 2021 को महात्मा गांधी पर फोटो प्रदर्शनी; 25-31 अक्टूबर 2021 तक राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल पर फोटो प्रदर्शनी, जिसका उद्घाटन सीनेटर पिकुलकेव क्रेरिक्ष, अध्यक्ष सीनेट विदेश मामलों की समिति द्वारा किया गया, और 29 अक्टूबर 2021 को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों पर वार्ता एवं वीडियो और सांस्कृतिक कार्यक्रम। दूतावास ने योग, आयुर्वेद, आवाजाही की स्वतंत्रता, आईटी, विकास साझेदारी, आदि विषयों पर एकेएएम के हिस्से के रूप में स्थानीय मीडिया हाउस के सहयोग से छह वीडियो श्रृंखलाओं का निर्माण किया। राजदूत ने 24-25 नवंबर 2021 को इंडिया कॉर्नर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए उबोन रत्चथानी विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने रत्चथानी प्रांत उबोन के गवर्नर से मुलाकात की, भारत में व्यापार करने में आसानी और अतुल्य भारत पर एक सेमिनार की अध्यक्षता की। 17 दिसंबर 2021 को दूतावास द्वारा इंडिया कप गोल्फ टूर्नामेंट की सह-मेजबानी की गई थी। इस अवधि के दौरान भारतीय समुदाय और दूतावास के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न प्रांतों में कांसुलर शिविरों की बैठक की योजना बनाई जाएगी, जो कोविड प्रतिबंधों के अध्यधीन होगी।

दूतावास ने 15-22 नवंबर 2021 तक जनजातीय गौरव सप्ताह, 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस और मुंबई आतंकवादी हमले की 13वीं वर्षगांठ के रूप में, और 3 दिसंबर 2021 को महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। दूतावास जनवरी 2022 में प्रवासी भारतीय दिवस, विश्व हिंदी दिवस और गणतंत्र दिवस मनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगा।

थाईलैंड में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में भारतीय अध्ययन केंद्रों ने एकेएएम विषय के अनुरूप लगभग 40 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, 94 थाई अधिकारियों ने ई-आईटीईसी पाठ्यक्रमों में भाग लिया, थाईलैंड के 10 छात्रों को आईसीसीआर के छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्ति प्रदान की गई, 2 छात्रों को हिंदी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में अध्ययन के लिए स्वीकार किया गया और 2 विद्वानों को आसियान छात्र कार्यक्रम के लिए आईआईटी फैलोशिप के तहत पीएच.डी. फेलोशिप प्रदान की गई। पिछले वर्षों की तरह थाईलैंड के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में सात प्रमुख भारतीय अध्ययन केंद्रों और सबसे पुरानी सोसाइटी, थाई भारत सांस्कृतिक लॉज सहित मैत्री समितियों को संस्कृति मंत्रालय से सहायता अनुदान वितरित किया गया है।

इस अवधि के दौरान दूतावास और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र द्वारा योग, आयुर्वेद , संस्कृत और हिंदी भाषा, भारतीय नृत्य, वस्त्र और कला एवं वास्तुकला को बढ़ावा देने के लिए प्रख्यात वक्ताओं द्वारा वार्ता सहित कई वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किए गए । राजदूत ने आईसीडब्ल्यूएफ दिवस सहित भारतीय डायस्पोरा के साथ कई आउटरीच (वर्चुअल) बैठकें कीं और एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में प्रिंट मीडिया, ऑनलाइन मीडिया और रेडियो चैनलों में लेख लिखे। पांच वर्चुअल जेल संपर्क कार्यक्रम और पटाया में एक कोंसली शिविर आयोजित किए गए।

बैंकॉक में बांग्लादेश के दूतावास के साथ संयुक्त रूप से दूतावास ने बैंकॉक में 07 दिसंबर 2021 को 'मैत्री दिवस' के विषय के तहत भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक स्वागत समारोह की सह-मेजबानी की। भारत और बांग्लादेश के बीच 50 साल के राजनयिक संबंधों, साझा सांस्कृतिक संबंधों, विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के साथ-साथ बांग्लादेश मुक्ति युद्ध पर प्रकाश डालने वाली एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई। मैत्री दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 3 दिसंबर 2021 को श्रीनाखारिनविरोट विश्वविद्यालय, बैंकॉक में "भारत और बांग्लादेश के बीच स्थायी बंधन और बिम्सटेक के एकीकरण पर इसके प्रभाव"विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई।

2022 में भारत और थाईलैंड के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के सहयोग से दूतावास द्वारा आयोजित की जाने वाली संयुक्त गतिविधियों के हिस्से के रूप में, लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता और लोगो अनावरण समारोह की योजना जनवरी-फरवरी 2022 में है। .

अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान थाईलैंड में फंसे कुल 4781 भारतीय नागरिक वंदे भारत मिशन की 27 उड़ानों से भारत लौटे ।

बहुपक्षीय

एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि (पीआर) ने 26-29 अप्रैल 2021 तक वर्चुअल मोड में आयोजित 77वें आयोग सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और 'एशिया और प्रशांत में क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से संकटों से बेहतर वापसी' विषय पर देश का वक्तव्य दिया।

राजदूत ने यूएनईएससीएपी की पर्यावरण पर समिति के छठे सत्र की अध्यक्षता की और यूएनईएससीएपी और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 7 सितंबर 2021 को आयोजित क्लीन एयर फॉर बलू स्काइज़ के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय दिवस के स्मरणोत्सव के दौरान मुख्य टिप्पणी भी प्रस्तुत की।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में नागरिक पंजीकरण और महत्वपूर्ण सांख्यिकी पर दूसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 16-19 नवंबर 2021 तक यूएनईएससीएपी द्वारा आयोजित किया गया था। परिवहन पर यूएनईएससीएपी चौथा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 14-17 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया था और सतत विकास पर 9 वें एशिया-प्रशांत फोरम का आयोजन 28- 31 मार्च 2022 तक होगा।

तिमोर लेस्ते

भारत तिमोर लेस्ते के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती देशों में से एक था और मई 2002 में तत्कालीन एमओएस के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा इसके स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रतिनिधित्व किया गया था। औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले एक समझौता ज्ञापन पर 24 जनवरी 2003 को हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। वे संयुक्त राष्ट्र सहित अंतर्राष्ट्रीय निकायों में निकटता से सहयोग करते हैं। 2020-21 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 25.36 मिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत से निर्यात की प्रमुख वस्तुओं में कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, रबर, नमक आदि शामिल थे। महामारी के कारण लगाए गए यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के चलते आमने-सामने बातचीत बाधित हुई है।

वियतनाम

21 दिसंबर 2020 को भारत-वियतनाम वर्चुअल शिखर सम्मेलन में वियतनाम के समाजवादी गणराज्य के तत्कालीन प्रधान मंत्री Nguyen Xuan Phuc और प्रधान मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से अपनाए गए ऐतिहासिक "शांति, समृद्धि और लोगों के लिए संयुक्त दृष्टिकोण" ने महामारी प्रभावित वर्ष 2021 में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक रूपरेखा का मार्गदर्शन करना जारी रखा। भारत और वियतनाम वर्चुअल समिट के दौरान हस्ताक्षरित व्यापक रणनीतिक साझेदारी: 2021-23 के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना को लागू करने में सक्रिय रूप से लगे रहे।

प्रधान मंत्री ने वियतनाम के समाजवादी गणराज्य के नए प्रधान मंत्री के रूप में चुने जाने पर बधाई देने के लिए 10 जुलाई 2021 को प्रधान मंत्री श्री फाम मिन्ह चिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। वार्ता के दौरान, दोनों प्रधानमंत्रियों ने कोविड महामारी से उभरने वाली वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा की, और द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ावा देने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संगठनों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ समन्वय की सराहना की। उन्होंने इस महामारी की स्थिति के दौरान एक-दूसरे के नागरिकों प्रदान किए गए समर्थन और सुविधा की भी सराहना की।

विदेश मंत्री ने यूएनजीए के मौके पर 21 सितंबर 2021 को विदेश मंत्री बुई थान सोन से मुलाकात की, जिसके दौरान दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की और साझा हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री, मिस्टर टू लैम के बीच एक वर्चुअल बैठक 12 जुलाई 2021 को आयोजित की गई थी। रक्षा मंत्री ने 1 जुलाई 2021 को वियतनाम के रक्षा मंत्री, वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल फान वान जियांग के साथ टेलीफोन पर वार्ता की। वे इस महामारी के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए सहमत हुए।

लोकसभा अध्यक्ष ने 7 सितंबर 2021 को संसद के अध्यक्षों के पांचवें विश्व सम्मेलन के मौके पर वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष श्री वुओंग दिन्ह ह्यू से मुलाकात की। दोनों वक्ताओं ने द्विपक्षीय संसदीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। भारत और वियतनाम के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने के लिए नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वुओंग दिन्ह ह्यू ने 15-19 दिसंबर 2021 तक भारत की आधिकारिक यात्रा की। उन्होंने लोकसभा के अध्यक्ष और राज्य सभा के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। उन्होंने आईटी और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में सहयोग का पता लगाने के लिए बेंगलुरु का भी दौरा किया।

एमओएस (आरआरएस) ने विकासशील देशों के लिए भारत के अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) में आसियान-भारत केंद्र और वियतनाम सामाजिक विज्ञान अकादमी (वीएएसएस) के भारतीय और दक्षिण पश्चिम एशियाई अध्ययन संस्थान (वीआईओईएसएएस) द्वारा 7 अक्टूबर 2021 संयुक्त रूप से आयोजित "तीसरे भारत-आसियान सांस्कृतिक संपर्क लिंक" के अवसर पर एक महत्वपूर्ण भाषण दिया।एमओएस (आरआरएस) ने दोनों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध पर प्रकाश डाला और लोगों से लोगों के बीच सम्पर्क को और बढ़ावा देने के लिए इन प्राचीन संबंधों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पूरे वर्ष के दौरान, भारत और वियतनाम विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा द्विपक्षीय तंत्र को लागू करने पर केंद्रित रहे। उन्होंने संयुक्त रूप से दूसरी समुद्री सुरक्षा वार्ता, संयुक्त राष्ट्र समन्वय पर महानिदेशक स्तर के परामर्श और अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और आईटी सहयोग पर तीन अलग-अलग संयुक्त कार्य समूहों का आयोजन किया।

भारत और वियतनाम ने वर्ष 2021 में बहुपक्षीय क्षेत्रों में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यों के रूप में,अपने घनिष्ठ समन्वय को बनाए रखा। दोनों देशों के नेताओं ने अपने-अपने निवास के दौरान आयोजित हस्ताक्षर कार्यक्रमों में भाग लिया।1 जून को, भारत ने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ के साथ वियतनामी विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित हाइब्रिड प्रारूप में समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) पर तीसरी एशियाई क्षेत्रीय फ्रेमवर्क कार्यशाला की सह-मेजबानी की।

रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग मुख्य प्राथमिकताओं में से एक रहा। आईएनएस रणविजय और आईएनएस कोरा ने 15-18 अगस्त 2021 तक वियतनाम के कैम रान्ह बंदरगाह पर पोर्ट कॉल किया; उन्होंने वियतनाम पीपुल्स नेवी फ्रिगेट वीपीएनएस लाइ थाई टू (मुख्यालय-012) के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास भी किया। जिसमें वियतनाम की कोविड महामारी के खिलाफ चल रही लड़ाई में सहयोग करने के लिए 30 अगस्त 2021 को

आईएनएस ऐरावत 100 मीट्रिक टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन और 300 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर लेकर हो ची मिन्ह सिटी पहुँचा। न्हा ट्रांग में दूरसंचार विश्वविद्यालय में आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क की स्थापना के लिए वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय को कुल 5 मिलियन अमरीकी डालर में से 1 मिलियन अमरीकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता की पहली किश्त प्रदान की गई थी।

महामारी के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंध जारी रहे। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2021 के पहले 8 महीनों के लिए कुल द्विपक्षीय व्यापार 8,878.12 मिलियन अमरीकी डालर था। भारत से निर्यात 4,382.22 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 49.76% की वृद्धि दर्ज करता है। भारत द्वारा आयात 34.86% की वृद्धि दर्ज करते हुए 4,495.90 मिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया। 2021 के इन पहले आठ महीनों (113.68 मिलियन अमरीकी डॉलर तक) के दौरान व्यापार संतुलन वियतनाम के पक्ष में था।

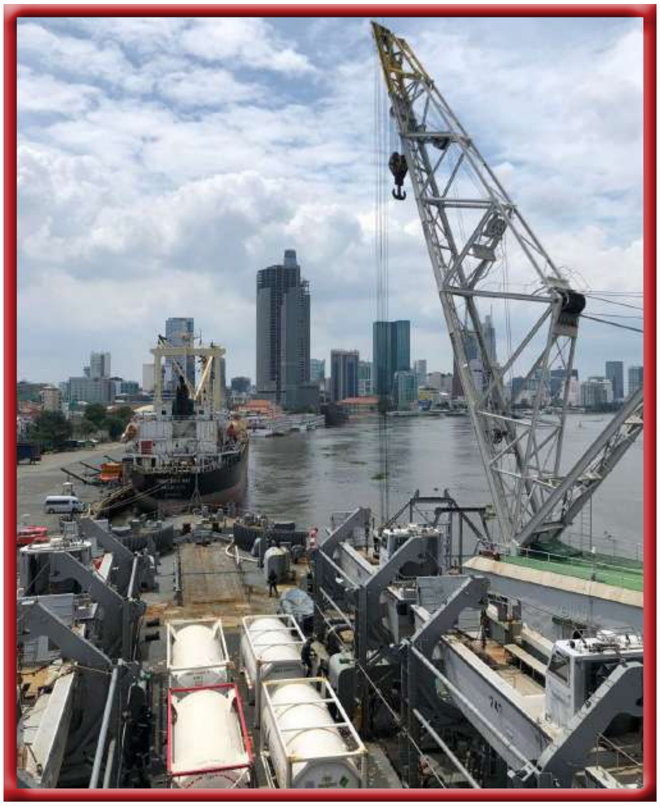

आईएनएस ऐरावत ने अगस्त 2021 में वियतनाम में हो ची मिन्ह सिटी की यात्रा की और 100 मीट्रिक टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन और 300 ऑक्सीजन कसंट्रेटर डिलीवर किए

मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) फ्रेमवर्क के तहत, वियतनाम के विभिन्न प्रांतों में स्थानीय सामुदायिक बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए समर्पित 24 त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) को पूरा किया गया। 2017 से अब तक, वियतनाम के 33 प्रांतों में 37 क्यूआईपी (वित्त वर्ष 2021-22 में 10 क्यूआईपी सहित) शुरू किए गए हैं। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, वियतनामी छात्रों द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आसियान देशों के लिए 1000 छात्रवृत्तियों सहित विभिन्न छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का उपयोग किया जा रहा है।

वियतनाम के साथ भारत के विकास सहयोग के हिस्से के रूप में वियतनाम में पुरातात्विक स्थलों का पुनर्रूद्धार और संरक्षण एक महत्वपूर्ण सहयोग है। इस संबंध में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 2021 में मध्य वियतनाम में माई सन में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के संरक्षण और पुनर्रूद्धार की अपनी 5 वर्षीय परियोजना को जारी रखा।

हनोई में भारत के दूतावास द्वारा 12 अगस्त 2021 को "इंडिया एट 75" पर एक विशेष वेबिनार के साथ "आज़ादी का अमृत महोत्सव" का साल भर चलने वाला उत्सव शुरू किया गया था। 2021 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से, विविध क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों और भारत-वियतनाम संबंधों में विकास पर प्रकाश डाला गया। योग समर्थकों और योग संस्थानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ वर्चुअल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके पूरे वियतनाम में 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

हनोई में भारतीय दूतावास ने महामारी के दौरान देश भर में बसे भारतीय समुदाय को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कार्य जारी रखा। वियतनाम में फंसे भारतीय नागरिकों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए विशेष उड़ानों की सुविधा प्रदान की गई।

रक्षा मंत्री ने 9-12 जनवरी 2022 तक वियतनाम की आधिकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान 2030 तक की अवधि के लिए भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग पर संयुक्त विजन स्टेटमेंट और म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्री ने भारत सरकार की 10 करोड़ की रक्षा लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत बनाई जा रही हाई-स्पीड गार्ड बोट भी सौंपी। फरवरी/मार्च 2022 में सेनाओं, नौसेनाओं और वायु सेना के बीच स्टाफ वार्ता आयोजित की गई थी। एक वियतनाम पीपुल्स नेवी फ्रिगेट 25 फरवरी से 4 मार्च 2022 तक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलन में भाग लेगा।

भारत और वियतनाम ने जनवरी 2022 में आयोजित 5वीं संयुक्त व्यापार उप-आयोग बैठक (वर्चुअल) में व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की।

वियतनाम के प्रधान मंत्री फाम मिन्ह चिन मार्च 2022 में भारत का दौरा करेंगे। वह व्यापक द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक हितों पर प्रधान मंत्री के साथ द्विपक्षीय परामर्श करेंगे। दोनों प्रधान मंत्री कोविड महामारी की चुनौतियों से निपटने के लिए द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए तैयार हैं। इस यात्रा में सतत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और सीडीआरआई में शामिल होने के वियतनाम के फैसलों की भी घोषणा की जाएगी।

प्रशांत द्वीप देश

प्रशांत द्वीप देश (पीआईसी) पूर्व के साथ भारत के संबंध का हिस्सा हैं। एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत, भारत सरकार ने इस क्षेत्र के देशों के साथ जुड़ने के अपने प्रयासों को गति प्रदान की है। नवंबर 2014 में सुवा, फिजी में आयोजित पहले एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री द्वारा एक्ट ईस्ट पॉलिसी के निर्देशों के तहत एक ऐतिहासिक पहल के तौर पर फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) आरम्भ किया गया था। दूसरा संस्करण अगस्त 2015 में जयपुर में आयोजित किया गया था।

एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन के परिणाम के रूप में, पीआईसी में 7 देशों में (पापुआ न्यू गिनी, वानुअतु, नीयू, कुक आइलैंड्स, समोआ, फिजी और नाउरू) कई आईटी परियोजनाएं और आईटी में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं और 14 प्रशांत द्वीप देशों में 2,800 घरों में सौर विद्युतीकरण के लिए एक परियोजना के तहत 70 महिला सौर इंजीनियरों (सौर मामा कहा जाता है) को प्रशिक्षित किया गया है।

भारत और पीआईसी के बीच क्षमता निर्माण (आईटीईसी के तहत नागरिक और रक्षा प्रशिक्षण), आईसीसीआर छात्रवृत्ति, सहायता अनुदान और लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) के रूप में पर्याप्त सहयोग किया जाता है।

भारत द्वारा भारत-यूएनडीपी फंड के माध्यम से सोलोमन द्वीप, नाउरू, पापुआ न्यू गिनी, किरिबाती, टोंगा, तुवालु और पलाऊ को चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति की खरीद और कोविड के चलते स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए सहायता प्रदान की गई थी।

इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) जैसी पहलें, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के प्रति संवेदनशील हैं, पीआईसी के साथ भारत के संबंधों की पूरक हैं। सीडीआरआई फ्रेमवर्क के तहत, भारत ने आपदाओं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रशांत द्वीपों और कैरिकॉम देशों के लिए प्रौद्योगिकी, वित्त और आवश्यक जानकारी के संबंध में एसआईडीएस की सहायता हेतु ऑस्ट्रेलिया, यूके और छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) के साथ 2 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी26 के मौके पर 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स' (आईआरआईएस) लॉन्च किया।

भारत समय-समय पर पीआईसी को मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) प्रदान करता रहा है। 17-18 दिसंबर 2020 को श्रेणी 5 उष्णकटिबंधीय चक्रवात यासा के बाद जनवरी 2021 में भारत से राहत सामग्री की एक खेप फिजी भेजी गई थी। कोविड महामारी के बावजूद, उष्णकटिबंधीय चक्रवात यासा से प्रभावित समुदायों की आजीविका की बहाली के लिए अनुदान के रूप में 0.8 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की फलों और सब्जियों के बीजों की 14 किस्मों की लगभग 7 टन की एक खेप भेजी गई थी। फिजी की आपदा के बाद की आवश्यकता के लिए प्रारंभिक प्रतिक्रिया ने इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (आईपीओआई) के तहत मित्र देशों को एचएडीआर सहायता प्रदान करने की भारत की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

'वैक्सीन मैत्री' की पहल के तहत, भारत फिजी को कोविड टीकों की 100,000 खुराक देने वाला पहला देश था। भारत को कोविड टीकों की 10,000 खुराक की भेंट ने नाउरू को अपनी पूरी वयस्क आबादी का टीकाकरण करने में मदद की। इसके अलावा, कोवैक्स सुविधा के माध्यम से पापुआ न्यू गिनी और सोलोमन द्वीप में क्रमशः 132,000 खुराक और 24,000 खुराक भेजी गई हैं।

फिजी: 22 जून 2021 को एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से कृषि और किसान कल्याण मंत्री और डॉ. महेंद्र रेड्डी, कृषि, जलमार्ग और पर्यावरण मंत्री, फिजी द्वारा भारत और फिजी के बीच कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सुश्री रोज़ी अकबर, महिला, बच्चे और गरीबी उपशमन मंत्री ने अक्टूबर 2021 में आईसीसीआर द्वारा आयोजित वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "लेवरेजिंग द सॉफ्ट पावर ऑफ इंडिया - शिल्प, भोजन और रचनात्मकता के माध्यम से सद्भावना" में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाग लिया।

पापुआ न्यू गिनी : भारत-संयुक्त राष्ट्र सहयोग विकास कोष के तहत 10 पूरी तरह से फिट एम्बुलेंस की खरीद के लिए पपुआ न्यू गिनी के लिए स्वीकृत 10 लाख अमरीकी डालर की सहायता के तहत, इन 4 एम्बुलेंसों का पहला बैच 11 अक्टूबर 2021 को सौंपा गया था. प्रधान मंत्री जेम्स मरापे ने 24 सितंबर 2021 को अपने यूएनजीए संबोधन में, अन्य बातों के साथ-साथ, अपनी सरकार की विकास प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया।

समोआ: भारत ने एपिया में मानद वाणिज्य दूतावास की स्थापना की। एक व्यापारिक नेता श्री लियोनिदास एपेटे मेरेडिथ को जुलाई 2021 में समोआ में भारत के पहले मानद महावाणिज्य दूत के रूप में नियुक्त किया गया था।

जुलाई 2021 में समोआ की पहली महिला प्रधान मंत्री बनने वाली फ़तुआतुआ इले अटुआ समोआ उआ तासी पार्टी की सुश्री फ़िआमे नाओमी माताफ़ा ने 16 अगस्त 2021 को एपिया में भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया।

सूचना प्रौद्योगिकी के लिए भारत-समोआ उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईटी) को 27 अगस्त 2021 को समोआ के प्रधान मंत्री फियामो नाओमी माताफा की उपस्थिति में आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से समोआ के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। केंद्र ने मार्च 2020 में काम करना शुरू कर दिया था।

सोलोमन आइलैंड्स: भारत और सोलोमन आइलैंड्स कॉमनवेल्थ, गुटनिरपेक्ष आंदोलन और संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का साथ मिलकर काम कर रहे हैं। होनियारा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आईटी (सीईआईटी) की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे।

सोलोमन द्वीप समूह को कोविड के खिलाफ अपनी लड़ाई में सहायता करने के लिए भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष के तहत 1 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता के अनुसार, भारतीय दवाओं और चिकित्सा उपकरणों से युक्त एक खेप अक्टूबर 2021 में भेजी गई थी।

पलाऊ: एमओएस (वीएम) ने 28 जून 2021 को पलाऊ गणराज्य के उपराष्ट्रपति और राज्य मंत्री (विदेश मंत्री) जे उडुच सेंगेबाउ सीनियर के साथ एक वर्चुअल वार्ता की। मंत्रियों ने भारत और पलाऊ के बीच द्विपक्षीय संबंधों और मौजूदा विकास सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की।

रिपब्लिक ऑफ मार्शल आइलैंड्स: भारत के मानद महावाणिज्य दूत, सुश्री रमोना लेवी स्ट्रॉस को मई 2021 में रिपब्लिक ऑफ मार्शल आइलैंड्स में नियुक्त किया गया था।

अउर एटोल स्थानीय सरकार की जल और स्वच्छता परियोजना, जिसे भारत की 300,000 अमरीकी डॉलर की सहायता से लागू किया गया था, 2021 में पूरी हुई। इस परियोजना के तहत, घरों के लिए 70 से अधिक स्वच्छता इकाइयों का निर्माण किया गया, जिससे सामुदायिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

चल रही "कोरल एंड कैलम परियोजना"- चरण II के लिए अगस्त 2020 में 200,000 अमरीकी डालर की सहायता वितरित की गई थी। भारत ने 2016 में इसी परियोजना के पहले चरण में भी सहायता की थी। इस परियोजना ने महिलाओं के रोजगार और टिकाऊ एक्वा कल्चर खेती में योगदान देकर स्थानीय समुदाय पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डाला।

4

पूर्वी एशिया

चीन

चीनी पक्ष ने अप्रैल-मई 2020 की शुरूआत से ही पश्चिमी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने के कई प्रयास किए, जिससे पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के पास अमन और शांति को गंभीर रूप से बाधित किया और संबंधों को बेहतर करने को प्रभावित किया। दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से मुद्दों को हल करने पर सहमति व्यक्त की है। नतीजतन, सभी घर्षण बिंदुओं के पूर्ण समाधान प्राप्त करने और भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में यथाशीघ्र अमन और शांति की पूर्ण बहाली के लिए चीनी पक्ष के साथ चर्चा जारी है।

दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर मुद्दों के समाधान में कुछ प्रगति की है। फरवरी 2021 में, दोनों पक्ष पैंगोंग त्सो क्षेत्र में संघर्ष विराम किया। अगस्त 2021 में गोगरा क्षेत्र में संघर्ष विराम हुआ। हालांकि, अभी भी कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। भारत ने चीनी पक्ष के साथ कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों के जरिये अपनी भागीदारी बनाए रखी है ताकि शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल किया जा सके जिससे कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति बहाल की जा सके।

विदेश मंत्री ने 16 सितंबर 2021 को ताजिकिस्तान के दुशांबे में चीन के स्टेट काउंसिलर और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की जो कि राष्ट्र प्रमुखों की 21वीं एससीओ बैठक से इतर था। दोनों मंत्रियों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) संबंधी स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों ने इससे पहले जुलाई 2021 में ताजिकिस्तान के दुशांबे में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर भी मुलाकात की थी। दोनों पक्ष इस बात से सहमत हैं कि मौजूदा स्थिति का लंबे समय तक बना रहना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है क्योंकि इससे रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। दोनों पक्षों को द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करते हुए शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान की दिशा में काम करना चाहिए।

मई 2020 के बाद से भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की अब तक 9 बैठकें हुई हैं, जिनमें से नवीनतम 18 नवंबर 2021 को हुई है। वरिष्ठ कमांडरों (भारत की ओर से 14 वीं कोर के कमांडर की अध्यक्षता में) के बीच तेरह दौर की बैठकें भी आयोजित की गईं, जिसमें अंतिम दौर की बैठक 10 अक्टूबर 2021 को हुई थी। इन कूटनीतिक और सैन्य स्तर की बैठकों के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में एलएसी की स्थिति पर स्पष्ट और गहन विचारों का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर सभी घर्षण बिंदुओं से सैनिकों को पूरी तरह से हटाने की दिशा में ईमानदारी से काम करना जारी रखेंगे। दोनों पक्ष इस बात से सहमत हैं कि मौजूदा स्थिति का दीर्घकाल तक बने रहना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है क्योंकि यह रिश्ते को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। दोनों पक्षों के सैन्य और कूटनीतिक

अधिकारी शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने पर अपनी चर्चा जारी रखने के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहे हैं।

द्विपक्षीय व्यापार

जनवरी से अक्टूबर, 2021 तक भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार कुल 102.29 बिलियन अमरीकी डालर था, जो चीनी आंकड़ों के अनुसार वार्षिक आधार पर 47.8% अधिक था। चीन को भारत का निर्यात 23.96 अमरीकी डालर बिलियन तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 38.20% अधिक है और चीन से भारत का आयात 78.33 बिलियन अमरीकी डालर है, जो सालाना आधार पर 51.00% अधिक है। पहले दस महीने की अवधि के लिए व्यापार घाटा 54.37 बिलियन अमरीकी डालर था, जो सालाना आधार पर 56.95% अधिक था।

सितंबर 2021 में दुशांबे एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक के अवसर पर चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी और विदेश मंत्री

डेमोक्रेटिक पीपल्स रिपब्लिक आफ कोरिया

दिसंबर 1973 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से भारत और डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण रहे हैं। भारत वार्ता और कूटनीति के माध्यम से कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और स्थिरता लाने के प्रयासों का लगातार समर्थन करता रहा है। डीपीआरके सरकार द्वारा कोविड-19 से निपटने के लिए लगाए गए सख्त प्रतिबंधों और अपनी सीमाओं को पूरी तरह से बंद करने के उनके फैसले के कारण कई विदेशी मिशनों ने अस्थायी रूप से अपने संचालन को बंद कर दिया था। इन कड़े प्रतिबंधों के कारण भारत सरकार ने 29 जून 2021 से डीपीआरके में भारतीय दूतावास के संचालन को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया।

जापान

इस वर्ष भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों में वृद्धि हुई और भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी और मजबूत हुआ। दोनों पक्षों ने कोविड के बावजूद वर्चुअल बैठकों और फोन कॉल के माध्यम से अपने संबंधों की गति को बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने 26 अप्रैल 2021 को तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री सुगा से बात की थी, जिसमें कोविड के प्रबंधन के लिए प्रत्येक देश की प्रतिक्रिया पर विचारों का आदान-प्रदान करने और कोविड के बाद की दुनिया में सहयोग को मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया गया था। उन्होंने 23 सितंबर 2021 को क्वाड लीडर्स समिट के इतर वाशिंगटन डी.सी में अपनी पहली व्यक्तिगत बैठक भी की थी। 8 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने जापान के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री श्री किशिदा फुमियो के साथ टेलीफोन पर वार्ता की। उन्होंने उच्च प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया और इस संबंध में क्वाड ढांचे के तहत सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।

विदेश मंत्री ने वर्ष के दौरान तत्कालीन जापानी विदेश मंत्री मोतेगी तोशिमित्सु से कई बार अलग से मुलाकात की, जिसमें 5 मई 2021 को लंदन में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान, 29 जून 2021 को रोम में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान और 23 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान। विदेश मंत्री ने 22 नवंबर 2021 को जापान के नवनियुक्त विदेश मंत्री श्री हयाशी योशिमासा के साथ टेलीफोन पर वार्ता की। उन्होंने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

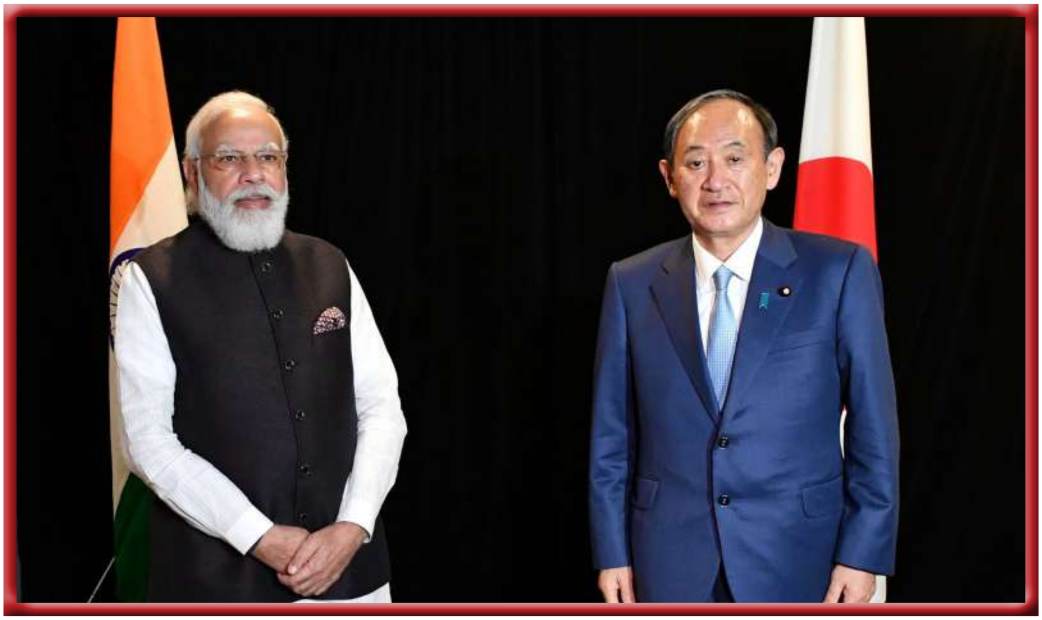

प्रधानमंत्री ने सितंबर 2021 में वाशिंगटन डीसी में जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा से मुलाकात की

इस वर्ष द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और मजबूत किया गया। जापान के आत्मरक्षा बलों और भारतीय सशस्त्र बलों (या एसीएसए) के बीच आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान पर समझौता पर 9 सितंबर 2020 को हस्ताक्षर किया गया और यह 11 जुलाई 2021 को लागू हुआ। अरब सागर में 6-8 अक्टूबर 2021 तक भारतीय नौसेना (आईएन) और जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) के बीच समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (जेआईएमईएक्स) के 5वें संस्करण के पूरा होने के साथ नौसेना सहयोग जारी रहा। हथियार फायरिंग, क्रॉस-डेक हेलीकॉप्टर संचालन और जटिल सतह, पनडुब्बी-रोधी और हवाई युद्ध अभ्यास सहित बहुआयामी सामरिक अभ्यास आयोजित किए गए। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत और जापान ने भी मालाबार 2021 में भाग लिया जिसे दो चरणों में आयोजित किया गया था। चरण-1 फिलीपीन सागर में 26-29 अगस्त तक आयोजित किया गया था और चरण-2 को 12-15 अक्टूबर 2021 को बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और उनके जापानी समकक्ष श्री अकीबा टाकेओ ने 3 अगस्त 2021 को द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर वार्ता की।

भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। 2020-21 में जापान से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 1.95 अरब डॉलर था। 2000 के बाद से संचयी निवेश 35.45 बिलियन अमरीकी डालर रहा है, जो निवेशकों के मामले में जापान को पांचवें स्थान पर रखता है। जापान द्विपक्षीय आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) का भारत का सबसे बड़ा दाता देश बना रहा और यह ओडीए प्रतिबद्धता 2020-21 में लगभग 3.5 बिलियन अमरीकी डालर था। भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड संक्रमण में वृद्धि के संबंध में जापान सरकार ने जापान की आपातकालीन सहायता के हिस्से के रूप में 1800 वेंटिलेटर और 2800 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए।

जापान और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्रियों के साथ वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने औपचारिक रूप से 27 अप्रैल 2021 को एक आभासी त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय बैठक में आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (एससीआरआई) की शुरुआत की। एससीआरआई का उद्देश्य अंततः क्षेत्र में मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन को बढ़ाना है। प्रमुख मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के कार्यान्वयन में और प्रगति हुई। एमएएचएसआर पर 12 वीं और 13 वीं संयुक्त समिति की बैठकें, जिसकी सह-अध्यक्षता, नीति आयोग के उपाध्यक्ष और जापान के प्रधान मंत्री के विशेष सलाहकार डॉ. हिरोतो इजुमी ने की, इन्हें क्रमशः 21 अप्रैल 2021 और 29 सितंबर 2021 को वर्चुअल प्रारूप में आयोजित की गई थी।

भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन तथा श्रम और रोजगार मंत्री और जापान के पर्यावरण मंत्री श्री कोइज़ुमी शिंजिरो के बीच पहली भारत-जापान पर्यावरण नीति वार्ता 7 सितंबर 2021 को वर्चुअली आयोजित की गई थी। उन्होंने वायु प्रदूषण, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों और परिवहन, जलवायु परिवर्तन, समुद्री कचरे, फ्लोरोकार्बन और सीओपी 26 जैसे मुद्दों पर चर्चा

की। कुछ अन्य महत्वपूर्ण वार्ता जो वर्चुअली आयोजित की गई थीं, उनमें 6वीं समुद्री मामलों की वार्ता, 5 जी के क्षेत्र में पहली भारत-जापान अंतर-सरकारी परामर्श और सार्वजनिक-निजी कार्यशाला और दूसरी अंतरिक्ष वार्ता शामिल थी। संपन्न द्विपक्षीय समझौतों में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और जापान मेला व्यापार आयोग (जेएफटीसी) के बीच सहयोग ज्ञापन (एमओसी) और भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी (आईजेआईसीपी) की स्थापना के लिए एक एमओसी शामिल है।

कौशल विकास में द्विपक्षीय सहयोग में चार नए जापान-भारत विनिर्माण संस्थानों (जेआईएम) और 2 अतिरिक्त जापानी संपन्न पाठ्यक्रमों (जेईसी) की स्थापना के साथ आगे प्रगति हुई, जिससे पूरे भारत में जेआईएम और जेईसी की कुल संख्या क्रमशः 19 और 7 हो गई। निर्दिष्ट कुशल श्रमिक (एसएसडब्ल्यू) समझौते पर जनवरी 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों पक्षों ने 2022 की शुरुआत से भारत में कौशल और भाषा परीक्षण करने सहित इसके शीघ्र परिचालन पर काम करना जारी रखा।

कनेक्टिविटी और अन्य परियोजनाओं के समन्वय के माध्यम से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम के तहत संयुक्त प्रयास जारी रहे। फरवरी 2021 में जापानी राजदूत के साथ विदेश मंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे गुवाहाटी जल आपूर्ति परियोजना स्थल का दौरा किया ताकि इसकी प्रगति की समीक्षा की जा सके।

इस वर्ष में लोगों के बीच आदान-प्रदान के विस्तार पर लगातार ध्यान केंद्रित किया गया। 27 जून 2021 को प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (एएमए), अहमदाबाद में एक ज़ेन गार्डन और काइज़ेन अकादमी का उद्घाटन किया। 15 जुलाई 2021 को प्रधानमंत्री ने वाराणसी में रुद्राक्ष नामक अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सम्मेलन केंद्र का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण दो देशों और बाकी दुनिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए जापानी अनुदान सहायता से किया गया था। जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री सुगा ने इस अवसर पर एक वीडियो संदेश दिया। 20 जुलाई 2021 को मंत्रालय और अनंत केंद्र ने भारत-जापान फोरम को भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए सरकार, उद्योगों, थिंक-टैंक और मीडिया के लोगों को एक साथ लाने के लिए विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में लॉन्च किया। फोरम की सह-अध्यक्षता विदेश सचिव और 15 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष और अनंता एस्पेन सेंटर के ट्रस्टी ने की।

जहां कोविड महामारी ने दोनों देशों के बीच नियमित यात्रा को बाधित करना जारी रखा, एयर बबल व्यवस्था के माध्यम से लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाया गया। इसके अलावा, दोनों देशों ने टीकाकरण प्रमाण पत्र के लिए एक पारस्परिक मान्यता व्यवस्था बनायी जिससे एक-दूसरे के देशों (टीबीसी) से आने वाले यात्रियों के लिए कम और सरल संगरोध उपायों की स्थापना हुई।

प्रधानमंत्री ने जून 2021 में अहमदाबाद में ज़ेन गार्डन का उद्घाटन किया

मंगोलिया

भारत और मंगोलिया के बीच गर्मजोशी भरा और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। मंगोलिया भारत को अपना "तीसरा" और "आध्यात्मिक पड़ोसी" मानता है। द्विपक्षीय संबंधों को 2015 में प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में उभरा, जो मंगोलिया के साथ भारत के

द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक घटना साबित हुई है। तब से, मंगोलिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार हुआ है और इसमें महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। कोविड महामारी के बावजूद भारत और मंगोलिया ने पूरे वर्ष नियमित रूप से उच्च स्तरीय वार्ता और जुड़ाव बनाए रखा है, जिससे रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिली है। मंगोलिया में कई विकास परियोजनाएं, जो भारत के साथ साझेदारी में बनाई जा रही हैं, में महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई। दोनों देशों ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक-दूसरे का समर्थन किया। कुल मिलाकर, भारत-मंगोलिया द्विपक्षीय संबंधों में वर्ष भर सकारात्मक प्रगति देखी गई।

नवंबर 2021 में अपनी मंगोलिया यात्रा के दौरान विदेश राज्य मंत्री (राजकुमार रंजन सिंह) के साथ मंगोलिया की विदेश मंत्री बत्सेत्सेग बटमुंख

वर्ष 2021 भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों की 66 वीं वर्षगांठ थी, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने लगातार आदान-प्रदान बनाए रखा और उच्च स्तर पर वास्तविक वार्ता फिर से शुरू की। राष्ट्रपति जी ने जून 2021 में चुनावों में जीत के बाद मंगोलिया के नए राष्ट्रपति श्री उखनागिन खुरलसुख को बधाई संदेश भेजा। प्रधानमंत्री ने फरवरी 2021 में प्रधानमंत्री बनने पर मंगोलियाई प्रधान मंत्री श्री लुवसनमसरैन ओयुन-एर्डेन को बधाई संदेश भेजा। लोकसभा अध्यक्ष ने 8 सितंबर 2021 को वियना में ग्रेट खुराल (मंगोलिया संसद) के अध्यक्ष श्री झंडनशतार गोम्बोजव से वक्ताओं के 5वें विश्व सम्मेलन के इतर मुलाकात की। ग्रेट खुराल के अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के संयुक्त निमंत्रण पर 30 नवंबर से 05 दिसंबर 2021 तक भारत में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यात्रा के दौरान, अध्यक्ष झंडनशतार ने संसद के शीतकालीन सत्र का अवलोकन किया तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात की और लोकसभा अध्यक्ष, विदेश मंत्री और इस्पात मंत्री के साथ बैठकें कीं।

विदेश मंत्री ने 12 अक्टूबर 2021 को कजाकिस्तान में सीआईसीए के विदेश मंत्रियों की छठी बैठक से इतर मंगोलियाई विदेश मंत्री सुश्री बत्सेसेग बटमुंख के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों विदेश मंत्रियों ने ग्लास्गो में सीओपी26 शिखर सम्मेलन के दौरान 03 नवंबर 2021 को फिर से संक्षिप्त मुलाकात की। विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) (आरआरएस) ने 23-26 नवंबर को मंगोलिया की आधिकारिक यात्रा की, जो कोविड महामारी के प्रकोप के बाद से भारत से मंगोलिया की पहली आधिकारिक यात्रा थी। मंगोलिया से कोकिंग कोयले की खरीद पर मंगोलिया के खनन और भारी उद्योग मंत्रालय के साथ भारतीय इस्पात मंत्रालय और कोयला मंत्रालय के बीच पहली संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक 25 मार्च 2021 को आयोजित की गई थी। भारत और मंगोलिया के रक्षा मंत्रालयों के बीच 10वां जेडब्ल्यूजी 16 अप्रैल 2021 को वर्चुअली आयोजित किया गया था।

भारत मंगोलिया में कई विकास परियोजनाओं पर मंगोलिया के साथ साझेदारी कर रहा है। मंगोलिया के डोर्नोगोबी प्रांत में तेल रिफाइनरी परियोजना (ओआरपी) के निर्माण का कार्य जनवरी 2021 में शुरू हुआ था। एक्जिम बैंक द्वारा वित्त पोषित 1.236 बिलियन अमरीकी डालर की ओआरपी परियोजना, भारत द्वारा अपने निकटतम पड़ोस के बाहर शुरू की गई सबसे बड़ी लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) परियोजना है। मंगोलिया में भारत द्वारा वित्त पोषित एक और एलओसी परियोजना-आईटी, सीटी और आउटसोर्सिंग में अटल बिहारी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण 12 अगस्त 2021 को शुरू हुआ। भारत के सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रदान किए गए दो सर्वरों के साथ स्थापित एक उन्नत नियंत्रण और कमान केंद्र (सी एंड सीसी) को 23 सितंबर 2021 को जीएबीपी मुख्यालय, मंगोलिया में शुरू किया गया था।

दोनों देशों ने कोविड महामारी की वैश्विक चुनौती से लड़ने में एक-दूसरे की सहायता की। भारत 22 फरवरी 2021 को मेड इन इंडिया कोविशील्ड टीकों की 150,000 खुराक उपहार में देकर मंगोलिया को कोविड टीके भेजने वाला पहला देश था। मंगोलिया के प्रधानमंत्री श्री एल ओयुन एर्डेन ने कोविशील्ड टीके की पहली खुराक ली, जिसके साथ मंगोलिया में टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। भारत ने विशेष निर्यात परमिट के अनुदान के तहत मंगोलिया को रेमडेसिविर की 200,000 से अधिक शीशियों के निर्यात की सुविधा प्रदान की। मंगोलिया सरकार ने 17 मई 2021 को भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान रेड क्रॉस इंडिया को 1 मिलियन अमरीकी डालर की राशि दान की थी। नवंबर 2021 में दोनों देशों ने अपने बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए वैक्सीन प्रमाण पत्रों को पारस्परिक रूप से मान्यता देने पर सहमति व्यक्त की।

कोरिया गणराज्य

भारत और कोरिया गणराज्य विशेष रणनीतिक भागीदारों के रूप में इस वर्ष भी उच्च स्तरीय संबंधों को जारी रखा।

विदेश मंत्री ने मार्च 2021 में अपने कोरिया गणराज्य के समकक्ष चुंग यूई-योंग के साथ टेलीफोन पर वार्ता की थी, जिसके बाद सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर उनकी बैठक हुई थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने अक्टूबर 2021 में इटली में जी20 वाणिज्य मंत्रियों की बैठक के दौरान कोरिया गणराज्य के वाणिज्य मंत्री येओ हान-कू के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पर्यावरण मंत्री ने नवंबर 2021 में सीओपी26 के दौरान ग्लासगो में अपने कोरिया गणराज्य के समकक्ष हान जियोंग-एई के साथ मुलाकात की। रक्षा राज्य मंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से दिसंबर 2021 में सियोल में आयोजित संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मंत्री के दौरान संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के लिए भारत की प्रतिज्ञा दोहरायी।

सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर कोरिया गणराज्य के विदेश मंत्री चुंग यूई-योंग के साथ विदेश मंत्री

लोकसभा अध्यक्ष ने सितंबर 2021 में संसद के वक्ताओं के पांचवें विश्व सम्मेलन से इतर वियना में अपने आरओके समकक्ष पार्क बायोंग-सेग के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अप्रैल 2021 में अपने आरओके समकक्ष सुह हून के साथ टेलीफोन पर वार्ता की थी। राष्ट्रीय सुरक्षा उप सलाहकार ने मार्च 2021 में अपने समकक्ष किम ह्यूंग-जिन के साथ टेलीफोन पर वार्ता की थी। इसके बाद दिसंबर 2021 में दिल्ली में दोनों उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच तीसरी भारत-कोरिया रणनीतिक वार्ता हुई। आरओके के डिप्टी एनएसए किम ह्यूंग-जिन ने अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और राज्य मंत्री (आरआरएस) से मुलाकात की।

सचिव (पूर्व), डीजी आईसीसीआर और सचिव (रक्षा उत्पादन, एमओडी) ने भी 2021 में आरओके का आधिकारिक दौरा किया।

आरओके के रक्षा मंत्री सुह वूक ने मार्च 2021 में भारत का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान दिल्ली में भारत-कोरिया मैत्री पार्क का उद्घाटन किया गया।

आईसीसीआर द्वारा पवित्र टोंगडोसा मंदिर जो आरओके के तीन ज्वेल मंदिरों में से एक है, को कांस्य से बने बुद्ध प्रतिमा उपहार में देने से दोनों देशों के बीच बौद्ध संबंध और गहरा हो गया। मई 2021 में सचिव (पूर्व) और डीजी आईसीसीआर द्वारा बधाई टिप्पणी के साथ प्रतिष्ठापक समारोह आयोजित किया गया था।

दोनों पक्षों के थिंक-टैंकों ने कई मुद्दों पर वार्ता की। भारतीय दूतावास, सियोल ने अगस्त 2021 में योनसेई विश्वविद्यालय, आईसीसीआर, इंडिया फाउंडेशन और जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र की साझेदारी में "जम्मू और कश्मीर और लद्दाख: विकासात्मक गतिशीलता और भविष्य के प्रक्षेपवक्र" संबंधी एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। भारत और आरओके दोनों के कई थिंक-टैंकों की साझेदारी में आयोजित 2 सप्ताह की लंबी ऑनलाइन कार्यशाला "भारत-आरओके रणनीतिक साझेदारी के पहलू" का दूसरा संस्करण सितंबर 2021 में आयोजित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय मामलों के सियोल फोरम और अनंता एस्पेन सेंटर द्वारा सह आयोजित 20वीं कोरिया-भारत रणनीतिक वार्ता अक्टूबर 2021 में "कोविड के बाद रणनीतिक साझेदारी के लिए नए अवसरों की खोज" विषय के तहत हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की गई थी। “उभरती क्षेत्रीय व्यवस्था में भारत-कोरिया संबंधों की पुनर्कल्पना" शीर्षक के तहत पहली भारत-आरओके 2+2 थिंक-टैंक वार्ता अक्टूबर 2021 में कोरिया नेशनल डिप्लोमेटिक एकेडमी, कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक पॉलिसी (केआईईपी), आईसीडब्ल्यूए और आरआईएस के बीच आयोजित की गई थी।

5

यूरेशिया

रूसी संघ

2021 में कोविड से संबंधित चुनौतियों के बावजूद, रूस के साथ भारत के संबंधों में एक निरंतर गति बनी रही, जो राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा,आर्थिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संस्कृति सहित सहयोग के सभी क्षेत्रों में परिलक्षित हुई। कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग टीकों, दवाओं की आपूर्ति और दोनों देशों के नागरिकों के प्रत्यावर्तन के क्षेत्र में स्पष्ट था।

रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री के साथ 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 6 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली का कार्यकारी दौरा किया। नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की और क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया। यात्रा के बाद, " भारत-रूस: शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए साझेदारी " शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया जिसमें राज्य और भारत-रूस संबंधों की संभावनाओं को शामिल किया गया था। यात्रा के साथ, व्यापार, ऊर्जा, शिपिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा, बाहरी अंतरिक्ष, भूवैज्ञानिक अन्वेषण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षा, आदि जैसे क्षेत्रों में 28 समझौतों / समझौता ज्ञापनों (जी-टू-जी और अन्य) पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत और रूस के विदेश तथा रक्षा मंत्रियों की पहली 2+2 वार्ता 6 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी । रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने वार्ता में भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व किया जबकि रूसी पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किया। वार्ता के एजेंडे में पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और रक्षा मुद्दे शामिल थे।

प्रधान मंत्री और रूसी राष्ट्रपति ने 2021 में टेलीफोन पर दो बार बातचीत की। 28 अप्रैल 2021 को टेलीफोन कॉल के दौरान, नेताओं ने दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की 2+2 वार्ता स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। 24 अगस्त 2021 को, नेताओं ने अफगानिस्तान पर उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी परामर्श स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। 9 अगस्त 2021 को, रूसी राष्ट्रपति ने भारत की यूएनएससी अध्यक्षता के अवसर पर प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में समुद्री सुरक्षा पर यूएनएससी उच्च स्तरीय खुली बहस में भाग लिया। प्रधान मंत्री ने 02-04 सितंबर, 2021 को व्लादिवोस्तोक में आयोजित 6वें पूर्वी आर्थिक मंच-2021 में एक वीडियो-संबोधन भी दिया।

12 अक्टूबर 2021 को, विदेश मंत्री ने नूर-सुल्तान (कजाखस्तान) में सीआईसीए (एशिया में बातचीत और विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन) मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान रूसी विदेश मंत्री से मुलाकात की। 07-09 जुलाई 2021 से, विदेश मंत्री ने मॉस्को का दौरा किया और अपने रूसी समकक्ष, उप प्रधान मंत्री श्री यूरी बोरिसोव और राज्य ड्यूमा की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष श्री लियोनिद स्लटस्की के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। विदेश मंत्री ने मॉस्को में प्रिमाकोव इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी एंड इंटरनेशनल रिलेशंस (आईएमईएमओ) में " एक बदलती दुनिया में भारत-रूस संबंधों " पर एक भाषण भी दिया । 5-6 अप्रैल 2021 को, रूसी विदेश मंत्री ने भारत की आधिकारिक यात्रा की और विदेश मंत्री के साथ बैठक की।

दिसंबर 2021 में भारत-रूस शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रूसी प्रधानमंत्री

अंतरिक्ष के क्षेत्र में पारंपरिक रूप से मजबूत सहयोग को " गगनयान " (पहला भारतीय मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम) के लिए पहचाने गए 4 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रूस में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और फरवरी 2021 में भारत लौटने के साथ और मजबूत किया गया।

01-05 सितंबर 2021 से, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस / आवास और शहरी मंत्री ने व्लादिवोस्तोक में छठे पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए रूस का दौरा किया । प्रधानमंत्री ने छठे ईईएफ के पूर्ण सत्र के दौरान एक वीडियो- संबोधन दिया ।

07-08 सितंबर 2021 को रूसी संघ की सुरक्षा परिषद के सचिव, निकोले पेत्रुशेव ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ अफगानिस्तान पर उच्च स्तरीय भारत-रूस अंतर-सरकारी परामर्श के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री और प्रधान मंत्री से भी मुलाकात की। श्री पत्रुशेव ने अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में भाग लेने के लिए 10 नवंबर 2021 को फिर से भारत का दौरा किया। संयुक्त सचिव (पीएआई) के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 19-21 अक्टूबर 2021 तक मास्को में आयोजित अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श में भाग लिया।

इस्पात मंत्री ने मास्को में 14-15 अक्टूबर 2021 को आयोजित 'रूसी ऊर्जा सप्ताह' के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। एक यात्रा के दौरान रूस से भारत को कोकिंग कोल की आपूर्ति और इस्पात क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

21-24 जून 2021 तक, रक्षा सचिव ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर 9वें मास्को सम्मेलन (एमसीआईएस) में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। रूसी नौसेना की 325 वीं वर्षगांठ के अवसर पर नौसेना प्रमुख ने 25 जुलाई 2021 को नौसेना परेड के लिए सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) का दौरा किया। सचिव (रक्षा उत्पादन) ने अंतर्राष्ट्रीय सैन्य तकनीकी मंच "सेना -21" के लिए 21-25 अगस्त 2021 तक मास्को में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

04-12 अगस्त 2021 से, भारत-रूस संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास इंद्र -2021 वोल्गोग्राड (रूस) में आयोजित किया गया था जिसमें प्रत्येक पक्ष से 250 सैनिकों की भागीदारी थी। भारतीय सेना की एक टुकड़ी ने निज़नी नोवगोरोड (रूस) में 10-16 सितंबर 2021 तक " ज़ापद -2021" सैन्य अभ्यास में भाग लिया। 28 अक्टूबर 2021 को कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में पी 135.6 श्रेणी " तुशिल " के 7वें जहाज को लॉन्च किया गया। 22-24 सितंबर 2021 से, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने एससीओ सदस्य राज्यों के जनरल स्टाफ के प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लेने और एससीओ "शांति मिशन-2021" के अंतिम सत्यापन अभ्यास को देखने के लिए ओरेनबर्ग (रूस) का दौरा किया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बना रहा। महामारी संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद, 2020 की इसी अवधि की तुलना में 2021 की पहली छमाही में द्विपक्षीय व्यापार में लगभग 38% की वृद्धि हुई। गुजरात के मुख्यमंत्री और सखा गणराज्य (याकूतिया) के प्रमुख के बीच सितंबर 2021 में एक वीडियो सम्मेलन आयोजित किया गया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 21 और 22 अक्टूबर 2021 को मास्को में अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क फोरम में भाग लिया।

आर्मेनिया

विदेश मंत्री ने 12-13 अक्टूबर 2021 को आर्मेनिया की आधिकारिक यात्रा की। यह भारत की ओर से आर्मेनिया की पहली आधिकारिक यात्रा थी। यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से मुलाकात की और पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एलेनी सिमोनियन से भी मुलाकात की और साथ ही प्रधान मंत्री निकोलो पशिनियन से भी।

आईसीसीआर के अध्यक्ष ने 14-17 अगस्त 2021 तक येरेवन का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने आर्मेनिया के विदेश मामलों के कार्यवाहक मंत्री, अर्मेन ग्रिगोरियन और आर्मेनिया के शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और खेल मंत्री, डॉ. वहहरम दुमानियन से मुलाकात की। उन्होंने येरेवन में रूसी-अर्मेनियाई विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी की एक मूर्ति और "वेद सेंटर फॉर इंडोलॉजी" नामक एक फिल्म स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अजरबैजान

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर 2021 में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) और चैंबर ऑफ ऑडिटर्स ऑफ द रिपब्लिक ऑफ अजरबैजान (सी ए ए आर) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

जॉर्जिया

विदेश मंत्री ने 09-10 जुलाई 2021 को त्बिलिसी की आधिकारिक यात्रा की, जो भारत से जॉर्जिया की पहली यात्रा थी। जॉर्जियाई विदेश मंत्री श्री डेविड ज़लकालियानीक त्बिलिसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री का स्वागत किया, जहां विदेश मंत्री ने सेंट क्वीन केतेवन के पवित्र अवशेष का एक हिस्सा जॉर्जियाई सरकार को सौंपा।

विदेश मंत्री ने जॉर्जिया के आर्थिक मंत्री, सुश्री नटेला टर्नवा से मुलाकात की और जॉर्जियाई राष्ट्रपति सुश्री सैलोम ज़ुराबिचविली और जॉर्जियाई प्रधान मंत्री श्री इराकली गैरीबाशविली से मुलाकात की। उन्होंने त्बिलिसी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का भी उद्घाटन किया।

कजाखस्तान

विदेश मंत्री ने 15-16 जुलाई 2021 को ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मध्य और दक्षिण एशिया: क्षेत्रीय संपर्क, चुनौतियां और अवसर" के मौके पर कजाखस्तान के विदेश मंत्री से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने सीआईसीए के विदेश मंत्रियों की छठी बैठक में भाग लेने के लिए 11-12 अक्टूबर 2021 को कजाखस्तान का दौरा किया और कजाखस्तान के राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट टोकायव से भी मुलाकात की।

पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों पर ध्यान देने के साथ कजाखस्तान में 30 अगस्त-11 सितंबर 2021 से संयुक्त सैन्य अभ्यास " काजिन्द-21 " का आयोजन किया।

अक्टूबर 2021 में लेबनान (यू एन आई एफ आई एल) में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में भारतीय बटालियन के हिस्से के रूप में कज़ाख सैनिकों के 6वें रोटेशन (2 अधिकारी और 4 अन्य रैंक) को तैनात किया गया था। भारतीय सशस्त्र बलों के दो प्रशिक्षकों को कज़ाख राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में अगस्त 2021 से अंग्रेजी भाषा में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।

कजाखस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, श्री करीम मासीमोव ने अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में भाग लेने के लिए 09-11 नवंबर तक नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने एनएसए के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

किर्गिज गणराज्य

विदेश मंत्री ने 10-11 अक्टूबर 2021 को बिश्केक की आधिकारिक यात्रा की। विदेश मंत्री ने किर्गिस्तान के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की और किर्गिज़ गणराज्य के राष्ट्रपति श्री सदिर जापरोव से मुलाकात की। एक यात्रा के दौरान किर्गिज गणराज्य में उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत-किर्गिज गणराज्य संयुक्त सैन्य अभ्यास " खंजर - VIII" बिश्केक में 16-28 अप्रैल 2021 तक आयोजित किया गया था, जिसमें 4 अर्द्ध सैनिक (विशेष बल) और किर्गिज़ पैंथर स्पेशल फोर्स ब्रिगेड के 20-सदस्यीय दल ने भाग लिया था। नेशनल डिफेंस कॉलेज (नई दिल्ली) के 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 10-17 अक्टूबर 2021 तक किर्गिज़ गणराज्य का दौरा किया।

किर्गिज़ गणराज्य की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मरात इमानकुलोव ने 26 अक्टूबर 2021 को नई दिल्ली में पहली भारत-किर्गिज़ गणराज्य सामरिक वार्ता के लिए भारत का दौरा किया। श्री इमांकुलोव ने अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता के लिए 10 नवंबर 2021 को फिर से नई दिल्ली का दौरा किया।

ताजिकिस्तान

भारत-ताजिकिस्तान संबंधों ने वर्ष के दौरान कई उच्च स्तरीय यात्राओं के साथ गहन और निरंतर बातचीत देखी। विदेश मंत्री ने वर्ष के दौरान तीन बार ताजिकिस्तान का दौरा किया: (क) 16-17 सितंबर 2021 को एससीओ सदस्य राज्यों के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद और अफगानिस्तान पर एससीओ-सीएसटीओ शिखर सम्मेलन की बैठकों में भाग लेने के लिए (प्रधानमंत्री ने इन दो शिखर सम्मेलनों को वस्तुतः संबोधित किया) (ख) 13-15 जुलाई 2021 से एससीओ के विदेश मंत्रियों की परिषद और एससीओ-अफगान संपर्क समूह की बैठकों में भाग लेने के लिए; और (ग) 29 मार्च-01 अप्रैल 2021 से ताजिकिस्तान की आधिकारिक यात्रा के लिए और 9वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन " हार्ट ऑफ एशिया-इस्तांबुल प्रक्रिया " में भाग लेने के लिए। इन यात्राओं के दौरान, विदेश मंत्री ने ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन से मुलाकात की और अपने ताजिक समकक्ष से मुलाकात की। उन्होंने ताजिकिस्तान के रक्षा मंत्री और ताजिक संसद के निचले सदन के अध्यक्ष से भी मुलाकात की।

रक्षा मंत्री ने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए 27-29 जुलाई 2021 तक दुशांबे का दौरा किया। मौके पर उन्होंने ताजिकिस्तान के रक्षा मंत्री से भी मुलाकात की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सुरक्षा परिषदों के सचिवों की 16 वीं एससीओ बैठक में भाग लेने के लिए 22-24 जून 2021 तक दुशांबे का दौरा किया । इस दौरान उन्होंने अपने ताजिक समकक्ष श्री नसरुलो महमूदज़ोदा के साथ भी मुलाकात की । ताजिक एनएसए ने अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता के लिए 9-11 नवंबर तक नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने 9 नवंबर 2021 को एनएसए के साथ द्विपक्षीय बैठक की और 11 नवंबर 2021 को विदेश मंत्री से मुलाकात की।

5 नवंबर 2021 को, वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने ताजिकिस्तान के उद्योग और नई प्रौद्योगिकियों के मंत्री श्री शेराली कबीर के साथ एक वीडियो-सम्मेलन किया।

तुर्कमेनिस्तान

भारत और तुर्कमेनिस्तान ने जुलाई 2021 में उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एनएसए ने तुर्कमेनिस्तान के राज्य सुरक्षा परिषद के सचिव श्री चारिमूरत अमानोव के साथ 26 अक्टूबर 2021 को टेलीफोन पर बातचीत की । श्री चारिमूरत अमानोव ने 10 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में भी भाग लिया।

यूक्रेन

प्रधानमंत्री ने 02 नवंबर 2021 को ग्लासगो (यूके) में पक्षकारों के सम्मेलन (सीओपी -26) शिखर सम्मेलन के मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की और क्षेत्र के विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

यूक्रेन ने जून 2021 में भारतीयों की यूक्रेन यात्रा पर लगे अस्थायी प्रतिबंध को हटा लिया। भारत और यूक्रेन एक-दूसरे द्वारा जारी किए गए कोविड वैक्सीन प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता के लिए सहमत हुए।

यूक्रेन के रक्षा मंत्री एंड्रयू तरण ने फरवरी 2021 में बेंगलुरु में आयोजित एयरो-इंडिया एक्सपो में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस दौरान, उन्होंने रक्षा मंत्री और भारतीय सेना और भारतीय नौसेना के प्रमुख के साथ बैठकें की।

उज़्बेकिस्तान

बढ़ते राजनीतिक परामर्श और मंत्री स्तर पर यात्राओं के आदान-प्रदान ने वर्ष के दौरान भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को एक मजबूत प्रेरणा प्रदान की। विदेश मंत्री और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री श्री अब्दुलअजीज कामिलोव ने वर्ष के दौरान अब तक 4 बैठकें की [25 फरवरी 2021 को जब उज़्बेक वित्त मंत्री ने भारत का दौरा किया, 14 जुलाई 2021 और 16 सितंबर 2021 को एससीओ की बैठकों के दौरान दुशांबे में, और 11 अक्टूबर 2021 को नूर-सुल्तान में सीआईसीए बैठक के मौके पर।] इन बैठकों ने द्विपक्षीय मुद्दों, महामारी संबंधी उपायों, अफगानिस्तान में विकास और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के अवसर प्रदान किए।

ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में 15-16 जुलाई 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन " मध्य और दक्षिण एशिया: क्षेत्रीय संपर्क- चुनौतियां और अवसर " में भाग लिया। यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकात मिर्जियोयेव से मुलाकात की ।

विदेश राज्य मंत्री (एमएल) ने 23-26 सितंबर 2021 तक उज्बेकिस्तान की आधिकारिक यात्रा की। उन्होंने उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री, संस्कृति मंत्री और उज़्बेकिस्तान के प्रधान मंत्री अजीज अब्दुखाकिमोव से मुलाकात की । यात्रा के दौरान भारत-उज्बेकिस्तान सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 2021-2025 पर हस्ताक्षर किए गए ।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ने उज्बेकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव का निरीक्षण करने के लिए 22-26 अक्टूबर 2021 तक उज़्बेकिस्तान का दौरा किया।

उज्बेकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव श्री विक्टर मखमुदोव ने 10 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित अफगानिस्तान पर दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में भाग लिया ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने अक्टूबर 2020 में भारत-उज्बेकिस्तान अंतर-सरकारी आयोग की पिछली बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए 12 अप्रैल 2021 को उज्बेकिस्तान के उप प्रधान मंत्री/निवेश और विदेश व्यापार मंत्री श्री सरदार उमुरज़ाकोव के साथ एक ऑनलाइन बैठक की।

भारतीय फिल्म हस्तियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 28 सितंबर से 03 अक्टूबर, 2021 तक ताशकंद में आयोजित 13वें ताशकंद अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लिया। इस महोत्सव में 10 भारतीय फिल्में शामिल हैं जो फिल्म निर्माण की विभिन्न अवधियों और शैलियों का प्रतिनिधित्व करती हैं ।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक

विदेश मंत्री ने 14 जुलाई 2021 को दुशांबे में विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में भाग लिया। वहां उन्होंने अफगानिस्तान पर एससीओ संपर्क समूह की बैठक में भी भाग लिया, जो देश में उभरती स्थिति को ध्यान में रखते हुए पहली बार विदेश मंत्रियों के स्तर पर आयोजित की जा रही थी। सदस्य देशों ने अफगानिस्तान पर एससीओ संयुक्त वक्तव्य को अपनाया।

मंत्रियों के स्तर पर बैठक

ताजिकिस्तान की एससीओ सीएचएस की अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक मंत्रिस्तरीय बैठकें आयोजित की गई। कुछ महत्वपूर्ण बैठकें इस प्रकार हैं: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 23 जून 2021 को दुशांबे में आयोजित एससीओ के सुरक्षा परिषदों के सचिवों की 16 वीं बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बैठक में अफगानिस्तान में उभरती स्थिति सहित प्रमुख क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्री ने 28 जुलाई 2021 को दुशांबे में एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक के अंत में 2022-2023 की अवधि के लिए एससीओ रक्षा मंत्रालयों के बीच सहयोग की योजना को अपनाया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने 30 जून 2021 को आयोजित एससीओ सदस्य राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों की चौथी बैठक में भाग लिया (वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रारूप में), 30 जुलाई 2021 को कानून और न्याय मंत्री और कानून और न्याय राज्य मंत्री ने एससीओ के न्याय मंत्रियों की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया, जबकि कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने 12 अगस्त 2021 को ऑनलाइन आयोजित एससीओ सदस्य राज्यों के कृषि मंत्रियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

29 जुलाई 2021 को आयोजित एससीओ पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में '2022-2024 की अवधि के लिए पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा को लागू करने की कार्य योजना' को मंजूरी दी गई थी, जिसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव, पर्यावरण मंत्री ने किया था। इस वर्ष सहयोग के दो नए तंत्र शुरू किए गए - अर्थात्, उद्योग के एससीओ मंत्रियों की बैठक और एससीओ के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक। संबंधित मंत्रालयों के सचिवों ने बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भारतीय पहल

2020 में आयोजित स्टार्टअप फोरम की शानदार सफलता के बाद, डीपीआईआईटी ने वर्चुअल फॉर्मेट में 27-28 अक्टूबर 2021 को एससीओ स्टार्टअप फोरम के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। फोरम में सभी सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। भारत ने "14 अक्टूबर 2021 को सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका" विषय पर पहली बार वेबिनार का आयोजन किया। फोरम का उद्घाटन रक्षामंत्री द्वारा किया गया था। भारत ने 29 अक्टूबर 2021 को आभासी प्रारूप में एससीओ अभियोजक जनरल की 19 वीं बैठक की भी मेजबानी की।

एससीओ परिषद के राष्ट्र प्रमुखों (सीएचएस) का शिखर सम्मेलन

एससीओ सीएचएस का शिखर सम्मेलन 17 सितंबर 2021 को दुशांबे (ताजिकिस्तान) में हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने वीडियो लिंक के माध्यम से राष्ट्राध्यक्षों को संबोधित किया। विदेश मंत्री ने दुशांबे में शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री का प्रतिनिधित्व किया। बैठक की अध्यक्षता ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन ने की। बैठक में संगठन की उपलब्धियों पर चर्चा की गई क्योंकि इसने 2021 में इसके गठन की 20 वीं वर्षगांठ मनाई। एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद एससीओ और सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) के बीच अफगानिस्तान पर एक आउटरीच सत्र हुआ। प्रधानमंत्री ने वीडियो-संदेश के माध्यम से आउटरीच सत्र में भाग लिया।

एससीओ के नेताओं ने दुशांबे घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एससीओ के विकास की संभावनाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व के सामयिक मुद्दों पर एससीओ सदस्य देशों के सहमत पदों को रेखांकित किया गया। राष्ट्राध्यक्षों ने 21 अन्य निर्णयों को अंगीकार किया। इनमें अन्य के अलावा, ईरान को एससीओ के नए सदस्य राष्ट्र के रूप में शामिल करने का

निर्णय, सऊदी अरब, मिस्र और कतर को एससीओ द्वारा संवाद भागीदार का दर्जा प्रदान करने, और यूएनआईडीओ के सचिवालय के साथ समझौता ज्ञापन शामिल है।

युवा मामलों और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग पर तीन अलग-अलग समझौते (अर्थात् एससीओ सदस्य राष्ट्रों के अधिकृत निकायों के बीच युवा कार्य के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता, संस्कृति और कला के क्षेत्र में उच्च और माध्यमिक व्यावसायिक संस्थानों के बीच सहयोग का ज्ञापन और सांस्कृतिक विरासत की वस्तुओं के संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग पर एससीओ सदस्य देशों की सरकारों के बीच समझौते) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक

एससीओ सीएचजी की 20वीं बैठक 25 नवंबर 2021 को कजाखस्तान की अध्यक्षता में वर्चुअल फॉर्मेट में नूर-सुल्तान में आयोजित की गई थी। विदेश मंत्री ने बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एससीओ सीएचजी बैठक में एससीओ सदस्य देशों के नेताओं, पर्यवेक्षक राष्ट्रों, एससीओ सचिवालय के महासचिव, एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस) के कार्यकारी निदेशक और अन्य आमंत्रित अतिथि शामिल हुए। भारत ने कज़ाख पीठ द्वारा शुरू की गई सभी पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया। शिखर सम्मेलन में, सदस्य देशों ने संयुक्त विज्ञप्ति के साथ-साथ एससीओ के संगठनात्मक मुद्दों के साथ-साथ व्यापार और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित 10 निर्णयों को अपनाया।

जुलाई 2021 में एससीओ विदेश मंत्री की परिषद की बैठक के दौरान विदेश मंत्री

6

खाड़ी, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका

बहरीन

बहरीन के साथ भारत के घनिष्ठ और बहुआयामी संबंध निरंतर बने हुए हैं। इस वर्ष भारत और बहरीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। कोविड अवधि के दौरान भी भौतिक और आभासी स्वरूप में उच्च स्तरीय राजनीतिक वार्ता जारी रही।

बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुललतीफ बिन राशिद अल ज़ायानी ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री के साथ तीसरे उच्च संयुक्त आयोग (एचजेसी) की बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए 6-8 अप्रैल 2021 तक भारत का दौरा किया। एचजेसी के दौरान, दोनों मंत्रियों ने तेल और गैस, व्यापार और निवेश, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, रक्षा और संस्कृति सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों की समीक्षा की। 12 अक्टूबर 2021 को कजाकिस्तान में इंटरेक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग (सीआईसीए) सम्मेलन के दौरान ही, विदेश मंत्री ने भारत-बहरीन राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती के अवसर पर विदेश मंत्री ज़ायानी के साथ भेंट की और उन्हें बधाई दी।

राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन (एमओएस [वीएम]) ने 30 अगस्त से 1 सितंबर 2021 तक बहरीन का दौरा किया, जिसके दौरान उन्होंने सम्राट और क्राउन प्रिंस और प्रधान मंत्री से भेंट की और विदेश मंत्री, श्रम मंत्री और अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों से मुलाकात की। 01 सितंबर को आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के उपलक्ष्य में एक भारतीय सामुदाय समारोह का आयोजन किया गया था।

भारत के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने अपने बहरीन समकक्ष के साथ 16 सितंबर 2021 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा बहरीन के तेल मंत्री ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए 28 सितंबर 2021 को एक वर्चुअल बैठक की। भारत और बहरीन के मध्य सुरक्षा सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा करने के लिए 7 अक्टूबर 2021 को, दोनों देशों की दूसरी संयुक्त संचालन समिति का आयोजन किया गया।

भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े के कमांडर के नेतृत्व में आईएनएस कोच्चि ने भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस और भारत और बहरीन के बीच राजनयिक

संबंधों की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में 15-18 अगस्त 2021 को एक पोर्ट कॉल संचालित की।

14 अक्टूबर 2021 को, महामहिम सम्राट ने शाही डिक्री जारी करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए फ्रेमवर्क) की स्थापना पर फ्रेमवर्क करार में किंगडम के शामिल होने को मंजूरी प्रदान की। बहरीन ने अगस्त 2019 में प्रधान मंत्री की बहरीन यात्रा के दौरान आईएसए के साथ सहयोग के आशय विवरण पर हस्ताक्षर किए।

बहरीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियामक प्राधिकरण (एनएचआरए) ने नवंबर 2021 में भारत बायोटेक द्वारा कोवैक्सिन के आपातकालीन उपयोग को मंजूरी प्रदान की।

17वीं आईआईएसएस मनामा वार्ता 19-21 नवंबर 2021 को वर्चुअल स्वरूप में बहरीन में आयोजित की गई थी, जिसमें भारत के तीन-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया था।

बहरीन के युवा और खेल मामलों के मंत्री तथा भारत के शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री के बीच वर्चुअल बैठक 23 दिसंबर 2021 को आयोजित की गई थी।

दोनों देशों ने कोविड से संबंधित मामलों का निराकरण करने में उत्कृष्ट सहयोग किया। बहरीन ने वहां रहने वाले भारतीय समुदाय का विशेष ध्यान रखा, जिसमें बहरीन में भारतीय समुदाय को नि:शुल्क कोविड टीकाकरण प्रदान करना शामिल है। बहरीन ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान भारत को आवश्यक कोविड संबंधित आपूर्ति के लिए 40 एमटी एलएमओ और सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान कीं। महामारी के दौरान भारत और बहरीन के बीच उड़ानें कभी नहीं रोकी गईं क्योंकि दोनों पक्ष सितंबर 2020 में एयर बबल व्यवस्था स्थापित करने के लिए सहमत हुए थे।

द्विपक्षीय व्यापार ने 2021-22 में एक स्वस्थ प्रवृत्ति को कायम रखा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 30% से अधिक की दर से बढ़ रहा था, जब यह 1 बिलियन अमरीकी डालर था।

इराक

इराक भारत के साथ ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध साझा करता है और यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। इराक भारत का 7वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार भी है। अप्रैल-अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 16.39 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा तेल आयात का था।

भारत और इराक ने अपने घनिष्ठ संबंध जारी रखे हैं। विदेश मंत्री ने 21 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की अवधि के दौरान इराक के विदेश मंत्री श्री फुआद हुसैन से मुलाकात की और ऐतिहासिक संबंधों, आर्थिक, ऊर्जा और विकास सहयोग पर चर्चा की।

भारत ने क्षमता निर्माण में इराक की सहायता करना जारी रखा। वर्ष 2021-22 के लिए आईटीईसी कार्यक्रम के तहत कुल 200 स्लॉट आवंटित किए गए थे। इराकी अधिकारियों ने विशेष रूप से साइबर प्रौद्योगिकियों, एआई और आकस्मिक प्रौद्योगिकियों पर ऑनलाइन ई-आईटीईसी कार्यक्रमों में भाग लिया। भारत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा आयोजित 'सामान्य छात्रवृत्ति योजना' के तहत भारत में उच्च अध्ययन के लिए इराकी छात्रों को अवसर प्रदान करता रहा है।

बड़ी संख्या में इराक के लोग चिकित्सा उपचार, पर्यटन, उच्च शिक्षा, व्यापार सहित अन्य के लिए भारत आते हैं। वीजा मानदंडों में ढील देने के बाद से लगभग 7867 मेडिकल वीजा (अप्रैल-नवंबर 2021) जारी किए गए। भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) द्वारा उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर में 20-21 मार्च 2021 तक आयोजित इंडस फूड-2021 प्रदर्शनी में इराकी व्यापारियों ने भी भाग लिया।

बगदाद में भारतीय दूतावास ने वर्ष के दौरान एकेएएम और 21 जून 2021 को 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया। इसने बगदाद विश्वविद्यालय के सहयोग से महात्मा गांधी पर एक पैनल चर्चा और फोटो प्रदर्शनी तथा राष्ट्रीय एकता दिवस पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

कुवैत

भारत और कुवैत के मध्य पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध विद्यमान हैं, जो इतिहास में निहित हैं और समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इस वर्ष भारत और कुवैत दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। दोनों देशों ने नियमित रूप से उच्च स्तरीय संपर्क बनाए रखा है।

कुवैत ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान भारत का सहयोग करना जारी रखा तथा भारत को ऑक्सीजन और अन्य राहत सामग्री के रूप में त्वरित सहायता प्रदान की। इस संबंध में, दोनों देशों के बीच एक हवाई/समुद्री पुल स्थापित किया गया था। कुवैत ने 04 मई 2021 को 282 ऑक्सीजन सिलेंडर, 60 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा आपूर्ति से लैस एक विशेष विमान भेजा। भारतीय नौसेना के जहाजों, आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि, आईएनएस तरकश, आईएनएस ताबर और आईएनएस शार्दुल ने आईएसओ टैंकों में भारत के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर, सांद्रक, तरल चिकित्सा ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा आपूर्ति का वहन किया। डेढ़ महीने के इस अभियान के दौरान कुवैत से 425 मीट्रिक टन से अधिक तरल चिकित्सा ऑक्सीजन, 12,500 ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन सांद्रता, वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा उपकरण भारत भेजे गए। कुवैत में भारतीय समुदाय ने भी इन प्रयासों में योगदान दिया।

विदेश मंत्री ने कुवैत राज्य के विदेश मंत्री और कैबिनेट मामलों के राज्य मंत्री शेख डॉ अहमद नासिर अल-मोहम्मद अल-सबाह के निमंत्रण पर 9-11 जून 2021 तक कुवैत की आधिकारिक यात्रा की। उन्होंने कुवैत के प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की और कुवैत के अमीर को संबोधित प्रधान मंत्री का एक पत्र दिया। उन्होंने 10 जून को कुवैत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री के साथ कुवैत के विदेश मंत्री से मुलाकात की। बैठक स्वास्थ्य, भोजन, शिक्षा, ऊर्जा, डिजिटल और व्यावसायिक सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों और भारतीय समुदाय से संबंधित मामलों पर केंद्रित थी। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री और कुवैत के विदेश मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से भारत और कुवैत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के लिए संप्रतीक का अनावरण किया गया।

मई 2021 में आईएनएस कोच्चि का चिकित्सा आपूर्ति लेकर कुवैत से भारत आगमन

विदेश मंत्री ने समुदाय के साथ वर्चुअल वार्तालाप किया और समुदाय के प्रतिनिधियों के चुनिंदा समूह की उपस्थिति में इंडिया हाउस में महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। कुवैत की अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने 10 जून 2021 को क्षेत्रीय एचओएम सम्मेलन की अध्यक्षता की।

कुवैत राज्य के विदेश मंत्री और कैबिनेट मामलों के राज्य मंत्री ने 28 अप्रैल, 12 मई और 28 मई 2021 को विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत की ताकि कोविड महामारी की चुनौतियों का सामना करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की जा सके। दोनों मंत्रियों ने 5 अगस्त 2021 को ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान तेहरान, ईरान में मुलाकात की।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने 22 जुलाई 2021 को कुवैत के तेल मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और 15 नवंबर 2021 को एडीआईपीईसी-2021 के दौरान अबू धाबी में उनसे व्यक्तिगत रूप से भेंट की। दोनों मंत्रियों ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। हाइड्रोकार्बन पर भारत-कुवैत संयुक्त कार्य समूह की 5वीं बैठक वर्चुअल रूप से 16 जून 2021 को आयोजित की गई। दोनों पक्षों ने तेल क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।

भारत लगातार कुवैत के शीर्ष दस व्यापारिक भागीदारों में से एक बना रहा है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए द्विपक्षीय व्यापार 6.27 बिलियन अमरीकी डालर था, लेकिन इस साल इसमें तेजी के साथ सुधार हुआ है।

डिजिटल स्वास्थ्य, महामारी प्रबंधन और चिकित्सा के अन्य क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा करने के लिए भारत-कुवैत चिकित्सा सहयोग संयुक्त कार्य-समूह की दूसरी बैठक 31 अगस्त को आयोजित की गई। श्रम और जनशक्ति क्षेत्रों में सहयोग के सभी मुद्दों की समीक्षा के लिए भारत-कुवैत जनशक्ति संयुक्त कार्य-समूह की 7वीं बैठक वर्चुअल रूप से 07 सितंबर 2021 को आयोजित की गई थी।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और इसकी समृद्ध परंपरा को प्रोत्साहित करने वाले एकेएएम के उपलक्ष्य में विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया। भारत और कुवैत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, कुवैत की बहुमंजिला टावरों को 31 अक्टूबर 2021 को भारतीय और कुवैती झंडों से रोशन किया गया था। दूतावास द्वारा अपने परिसर में 12 सितंबर 2021 को नीट (यूजी) परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। कुवैत को नीट केंद्र आबंटित किया गया था, जो भारत के बाहर ऐसा पहला केंद्र था। सचिव (सीपीवी और ओआईए) ने कांसुलर और सामुदायिक मुद्दों की समीक्षा करने के लिए नवंबर 2021 के पहले सप्ताह में कुवैत का दौरा किया।

ओमान

भारत और ओमान मित्रता के गहन बंधन साझा करते हैं जो इन देशों के मध्य हजारों वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक संपर्कों में निहित है। यह संबंध अब एक जीवंत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हो गया है। हाल के वर्षों में उच्च स्तरीय आदान-प्रदान ने व्यापार और वाणिज्य, रक्षा और सुरक्षा,

प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने और उसे मजबूत बनाने में मदद की है।

अगस्त 2021 में, विदेश मंत्री ने ओमान के विदेश मंत्री, सैय्यद बद्र बिन हमाद बिन हमूद अलबुसैदी के साथ नवनिर्वाचित ईरानी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान तेहरान में मुलाकात की। सितंबर 2021 में विदेश मंत्रियों ने फिर से फोन पर बातचीत की। विदेश मंत्री ने ओमान द्वारा अफगानिस्तान से भारत की प्रत्यावर्तन उड़ानों में दिए गए समर्थन के लिए ओमान के विदेश मंत्री को धन्यवाद दिया।

ओमान ने दूसरी लहर के चरम के दौरान कोविड के विरुद्ध भारत के संघर्ष को सहयोग प्रदान किया। भारतीय समुदाय ने भी ऑक्सीजन सिलेंडर और सांद्रक दान करते हुए उसकी सहायता की। दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों के विद्यमान होने का साक्ष्य यह था कि ओमान का स्वास्थ्य मंत्रालय अक्टूबर 2021 में कोवैक्सिन के आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी देने वाला क्षेत्र का पहला देश था। तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने मई 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से ओमान के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित कोविड संबंधी बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया था। ।

रक्षा सहयोग मजबूत और गतिशील बना रहा। दोनों पक्षों ने 20 मई 2021 को सैन्य सहयोग के साथ-साथ इसके अनुबंध के साथ-साथ समुद्री मुद्दों पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) का नवीनीकरण किया। ओमान ने भारतीय नौसेना के जहाजों और सैन्य विमानों को उत्कृष्ट रसद सहायता प्रदान करना जारी रखा। नियोजित पूर्वी पुल VI अभ्यास के लिए प्रारंभिक आयोजना कांफ्रेंस 13 अप्रैल 2021 को आयोजित की गई।

मस्कट में 12 अगस्त 2021 को खनन क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अगस्त 2021 में, भारत के एक्मे ग्रुप ने सार्वजनिक विशेष आर्थिक क्षेत्र और मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण, ओमान के साथ ड्यूकम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में । 2.5 बिलियन अमरीकी डालर के प्रस्तावित निवेश के साथ एक प्रमुख ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजना की स्थापना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

25 ओमानी राजनयिकों के एक समूह ने 05-18 दिसंबर 2021 तक सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन स्टडीज में पहले विशेष पाठ्यक्रम में भाग लिया।

विदेश मंत्री ने दिसंबर 2021 में अबू धाबी में आयोजित हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान ओमान के विदेश मंत्री के साथ भेंट की।

एकेएएम के अंतर्गत भारतीय दूतावास द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्कृत शिक्षण ऐप "लिटिल गुरु" को अप्रैल 2021 में प्रारंभ किया गया। मिशन ने 7 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईवाईडी) 2021 को मनाने के लिए एक विशेष वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस श्रृंखला में आईडीवाई तक 36 वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित कर लिए गए थे, जिसमें इंडियन सोशल क्लब के सहयोग से आयोजित एक महीने की अवधि वाला योग उत्सव भी शामिल था। भारत-ओमान संबंधों के उपलक्ष्य में एक विशेष पुस्तक "ओमान-भारत संबंध समुद्र और अंतरिक्ष के पार" का औपचारिक रूप से विमोचन26 सितंबर 2021 को किया गया।

कतर

भारत और कतर के पारंपरिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंध द्विपक्षीय यात्राओं के नियमित आदान-प्रदान और दोनों पक्षों के बीच निरंतर बरकरार रहे संपर्कों के साथ सुदृढ़ होते रहे। कतर एक बार फिर भारत का एक विश्वसनीय मित्र बनकर उभरा और उसने कोविड की दूसरी लहर के दौरान भारत को समय पर चिकित्सा और मानवीय सहायता प्रदान की। 27 अप्रैल 2021 को, अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने प्रधान मंत्री के साथ टेलीफोन पर चर्चा की और भारत के साथ कतर की एकजुटता व्यक्त करते हुए कोविड के खिलाफ उसके संघर्ष में सहयोग की पेशकश की। 02 मई 2021 को, विदेश मंत्री को कतर के उप प्रधान मंत्री / विदेश मंत्री, शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से दोनों देशों में कोविड चुनौती और द्विपक्षीय कोविड सहयोग के बारे में चर्चा करने के लिए समर्थन कॉल प्राप्त हुई।

09 और 15 जून 2021 को विदेश मंत्री की दोहा के माध्यम से होकर जाने वाली यात्राओं के दौरान, विदेश मंत्री ने कतर के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार; उप प्रधान मंत्री/विदेश मंत्री; उप प्रधान मंत्री/रक्षा मामलों के राज्य मंत्री और अफगानिस्तान में शांति के लिए यू.एस. के विशेष प्रतिनिधि से भेंट की । 20 अगस्त 2021 को, विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दोहा में कतर के उप प्रधान मंत्री/विदेश मंत्री से मुलाकात की। अफगानिस्तान से निकाले गए और दोहा लाए गए 283 भारतीयों को भारत वापस लाया गया।

विदेश मंत्री ने 22 जून 2021 को कतर आर्थिक फोरम (क्यूईएफ) में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। 13 अप्रैल 2021 को कतर के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री ने रायसीना वार्ता में वर्चुअल रूप से भाग लिया। 10 जुलाई 2021 को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा कतर के ऊर्जा मामलों के राज्य मंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत की और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

विवाद समाधान में मध्यस्थता और आतंकवाद-निवारण के लिए विदेश मंत्री के कतर के विशेष दूत ने 06-07 अगस्त 2021 को नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री, विदेश सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। गृह मंत्रालय और कतर के आंतरिक मंत्रालय के बीच सुरक्षा और कानून प्रवर्तन संबंधी संयुक्त समिति की एक वर्चुअल बैठक 26 अक्टूबर 2021 को आयोजित की गई थी।

भारतीय नौसेना के पोत ब्रह्मपुत्र ने 29 नवंबर से 02 दिसंबर 2021 तक चलने वाले ऑपरेशनल टर्नअराउंड (ओटीआर) के लिए दोहा का दौरा किया। थल सेनाध्यक्ष ने 07 और 08 दिसंबर 2021 को दोहा का दौरा किया। ये दौरे भारत-कतर रक्षा संबंधों को मजबूत करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण थे।

स्वास्थ्य सहयोग पर संयुक्त कार्य-समूह की पहली बैठक वर्चुअल रूप से 16

दिसंबर 2021 को आयोजित की गई।

भारत और कतर के बीच कुल व्यापार (अप्रैल-अक्टूबर 2021) 7.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 59.60% की वृद्धि हुई थी। अप्रैल 2021 में, कतर के संप्रभु धन कोष कतर निवेश प्राधिकरण ने अन्य निवेशकों के साथ भारतीय खाद्य वितरण कंपनी स्विगी में 800 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया। अक्टूबर 2021 में, कतर निवेश प्राधिकरण ने अन्य निवेशकों के साथ रिबेल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में 175 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया।

कोविड की दूसरी लहर के विरुद्ध भारत के संघर्ष में, कतर दुनिया भर से भारत में चिकित्सा आपूर्ति के परिवहन के लिए एक संभार-तंत्र केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया। मई 2021 के दौरान, कतर एयरवेज ने दुनिया भर से भारत के लिए 800 मीट्रिक टन आवश्यक मानवीय चिकित्सा कार्गो निःशुल्क पहुंचाया। भारतीय नौसेना के जहाजों त्रिकंद, तरकश, कोलकाता और शार्दुल ने कतर से भारत के लिए भेजी जाने वाली राहत आपूर्ति और गैसल द्वारा री-फिल्ड 200 एमटी एलएमओ की ढुलाई के लिए हमाद बंदरगाह का दौरा किया। चार सी-17 विमानों ने 08 क्रायोजेनिक कंटेनरों को री-फिलिंग के लिए उतारने के लिए अल उदीद एयरबेस का दौरा किया। कतर फंड फॉर डेवलपमेंट ने भी भारत को विशेष अमीरी वायु सेना के विमान के माध्यम से दवाओं, ऑक्सीजन सांद्रता और वेंटिलेटर की आपूर्ति की। कतर में भारतीय समुदाय ने भी इंडियन कम्युनिटी बेनेवोलेंट फोरम के 'हील इंडिया इनिशिएटिव' में बड़ा योगदान दिया।

कतर में भारतीय समुदाय की संख्या लगभग 700,000 है और यह वहां का एकमात्र सबसे बड़ा समुदाय है। कोविड अवधि के दौरान कांसुलर सेवाओं को सुविधाजनक और सुव्यवस्थित करने के लिए, दूतावास ने कोविड प्रोटोकॉल मानदंडों से समझौता किए बिना कांसुलर सेवाएं प्रदान करने के लिए ऑनलाइन नियुक्ति प्रणाली शुरू की। दूतावास ने 01 अप्रैल से 30 नवंबर 2021 तक 72695 पासपोर्ट/कांसुलर सेवाएं/वीजा/ओसीआई सेवाएं प्रदान कीं। दूतावास ने उन 36 भारतीय मछुआरों की स्वदेश वापसी में भी सहायता की, जिन्होंने कथित तौर पर क्षेत्रीय जल सीमा को पार किया था। दूतावास भारतीय समुदाय के सक्रिय समर्थन और भागीदारी के साथ कतर में एकेएएम को मनाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन भी कर रहा है।

सऊदी अरब

प्रधान मंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच अक्टूबर 2019 में रणनीतिक साझेदारी परिषद समझौते पर हस्ताक्षर के माध्यम से भारत और सऊदी अरब के बीच स्थापित किए गए रणनीतिक संबंधों को सितंबर 2021 में सऊदी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के बाद और मजबूत बनाया गया। । महामारी के दौरान भी द्विपक्षीय सहयोग मजबूत बना रहा क्योंकि भारत और किंगडम के बीच भोजन, दवाओं, टीकों और कच्चे तेल के शिपमेंट के लिए आपूर्ति श्रृंखला को निरंतर बनाए रखा गया था।

सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने 18-20 सितंबर 2021 तक नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने विदेश मंत्री से मुलाकात की और वे प्रधानमंत्री से भी मिलने आए। नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति, कांसुलर मुद्दों, स्वास्थ्य देखभाल और मानव संसाधन के क्षेत्र में बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सामरिक भागीदारी परिषद करार की प्रगति की भी समीक्षा की और इसके साथ ही अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे पूर्व, विदेश मंत्री और उनके सऊदी समकक्ष ने 12 मई 2021 को एक फोन कॉल पर बात की थी और 29 जून 2021 को इटली में जी-20 विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान भेंट की थी। विदेश मंत्री ने 25 अगस्त 2021 को सऊदी विदेश राज्य मंत्री अदेल अल-जुबेर के साथ फोन पर बात की।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने रियाद का दौरा किया और प्रधानमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में 25 अक्टूबर को मध्य-पूर्व हरित पहल शिखर-सम्मेलन में भाग लिया।

अगस्त में, आईएनएस कोच्चि पहली बार भारत-सऊदी द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास 'अल मोहम्मद अल हिंदी 2021' में भाग लेने के लिए अल जुबैल बंदरगाह पहुंचा, जिसका आयोजन 12 अगस्त 2021 को किया गया था। अप्रैल में, एक भारतीय नौसेना पोत आईएनएस तलवार सऊदी अरब में जुबैल पत्तन पहुंचा और उसने ऑपरेशन संकल्प के भाग के रूप में रॉयल सऊदी नेवल शिप एचएमएस खालिद के साथ पैसेज एक्सरसाइज (पीएएसएसईएक्स) में भाग लिया।

इस अवधि के दौरान, किंगडम भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में से एक बना रहा और उसने भारत की ऊर्जा मांगों की पूर्ति करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत-सऊदी अरब सामरिक भागीदारी परिषद की आर्थिक और निवेश समिति के फ्रेमवर्क के तहत वरिष्ठ अधिकारियों की दूसरी बैठक 08 अप्रैल 2021 को आयोजित की गई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने अपने सऊदी समकक्ष प्रिंस अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान के साथ 15 जुलाई 2021 को टेलीफोन पर बातचीत की। ।

आवास क्षेत्र में सहयोग के एक कार्यक्रम पर राजदूत तथा सऊदी नगरपालिका, शहरी नियोजन, ग्रामीण मामले और आवास मंत्रालय के उप मंत्री प्रिंस सऊद बिन तलाल बिन बदर द्वारा रियाद में 30 सितंबर 2021 को शहरी आयोजना, निर्माण, सतत विकास और किफायती आवास में निवेश के क्षेत्र में अवसरों की पहचान करने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। ।

भारत-सऊदी अरब सामरिक भागीदारी परिषद की राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति के फ्रेमवर्क के तहत 02 नवंबर 2021 को सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह की प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई।

विदेश मंत्री ने 17 नवंबर 2021 को अपने सऊदी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों, उड़ानों को फिर से शुरू करने और अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए फोन पर बात की।

राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक (पीएसएससी) सहयोग समिति की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक जनवरी-फरवरी 2022 में होने की आशा है। वर्ष 2022 की पहली तिमाही में मंत्रिस्तरीय बैठक तथा वर्ष 2022 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था और निवेश पर मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित होने की भी संभावना है। ।

रॉयल सऊदी लैंड फोर्सेज के कमांडर के फरवरी 2022 में भारत की आधिकारिक यात्रा करने की आशा है। रक्षा सहयोग पर संयुक्त समिति की पांचवीं बैठक के भी वर्ष 2022 की पहली तिमाही में होने की आशा है।

अप्रैल-मई में भारत में कोविड की दूसरी लहर के दौरान, किंगडम ने भारत को पर्याप्त मात्रा में कोविड-राहत सामग्री की आपूर्ति की। किंगडम से 580 मीट्रिक टन एलएमओ, 4700 भरे हुए ऑक्सीजन सिलेंडर (40 लीटर), 1660 रिक्त ऑक्सीजन सिलेंडर (10 लीटर), 600 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर भारत भेजे गए थे। इससे पूर्व, भारत ने किंगडम को 4.5 मिलियन कोविशील्ड टीकों की आपूर्ति की थी। सऊदी अरब ने 01 दिसंबर 2021 को भारत से सीधी उड़ानें फिर से शुरू कीं और 01 दिसंबर 2021 से कोवैक्सिन टीकाकरण के साथ यात्रा को भी मंजूरी दी।

21 जून 2021 को, आईडीवाई 2021 समारोह के भाग के रूप में, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय और लीडर्स डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, खेल मंत्रालय, सऊदी अरब के बीच योग सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन ने किंगडम में औपचारिक योग मानकों और पाठ्यक्रमों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया है और वह योग के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग की सुविधा भी प्रदान करेगा।

संयुक्त अरब अमीरात

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच सदियों पुराने घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस संबंध को विशेष प्रोत्साहन मिला है। द्विपक्षीय संबंध, जिन्हें 2017 में एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित कर दिया गया था, निरंतर मजबूत और गहरा हुआ है। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और प्रधान मंत्री के बीच 03 सितंबर 2021 को टेलीफोन पर की जाने वाली निरंतर वार्ताओं सहित उच्चतम स्तरों पर नियमित संपर्क विद्यमान रहे हैं।

द्विपक्षीय मोर्चे पर वर्ष की मुख्य विशेषता वस्त्र, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा यूएई के राज्य मंत्री (विदेश व्यापार) श्री थानी बिन अहमद अल ज़ायौदी द्वारा 23 सितंबर 2021 को नई दिल्ली में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) के लिए वार्ताओं का शुभारंभ करना थी।

जून 2021 में अपनी कुवैत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने कुवैत के विदेश मंत्री शेख डॉ. अहमद नासिर अल-मोहम्मद अल-सबा के साथ द्विपक्षीय बैठक में

वैश्विक महामारी के दौरान मंत्रालयी स्तर के दौरे जारी हैं। विदेश मंत्री ने 18 अप्रैल 2021 को अबू धाबी का दौरा किया और यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भेंट की जहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों, विशेष रूप से कोविड सहयोग की समीक्षा की। विदेश मंत्री ने सर बानी यास फोरम में भाग लेने के लिए 13 और 14 नवंबर 2021 को और 5वीं हिंद महासागर वार्ता में भाग लेने के लिए 04 दिसंबर 2021 को यूएई का दौरा किया । इन दोनों यात्राओं में, उन्होंने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस से शिष्टाचार भेंट की और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने दुबई एक्सपो में भारतीय पवेलियन का दौरा भी किया।

सितंबर 2021 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी करार के लिए वार्ता की शुरुआत

अप्रैल 2021 के बाद से भारत से यूएई के किए गए अन्य मंत्रालयी दौरों में निम्नलिखित के दौरे भी शामिल हैं:

i. वस्त्र, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री 1 अक्टूबर 2021 को आयोजित किए जाने वाले दुबई एक्सपो 2020 में भारत के पवेलियन का उद्घाटन करेंगे और दुबई में आयोजित की जाने वाली निवेश संबंधी भारत-यूएई उच्च स्तरीय संयुक्त कार्यबल (एचएलटीएफआई) की 9वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

ii. विदेश और संसदीय कार्य राज्य मंत्री 25-26 अक्तूबर 2021 को अबू धाबी वार्ता (एडीडी) के छठे मंत्रिस्तरीय परामर्श में भाग लेने के लिए;

iii. वाणिज्य सचिव की 22-23 अगस्त 2021 को दुबई यात्रा;

iv. वायु सेना प्रमुख की 01-03 अगस्त 2021 तक अबू धाबी की यात्रा;

v. 15-17 नवंबर 2021 को अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी सम्मेलन (एडीआईपीईसी) में भाग लेने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा आवास और शहरी कार्य मंत्री की यात्रा।

इस अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात की ओर से भी भारत के अनेक कई उच्च स्तरीय दौरे भी किए गए, जिनमें काबुल में गनी सरकार के पतन के बाद अफगानिस्तान में उत्पन्न हुई स्थिति पर चर्चा करने के लिए 30 अगस्त 2021 को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार की यात्रा भी शामिल है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार राज्य मंत्री ने 22-23 सितंबर 2021 को भारत-यूएई सीईपीए के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए भारत का दौरा किया।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन (एडीआईपीईसी) में भाग लेने के लिए 15-17 नवंबर 2021 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।

31 मार्च, 2022 तक की अवधि के दौरान घटित होने वाले संभावित घटनाक्रम

प्रधानमंत्री की यूईए की यात्रा 05 और 06 जनवरी, 2022 को प्रस्तावित है [आस्थगित- नई तारीखें?]

दुबई एक्स्पो-2020 01 अक्टूबर 2021 को शुरू हुआ और यह 31 मार्च 2022 तक जारी रहेगा। भारत ने दुबई एक्स्पो-2020 में सबसे विशाल पेवेलियनों में से एक का निर्माण किया है, जो एक्स्पो के बाद 'डिस्ट्रिक्ट 2020' में एक विरासत के रूप में भी मौजूद रहेगा। एक्स्पो-2020 भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी उपलब्धियों, संस्कृति, विविधता और भारत-यूएई मित्रता को प्रदर्शित कर रहा है।

भारत में कोविड की दूसरी लहर के दौरान, यूएई ने भारत को फेविपिराविर की 1 मिलियन टैबलेट उपहार में दीं। एडीएनओसी ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता को सुदृढ़ करने के लिए 20 एमटी एलएमओ प्रत्येक की क्षमता वाले 03 आईएसओ टैंकर प्रदान किए। अमीरात एयरलाइंस ने 09 भारतीय शहरों में निःशुल्क कोविड राहत आपूर्ति करने के लिए एक मानवीय एयर-ब्रिज की स्थापना की।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लोगों के बीच संबंधों में भी पिछले एक वर्ष के दौरान लगातार प्रगति हुई है और वैश्विक महामारी के कठिन समय में संयुक्त अरब अमीरात की जनता और सरकार भारतीयों के साथ मजबूती से खड़ी है। भारत और यूएई ने एनवाईयू अबू धाबी तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के बीच एक विजिटिंग प्रोफेसरशिप करार पर हस्ताक्षर किए।

विदेश मंत्री ने नवंबर 2021 में दुबई एक्सपो 2021 में भारतीय पवेलियन का दौरा किया

यमन

भारत का यमन के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं, जिसमें लोगों का लोगों के साथ एक मजबूत जुड़ाव विद्यमान है। भारत यमन की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए भी प्रतिबद्ध है और एक शांतिपूर्ण बातचीत, यमनी नेतृत्व वाले और यमनी स्वामित्व वाले एक ऐसे राजनीतिक समझौते का समर्थन करता है जो समावेशी, निष्पक्ष हो तथा सभी यमनियों की भलाई को प्राथमिकता देता हो। विदेश मंत्री ने 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यमन के विदेश मंत्री डॉ. अहमद अवध बिन मुबारक से मुलाकात की और उन्हें यमन में चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत द्वारा दिए जाने वाले समर्थन से अवगत कराया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सत्रों के दौरान यमन पर अपने इस दृष्टिकोण को भी लगातार व्यक्त किया।

यमन में चल रहे संघर्ष और नाजुक राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति के कारण, यमन में भारतीय दूतावास को 14 अप्रैल 2015 को जिबूती में स्थानांतरित कर दिया गया और तब से यह जिबूती में एक शिविर कार्यालय से काम कर रहा है। दूतावास यमन के नागरिकों को वीजा सेवाएं तथा कांसुलर सेवाएं और साथ ही यमन में रहने वाले भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करना जारी रख रहा है। दूतावास ने जुलाई 2021 में 10 भारतीय कामगारों के प्रत्यावर्तन को सहयोग प्रदान किया।

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी)

विदेश मंत्री ने 10-11 नवंबर 2021 को नई दिल्ली की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान जीसीसी महासचिव डॉ. नायेफ फलाह मुबारक अल-हजरफ से भेंट की। दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण भारत-जीसीसी संबंधों का स्मरण किया, जिन्होंने हाल के वर्षों में सुदृढ़ प्रगति देखी है। जीसीसी महासचिव ने खाड़ी देशों में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की और कहा कि जीसीसी अपने आर्थिक विकास में भारत का भागीदार बनना चाहता है। दोनों पक्षों ने जल्द-से-जल्द अगली भारत-जीसीसी ट्रोइका राजनीतिक वार्ता आयोजित करने का निर्णय लिया और वे एक समझौता ज्ञापन का अनुसरण करते हुए अपनी वार्षिक बैठकों को और अधिक संस्थागत बनाने पर सहमत हुए। जीसीसी महासचिव ने भी अपनी यात्रा के दौरान सीआईएम से भेंट की। दोनों नेताओं ने जनवरी 2022 तक अपने आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों के सभी पहलुओं की जांच करने के लिए दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने का निर्णय लिया, जिसके परिणामस्वरूप एफटीए पर बातचीत शुरू हुई है।

ईरान

भारत और ईरान के संबंध अनूठे और ऐतिहासिक रहे हैं। ईरान एक महत्वपूर्ण भागीदार और घनिष्ठ मित्रता रखने वाला पड़ोसी देश है। इस अवधि के दौरान, द्विपक्षीय जुड़ाव भी काफी तेज हो गया है। विदेश मंत्री ने दो बार तेहरान का दौरा किया और वर्ष के दौरान ईरानी नेतृत्व के साथ रचनात्मक बैठकें कीं।

दोनों देशों ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी भागीदारी जारी रखी और अप्रैल 2021 में स्वास्थ्य पर संयुक्त कार्य-समूह की एक बैठक आयोजित की गई। भारत ने ईरान सरकार को ईरान में अफगान शरणार्थियों को प्रशासित करने के लिए कोविड वैक्सीन उपहार में दी। क्षेत्रीय संपर्क के क्षेत्र में सहयोग जारी रहा और जुलाई 2021 में बंदरगाहों और समुद्री सहयोग पर संयुक्त कार्य-समूह की बैठक हुई।

अप्रैल-अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान, दोनों देशों के बीच नियमित रूप से उच्च स्तरीय आदान-प्रदान हुआ था। ईरान सरकार के निमंत्रण पर,

विदेश मंत्री ने महामहिम राष्ट्रपति अयातुल्ला सैय्यद इब्राहिम रईसी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 05 और 06 अगस्त 2021 को ईरान का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से भेंट की और अन्य ईरानी नेताओं के साथ बैठकें कीं। आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही, विदेश मंत्री ने 07 जुलाई 2021 को तेहरान का दौरा किया था और प्रधानमंत्री से ईरानी नेतृत्व को व्यक्तिगत संदेश देने के लिए नामित राष्ट्रपति से भेंट की थी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव ने दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता में भाग लेने के लिए 11 नवंबर 2021 को भारत का दौरा किया। वार्ता के दौरान सचिव ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

भारत और ईरान की सरकारों ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रभावी ढंग से सहयोग किया और 06 अप्रैल 2021 को स्वास्थ्य पर संयुक्त कार्य-समूह की वर्चुअल बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को जारी रखते हुए, 16 जून 2021 को भारत बायोटेक (बीबीआईएल) और पाश्चर इंस्टीट्यूट ऑफ ईरान (पीआईआई) ने रोटावैक के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए रोटावायरस वैक्सीन पर एक साझेदारी करार पर हस्ताक्षर किए। सहयोग का उद्देश्य छोटे बच्चों और शिशुओं के जीवन को घातक रोटावायरस रोग से बचाना है। इसके अलावा, ईरान में अफगान शरणार्थियों की सहायता के लिए भारत ने अक्टूबर 2021 में ईरान को भारत द्वारा निर्मित भारत बायोटेक कोवैक्सिन की दस लाख खुराकें भेंट कीं।

शाहिद बेहेस्ती टर्मिनल, चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) के विकास सहित क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं पर भारत-ईरान सहयोग जारी रहा। भारत गणराज्य और इस्लामी गणतंत्र ईरान के बीच बंदरगाहों और समुद्री सहयोग पर संयुक्त कार्य-समूह की 10वीं बैठक वर्चुअल रूप से 12 जुलाई 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों ने चाबहार बंदरगाह परियोजना और आईएनएसटीसी सहित क्षेत्रीय संयोजनता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

भारतीय कंपनी, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड द्वारा चाबहार बंदरगाह पर संचालित शहीद बेहेस्ती टर्मिनल ने थोक और सामान्य कार्गो परियात में लगातार वृद्धि देखी है और दिसंबर 2018 से इसने 152 जलयानों, 14,420 टीईयू कंटेनरों और 3.11 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक थोक और सामान्य कार्गो का निपटान किया है। भारत से शिपमेंट के अलावा, इस बंदरगाह ने रूस, ब्राजील, थाईलैंड, जर्मनी, फ्रांस, यूक्रेन, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात से कई शिपमेंट और ट्रांस-शिपमेंट का भी निपटान किया है।

पोत यात्राओं की परंपरा को जारी रखते हुए, भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुदर्शनी ने, जो एक सेल ट्रेनिंग शिप (एसटीएस) है, 21-24 दिसंबर 2021 तक बंदर अब्बास की ध्वज यात्रा की।

भारत ने अपनी निरंतर चलने वाली मानवीय सहायता को जारी रखते हुए, भारत ने 2022 की शुरुआत में ईरान को तपेदिक रोधी (टीबी) दवाओं की आपूर्ति की।

अगस्त 2021 में अपनी तेहरान की यात्रा के दौरान विदेश मंत्री के साथ ईरान के राष्ट्रपति अयातुल्ला सैय्यद इब्राहिम रईसी

पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका

अल्जीरिया

वैश्विक महामारी की बाधाओं के बावजूद वर्ष के दौरान भारत और अल्जीरिया के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर और सौहार्दपूर्ण बने रहे। विदेश मंत्री ने 30 जून 2021 को मटेरा, इटली में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान तत्कालीन अल्जीरियाई विदेश मंत्री साबरी बोकादौम से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बाद में 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनजीए के 76वें सत्र के दौरान नए विदेश मंत्री रामताने लामामरा से भेंट की तथा इसमें द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

राज्य मंत्री (वीएम) ने 15-17 सितंबर 2021 को अल्जीरिया की द्विपक्षीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने अल्जीरिया के प्रधानमंत्री एमीने बेनबदररहमान से मुलाकात की। राज्य मंत्री (वीएम) ने विदेश मंत्री, वाणिज्य और निर्यात संवर्धन

मंत्री कामेल रेजिग, ऊर्जा और खान मंत्री मोहम्मद अर्कब तथा विदेश मंत्रालय में महासचिव रचिद चाकिब कैद के साथ भी बैठकें कीं। उन्होंने अल्जीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की।

एक भारतीय नौसेना फ्रंटलाइन फ्रिगेट आईएनएस तबर, तलवार-श्रेणी का स्टील्थ फ्रिगेट ने 29 अगस्त 2021 को अल्जीरियाई नौसेना बल के जहाज इज़्ज़दजेर के साथ एक द्विपक्षीय मार्ग अभ्यास (पैसेक्स) किया।

भारत और अल्जीरिया के बीच राजनयिक और आधिकारिक/सेवा पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट पर समझौता 01 अक्टूबर 2021 को लागू हुआ जिस पर वर्ष 2019 की शुरुआत में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए गए थे।

जिबूती

भारत वर्ष के दौरान विकास सहायता के माध्यम से जिबूती के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा रहा। भारत सरकार से अनुदान के साथ 'इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी' विषय के तहत 300 जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए एक कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन दिसंबर 2021 में जिबूती में किया गया था। वंचित बालिकाओं और महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 50,826 अमेरिकी डॉलर की एक त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) मई 2021 में जिबूती सरकार के सामाजिक कार्य और महिला अधिकारिता केंद्र में शुरू की गई थी।

जिबूती सरकार को 12 अप्रैल 2021 को कोविड वैश्विक महामारी के खिलाफ संघर्ष में 1.18 लाख अमेरिकी डॉलर की दवाओं की एक खेप उपहार में दी गई। कोवैक्स सुविधा के माध्यम से जिबूती को मार्च 2021 में मेड इन इंडिया वैक्सीन की 24,000 खुराकों की एक खेप की आपूर्ति की गई थी।

कुल 08 भारतीय नौसेना के पोतों ने जिबूती बंदरगाह पर ऑपरेशनल टर्न अराउंड (ओटीआर) और लाल सागर और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती-रोधी गश्त के लिए कॉलें कीं। दो भारतीय नौसैनिक विमानों ने भी अप्रैल और जुलाई 2021 में ओटीआर पर जिबूती का दौरा किया।

मिश्र

सितंबर 2021 में यूएनजीए के 76वें सत्र के दौरान मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी के साथ विदेश मंत्री

वैश्विक महामारी की स्थिति के बावजूद, भारत और मिस्र के बीच उच्च स्तरीय जुड़ाव जारी रहा। मिस्र के विदेश मंत्री श्री समेह शौकी ने यूएनएससी में ग्रैंड इथियोपियन रेनेसां डैम (जीईआरडी) पर मिस्र की स्थिति के लिए भारत के समर्थन की मांग करने के लिए 30 जून 2021 को विदेश मंत्री से फोन पर बात की। विदेश मंत्री ने 21 सितंबर 2021 को 76वें यूएनजीए सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाकात की। दोनों की मध्य द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने, जीईआरडी मुद्दे और अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा हुई।

मई 2021 में मिस्र से चिकित्सा आपूर्ति भारत पहुंची

09 मई 2021 को, मिस्र ने भारत को चिकित्सा आपूर्ति के साथ तीन विमान भेजे जिसमें 300 ऑक्सीजन सिलेंडर, 50 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 20 वेंटिलेटर, रेमेडिसविर की 8000 शीशियां और अन्य चिकित्सा उपकरण शामिल थे।

वर्ष के दौरान भारत और मिस्र के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को एक नई गति मिली। वायु सेना प्रमुख ने 28 नवंबर से 02 दिसंबर 2021 को मिस्र का दौरा किया। उन्होंने मिस्र की रक्षा प्रदर्शनी (ईडीईएक्स-2021) का दौरा किया और वे मिस्र की वायु शक्ति संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे।

भारतीय वायु सेना और मिस्र की वायु सेना ने अक्टूबर 2021 में मिस्र में एल बेरिगेट एयर बेस पर आयोजित एक्स डेजर्ट वॉरियर में भाग लिया

भारत और मिस्र की वायु सेना के लड़ाकू विमानों के बीच पहली बार वायु अभ्यास 28-31 अक्टूबर 2021 तक मिस्र में आयोजित किया गया था। आईएएफ आईएल-78 एफआरए ने दिन और रात, दोनों समय ईएएफ लड़ाकू विमानों के लिए इन-फ्लाइट ईंधन भरने के अभियान का संचालन किया।

आईएनएस ताबर (तलवार श्रेणी का निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट) ने 27 और 28 जून 2021 को अलेक्जेंड्रिया बंदरगाह में एक पोर्ट कॉल की और मिस्र के नौसेना जहाज (ईएनएस) तौशका के साथ पैसेक्स का आयोजन किया।

आईएनएस ताबर ने 05 और 06 सितंबर 2021 को ईएनएस अलेक्जेंड्रिया के साथ संचालितएक अन्य पैसेक्स में भाग लिया।

कृषि, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर भारत-मिस्र संयुक्त समिति की बैठक 05 अक्टूबर 2021 को आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य और चिकित्सा पर भारत-मिस्र संयुक्त कार्य-समूह की पहली बैठक वर्ष2021 की पहली तिमाही में वर्चुअल मोड में आयोजित किए जाने के लिए प्रस्तावित है।

वर्ष के दौरान भारत के कई व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों ने मिस्र का दौरा किया, जिनमें फेडरेशन ऑफ भारतीय निर्यात संगठन परिसंघ (एफआईईओ), भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (आईपीसीआई), ऊन और ऊनीवस्त्र निर्यात परिषद, फार्मेक्ससिल, आदि शामिल हैं।

इरिट्रिया

इरिट्रिया के विदेश मंत्री श्री उस्मान सालेह और राष्ट्रपति के सलाहकार श्री यमाने घेब्रेब ने 7-12 अप्रैल 2021 तक भारत का दौरा किया और बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग और पारस्परिक चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर चर्चा करने के लिए विदेश मंत्री और एनएसए के साथ मुलाकात की। उन्होंने फिक्की और फार्मेक्ससिल के तत्वावधान में भारतीय व्यापार समुदाय से भी मुलाकात की।

भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) तिकंद ने 25-27 सितंबर 2021 तक मस्सावा पोर्ट के लिए एक पोर्ट कॉल की।

इजराइल

इज़राइल की नई सरकार ने जून 2021 को शपथ ग्रहण की थी। द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों की गति को निरंतर उच्च स्तरीय संपर्कों के साथ बनाए रखा गया था। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और लोक सभा अध्यक्ष ने औपचारिक रूप से इजरायल की नई सरकार में अपने समकक्षों को बधाई दी, जबकि प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने भी अपने समकक्षों के साथ टेलीकॉन आयोजित की। विदेश मंत्री ने इजरायल के वैकल्पिक प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री श्री यायर लापिड के निमंत्रण पर 17-21 अक्टूबर 2021 तक इजरायल की आधिकारिक यात्रा की। ग्लासगो में 02 नवंबर 2021 को 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के अवसर पर प्रधानमंत्री और इजरायल के प्रधानमंत्री के बीच एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित की गई थी। गणमान्य व्यक्तियों ने भारत के स्वतंत्रता दिवस, यहूदी नव वर्ष और दिवाली जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कांसुलर मोर्चे पर, राज्य मंत्री (वीएम) ने इज़राइल में काम करने वाली एक भारतीय देखभालप्रदाता सुश्री सौम्या संतोष अस्थियां प्राप्त कीं, जिनका निधन मई 2021 में गाजा पट्टी से किए गए रॉकेट हमलों के दौरान हो गया था।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में पक्षकारों के 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ इज़राइल के प्रधानमंत्री नफ़्ताली बेनेट

विदेश मंत्री की इज़राइल यात्रा में राजनीतिक, सांस्कृतिक, सुरक्षा और रक्षा, वाणिज्यिक, नवाचार और शिक्षा और सामुदायिक क्षेत्रों पर्याप्त भागीदारी शामिल थी। विदेश मंत्री ने अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक कीं और इजरायल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेसेट अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने इज़राइल में भारतीय मूल के यहूदी समुदाय, इंडोलॉजिस्ट, प्रमुख इज़राइली विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और उन भारतीय छात्रों के साथ बातचीत की, जो वर्तमान में वहां अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथा साथ ही उन्होंने उच्च-प्रौद्योगिकीय उद्योगों और चुनिंदा चिंतकों सहित व्यवसायी लोगों के साथ भी वार्तालाप किया। यह यात्रा उन बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का भी एक अवसर था, जिन्होंने इस क्षेत्र में विशेष रूप से प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी। विदेश मंत्री ने राणाना में एक पट्टिका का उद्घाटन किया, जो इजराइल में भारत के वीरगाथा स्मारकों का हिस्सा है जो इस क्षेत्र के इतिहास को आकार देने में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के अविस्मरणीय योगदान का प्रतीक है। उन्होंने इज़राइल में ओवडा एयरबेस पर बहुपक्षीय अभ्यास ब्लू फ्लैग में भाग लेने वाले भारतीय वायु सेना के दल के साथ भी बातचीत की।

यात्रा के दौरान, इज़राइल ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अनुसमर्थन के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौता वार्ता को फिर से शुरू करने की घोषणा की। दोनों देशों के मध्य कोविड प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता पर सैद्धांतिक रूप से समझौता हुआ। दोनों देश 2022 में राजनयिक संबंधों के उन्नयन की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त रूप से स्मारक टिकट जारी करने पर सहमत हुए।

विदेश मंत्री ने अक्टूबर 2021 में अपनी इज़राइल यात्रा के दौरान इज़राइल के विदेश मंत्री यायर लैपिड से मुलाकात की

वायु सेना प्रमुख ने 03-06 अगस्त 2021 तक इज़राइल का दौरा किया। भारतीय वायु सेना के 84 कर्मियों के एक दल ने पांच मिराज 2000 लड़ाकू विमानों के साथ 13 से 28 अक्टूबर 2021 तक इजरायल के द्विवार्षिक बहुपक्षीय अभ्यास ब्लू फ्लैग में भाग लिया। भारत-इज़राइल रक्षा संबंधी संयुक्त कार्य-समूह (जेडब्ल्यूजी) की वार्षिक बैठक 26 और 27 अक्टूबर 2021 को इज़राइल में आयोजित की गई थी। भारतीय पक्ष की ओर से जेडब्ल्यूजी का नेतृत्व रक्षा सचिव द्वारा किया गया था। सेनाध्यक्ष ने 15-18 नवंबर 2021 को इज़राइल का दौरा किया, जिसके दौरान उन्होंने इज़राइल के वरिष्ठ सैन्य और नागरिक नेतृत्व से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान इज़राइल ने भारत को 03 ऑक्सीजन जनरेटर, 2133 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर और 420 श्वास-यंत्र दान किए जिन्हें भारतीय वायु सेना द्वारा 07 और 09 मई 2021 को एयरलिफ्ट किया गया ।

भारत और इज़राइल ने 24 मई 2021 को कृषि और किसान कल्याण मंत्री की उपस्थिति में नई दिल्ली में वर्ष 2023 तक कृषि में तीन साल के संयुक्त कार्य कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए। वार्षिक भारत-इजरायल प्रबंधन समिति की बैठक 08 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

कुल 29 वंदे भारत मिशन (वीबीएम) उड़ानें संचालित की गईं, जिसमें लगभग 1780 यात्रियों ने तेल अवीव से दिल्ली की यात्रा की। दिल्ली-तेल अवीव सेक्टर पर 06 नवंबर 2021 से वीबीएम उड़ानों ने अपनी आवृत्ति को दोगुना करके प्रति सप्ताह दो उड़ानें कर दीं। वैश्विक महामारी की शुरुआत के बाद से 50 से अधिक वीबीएम उड़ानों ने भारत और इज़राइल को आपस में जोड़ा है।

जॉर्डन

प्रधानमंत्री ने 13 अप्रैल 2021 को जॉर्डन राज्य की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर महामहिम राजा अब्दुल्ला-द्वितीय और जॉर्डन के हाशेमाइट साम्राज्य के लोगों को बधाई देते हुए एक विशेष वीडियो संदेश सम्प्रेषित किया।

विदेश मंत्री ने 15 जून 2021 को दोहा में जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी के साथ बातचीत की और क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों की 06 दिसंबर 2021 को दुबई में सर बानी यस फोरम के दौरान फिर से मुलाकात हुई।

अल-हुसैन तकनीकी विश्वविद्यालय, अम्मान में भारतीय-जॉर्डन सूचना प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (अत्याधुनिक अगली पीढ़ी की आईटी सुविधा) का उद्घाटन 02 अक्टूबर 2021 को किया गया। केंद्र, जो पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है, वर्ष 2018 में सम्राट अब्दुल्ला-द्वितीय की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के अनुसार स्थापित किया गया है।

लेबनान

अगस्त 2020 में हुए बेरूत बंदरगाह विस्फोटों के बाद हसन दीब के मंत्रिमंडल के इस्तीफे के एक साल से अधिक समय बाद, प्रधानमंत्री नजीब मिकाती के नेतृत्व में नई लेबनान सरकार ने सितंबर 2021 में पदभार ग्रहण किया। उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा नवंबर 2021 में बधाई दी गई थी।

भारत लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में अपना योगदान देना जारी रखे हुए है। दक्षिणी लेबनान में तैनात यूएनआईएफआईएल (आईएनडीबीएटीट) के तहत 19 मद्रास आईएनएफ बटालियन ग्रुप के लगभग 1000 शांति रक्षक स्थानीय आबादी की मदद करते हुए अत्यंत सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

मिशन द्वारा शुरू किए गए शौफ बायोस्फीयर रिजर्व (एसबीआर) के मृस्ती अल शौफ प्रवेश द्वार पर रिसेप्शन केबिन के निर्माण और उसकी फर्निशिंग पर एक त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) पूरा होने के करीब है। रिजर्व में 800 देवदार के पेड़ लगाने के साथ एक हेक्टेयर क्षेत्र में वनरोपण का एक और क्यूआईपी चालू वित्त वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

लीबिया

लीबिया सरकार के साथ संपर्क बनाए रखने और लीबिया में रहने वाले भारतीयों के कल्याण की देखभाल करने के लिए, लीबिया में भारत के राजदूत को ट्यूनीशिया से लीबिया की समवर्ती मान्यता द्वारा लीबिया के साथ राजनयिक संबंधों को पुनर्जीवित किया गया था। उन्होंने 20 दिसंबर 2021 को लीबिया की राष्ट्रीय एकता की अंतरिम सरकार के अध्यक्ष को अपना प्रत्यय-पत्र प्रस्तुत किए।

वर्ष के दौरान, विशेष रूप से व्यापार के लिए भारत आने वाले लीबियाई लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो भारत के साथ निरंतर बातचीत और व्यापार के लिए लीबिया की ओर से रुचि लिए जाने का संकेत है। वर्ष के दौरान लीबिया के स्वास्थ्य और भेषज क्षेत्र से तीन प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का दौरा किया।

मोरक्को

जल संसाधन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन के ढांचे के तहत जल संसाधन पर भारत-मोरक्को संयुक्त कार्य-समूह की तीसरी बैठक वर्चुअल रूप से 13 जुलाई 2021 को आयोजित की गई।

उर्वरक क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा के लिए भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री और मोरक्को के ऊर्जा, खान और पर्यावरण मंत्री के बीच 19 जुलाई 2021 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

आईएनएस ताबर ने अपनी सद्भावना यात्रा के तहत 25 और 26 अगस्त 2021 को कैसाब्लांका बंदरगाह का दौरा किया, इसके साथ ही रक्षा सहयोग में निरंतर वृद्धि होती रही। पोर्ट कॉल के दौरान, आईएनएस ताबर ने रॉयल मोरक्कन नेवी के साथ एक पैसेज अभ्यास (पैसेक्स) भी संचालित किया। मोरक्को से 04 सदस्यीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल ने 13-21 अगस्त 2021 तक भारत का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्रालय के साथ बैठक की, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड सुविधा का दौरा किया और रक्षा क्षेत्र में उद्योगों के साथ बातचीत की।

कोविड वैश्विक महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, भारत के कृषि निर्यातकों की भागीदारी और रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित वेबिनारों के आयोजन के साथ-साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकों के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए।

वर्ष के दौरान विशेष रूप से मोरक्को से आए प्रतिभागियों के लिए बिग डेटा टेक्नोलॉजीज और पायथन प्रोग्रामिंग के साथ मशीन लर्निंग पर विशेष ई-आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

फिलिस्तीन

वर्ष के दौरान भारत और फिलिस्तीन के बीच उच्चस्तरीय बातचीत की गति जारी रही। प्रधानमंत्री ने 02 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी-26 के अवसर पर फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री से भेंट की। विदेश मंत्री ने 16 जून 2021 को दोहा में फ़िलिस्तीनी विदेश मंत्री डॉ. रियाद मल्की से मुलाकात की।

25 अक्टूबर 2021 को रामल्लाह में 50,000 अमेरिकी डॉलर की लागत से "यासर अराफात स्क्वायर के पुनर्वास" की एक त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) का उद्घाटन किया गया। युवा वैज्ञानिक क्लब (अल-मुंतदा) के साथ "शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने" के लिए एक और क्यूआईपी पर हस्ताक्षर किए गए। 46,960 अमेरिकी डॉलर की लागत से 8 स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड स्थापित करने का काम जून 2021 में पूरा किया गया।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत-फिलिस्तीन केंद्र - 'तुराथी' की आधारशिला 07 सितंबर 2021 को रामल्लाह में फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री की उपस्थिति में रखी गई। इस परियोजना से 500,000 अमरीकी डालर के कुल अनुदान परिव्यय के साथ रामल्लाह और गाजा में एक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा प्रधानमंत्री ने फरवरी 2018 में अपनी फिलिस्तीन यात्रा के दौरान की थी।

एक फ़िलिस्तीनी दबकेह नृत्य-मंडली ने 28-30 अक्टूबर 2021 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव में भाग लिया।

सोमालिया

भारत ने अप्रैल 2021 में सोमालिया में अफ्रीकी संघ मिशन (एएमआईएसओएम) के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड में 1 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान दिया।

विदेश सचिव ने यूएनएससी में भारत के अध्यक्ष पद के माह के दौरान 30 अगस्त 2021 को सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसओएम) के अधिदेश विस्तार को अंगीकृत करने की अध्यक्षता की।

सोमाली सरकार ने अपने परिवहन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा उपयोग के लिए भारत से उपहार के रूप में 27 मिनी बसों की डिलीवरी के लिए भारत को धन्यवाद दिया। इन बसों के रख-रखाव के लिए सोमाली यांत्रिकी का प्रशिक्षण भारत में जनवरी 2022 में संचालित किया जाएगा।

वर्ष के दौरान 25 सोमाली छात्रों ने ई-आईटीईसी कार्यक्रम में भाग लिया और 13 को आईसीसीआर की अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना पर भारत भेजा गया।

विदेश सचिव ने अगस्त 2021 में यूएनएसओएम के संबंध में यूएनएससी संकल्प के अधिदेश विस्तार पर बैठक की अध्यक्षता की

दक्षिण सूडान

भारत-दक्षिण सूडान द्विपक्षीय संबंधों को 20-22 अक्टूबर 2021 को जूबा में राज्य मंत्री (वीएम) की ऐतिहासिक यात्रा के साथ बढ़ावा मिला। दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति, प्रथम उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री और संसदीय मामलों के मंत्री के साथ उनकी बैठकों के दौरान सभी पहलुओं मौजूदा संबंधों की समीक्षा की गई और सहयोग के नए मार्ग तलाशे गए।

कोविड वैश्विक महामारी सहायता के भाग के रूप में, भारत सरकार ने अप्रैल 2021 में दक्षिण सूडान को 06 मीट्रिक टन जीवन रक्षक आवश्यक दवाएं उपहार में दीं।

विदेश राज्य मंत्री (वी. मुरलीधरन) ने अक्टूबर 2021 में अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान दक्षिण सूडान की राष्ट्रपति से मुलाकात की

सूडान

राज्य मंत्री (वीएम) ने 18 और 19 अक्टूबर, 2021 को सूडान का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने सूडान के विदेश मंत्री डॉ. मरियम अल-सादिग अल-महदी के साथ चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण पहलू की समीक्षा की। उन्होंने सूडान के प्रधानमंत्री डॉ अब्दुल्ला हमदोक और संक्रमणकालीन संप्रभुता परिषद के प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल बुरहान अब्देल रहमान से भी मुलाकात की। राज्य मंत्री (वीएम) ने द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्य संबंधों को मजबूत करने के लिए सूडान के व्यावसायिक समुदाय के साथ बातचीत की और उनसे भारत की विकास गाथा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी इस यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के एक बड़े वर्ग से भी वार्ता की।

अक्टूबर 2021 में अपनी सूडान यात्रा के दौरान विदेश राज्य मंत्री (वी. मुरलीधरन) ने सूडान की विदेश मंत्री डॉ मरियम अल-सादिग अल-महदी के साथ मुलाकात की

विदेश मंत्री और सूडानी विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए 27 अगस्त 2021 को एक टेलीकॉन का आयोजन किया।

आईएनएस तबर ने 10 सितंबर 2021 को सूडान के लाल सागर तट से दूर सूडानी क्षेत्रीय जल में सूडानी नौसेना के जहाजों के साथ एक समुद्री अभ्यास (पैसेक्स) में भाग लिया।

भारत सरकार द्वारा सूडान को 19 अप्रैल 2021 को 13 जीवन रक्षक आवश्यक दवाओं (5903 किग्रा) की एक खेप दान में दी गई।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) और सूडान के दूरसंचार और डाक विनियामक प्राधिकरण (टीपीआरए) के बीच 06 अप्रैल 2021 को एक आभासी बैठक के दौरान विचारों, सूचना, कर्मियों, कौशल, क्षमता निर्माण और विनियामक अनुभव के आदान-प्रदान में सहयोग पर एक आशय-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। ट्राई ने टीपीआरए अधिकारियों के लिए 20-24 सितंबर 2021 तक वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

सूडान के राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के अनुरोध पर इस केन्द्र तथा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के बीच एक वर्चुअल बैठक 23 अगस्त 2021 को आयोजित की गई थी जिसका उद्देश्य विशिष्ट पहचान संख्या, भारत की आधार परियोजना को समझना था।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार तथा सूडान के राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र ने 02 सितंबर 2021 को 'ई-गवर्नेंस में भारत के अनुभव' को साझा करने पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन सूडान के संचार और डिजिटल रूपांतरण मंत्री द्वारा किया गया था।

सूडान की 10-सदस्यीय लोकगीत मंडली और 05 कारीगर 04-20 फरवरी 2022 तक आयोजित होने वाले वार्षिक सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला के 35वें संस्करण में प्रतिभागिता करेंगे।

सीरिया

और कोविड वैश्विक महामारी के प्रकोप और उसके कारण विद्यमान संकट के बावजूद दोनों देशों ने नियमित रूप से द्विपक्षीय संपर्क और परामर्श बनाए रखा। विदेश मंत्री ने सितंबर 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान सीरिया के विदेश मंत्री श्री फैसल मेकदाद से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

सितंबर 2021 में यूएनजीए के दौरान सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मेकदाद के साथ विदेश मंत्री

भारत आईटीईसी, स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम, सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस), आयुष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) तथा अनुदान और विकासात्मक सहयोग के तहत परियोजनाओं सहित भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के अंतर्गत सीरिया को तकनीकी सहायता, अनुदान, मानवीय सहायता, छात्रवृत्ति प्रदान करता रहा है। वर्ष 2021-22 के दौरान, गहन मित्रता के एक विशेष संकेत के रूप में, आईसीसीआर छात्रवृत्ति के अंतर्गत स्लॉट 25 से बढ़ाकर 76 कर दिए गए और सभी स्लॉट सीरियाई छात्रों द्वारा उपयोग में लाए गए।

सीरिया सरकार से प्राप्त आपातकालीन मानवीय सहायता के अनुरोध के प्रत्युत्तर में, भारत सरकार ने फरवरी और मार्च 2021 के दौरान सीरिया में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 2000 मीट्रिक टन चावल प्रेषित किया।

अनुदान के तहत भारत द्वारा स्थापित नेक्स्टजेन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का वर्चुअल उद्घाटन किया गया और इसे 20 अक्टूबर 2021 को भारत सरकार की ओर से राज्य मंत्री (वीएम) द्वारा संचार और प्रौद्योगिकी मंत्री, सीरियाई अरब गणराज्य सरकार को सौंप दिया गया।

ट्यूनीशिया

द्विपक्षीय मोर्चे पर, हमारी भागीदारी के अंतर्गत विदेश कार्यालय परामर्श के चौथे दौर का आयोजन करते हुए और सुदृढ़ किया गया, जिसका वर्चुअल संचालन 30 अप्रैल 2021 को हुआ था, जिसका नेतृत्व भारतीय पक्ष की ओर से सचिव (सीपीवी और ओआईए) तथा ट्यूनीशियाई पक्ष की ओर से राज्य सचिव, विदेश, प्रवासन और अप्रवासी ट्यूनीशियाई मंत्रालय द्वारा किया गया था।

14 अक्टूबर 2021 को ट्यूनीशिया ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन संशोधित फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ट्यूनीशिया को हमारी विकास सहायता के हिस्से के रूप में, जून 2021 में 03 त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) को मंजूरी दी गई थी: (i) जंदौबा गवर्नेंट में जंदौबा विश्वविद्यालय में उद्यान का भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण; (ii) जंदौबा में मृचेमा विद्यालय में एक खेल-कूद क्षेत्र का निर्माण; और (iii) एरियाना गवर्नमेंट में रॉउड नगरपालिका के लिए मिनी सिंथेटिक फुटबॉल मैदान की परियोजना विकसित करना।

7

अफ्रीका

मध्य और पश्चिम अफ्रीका

अंगोला

इस वर्ष अंगोला के साथ संबंध तेज गति से आगे बढ़े हैं। अंगोला ने 2021-22 की अवधि के लिए यूएनएससी की अस्थायी सीट के लिए चुनाव में भारत के समर्थन किया। भारत सरकार ने अंगोला की रक्षा क्षमताओं और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए मई 2021 में अंगोला सरकार को 100 मिलियन अमरीकी डॉलर का किफायती ऋण दिया है। अंगोला गणराज्य के पर्यटन राज्य सचिव श्री हेल्डर मार्सेलिनो और अंगोला की अर्थव्यवस्था के राज्य सचिव, डॉ. मारियो ऑगस्टो कैटानो जोआओ ने सोलहवीं सीआईआई-एक्ज़िम बैंक इंडिया अफ्रीका साझेदारी में भागीदारी की। अंगोला के राष्ट्रपति, महामहिम जोआओ लौरेंको ने सोरिमो डायमंड हब हाउसिंग में हारों की पॉलिश करनेवाली भारतीय फैक्ट्रियों का उद्घाटन किया। कृषि क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के सहयोग से 14 जून को एक क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया था। कोवैक्स पहल के अंतर्गत मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन (कोविशील्ड) के पहले बैच की खेप मार्च 2021 में लुआंडा पहुंची। मिशन ने, लुआंडा में 19 जून 2021 को सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसका उद्घाटन अंगोला के संस्कृति और पर्यावरण मंत्री महामहिम जोमो फोर्टुनाटो ने किया। आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) मनाने के लिए सामाजिक दान शिविर, रक्तदान शिविर, समुद्र तट की सफाई अभियान, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अप्रैल से सितंबर 2021 की अवधि में अंगोला के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 177 मिलियन अमरीकी डॉलर और आयात 750 मिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है और इसमें बढ़त जारी है। मिशन ने 05 नवंबर 2021 को छठा आयुर्वेद दिवस आयोजित किया, इसके अतिरिक्त, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के सहयोग से, 09 नवंबर को हाइब्रिड मोड में एक इंटरएक्टिव आभासी सत्र 'भारत-अंगोला: महामारी के बाद के समय में व्यापार साझेदारी को पुनर्स्थापित करना' और 17 नवंबर

को फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया(फार्मेक्सिल) के साथ साझेदारी में "स्वास्थ्य देखभाल और फार्मास्यूटिकल्स में अवसर" पर एक वेबिनार और बी2बी (B2B) सत्र आयेजित किया गया। अंगोला का पंद्रह सदस्यीय सांस्कृतिक मंडल 04-20 फरवरी 2022 तक 35वें सूरजकुंड शिल्प मेला 2022 में भाग लेगा।

बेनिन

जुलाई 2019 में भारत के राष्ट्रपति की बेनिन की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा से भारत-बेनिन का द्विपक्षीय जुड़ाव और बढ़ा है। राष्ट्रपति की यात्रा के समय हस्ताक्षरित टेली-मेडिसिन और टेली-एजुकेशन पर समझौता ज्ञापन के अनुसार, टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) ने मई 2021 में यूनिवर्सिटी ऑफ अबोमी-कैलावी (यूएसी) में स्थित लर्निंग सेंटर में उपकरण पहुँचाए हैं। जनवरी से अगस्त 2021 के बीच द्विपक्षीय व्यापार 30% बढ़कर 521 मिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, इसी अवधि में भारतीय निर्यात 60% की वृद्धि के साथ 262 मिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुंचा। जुलाई 2021 में, बेनिन गणराज्य में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) ढांचे के अंतर्गत नमक की खेती नामक एक परियोजना की घोषणा की गई थी। वर्ष के दौरान, बेनिन के रक्षा बलों के लिए भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के साथ-साथ अन्य मंचों से भारत में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए गए। बेनिन के अधिकारियों को आईटीईसी कार्यक्रम, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) छात्रवृत्तियों के साथ-साथ ई-वीबीएबी नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत छात्रवृत्तियों का लाभ मिलता रहा। मार्च 2021 में, भारत ने जीएवीआई की कोवेक्स योजना के अंतर्गत सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) से कोविशील्ड वैक्सीन की 1,44,000 खुराकों की एक खेप भेजी। यह बेनिन गणराज्य तक पहुंचने वाली कोविड टीकों की पहली खेप है। बेनिन में भारतीय समुदाय के साथ-साथ बेनिन के नागरिकों ने जून 2021 में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।

बुर्किना फासो

भारत और बुर्किना फासो के बीच मधुर और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। भारत ने, अगस्त, 2021 में यूएनडीपी समर्थित "बुर्किना फासो के मौहौन और केंद्र-पश्चिम क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों में सतत आजीविका में सुधार के कार्यक्रम" के लिए 1 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया। भारत के राजदूत ने उपरोक्त यूएनडीपी परियोजना के नियांगदा बांध के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए 03 अगस्त, 2021 को नियांगडा, पाओ का दौरा किया। मिशन ने भारत की आज़ादी के 75 वर्ष (भारत @ 75) ‘आज़ादी का अमृत महोत्सव’ को चिह्नित करने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरों को प्रदर्शित करने वाली एक फोटो गैलरी भी शामिल है। सशस्त्र बलों और पूर्व सैनिकों के नव नियुक्त मंत्री, जनरल एमे बार्थेलेमी सिम्पोरे, 10-13 मार्च 2022 तक गुजरात के गांधीनगर में आयोजित होने वाले ‘डेफएक्सपो 2022’ में भाग लेंगे।

काबो वर्डे

भारत और काबो वर्डे का द्विपक्षीय व्यापार कुछ वृद्धि के साथ 5.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया है। मिशन ने, भारत और काबो वर्डे के व्यापारिक समुदायों के बीच व्यापार संपर्क में सुधार करने और द्विपक्षीय व्यापार के नए रास्ते तलाशने के लिए खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत मशीनरी, ऑटो घटक, रक्षा क्षेत्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किए, जिसमें काफी लोगों ने भाग लिया था। आईसीसीआर ने काबो वर्डे को अफ्रीका छात्रवृत्ति के लिए 2 स्लॉट आवंटित और स्वीकृत किए हैं। 11 सितंबर 2020 को आईटीईसी दिवस मनाया गया था। 2021 का सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जून 2021 में मनाया गया था। भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के हिस्से के रूप में ऑनलाइन और ऑनसाइट दोनों तरह के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी।

कैमरून

सितंबर, 2019 में याउंडे में भारतीय आवासी मिशन की स्थापना के साथ, कैमरून के साथ हमारे संबंधों मे कई गुना वृद्धि हुई है। कैमरून ने 2021-2022 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक अस्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग (आईएलसी) और एसीएबीक्यू के लिए भारत की उम्मीदवारी और इस अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के अध्यक्ष पद के लिए भारत की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया। 2020-21 के दौरान, कोविड महामारी के कारण दोतरफा व्यापार 2019-20 की तुलना में 46% कम होकर 481.54 मिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुँच गया।

क्रेता क्रेडिट नेशनल एक्सपोर्ट इंश्योरेंस अकाउंट के अंतर्गत फरवरी 2017 में, कैमरून गणराज्य की सरकार के लिए विस्तारित, कैमरून में संबद्ध उप-स्टेशन के साथ 225 किलोवाट की नाकांगस्बामा- बफोसम और याउंडे -अबांगमबांग ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण (93.50 मिलियन अमरीकी डॉलर), ट्रांसमिशन लाइन के फरवरी 2022 में निर्धारित समय पर पूरा होने की आशा है। भारत सरकार के 42 मिलियन अमरीकी डॉलर के किफायती ऋण के अंतर्गत, कैमरून की ओर से कसावा वृक्षारोपण परियोजना के संबंध में समझौते पर

फरवरी 2021 में भारतीय पार्टियों (टाटा मोटर्स, बीईएमएल और टीएएफई) के साथ हस्ताक्षर किए गए थे।

रक्षा सहयोग हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। कैमरून के लिए आबंटित 48 स्लॉटों में से 31 अक्तूबर तक, कैमरून की ओर से 25 रक्षा प्रशिक्षण स्लॉटों का उपयोग किया गया है।

कैमरून सरकार ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी पर 3 टिकट जारी किए हैं। मिशन ने 20 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जिसमें विदेश मंत्री के प्रतिनिधि और राष्ट्रमंडल के साथ सहयोग के प्रभारी मंत्री फेलिक्स म्बायू ने भाग लिया।

मिशन द्वारा भारत की आज़ादी के 75वें वर्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के अंतर्गत कई गतिविधियों का आयोजन किया गया है जिसमें भारत की पर्यटन क्षमता पर वेबिनार, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की फोटो प्रदर्शनी, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता, भारतीय खाद्य महोत्सव, चांसरी परिसर की प्रकाश सज्जा, भारत के इतिहास और विकास पर प्रश्नोत्तरी और भारत के विकास को दर्शाने वाली फोटो प्रदर्शनी आदि शामिल हैं। कैमरून की सरकार आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए एक संयुक्त स्मारक टिकट जारी करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत है।

मध्य अफ़्रीकी गणराज्य

भारत और मध्य अफ्रीकी गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंध उत्साहवर्द्धक बने रहे। मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन जारी रखा। भारत सरकार के किफायती ऋण के अंतर्गत दो रुकी हुई परियोजनाओं, अर्थात् 400 टीपीडी क्षमता (29.95 मिलियन अमरीकी डॉलर) और खनन परियोजना का विकास (20 मिलियन अमरीकी डॉलर) का सीमेंट संयंत्र की स्थापना, को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया चल रही है। महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पर्याप्त आर्थिक साझेदारी द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ा रही है। अप्रैल-अगस्त 2021 के बीच की अवधि में, द्विपक्षीय व्यापार 7.08 मिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत ने विशेष रूप से भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस) और ई-आईटीईसी कार्यक्रमों सहित आईटीईसी क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अंतर्गत इस देश को क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना जारी रखा है।

चाड

मार्च 2018 में चाड के प्रधानमंत्री पाहिमी पडाके अल्बर्ट की भारत यात्रा और 2020 की शुरुआत में नई दिल्ली में इसके आवासी मिशन के उद्घाटन के बाद, चाड के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध तेजी से आगे बढ़े हैं। भारत द्वारा शीघ्र ही चाड में अपना आवासी मिशन खोले जाने की संभावना है। हालांकि कोविड महामारी के कारण जनवरी से अगस्त 2021 की अवधि में द्विपक्षीय व्यापार में कमी आई, लेकिन भारतीय निर्यात 6% बढ़कर 19 मिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। भारत ने आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत चाड के अधिकारियों को स्लॉट का आवंटन करना जारी रखा, जिसमें भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए आईसीसीआर द्वारा दी जानेवाली छात्रवृत्तियां भी शामिल हैं। चाड के नागरिक नियमित रूप से केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा में हिंदी भाषा के पाठ्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। चाड में रह रहे भारतीय समुदायों के साथ-साथ चाड के नागरिकों ने भी जून 2021 को आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।

कोट डी आइवर

व्यापार और निवेश के लिए व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान देने के साथ कोट डी आइवर सरकार के साथ भारत का जुड़ाव आगे बढ़ा। भारत और कोट डी आइवर ने 29 मार्च 2021 को आबिदजान में पहला विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) आयोजित किया। मंत्रालय के सचिव (ईआर) और कोट डी आइवर के विदेश मंत्रालय के महासचिव श्री दाउदा डायबेट ने विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता की।

भारत और कोट डी आइवर संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग के साथ काम कर रहे हैं, जिसमें विभिन्न संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए एक दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करना शामिल है।

अप्रैल से सितंबर 2021 की अवधि में भारत और कोट डी आइवर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 547 मिलियन अमरीकी डॉलर था। कोट डी आइवर को 100 आईटीईसी प्रशिक्षण स्लॉट और 7 आईसीसीआर छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं, जिनका प्रत्येक वर्ष संतोषजनक ढंग से उपयोग किया जा रहा है।

भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने पर और आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, मिशन कोविड प्रतिबंधों का पालन करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों में, बोनौआ (14 अगस्त 2021 को), एडज़ोप (11 सितंबर 2021 को) और डाबौ (02 अक्तूबर 2021 को) के सार्वजनिक अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर और जीवन रक्षक दवाओं का दान शामिल हैं। नवंबर और दिसंबर 2021 में देश के अन्य हिस्सों (अनायामा और योपौगों) में भी चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाने वाले हैं।

21 जून 2021 को सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम किया गया। 22 सितंबर 2021 को भारतीय समुदाय के बच्चों के लिए हिंदी कविता पाठ और हिंदी गीतों के गायन पर एक कार्यक्रम

आयोजित किया गया था।

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 08 दिसंबर 2021 को कोट डी आइवर के भारतीय समुदाय के साथ आभासी वार्ता की। मिशन भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने और एकेएएम के हिस्से के रूप में, 21-26 जनवरी 2021 तक एक विशेष आज़ादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मनाएगा, जिसमें अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ आबिदजान से यमौसुक्रो तक भारतीय टाटा कारों की भारत@75 कार रैली, चौथा इंडिया कोट डी आइवर बिजनेस फोरम, एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक स्वागत समारोह आयोजित किए जाएंगे।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य

इस वर्ष कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 13 सितंबर 2021 को उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री, महामहिम क्रिस्टोफ़ लुटुंडुला के साथ टेलीफोन पर वार्ता की।

विदेश व्यापार मंत्री, ज्यां-लुसिएन बुसा टोंगबा ने 14 जुलाई 2021 को भारत-अफ्रीका कॉन्क्लेव में भाग लिया।

डीआरसी ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन जारी रखा।

बांडुंडु प्रांत में काकोबोला जलविद्युत परियोजना से बिजली निकालने के लिए 34.50 मिलियन अमरीकी डॉलर की बिजली वितरण परियोजना पर काम चल रहा है और 2022 में इसके पूरा होने की संभावना है।

भारत ने विशेष रूप से आईसीसीआर छात्रवृत्ति और आईटीईसी क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से डीआरसी को क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना जारी रखा है। ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती (ई-वीबीएबी) ने दोनों देशों के बीच डिजिटल सेतु का काम किया।

भारत ने 2021-22 के दौरान एमओएनयूएससीओ (डीआरसी में संयुक्त राष्ट्र का स्थिरीकरण मिशन) को शांति स्थापना के उद्देश्य से 1858 सैन्य कर्मियों और 139 पुलिस कर्मियों का योगदान दिया।

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पर्याप्त आर्थिक साझेदारी द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ा रही है। अप्रैल-अगस्त 2021 के बीच की अवधि में, द्विपक्षीय व्यापार 240.72 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें भारत का निर्यात 236.02 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा और भारत ने 4.7 मिलियन अमरीकी डॉलर का सामान आयात किया। भारत कांगो के लिए एक प्रमुख स्वास्थ्य पर्यटन स्थल बना हुआ है, जबकि 10000 से अधिक भारतीय नागरिक डीआर कांगो में प्रबंधकीय और विशेषज्ञ स्तर के पदों पर काम कर रहे हैं।

मिशन आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जिसमें पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भूमध्यवर्ती गिनी(इक्वेटोरियल गिनी)

इक्वेटोरियल गिनी के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद गति और निरंतरता बनाए रखी। एयरो इंडिया 2021 में भाग लेने के लिए इक्वेटोरियल गिनी के उपराष्ट्रपति तेओदोरो न्गुएमा ओबियांग मंगू की भारत यात्रा के दौरान, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। चार सदस्यों वाली बीईएल टीम ने साइट सर्वेक्षण के लिए इक्वेटोरियल गिनी का दौरा किया और इक्वेटोरियल गिनी के रक्षा मंत्री, श्री कैंडिडो न्कोगो एंगोनो नचामा के नेतृत्व में ईजी टीम के साथ तकनीकी चर्चा की।

इक्वेटोरियल गिनी के स्वास्थ्य मंत्री श्री डिओस्डाडो विसेंट न्स्यू मिलंग और उद्योग और ऊर्जा के उप-मंत्री, श्री सेसर ऑगस्टो हिनेस्ट्रोसा गोमेज़ ने भारत-अफ्रीका प्रोजेक्ट एसोसिएशन पर 16 वें सीआईआई-एक्जिम बैंक कॉन्क्लेव के विशेष मंत्रिस्तरीय सत्रों में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। इक्वेटोरियल गिनी के स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय ने दोनों देशों द्वारा पूर्व हस्ताक्षरित पारंपरिक चिकित्सा पर सहयोग पर समझौता ज्ञापन के लिए, आगे के रास्ते पर चर्चा करने के लिए एक आभासी बैठक की।

विदेश मंत्री ने इक्वेटोरियल गिनी के विदेश मंत्री श्री शिमोन ओयोनो एसोनो एंगु को एक पत्र लिखा, जिसमें बाटा के विस्फोट पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गंभीर और हार्दिक संवेदना व्यक्त की। भारत ने विस्फोट पीड़ितों के लिए राहत सामग्री की 6 टन की खेप भेजी। मिशन ने पीड़ितों को 2000 किलो भारतीय चावल और अन्य खाद्य सामग्री की मानवीय सहायता भी प्रदान की। भारत सरकार ने इक्वेटोरियल गिनी में कृत्रिम अंग लगाने का शिविर स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह विशेष रूप से विस्फोट पीड़ितों के लिए इक्वेटोरियल गिनी को एक मूल्यवान मानवीय सहायता होगी।

कोविड महामारी के कारण पिछले वर्ष आई गिरावट की तुलना में 2021-22 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों में तेजी आई। द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2021-22 के पहले छह महीनों में पिछले वर्ष के व्यापार की मात्रा को पार कर चुका है। विकास साझेदारी के अंतर्गत, भारत ने आईटीईसी और आईसीसीआर छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के अंतर्गत इक्वेटोरियल गिनी को 33 स्लॉटों की पेशकश की। इक्वेटोरियल गिनी के रक्षा मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के प्रतिभागियों ने ई-आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

मिशन ने 21 जून 2020 को मालाबो में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया और "आज़ादी का अमृत महोत्सव" विषय पर भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों तक कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखा।

इक्वेटोरियल गिनी के उप-राष्ट्रपति तेओडोरो न्गुमा ओबियांग मंगू के नेतृत्व में

इक्वेटोरियल गिनी का प्रतिनिधिमंडल मार्च 2022 में गुजरात के गांधीनगर में आयोजित होने जा रहे डेफ-एक्सपो 2022 के 12वें संस्करण में भाग लेगा।

गैबॉन

वर्ष के दौरान गैबॉन के साथ राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह के द्विपक्षीय संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। गैबॉन ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन जारी रखा।

पिछले कुछ वर्षों में, पच्चीस से अधिक भारतीय कंपनियों को गैबॉन के विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में इकाइयां स्थापित करने के लिए लाइसेंस दिए गए हैं। अधिकांश भारतीय कंपनियां विनियर निर्माण के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पर्याप्त आर्थिक साझेदारी द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ा रही है। अप्रैल-अगस्त 2021 के बीच की अवधि में, द्विपक्षीय व्यापार 590.36 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें भारत का निर्यात 19.95 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा और भारत ने 570.41 मिलियन अमरीकी डॉलर के सामान का आयात किया था।

भारत ने विशेष रूप से आईसीसीआर छात्रवृत्ति और ई-आईटीईसी कार्यक्रमों सहित आईटीईसी क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से गैबॉन को क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना जारी रखा है।

मिशन आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है जिसमें पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

घाना

कोविड महामारी से उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों के बावजूद घाना के साथ भारत के संबंध समृद्ध होते रहे।

2 जुलाई 2021 को अकरा में सचिव (ईआर) और घाना के उप विदेश मंत्री, श्री क्वाकू अम्प्रतवम-सरपोंग की सह-अध्यक्षता में आयोजित दूसरे एफओसी ने मौजूदा संबंधों को और प्रोत्साहन दिया और सहयोग के कई क्षेत्रों पर पुनर्विचार करने और संबंधों को और मजबूत करने के लिए नए क्षेत्र चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर दिया। एफओसी में, भारत के ग्लोबल सेंटर फॉर न्यूक्लियर एनर्जी पार्टनरशिप और घाना परमाणु ऊर्जा आयोग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की छूट पर समझौता 01 जून 2021 को लागू हुआ। सितंबर 2021 में दोनों देशों द्वारा परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत ने अनुदान के रूप में 50,000 कोविशील्ड टीके देकर कोविड के खिलाफ लड़ाई में घाना का समर्थन किया और कोवैक्स पहल के अंतर्गत 6,00,000 'मेड इन इंडिया' टीकों की भी आपूर्ति की। घाना ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में विभिन्न चुनावों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

महामारी से आए व्यवधान के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि जारी रही और अप्रैल-सितंबर 2021 की अवधि के लिए द्विपक्षीय व्यापार 1,377.26 मिलियन अमरीकी डॉलर दर्ज किया गया। घाना के मंत्रियों ने भारत में आयोजित कई आभासी व्यापार कार्यक्रमों में भाग लिया। जुलाई में, सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव 2021 के 16 वें संस्करण में व्यापार और उद्योग मंत्री, ऊर्जा उप मंत्री, विदेश मामलों के उप मंत्री और क्षेत्रीय एकीकरण और रेल के उप मंत्री ने भाग लिया था। अगस्त में, घाना के ऊर्जा मंत्री ने अफ्रीका क्षेत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की क्षेत्रीय मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। सितंबर में, कृषि मंत्री ने सीआईआई भारत अफ्रीका कृषि और खाद्य प्रसंस्करण शिखर सम्मेलन में भाग लिया। अक्तूबर में, सीआईआई भारत-अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन में शिक्षा मंत्री ने प्रतिनिधित्व किया था। घाना के संचार और डिजिटलीकरण मंत्री ने अक्तूबर 2021 में आभासी रूप से आयोजित भारत-अफ्रीका आईसीटी एक्सपो और सम्मेलन में भाग लिया। घाना की महिला उद्यमियों ने फिक्की और संयुक्त राष्ट्र घाना द्वारा आयोजित महिला उद्यमियों के लिए भारत-घाना व्यापार और व्यापार सम्मेलन में भाग लिया। इस वर्ष, उच्चायोग ने घाना के अशांति, उत्तरी, सवाना, ऊपरी पूर्व और ऊपरी पश्चिम क्षेत्रों में भारत-घाना व्यापार सम्मेलन आयोजित किए।

घाना के साथ भारत की विकासात्मक भागीदारी जारी रही। घाना में कृषि मशीनीकरण सेवा केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए 150 मिलियन अमरीकी डॉलर, येंडी में पोर्टेबल जल प्रणाली के पुनर्स्थापन और उन्नयन के लिए 30 मिलियन अमरीकी डॉलर और विदेश सेवा संस्थान के निर्माण के लिए 7 मिलियन अमरीकी डॉलर के तीन किफायती ऋण वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं।

भारत ने आईटीईसी और आईसीसीआर छात्रवृत्तियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षिक, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करना जारी रखा है। 2021-22 के लिए, आईटीईसी के अंतर्गत घाना के सशस्त्र बलों को भारत में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 86 स्लॉट आवंटित किए गए थे, जिनका लाभ घाना उठा रहा है। इसी तरह, 2021-22 के लिए, घाना के छात्रों को विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए 35 आईसीसीआर छात्रवृत्ति आवंटित की गई, जिनका पूरी तरह से उपयोग किया गया है। ई-वीबीएबी नेटवर्क प्रोजेक्ट के अंतर्गत, घाना के 600 से अधिक छात्रों ने टेली-एजुकेशन पोस्ट ग्रेजुएट/अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन कराया है। उच्चायोग ने 21 मई 2021 को भारत-घाना भागीदारी दिवस मनाया जिसमें रक्षा/आईटीईसी/आईसीसीआर के पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

उच्चायोग ने इस वर्ष के दौरान, घाना के क्वामे नकरुमाह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बोलगटांगा तकनीकी विश्वविद्यालय, एसडी डोंबो यूनिवर्सिटी

ऑफ बिजनेस एंड इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट स्टडीज, हिला लिमन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज जैसे विभिन्न विश्वविद्यालयों और इन सभी विश्वविद्यालयों में स्थापित 'इंडिया कॉर्नर' को पुस्तकें दान कीं।

मिशन द्वारा 19 जून को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम के साथ सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया था। घाना के स्वास्थ्य मंत्री ने 21-22 जून तक आईसीसीआर और आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे उबंतु (यूबीयूएनटीयू) अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन को संबोधित किया।

02 अक्तूबर 2021 को, उच्चायोग ने अहिंसा पदयात्रा के साथ गांधी जयंती मनाया और भारत-घाना कोफी अन्नान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आईसीटी में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसमें घाना के सामान्य लोगों, अधिकारी, मीडिया, राजनयिक कोर के सदस्य और भारतीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एकेएएम (भारत @ 75) के अंतर्गत, मिशन ने "बीइंग डेमोक्रेसीज" पर भारत-घाना रक्षा भागीदारी दिवस, आयुर्वेद दिवस, भारत घाना संवाद के उद्घाटन व्याख्यान सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए। मिशन विश्व हिंदी दिवस, प्रवासी भारतीय दिवस, भारत व्यापार मंच: भारतीय व्यापार को मजबूत करना, भारत में अध्ययन मेला, फरवरी 2022 में संयुक्त व्यापार आयोग की बैठक और जनवरी-मार्च की अवधि में "लिंग पूर्वाग्रह" पर भारत घाना संवाद, 2022 आयोजित करने की योजना बना रहा है।

गिनी बिसाऊ

सचिव (ईआर) ने 05-06 जुलाई 2021 को गिनी बिसाऊ का दौरा किया, इस दौरे में उन्होंने राष्ट्रपति, उमारो सिसोको एम्बालो, उप-प्रधानमंत्री, सोरेस सांबो से भेंट की और विदेश मंत्रालय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की राज्य सचिव, सुश्री उडेफाती के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की चर्चा की।

भारत-गिनी-बिसाऊ द्विपक्षीय व्यापार 145 मिलियन अमरीकी डॉलर पर स्थिर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में मामूली रूप से बढ़ रहा है। मिशन ने खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत मशीनरी, ऑटो घटक, रक्षा क्षेत्र आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किए, जिसमें अनेक लोगों से भाग लिया और सहयोग के नए रास्ते तलाशने में मदद की।

आईटीईसी दिवस 11 सितंबर 2020 को मनाया गया। भारत ने, भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्ति सहित आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत बिसाऊ-गिनी अधिकारियों को बड़ी संख्या में स्लॉट प्रदान करना जारी रखा।

सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 जून 2021 में मनाया गया। भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के हिस्से के रूप में ऑनलाइन और ऑनसाइट दोनों तरह के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

लाइबेरिया

भारत और लाइबेरिया के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध बने रहे, हालांकि इस वर्ष कोई उच्च स्तरीय यात्रा नहीं हुई। मई 2021 में मोनरोविया में भारतीय आवासी मिशन की स्थापना के साथ, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। लाइबेरिया अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति और 2021-22 की अवधि के लिए यूएनएससी में अस्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी सहित विभिन्न चुनावों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता रहा है।

भारत ने कोविड महामारी से लड़ाई में सहायता के लिए, लाइबेरिया को 4.2 टन जीवन रक्षक दवाओं का उपहार दिया। 14-सैन्य अस्पताल का पूरा होना, एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सहयोग परियोजना है, जिसका उपयोग एकमात्र कोविड अस्पताल के रूप में किया जा रहा है। भारत सरकार नेदेश के एकमात्र कोविड अस्पताल, 14-सैन्य अस्पताल के निर्माण के लिए अनुदान के रूप में 2 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया था। भारत ने उपहार में 45 टाटा यात्री बसें और 5 अशोक लेलैंड दमकल ट्रक भी दिए।

भारत लाइबेरिया को प्रतिवर्ष 70 आईटीईसी स्लॉट और 10 आईसीसीआर छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिसका संतोषजनक उपयोग किया जा रहा है।

लाइबेरिया में भारत के पहले निवासी राजदूत ने 26 नवंबर 2021 को लाइबेरिया गणराज्य के राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया।

माली

कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद माली के साथ भारत के संबंध मजबूत होते रहे।

राष्ट्रपति और विदेश मंत्री ने 22 सितंबर 2021 को माली के स्वतंत्रता दिवस पर, माली के अपने समकक्षों, संक्रमण कालीन राष्ट्रपति और राज्य के प्रमुख कर्नल असिमी गोस्टा और विदेश मामलों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मंत्री, श्री अब्दुलाये दीप को बधाई दी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत के 100 मिलियन अमरीकी डॉलर के किफायती ऋण के अंतर्गत माली

में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना, सिकासो को माली की राजधानी बमाको से जोड़ने वाली 225 किलोवाट डबल सर्किट पावर ट्रांसमिशन लाइन के 393 किमी का निर्माण कार्य, कोविड महामारी की कठिनाइयों के बावजूद चल रहा है। इस परियोजना के 2022 के मध्य तक पूरा होने की आशा है।

भारत ने अपने ई-आईटीईसी कार्यक्रम और आईसीसीआर छात्रवृत्ति के माध्यम से, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षिक, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करना जारी रखा। वर्ष 2021-22 में, मालियन छात्रों द्वारा भारत में उच्च अध्ययन के लिए आईसीसीआर की अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना के 9 स्लॉटों का उपयोग किया गया है। ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती (ई-वीबीएबी) नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत माली के छात्रों के लिए विभिन्न विषयों में टेली-एजुकेशन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए काम चल रहा है, यह पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

वर्ष 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि होती रही और 200.94 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप-स्थायी प्रतिनिधि, माली के राजनीतिक परिवर्तन और आगामी विधायी और राष्ट्रपति चुनावों की तैयारी के संबंध में 23-24 अक्तूबर 2021 तक माली का दौरा करनेवाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

माली के खान, ऊर्जा और जल मंत्री, लैमिन सेडौ ट्रॅरे ने 26 अगस्त 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की ऑनलाइन क्षेत्रीय मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की।

एकेएएम के हिस्से के रूप में, माली में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। गाराना में 02-04 अप्रैल 2021 तक ले फेस्टिवल इंटरनेशनल डी डो में भारतीय संगीत और नृत्य प्रदर्शित किए गए। 29 मई 2021 को सेगौ शहर में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सेमिनार और सांस्कृतिक प्रदर्शन किए गए थे। 10 जुलाई 2021 को बमाको में आयोजित एक भारत-माली सांस्कृतिक संध्या को माली के टीवी चैनल टेली फ्रीक्वेंसी सैंट पर लाइव दिखाया गया। मिशन ने "एसोसिएशन डेस एलिव्स रिसोर्टिसेंट्स डी ल'कोले डौमानानी एट सिम्पैटिसेंट्स (एईआरईडीएस)" के सहयोग से, 22 सितंबर 2021 को माली के दक्षिणी सिकासो क्षेत्र में युवाओं के लिए एक मैराथन आयोजित किया था। 15 अगस्त 2021 को भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, चांसरी भवन के साथ-साथ बमाको के प्रतिष्ठित स्मारकों में से एक, टूर डी'आफ्रिक को भारतीय तिरंगे के रंगों से प्रकाशित किया गया था। माली में चल रहे एकेएएम के हिस्से के रूप में, भारत ने माली के विभिन्न शहरों में कई कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें दक्षिणी माली के शहर सिकासो में "ले कार्नावल डी सिकासो" (01-05 दिसंबर 2021) शामिल है, जहां भारत एकमात्र अतिथि देश था। भारत ने भारत-माली मित्रता, फिटनेस और युवाओं के बीच खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय खेल संघों के साथ भागीदारी की, जिसमें भारतीयों और माली के निवासियों के बीच क्रिकेट मैच (07 दिसंबर 2021) और स्कूली बच्चों के लिए बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर (10-12 दिसंबर 2021) शामिल हैं।)

सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व, माली में राजधानी बमाको के विभिन्न स्थानों के अलावा सेगौ, किता, टिम्बकटू, कुलिकोरो, सिकासो जैसे शहरों में कई योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। 02 अक्तूबर 2021 को गांधी जयंती और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर प्रसिद्ध गांधीवादी विद्वान डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और शांति के लिए वैश्विक उद्देश्य का एक आभासी वर्णन आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए 31 अक्तूबर 2021 को 'योग फॉर यूनिटी एंड फ्रेंडशिप' नामक योग सत्र का आयोजन किया गया।

माली की 10 सदस्यीय बहुमुखी संगीत और नृत्य मंडली 'चिकने सिसोको 5 तमंस' ने छत्तीसगढ़ सरकार, भारत के निमंत्रण पर 28-30 अक्तूबर 2021 तक रायपुर में राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव में भाग लिया।

भारत और माली ने संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर साथ मिलकर काम करना जारी रखा, जिसमें विभिन्न संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करना शामिल है।

मॉरिटानिया

कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत और मॉरिटानिया ने साथ मिलकर काम करना जारी रखा है।

द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए, भारत ने जून 2021 में नौआकचोट में अपना आवासी मिशन खोला।

कोविशील्ड, मेड-इन-इंडिया कोविड टीके, कोवैक्स व्यवस्था के माध्यम से 14 अप्रैल 2021 को मॉरिटानिया पहुंचे।

2020-21 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 94.41 मिलियन अमरीकी डॉलर का रहा।

भारत और मॉरिटानिया ने बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करना जारी रखा और विभिन्न संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

नाइजर

भारत और नाइजर कोविड महामारी द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के बावजूद एक-दूसरे के साथ जुड़ रहे हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने नाइजर में अपने नए समकक्षों को अप्रैल 2021 में अपना पद ग्रहण करने पर बधाई पत्र भेजे, जिसमें एकसाथ काम करने और मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के रास्ते तलाशने की इच्छा दोहराई गई।

भारत और नाइजर ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग बनाए रखा। भारत और नाइजर ने वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में साथ काम किया। दोनों देशों ने सुरक्षा परिषद में एक-दूसरे की पहलों और अन्य संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय निकायों में उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

नाइजर ने 13-15 जुलाई 2021 के बीच भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 16वें सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव, 21 और 22 अक्तूबर 2021 को भारत-अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन के दूसरा संस्करण, क्रमशः अगस्त और अक्तूबर 2021 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की क्षेत्रीय समिति और विधानसभा की बैठकों और भारत में ऑनलाइन आयोजित कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया ।

वर्ष 2020-21 में भारत और नाइजर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 91.15 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22.35% की वृद्धि दर्ज करता है।

नाइजर में विकास सहायता परियोजनाओं में अच्छी प्रगति हुई है। 34.54 मिलियन अमरीकी डॉलर के पूर्व किफायती ऋण से उपलब्ध अप्रयुक्त 7.69 मिलियन अमरीकी डॉलर के अंतर्गत 40 गांवों का सौर विद्युतीकरण लगभग पूरा हो चुका है। उसी किफायती ऋण के अंतर्गत पहले चालू किए गए 7 मेगावॉट के मालबाजा सौर ऊर्जा संयंत्र में 1 मेगावॉट की क्षमता वृद्धि का कार्य जारी है। नाइजर में ईसीओडब्ल्यूएएस बैंक (ईबीआईडी) के द्वारा, डोसो, टिलबेरी और ताहौआ के क्षेत्रों में 50 गांवों को आवृत करनेवाली 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर लागत की एक सौर ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना और निवेश और विकास के लिए एक किफायती ऋण दिया गया है। मराडी, डोसो और डिफ्फा क्षेत्र के राजधानी शहरों में पेयजल आपूर्ति नेटवर्क के उन्नयन और विस्तार के लिए, ईबीआईडी को विस्तारित किफायती ऋण के माध्यम से वित्त पोषित, 56.70 मिलियन अमरीकी डॉलर के एक नये किफायती ऋण को मंजूरी दी गई है। नाइजर में 10 प्रसूति अस्पतालों के सौर विद्युतीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) से 50,000 अमरीकी डॉलर की अनुदान सहायता को भी कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया है। ईबीआईडी को विस्तारित 500 मिलियन अमरीकी डॉलर के किफायती ऋण में से नाइजर को दो अतिरिक्त परियोजनाएं आवंटित की गई हैं, जिनमें से एक पुनर्वास स्थलों के विद्युतीकरण और कंदादजी बांध के निर्माण से प्रभावित क्षेत्रों के विद्युत वितरण नेटवर्क का उन्नयन के लिए 10.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर लागत की परियोजना है और दूसरी कंडाडजी बांध के पुनर्वास स्थलों के लिए 14.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की एक कृषि सिंचाई परियोजना है। औपचारिक अनुमोदन के लिए इन परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

भारत ने नाइजर में कोविड महामारी के प्रबंधन का समर्थन करने के लिए कोविशील्ड टीकों की 25,000 खुराकें दान कीं। भारत ने नाइजर के टीकाकरण कार्यक्रम के प्रबंधन में को-विन प्लेटफॉर्म को लागू करने में तकनीकी सहायता देने का प्रस्ताव दिया है। नाइजर विभिन्न विकासात्मक चुनौतियों के लिए अभिनव डिजिटल समाधान विकसित करने के लिए भारत द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन भारत-अफ्रीका हैकथॉन में भाग ले रहा है।

भारत ने 2021-22 में महामारी की अवधि में पूरी तरह से ऑनलाइन आयोजित किए गए आईटीईसी कार्यक्रम के माध्यम से विविध विषयों में शैक्षिक और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करने में नाइजर को अपना समर्थन जारी रखा। 2021-22 में नाइजर द्वारा आईटीईसी के अंतर्गत तीन रक्षा प्रशिक्षण स्लॉटों का उपयोग किया गया है। पांच नाइजीरियाई छात्रों ने वर्ष 2021-22 में भारत में उच्च अध्ययन के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्तियां प्राप्त की।

मिशन ने जून 2021 में नियामे में तीन प्रमुख स्थानों पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मिशन ने 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 21 अगस्त 2021 को नाइजीरियाई कलाकार के हिंदी गीतों को प्रस्तुत करते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

नाइजर के रक्षा मंत्री, महामहिम श्री अल्कासौम इंदातौ के मार्च 2022 में डिफेंस एक्सपो-2022 में भाग लेने की आशा है।

नाइजीरिया

भारत और नाइजीरिया के बीच मधुर, मैत्रीपूर्ण और गहरे द्विपक्षीय संबंध हैं। दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय उपनिवेशवाद विरोधी और रंगभेद विरोधी संघर्ष में सबसे आगे थे और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों में घनिष्ठ सहयोग किया। उच्च स्तरीय कार्यकलापों ने द्विपक्षीय संबंधों को गति प्रदान करना जारी रखा। विदेश मंत्री ने अप्रैल 2021 में अपने नाइजीरियाई समकक्ष, जेफ्री ओनेयामा के साथ टेलीफोन पर दो बार वार्ता की। उन्होंने विश्व राजनीति में कई मौजूदा मुद्दों और विश्व व्यापार संगठन सहित बहुपक्षीय मंचों में सहयोग पर चर्चा की। अक्तूबर 2021 में, अपनी भारत यात्रा के दौरान, विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक डॉ. नोगोजी ने प्रधानमंत्री से भेंट की। उन्होंने विदेश मंत्री और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से भी भेंट की। नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बाबगाना मोंगुनो के नेतृत्व में नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने मार्च 2021 में एनएसए के स्तर पर भारत और नाइजीरिया के बीच पहली रणनीतिक और आतंकवाद विरोधी वार्ता के लिए नई दिल्ली का दौरा किया। अक्तूबर 2021 में, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान (एनआईएसएस) के एक 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्ययन दौरे के एक हिस्से के रूप में भारत का दौरा किया, इस यात्रा में उन्होंने डिप्टी एनएसए से भेंट की और एसआईडीएम और सीआईआई के साथ वार्ता भी की। नाइजीरिया के साथ हमारी साझेदारी का सभी पहलुओं में विस्तार हुआ है, जिसमें जहाज डिजाइन और निर्माण, रक्षा अनुसंधान और विकास, समुद्री प्रशिक्षण आदि में सहयोग जैसे नए रास्ते शामिल हैं। भारत ने भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्ति सहित आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत नाइजीरियाई अधिकारियों को बड़ी संख्या में स्लॉट प्रदान करना जारी रखा है।

महामारी के प्रतिकूल प्रभाव के कम होने के साथ-साथ, अप्रैल-अगस्त 2021

की अवधि के लिए, 96% की तेजी के साथ द्विपक्षीय व्यापार 5.5 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचा और, भारतीय निर्यात 117% की वृद्धि के साथ लगभग 2 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय खनिज तेल, फार्मास्यूटिकल्स (टीके सहित), वाहनों और वस्त्रों की आपूर्ति में वृद्धि जारी रही, जबकि अक्तूबर 2021 तक इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कंट्रोल ऑफ इंडिया (ईईपीसी), इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईएससी), फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ), इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), प्रोग्रेस हार्मनी डेवलपमेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) आदि जैसे प्रमुख भारतीय चैंबर्स और नाइजीरिया स्टेकहोल्डर्स के बीच 16 से अधिक ऑनलाइन व्यापारिक वार्ता/बी2बी बैठकें आयोजित की गईं, जिन्होंने आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों में गति को आगे बढ़ाने में मदद की। 15 जुलाई 2021 को, नाइजीरिया के उद्योग, व्यापार और निवेश मंत्री, महामहिम रिचर्ड अदेबायो ने भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 16वें सीआईआई-एक्जिम बैंक कॉन्क्लेव के मंत्रिस्तरीय सत्र में आभासी रूप से भाग लिया। 07 अक्तूबर 2021 को, नाइजीरियाई संचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्री, डॉ. ईसा अली पंतमी ने आईसीसी कोलकाता द्वारा आयोजित स्टार्टअप इंडिया वीक में आभासी रूप से भाग लिया। वर्तमान में 135 से अधिक भारतीय कंपनियां नाइजीरिया में दूरसंचार, खनन, तेल और गैस, मोटर वाहन, फार्मास्यूटिकल्स, वित्तीय सेवाओं और खुदरा सहित विविध क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

वर्ष के दौरान भारत के रक्षा कार्यकलापों में भी सहयोग को आगे बढ़ते और विविधीकरण करते देखा गया है। सैन्य सलाहकार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) के नेतृत्व में नौ सदस्यीय उच्च स्तरीय रक्षा स्कोपिंग प्रतिनिधिमंडल ने 13 से 17 सितंबर 2021 तक नाइजीरिया का दौरा किया। डिफेंस स्कोपिंग प्रतिनिधिमंडल में सेना के तीनो विंग, एनएससीएस, रक्षा मंत्रालय, भारत के रक्षा उद्योगों के मंत्रालय और प्रतिनिधि शामिल थे। मार्च 2021 में, भारत के थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) और नाइजीरिया के थल सेना प्रमुख ने पहली बार टेलीफोन पर वार्ता की। सितंबर 2021 में, कमांडेंट आर्मी वॉर कॉलेज नाइजीरिया (एडब्ल्यूसीएन) ने आर्मी वॉर कॉलेज, महू का दौरा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। अगस्त 2021 में, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने जीएसएल, गोवा में नाइजीरियाई नौसेना कर्मियों के लिए शिप डिज़ाइन और आर्किटेक्चर पर 2 सप्ताह का कैप्सूल आयोजित किया। इस अवधि में नाइजीरियाई नौसेना के नौसेना इंजीनियरिंग प्रमुख (सीओएनई) ने भी जीएसएल का दौरा किया। अगस्त 2021 में, डीजी रक्षा अनुसंधान और विकास ब्यूरो (डीआरडीबी) ने एक आईईडी डिटेक्टर के चल रहे संयुक्त विकास के संबंध में डीआरडीओ और आईआरडीई का दौरा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। जून 2021 में, उच्चायुक्त ने लागोस में नाइजीरिया की विशेष समुद्री सुरक्षा अवसंरचना परियोजना (जिसे डीप ब्लू प्रोजेक्ट के रूप में जाना जाता है) के कार्यान्वयन कार्यक्रम में भाग लिया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और नाइजीरियाई सेना के बीच 06x नाइजीरियाई सेना के विमानन पायलटों के पहले बैच के उड़ान प्रशिक्षण के संचालन के लिए समझौता ज्ञापन पर अप्रैल 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे और प्रशिक्षण जुलाई 2021 में शुरू हुआ था। अप्रैल 2021 में, भारतीय सेना मोबाइल प्रशिक्षण टीम (आईएएमटीटी) ने नाइजीरिया में अपनी तीन महीने की तैनाती पूरी की और लगभग प्रशिक्षित होकर वापस लौट आई। सीआई/सीटी ऑपरेशन में नाइजीरियाई सेना के 200 जवानों ने हिस्सा लिया। रक्षा नीति और योजनाओं के प्रमुख, रक्षा मुख्यालय, एवीएम चार्ल्स ओघोमवेन के नेतृत्व में सैन्य, अनुसंधान एवं विकास और उद्योग के प्रतिनिधियों वाले नाइजीरियाई रक्षा प्रतिनिधिमंडल ने फरवरी 2021 में बैंगलोर में एयरो इंडिया शो में भाग लिया। 2021-22 के दौरान नाइजीरिया के लिए कुल 143 रक्षा आईटीईसी स्लॉट प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें से 28 का उपयोग (अक्तूबर 2021) किया गया।

भारत की कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) और नाइजीरियाई कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (एनजी-सीईआरटी) के बीच 26 अक्तूबर 2021 को 'साइबर सुरक्षा' पर एक सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय सेना के सीओएएस ने अपने नाइजीरियाई समकक्ष के साथ टेलीफोन पर बात की थी। नाइजीरिया के रक्षा मंत्री ने डेफएक्स्पो 2022 में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जनवरी-मार्च 2021 की अवधि के दौरान अन्य प्रस्तावित यात्राओं में राष्ट्रीय औषधि कानून प्रवर्तन एजेंसी के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दौरा भी शामिल है। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच हाइड्रोग्राफी पर समझौता ज्ञापन और एनडीसी, नई दिल्ली और एनडीसी, अबुजा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है। युवा विनिमय कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, नाइजीरिया के राष्ट्रीय युवा सेवा कोर (एनवाईएससी) की 10 सदस्यीय टीम 2022 के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगी।

2 मार्च 2021 को, भारत सरकार ने जीएवीआई की कोवैक्स योजना के अंतर्गत नाइजीरिया को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के कोविशील्ड वैक्सीन की 3.92 मिलियन खुराकों की एक खेप पहुंचाई। कोविशील्ड वैक्सीन एनएएफडीएसी द्वारा अनुमोदित पहली कोविड वैक्सीन है। इसके अलावा, भारत ने 26 मार्च 21 को नाइजीरिया को कोविशील्ड टीकों की 100,000 खुराक भी उपहार में दी।

संघीय शिक्षा मंत्रालय, नाइजीरिया और टीसीआईएल ने सितंबर 2021 में ई-वीबीएबी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, भारत ने 15000 छात्रों को निःशुल्क टेली-शिक्षा और 1000 डॉक्टरों और पैरामेडिक्स को निःशुल्क टेली-मेडिसिन देने का प्रस्ताव दिया है। वर्ष 2021-22 में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने भारत में स्नातक, स्नातकोत्तर और उच्च पाठ्यक्रमों के लिए नाइजीरियाई नागरिकों के लिए "आईसीसीआर अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना" के अंतर्गत 20 छात्रवृत्तियां देने का प्रस्ताव दिया है। 2021-22 में ई-आईटीईसी (21 अक्तूबर तक) के अंतर्गत नाइजीरिया द्वारा कुल 102 नागरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उपयोग किया गया है। स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 1500+ नाइजीरियाई छात्रों ने विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लिया।

नाइजीरिया में भारतीय समुदाय के लगभग 50,000 व्यक्तियों- लगभग 45,000 भारतीय नागरिक और लगभग 5,000 ओसीआई के होने का अनुमान है। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने जून 2021 में नाइजीरिया में रह रहे भारतीय समुदाय से आभासी रूप में वार्ता की। मिशन ने नाइजीरियाई

सुरक्षा बलों के साथ समन्वय में दो भारतीयों की सुरक्षित रिहाई में सहायता की। इनमें से 30 अप्रैल 2021 को (i) श्री सतेंद्र भीमलेश को, जिन्हें 18 अप्रैल 2021 को अबूजा में एक संगमरमर की झंझरी फैक्ट्री से बंदूकधारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था और (ii) 05 सितंबर 2021 को श्री पंकज कुमार, नाविक को रिहा कराया गया, समुद्री लुटेरे 29 अक्तूबर 2021, को गैबॉन में जहाज एमवी टैम्पेन से श्री पंकज कुमार को अगवा कर नाइजीरिया लाये थे। मिशन, जहाज पर पाए जाने वाले ड्रग्स में कथित संलिप्तता के लिए मुकदमे का सामना कर रहे, जहाज एमवी स्पार स्कॉर्पियो के 06 नाविकों को भी राजनयिक सहायता प्रदान कर रहा है। जनवरी 2021 में, भारतीय संस्कृति संघ (आईसीए), लागोस, नाइजीरिया को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) प्रदान किया गया। नाइजीरिया के किसी व्यक्ति या संगठन के लिए यह अब तक का पहला पुरस्कार है। अफरी थिएटर आर्टिस्ट समूह के 10 सदस्यों ने अक्तूबर 2021 से छत्तीसगढ़ के रायपुर में दूसरे राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव में सफलतापूर्वक भाग लिया। आईसीसीआर सांस्कृतिक मंडली बाबा गोरेनाथ गोटीपुआ डांस एसोसिएशन ने 01-06 नवंबर 2021 तक नाइजीरिया का दौरा किया और अबूजा और लागोस में सफलतापूर्वक प्रदर्शन किये। मिशन ने जून 2021 में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और चल रहे एकेएएम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

एकेएएम मिशन के अंतर्गत 75 स्कूलों/संगठनों को विभिन्न विषयों पर किताबें उपहार में देना शुरू किया गया।

कांगो गणराज्य

भारत और कांगो गणराज्य के बीच सौहार्दपूर्ण और मधुर संबंध हैं। भारत कांगो गणराज्य का एक महत्वपूर्ण विकास भागीदार है।

भारत सरकार के नियंत्रण के अंतर्गत कांगो गणराज्य को तीन परियोजनाएं प्रस्तावित की जा रही है, जो निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं - (i) ग्रीनफील्ड 600 टीपीडी रोटरी भट्ठा आधारित सीमेंट संयंत्र के लिए 55 मिलियन अमरीकी डॉलर का किफायती ऋण (ii) ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए 70 मिलियन अमरीकी डॉलर का किफायती ऋण और (iii) ब्राज़ाविल और पोइंटे-नोयर शहरों के लिए शहरी परिवहन प्रणाली के विकास के लिए 89.90 मिलियन अमरीकी डॉलर का किफायती ऋण। भारत ने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अंतर्गत भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए कांगो के नागरिकों को स्लॉट प्रदान करना जारी रखा है।

इस वर्ष एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में, कांगो ने एक प्रमुख शहर के चौराहे पर महात्मा गांधी की प्रतिमा की स्थापना और राजधानी शहर ब्रेज़ाविल में महात्मा गांधी के नाम पर सड़क का नामकरण करने के लिए अपनी स्वीकृति दे दी है। मिशन ने, एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में, 14 अप्रैल, 2021 को डॉ. बी आर अंबेडकर की 130 वीं जयंती, जून 2021 में सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 02 अक्तूबर 2021 को महात्मा गांधी जयंती समारोह, 31 अक्तूबर, 2021 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह, 02 नवंबर 2021 को आयुर्वेद दिवस, 18 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस और 26 नवंबर को संविधान दिवस (भारत का संविधान दिवस) कार्यक्रम मनाया।

गिनी गणराज्य

अगस्त 2019 में राष्ट्रपति जी की गिनी यात्रा के बाद, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आगे बढ़ाने में एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है। नेशनल एजेंसी फॉर सैनिटरी एंड हेल्थ सिक्योरिटी (एएनएसएस), गिनी के स्वास्थ्य मंत्रालय, गिनी गणराज्य के एक शीर्ष निकाय के तीन अधिकारियों ने 05 जुलाई 2021 को आभारी रूप से आयोजित को-विन ग्लोबल कॉन्क्लेव में भाग लिया। ई-वीबीएबी नेटवर्क परियोजना के कार्यान्वयन के लिए, टीसीआईएल ने कंप्यूटर, प्रिंटर, टीवी, यूपीएस, सीसीटीवी, आदि की आपूर्ति की और उन्हें गमाल अब्देल नासर विश्वविद्यालय गिनी में शिक्षण केंद्र में स्थापित किया। इस केंद्र का उद्घाटन 27 जुलाई 2021 को हुआ था।

एक सैन्य विद्रोह के बाद, विद्रोह के नेता और रैली और विकास (सीएनआरडी) की राष्ट्रीय समिति के प्रमुख, कर्नल ममदी डौम्बौया ने सत्ता पर कब्जा कर लिया और संसद (नेशनल असेंबली), सरकार को भंग कर दिया और संविधान को समाप्त कर दिया। कर्नल ममादी डौंबौया ने 01 अक्तूबर 2021 को अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली और श्री मोहम्मद बेवोगुई को संक्रमणकालीन सरकार में प्रधानमंत्री नामित किया।

मिशन ने एकेएएम के हिस्से के रूप में, नवंबर के महीने में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, संविधान दिवस और आयुर्वेद दिवस को बढ़ावा देने के लिए दिवाली मनाई।

साओ टोम और प्रिंसिपे

भारत और साओ टोम और प्रिंसिपे (एसटीपी) के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, सितंबर 2020 में साओ टोम में भारतीय आवासी मिशन के उद्घाटन के साथ इसे और बढ़ावा मिला है।

एसटीपी ने 2017 में यूनेस्को की कार्यकारी परिषद में भारत की सदस्यता सहित कई बहुपक्षीय मंचों के चुनावों में लगातार भारत का समर्थन किया है। एसटीपी ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए

भारत का समर्थन किया है। दोनों देशों ने विदेश कार्यालय परामर्श के संबंध में एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत को जुलाई 2021 में, पुर्तगाली भाषा बोलनेवाले देशों के एक संगठन, पुर्तगाली भाषी देशों के समुदाय (सीपीएलपी) में एसोसिएट ऑब्जर्वर के रूप में शामिल किया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और इसकी समकक्ष एजेंसी, दूरसंचार के लिए सामान्य नियामक प्राधिकरण एजीईआर ने एसटीपी में टेलीमेट्री अर्थ स्टेशन की स्थापना पर कार्यान्वयन समझौते (आईए) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया पूरी की। 2022 की पहली तिमाही के दौरान इसरो और इसकी समकक्ष एजेंसी, एजीईआर के बीच आईए पर हस्ताक्षर किए जाने की आशा है।

आलोच्य अवधि में, दोनों देशों ने कोविड स्थिति से निपटने के लिए अपने सहयोग को और गहरा किया। शुरू में, एसटीपी ने जून 2021 में यूएनडीपी साओ टोम के माध्यम से मेड-इन-इंडिया कोविड वैक्सीन, कोविशील्ड की 26,000 शीशियों की आपूर्ति की। इसके बाद स्थानीय मांगों को पूरा करने के लिए नियमित खरीद व्यवस्था की गई। भारत ने 95,000 यूरो की दवाएं दान में दीं, जो 04 जून 2021 को साओ टोम के स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. एडगर नेव्स को सौंपी गईं।

मिशन ने, एकेएम के हिस्से के रूप में, भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह, महात्मा गांधी की जयंती, भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग, एक पर्यटन स्थल के रूप में भारत का परिचय, राष्ट्रीय एकता दिवस और छठे आयुर्वेद दिवस सहित कई कार्यक्रमों/गतिविधियों का आयोजन किया।

भारत सरकार ने, एसटीपी के लिए एसएमई, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों के विकास के लिए 15 मिलियन अमरीकी डॉलर के किफायती ऋण की घोषणा की है।

एसटीपी ने आईएसए पर फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसकी पुष्टि की। साओ टोम और प्रिंसिपे आईएएफएस-I निर्णय के अंतर्गत भारत सरकार के पैन-अफ्रीकी ई-नेटवर्क प्रोजेक्ट, ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती (ई-वीबीएबी) में शामिल होने वाला सैंतालीसवां देश बन गया।

सेनेगल

वर्ष के दौरान सेनेगल के साथ संबंध गहरे और मजबूत होते रहे। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने सेनेगल के विदेश मंत्री के साथ भारत-सेनेगल संयुक्त आयोग की तीसरी बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए 04-05 नवंबर 2021 तक सेनेगल का दौरा किया।

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) की यात्रा के दौरान, राज्य मंत्री ने राष्ट्रपति मैकी साल से भी भेंट की। यात्रा के दौरान दो समझौता ज्ञापनों: (i) स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन; और (ii) राजनयिकों के प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने सेनेगल के डिजिटल अर्थव्यवस्था और दूरसंचार मंत्री से भी भेंट की। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने अपनी यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय से भी वार्ता की। भारत की आज़ादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के हिस्से के रूप में ऑनलाइन और ऑनसाइट दोनों तरह के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

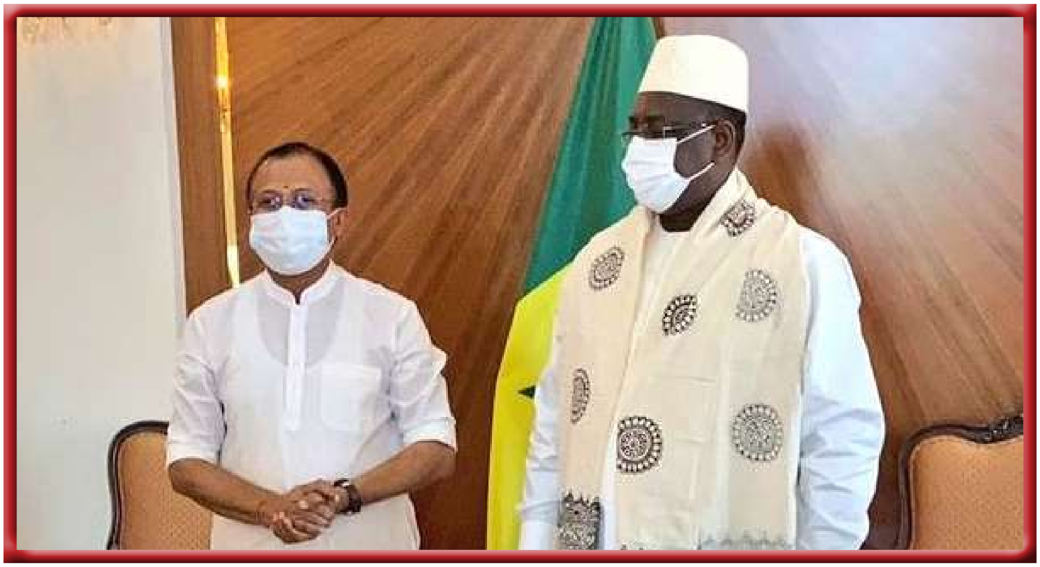

विदेश राज्य मंत्री (वी. मुरलीधरन) ने नवंबर 2021 में अपनी सेनेगल यात्रा के दौरान सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी साल से मुलाकात की

सचिव (ईआर) ने 05-06 जुलाई 2021 को गिनी बिसाऊ का दौरा किया, और सेनेगल से होकर अपने पारगमन के दौरान, सेनेगल के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार से भेंट की।

सेनेगल के रोजगार, व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षुता और समावेश मंत्री, श्री डेम डियोप 21 अक्तूबर 2021 को आभासी रूप से आयोजित सीआईआई के उद्घाटन सत्र: भारत-अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन में शामिल हुए।

भारत-सेनेगल द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 1.1 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्शाता है, क्योंकि भारत से चावल के निर्यात में काफी वृद्धि हुई है। डकार में हमारे दूतावास ने खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत मशीनरी, ऑटो घटक, रक्षा क्षेत्र आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिसमें अनेक लोगों ने भाग लिया और सहयोग के नए रास्ते तलाशने में मदद की।

विकास साझेदारी में, चावल में आत्मनिर्भरता के लिए लिफ्ट सिंचाई, ग्रामीण विद्युतीकरण, मत्स्य विकास के लिए कोल्ड स्टोरेज, सार्वजनिक परिवहन के लिए बसों की आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के डिजिटलीकरण सहित कई परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

भारत ने मार्च 2021 में सेनेगल को कोविड वैक्सीन की 25,000 खुराक दान की, और कोवैक्स सुविधा के अंतर्गत भारत में बने कोविड टीकों की 3,24,000 खुराक की आपूर्ति भी की।

सिएरा लिओन

अगस्त 2020 में फ्रीटाउन में एक आवासीय मिशन की स्थापना के साथ, भारत-सिएरा लियोन के द्विपक्षीय संबंध 2021-22 में और मजबूत हुए।

प्रधानमंत्री 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी26 के दौरान, सिएरा लियोन गणराज्य के राष्ट्रपति, महामहिम ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जूलियस माडा वोनी बायो से मिले, दोनों नेताओं ने पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर राष्ट्रपति बायो की भारत यात्रा पर सहमति व्यक्त की।

भारत और सिएरा लियोन के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का 25-26 मार्च 2021 को फ्रीटाउन में उद्घाटन हुआ, जिसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव (ईआर) और सिएरा लियोन का नेतृत्व महानिदेशक, महामहिम सुश्री फ्लोरेंस बेंगालीई ने किया। बैठक के दौरान, दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने द्विपक्षीय साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की और क्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय हितों के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति, महामहिम ब्रिगेडियर सेवानिवृत्त जूलियस माडा वोनी बायो और विदेश मंत्री महामहिम सुश्री नबीला व्यूनिस से भी भेंट की।

सिएरा लियोन गणराज्य के तकनीकी और उच्च शिक्षा मंत्री, महामहिम प्रो. अल्फा तेजन वूरी ने, 09 जुलाई 2021 को भारत की सहायता से फोराह बे कॉलेज, सिएरा लियोन विश्वविद्यालय में स्थापित लर्निंग सेंटर का उद्घाटन किया। ईवीबीएबी (ईविद्या भारती ई आरोग्य भारती) कार्यक्रम के अंतर्गत पंजीकृत 200 से अधिक छात्र चयनित भारतीय विश्वविद्यालयों से जुड़े ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के बुनियादी ढांचे से लाभान्वित हो रहे हैं।

आलोच्य वर्ष में सिएरा लियोन के अधिकारियों के लिए विभिन्न भारतीय संस्थानों द्वारा कई विशेष आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें (i) सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस) द्वारा सिएरा लियोन के राजनयिकों के लिए 2-सप्ताह का कार्यक्रम; (ii) सिएरा लियोन नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (एसएलसीएए) के लिए ईआईटीईसी के अंतर्गत 3 सप्ताह का कार्यक्रम; और (iii) इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) द्वारा सिएरा लियोन राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अधिकारियों के लिए ईआईटीईसी के अंतर्गत एक 3-दिवसीय कार्यक्रम शामिल हैं। सिएरा लियोन के राष्ट्रीय चुनाव आयोग की 7 सदस्यीय तकनीकी टीम के लिए दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम में 30 नवंबर से 10 दिसंबर 2021 तक आईसीटी और डेटा प्रबंधन प्रणालियों में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

भारत सिएरा लियोन का एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार बना रहा और सिएरा लियोन द्वारा आयात के मामले में पाँचवें स्थान पर रहा। 2020-21 में सिएरा लियोन को भारत का निर्यात 152.11 मिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो 2019-20 की तुलना में लगभग 30% की वृद्धि दर्ज करता है।

भारत ने 22 अक्तूबर 2021 को वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से, न्यूनतम विकसित देशों (एलडीसी) के लिए उपलब्ध ड्यूटी फ्री टैरिफ वरीयता (डीएफटीपी) योजना के अंतर्गत लाभार्थी देशों में सिएरा लियोन को शामिल किया। यह योजना लाभार्थियों को भारत की लगभग 98.2% टैरिफ लाइनों पर शुल्क मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करती है।

गाम्बिया

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 01-02 नवंबर 2021 तक गाम्बिया का दौरा किया। यात्रा के दौरान विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने गाम्बिया के राष्ट्रपति श्री अदामा बैरो से शिष्टाचार भेंट की; विदेश मामलों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विदेश में गाम्बियाई लोगों के मंत्री, डॉ ममादौ तंगारा के साथ आमने-सामने चर्चा की; इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई; उन्होंने नेशनल असेंबली के अध्यक्ष से भेंट की और भारतीय समुदाय के साथ संवादात्मक

बैठक की। उन्होंने देश में विभिन्न भारतीय किफायती ऋण परियोजना स्थलों का भी दौरा किया और उनके कार्यान्वयन की समीक्षा की। यात्रा के दौरान दो समझौतों: सहयोग के लिए सामान्य ढांचा समझौता जो संयुक्त आयोग की स्थापना को सक्षम करेगा और, राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, 'मेड-इन-इंडिया' डायलिसिस मशीनों की खरीद के लिए 500,000 अमरीकी डॉलर के अनुदान के पुन: प्रयोजन के संबंध में एक घोषणा की गई थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार को गहरा और व्यापक बनाने के तरीकों का पता लगाने के लिए संयुक्त व्यापार समितियां स्थापित करने पर भी सहमति व्यक्त की। गाम्बिया ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के संदर्भ में एक डाक टिकट का डिज़ाइन जारी किया। भारत की आज़ादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के हिस्से के रूप में ऑनलाइन और ऑनसाइट दोनों तरह के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

डीएआरपीजी (प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार) और पीएससी (लोक सेवा आयोग, गाम्बिया के राष्ट्रपति का कार्यालय) के बीच 08 जुलाई 2021 को कार्मिक प्रशासन और शासन सुधारों में द्विपक्षीय सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक नवंबर 2021 में हुई थी।

भारत-गाम्बिया द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 168 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के समान था। डकार में हमारे दूतावास ने खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत मशीनरी, ऑटो घटक, रक्षा क्षेत्र आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिसमें अनेक लोगों ने भाग लिया और सहयोग के नए रास्ते तलाशने में मदद की।

विकासात्मक साझेदारी में, दो किफायती ऋण परियोजनाओं: ग्रेटर बंजुल क्षेत्र में एस्बेस्टस वाटर पाइप्स को यूपीवीसी पाइपों से बदलना और बिजली विस्तार परियोजना का कार्यान्वयन जारी रहा।

भारत ने मार्च 2021 में गाम्बिया को कोवैक्स सुविधा के अंतर्गत मेड-इन-इंडिया कोविड टीकों की 36,000 खुराक की आपूर्ति की।

आईसीसीआर ने वर्ष 2021-22 के लिए आईसीसीआर अफ्रीका छात्रवृत्ति के अंतर्गत गाम्बिया के लिए 56 स्लॉट मंजूर किए, जिनमें से 46 छात्र/अध्येता पहले ही भारत की यात्रा कर चुके हैं।

एसएसआईएफएस, नई दिल्ली में 30 गैम्बियन राजनयिकों के लिए 14 से 27 नवंबर 2021 तक एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

टोगो

पिछले वर्ष भारत के पहले आवासी मिशन की स्थापना के साथ, भारत और टोगो के बीच घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंधों को गति मिली।

टोगो ने 27 अगस्त 2021 को आयोजित 27वीं कांग्रेस में पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल (पीओसी) और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के प्रशासन परिषद के लिए भारत की उम्मीदवारी और आईएईए के बाहरी लेखा परीक्षक के रूप में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की उम्मीदवारी का समर्थन किया। जिसके लिए 24 सितंबर 2021 को चुनाव हुए थे। भारत ने आईएलओ के महानिदेशक के पद के लिए तोगोली की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

तोगोली के व्यापार मंत्री, श्री एडदेज़े कोदजो ने 13 से 15 जुलाई 2021 को आभासी रूप से आयोजित 16वें सीआईआई-एक्जिम बैंक डिजिटल कॉन्क्लेव में पांच सदस्यीय तोगोली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। टोगो के पांच विशेषज्ञों ने 05 जुलाई को आयोजित को-विन ग्लोबल कॉन्क्लेव में भाग लिया। टोगोली के कृषि, पशुधन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 14-15 सितंबर 2021 को आभासी रूप से आयोजित सीआईआई भारत-अफ्रीका कृषि और खाद्य प्रसंस्करण शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

भारत और टोगो के बीच व्यापार 2020-21 में 1,847 मिलियन अमरीकी डॉलर का रहा, जिसमें टोगो को भारत का निर्यात 1,547 मिलियन अमरीकी डॉलर और टोगो से 300 मिलियन अमरीकी डॉलर का आयात हुआ।

भारत और टोगो ने फोटो-वोल्टाइक सिस्टम के माध्यम से 350 गांवों के ग्रामीण विद्युतीकरण का समर्थन करने के लिए 40 मिलियन अमरीकी डॉलर की किफायती ऋण परियोजना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मिशन ने इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी) के साथ साझेदारी में 15-16 दिसंबर, 2021 को सॉफ्टवेयर उद्योग में भारतीय और टोगोली कंपनियों के साथ एक बी2बी बैठक आयोजित की, लोमे विश्वविद्यालय के दो तकनीकी प्रोफेसरों ने, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 13 दिसंबर 2021 को भारत-अफ्रीका हैकथॉन पर आयोजित एक आभासी बैठक में भाग लिया। टोगो के उच्च शिक्षा और अनुसंधान मंत्री, प्रो. मेजेस्टे इहोउ वतेबा ने 02 दिसंबर 2021 को मिशन द्वारा मनाए गए पहले आईटीईसी दिवस में भाग लिया। मिशन ने एपीडा के सहयोग से 01 अक्तूबर को आभासी बिजनेस इंटरेक्शन का भी आयोजन किया। इस आयोजन में दोनों पक्षों की 20 कंपनियों ने भाग लिया और गैर-बासमती चावल के भारतीय निर्यातकों के लिए अवसरों पर चर्चा की। मिशन ने भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से, यूनिवर्सिटी ऑफ लोमे टोगो के सीवी रमन फेलोशिप के पूर्व छात्रों के साथ एक वार्ता का आयोजन किया। इसमें टोगोली के 12 शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

टोगो के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने भारत-अफ्रीका हैकथॉन में टोगो की भागीदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक केंद्र बिंदु नामित किया

टोगो में 21 जून को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था, जिसमें भारतीय प्रवासी समुदाय के लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया था और उसके बाद हिंदी दिवस और गांधी जयंती का उत्सव मनाया गया था।

टोगो में एकेएएम के हिस्से के रूप में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया,

जिसमें प्रतिष्ठित होटल की प्रकाश सज्जा, वेबिनार, आईटीईसी के पूर्व छात्रों के साथ वार्ता, सांस्कृतिक प्रदर्शन आदि शामिल हैं।

मिशन ने राष्ट्रपति के सलाहकार द्वारा संचालित एक संगठन को दो कंप्यूटर, 15 फ्रेंच-टू-इंग्लिश डिक्शनरी और कुछ स्टेशनरी आइटम दान किए और कारा में स्टील क्यूब फैक्ट्री के साथ साझेदारी में लामा कोलाइड के एक स्कूल को 16 साइकिलें भेंट कीं।

पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका

बोत्सवाना

बोत्सवाना के राष्ट्रपति डॉ. एरिका काबेट्स्वे मोगवेत्सी मासी, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और बोत्सवाना के लोगों ने मार्च 2021 में 'भारत की वैक्सीन मैत्री पहल' के अंतर्गत कोविशील्ड की 30,000 खुराकों के दान का स्वागत और सराहना की।

द्विपक्षीय सहयोग में वृद्धि जारी रही। भारत लाभकारिता के लिए कच्चे हीरे के शीर्ष आयातकों में से एक है, और बोत्सवाना के रत्न-गुणवत्ता वाले हीरे के उत्पादन के वैश्विक प्रभुत्व ने घनिष्ठ सहयोग सुनिश्चित किया है। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र के अंगों के चुनाव सहित अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन किया। बोत्सवाना ने 28 अप्रैल 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की पुष्टि की।

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) और बोत्सवाना के अंतर्राष्ट्रीय मामलों और सहयोग के मंत्री, डॉ लेमोगांग क्वापे ने 17 जून 2021 को एक सफल आभासी वार्ता की।

राष्ट्रपति के मामलों, शासन और लोक प्रशासन मंत्री, श्री काबो मोरवेंग और रक्षा, न्याय और सुरक्षा मंत्री, श्री कगिसो मुमुसी ने 25-26 सितंबर 2021 को भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग दिवस (आईटीईसी) दिवस समारोह में भाग लिया। फ्रांसिसटाउन के मेयर, श्री गोडिसांग रैडिसिगो, 'इंडिया@75' मनाने के लिए 16 अगस्त 2021 को भारतीय प्रवासियों के साथ वृक्षारोपण समारोह में शामिल हुए।

बोत्सवाना के उपराष्ट्रपति, श्री स्लम्बर सोगवाने ने 13 से 15 जुलाई, 2021 तक भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर भारतीय उद्योग-निर्यात आयात बैंक (सीआईआई-एक्जिम) वर्चुअल कॉन्क्लेव के 16वें संस्करण में बोत्सवाना प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी का नेतृत्व किया। विषयगत सत्रों में दो कैबिनेट मंत्रियों, कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा मंत्री, श्री काराबो सुकरात गारे, और स्वास्थ्य और कल्याण मंत्री, डॉ एडविन जी. डिकोलोटी ने भी भाग लिया।

तृतीयक शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, डॉ डगलस लेत्शोलाथेबे, 21 अक्तूबर 2021 को आभासी रूप से आयोजित सीआईआई भारत-अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि थे।

2020-21 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 634.41 मिलियन अमरीकी डॉलर था। बोत्सवाना के प्राथमिक निर्यात (कच्चे हीरे) की निरंतर वृद्धि से अप्रैल-अगस्त 2021 में यह 411.43 मिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया।

श्रीमती जमाल अहमद को व्यापार के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान 2021 प्रदान किया गया। भारतीय मूल के प्रवासियों ने बोत्सवाना सरकार द्वारा किए गए कोविड राहत उपायों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए, बोत्सवाना के नागरिकों के लिए 42 आईसीसीआर छात्रवृत्तियों (स्नातक/स्नातकोत्तर/शोध के अंतर्गत) को मंजूरी दी गई थी।

बुरुंडी

आईसीसीआर 2021-22 की अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत, बुरुंडी को 6 छात्रवृत्ति की पेशकश की गई थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया था और 3 बुरुंडियन छात्र पहले ही ऑफ़लाइन कक्षाओं के लिए भारत में अपने संबंधित विश्वविद्यालय पहुंच चुके हैं।

इस्वातिनि

भारत सरकार ने इस्वातिनी को एस्ट्राजेनेका टीकों की 20,000 खुराकों की सहायता प्रदान की।

इस्वातिनी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने के लिए रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस्वातिनी संसद द्वारा उसके अनुसमर्थन की प्रतीक्षा की जा रही है।

इस्वातिनी को एजुकेशनल कंसल्टेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईडीसीआईएल) द्वारा कार्यान्वित शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम के लिए प्रमुख रूप से ध्यान दिए जाने वाले देशों में शामिल किया गया था।

इस्वातिनी ने ई-वीबीएबी नेटवर्क प्रोजेक्ट में भागीदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो भारत में आभासी माध्यमों से टेली-एजुकेशन और टेली-मेडिसिन सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत की पैन-अफ्रीकी पहल है, यह पहल भारत में प्रक्रियाधीन है।

भारतीय एक्ज़िम बैंक ने, सितंबर 2021 में 108.28 मिलियन अमरीकी डॉलर की लागत से एक नए संसद भवन के निर्माण और एस्वाटिनी के रॉयल साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क के 10.40 मिलियन अमरीकी डॉलर की लागत राष्ट्रीय डेटा केंद्र के आपदा पुनर्प्राप्ति स्थल के निर्माण के लिए किफायती ऋण समझौतों को प्रभावी बनाया।

इस्वातिनी की 08 सदस्यीय सिभाका नृत्य मंडली ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में 28-30 अक्तूबर 2021 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव 2021 में भाग लिया।

स्वास्थ्य सहयोग के समझौता ज्ञापन को लागू करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली और स्वास्थ्य मंत्रालय, इस्वातिनी के संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक दिसंबर 2021 में आयोजित की गई थी।

प्रशिक्षण वर्ष 2021-22 के लिए आईटीईसी-I के अंतर्गत 08 रक्षा प्रशिक्षण स्लॉट में से, दो प्रशिक्षुओं ने 21 दिसंबर 2021 को अपना प्रशिक्षण पूरा किया। 06 प्रशिक्षुओं का चयन प्रसंस्करण के विभिन्न चरणों में है।

इथियोपिया

विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में (26 सितंबर 2021) इथियोपिया के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री, डेमेके मेकोनेन से भेंट की और द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ ग्रैंड इथियोपियन पुनर्जागरण बांध और क्षेत्र में विकास के अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले (27 अगस्त 2021), विदेश मंत्री और इथियोपिया के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने टेलीफोन पर बात की और अन्य बातों के साथ-साथ इथियोपिया के घटनाक्रम सहित द्विपक्षीय संबंधों और यूएनएससी मामलों पर चर्चा की।

इथियोपिया के व्यापार मंत्री, मेलाकु अलेबेल ने सीआईआई-एक्ज़िम बैंक सम्मेलन (14 जुलाई 2021) में भाग लिया। इथियोपिया के पर्यटन सीईओ ने पर्यटन और आतिथ्य (15 जुलाई 2021) खंड में भाग लिया। इथियोपिया के कृषि मंत्री ओउमर हुसैन ने, सम्मानित अतिथि के रूप में सीआईआई भारत अफ्रीका कृषि और खाद्य प्रसंस्करण शिखर सम्मेलन (15 सितंबर 2021) में भाग लिया।

इथियोपिया की महिला और सामाजिक मामलों की मंत्री, डॉ. एर्गोगी टेस्फ़ेय वोल्डमेस्केल को आईसीसीआर विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार-2021 (26 अगस्त 2021) से सम्मानित किया गया।

कोविड महामारी के कारण जटिल हो जानेवाली वित्तीय बाधाओं और आर्थिक संकट के कारण अपने मितव्ययिता उपायों के हिस्से के रूप में, इथियोपिया ने लगभग 65 दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में से 31 को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया। मुंबई में इथियोपिया का वाणिज्य दूतावास 05 सितंबर 2021 से बंद कर दिया गया था।

अदीस अबाबा में स्थित भारतीय दूतावास ने इथियोपिया (02-30 जून 2021) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 मनाने का बीड़ा उठाया, और इथियोपिया में विश्वविद्यालयों (26), स्कूलों (2), कारखानों (43) सहित विभिन्न स्थानों पर 100 कार्यक्रम और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिंदी दिवस के अवसर पर इथोपिया में पहली बार दूतावास परिसर (18 सितंबर 2021) में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। दूतावास ने कवि सम्मेलन में भारत की ओर से श्री अरुण जेमिनी और श्रीमती मुमताज नसीम की भागीदारी का आयोजन किया।

ओरोमिया क्षेत्र और डायर दावा प्रशासन के पुलिस अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (18-20 नवंबर 2021) का दौरा किया।

केन्या

विदेश मंत्री ने 12 से 15 जून 2021 तक नैरोबी की आधिकारिक यात्रा की और अपने समकक्ष, केन्या के विदेश मामलों के कैबिनेट सचिव, राजदूत रेशेल ओमामो के साथ तीसरी भारत-केन्या संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री ने विदेश मामलों, रक्षा, व्यापार और उद्योग, आईसीटी, ऊर्जा और स्वास्थ्य और ट्रेजरी राज्य मंत्री के साथ एक गोलमेज बैठक भी की।

विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति उहुरू केन्याटा से भी भेंट की और उन्हें प्रधानमंत्री का एक पत्र सौंपा

यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने भारत सरकार द्वारा 1 मिलियन अमरीकी डॉलर की अनुदान सहायता से पुनर्निर्मित नैरोबी विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

विदेश मंत्री ने व्यापारिक समुदाय के प्रमुख सदस्यों और प्रवासी भारतीयों के साथ आभासी वार्ता भी की। जेसीएम के बाद जारी संयुक्त बयान में - कोविड महामारी से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास और कोविड के बाद की अवधि के दौरान आर्थिक सहयोग को मजबूत करने; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सहयोग सहित, सरकार और निजी क्षेत्र दोनों स्तरों पर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की बात की गई।

राष्ट्रपति उहुरू केन्याटा ने भारत की अध्यक्षता के महीने में 09 अगस्त 2021 को समुद्री सुरक्षा पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भाग लिया।

विदेश मंत्री ने केन्या की अध्यक्षता के महीने में 28 अक्तूबर 2021 को केन्याटा के राष्ट्रपति की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय

संगठनों के बीच सहयोग पर एक आभासी यूएनएससी उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित किया।

राज्य मंत्री ने 12 अक्तूबर 2021 को केन्याटा के राष्ट्रपति की अध्यक्षता में 'शांति निर्माण और शांति-पहचान, राज्य-निर्माण और शांति की खोज' पर यूएनएससी की उच्च-स्तरीय खुली बहस में भाग लिया। उन्होंने केन्याटा के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

विदेश मंत्री ने जून 2021 में अपनी केन्या यात्रा के दौरान केन्या की विदेश मंत्री रिचेल ओमामों से मुलाकात की

केन्या के विदेश मामलों के कैबिनेट सचिव (मंत्री), राजदूत रेशेल ओमामो ने यूएनजीए के समय विदेश मंत्री से भेंट की। उन्होंने दक्षिण-दक्षिण सहयोग के मामले में एक महत्वपूर्ण भागीदार और एक धुरी देश के रूप में भारत की सराहना की। दोनों मंत्रियों ने यूएनएससी के भीतर सहयोग और समन्वय की आवश्यकता और स्वास्थ्य क्षेत्र में, विशेष रूप से कोविड टीकों के उत्पादन में सहयोग करने की आवश्यकता पर चर्चा की।

विदेश मामलों के कैबिनेट सचिव (मंत्री), राजदूत रेशेल ओमामो ने एक वक्ता के रूप में रायसीना डायलॉग में भी भाग लिया।

केन्या की व्यापार और उद्योग कैबिनेट सचिव, सुश्री बेट्टी मैना ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री की अध्यक्षता में सीआईआई-एमईए इंडो पैसिफिक बिजनेस समिट के मंत्रिस्तरीय सत्र में आभासी रूप से भाग लिया। केन्या के मुख्य प्रशासनिक सचिव, औद्योगीकरण व्यापार और उद्यम विकास मंत्रालय, लॉरेंस करंजा ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री की अध्यक्षता में विशेष मंत्रिस्तरीय सत्र में सीआईआई-एक्ज़िम बैंक इंडिया अफ्रीका कॉन्क्लेव 2021 में मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया।

केन्या के मुख्य प्रशासनिक सचिव (राज्य मंत्री), शिक्षा मंत्रालय, डॉ. सारा रुतो ने मिशन द्वारा आभासी मंच पर, सीआईआई द्वारा आयोजित भारत-अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

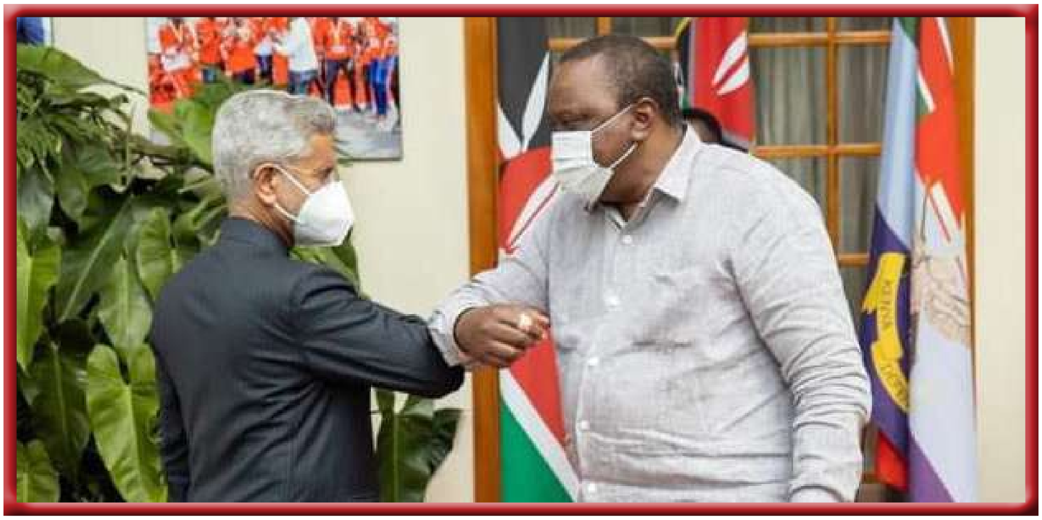

विदेश मंत्री ने जून 2021 में अपनी केन्या यात्रा के दौरान केन्या के राष्ट्रपति उहुरू केन्याटा से मुलाकात की

आईएनएस तलवार ने 26 जुलाई 2021 से 06 अगस्त 2021 तक प्रशिक्षक की भूमिका में कटलैस एक्सप्रेस अभ्यास में भाग लेने के लिए मोम्बासा बंदरगाह का दौरा किया। अभ्यास में 12 पूर्वी अफ्रीकी देशों, अमेरिका, ब्रिटेन, भारत और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया। इसने केन्या की नौसेना के साथ एक द्विपक्षीय अभ्यास भी किया और अपने कर्मियों के लिए जहाज पर प्रशिक्षण आयोजित किया। 27 जुलाई 2021 को जहाज पर एक 'डेक रिसेप्शन' का आयोजन किया गया था। जिसमें श्री अबू नामवाम्बा, मुख्य प्रशासनिक सचिव (राज्य मंत्री), विदेश मंत्रालय, केन्या, संसद सदस्य, केन्या नौसेना, मोम्बासा काउंटी के वरिष्ठ अधिकारी, प्रमुख व्यवसायी और समुदाय के लोग उपस्थित थे।

विदेश मंत्री ने जून 2021 में नैरोबी विश्वविद्यालय में पुनर्निर्मित महात्मा गांधी पुस्तकालय का उद्घाटन किया

मिशन द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, केन्या के खेल, विरासत और संस्कृति मंत्री; नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के महानिदेशक; एमओएस, विदेश मंत्रालय; पूरे केन्या में कई काउंटियों के गवर्नर; और मैराथन विश्व रिकॉर्ड धारक और ओलंपिक चैंपियन, श्री एलियुड किपचोगे द्वारा वीडियो संदेश भेजे गए।

विदेश मंत्रालय के मुख्य प्रशासनिक सचिव, श्री अबू नामवाम्बा, महानिदेशक, संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, नैरोबी, सुश्री ज़ैनब बांगुरा ने मिशन द्वारा गांधी जयंती पर आयोजित आभासी पैनल चर्चा में भाग लिया।

चार महीने बाद भारत और केन्या के बीच सीधी उड़ानें 20 सितंबर 2021 को फिर से शुरू हुईं, केन्या ने भारत में कोविड की दूसरी लहर के कारण इन्हें निलंबित कर दिया था।

लिसोटो (लेसोथो)

भारतीय उच्चायोग ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' (एकेएएम) समारोह के हिस्से के रूप में, प्रिटोरिया में, लेसोथो के राष्ट्रीय पुस्तकालय को भारत पर 75 पुस्तकें दान कीं। किताबें आधिकारिक तौर पर 20 सितंबर 2021 को लेसोथो साम्राज्य के शिक्षा और प्रशिक्षण मंत्री और पर्यटन मंत्री की उपस्थिति में सौंपी गईं।

मलावी

मलावी ने संयुक्त राष्ट्र और संबंधित अंतर्राष्ट्रीय निकायों के विभिन्न चुनावों में भारत के उम्मीदवारों को समर्थन दिया।

मलावी को कोवैक्स सुविधा के अंतर्गत 05 मार्च 2021 को, "मेड इन इंडिया" कोविड टीके की 350,000 खुराकें भेजी गई थीं। 12 मार्च 2021 को, भारत ने "मेड इन इंडिया" कोविड टीकों की 50,000 खुराकें दान की।

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 07 मई 2021 को, मलावी सरकार के

विदेश मामलों के मंत्री, श्री आइजनहावर नदुवा मकाका के साथ टेलीफोन पर वार्ता की और द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न मामलों पर चर्चा की।

सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 20 जून 2021 को आयोजित किया गया था। योग दिवस से पहले 13 जून 2021 को सलीमा में एक प्रारंभिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

भारत और मलावी ने 16 जून 2021 को, 2021 से 2026 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए लिलोंग्वे में मटर के व्यापार के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन मलावी से भारत को सालाना 50,000 मीट्रिक टन मटर के निर्यात की सुविधा प्रदान करेगा।

सोलहवां सीआईआई-एक्जिम बैंक सम्मेलन 13-15 जुलाई, 2021 को आभासी रूप से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मलावी के विदेश मंत्री, श्री आइजनहावर नदुवा मकाका, कृषि मंत्री, श्री लोबिन सी. लोवे, ऊर्जा मंत्री, श्री न्यूटन कंबाला और व्यापार मंत्री श्रीमान सोस्टेन अल्फ्रेड ग्वेंग्वे ने भाग लिया।

भारतीय उच्चायोग ने "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में, 28 अगस्त 2021 को लिलोंग्वे मोटर शो के साथ साझेदारी में, लिलोंग्वे गोल्फ क्लब में मलावी की सबसे बड़ी ऑटोमोटिव प्रदर्शनी - लिलोंग्वे मोटर शो 2021 का आयोजन किया। 'इंडिया पवेलियन' में आयशर, महिंद्रा, टाटा और टीवीएस सहित प्रमुख ऑटो निर्माताओं के 'मेड-इन-इंडिया' ऑटोमोबाइल, दोपहिया वाहनों से लेकर यात्री बसों और भारी ट्रकों और ऑटो घटकों को भी प्रदर्शित किया गया।

भारत ने सितंबर 2021 को मलावी गणराज्य की सरकार को 1.4 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की 7 मीट्रिक टन आवश्यक कोविड दवाएं दान कीं।

भारतीय उच्चायोग, लिलोंग्वे में 15 सितंबर 2021 को आईटीईसी दिवस 2021 मनाया गया। विदेश मंत्री आइजनहावर नदुवा मकाका ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। वर्ष के दौरान, ऑनलाइन-आईटीईसी स्लॉट का उपयोग और मलावी को दी जाने वाली 20 आईसीसीआर छात्रवृत्तियां संतोषजनक रही हैं।

मलावी सरकार की शिक्षा मंत्री, सुश्री एग्नेस न्यालोंजे ने 22 अक्तूबर 2021 को, आभासी रूप से आयाजित भारत-अफ्रीका शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

मोजाम्बिक

मिशन द्वारा एकेएएम - इंडिया@75 के उत्सव के हिस्से के रूप में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा 08-29 मई 2021 को डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा संचालित गांधीवादी दर्शन पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अच्छी भागीदारी देखी गई। जून 2021 में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और मापुटो में तीन स्थानों सहित 11 शहरों और 15 स्थानों पर योग से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। 15 अगस्त 2021 को मापुटो के सेंट्रल रेलवे स्टेशन की प्रतिष्ठित इमारत के एक हिस्से को भारतीय ध्वज के तिरंगे से रोशन किया गया था।

चालू वित्त वर्ष के दौरान वैश्विक भारतीय निर्यात को 400 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ाने के प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद, आने वाले महीनों में मिशन द्वारा दोनों देशों के विभिन्न हितधारकों के बीच कई बी2बी आभासी बैठकें निर्धारित की गई हैं ताकि मोजाम्बिक को भारतीय निर्यात में वृद्धि हो सके। ।

नामीबिया

नामीबिया के राष्ट्रपति, डॉ हेज जी. जिंगोब ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 06 अप्रैल 2021 को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करने सहित कई प्लेटफार्मों के माध्यम से कोविशील्ड टीकों की 30,000 खुराकों (20 मार्च 2021 को नामीबिया में प्राप्त) के उपहार के लिए भारत को धन्यवाद दिया।

नामीबिया के राष्ट्रीय योजना आयोग के महानिदेशक श्री ओबेथ एम. कांडजोजे ने 15 जुलाई 2021 को भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 16वें सीआईआई-एक्जिम बैंक कॉन्क्लेव में आभासी रूप से भाग लिया और एसईआरवी अफ्रीका III: आईटी/आईटीईएस विकास खंड में में प्रवेश पर बात की।

लोकसभा के अध्यक्ष ने 09 सितंबर 2021 को ऑस्ट्रिया के विएना में संसद के अध्यक्षों के पांचवें विश्व सम्मेलन के मौके पर नामीबिया की संसद, राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष, श्री लुकास सिनिम्बो मुहा से भेंट की।

कानून-प्रवर्तन में सहयोग को गहरा करने के लिए, नामीबिया के फोरेंसिक विज्ञान संस्थान के नामीबियाई पुलिस के अधिकारियों के लिए 27 सितंबर 2021 से नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, भारत द्वारा "डीएनए परीक्षण में मिश्रित प्रोफ़ाइल परिणामों की आनुवंशिक व्याख्या" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन ई-आईटीईसी पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। यह विशेष रूप से नामीबिया के लिए आयोजित पहला ई-आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम था।

भारतीय उच्चायोग ने नामीबिया में एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में, विंडहोक में कई आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें योग कार्यशालाएं, स्कूली छात्रों के लिए सौर लैंप कार्यशाला, नामीबिया के क्षेत्रीय परिषदों और स्थानीय अधिकारियों के साथ जुड़ना, विश्वविद्यालयों को भारत से संबंधित किताबें और पठन सामग्री उपहार में देना, चांसरी के अग्रभाग को तिरंगे में रोशन करना आदि शामिल है।

भारत के स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही, मिशन ने नामीबिया

के एक प्रमुख समाचार पत्र में "अमृत महोत्सव इंडिया@75" विषय पर एक विशेष पूरक आलेख प्रकाशित किया, नामीबिया की अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री, सुश्री जेनेली माटुंडु और अन्य कैबिनेट मंत्रियों द्वारा 15 अगस्त 2021 को इसका अनावरण किया गया था। मिशन ने एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में नामीबियाई संसद के दो सदनों के पीठासीन अधिकारियों - अध्यक्ष प्रो. पीटर एच. काटजावीवी और अध्यक्ष श्री लुकास सिनिम्बो मुहा के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसी संदर्भ में भारत के उच्चायुक्त ने भी 14 सितंबर 2021 को नामीबिया के राष्ट्रपति से भेंट की।

नामीबिया में नए स्थापित, पहले और एकमात्र अखिल भारतीय समुदाय संघ - "इंडिया-नामीबिया फ्रेंडशिप एसोसिएशन" द्वारा लोगों से लोगों के बीच संबंध और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया गया, जिसने नामीबिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारत के दोस्तों की भागीदारी के साथ सक्रिय रूप से सत्संग सभा और दिवाली उत्सव, फिल्म शो सहित कई सामुदायिक कार्यक्रमों को आयोजित किया।

मिशन ने आर्थिक और वाणिज्यिक मोर्चे पर, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, मिशन ने 14 अक्तूबर 2021 को फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ मिलकर एक बिजनेस वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें फार्मा और चिकित्सा उपकरणों पर जोर दिया गया, इसके बाद भारतीय और नामीबियाई कंपनियों के बीच वर्चुअल बी2बी बैठकें हुईं, साथ ही 22 अप्रैल 2021-07 मई 2021 से भारत-नामीबिया मैत्री संघ के साथ,विंडहोक में एक "अतुल्य भारत मेला" भी आयोजित किया गया। जिसमें भारत से सुंदर कलाकृतियों, हस्तशिल्प, कपड़ा, हर्बल और खाद्य उत्पादों को एक साथ प्रस्तुत किया गया।

भारत और नामीबिया ने 03 नवंबर 2021 को विंडहोक में द्विपक्षीय सहयोग के लिए संयुक्त आयोग की स्थापना के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की सह-अध्यक्षता में संयुक्त आयोग नामीबिया के साथ हमारी घनिष्ठ साझेदारी के सभी क्षेत्रों में प्रगति की नियमित समीक्षा और मार्गदर्शन करने के लिए एक मूल्यवान उच्च स्तरीय मंच प्रदान करेगा।

भारतीय आर्थिक व्यापार संगठन (आईईटीओ) के तत्वावधान में भारत के एक बहु-क्षेत्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी के अधिक रास्ते और नए क्षेत्रों की खोज के उद्देश्य से, 09-15 नवंबर 2021 तक नामीबिया का दौरा किया। मिशन ने सरकार और व्यवसायियों सहित नामीबिया में सभी प्रासंगिक हितधारकों के साथ उनकी बैठकों और वार्ता का आयोजन और सुविधा प्रदान की। आईईटीओ के इंडिया नामीबिया ट्रेड फोरम ने भी यात्रा के दौरान विंडहोक स्थित भारत-नामीबिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएनसीसीआई) के साथ सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मिशन द्वारा नामीबिया में अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में आउटरीच गतिविधियों का आयोजन जारी रहा। इसमें अन्य राजनयिक मिशनों के साथ वार्ता, 'भारत को जानो' और 'भारतीय संविधान' पर भारतीय प्रवासियों के बच्चों के साथ वार्ता, विंडहोक स्थित इंडिया नामीबिया फ्रेंडशिप एसोसिएशन के साथ विशेष स्मारक कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस 2022 रिसेप्शन के दौरान एक फैशन शो के माध्यम से भारतीय वस्त्रों और परिधानों का प्रदर्शन शामिल था।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के 05 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जनवरी/फरवरी 2022 में नामीबिया का दौरा किया और भारत में पुन: परिचय के लिए नामीबियाई चीतों के प्रस्तावित आयात के संबंध में सरकारी अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा की।

नामीबिया के एक 10 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 01-16 फरवरी 2022 तक हरियाणा में 35वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले में भाग लिया।

रवांडा

रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे, भारत के प्रधानमंत्री के साथ 13 अप्रैल 2021 को मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित रायसीना डायलॉग के छठे संस्करण के आभासी उद्घाटन में शामिल हुए। अपने भाषण में, राष्ट्रपति कागामे ने अफ्रीका के कोविड टीकाकरण प्रयासों का समर्थन करने में एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए भारत की सराहना की और भारत और रवांडा के बीच सहयोग के बारे में बात की। भारत, मार्च 2021 में रवांडा को कोविड टीके की आपूर्ति करने वाले पहले देशों में से एक था।

अप्रैल 2021 में भारत सरकार की सहायता से रवांडा-भारत उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना की गई। केंद्र का उद्देश्य रवांडा में उद्यमिता को बढ़ावा देना है। जुलाई और अगस्त 2021 में, सिंचाई क्षेत्र में 120.05 मिलियन अमरीकी डॉलर के भारतीय किफायती ऋण के अंतर्गत क्रमशः 26.77 मिलियन अमरीकी डॉलर और 27.88 मिलियन अमरीकी डॉलर की दो परियोजनाएं सौंपी गईं। इन परियोजनाओं से रवांडा के शुष्क पूर्वी हिस्से में सिंचाई विकसित करने में मदद मिलेगी, जिससे रवांडा में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। अक्तूबर 2021 में, भारत ने एचआईवी के खतरे से लड़ने के लिए रवांडा को एचआईवी-विरोधी दवाएं दान कीं।

मिशन ने इस अवधि में, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के समारोहों के हिस्से के रूप में और विशिष्ट कार्यक्रमों को मनाने के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। 16 अप्रैल 2021 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मिशन ने 18 सितंबर 2021 को, हिंदी दिवस को चिह्नित करने के लिए एक और निबंध लेखन प्रतियोगिता और कविता पाठ का आयोजन किया। रवांडा में 20 अप्रैल 2021 को भारतीय समुदाय की भागीदारी के साथ मिशन द्वारा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

मिशन ने 21 जून 2021 को एक आभासी योग सत्र आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मिशन ने भारत के स्वतंत्रता दिवस पर, ध्वजारोहण समारोह का प्रसारण किया, जिसके बाद शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन और योग प्रदर्शन हुए। महात्मा गांधी की वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए,

मिशन ने 04 अक्तूबर 2021 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। मिशन ने 29 अक्तूबर 2021 को आईटीईसी दिवस मनाया। आईटीईसी के कई पूर्व छात्रों ने उत्सव में भाग लिया और भारत में रहने और अध्ययन के अपने अनुभव साझा किए।

दक्षिण अफ्रीका

राष्ट्रपति रामफोसा ने 09 सितंबर 2021 को आभासी रीप से आयोजित 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री, डॉ. नलेदी पंडोर और विदेश मंत्री ने 04 मई 2021 को लंदन में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान द्विपक्षीय रूप से भेंट की। उन्होंने कोविड चुनौती का सामना करने के लिए साथ मिलकर काम करने और आर्थिक सुधार और राष्ट्रमंडल मुद्दों के बारे में चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री, डॉ नलेदी पंडोर और विदेश मंत्री ने 28 जून 2021 को इटली में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान फिर से द्विपक्षीय रूप से भेंट की और वैक्सीन इक्विटी और पहुंच तथा जलवायु कार्रवाई दृष्टिकोण पर चर्चा की।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 26 अप्रैल 2021 को कोविड टीकों से संबंधित डब्ल्यूटीओ ट्रिप्स छूट पर चर्चा करने के लिए अपने दक्षिण अफ्रीकी समकक्ष, व्यापार, उद्योग और प्रतिस्पर्धा मंत्री, इब्राहिम पटेल के साथ एक आभासी बैठक की। दोनों देश छूट प्राप्त करने के प्रयासों को तेज करने पर सहमत हुए। जो विश्व में वैक्सीन समानता को बढ़ावा देगा।

प्रिटोरिया में 28 अक्तूबर 2021 को उच्च शिक्षा उप मंत्री श्री बूटी मनामेला और भारत के उच्चायुक्त की उपस्थिति में गांधी-मंडेला कारीगर कौशल विशेषज्ञता केंद्र (जीएमसीओएस) को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने 2018 में केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। उप मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि दक्षिण अफ्रीका, भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है और कई और सहयोगी परियोजनाओं की आशा करता है, जो दोनों देशों को अपने राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। केंद्र ने अब तक दो बैचों, 2019 में और 2021 में नये बैच को प्रवेश दिया है।

दक्षिण अफ्रीका में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का प्रतिष्ठित सप्ताहिक समारोह 02 अक्तूबर 2021 को आरंभ हुआ। मुख्य कार्यक्रम सामुदायिक प्रयासों के माध्यम से पुनर्जीवित और विकसित किये जा रहे ऐतिहासिक टॉल्स्टॉय फार्म का कार्यक्रम था। गांधीवादी मार्ग के साथ 75 लोगों का अभियान एक अन्य लोकप्रिय घटना थी, जिसमें फीनिक्स सेटलमेंट, पीटरमैरिट्सबर्ग, टॉल्स्टॉय फार्म जैसी महात्मा गांधी से जुड़े स्थल शामिल थीं। अन्य कार्यक्रमों में वृक्षारोपण अभियान और 'भारत की 75 वर्षों की यात्रा-दक्षिण अफ्रीका के परिप्रेक्ष्य' पर एक संवादात्मक संगोष्ठी शामिल थी।

भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग और दक्षिण अफ्रीका के महिला, युवा और विकलांग व्यक्तियों के विभाग के बीच संयुक्त आशय पत्र (एलओआई) पर 12 मई 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। एस एलओआई का ध्येय विकलांगता क्षेत्र में पारस्परिक हित की परियोजनाओं को विकसित करने के लिए सूचना और ज्ञान साझा करने की प्रक्रिया स्थापित करना है।

तंजानिया

विदेश मंत्री ने 22 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के 76वें सत्र के मौके पर तंजानिया के विदेश मामलों के मंत्री, राजदूत लिबर्टा मुलामुला से भेंट की। विदेश मंत्री ने टिप्पणी की कि भारत तंजानिया के साथ अपनी विकास साझेदारी और पारंपरिक राजनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए काम करेगा।

रक्षा सहयोग भारत-तंजानिया द्विपक्षीय संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। दुलुटी में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (सीएससी) में तैनात भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (आईएमटीटी) के पहले बैच ने अक्तूबर 2021 में अपना विस्तारित कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया। आईएमटीटी का दूसरा बैच सीएससी में शामिल हो गया है। जुलाई 2016 में प्रधानमंत्री की तंजानिया की यात्रा के दौरान दिवंगत राष्ट्रपति मैगुफुली के विशेष अनुरोध पर तंजानिया सैन्य संस्थानों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए आईएमटीटी की तैनाती की गई थी।

भारत-तंजानिया जल सर्वेक्षण पर दूसरी संयुक्त समिति 04-05 अगस्त 2021 को वीटीसी के माध्यम से आयोजित की गई थी। बैठक में तंजानिया हाइड्रोग्राफिक कार्यालय की स्थापना सहित द्विपक्षीय हाइड्रोग्राफिक सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई थी।

भारत सरकार द्वारा दान में दी गई 1.56 करोड़ रुपये की दवा की एक खेप को ज़ांज़ीबार भेज दिया गया, इसे मूल रूप से मुख्य भूमि तंजानिया भेजा जाना था। ज़ांज़ीबार में भारत के महावाणिज्य दूत ने 12 अप्रैल 2021 को उंगुजा के मारुघुबी मेडिकल स्टोर में एक हस्तांतरण समारोह में ज़ांज़ीबार के स्वास्थ्य मंत्री को आवश्यक दवाओं का उपहार दिया।

तंजानिया द्वारा अप्रैल-अक्तूबर 2021 तक 32 आईसीसीआर, 6 ई-आईटीईसी और 15 रक्षा आईटीईसी स्लॉटों का लाभ उठाया गया। 15 सितंबर 2021 को चांसरी में आईटीईसी दिवस समारोह के दौरान, तंजानिया की शिक्षा मंत्री, सुश्री जॉयस नदलिचाको ने आईटीईसी और आईसीसीआर छात्रवृत्ति के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया, इससे हजारों तंजानियावासियों को लाभ हुआ है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत तंजानिया के छात्रों के लिए एक पसंदीदा स्थान बना हुआ है।

डार एस सलाम को पानी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए 178.125 मिलियन अमरीकी डॉलर की किफायती ऋण जल आपूर्ति परियोजना को जून 2017 में तंजानिया के दिवंगत राष्ट्रपति मैगुफुली द्वारा पूरा किया गया और इसका उद्घाटन किया गया। इस परियोजना का एक छोटा हिस्सा (19.33 मिलियन अमरीकी डॉलर) जिसमें चलिन्ज़ क्षेत्र में जल वितरण शामिल था, जो पहले लंबित था, उसे शुरू कर दिया गया है और मार्च 2022 तक इसके पूरा होने की आशा है।

इंडिया@75 समारोहों के हिस्से के रूप में, आईसीसीआर द्वारा ओडिशा के बाबा गोरखनाथ गोटीपुआ डांस ट्रूप को 28 अक्तूबर 2021 को प्रतिष्ठित 40वें बागमायो इंटरनेशनल डांस फेस्टिवल में प्रदर्शन करने के लिए प्रायोजित किया गया था।

तंजानिया ने यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के पोस्टल यूनियन काउंसिल (पीओसी) और काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (सीए) के चुनावों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। तंजानिया के मानक ब्यूरो ने अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन में आयुष और आयुष संबंधित उत्पादों पर आईएसओ तकनीकी समिति की स्थापना के लिए आईएसओ को अपना समर्थन दिया है। तंजानिया ने यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड 2021-25 के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए पारस्परिक समर्थन और 2023-2027 के लिए अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग के लिए भारतीय उम्मीदवारी का प्रस्ताव भी दिया है।

विदेश मंत्री ने सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में 76वें यूएनजीए के दौरान तंजानिया के विदेश मंत्री लिबर्टा मुलामुला से मुलाकात की

युगांडा

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 11से 13 नवंबर 2021 तक तीन दिनों के लिए युगांडा का दौरा किया और भारत-युगांडा संबंधों को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ भविष्य की व्यस्तताओं के लिए एक रोडमैप तैयार करने में मदद की। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी से भेंट की। मंत्री ने युगांडा के संसद अध्यक्ष, जैकब एल औलान्याह से भी भेंट की, जिन्हें दिसंबर 2021 में लोक लेखा समिति के शताब्दी समारोह के लिए भारत में आमंत्रित किया गया था। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने व्यापार और निवेश, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भारतीय समुदाय से संबंधित मुद्दों और अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने के लिए युगांडा के विदेश राज्य मंत्री, ओरीम ओकेलो से भेंट की। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमति जताई। उन्होंने कंपाला में मेकरेरे यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कंप्यूटिंग एंड इंफॉर्मेशन साइंस में ई-विद्या भारती ई-आरोग्य भारती (ई-वीबीएबी) लर्निंग सेंटर का उद्घाटन किया। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने कंपाला में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ वार्ता की और अपनी यात्रा के दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ युगांडा द्वारा आयोजित इंडियन बिजनेस फोरम में भाग लिया। उन्होंने युगांडा निवेश प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी वक्तव्य दिया। विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने जिन्जा में महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि दी।

भारत ने मार्च 2021 में युगांडा को 1 लाख कोविशील्ड टीके उपहार में दिए। भारत सरकार द्वारा युगांडा में पैन-अफ्रीका ई-नेटवर्क परियोजना का दूसरा चरण शुरू किया गया था। ई-वीबीएबी के लिए एक विश्वविद्यालय और एक अस्पताल को चिह्नित किया गया था। भारत में भागीदार विश्वविद्यालयों द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से ई-विद्या भारती के अंतर्गत ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए गए थे। अक्तूबर 2021 में मेकरेरे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पाठ्यक्रम/परीक्षा के प्रयोजन में सहायता के लिए एक केंद्र स्थापित किया गया था।

उच्चायोग ने प्रवासियों के साथ मिलकर हाइब्रिड मोड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 का आयोजन किया। इस अवसर पर योग और भारतीय संस्कृति पर एक आभासी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे युगांडा के लोगों ने भाग लिया। मिशन ने हिंदी दिवस 2021 पर निबंध लेखन, कविता लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं पर ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें प्रवासी बच्चों ने भाग लिया। युगांडा के एक सांस्कृतिक दल

ने अक्तूबर 2021 के दौरान रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव में भाग लिया। भारतीय पैरालिंपियनों की एक टुकड़ी ने नवंबर 2021 में कंपाला में आयोजित युगांडा पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भाग लिया। 29-30 जुलाई 2021 को चांसरी सभागार में खादी पर 2 दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। राजनयिकों, प्रवासी, और सरकारी अधिकारियों जैसे आगंतुकों के चुनिंदा समूह ने कोविड निषेधों का पालन करते हुए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) और युगांडा इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (यूईजीसीएल), युगांडा ने 19 अगस्त 2021 को एक आभासी मंच पर बिजली क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। युगांडा में आईटी सॉल्यूशंस के एक प्रमुख प्रदाता, टेक्नोलॉजी एसोसिएट्स (टीए) ने अप्रैल 2021 में नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ भुगतान नेटवर्क सिस्टम पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आईसीसीआर 2021-22 की अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना ने युगांडा को 35 छात्रवृत्तियों की पेशकश की, सभी छात्रवृत्तियां स्वीकार कर ली गईं और आईसीसीआर छात्रवृत्ति पानेवाले युगांडा के 27छात्रों ने पहले ही ऑफ़लाइन कक्षाओं के लिए अपने संबंधित विश्वविद्यालय पहुंच गए है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आईटीसी) समर्थित भारतीय व्यापार और निवेश अफ्रीका (एसआटीए) पहल ने युगांडा के कासी जिले में युगांडा के कपास क्षेत्र के विकास के लिए कपास-चुनने की भारतीय तकनीक शुरू करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया। उच्चायुक्त द्वारा उद्घाटन किए गए एक कार्यक्रम में कापस चुननेवाली मशीनों का शुभारंभ किया गया। युगांडा गणराज्य के कृषि, पशु उद्योग और मत्स्य पालन राज्य मंत्री, श्री फ्रेड कयाकुलगा बिविनो ने मंत्रालय के साथ साझेदारी में 14 सितंबर 2021 को आभासी रूप से आयोजित सीआईआई भारत-अफ्रीका कृषि और खाद्य प्रसंस्करण शिखर सम्मेलन 2021 के पहले संस्करण में भाग लिया। उन्होंने कृषि यंत्रीकरण एवं सिंचाई समाधान सत्र में विशेष संबोधन दिया।

विदेश राज्य मंत्री (वी. मुरलीधरन) ने नवंबर 2021 में अपनी युगांडा यात्रा के दौरान युगांडा की संसद के स्पीकर जैकब औलान्याह से मुलाकात की

जाम्बिया

भारत ने, एलडीसी होने के नाते, जाम्बिया को शुल्क मुक्त बाजार पहुंच और तरजीही शुल्क और रियायती व्यापार वीजा देना जारी रखा। जाम्बिया भारत के निजी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना रहा। यहां खनन क्षेत्र, कॉपर केबल और फार्मास्युटिकल आदि में भारत का 5 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का निवेश है।

जाम्बिया ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों में भारत की उम्मीदवारी का नियमित रूप से समर्थन किया है। 2021 में, जाम्बिया ने 2022-24 की अवधि के लिए मानवाधिकार परिषद के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। जाम्बिया ने नवंबर 2021 में यूनेस्को के साधारण सम्मेलन के 41वें सत्र के दौरान होने वाले चुनावों में 2021-25 की अवधि के लिए यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड और विश्व धरोहर समिति (2021-25) के लिए राज्य दलों की 23वीं महासभा के दौरान नवंबर 2021 में 1972 के सम्मेलन के दौरान होने वाले चुनाव में भारत की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया है, जो मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का एक संकेत है।

भारत जाम्बिया के लिए विस्तारित 68 मिलियन अमरीकी डॉलर के किफायती ऋण के अंतर्गत 650 पूर्व-निर्मित ग्रामीण स्वास्थ्य पोस्ट का निर्माण कर रहा है। 650 स्वास्थ्य पोस्टों में से, 563 को जोड़ा और चालू किया गया। जाम्बिया के लोगों ने इसकी सराहना की।

महामारी के प्रभाव के बावजूद, अप्रैल-सितंबर 2021 के दौरान जाम्बिया को

भारतीय निर्यात 2020 की इसी अवधि के 164.13 मिलियन अमरीकी डॉलर के निर्यात से बढ़कर 179.00 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

मिशन ने कोविड नियमावली का पालन करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया; महात्मा गांधी की जयंती मनाने के लिए जाम्बिया के भूमि और प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के सहयोग से वृक्षारोपण अभियान; स्वच्छता अभियान; और जाम्बिया के विदेश मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय द्वारा आयोजित डिप्लोमैटिक फन फेयर के उद्घाटन में भी भाग लिया, जिसमें जाम्बिया सरकार द्वारा मिशन को सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

जिम्बाब्वे

विदेश राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय) ने 28 जून 2021 को विदेश मामले और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री, डॉ. फ्रेडरिक शावा के साथ एक आभासी बैठक की। मंत्रियों ने राजनीतिक सहयोग, स्वास्थ्य, व्यापार, ऊर्जा के क्षेत्र निवेश और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की।

भारत ने जिम्बाब्वे को 10 एम्बुलेंस उपहार में दिए, जिसका वादा 2018 में उपराष्ट्रपति की जिम्बाब्वे यात्रा के दौरान किया गया था। मार्च 2021 के महीने में कोवैक्सिन टीके की 35,000 खुराकों की एक खेप प्रदान की गई थी। भारत ने भारत-जिम प्रौद्योगिकी केंद्रों के लिए भी तीन वाहन सौंपे, जिसके लिए दूसरे चरण के अंतर्गत लगभग 3 मिलियन अमरीकी डॉलर कीमत की नवीनतम प्रौद्योगिकी की मशीनों की आपूर्ति की गई है।

बहुपक्षीय क्षेत्र में भी सहयोग जारी रहा। वर्ष के दौरान, भारत ने चिरेदज़ी और मंगवे जिलों में जलवायु अनुकूल कृषि के लिए भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष के माध्यम से 1 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया, जिससे 5000 से अधिक छोटे किसानों को लाभ होने की आशा है।

जिम्बाब्वे ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के संशोधित ढांचे की पुष्टि की और जून 2021 में भारत के पास अनुसमर्थन का मूल साधन जमा किया।

वर्ष के दौरान डेका वाटर पंपिंग और रिवर वाटर इनटेक सिस्टम पर काम शुरू किया गया, जिसके लिए भारत सरकार ने 48.1 मिलियन अमरीकी डॉलर का किफायती ऋण दिया है।

वाइस प्रेसिडेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कॉन्स्टेंटिनो चिवेंगा ने भारत-अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनरशिप पर 16वें सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में एक मुख्य भाषण दिया, जो जुलाई 2021 में आभासी रूप से आयोजित किया गया था। उनके अलावा, विदेश मामले और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री, डॉ. फ्रेडरिक शावा, वित्त और आर्थिक विकास मंत्री, प्रो. मथुली नक्यूब, ऊर्जा और बिजली विकास मंत्री, श्री सोडा ज़ेमू, स्वास्थ्य और बाल देखभाल के उप मंत्री डॉ. सी.जे. मैंगविरो ने भी कॉन्क्लेव में भाग लिया और इसके विभिन्न सत्रों को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति और चार अन्य मंत्रियों की भागीदारी जिम्बाब्वे द्वारा भारत के साथ अपने संबंधों को दिए जाने वाले महत्व को इंगित करती है।

मिशन ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ (आज़ादी का अमृत महोत्सव) के अवसर पर कई समारोह आयोजित किए। आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 21 से 27 नवंबर तक नमस्ते जिम्बाब्वे सप्ताह आयोजित किया गया था। हरारे में आयोजित मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में, कथक, मणिपुरी, मुखर शास्त्रीय, बॉलीवुड, भरतनाट्यम आदि के प्रदर्शन में, जिम्बाब्वे की युवा, खेल, कला और निर्माण मंत्री, सुश्री किर्स्टी कोवेंट्री और वित्त और आर्थिक विकास के उप मंत्री, श्री सी चिडुवा ने भाग लिया। बुलावायो में आयोजित कार्यक्रम में बुलावायो मेट्रोपॉलिटन प्रांत की राज्य मंत्री, सुश्री जूडिथ एनक्यूब, और उद्योग और वाणिज्य उप मंत्री, श्री राज मोदी ने भाग लिया। इस सप्ताह के दौरान आयोजित अन्य कार्यक्रमों में एक बॉलीवुड फिल्म की स्क्रीनिंग, विशेष पूरक आलेख का प्रकाशन, चांसरी में एक संवैधानिक दीवार का उद्घाटन, जेडबीसी टीवी पर वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग और बुलावायो में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शामिल था।

हिंदू सोसाइटी/वेस्ट्रिज स्कूल परिसर में 02 अक्तूबर को सूचना, प्रचार और प्रसारण सेवा मंत्री सुश्री मोनिका मुत्सवांगवा द्वारा महात्मा गांधी की पहली आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया था।

8

यूरोप और यूरोपीय संघ

मध्य यूरोप

अल्बानिया

भारत और अल्बानिया के बीच संबंध परंपरागत रूप से मधुर और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। 18 अप्रैल 2021 को महामारी से लड़ने के लिए अल्बानिया गणराज्य को भारत की सहायता के रूप में कोविड वैक्सीन (कोविशील्ड) की 500,000 खुराकें प्रदान की गईं।

अल्बानिया के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से केसी गेगा ने 5 जुलाई 2021 को को-विन ग्लोबल कॉन्क्लेव में भाग लिया।

27 जून 2021 को अल्बानिया में 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 मनाया गया। इस प्राचीन ज्ञान प्रणाली में रुचि रखने वाले कई युवाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय वास्तुकार दीक्षु कुकरेजा और तिराना की उप महापौर सुश्री अनुएला रिश्तानी के बीच "दो राजधानी शहरों - नई दिल्ली और तिराना की कहानी " विषय पर ई-टॉक 31 अगस्त 2021 को आयोजित की गई । उन्होंने नई दिल्ली में अपने अनुभवों, शहरों में हुए बदलावों, हरित कवर और पैदल यात्री क्षेत्रों में वृद्धि, वायु गुणवत्ता में सुधार, परिवहन के वैकल्पिक साधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने और शहर के स्थानों को बच्चों के अधिक अनुकूल बनाने पर विचार प्रकट किए।

ऑस्ट्रिया

भारत और ऑस्ट्रिया ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध साझा करते हैं। कोविड के कारण लगातार जारी चुनौतियों और प्रतिबंधों के बावजूद, नेताओं के स्तर पर बैठकों, संसदीय आदान-प्रदान, व्यापार- वार्ताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामुदायिक आयोजनों के द्वारा व्यापक समुदाय के साथ जुड़ाव के माध्यम

से वर्ष के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया गया।

ऑस्ट्रिया के नए संघीय चांसलर के रूप में शपथ लेने के कुछ ही हफ्तों के भीतर, अलेक्ज़ेंडर स्कालेनबर्ग ने 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में कॉप26 के अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ एक संक्षिप्त वार्ता की।

10 वर्षों के अंतराल के बाद, मार्च 2021 में विदेश कार्यालय परामर्श सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अपर सचिव (यूरोप) ने किया, जबकि ऑस्ट्रियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्रालय के डीजी (द्विपक्षीय/राजनीतिक) निदेशक ने किया। दोनों पक्षों ने कई मुद्दों पर चर्चा की जिसमें द्विपक्षीय, क्षेत्रीय, वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों से जुड़े विषय शामिल थे। दोनों पक्षों ने उन मुद्दों और क्षेत्रों की पहचान की जिन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिनमें वे समझौता ज्ञापन/समझौते शामिल हैं जिन पर चर्चा चल रही है।

मई 2021 में एक वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की ओर से राजदूत ने वियना विश्वविद्यालय में भारत अध्ययन पर एक अल्पकालिक पीठ की नियुक्ति के लिए वियना विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मई 2021 में भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान, ऑस्ट्रिया के तत्कालीन संघीय चांसलर, सेबेस्टियन कुर्ज़ ने ऑस्ट्रिया की 'भारत के साथ पूर्ण एकजुटता' को अभिव्यक्त किया तथा यूरोपीय संघ और भारत के बीच समग्र साझेदारी को मजबूत करने की स्पष्ट इच्छा व्यक्त की।

मई-जून 2021 में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान, ऑस्ट्रिया ने 1900 ऑक्सीजन कैनुला, 396 ऑक्सीजन सिलेंडर और रेमडेसिविर की 5521 शीशियों की द्विपक्षीय सहायता प्रदान की।

भारत में नई ऑस्ट्रियाई राजदूत कैथरीना वीसर जुलाई 2021 में नई दिल्ली पहुंचीं और राष्ट्रपति भवन में एक वर्चुअल समारोह में उन्होंने अगस्त 2021 में अपना प्रत्यय-पत्र प्रस्तुत किया।

महामारी के कारण एक वर्ष से अधिक समय के एक लंबे अंतराल के बाद, दूतावास ने इंडिया हाउस में एक प्रत्यक्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय और भारत के शुभ-चिंतकों की भागीदारी देखी गई। वियना में भारत@75 समारोह, आज़ादी का अमृत महोत्सव का शुभारंभ करते हुए , दूतावास ने 16 अगस्त, 2021 को एक भव्य सांस्कृतिक संध्या और एक भोजन- उत्सव का आयोजन किया। अनेक वरिष्ठ ऑस्ट्रियाई सरकारी अधिकारियों, राजनयिक समूहों, प्रवासियों और स्थानीय समुदाय ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। .

लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें राज्यसभा के उप-सभापति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, ने 6-8 सितंबर 2021 को वियना में आयोजित 'संसद के अध्यक्षों के पांचवें विश्व सम्मेलन' में भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 9 सितंबर 2021 को 'आतंकवाद-प्रतिरोध पर प्रथम वैश्विक संसदीय शिखर सम्मेलन' में भी भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष ने सहयोग, सांस्कृतिक और संसदीय आदान-प्रदान के मुद्दों पर ऑस्ट्रियाई राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष श्री वोल्फगैंग सोबोटका के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके अलावा, लोकसभा अध्यक्ष ने दूसरे देशों की संसदों के अध्यक्षों के साथ अनेक द्विपक्षीय बैठकें कीं और ऑस्ट्रिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की।

बोस्निया और हर्ज़ेगोविना

बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के साथ भारत के संबंध वर्ष के दौरान स्थिर बने रहे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2021 को सराजेवो के राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित किया गया। जनवरी-मई 2021 की अवधि के लिए कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 80.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 52.4% अधिक है।

बुल्गारिया

द्विपक्षीय आदान-प्रदान और बहुपक्षीय क्षेत्रों में सहयोग के आधार पर बुल्गारिया के साथ भारत के संबंध और मजबूत हुए। 7 अक्टूबर 2021 को फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइज़ेशन (एफआईईओ) और बुल्गारियाई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा "बुल्गारिया में व्यापार और निवेश के अवसर" विषय पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का सह-आयोजन किया गया। "भारत में रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश और व्यापार के अवसर" विषय पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन 12 अक्टूबर 2021 को इन्वेस्ट इंडिया द्वारा किया गया था जिसमें शीर्ष बुल्गेरियाई रक्षा कंपनियों ने भाग लिया।

7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जून 2021 में बुल्गारिया के 40 से अधिक शहरों में मनाया गया। भारत और बुल्गारिया ने बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन किया, जिसमें रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) शामिल हैं।

क्रोएशिया

8 मई 2021 को यूरोपीय संघ-भारत वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान, क्रोएशियाई प्रधानमंत्री आंदरेज प्लेंकोविच ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और कहा "हम आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत के साथ एक रणनीतिक साझेदारी का निर्माण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन, डिजिटल संक्रमण और वैश्विक सुरक्षा की चुनौतियों का सामना संयुक्त रूप से कर रहे हैं। "बाद में, 4 नवंबर 2021 को कॉप26 के ग्लासगो शिखर सम्मेलन के अवसर पर, दोनों प्रधानमंत्रियों को प्रत्यक्ष रूप से मिलने का मौका मिला।

दोनों देशों के बीच 30 साल पुराने राजनयिक संबंधों में, विदेश मंत्री की पहली क्रोएशिया यात्रा 3 सितंबर 2021 को हुई जब विदेश मंत्री ने ज़ाग्रेब की एक छोटी यात्रा की और क्रोएशियाई प्रधानमंत्री आंदरेज प्लेंकोविच से मुलाकात की तथा विदेश और यूरोपीय मामलों के क्रोएशियाई मंत्री गॉर्डन गार्लिक रेडमैन के साथ विस्तृत बातचीत की।

पहला अंतर्राष्ट्रीय योग और आयुर्वेद सम्मेलन आयुष मंत्रालय के सहयोग से 3-5 अक्टूबर 2021 को ज़ाग्रेब में आयोजित किया गया , जिसमें 6 सदस्यीय आयुष प्रतिनिधिमंडल के साथ क्रोएशिया और अन्य यूरोपीय देशों के 40 वक्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। पारंपरिक चिकित्सा और स्वस्थ जीवन शैली के क्षेत्र में सहयोग के लिए रिजेका शहर में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और क्वार्नर हेल्थ टूरिज़्म क्लस्टर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

साइप्रस

भारत और साइप्रस के बीच उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं। विदेश मंत्री ने 16 फरवरी 2021 को विदेश मंत्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ एक वर्चुअल बैठक की। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों की समानता, आर्थिक सहयोग और लोगों के आपसी संबंधों की विस्तृत समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने, विशेष रूप से यूएनएससी में भारत की सदस्यता के संदर्भ में, अनेक क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों पर चर्चा की।

साइप्रस गणराज्य के विदेश मंत्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने 29 अप्रैल 2021 और 12 जुलाई 2021 को विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत की तथा साइप्रस में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के अधिदेश के नवीनीकरण (यूएनएफआईसीवाईपी) और साइप्रस समस्या, कोविड महामारी और सहायता एवं यात्रा प्रतिबंधों पर चर्चा की। हमारे विदेश मंत्री और विदेश मंत्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने 21 सितंबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अवसर पर मुलाकात की और अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत ने सेबी (एफबीआई) विनियम 2019 के विनियम 5 (क) (iv) के उद्देश्य के लिए, साइप्रस गणराज्य को श्रेणी- I विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) में एक पात्र देश के रूप में रखा है। इस विकास ने साइप्रस में फंड उद्योग में और अधिक वृद्धि हेतु नए अवसरों का संकेत दिया। आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और औद्योगिक सहयोग (जेसीईसी) के संबंध में भारत-साइप्रस संयुक्त समिति का 9वां सत्र 21 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया।

24 मार्च 2021 को ऊर्जा क्षेत्र में आयोजित वर्चुअल भारत-साइप्रस आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स मुख्य वक्ता थे। ऊर्जा [सीईआरए और एनटीपीसी लिमिटेड] तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय [भारत का एमएसएमई मंत्रालय और साइप्रस का ऊर्जा, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय] क्षेत्र में वेबिनार क्रमशः 17 मई 2021 और 9 जून 2021 को भारत और साइप्रस के बीच आयोजित किए गए ।

साइप्रस ने ओपीसीडब्ल्यू, 2022-23 सत्र के लिए श्रेणी(ख) के तहत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद, यूपीयू (यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन) की प्रशासन परिषद (सीए) और पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल (पीओसी), 2022-24 के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन परिषद (आईएसओ) और सीएजी (भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बाह्य लेखा परीक्षक हेतु भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

चेक रिपब्लिक

भारत और चेक गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत बने रहे। भारत और चेक गणराज्य के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का 7वां दौर 22 जनवरी 2021 को प्राग में आयोजित किया गया। विचार-विमर्श के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की ताकि राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, आर्थिक और वाणिज्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कांसुलर मामलों, संस्कृति और शिक्षा को शामिल किया जा सके। उन्होंने टीकाकरण कार्यक्रम का विस्तार करते हुए, कोविड महामारी का मुकाबला करने के बारे में अपने विचार और अनुभव साझा किए। दोनों पक्षों ने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का गहन आदान-प्रदान भी किया और वे संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए जिसमें 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य के रूप में भारत का वर्तमान कार्यकाल शामिल है। विदेश मंत्री ने 30 अप्रैल 2021 को चेक विदेश मंत्री जैकुब कुलहनेक के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जहां उन्होंने कोविड महामारी और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने नवंबर 2021 में चेक गणराज्य की आधिकारिक यात्रा के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने चेक रक्षा अधिकारियों और रक्षा उत्पाद निर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

डेनमार्क

वर्ष के दौरान द्विपक्षीय संबंध मजबूत होते रहे। कोविड महामारी के बाद सरकार के प्रमुख द्वारा भारत की पहली यात्रा के रूप में, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन 9-11 अक्टूबर 2021 तक आधिकारिक यात्रा पर रहीं। अपने द्विपक्षीय आदान-प्रदान में, प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसन ने प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन से मुलाकात की। द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान, दोनों पक्षों ने हरित सामरिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा की और वे कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ावा देने पर सहमत हुए, जिसमें खाद्य सुरक्षा, कोल्ड चेन, खाद्य प्रसंस्करण, उर्वरक, मत्स्य पालन, जलीय कृषि आदि क्षेत्र शामिल हैं। स्मार्ट जल संसाधन प्रबंधन, वेस्ट टू बेस्ट- अपशिष्ट से उत्कृष्ट संसाधनों का निर्माण और कुशल सप्लाई चेन प्रबंधन जैसे सहयोग के नए क्षेत्रों की भी पहचान की गई। यात्रा के दौरान पारंपरिक ज्ञान, कौशल विकास, भूजल संसाधनों के मानचित्रण और शीतलक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में चार अंतर-सरकारी समझौता ज्ञापनों और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनके अलावा, यात्रा के दौरान तीन वाणिज्यिक समझौते भी संपन्न हुए। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने कोपेनहेगन में दूसरे नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रण भी दिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन को रायसीना डायलॉग के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने 13 अप्रैल 2021 को वर्चुअल रूप में अपना मुख्य भाषण दिया था।

चौथे संयुक्त आयोग की बैठक 4 सितंबर 2021 को कोपेनहेगन में आयोजित की गई थी। विदेश मंत्री ने डेनमार्क के विदेश मंत्री जेप्पे कोफोड के साथ बैठक की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री ने क्वीन मार्ग्रेथ II के साथ भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच स्वास्थ्य और चिकित्सा पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और संयुक्त आयोग के तहत स्वास्थ्य पर एक संयुक्त कार्य समूह की स्थापना की गई। प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र विदेश मंत्री को सौंपा जिसमें वैश्विक जलवायु महत्वाकांक्षा को बढ़ाने और इस चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त जलवायु वित्तपोषण जुटाने के लिए डेनमार्क की प्रतिबद्धता का वर्णन किया गया था। विदेश मंत्री ने पहले 6 अप्रैल 2021 को डेनमार्क के विदेश मंत्री जेप्पे कोफोड के साथ एक वर्चुअल बैठक की थी तथा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैक्सीन-संबंधी सहयोग पर चर्चा की थी। विदेश मंत्री ने 19 जून 2021 और 24 जून 2021 को डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ टेली-वार्ता भी की और वैक्सीन सहयोग पर चर्चा की।

डेनमार्क के जलवायु, ऊर्जा और उपयोगिता मंत्री डैन जोर्गेनसन ने एक मजबूत व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ 7-10 सितंबर 2021 तक भारत की यात्रा की। उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्री, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री से मुलाकात की। उनकी यात्रा के दौरान, नई दिल्ली में अपतटीय पवन ऊर्जा के लिए एक संयुक्त उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया गया। 24 अगस्त 2021 को पशुपालन, 10 सितंबर 2021 को अक्षय ऊर्जा, 10 सितंबर 2021 को विद्युत और 7 अक्टूबर 2021 को स्वास्थ्य पर संयुक्त कार्यदल की बैठक हुई।

प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय चर्चा के लिए हैदराबाद हाउस में डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन का स्वागत किया

अक्टूबर 2021 में नई दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन का स्वागत किया

एस्तोनिया

टॉलिन में एक रेजिडेंट मिशन खोलने के निर्णय के साथ एस्टोनिया और भारत के संबंधों में काफी सुधार हुआ, जो हमारी साझेदारी को बढ़ाने की साझा इच्छा को दर्शाता है।

विदेश मंत्री ने 21 मई 2021 को एस्टोनियाई विदेश मंत्री ईवा-मारिया लीमेट्स के साथ एक वर्चुअल बैठक की। दोनों मंत्रियों ने यूएनएससी में सहयोग के साथ-साथ साइबर सुरक्षा और डिजिटल संक्रमण के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रियों के बीच पहली प्रत्यक्ष बैठक 17 अगस्त 2021 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारतीय अध्यक्षता के अवसर पर न्यूयॉर्क में हुई। दोनों मंत्रियों ने समुद्री और साइबर सुरक्षा पर एक साथ काम करने पर चर्चा की और अफगानिस्तान के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री लीमेट्स भी 18 अगस्त 2021 को संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह के दौरान विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ मौजूद थी।

भारत-एस्टोनिया विदेश कार्यालय परामर्श का 11 वां दौर 25 नवंबर 2021 को सम्पन्न हुआ। भारत और एस्टोनिया ने वर्ष 2021 के लिए यूएनएससी के गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में मिलकर काम किया। एस्टोनिया यूरोपीय संघ के उन देशों में से एक था जिन्होंने कोविशील्ड और कोवैक्सिन दोनों टीकों को सबसे पहले मान्यता दी।

फिनलैंड

फिनलैंड के साथ भारत के संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण रहे हैं और ये संबंध दोनों पक्षों द्वारा अनुसंधान, नवाचार और निवेश में सहयोग के विविध क्षेत्रों में दिखाई देते हैं। प्रधानमंत्री और फ़िनिश प्रधानमंत्री सना मारिन के बीच एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन 16 मार्च 2021 को आयोजित किया गया था। यह दोनों नेताओं के बीच पहली वार्ता थी, जिसके दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को शामिल करते हुए एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। 2 नवंबर 2021 को ग्लासगो में कॉप-26 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने फिनलैंड के राष्ट्रपति सौली निनिस्टो के साथ एक अलग बैठक की। विदेश मंत्री ने भारत में कोविड की स्थिति के संबंध में 21 मई 2021 को विदेश मंत्री हाविस्टो के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। 22 सितंबर 2021 को विदेश मंत्री ने यूएनजीए के दौरान फिनलैंड के विदेश मंत्री पेक्का हाविस्टो से मुलाकात की और अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति पर चर्चा की।

विदेश कार्यालय परामर्श का 11वां दौर 23 नवंबर 2021 को हेलसिंकी में आयोजित किया गया था। डिजिटल साझेदारी के तत्वों की पहचान करने के लिए 25 मई 2021 को फिनलैंड स्थित भारतीय आईटी कंपनियों के साथ एक वर्चुअल राउंड टेबल का आयोजन किया गया। व्यावसायिक शिक्षा में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए भारतीय दूतावास द्वारा 30 सितंबर 2021 को राष्ट्रीय कौशल विकास सहयोग और एजुकेशन फिनलैंड के सहयोग से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। अक्षय ऊर्जा में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन के तहत चौथा संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) 23 सितंबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया जिसमें हाइड्रोजन ईंधनों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उच्च शिक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए, 10 फिनिश विश्वविद्यालयों के संघ और भारत के 23 आईआईटी के बीच समझौता ज्ञापन का नवीकरण सितंबर 2021 में किया गया।

भारत में कोविड संकट के दौरान फिनलैंड ने यूरोपीय संघ के नागरिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से 324 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर भारत को भेजे। फिनलैंड ने स्वीकृत टीकों के रूप में कोविशील्ड और कोवैक्सिन को भारत से स्वीकार किया है।

16 मार्च 2021 को फ़िनिश प्रधानमंत्री सना मारिन और प्रधानमंत्री के बीच वर्चुअल शिखर सम्मेलन

फिनलैंड में भारत के राजदूत की अध्यक्षता में फिनलैंड स्थित भारतीय आईटी कंपनियों के प्रमुखों के साथ एक गोलमेज बैठक

मार्च 2021 में वर्चुअल शिखर सम्मेलन में फ़िनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन के साथ भारत के प्रधानमंत्री

यूनान

विदेश मंत्री 25-27 जून 2021 को यूनान की आधिकारिक यात्रा पर रहे। उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री निकोस डेंडियास के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर विचारों का व्यापक आदान-प्रदान हुआ। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने यूनान के प्रधानमंत्री कीरियाकोस मित्सोटाकिस से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 26 जून 2021 को एथेंस में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। यह प्रतिमा दोनों देशों के बीच मित्रता के एक सशक्त प्रतीक की भूमिका निभाएगी।

यूनानी विदेश मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए और भारतीय पक्ष को उसे सौंप दिया। विदेश मंत्री ने आईएसए परिवार में यूनान का स्वागत किया।

विदेश मंत्री ने 26 जून 2021 को यूनानी विदेश मंत्री निकोस डेंडियास से मुलाकात की

विदेश मंत्री निकोस डेंडियास, विदेश मंत्री और एथेंस के मेयर कोस्टास बकोयानिस द्वारा महात्मा गांधी की नवीन प्रतिमा का अनावरण।

जून 2021 में विदेश मंत्री की ग्रीस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री, ग्रीस के विदेश मंत्री निकोस डेंडियास तथा एथेंस के मेयर कोस्टास बकोयानिस ने महात्मा गांधी की नई प्रतिमा का अनावरण किया

होली सी

भारत और होली सी के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध 1948 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के समय से हैं। भारत में एशिया की दूसरी सबसे बड़ी कैथोलिक आबादी निवास करती है।

एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के रूप में, 21 वर्षों के अंतराल के बाद, प्रधानमंत्री ने 30 अक्टूबर 2021 को वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस के एकांत स्थल पर हिज़ होलिनेस पोप फ्रांसिस से मुलाकात की । बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने कोविड और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की। पोप ने महामारी के दौरान जरूरतमंद देशों को भारत द्वारा सहायता दिए जाने की सराहना की। प्रधानमंत्री ने पोप को जल्द से जल्द भारत आने का निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री ने उसी दिन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के साथ एक संक्षिप्त बैठक भी की।

प्रधान मंत्री ने अक्टूबर 2021 में वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में परम पावन पोप फ्रांसिस से मुलाकात की

हंगरी

हंगरी के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध लगातार बढ़ते रहे हैं, हालांकि कोविड महामारी ने गतिविधियों की गति को प्रभावित किया है।

विदेश मंत्री ने 1-2 सितंबर 2021 को स्लोवेनिया में ब्लेड स्ट्रैटेजिक फोरम के दौरान और फिर 22 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के अवसर पर विदेश मामलों और व्यापार मंत्री पीटर सिज्जार्टो से मुलाकात की।

सचिव (पश्चिम) ने 19 जनवरी, 2021 को भारत-हंगरी विदेश कार्यालय परामर्श के 10वें दौर के लिए हंगरी की यात्रा की। हंगरी पक्ष का नेतृत्व विदेश मामलों और व्यापार मंत्रालय में पूर्वी संबंधों के विकास के लिए उप राज्य सचिव, डॉ. अंद्रास बरनी ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों ने ऐतिहासिक रूप से दोस्ताना और सौहार्दपूर्ण संबंधों पर जोर दिया और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। दोनों पक्षों ने आपसी हित की क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और बहुपक्षीय मंचों में अपने सहयोग को बढ़ाने पर सहमत हुए।

हंगरी और भारत ने 8 अक्टूबर 2021 को कोविड टीकाकरण प्रमाण-पत्रों की पारस्परिक मान्यता के लिए पत्रों का आदान-प्रदान किया। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसे 25 अक्टूबर 2021 से लागू करने के लिए अधिसूचना जारी की।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष ने 29 सितंबर से 1 अक्टूबर 2021 तक हंगरी की यात्रा की। विदेश मामलों और व्यापार मंत्रालय में उप राज्य सचिव मार्टन शॉबर्ल से मुलाकात के अलावा, आईसीसीआर के अध्यक्ष ने इओटवोस लोरंड विश्वविद्यालय के भारत अध्ययन विभाग के भारतविदों के साथ बैठक भी की और इस विश्वविद्यालय में "भारत@75: अतीत से, वर्तमान में, भविष्य की ओर" विषय पर एक सार्वजनिक भाषण दिया। उन्होंने भारतीय दूतावास के अमृता शेर-गिल सांस्कृतिक केंद्र (एएससीसी) में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में भी भाग लिया। अध्यक्ष, आईसीसीआर की यह यात्रा एएससीसी द्वारा आयोजित 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में आयोजित हुई थी।

नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती 5 मई 2021 को बालटनफुरेड में मनाई गई, जिसमें बालटनफुरेड के मेयर ने भाग लिया। गुरुदेव टैगोर नवंबर 1926 में कुछ समय के लिए इस शहर में रुके थे। 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह के भाग के रूप में, एलिज़ाबेथ सास ब्रूनर और एलिज़ाबेथ ब्रूनर - मां बेटी जोड़ी चित्रकारों, द्वारा महात्मा गांधी पर बनाए गए चित्रों की एक प्रदर्शनी 3 नवंबर , 2021 को नाग्यकनिज़ा में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में शहर के सांसद और नाग्यकनिज़ा शहर के मेयर ने भाग लिया।

आइसलैंड

भारत और आइसलैंड के बीच संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण बने हुए हैं। आइसलैंड में लगभग 357 भारतीय नागरिक (129 एनआरआई, 81 पीआईओ) हैं, जिनमें से अधिकांश सेवा, व्यवसाय में हैं या छात्र हैं।

कोविड महामारी के दौरान, आइसलैंड ने 15 वेंटिलेटर और फेविपिराविर की 12,000 गोलियां प्रदान की, जो भारत को 2 जून 2021 को प्राप्त हुई। भारत और आइसलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 17.13 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। भारत में आइसलैंड की करीब 8 कंपनियां काम कर रही हैं। आइसलैंड मई 2019 से मई 2021 तक आर्कटिक परिषद का अध्यक्ष था। भारत आर्कटिक परिषद (आर्कटिक राज्यों का एक अंतर-सरकारी मंच) में एक पर्यवेक्षक है। रीकजाविक ने 14-17 अक्टूबर 2021 तक आर्कटिक में दुनिया की सबसे बड़ी वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सभा, 'आर्कटिक सर्कल असेंबली' की मेजबानी की। आइसलैंड में भारतीय राजदूत ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आइसलैंड ने अप्रैल,2021 में रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) में बाह्य लेखापरीक्षक के पद के लिए, सितंबर 2021 में इंटरपोल आपराधिक पुलिस संगठन (आईसीपीओ) की कार्यकारी समिति में एशिया के लिए वीपी/डेलीगेट के पद के लिए, 10 दिसंबर 2021 को श्रेणी ख में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद (आईएमओ) में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

लातविया

2021 में भारत और लातविया के बीच राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे हो गए। महामारी ने कुछ हद तक द्विपक्षीय संबंधों को सीमित कर दिया।

प्रधानमंत्री क्रिस्जेनिस कारिन्स ने यूरोपीय संघ-भारत के नेताओं की बैठक में भाग लिया और प्रधानमंत्री के साथ वार्ता की। भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत को एक महत्वपूर्ण सहयोगी भागीदार के रूप में विशिष्ट मानते हुए, प्रधानमंत्री क्रिस्जेनिस कारिन्स ने महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभदायक यूरोपीय संघ-भारत व्यापार समझौते के लिए वार्ता पुनः आरंभ करने के यूरोपीय संघ के फैसले का स्वागत किया।

लातविया ने मई 2021 में नागालैंड राज्य के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए यूएनडीपी इंडिया के माध्यम से 50,000 यूरो का अंशदान दिया।

राजदूत तन्मय लाल ने 25 मई 2021 को एक वर्चुअल समारोह में लातविया के राष्ट्रपति एगिल्स लेविट्स को प्रत्यय-पत्र प्रस्तुत किया। राजदूत ने सईमा के डिप्टी स्पीकर दगमारा बीटनरे-ले गल्ला और लातविया के राज्य सचिव एंड्रीस पेल्स के साथ वर्चुअल प्रारूप में बातचीत भी की।

विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने 5 अक्टूबर 2021 को लातवियाई राजदूत आर्टिस बर्टुलिस की अगवानी की। राजदूत बर्टुलिस ने भारत के साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने और 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के बारे में भी चर्चा की।

लातवियाई संसद (सईमा) के दो सदस्य आर्टिस लेजिन्स और क्रिस्जेनिस फेल्डमैनिस ने 15 अगस्त 2021 को इंडो-लातवियाई चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोहों में भाग लिया।

8 सदस्यीय भारतीय महिला टेनिस टीम ने प्रथम बिली जीन कप प्ले ऑफ में भाग लेने के लिए अप्रैल 2021 में लातविया की यात्रा की। महिला टेनिस टीम में साइना मिर्ज़ा, अंकिता रैना, कर्मन कौर थांडी, रुतुजा भोसले और ज़ील देसाई शामिल थे।

लिकटेंस्टीन की रियासत

भारत और लिकटेंस्टीन की रियासत के बीच द्विपक्षीय संबंध सुचारू बने रहे। बर्न स्थित भारतीय दूतावास को समानांतर रूप से लिकटेंस्टीन की रियासत से मान्यता प्राप्त है और यह रियासत में भारतीय डायस्पोरा के साथ नियमित संपर्क बनाए रखता है।

लिथुआनिया

भारत और लिथुआनिया के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं जो घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों से पहचाने जाते हैं। हाल के वर्षों में आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध बढ़े हैं तथा भारत और लिथुआनिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 485 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। लिथुआनिया में भारतीय निवेश में एक विनिर्माण संयंत्र में इंडोरामा समूह का 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश और एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ शामिल हैं, जिसने विल्नियस में 500 से अधिक लोगों को रोज़गार देने वाले बार्कलेज़ की आईटी अवसंरचना सेवाओं का अधिग्रहण किया है। इंडोरामा ने प्लास्टिक रेज़िन के निर्माण के लिए क्लाईपेडा आर्थिक क्षेत्र में एक संयंत्र स्थापित किया है। लिथुआनिया में भारतीय निवेश बढ़ रहा है।

माल्टा

भारत और माल्टा ने द्विपक्षीय स्तर पर और संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग करते हुए, वर्ष के दौरान सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। माल्टा ने महामारी के एक बहुत ही कठिन चरण के दौरान भारत का समर्थन करने की अपनी पहल के तहत नई दिल्ली के होली फैमिली अस्पताल में 20 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर भेजे।

माल्टा के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री एवरिस्ट बार्टोलो ने 2 अक्टूबर 2021 को उच्चायोग द्वारा आयोजित गांधी जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम के बाद पीस कार रैली हुई जिसे विदेश मंत्री बार्टोलो और उच्चायुक्त ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

माल्टा में भारतीय प्रवासी समुदाय की संख्या लगातार बढ़ रही है जिसमें बहुसंख्यक समूह में स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं, जो माल्टीज़ हेल्थकेयर सिस्टम में अपनी सेवा, विशेष रूप से कोविड महामारी के दौरान, के लिए प्रशंसा बटोर रहे हैं।

मोलदोवा

इंडिया@75 समारोहों के अवसर पर इंटरनेशनल फ्री यूनिवर्सिटी ऑफ मोलदोवा (यूअलआईएम), चिसीनाउ में एक इंडिया सेंटर का उद्घाटन किया गया।

व्यापार और निवेश, शिक्षा, संस्कृति और क्षमता निर्माण में भारत और गागौज़िया के बीच सहयोग पर चर्चा करने के लिए, राजदूत और मोलदोवा के गागौज़िया के स्वायत्त क्षेत्रीय इकाई के राज्यपाल के बीच एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।

7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2021 चिसीनाउ में छह अलग-अलग स्थानों पर मनाया गया: 20 जून (नियाग्रा फिटनेस क्लब), 20 जून (डेंड्रारियू पार्क), 21 जून [फ्री इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ मोलदोवा (यूएलआईएम)], 21 जून (जीवा योग केंद्र), 22 जून (अनसूया योग केंद्र) और 26 जून (योग स्टूडियो, सूर्य)।

24 सितंबर 2021 को चिसीनाउ, मोलदोवा में हिंदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी कविताओं का पाठ, नृत्य और लाइव हिंदी प्रश्नोत्तरी शामिल थी। इस कार्यक्रम में 50 स्थानीय प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय दूतावास ने हिंदी फिल्मों वाले 187 डीवीडी का एक संग्रह भी यूएलआईएम के भारतीय केंद्र को भेंट किया।

मोंटेनेग्रो

मोंटेनेग्रो के साथ भारत के संबंध सोशलिस्ट फेडरल रिपब्लिक ऑफ यूगोस्लाविया, जिसका यह एक घटक गणराज्य था, के दिनों से ही पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। मोंटेनेग्रो में भारत के लिए काफी सद्भावना और मित्रता की भावना है।

राजदूत जयदीप मजूमदार ने 8 फरवरी 2021 को मोंटेनिग्रिन राज्य के अध्यक्ष मिलो जुकानोविक को अपना प्रत्यय-पत्र प्रस्तुत किया जिन्होंने दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से अच्छे संबंधों और उच्चतम स्तरों पर स्थापित होने वाले लघु संचार पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने मोंटेनेग्रो में भारतीय संस्कृति केंद्र के सुनियोजित उद्घाटन का भी स्वागत किया।

17 अप्रैल 2021 को मोंटेनेग्रो के राष्ट्रपति की वेबसाइट पर प्रकाशित एक वीडियो संदेश में प्रथम महिला लिडिजा जुकानोविक ने भारतीयों को मोंटेनेग्रो आने के लिए आमंत्रित किया।

जुलाई 2021 में मोंटेनिग्रिन विदेश मंत्रालय द्वारा वर्चुअल प्रारूप में आयोजित समर स्कूल फॉर यंग डिप्लोमैट्स के 14वें संस्करण में एक भारतीय राजनयिक ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 30 देशों के 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उत्तर मैसेडोनिया

भारत और उत्तर मैसेडोनिया गणराज्य के बीच संबंध मधुर और सौहार्दपूर्ण हैं। उत्तर मैसेडोनिया ने विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उत्तर मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे और ओहरिड शहर में 26-27 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 मनाया गया।

नॉर्वे

नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण और अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री एरिक सोलहेम ने विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम (डीवीपी) के तहत आईसीसीआर के निमंत्रण पर 19-24 अप्रैल 2021 के दौरान भारत की यात्रा की। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की घरेलू और विदेश नीति के मुद्दों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना था।

अप्रैल 2021 में नॉर्वे सरकार ने भारत के लिए मानवीय कोष में 20 मिलियन नॉर्वेजियन क्रोनर (यूएसडी 2.4 मिलियन) के योगदान की घोषणा की। यह सहायता रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्रदान की गई।

'सतत विकास हेतु नीली अर्थव्यवस्था पर भारत-नॉर्वे कार्य-बल' की चौथी बैठक 9 जून 2021 को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य सचिव, रतन पी. वाटल और नॉर्वे में भारत के राजदूत हैंस जैकब फ्राइडेनलंड की सह-अध्यक्षता में आयोजित की गई।

द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए 21 जून 2021 को विदेश मंत्री और नॉर्वे के विदेश मंत्री इने मैरी एरिक्सन सोराइडे के बीच एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

विदेश मंत्री और नॉर्वे के विदेश मंत्री इने मैरी एरिक्सन सोराइडे ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर 21 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में एक द्विपक्षीय बैठक की और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर चर्चा की।

पोलैंड

भारत और पोलैंड के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध चले आ रहे हैं, जो मजबूत राजनीतिक साझेदारी, जीवंत आर्थिक संबंध और पारंपरिक सांस्कृतिक रिश्तों द्वारा पहचाने जाते हैं। संबंधों में यह सकारात्मक प्रवृत्ति, विशेष रूप से आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों में, एक दशक की अवधि में द्विपक्षीय व्यापार में 108% की वृद्धि, अर्थात 2010-11 में 1.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2020-21 में 2.73 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक, में परिलक्षित होती है। पोलैंड मध्य और पूर्वी यूरोप क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक और निवेश भागीदार बना हुआ है।

पोलिश विदेश मंत्री ज़बिग्न्यू राऊ ने अप्रैल 2021 में 6वीं रायसीना वार्ता में वर्चुअल भाग लिया। मंत्री ने रेखांकित किया कि बहुपक्षीय संस्थाओं के सहयोग से ही कोविड के लिए एक प्रभावी वैश्विक प्रतिक्रिया संभव है।

सचिव (पश्चिम) ने वर्चुअल "लोकतंत्र और प्रतिरोध क्षमताः साझा लक्ष्य" विषय पर 10वें लोकतांत्रिक समुदाय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसे 22 सितंबर 2021 को यूएनजीए सत्र के दौरान आयोजित किया गया था।

भारत और पोलैंड के बीच दूसरी नीति योजना वार्ता वर्चुअल रूप से 24 मार्च 2021 को आयोजित की गई थी। आईसीसीआर की पोलैंड में दो पीठ हैं - वारसॉ विश्वविद्यालय में एक हिंदी शिक्षक और यूरोप के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक, जैगेलोनियन विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन की एक पीठ। आईसीसीआर सिलेसिया विश्वविद्यालय, केटोवाइस में रोमा अनुसंधान केंद्र (आरआरसी) स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

रोमानिया

रोमानिया के विदेश मंत्री के निमंत्रण पर, विदेश मंत्री ने रोमानियाई डिप्लोमेसी की वार्षिक बैठक को 8 सितंबर 2021 को वर्चुअल रूप में संबोधित किया। इससे पहले, रोमानिया के विदेश मंत्री बोगदान ऑरेस्कु ने अप्रैल 2021 में रायसीना डायलॉग को ऑनलाइन संबोधित किया था।

विदेश राज्य मंत्री (श्री वी. मुरलीधरन) ने 1 जुलाई 2021 को रोमानिया, मोलदोवा और अल्बानिया में भारतीय समुदाय के साथ वर्चुअल से बातचीत की। विदेश राज्य मंत्री (श्री वी. मुरलीधरन) ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और विदेशों में भारतीय समुदाय के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। मोलदोवा के छात्रों सहित भारतीय समुदाय के 40 से अधिक प्रमुख सदस्य इस वर्चुअल बातचीत में शामिल हुए।

ताकि गवर्नमेंट कॉलेज (टीजीसी) भारत और बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकनॉमिज स्टेडिज़ (एएसई) रोमानिया ने रवीन्द्रानाथ टैगोर की जयंती के लिए 7 मई 2021 को भारत के दूतावास, बुखारेस्ट के सहयोग से एक ऑनलाइन कार्यक्रम की मेजबानी की ।

रोमानिया में 28 मई 2021 को एक पुस्तक 'आयुर्वेद इन रोमानिया - वॉल्यूम 2' का विमोचन किया गया। रोमानियाई और अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध इन पुस्तक में आयुर्वेद पर भारत और रोमानिया के विशेषज्ञों के लेख हैं।

इंटरनेशनल एसोसिएशन यूरो फोटो आर्ट (एआईईएफए), रोमानिया और कोलकाता (भारत) के बंगाल फोटोग्राफी इंस्टीट्यूट के सहयोग से ओरेडिया सिटी म्यूजियम - कल्चरल कॉम्प्लेक्स, रोमानिया में भारत पर एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी 'लेंस विजन' आयोजित की गई। बंगाल फोटोग्राफी इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष संजय भट्टाचार्य और संस्थान के सदस्यों की 72 तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2021 रोमानिया में चार स्थानों पर मनाया गया: 21 जून 2021 (सीड्स ऑफ़ हैप्पीनेस सेंटर), और 25 जून 2021 (रोआबा डी कल्टुरा), और 26 और 27 जून2021 को क्लुज-नेपोका और टिमिसोआरा में मनाया गया। 20 जून 2021 को एक ऑनलाइन कार्यक्रम 'योग फॉर वेलबीइंग' भी आयोजित किया गया।

3 जुलाई -30 जुलाई 2021 तक यूटरपे सेंटर ऑफ आर्ट, बुखारेस्ट द्वारा एक फोटो प्रदर्शनी 'साड़ी - परंपरा और निरंतरता' का आयोजन किया गया।

क्लुज सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज द्वारा कैसीनो शहरी सांस्कृतिक केंद्र, क्लुजनेपोका में 23 जुलाई 2021 को एक कार्यक्रम "रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि" ("ओमागिउ लुई रवींद्रनाथ टैगोर") आयोजित किया गया। एएमएन, रोमानिया द्वारा क्लुज में ऑक्टेवियन गोगा लाइब्रेरी में एक आयुर्वेद शिविर का भी आयोजन किया गया था।

29 जुलाई 2021 को इसरो और रोमानियाई अंतरिक्ष एजेंसी (रोसा) के बीच एक ऑनलाइन बैठक हुई। इसरो और रोसा ने क्रमशः भारत और रोमानिया द्वारा अंतरिक्ष में की जा रही गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतियाँ दीं।

14 सितंबर 2021 को भारत के दूतावास, बुखारेस्ट में हिंदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी कविताओं, गीतों का पाठ और भारतीयों और रोमानियाई लोगों द्वारा हिंदी सिखाने और सीखने के अनुभव को साझा करना शामिल था।

दूतावास ने 21 सितंबर 2021 को रोमानियाई-अमेरिकी विश्वविद्यालय को 250 पुस्तकों का एक संग्रह भेंट किया, जिनमें से अधिकांश हिंदी भाषा में हैं। पुस्तकों के इस संग्रह में हिंदी भाषा की पुस्तकों की सबसे बड़ी संख्या शामिल हैं जो हाल के दिनों में भारत के दूतावास द्वारा रोमानिया के एक शैक्षणिक संस्थान को भेंट स्वरूप दी गई हैं।

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 27 सितंबर 2021 को रोमानियाई संसद में भारत पर एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में बंगाल फोटोग्राफी संस्थान के फोटोग्राफरों के काम को प्रदर्शित किया गया था और यूरो फोटो आर्ट एसोसिएशन, ओरेडिया के अध्यक्ष स्टीफन टोथ इस्तवान द्वारा संगृहीत किया गया था।

दूतावास ने भारतीय इतिहास, कला, नीति और संस्कृति पर 280 पुस्तकों का एक संग्रह 14 अक्टूबर 2021 को डाम्बोविटा काउंटी के ओक्रिटा, गुरा ओक्रिटेई और रासीउ में पुस्तकालयों को भेंट में दिया। गुरा ओक्रिटेई के मेयर, सोरिन वासिल इयोनिटा ने इस पहल का स्वागत किया और भविष्य के सहयोग के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की।

सर्बिया

इस अवधि के दौरान दो उच्च स्तरीय यात्राओं ने हाल के वर्षों में उच्च स्तरीय संपर्कों की गति को बनाए रखने में मदद की। सर्बिया के विदेश मंत्री निकोला सेलाकोविच ने 19-20 सितंबर 2021 को सर्बिया के राष्ट्रपति के विशेष दूत के रूप में भारत की आधिकारिक यात्रा की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति से मुलाकात की और विदेश मंत्री के साथ-साथ विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) के साथ चर्चा की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत तथा प्रगाढ़ बनाने पर विचारों का व्यापक आदान-प्रदान किया जिसमें अधिक आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग अगले कुछ महीनों में विदेश कार्यालय परामर्श के अगले दौरे के आयोजन का गठन शामिल है। उन्होंने दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान जारी रखने पर संतोष व्यक्त किया और कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और आईटीईएस, भारी इंजीनियरिंग, मशीनरी और उपकरण, बुनियादी ढांचा और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

विदेश राज्य मंत्री (मीनाक्षी लेखी) ने अक्तूबर 2021 में सर्बिया में गुट निरपेक्ष आंदोलन की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के राष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कोविड वैक्सीन प्रमाण-पत्रों की मान्यता के संबंध में पारस्परिक व्यवस्था को अंतिम रूप देने का स्वागत किया। यात्रा के दौरान राजनयिक मिशनों और कांसुलर पोस्ट के सदस्यों के आश्रितों के लिए लाभकारी रोजगार के संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने 11-12 अक्टूबर, 2021 को बेलग्रेड में आयोजित गुटनिरपेक्ष आंदोलन की 60 वीं वर्षगांठ के अवसर पर

हुई उच्च स्तरीय स्मारक बैठक में, प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। स्मारक गुट निरपेक्ष आंदोलन बैठक में भाग लेने के साथ-साथ विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने सर्बियाई नेताओं से मुलाकात की और हमारे दो मित्र देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने सर्बिया के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने उप प्रधानमंत्री और कृषि, वानिकी और जल प्रबंधन मंत्री, उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री, उप प्रधानमंत्री और संस्कृति और सूचना मंत्री, व्यापार पर्यटन और दूरसंचार, और विदेश मामलों के मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकों में हमारे द्विपक्षीय संबंधी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। यात्रा के दौरान भारत और सर्बिया के बीच एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर भी हस्ताक्षर किए गए। अन्य कार्यक्रमों में विधि संकाय, बेलग्रेड विश्वविद्यालय में शिक्षण स्टाफ और छात्रों को संबोधित करना, भारतविदों और भारत-प्रेमियों के चुनिंदा समूह के साथ बातचीत और महात्मा गांधी और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि देना शामिल था।

इस यात्रा ने भारत और सर्बिया के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और गति प्रदान की। दोनों पक्ष दोनों देशों के बीच साझेदारी के विस्तार और विविधीकरण पर सहमत हुए।

स्लोवाकिया

विदेश राज्य मंत्री (श्री वी. मुरलीधरन) ने 2 जुलाई 2021 को स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्रालय के राज्य सचिव, इंग्रिड ब्रोकोवा के साथ वर्चुअल परामर्श किया। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की जिसमें व्यापार, निवेश, संस्कृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और लोगों के आपसी संपर्क में सहयोग को मजबूत करने के तरीके शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे विभिन्न मंचों पर सहयोग सहित बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई। वे भारत और स्लोवाकिया के बीच संबंधों को और आगे बढ़ाने और उन्हें व्यापक बनाने के प्रयास जारी रखने पर सहमत हुए।

स्लोवेनिया

भारत-स्लोवेनिया द्विपक्षीय संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहे। भारत और स्लोवेनिया के बीच 8वां विदेश कार्यालय परामर्श 10 दिसंबर 2021 को वर्चुअल प्रारूप में हुआ। भारत की ओर से सचिव (पश्चिम) और स्लोवेनियाई पक्ष की ओर से विदेश मामलों के मंत्रालय के राज्य सचिव (उप मंत्री) द्वारा परामर्श का नेतृत्व किया गया। विदेश कार्यालय परामर्श इस वर्ष स्लोवेनिया की स्वतंत्रता के 30 वर्ष पूरे होने और जुलाई-दिसंबर 2021 की अवधि के लिए स्लोवेनिया की यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता की पृष्ठभूमि में आयोजित किए गए। अगले वर्ष, भारत और स्लोवेनिया के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने का उत्सव मनाया जाएगा। ।

भारत और स्लोवेनिया के बीच दिसंबर 2021 में आयोजित 8वां विदेश कार्यालय परामर्श

स्वीडन

कोविड के बावजूद, 2021 में भारत-स्वीडन संबंध घनिष्ठ बने रहे। प्रधानमंत्री और स्वीडन के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन ने 5 मार्च 2021 को

एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जहां उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत और स्वीडन के बीच वर्तमान विस्तृत संबंधों की भी समीक्षा की और भारत-स्वीडन साझेदारी के विषयों में और विविधता लाने के रास्ते तलाशे। 2021 में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच दो और वार्ताएं हुई। प्रधानमंत्री लोफवेन ने 8 मई 2021 को भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लिया और भारत के साथ व्यापार वार्ता की बहाली का स्वागत किया। बैठक के दौरान, इस बात पर प्रकाश डाला गया कि इन वार्ताओं से भारत और स्वीडन के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ यूरोपीय संघ और भारत में रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री लोफवेन ने नवंबर 2021 की शुरुआत में ग्लासगो में कॉप26 के अवसर पर प्रधानमंत्री से पुनः मुलाकात की।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने अप्रैल 2021 में विदेश व्यापार और नॉर्डिक मामलों के मंत्री अन्ना हॉलबर्ग के साथ एक वर्चुअल बैठक की। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारतीय रक्षा मंत्री और रक्षा मंत्री पीटर हल्टक्विस्ट ने 8 जून 2021 को 'विकास और सुरक्षा के अवसरों से लाभ-प्राप्ति' विषय पर भारत-स्वीडन रक्षा उद्योग सहयोग वेबिनार में विचार प्रकट किया। इस अवसर पर सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) और स्वीडिश सुरक्षा और रक्षा उद्योग (एसओएफएफ) ने द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

व्यापार, उद्योग और नवाचार मंत्री और विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, अंतरिक्ष राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय ने 26 अक्टूबर 2021 को हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित, दिन भर चलने वाले 8 वें भारत स्वीडन नवाचार दिवस का उद्घाटन संयुक्त रूप से किया। सचिव (डीएसटी और डीबीटी) और दार्जा इसाकसन, विनोवा के महानिदेशक, स्वीडिश एजेंसी फॉर इनोवेशन ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। वक्ताओं में दोनों देशों के वरिष्ठ कारोबारी नेता शामिल थे। व्यापक सहभागिता वाले इस कार्यक्रम की विषय-वस्तु 'एक्सेलरेटिंग ग्रीन ट्रांजिशन' थी।

विदेश मंत्री एन लिंडे ने सितंबर 2021 में जिमनिच में विदेश मंत्री के साथ 'अनौपचारिक लंच' में भाग लिया जिसका आयोजन यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के मंत्रियों की बैठक के अवसर पर किया गया था।

सीएसआईआर-एनईईआरआई और आईवीएल स्वीडिश पर्यावरण अनुसंधान संस्थान के बीच 18 अक्टूबर 2021 को नागपुर में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय नौसेना के जहाज 'आईएनएस तबर' ने सद्भावना यात्रा के रूप में 30 जुलाई-1 अगस्त 2021 तक स्टॉकहोम की यात्रा की। आईएनएस तबर का स्टॉकहोम के रॉयल पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया। एक डेक रिसेप्शन आयोजित किया गया जहां स्वीडिश डिप्टी चीफ ज्वाइंट ऑपरेशंस मेजर जनरल जोनास विकमैन मुख्य अतिथि थे।

आईकेईए इंडिया, वोल्वो समूह, एचएंडएम, टू कॉलर, एरिक्सन और अन्य सहित प्रमुख स्वीडिश कंपनियों ने भारत में कोविड राहत प्रयासों में सहायता प्रदान की।

2022 में एएफसी महिला एशियाई कप की तैयारी के लिए स्वीडिश टीमों के खिलाफ दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलने के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने पहली बार स्वीडन की यात्रा की। स्वीडन के थॉमस डेनरबी भारतीय महिला फुटबॉल टीम के कोच हैं।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 के दौरान प्रधानमंत्री ने स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के साथ बातचीत की

स्विट्ज़रलैंड

भारत और स्विट्जरलैंड के संबंध मधुर और सौहार्दपूर्ण बने रहे। विदेश मंत्री ने 9 जून 2021 को अपने समकक्ष फेडरल काउंसलर डॉ इग्नाज़ियो कैसिस के

साथ टेलीफोन पर परामर्श किया। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने 27 सितंबर- 1 अक्टूबर 2021 तक स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने स्विस परिसंघ के अध्यक्ष गाय परमेलिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने स्विट्जरलैंड की महिला सांसदों और सचिवों से भी मुलाकात की, महिला सशक्तिकरण पर विचारों का आदान-प्रदान किया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत की प्रमुख उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने स्विस इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की 18वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को भी संबोधित किया।

आईसीसीआर के अध्यक्ष ने 30 अक्टूबर- 2 नवंबर 2021 तक स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की। अपनी यात्रा के दौरान आईसीसीआर के अध्यक्ष ने बर्न के मेयर, श्री एलेक वॉन ग्रेफेनरिड के साथ बर्न फर्नवेह महोत्सव में संयुक्त रूप से अतुल्य भारत शोकेस का उद्घाटन किया। चौथा भारत-स्विट्जरलैंड वित्तीय संवाद 11 मई 2021 को आयोजित किया गया और भारत-स्विट्जरलैंड संयुक्त आर्थिक आयोग का 18 वां सत्र 9 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया।

विदेश राज्य मंत्री (मीनाक्षी लेखी) ने अक्टूबर 2021 में ज्यूरिख में स्विस-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की वार्षिक आम बैठक को संबोधित किया

तुर्की

कोविड संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के मद्देनजर इस अवधि के दौरान सीमित द्विपक्षीय संबंध रहे। 29 मार्च 2021 को दुशांबे में " हार्ट ऑफ एशिया-इस्तांबुल प्रोसेस" के 9वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अवसर पर तुर्की के विदेश मंत्री मेव्लुत कवुसोगलु के साथ भारतीय विदेश मंत्री की बैठक उच्च स्तरीय बातचीत में उल्लेखनीय है ।

कोविड महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई के समर्थन में, तुर्की ने मई 2021 में 630 ऑक्सीजन सिलेंडर, 50 वेंटिलेटर और 5 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की आपूर्ति की।

तुर्की में आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) का स्मरणोत्सव 21 जून 2021 को इस्तांबुल, अंकारा, कप्पादोसिया, मेर्सिन और तुर्की के कई अन्य स्थानों में मुख्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। एकेएएम के तहत कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

यूरोप पश्चिम

यूनाइटेड किंगडम

4 मई, 2021 को आयोजित सफल भारत-यूके वर्चुअल शिखर सम्मेलन के साथ, वर्ष 2021 में भारत-यूके द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री और यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अगले दस वर्षों के लिए सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी भारत-यूके रोडमैप 2030 को स्वीकार किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-यूके द्विपक्षीय सहयोग में वृद्धि न केवल पारस्परिक लाभ प्राप्त कर सकती है, बल्कि जीवन और आजीविका को पुनर्जीवित करने, दुनिया भर में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक शक्ति भी बन सकती है। दोनों नेताओं ने एक व्यापक एफटीए पर बातचीत के माध्यम से दोनों देशों के

बीच पूर्ण व्यापार क्षमता का दोहन करने के लिए एक 'उन्नत व्यापार साझेदारी' (ईटीपी) भी आरंभ की और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा।

कोविड सहयोग: भारत और यूके ने कोविड महामारी को कम करने के लिए प्रतिबद्धताओं को साझा किया है। कोविड की दूसरी लहर के दौरान, यूके सरकार ने 600 से अधिक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण (495 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर और 200 वेंटिलेटर) और 3 ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों के साथ भारत की सहायता की, जिनमें से प्रत्येक 500 लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट का उत्पादन करता है।

उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान: ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप26) विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर-2 नवंबर 2021 तक यूके की यात्रा की। इस अवसर पर, उन्होंने 1 नवंबर 2021 को यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की, जहां उन्होंने जलवायु, वित्त, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन पर यूके के साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और रोडमैप 2030 के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की। 2 नवंबर 2021 को, दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से सीडीआरआई के तहत महत्वाकांक्षी 'ग्लोबल ग्रीन ग्रिड्स - वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड इनिशिएटिव' कार्यक्रम और इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (आईएसआईएस) पहल का शुभारंभ किया।

विदेश मंत्री ने जी7 विदेश और विकास मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए 3-6 मई 2021 तक यूके की यात्रा की। वर्चुअल शिखर सम्मेलन के परिणामों पर चर्चा करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए विदेश मंत्री ने 6 मई 2021 को यूके के विदेश सचिव डॉमिनिक रैब के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने रोडमैप 2030 के कार्यान्वयन की बारीकी से समीक्षा करने और पारस्परिक हित के अन्य सामयिक क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से एक-दूसरे से बात की।

यूके की नई विदेश सचिव एलिजाबेथ ट्रस ने 22-24 अक्टूबर 2021 को भारत की यात्रा की और भारत-यूके रोडमैप 2030 की समीक्षा करने और प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 22 अक्टूबर 2021 को विदेश मंत्री के साथ बातचीत की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) ने 3 नवंबर 2021 को भारत-यूके एनएसए-स्तरीय सुरक्षा वार्ता के लिए लंदन में अपने यूके समकक्ष सर स्टीफन लवग्रोव से मुलाकात की।

विदेश सचिव ने 23-24 जुलाई 2021 तक यूके की यात्रा की और अपने समकक्ष स्थायी अवर सचिव, विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) फिलिप बार्टन के साथ द्विपक्षीय संबंधों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने दक्षिण एशिया और राष्ट्रमंडल राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद, एफसीडीओ; और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी, थिंक-टैंक समूह और मीडियाकर्मियों से भी मुलाकात की।

नवंबर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने यूके के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन से मुलाकात की

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने 29 अक्टूबर-2 नवंबर 2021 और 8-14 नवंबर 2021 तक कॉप26 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्लासगो की यात्रा की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने कॉप26 के अध्यक्ष श्री आलोक शर्मा से मुलाकात की। इससे पहले, कॉप26 के अध्यक्ष आलोक शर्मा ने संभावित कॉप26 परिणामों पर आगे सहयोग पर चर्चा करने के लिए 16-18 अगस्त 2021 तक भारत की यात्रा की थी।

आर्थिक संबंध: 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2021 तक, भारत-यूके व्यापार 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें भारत का निर्यात 4.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर और यूके से आयात 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ। मिशन ने यूके में भौगोलिक संकेत के टैग वाले जरदालु आम, किंग चिली और ड्रैगन फ्रूट के आयात की सुविधा पहली बार प्रदान की।

11वीं आर्थिक और वित्तीय वार्ता (ईएफडी) की बैठक 2 सितंबर 2021 को

वर्चुअल वित्त मंत्री और यूके के चांसलर ऑफ एक्समैकर, श्री ऋषि सनक के बीच वर्चुअल रूप से हुई थी। उन्होंने एक व्यापक एफटीए की दिशा में काम करने के लिए समझौते का समर्थन किया और फिनटेक में सहयोग को मजबूत करने, सतत वित्तपोषण और अन्य बातों के साथ गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) पर भारत-यूके रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर चर्चा की।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान 13 अक्टूबर 2021 को इटली में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए यू.के की राज्य सचिव ऐनी-मैरियर ट्रेवेलियन से मुलाकात की। यूके की व्यापार सचिव ऐनी-मैरी ट्रेवेलियन ने जेईटीसीओ की 15वीं बैठक के लिए 12-14 जनवरी 2022 तक भारत की यात्रा की। उस अवसर पर, भारत-यूके एफटीए पर वार्ताएं औपचारिक रूप से सीआईएम और यूके व्यापार सचिव द्वारा शुरू की गई।

समझौता ज्ञापन और समझौते: 4 मई 2021 को लंदन में विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान (i) भारत-यूके प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी (एमएमपी) और (ii) भारत-यूके ग्लोबल इनोवेशन पार्टनरशिप (जीआईपी) के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमएमपी संबंधी समझौता ज्ञापन के तहत परिकल्पित एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) ने 25 अगस्त 2021 को अपनी पहली बैठक की। एमएमपी संबंधी समझौता ज्ञापन एक युवा व्यवसायिक योजना (वाईपीएस) की अनुमति देता है जो 3,000 भारतीय छात्रों और युवा व्यवसायिक के लिए यूके में दो साल की अवधि के लिए आने और काम करने के अवसर पैदा करेगा॥ इसके अलावा, वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/समझौतों पर हस्ताक्षर/घोषणा की गई - (i) डिजिटल और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर संयुक्त आशय घोषणा, (ii) दूरसंचार/आईसीटी के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन , (iii) भारत ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य कैलकुलेटर पर भारत और यूके के बीच नए संयुक्त कार्य पर सिद्धांतों का विवरण , (iv) यूके की दवा और स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद नियामक एजेंसी (एमएचआरए) और भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के बीच चिकित्सा उत्पादों के विनियमन के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन और (v) भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) और ब्रिटिश फार्माकोपिया (बीपी) के बीच फार्माकोवियल सहयोग पर समझौता ज्ञापन।

"सीमा शुल्क मामलों में सीमा शुल्क सहयोग और पारस्परिक प्रशासनिक सहायता" के संबंध में भारत-यूके समझौते पर मई 2021 में हस्ताक्षर किए गए। कोविड से स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देने के लिए "लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के बीच अश्वगंधा के क्लिनिकल परीक्षण पर समझौता ज्ञापन पर यूके में" जुलाई 2021 में हस्ताक्षर किए गए।

संस्थागत संवाद: भारत और यूके के बीच 2021 में कई संस्थागत संवाद हुए, जिनमें i) 22 सितंबर 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पहला भारत-यूके कांसुलर संवाद; ii) 8 अक्टूबर 2021 को भारत-यूके ऊर्जा संवाद जो विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, और संसद सदस्य और व्यापार, ऊर्जा और औद्योगिक रणनीति राज्य सचिव (बीईआईएस) क्वासी क्वार्टेंग के बीच वर्चुअल रूप से हुआ। रोडमैप 2030 के भाग के रूप में दोनों पक्षों ने बिजली और स्वच्छ परिवहन, अक्षय ऊर्जा, हरित वित्त और स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पर एक आगे की कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया और सहमति व्यक्त की; iii) 18 अक्टूबर 2021 को लंदन में दूसरी भारत-ब्रिटेन बहुपक्षीय वार्ता; iv) आकस्मिक भारत-ब्रिटेन समुद्री संवाद जो 18 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया और v) 25 नवंबर 2021 को साइबर प्रतिरोध संवाद शामिल हैं।

रक्षा सहयोग: यूके के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंध 2021 में काफी महत्वपूर्ण रहे। उच्च स्तरीय आधिकारिक वार्ता में सेनाध्यक्ष (सीओएएस) की यूके की यात्रा (जुलाई 2021) और यूके के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल सर निक कार्टर, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ, यूके आर्मी जनरल सर मार्क कार्लेटन-स्मिथ, और यूके के फर्स्ट सी लॉर्ड / चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल सर टोनी रेडकिन की अक्टूबर 2021 के महीने में यात्राएं शामिल हैं। ।

यूके के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) ने 21-24 अक्टूबर 2021 को मुंबई और गोवा में भारतीय बंदरगाहों पर एक पोर्ट कॉल किया। यूके सीएसजी के साथ प्रथम भारत-यूके संयुक्त त्रि-सेवा अभ्यास, 'एक्स कोंकण शक्ति' भी 21-27 अक्टूबर 2021 (दोनों बंदरगाह और समुद्री चरण) को आयोजित किया गया। 'पूर्व अजय योद्धा' का छठा संस्करण भारत में 7-17 अक्टूबर 2021 तक फॉरवर्ड ट्रेनिंग नोड (एफटीएन), चौबतिया (उत्तराखंड) में आयोजित किया गया। भारतीय सेना की टीम ने 8-17 अक्टूबर 2021 तक यूके सेना द्वारा आयोजित 'एक्स कैम्ब्रियन पेट्रोल 2021' में भाग लिया और प्रतियोगिता के दौरान स्वर्ण पदक जीता। आईएनएस तबर ने परिचालन, प्रशासनिक, राजनयिक और व्यवसायिक वार्ता के माध्यम से भारतीय नौसेना और रॉयल नेवी के बीच मौजूदा सहयोग को बढ़ाने के लिए, पश्चिमी बेड़े के ओएसडी 01/2021 के भाग के रूप में 13-16 अगस्त 2021 तक पोर्ट्समाउथ, यूके की यात्रा की।

सांस्कृतिक सहयोग: भारत के उच्चायोग ने नेहरू सेंटर (टीएनसी) के माध्यम से सांस्कृतिक और अकादमिक रूप से विशिष्ट व्यक्तित्वों के साथ कई कार्यक्रमों का आयोजन किया ताकि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग और लोगों के आपसी संपर्क को और मजबूत किया जा सके। आयोजित किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में लंदन बसंत महोत्सव (9 अप्रैल 2021), उस्ताद अल्लारखा की याद में (29 अप्रैल 2021), गुरुदेव और पर्यावरण (8 मई 2021), 1971 युद्ध - कराची पर भारतीय नौसेना हमला (31 मई 2021), प्राणायाम शिखर सम्मेलन। - प्राणायाम विज्ञान और वेद जाप (23-24 जून 2021), सिनर्जी - शास्त्रीय नृत्यों का संगम (8 जुलाई 2021), एक ऐप का शुभारंभ - लिटिल गुरु यूके - संस्कृत की शिक्षा (9 सितंबर 2021), 'हिंदी दिवस' (14 सितंबर 2021) शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2021 का आयोजन किया गया जिसमें बुजुर्गों, बच्चों और विशेष बलों (जिन्होंने यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस), पुलिस और अन्य कर्मचारियों के लिए कोविड के दौरान अत्यधिक योगदान दिया) के लिए योग पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल थी।

जर्मनी

द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के साथ-साथ यूरोपीय संघ में जर्मनी की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण, जर्मनी यूरोप में भारत के सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है। 7 मार्च 2021 को भारत और जर्मनी ने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मनाई। वर्ष 2021-22 में होने वाले कई कार्यक्रमों के माध्यम से यह जयंती मनाई जा रही है। समारोह के भाग के रूप में, दोनों देशों द्वारा 10 जून 2021 को स्मारक डाक टिकट जारी किए गए।

हाल के उच्च-स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान: प्रधानमंत्री और तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने 8 मई 2021 को आयोजित 'भारत-यूरोपीय संघ सर्व नेता बैठक' में भाग लिया। दोनों ने 23 अगस्त 2021 को द्विपक्षीय संबंधों, कोविड महामारी और अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर बातचीत की। ।

प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर 2021 को रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर जर्मन चांसलर और तत्कालीन नामित चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ से मुलाकात की, ताकि द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की जा सके। प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के अत्यधिक योगदान के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने 1 नवंबर, 2021 को आयोजित कॉप26 के अवसर पर भी बातचीत की।

विदेश मंत्री ने 22 सितंबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अवसर पर जी4 बैठक के लिए, और फिर अफगानिस्तान पर द्विपक्षीय आदान-प्रदान के लिए जर्मन विदेश मंत्री से मुलाकात की।

बुंडेस्टाग के जर्मन-भारतीय संसदीय मैत्री समूह की 50वीं वर्षगांठ 22 जून 2021 को मनाई गई। इसमें विदेश मामलों की भारतीय संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष तथा राज्य मंत्री, जर्मन विदेश मंत्रालय नील्स एनेन और अन्य लोगों के साथ, जर्मन-भारतीय संसदीय मैत्री समूह के तत्कालीन अध्यक्ष श्री डिर्क विसे ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस अवसर पर विदेश राज्य मंत्री (श्री वी. मुरलीधरन) द्वारा एक विशेष संदेश प्रदर्शित किया गया।

10 सितंबर 2021 को, जर्मनी के आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय की ओर से संसदीय राज्य सचिवों, डॉ मारिया फ्लैक्सबर्थ और नॉर्बर्ट बार्थले ने दिल्ली की यात्रा की और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के फ्रेमवर्क समझौते के लिए अंगीकार-पत्र सचिव (ईआर) को सौंपा। यात्रा के दौरान, उन्होंने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, विद्युत और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री के साथ-साथ कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री से भी मुलाकात की।

सचिव (पश्चिम) ने 3 जून 2021 को जर्मन पक्ष की ओर से राज्य सचिव आंतजे लीनडेरतसे के साथ वर्चुअल द्विपक्षीय संयुक्त राष्ट्र परामर्श आयोजित किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपने कार्यकाल के दौरान भारत की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला।

कोविड सहयोग: मई 2021 में, भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान, जर्मनी ने दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग के अनुरूप वेंटिलेटर और रेमेडिसविर और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की आपूर्ति की। जर्मन सशस्त्र बलों ने दिल्ली में एक मोबाइल ऑक्सीजन उत्पादन और भरण संयंत्र स्थापित किया, और जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम ने संयंत्र के संचालन के लिए भारतीय रेड क्रॉस के सदस्यों को प्रशिक्षित किया।

आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध: जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। यह लगातार भारत के शीर्ष दस वैश्विक भागीदारों में से एक रहा है और वित्त वर्ष 2020-21 में यह सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार 21.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में लगभग 1% की मामूली गिरावट दर्ज करता है। 2021-22 (अक्टूबर 2021 तक) के दौरान, द्विपक्षीय व्यापार 13.83 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2020-21 में इसी अवधि की तुलना में 16% की वृद्धि दर्शाता है।

जर्मनी भारत के लिए सातवां सबसे बड़ा एफडीआई स्रोत है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2021 तक जर्मनी से भारत में कुल एफडीआई 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वित्त वर्ष 2020-21 में, भारत में जर्मन एफडीआई 667 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 37% अधिक था। भारत में 1700 से अधिक जर्मन कंपनियां और 600 से अधिक संयुक्त उद्यम हैं। जर्मन मित्तलस्टैंड (एसएमई) और परिवार के स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए एक मार्केट एंट्री सपोर्ट प्रोग्राम, 'मेक इन इंडिया मित्तलस्टैंड' (एमआईआईएम) भारतीय दूतावास, बर्लिन द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है ताकि भारत में विनिर्माण के लिए उच्च क्षमता वाली मित्तलस्टैंड कंपनियों की सहायता की जा सके। अब तक, इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1.46 बिलियन यूरो के घोषित निवेश के साथ 152 कंपनियों को सुविधा प्रदान की जा रही है। इनमें से 30 से अधिक कंपनियां 'हिडन चैंपियन' हैं जो विशिष्ट उत्पादों/प्रौद्योगिकियों में विश्व बाज़ार में अग्रणी हैं।

2021 में, जर्मन ऑटोमोटिव कंपनी वेबैस्टो ने पुणे में सनरूफ निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 34 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। जर्मन कृषि रसायन समूह, बायर ने 28 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ गुजरात के वापी में एक नया विनिर्माण संयंत्र शुरू किया। प्रमुख जर्मन ऑटो कंपोनेंट ज़ेडएफ फ्रेडरिकशफेन एजी ने भारत में 200 मिलियन यूरो का निवेश किया है तथा कंपनी के लिए वैश्विक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) का कार्य करने के लिए हैदराबाद के एक तकनीकी केंद्र को निवेश की मात्रा का पांचवां हिस्सा आवंटित किया जाएगा।

जर्मनी में 240 से अधिक भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। निवेश ज्यादातर आईटी, ऑटोमोटिव, फार्मा, बायोटेक और मैन्युफैक्चरिंग में है। भारतीय कंपनियों के प्रमुख समूह नॉर्थ-राइन वेस्टफेलिया, हेस्से, बवेरिया और बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्यों में हैं। भारत और जर्मनी में कंपनियों की समस्याओं/शिकायतों को दूर करने के लिए, डीपीआईआईटी और जर्मन आर्थिक मामले और ऊर्जा मंत्रालय (बीएमडब्ल्यूआई) द्वारा फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित किए गए हैं।

विकास सहयोग: भारत जर्मनी का सबसे बड़ा विकास सहयोग भागीदार है।

भारत के लिए, जापान के बाद जर्मनी दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है। 1958 में शुरू होने के बाद से कुल द्विपक्षीय तकनीकी और वित्तीय सहयोग 22 अरब यूरो से अधिक है। प्रमुख परियोजनाएं ऊर्जा (अक्षय ऊर्जा, हरित ऊर्जा गलियारा), भारत-जर्मन सौर भागीदारी, कौशल विकास और सतत शहरी विकास (जल/स्वच्छता/अपशिष्ट, जलवायु अनुकूल शहरी गतिशीलता, स्मार्ट शहर) के क्षेत्रों में हैं।

विकासात्मक सहयोग पर भारत-जर्मन वार्ता की वार्षिक बैठक 24 नवंबर 2021 को वर्चुअल रूप में हुई। जर्मनी ने स्वच्छ ऊर्जा, अधिक धारणीय शहर और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण प्राप्त करने के लिए 1.2 बिलियन यूरो से अधिक की नई प्रतिबद्धताएं निश्चित कीं।

रक्षा सहयोग: जर्मन नौसैनिक फ्रिगेट 'बायर्न' ने 2 अगस्त 2021 को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की अपनी यात्रा शुरू की। 26 अगस्त 2021 को, भारतीय नौसेना के आईएनएस त्रिकंद और फ्रिगेट बायर्न ने अदन की खाड़ी में युद्ध अभ्यास किया, ताकि अंतरप्रचालनीयता और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की सुविधा हो सके। जनवरी 2022 में फ्रिगेट के मुंबई में पोर्ट कॉल करने की उम्मीद है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और शिक्षा सहयोग: एस एंड टी में सहयोग भारत-जर्मनी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है और भारत में कई वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की जर्मन आर एंड डी संस्थाओं के साथ घनिष्ठ भागीदारी है जिसमें मैक्स प्लैंक सोसाइटी, फ्रौनहोफर लैबोरेट्रीज़ और अलेक्जेंडर वॉन हंबोल्ट फाउंडेशन शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में, जर्मनी भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं के पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरा है। 2020 के आंकड़ों के अनुसार, जर्मनी में फिलहाल 28900 से ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

जर्मनी में एक औद्योगिक व्यवस्था में अनुप्रयुक्त अनुसंधान करने के लिए युवा भारतीय शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) ने 14 जून 2021 को पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टरल औद्योगिक फेलोशिप शुरू की। 24 नवंबर 2021 को आईजीएसटीसी ने वाइसर (विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान में महिला भागीदारी) कार्यक्रम भी लॉन्च किया ताकि वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण करने, भारत/जर्मनी में महिला शोधकर्ताओं को बनाए रखने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य को पूरा किया जा सके।

अनिवासी केरलवासी मामलों के विभाग (नोरका), जो केरल सरकार की राज्य-संचालित रोज़गार एजेंसी है, ने जर्मनी के ट्रिपल विन कार्यक्रम के तहत जर्मनी में पंजीकृत नर्स के रूप में केरल राज्य के स्वास्थ्य व्यवसायियों की नियुक्ति के लिए 2 दिसंबर 2021 को जर्मन संघीय रोज़गार एजेंसी (एफईए) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

फ्रांस

भारत और फ्रांस के बीच सामरिक साझेदारी 1998 से है। पिछले कुछ वर्षों में, मजबूत और भरोसेमंद द्विपक्षीय संबंधों के परिणामस्वरूप रक्षा और सुरक्षा सहयोग, अंतरिक्ष और असैनिक परमाणु सहयोग के क्षेत्रों में अधिक गहराई और अनेक क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारों पर सहमति है, जिसमें आतंकवाद-रोध, साइबर और डिजिटल शासन इंडो-पैसिफिक जलवायु परिवर्तन और संयुक्त राष्ट्र सुधार शामिल हैं।

भारत और फ्रांस के सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध भी काफी जीवंत हैं, जो लोगों के बढ़ते आपसी संपर्कों में परिलक्षित होता है तथा 1 अक्टूबर 2021 को फ्रांसीसी संसद द्वारा अनुसमर्थन के बाद प्रवासन और गतिशीलता समझौते के लागू होने से ये और मजबूत हुए हैं।

हाल के उच्च-स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान : प्रधानमंत्री और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों टेलीफोन पर बातचीत और व्यक्तिगत बैठकों के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं। 26 मई 2021 को, दोनों नेताओं ने भारत में कोविड महामारी की दूसरी लहर के चरम के दौरान टेलीफोन पर बात की। राष्ट्रपति मैक्रों ने फ्रांस के समर्थन और एकजुटता को दोहराया और भारत के लिए अत्यंत आवश्यक ऑक्सीजन जनरेटर और आवश्यक उपकरण भेजे। दोनों ने 21 सितंबर 2021 को टेलीफोन पर भी बात की और चर्चा में अन्य बातों के साथ-साथ अफगानिस्तान की स्थिति, आतंकवाद के प्रसार और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का प्रतिरोध करना और भारत-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीके शामिल थे। भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति दोनों ने 30 अक्टूबर को रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर भी मुलाकात की।

फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन ने विदेश मंत्री के साथ वार्ता के लिए 13-15 अप्रैल 2021 तक भारत की यात्रा की। उन्होंने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध क्षेत्रों में अधिक सहयोग के लिए अनेक अवसरों को स्वीकार किया। फ्रांस के विदेश मंत्री ने यात्रा के दौरान रायसीना डायलॉग में भी भाग लिया। फ्रांस की सशस्त्र सेना मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने 17 दिसंबर 2021 को रक्षा मंत्री के साथ वार्षिक रक्षा वार्ता के लिए भारत की यात्रा की।

एनएसए और फ्रांस के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार की अध्यक्षता में 35 वीं रणनीतिक वार्ता 5 नवंबर 2021 को पेरिस में आयोजित की गई। इस वार्ता में व्यापक, भविष्य उन्मुख विषय शामिल थे, इसमें इंडो-पैसिफिक के लिए प्रमुख रक्षा और सुरक्षा साझेदारी की पुष्टि की गई, द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग के विस्तार के तरीकों और नए खतरों से निपटने के उपाय, और भारत के रक्षा औद्योगीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए फ्रांसीसी समर्थन पर चर्चा की गई।

फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव फ्रेंकोइस डेलाट्रे ने भारत के विदेश सचिव के साथ विदेश कार्यालय परामर्श की अध्यक्षता करने के लिए 21-22 दिसंबर 2021 तक नई दिल्ली की यात्रा की। आधिकारिक स्तर पर, भारत और फ्रांस के बीच कई महत्वपूर्ण संस्थागत संवाद आयोजित किए गए, जिसमें उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के नेतृत्व में, पेरिस में 11 अक्टूबर 2021 को समुद्री सहयोग वार्ता, 16 नवंबर 2021 को आतंकवाद-रोध पर भारत-फ्रांसीसी संवाद और

18 नवंबर 2021 को निरस्त्रीकरण और परमाणु प्रसार पर संवाद शामिल हैं जो सभी पेरिस में आयोजित किए गए। चीन पर द्विपक्षीय परामर्श 2 अप्रैल 2021 को पेरिस में हुआ और अफ्रीका पर द्विपक्षीय परामर्श 20 अप्रैल 2021 को वीडियो-कॉन्फ्रेंस द्वारा हुआ।

फ्रांस सरकार द्वारा विदेश मंत्री को भारत-प्रशांत में सहयोग के लिए मंत्रिस्तरीय फोरम में उद्घाटन भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया है, जो 22 फरवरी 2022 को पेरिस में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रोन, यूरोपीय संघ परिवाद के राष्ट्रपति चार्ल्स मिशेल, यूरोपीय संघ आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और जापान के विदेश मंत्री के भाग लेने की संभावना है। विदेश मंत्री के 23 फरवरी 2022 को पेरिस में आयोजित होने वाले हिंद महासागर आयोग की मंत्रिस्तरीय परिषद में भाग लेने की भी उम्मीद है।

रक्षा सहयोग: प्रमुख चालू रक्षा संबंधी परियोजनाओं में राफेल विमान की खरीद और पी-75 स्कॉर्पीन परियोजना शामिल है। भारत विशिष्ट संवर्द्धन के बाद राफेल विमानों और संबंधित हथियार प्रणालियों की सुपुर्दगी समय पर हो रही है और 36 में से, तीन को छोड़कर सभी फ्रांस की ओर से भारत पहुंचा दिए गए हैं।

अभ्यास वरुण 25 से 27 अप्रैल 2021 तक ओमान के तट पर फ्रांसीसी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ आयोजित किया गया जहां संयुक्त अरब अमीरात ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया। अभ्यास वरुण बढ़ते सौहार्द पर प्रकाश डालता है और दोनों मित्र नौसेनाओं के बीच तालमेल, समन्वय और अंतर-संचालन के बढ़े हुए स्तरों को प्रदर्शित करता है। भारतीय नौसेना ने 5 से 7 अप्रैल 2021 तक बंगाल की खाड़ी में अभ्यास ला पेरौस (फ्रांस, यूएस, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ बहुपक्षीय अभ्यास) में भी भाग लिया। अभ्यास शक्ति का नवीनतम संस्करण 15-26 नवंबर 2021 तक फ्रांस के फ्रीजस में आयोजित किया गया। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने 19-24 अप्रैल 2021 तक फ्रांस की यात्रा की और नामित नौसेना प्रमुख ने 15-16 नवंबर 2021 तक पेरिस में फ्रांसीसी नौसेना द्वारा आयोजित हिंद महासागर नौसेना सिम्पोजियम (आईओएनएस) प्रमुखों के सम्मेलन के 7वें संस्करण में भाग लेने के लिए फ्रांस की यात्रा की।

रक्षा सहयोग पर भारत-फ्रांस उच्च समिति (एचसीडीसी) की 15वीं बैठक पांच साल के अंतराल के बाद 25 नवंबर 2021 को पेरिस में हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार ने किया। दोनों पक्षों ने रक्षा उपकरण और रक्षा औद्योगीकरण में गति को आगे बढ़ाने की तीव्र इच्छा व्यक्त की है।

अंतरिक्ष और असैन्य परमाणु सहयोग : फ्रांस भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए घटकों और उपकरणों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। वर्तमान में इसरो और सीएनईएस 2024 और 2030 के बीच तृष्णा इन्फ्रारेड उपग्रह परियोजना को लागू करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे रहे हैं। अप्रैल 2021 में इसरो मुख्यालय में फ्रांसीसी विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम से संबंधित सहयोग विशेष रूप से अंतरिक्ष चिकित्सा में विशेषज्ञता को साझा करने संबंध में, इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) और फ्रांसीसी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी (सीएनईएस) के बीच एक कार्यान्वयन समझौते का आदान-प्रदान किया गया।

इलेक्ट्रिसिटे डी फ्रांस (ईडीएफ) की एक टीम ने 18 अप्रैल 2021 को प्रस्तावित जैतापुर न्यूक्लियर पावर प्लांट की 6 इकाइयों के लिए न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) को बाध्यकारी टेक्नो कमर्शियल ऑफर (टीसीओ) जमा करने के लिए भारत की यात्रा की। दोनों पक्ष टीसीओ सहित इस परियोजना पर काम कर रहे हैं।

आर्थिक संबंध : फ्रांस भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक है, जिसके पास दिसंबर 2020 तक लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का संचयी एफडीआई स्टॉक है। 7000 से अधिक कर्मचारियों के साथ फ्रांस में लगभग 150 भारतीय कंपनियां (सहायक कंपनियों सहित) काम कर रही हैं। कोविड महामारी के कारण, 2020 में कुल द्विपक्षीय व्यापार सालाना आधार पर 23.1% की गिरावट के साथ 9 बिलियन यूरो देखा गया। वर्ष 2021 के लिए द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और नवंबर 2020 - अक्टूबर 2021 की अवधि के लिए यह लगभग 12 बिलियन यूरो तक पहुंच चुका है।

16 जून 2021 को, प्रधानमंत्री ने वीवाटेक-2021 के 5वें संस्करण में वर्चुअल रूप से मुख्य भाषण दिया, जो यूरोप की सबसे बड़ी डिजिटल प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी है। भारत में 15 भारतीय स्टार्टअप के साथ एक डिजिटल पवेलियन था। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और फ्रांस के डिजिटल मामलों के मंत्री ने 24-25 नवंबर 2021 को पेरिस में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित पहले भारत-फ्रांस डिजिटल साझेदारी शिखर सम्मेलन, इनफिनिटी (सूचना प्रौद्योगिकी में भारत-फ्रांस नवाचार) के उद्घाटन सत्र में वर्चुअल रूप से भाग लिया तथा इस ऑनलाइन प्रदर्शनी में 16000 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागियों और 450 स्टार्ट-अप की सहभागिता देखी गयी।

विदेश मंत्री ने फ्रांस के औद्योगिक आकर्षण मंत्री के साथ 6 जुलाई 2021 को इंडो-पैसिफिक बिजनेस समिट में भाग लिया। विदेश मंत्री ने 29 अक्टूबर 2021 को आयोजित 'एम्बिशन इंडिया' बिजनेस फोरम के तीसरे संस्करण में उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें भारत का अतिथि राज्य तेलंगाना था और इसका नेतृत्व तेलंगाना के वाणिज्य और आईटी, नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री ने किया था।

आईएसए और फ्रांस के बीच सहयोग को और मजबूत किया गया जब आईएसए के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर ने 14-16 सितंबर 2021 तक फ्रांस की यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से मुलाकात की। राजदूत ने 7 अक्टूबर 2021 को एनटीपीसी और ईडीएफ के बीच अंतर्राष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र में सहयोग पर वर्चुअल एमओयू हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया।

सांस्कृतिक सहयोग : 8-16 जनवरी 2022 के बीच दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले में फ्रांस सम्मानित अतिथि होगा, जिसमें कई फ्रांसीसी लेखक, प्रकाशक और पत्रकार भाग लेंगे। फ्रांसीसी दूतावास 21-27 फरवरी 2022 को मंत्रालय के आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) सप्ताह के दौरान भित्ति चित्र पर एक कार्यक्रम भी आयोजित करेगा।

मोनाको

भारत और मोनाको ने 2007 में राजनयिक संबंध स्थापित किए और पेरिस में भारत के राजदूत को समानांतर रूप से मोनाको की रियासत से मान्यता प्राप्त है।

भारत-मोनाको सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार, पर्यटन और कर संबंधी मामले शामिल हैं जो भारत और मोनाको के बीच समग्र सकारात्मक संबंधों को समृद्ध करते हैं। दोनों पक्ष सांस्कृतिक संबंधों, समुद्री जैव विविधता पर सहयोग और स्वच्छ ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने का भी प्रयास करते हैं।

बेल्जियम

भारत और बेल्जियम के बीच उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं। सितंबर 2021 में यूएनजीए के दौरान, विदेश मंत्री की अपने समकक्ष उप प्रधानमंत्री और बेल्जियम के विदेश मंत्री सोफी विल्म्स के साथ बैठक सहित विभिन्न राजनीतिक वार्ताओं के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया गया। सचिव (पश्चिम) ने अक्टूबर 2021 में ब्रुसेल्स में अपने समकक्ष डीजी द्विपक्षीय मामले (बेल्जियम) से मुलाकात की। भारत और बेल्जियम के बीच पारस्परिक कानूनी सहायता संधि पर 16 सितंबर 2021 को हस्ताक्षर किए गए। भारत और बेल्जियम के बीच अक्षय ऊर्जा पर जेडब्ल्यूजी की तीसरी बैठक 28 अक्टूबर 2021 को आयोजित की गई।

व्यापार और आर्थिक संबंध: जनवरी से अगस्त 2021 तक भारत और बेल्जियम के बीच वस्तुओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार 7.75 बिलियन यूरो का है। इसी अवधि के दौरान भारत और बेल्जियम के बीच सेवाओं में कुल द्विपक्षीय व्यापार 892 मिलियन यूरो है। अप्रैल 2000 से जून 2021 तक भारत में बेल्जियम द्वारा कुल निवेश 2.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिससे यह भारत में 20वां सबसे महत्वपूर्ण निवेशक बन गया। 1997 में स्थापित भारत-बेल्जियम लक्ज़मबर्ग आर्थिक संघ संयुक्त आयोग (भारत-बीएलईयू जेसीएम) द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का मुख्य मंच है। भारत-बीईएलयू जेसीएम का 17वां सत्र 16 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया।

कोविड सहयोग: बेल्जियम ने भारत को रेमडेसिविर की 9000 शीशियां प्रदान की। बेल्जियम ने विशेष रूप से भारतीय वायु सेना के विमानों को ओस्टेन्डे हवाई अड्डे से महत्वपूर्ण जीवन समर्थन उपकरणों के एयरलिफ्ट की सुविधा भी प्रदान की। मई-जून 2021 में ऐसी छह उड़ानों ने 19 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर, 950 से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर, और 43 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर को भारत पहुंचाने में मदद की।

नीदरलैंड्स

नीदरलैंड यूरोपीय संघ में भारत का एक प्रमुख व्यापार और निवेश भागीदार है। 9 अप्रैल 2021 को प्रधानमंत्री और डच प्रधानमंत्री मार्क रूट के बीच वर्चुअल शिखर सम्मेलन वर्ष 2021 में भारत-नीदरलैंड वार्ताओं का उच्च बिंदु माना जा सकता है। दोनों नेताओं ने जल संबंधी क्षेत्रों में भारत डच सहयोग को और प्रगाढ़ करने के लिए 'जल संबंधी रणनीतिक साझेदारी' स्थापित करने और जल संबंधी जेडब्ल्यूजी को मंत्री स्तर तक अपग्रेड करने पर सहमति व्यक्त की। नेताओं ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद-रोध, कोविड महामारी सहित क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और इंडो-पैसिफिक, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और वैश्विक डिजिटल शासन के नए क्षेत्रों में उभरते संबंधों का लाभ उठाने पर सहमत हुए।

स्वास्थ्य पर जेडब्ल्यूजी की बैठक (20 अप्रैल 2021); स्थानिक योजना, जल प्रबंधन और गतिशीलता प्रबंधन पर समझौता ज्ञापन के तहत जेडब्ल्यूजी बैठक (9 जून 2021); कृषि सहयोग पर जेडब्ल्यूजी बैठक (10 जून 2021); जल सहयोग पर बैठक (7 सितंबर 2021); विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर भारत-नीदरलैंड संयुक्त समिति की बैठक (22-23 सितंबर 2021) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और नीदरलैंड अंतरिक्ष कार्यालय के अधिकारियों के बीच बैठक (जुलाई 2021 और अक्टूबर 2021) से साथ विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की गति बढ़ाई गई। सितंबर 2021 में जल, कृषि और स्वास्थ्य में सामाजिक चुनौतियों के लिए प्रमुख सक्षम प्रौद्योगिकियों पर इंडो-डच वर्चुअल मिशन ने पहले से ही मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में मदद की।

भारत और नीदरलैंड के बीच विदेश कार्यालय परामर्श 10 नवंबर 2021 को द हेग, नीदरलैंड में आयोजित किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव (पश्चिम) ने किया और डच पक्ष का नेतृत्व डच विदेश मंत्रालय के महासचिव पॉल हुइज्स ने किया। दोनों पक्षों ने जल संबंधी रणनीतिक साझेदारी सहित वर्चुअल शिखर सम्मेलन के परिणामों के कार्यान्वयन की समीक्षा की और 2022 में भारत और नीदरलैंड के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

लोकसभा अध्यक्ष ने अक्टूबर 2021 में रोम में जी20 संसदीय अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के मौके पर नीदरलैंड की सीनेट के अध्यक्ष जान एंथोनी ब्रुजन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

कोविड सहयोग: यूरोपीय संघ के माध्यम से नीदरलैंड ने भारत में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान सहायता प्रदान की। मई 2021 में, भारतीय वायु सेना ने नीदरलैंड से क्रायोजेनिक टैंकरों को एयरलिफ्ट किया, जिन्हें एक

भारतीय कंपनी ने पट्टे पर दिया था। केएलएम रॉयल डच एयरलाइन ने दोनों पक्षों के बीच एयर बबल समझौते के तहत भारत और नीदरलैंड के बीच उड़ानें संचालित करना जारी रखा।

आर्थिक संबंध: व्यापार और निवेश संबंध द्विपक्षीय संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ बने रहे। अप्रैल 2000 से सितंबर 2021 की अवधि में, भारत में डच निवेश में 38.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर शामिल है जो चौथे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2021-22 (अप्रैल-सितंबर) के लिए निवेश प्रवाह 2.13 अरब अमेरिकी डॉलर था। 2021-22 (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान भारत का निर्यात 5.73 अरब अमेरिकी डॉलर और भारत का आयात 2.44 अरब अमेरिकी डॉलर था।

भारतीय दूतावास, हेग ने अंतर्राष्ट्रीय महर्षि आयुर्वेद फाउंडेशन और महर्षि यूरोपीय अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) के साथ संयुक्त रूप से 23 नवंबर 2021 को नीदरलैंड के रोएरमंड में अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद कांग्रेस का आयोजन किया। आयुष राज्य मंत्री ने कांग्रेस को ऑनलाइन संबोधित किया। फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, सर्बिया और स्विटजरलैंड के आयुर्वेद विशेषज्ञ और विद्वान इस कांग्रेस में शामिल हुए। आयुर्वेद में चार औपचारिक डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स, जिन्हें मेरु द्वारा संचालित किया गया है, को आयुष मंत्रालय द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र दिया गया।

प्रवासी और सांस्कृतिक सहयोग: नीदरलैंड, जहां पहले से ही विशाल भारतीय समुदाय और छात्र आबादी निवास करती है, एक पसंदीदा गंतव्य बना रहा और 2021 के दौरान उनकी संख्या में 9% की वृद्धि हुई। विभिन्न घटनाओं और गतिविधियों के साथ एकेएएम समारोह जारी रहा। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 130वीं जयंती पर उनके जीवन और भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया से संबंधित तस्वीरों की एक वर्चुअल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021, 19 जून 2021 को एक हाइब्रिड प्रारूप में मनाया गया। गांधी जयंती के अवसर पर हेग में गांधी केंद्र में एक कार्यक्रम 'महात्मा को नमन' आयोजित किया गया, जिसमें एक स्कूल आउटरीच कार्यक्रम शामिल था ताकि युवाओं के मन में महात्मा गांधी के आदर्शों का संचार किया जा सके और उनमें सत्य, अहिंसा और शांति के मूल्यों का समावेश हो सके।

गुजरात के गांधीनगर में 10-12 जनवरी 2022 तक होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) के 10वें संस्करण में नीदरलैंड एक भागीदार देश होगा।

लक्जमबर्ग

लक्जमबर्ग के ग्रैंड डची के साथ भारत के मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। नवंबर 2020 में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच सफल वर्चुअल शिखर सम्मेलन के परिणामस्वरूप द्विपक्षीय संबंधों को अत्यधिक बढ़ावा मिला। शिखर सम्मेलन की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, लक्ज़मबर्ग 4 फरवरी 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल हो गया। सेबी और लक्ज़मबर्ग नियामक सीएसएसएफ के बीच जून 2021 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वैक्सीन कोल्ड चेन और मेडिकल रेफ्रिजरेशन में लक्ज़मबर्ग स्थित एक वैश्विक अग्रणी कंपनी बी. मेडिकल सिस्टम्स ने भी भारत में रिकॉर्ड समय में कार्य आरंभ किया, जिसे मंत्रालय द्वारा सक्रिय रूप से सुविधा प्रदान की गई थी।

नवंबर 2021 में दुबई एक्सपो में विदेश मंत्री की अपने समकक्ष लक्ज़मबर्ग के विदेश मंत्री श्री जीन एस्सेलबोर्न के साथ हुई बैठक सहित, विभिन्न राजनीतिक वार्ताओं द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया गया। वर्चुअल शिखर सम्मेलन में बनी सहमति के अनुसार, आरंभिक विदेश कार्यालय परामर्श 12 नवंबर 2021 को लक्ज़मबर्ग में आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता भारतीय पक्ष की ओर से सचिव (पश्चिम) और लक्ज़मबर्ग की ओर से महासचिव ने की थी। लक्ज़मबर्ग वीजीजीएस के 10वें संस्करण के लिए मुख्य भागीदार देशों में से एक है और लक्ज़मबर्ग के प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 9-12 जनवरी 2022 तक भारत की यात्रा करेंगे और साथ ही इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे।

आर्थिक संबंध: जनवरी से अगस्त 2021 तक भारत और लक्जमबर्ग के बीच वस्तुओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार 29 मिलियन यूरो था, जबकि 2019 में सेवा व्यापार का आंकड़ा 190 मिलियन यूरो था। भारत में लक्ज़मबर्ग द्वारा कुल निवेश अप्रैल 2000 से जून 2021 तक 3,478.93 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिससे यह भारत में 15वां सबसे महत्वपूर्ण निवेशक बन गया। 1997 में स्थापित भारत-बेल्जियम लक्ज़मबर्ग आर्थिक संघ संयुक्त आयोग (भारत-बीएलईयू जेसीएम) द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए मुख्य मंच है, जिसका 17वां सत्र 16 सितंबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था।

स्पेन

वर्ष के दौरान भारत-स्पेन के संबंध मजबूत हुए। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर 2021 को जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज़ से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने इटली के मटेरा में 29 जून 2021 को जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में तत्कालीन स्पेनिश विदेश मंत्री अरंचा गोंजालेज लाया से मुलाकात की। लोकसभा और राज्यसभा के छह सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने स्पेन की कांग्रेस द्वारा मैड्रिड में 26-30 नवंबर 2021 तक आयोजित 143वीं अंतर संसदीय संघ विधानसभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने 14-17 सितंबर 2021 तक स्पेन की आधिकारिक यात्रा की और स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेर्स और विदेश मामलों के राज्य सचिव एंजेल्स मोरेनो बाउ के साथ चर्चा की। दोनों पक्षों ने विचाराधीन समझौतों और आर्थिक, व्यावसायिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और शैक्षिक सहयोग को मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने वलाडोलिड में कासा डे ला इंडिया की यात्रा की। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने 16 सितंबर 2021 को एकेएएम के भाग के रूप में स्पेन इंडिया काउंसिल फाउंडेशन में भारत की

विकास सहायता पर एक व्याख्यान भी दिया।

आर्थिक संबंध: 2021 में भारत-स्पेन व्यापार पूर्व-महामारी के स्तर पर पहुंच गया, जो पहली तीन तिमाहियों में 4.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक रहा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री और स्पेन के व्यापार मंत्री रेयेस मारोटो ने भारत स्पेन व्यापार गोलमेज को हरी झंडी दिखाने से पहले 22 अप्रैल 2021 को एक वर्चुअल द्विपक्षीय बैठक की। एयरबस स्पेन से 56 सी295 सैन्य परिवहन विमान खरीदने के लिए 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर, जिनमें से 40 टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स द्वारा भारत में बनाए जाएंगे, रक्षा विमान क्षेत्र में पहली मेक इन इंडिया परियोजना का प्रतिनिधित्व करता है। भारत के ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण और अवसंरचना क्षेत्रों में नवीकृत अभिरुचि के परिणामस्वरूप, भारत में स्पेनिश एफडीआई संचयी स्टॉक ने 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का पड़ाव पार कर लिया, जिससे स्पेन 16 वां सबसे बड़ा एफडीआई निवेशक बन गया।

सांस्कृतिक सहयोग: भारत और स्पेन के बीच जीवंत सांस्कृतिक संबंध विद्यमान हैं। भारतीय दूतावास ने देश भर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव सक्रिय रूप से मनाया। 11 से 17 सितंबर तक एक एकेएएम विशेष सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और डायस्पोरा संवाद कार्यक्रमों के साथ-साथ वलाडोलिड में द बीटल्स इन इंडिया प्रदर्शनी शामिल थी जिसका उद्घाटन विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) द्वारा किया गया। 17 और 18 जुलाई को ग्वाडलजारा शहर में 2 दिवसीय सांस्कृतिक आउटरीच कार्यक्रम जिसमें 15 एकेएएम कार्यक्रम शामिल थे, का आयोजन किया गया। विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन के 100 वर्ष पूरे होने के साथ-साथ सत्यजीत रे और पंडित रविशंकर की जन्म शताब्दी को सेमिनारों, वार्ताओं और वृत्तचित्र स्क्रीनिंग के द्वारा मनाया गया। फितूर 2021 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेले के मौके पर पर्वतारोहण और राजस्थानी वास्तुकला जैसे भारत के विशिष्ट पर्यटन विकल्पों पर वेबिनार आयोजित किए गए। दो भारतीय फिल्मों और एक वृत्तचित्र (भारत में बीटल्स) ने 66वें सेमिन्सी फिल्म फेस्टिवल वेलाडोलिड में प्रतिस्पर्धा की, जिसमें भारतीय फिल्म लास्ट फिल्म शो ने शीर्ष सम्मान जीता। कासा डे ला इंडिया के सहयोग से दूतावास ने भारत की सांस्कृतिक कूटनीति विषय पर वैलाडोलिड विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

एंडोरा

भारत और एंडोरा की रियासत के आपस में घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। एंडोरा और भारत ने विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर एक दूसरे का समर्थन किया। एंडोरा यूरोप के उन पहले देशों में से एक था जिसने कोवैक्सिन को मान्यता दी थी। एंडोरा की विदेश मंत्री मारिया उबाच फॉन्ट ने दूसरी कोविड लहर के दौरान, भारत को एंडोरा का समर्थन और उसके साथ अपनी एकजुटता से अवगत कराया और हमारे वैक्सीन अभियान की सराहना की। एंडोरा में प्रतिष्ठित प्लाका डे कासा डे ला वाल में 7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

आयरलैंड

भारत और आयरलैंड के संबंध सौहार्दपूर्ण और ऐतिहासिक हैं जो लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून की प्रक्रिया और बहुपक्षवाद के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। आयरलैंड ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का लगातार समर्थन किया है। भारत और आयरलैंड के पास 2021-2022 की अवधि के लिए यूएनएससी की अस्थायी सदस्यता है।

आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने पोर्टो में आयोजित (8 मई 2021) भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक में भाग लिया और कनेक्टिविटी साझेदारी तथा शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में लोगों के पारस्परिक आदान-प्रदान पर जोर देने का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मार्टिन ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की ताकत तथा डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों के साथ मिलकर काम करने की संभावना का भी उल्लेख किया। तथापि, महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण, इस अवधि के दौरान द्विपक्षीय यात्राओं का कोई आदान-प्रदान नहीं हुआ।

कोविड आपातकालीन सहायता: आयरलैंड भारत में दूसरी कोविड लहर से उत्पन्न संकट के दौरान सहायता देने वाले यूरोपीय संघ के पहले सदस्यों में से एक था और उसने भारत को दो खेपों में 1248 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर, 425 वेंटिलेटर और 2 ऑक्सीजन जनरेटर की आपातकालीन चिकित्सा सहायता भेजी।

आर्थिक संबंध: वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान भारत और आयरलैंड के बीच व्यापार 882.17 मिलियन यूरो था, जिसमें भारतीय निर्यात 537.04 मिलियन यूरो और आयात 345.12 मिलियन यूरो था। 2021 के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) के दौरान कुल व्यापार कारोबार (996 मिलियन यूरो)पहले ही 2020 के दौरान कुल कारोबार (890 मिलियन यूरो) को पार कर चुका है और जल्द ही 2019 के आंकड़े (1116 मिलियन यूरो) को पार कर सकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) और आयरिश उद्यम, व्यापार और रोजगार विभाग के नेतृत्व में एक जी2जी वर्चुअल बैठक (12 अगस्त 2021) आयोजित की गई ताकि दोनों देशों में एमएसएमई के संबंध में सर्वोत्तम प्रथाओं / नीतियों का आदान-प्रदान किया जा सके और बाद की बी2बी बैठकों के लिए क्षेत्रों पर चर्चा की जा सके।

यूसीसी में पीठ और आईसीसीआर: भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा प्रायोजित भारत अध्ययन पर पीठ हेतु इनके साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए: (i) यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉर्क (यूसीसी) में नई पीठ (13 सितंबर 2021) (ii) डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी (डीसीयू) में अल्पकालिक पीठ का विस्तार (20 जुलाई 2021)।

भारतीय समुदाय: आयरलैंड में भारतीय मूल के लगभग 45,000 व्यक्ति हैं, जिनमें से लगभग 26,500 भारतीय मूल के व्यक्ति हैं और लगभग 18,500 अनिवासी भारतीय हैं। समुदाय का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य देखभाल, आईटी, इंजीनियरिंग और वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर कार्यरत हैं। यह समुदाय स्थानीय रूप से है और आयरिश समाज में अच्छी तरह से घुल-मिल गया है। पूर्व आयरिश प्रधानमंत्री और वर्तमान उप प्रधानमंत्री लियो वराडकर (41 वर्ष) भारतीय वंश के है (पिता भारतीय हैं, माता आयरिश हैं)।

पुर्तगाल

भारत और पुर्तगाल ऐतिहासिक समुद्री संपर्कों, प्रवासी संबंधों और लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के साझा मूल्यों पर आधारित भरोसेमंद संबंध साझा करते हैं। वर्ष 2021 का द्विपक्षीय संबंधों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इसी वर्ष पहली बार भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक जो यूरोपीय संघ की पुर्तगाली अध्यक्षता के तहत आयोजित की गयी थी। 16-17 अप्रैल 2021 को लुआंडा, अंगोला में आयोजित XIII सीपीएलपी शिखर सम्मेलन में भारत को पुर्तगाली भाषा देशों के समुदाय (सीपीएलपी) में एसोसिएट ऑब्जर्वर के रूप में भी स्वीकार किया गया, जिससे आपसी हित के क्षेत्रों में सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए लुसोफोन देशों के साथ सहयोग करने के लिए एक बड़ा मंच खुल गया।

राजनीतिक संबंध और उच्च स्तरीय आदान-प्रदान: पहली भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक, जो 8 मई 2021 को पोर्टो, पुर्तगाल में हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की गई थी, में प्रधानमंत्री, यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्षों और अभूतपूर्व रूप से, सभी 27 यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों के नेताओं की भागीदारी देखी गई। नेताओं की बैठक की पूर्व संध्या पर, प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने पोलिटिको में एक संयुक्त लेख प्रकाशित किया था , जिसमें प्रभावी बहुपक्षवाद और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था को मजबूत करने के ठोस प्रयासों के माध्यम से "विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक स्थानों" के बीच घनिष्ठ संबंधों का आग्रह किया गया था। प्रधानमंत्री कोस्टा के साथ एक वर्चुअल यूरोपीय संघ-भारत व्यापार गोलमेज सम्मेलन 8 मई 2021 को आयोजित किया गया, जिसमें जलवायु, स्वास्थ्य और डिजिटलीकरण पर क्षेत्रवार चर्चा शामिल थी। बैठक के हाइब्रिड प्रारूप के बावजूद, सार्वजनिक दृश्यता सुनिश्चित की गई क्योंकि पोर्टो सिटी हॉल भारतीय राष्ट्रीय रंगों में जगमगा उठा था।

इससे पहले, 28 अप्रैल 2021 को, विदेश मंत्री ने पुर्तगाल के विदेश मंत्री सैंटोस सिल्वा के साथ एक वर्चुअल बैठक की, जहां उन्होंने पिछली उच्च स्तरीय यात्राओं के परिणामों की स्थिति और पोर्टो में मई में नेताओं की बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। 23 जून 2021 को, विदेश मंत्री और विदेश मंत्री सैंटोस सिल्वा ने संयुक्त रूप से ऑनलाइन वार्ता "भारत-यूरोपीय संघ संबंधों का भविष्य" में भाग लिया।

विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने 12-14 सितंबर 2021 तक पुर्तगाल की आधिकारिक यात्रा की। अपने समकक्ष, विदेश मामलों और सहयोग के लिए राज्य सचिव (एसओएस) फ्रांसिस्को आंद्रे के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के बाद, उन्होंने पुर्तगाल में काम करने के लिए भारतीय नागरिकों की भर्ती पर द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पुर्तगाल पहला यूरोपीय संघ का देश है जिसके साथ भारत ने श्रम गतिशीलता पर एक समर्पित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं; यह पुर्तगाल द्वारा गैर-यूरोपीय संघ भागीदार के साथ हस्ताक्षरित पहला ऐसा दस्तावेज भी है। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री सैंटोस सिल्वा, अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए एसओएस यूरिको ब्रिलहंटे डायस और संस्कृति मंत्री ग्राका फोन्सेका से मुलाकात की। विदेश राज्य मंत्री (श्रीमती मीनाक्षी लेखी) ने पुर्तगाली भाषा समुदाय वाले देशों (सीपीएलपी) के कार्यकारी सचिव ज़कारियास दा कोस्टा से भी मुलाकात की - यह जुलाई 2021 में भारत के एसोसिएट ऑब्जर्वर के रूप में शामिल होने के बाद से इस तरह की पहली उच्च-स्तरीय वार्ता की।

संस्थागत जुड़ाव के संदर्भ में, भारत और पुर्तगाल के बीच 5 वीं संयुक्त आर्थिक समिति की बैठक 8-9 अप्रैल 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए एसओएस, यूरिको ब्रिलहंटे डायस और वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने की। दो प्रमुख फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थानों एफडीडीआई (भारत) और सीटीसीपी (पुर्तगाल) के बीच परामर्श, लैब परीक्षण और आर एंड डी में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा संबंधी दूसरा भारत-पुर्तगाल जेडब्ल्यूजी वर्चुअल रूप में 28 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया।

आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध: कोविड महामारी के प्रभाव के बावजूद, द्विपक्षीय व्यापार में 2021 में काफी वृद्धि देखी गई: जनवरी और जून 2021 के बीच भारत-पुर्तगाल व्यापार 428.58 मिलियन यूरो (2020 की तुलना में 15.28% अधिक) रहा, जिसमें व्यापार संतुलन दृढ़ता से भारत के पक्ष में रहा। भारतीय आयात 62.68 मिलियन यूरो (2020 की तुलना में 23.63% अधिक) का था, जबकि भारतीय निर्यात 420.54 मिलियन यूरो (2020 की तुलना में 25.05% अधिक) था।

वर्ष के दौरान, भारतीय कंपनियों जैसे सुगी ग्रुप और बिलिटी इलेक्ट्रिक, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी, जो भारतीय समूह गयम मोटर वर्क्स (जेएमडब्ल्यू) का हिस्सा है, ने पुर्तगाल में निवेश किया। बिलिटी इलेक्ट्रिक अपने तीन पहियों वाले इलेक्ट्रिक वाहन के लिए स्मार्ट स्वैप नामक एक त्वरित स्वैपेबल बैटरी सिस्टम के साथ एक उत्पादन इकाई स्थापित करेगी, जिसे वे पूरे यूरोप में बेचने की योजना बना रहे हैं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान: संस्कृति के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और इंडिया@75 का उत्सव मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें, संस्कृत सीखने के लिए 'लिटिल गुरु' ऐप का शुभारंभ; पोर्टो में सोरेस डॉस रीस राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रदर्शनी "पुर्तगाल में भारत - कलात्मक संगम का समय" जिसके उद्घाटन में विदेश मंत्री सैंटोस सिल्वा और पोर्टो के मेयर ने भाग लिया; गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती का स्मरणोत्सव; पुर्तगाली योग संघ के सहयोग से 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह; 4 सितंबर 2021 को लिस्बन के लुसोफोना विश्वविद्यालय में 'कलर्स ऑफ

इंडिपेंडेंस' कार्यक्रम; हिंदी दिवस पर एक वर्चुअल वैश्विक सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस और एक लाइव संविधान दिवस प्रश्नोत्तरी शामिल है।

12 अक्टूबर 2021 को, 'गांधी नागरिकता शिक्षा पुरस्कार' - शिक्षा मंत्रालय की एक पहल - प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा द्वारा लिस्बन के हिंदू मंदिर में 30 विजेता स्कूलों को एक समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें पुर्तगाली शिक्षा मंत्री टियागो ब्रैंडो रोड्रिग्स भी शामिल थे। मूल रूप से दिसंबर 2019 में अंतर्राष्ट्रीय गांधी @ 150 कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री कोस्टा की नई दिल्ली यात्रा के दौरान घोषित, यह पुरस्कार प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के छात्रों को ऐसी वार्षिक थीम आधारित परियोजनाओं के माध्यम से गांधी की महत्वपूर्ण शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए लक्षित करता है जो नागरिकता के आवश्यक कौशल के विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

इटली

भारत और इटली के द्विपक्षीय संबंधों में 2021 में एक महत्वपूर्ण उन्नति देखी गयी जब जी20 शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री की पहली इटली यात्रा 29-31 अक्टूबर 2021 और इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी के साथ उनकी पहली व्यक्तिगत बैठक हुई। इस दौरान स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के संबंध में एक रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों द्वारा शुरू की गई। वर्ष में इटली के साथ लंबे समय से लंबित दो मुद्दों का समाधान भी किया गया, अर्थात एनरिका लेक्सी मरीन मामले को बंद करना और इतालवी राज्य नियंत्रित रक्षा कंपनी लियोनार्डो पर प्रतिबंध हटाना। इटली और भारत ने बहुपक्षीय क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना जारी रखा, जिसमें इंटरपोल चुनावों के लिए भारत की उम्मीदवारी का इटली द्वारा समर्थन शामिल है।

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान: वर्ष के दौरान कई उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान कार्यक्रम वर्चुअल और प्रत्यक्ष दोनों रूपों में, मुख्य रूप से इटली की जी20 अध्यक्षता में आयोजित हुए। प्रधानमंत्री ने अफगानिस्तान पर इटली द्वारा आयोजित जी20 बैठक (अक्टूबर 2021) में भाग लिया और उनके साथ टेलीफोन पर बातचीत भी की। जी20 मंत्रिस्तरीय बैठकों के लिए भारतीय कैबिनेट मंत्रियों द्वारा अर्थात दो विदेश मंत्री द्वारा (जून और अक्टूबर 2021), दो वाणिज्य और उद्योग मंत्री द्वारा (अक्टूबर 2021), वित्त मंत्री द्वारा (अक्टूबर 2021) और स्वास्थ्य मंत्री द्वारा (सितंबर 2021) कई यात्राएं की गईं। इटली की ओर से, विदेश मंत्री डि माओ ने 6 अप्रैल 2021 को रायसीना डायलॉग में वर्चुअल रूप में भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष ने अक्टूबर 2021 में पी20 के लिए इटली की यात्रा की। इस वर्ष विदेश मामलों की स्थायी समिति के सदस्यों और इटली-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के बीच पहली बार वर्चुअल वार्ता (मार्च 2021) हुई। भारत ने इतालवी जी20 अध्यक्षता की विभिन्न बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लिया और शिखर सम्मेलन के बाद वह इटली के साथ ट्रोइका में शामिल हो गया।

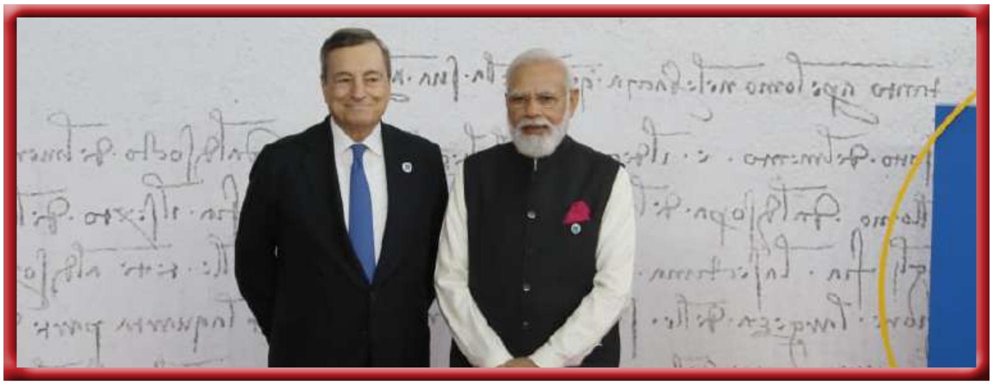

अक्टूबर 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री और इटली के प्रधान मंत्री मारियो ड्रैगी

रक्षा के मोर्चे पर, सीओएएस ने 12 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद 7-9 जुलाई 2021 तक रोम की यात्रा की और आईएनएस तबर ने 3-4 जुलाई 2021 को नेपल्स में एक पोर्ट कॉल किया।

इस साल महामारी संकट के बीच दोनों देशों ने एकजुटता व्यक्त की और एक दूसरे का सहयोग किया। भारत में दूसरी लहर के दौरान, इटली ने ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट, वेंटिलेटर, आवश्यक चिकित्सा उपकरण सहित विभिन्न वस्तुओं की 3 खेप भेजी। इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी एसओएल ने 4 आईएसओ क्रायोजेनिक कंटेनरों (20 एमटी क्षमता) को पट्टे पर देने का सौदा किया।

आर्थिक संबंध: इटली यूरोपीय संघ में भारत के शीर्ष पांच व्यापारिक भागीदारों में से एक है। जनवरी से जुलाई 2021 की अवधि में द्विपक्षीय व्यापार ने 2020 की इसी अवधि की तुलना में 36.01% की वृद्धि दर्ज की, जो कुल 5.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री और उनके समकक्ष की सह-अध्यक्षता में आर्थिक सहयोग पर भारत-इटली संयुक्त आयोग का 21 वां सत्र 9 जुलाई 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित

किया गया तथा पहला भारत-इटली नवाचार दिवस 14 जुलाई 2021 को आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक सहयोग: दोनों देशों ने 2021 में एक-दूसरे के देश के त्यौहार मनाए। एकेएएम समारोहों के भाग के रूप में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 पहली बार स्थानीय विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में इटली में कई स्थानों पर प्रत्यक्ष उत्सवों के साथ मनाया गया, जिसमें रोम में सबसे बड़ा आयोजन था जिसे लॉकडाउन के बाद पहली बड़ी सभा भी माना जा सकता है। भारतीय पीठ की स्थापना के लिए आईसीसीआर और नेपल्स विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

02/2023 तक डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष; दो साल के लिए आईएफएडी की मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष; अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के लिए एफएओ की अंतर्राष्ट्रीय संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के चयन के साथ, कृषि पर 3 रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों (एफएओ, आईएफएडी और डब्ल्यूएफपी) के शीर्ष निकायों में भारत की उपस्थिति और प्रोफ़ाइल काफी बढ़ गई है। भारत एफएओ परिषद और आईएफएडी और डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी बोर्डों का सदस्य बना रहा। अन्य उल्लेखनीय घटनाक्रमों में आईएफएडी में अंशदान को बढ़ाकर 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर करना, साथ ही ऋण के रूप में 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। भारत में किसी भी देश का सबसे बड़ा कार्यक्रम है जो विश्व स्तर पर आईएफएडी की सहायता प्राप्त करता है। एक भारतीय को आईएफएडी में सहायक उपाध्यक्ष के रूप में भी चुना गया था।

सैन मारिनो

सैन मारिनो के साथ भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण बने रहे। दोनों देशों ने विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर, लेकिन समान हित के मुद्दों पर द्विपक्षीय स्तर पर भी उपयोगी सहयोग स्थापित किया है। सैन मारिनो उन पहले यूरोपीय देशों में से था जिन्होंने वैक्सीन प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता पर भारत के साथ औपचारिक रूप से सहमति व्यक्त की थी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 0.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

यूरोपियन संघ

यूरोपीय संघ और भारत 2004 में स्थापित एक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं जो साझा मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित हैं। ये द्विपक्षीय संबंध बहुआयामी हैं और इसमें विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। 2021-22 में पोर्टो, पुर्तगाल में हाइब्रिड मोड में 27+1 प्रारूप में पहली भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक के साथ संबंधों में राजनीतिक गति और तेज हो गई।

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान: प्रधानमंत्री ने मई 2021 में पहली बार आयोजित भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया, जिसमें यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य देशों के नेताओं के साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भाग लिया। बैठक के महत्वपूर्ण परिणामों में संतुलित और व्यापक मुक्त व्यापार और निवेश समझौतों के लिए वार्ता की बहाली और भौगोलिक संकेतों पर भी एक समझौता; 'कनेक्टिविटी पार्टनरशिप' का आरंभ; डिजिटल और उभरती प्रौद्योगिकियों पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाना; और यूरोपीय संघ का सीडीआरआई में शामिल होने का निर्णय शामिल है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने अक्टूबर 2021 में रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात की।

विभिन्न मंत्रिस्तरीय बैठकों द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया गया, जिनमें शामिल थीं: मई 2021 में लंदन में यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग (एचआरवीपी) के उपाध्यक्ष जोसेप बोरेल के साथ विदेश मंत्री की बैठक, जहां अफगानिस्तान पर एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया गया था; जून 2021 में रोम में जी-20 बैठक के दौरान हुई बैठक; और जुलाई 2021 में ताशकंद में मध्य और दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर हुई बैठक। विदेश मंत्री ने जून 2021 में रोम में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के यूरोपीय आयुक्त जट्टा उर्पिलैनेन से भी मुलाकात की। इसके अलावा, उन्होंने सितंबर 2021 में स्लोवेनिया में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों (जिमनिच) की अनौपचारिक बैठक में भी भाग लिया ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने अपने यूरोपीय संघ के व्यापार समकक्ष वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की, यूरोपीय संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष से अक्टूबर 2021 में इटली में जी-20 बैठक के मौके पर मुलाकात की। उपरोक्त बैठकों के अलावा, यूरोपीय ग्रीन डील के लिए यूरोपीय आयोग के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री फ्रैंस टिमरमैन ने जलवायु संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अक्टूबर 2021 में भारत की यात्रा की। 'डिजिटल युग के लिए फिट यूरोप' के लिए यूरोपीय आयोग की कार्यकारी उपाध्यक्ष मार्ग्रेट वेस्टेगर ने जनवरी 2022 में भारत की यात्रा की और अपने मंत्रिस्तरीय समकक्षों के साथ बैठकें की।

भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक के क्रम में, नेताओं की बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन का जायजा लेने के लिए अक्टूबर 2021 में ब्रसेल्स में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी समीक्षा बैठक का तीसरा दौर आयोजित किया गया। इसकी सह-अध्यक्षता मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) और यूरोपीय बाहरी कार्रवाई सेवा (ईईएएस) में वैश्विक और आर्थिक मुद्दों के उप महासचिव द्वारा की गई। दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ सामरिक साझेदारी की समीक्षा की, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों पर चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। यात्रा के दौरान, सचिव (पश्चिम) ने राजनीतिक मामलों के उप महासचिव, ईईएएस के साथ विदेश नीति और सुरक्षा परामर्श भी किया।

2021-22 में आयोजित अन्य संस्थागत संवादों में शामिल हैं: पहली भारत-यूरोपीय संघ जलवायु परिवर्तन वार्ता (18 अप्रैल 2021); पर्यावरण पर भारत-यूरोपीय संघ संयुक्त कार्य समूह (28 अप्रैल 2021); सूचना और

संचार प्रौद्योगिकी पर भारत-ईयू संयुक्त कार्य समूह (19 अप्रैल 2021); विश्व व्यापार संगठन के मुद्दों पर भारत-यूरोपीय संघ का कार्यकारी समूह (23 जुलाई और 7 सितंबर 2021); भारत-यूरोपीय संघ पशु स्वास्थ्य तकनीकी कार्य समूह (27 अक्टूबर 2021); भारत - यूरोपीय संघ के ऊर्जा पैनल की बैठक (1 दिसंबर 2021); समुद्री सुरक्षा वार्ता (1 फरवरी 2021); पहला भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा और रक्षा परामर्श (2 फरवरी 2021) और भारत-यूरोपीय संघ साइबर वार्ता (4 फरवरी 2021)। साथ ही, रक्षा और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के लिए, भारत और यूरोपीय संघ ने जून 2021 में पहली बार संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया।

आर्थिक संबंध: जनवरी से अगस्त 2021 तक भारत और यूरोपीय संघ के बीच वस्तुओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार 55.29 अरब यूरो था। इसके अलावा, 2020 में सेवाओं में भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 27.59 बिलियन यूरो था। साथ ही, अप्रैल 2000 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान लगभग 88 बिलियन अमेरिकी डॉलर के एफडीआई प्रवाह के साथ ईयू भारत के एफडीआई के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है।

प्रधान मंत्री ने मई 2021 में यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य देशों के नेताओं और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की पहली बैठक में भाग लिया

9

अमेरिका

संयुक्त राज्य अमरीका

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक भागीदारी है जिसमें मानव प्रयास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, विभिन्न मुद्दों पर हितों की समाभिरूपता, एक पर्याप्त द्विपक्षीय कार्यसूची और लोगों के बीच जीवंत संपर्क के लगभग सभी क्षेत्र शामिल हैं। दोनों देश नियमित रूप से उच्च स्तरीय बातचीत, मंत्रिस्तरीय संवाद करते हैं और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं।

उच्च-स्तरीय/राजनेता-स्तरीय बातचीत

दोनों देशों के राजनेताओं के बीच उच्च स्तरीय वार्ता के साथ द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से गहरे हो रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति चुनावों में जीत पर बधाई देने के लिए 17 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित जोसेफ बाइडेन से बातचीत की। राष्ट्रपति बाइडेन के पदभार ग्रहण करने के बाद, 8 फरवरी 2021 को, दोनों नेताओं ने फोन पर बातचीत की और द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने 26 अप्रैल 2021 को फिर से बातचीत की, जिसमें उन्होंने कोविड के खिलाफ लड़ाई में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री ने जून 2021 में कोविड से निपटने के लिए टीकों की आपूर्ति के संदर्भ में उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस से बातचीत की।

प्रधान मंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन के निमंत्रण पर नए अमेरिकी प्रशासन के पदभार ग्रहण करने के बाद उनके साथ पहली व्यक्तिगत रूप से द्विपक्षीय बैठक के लिए 22-25 सितंबर 2021 तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा की। दोनों राजनेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी क्षमता की समीक्षा की है। प्रधान मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका परिवर्तन के एक दशक में प्रवेश कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की परंपरा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हमारे लोगों की प्रतिभा, प्रकृति की ट्रस्टीशिप और सबसे बढ़कर, विश्वास के स्तंभों पर आधारित है। उन्होंने कोविड की स्थिति और महामारी को रोकने के लिए वर्तमान भारत-अमेरिका सहयोग पर चर्चा की।

दोनों राजनेताओं ने अफगानिस्तान की स्थिति सहित दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया और वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई; और सीमा पार आतंकवाद की निंदा की। उन्होंने भारत-प्रशांत क्षेत्र

के बारे में अपने विचारों का आदान-प्रदान किया, और एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन को भारत आने का निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री ने सितंबर 2021 में वाशिंगटन डीसी की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बायडेन से मुलाकात की

प्रधान मंत्री ने अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की और अंतरिक्ष सहयोग, सूचना प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग सहित भावी सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। दोनों राजनेताओं ने दोनों देशों के बीच ज्ञान, नवाचार और प्रतिभा के पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रवाह के आधार के रूप में लोगों के परस्पर जीवंत संबंधों की सराहना की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर सहयोगात्मक कार्रवाई के महत्व को भी स्वीकार किया।

प्रधान मंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान पांच अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ प्रत्यक्ष रूप से बैठक की और भारत में निवेश के अवसरों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधान मंत्री की यात्रा के दौरान, अमेरिकी सरकार ने चुराई गई 157 कलाकृतियां, जो मुख्य रूप से 11-14 वीं सीई से संबंधित हैं, जिसमें बीसीई से संबंधित 45 कलाकृतियां शामिल हैं।

प्रधान मंत्री ने 12 मार्च 2021 को क्वाड लीडर्स वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भाग लिया और 24 सितंबर 2021 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित पहले व्यक्तिगत क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। प्रधान मंत्री ने दिनांक 22-23 अप्रैल 2021 को राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित जलवायु पर वर्चुअल लीडर्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया। प्रधान मंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित दो बहुपक्षीय कार्यक्रमों अर्थात्, 31 अक्टूबर 2021 को रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला शिखर सम्मेलन और 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी26 में बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड इवेंट, में भी भाग लिया।

सितंबर 2021 में वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ प्रधानमंत्री

द्विपक्षीय संवाद

विदेश मंत्री ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन, संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के साथ व्यापक चर्चा करने के लिए 23-28 मई 2021 को अमेरिका की यात्रा की। उन्होंने अन्य अमेरिकी नेतृत्व और कांग्रेस के राजनेताओं और अमेरिकी व्यापार समुदाय के साथ भी बातचीत की। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन ने 27-28 जुलाई 2021 को नई दिल्ली का दौरा किया, जिसके दौरान उन्होंने प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की।

अमेरिका के राष्ट्रपति के जलवायु संबंधी विशेष दूत (स्पेक) जॉन केरी ने 06-08 अप्रैल 2021 और 12-14 सितंबर 2021 को जलवायु और ऊर्जा मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग और सीओपी26 से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भारत की यात्रा की।

सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष, सीनेटर जॉन कॉर्निन के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल (कोडेल) ने 12-13 नवंबर, 2021 को भारत का दौरा किया। कोडेल के अन्य सदस्यों में सीनेटर माइक क्रापो; सीनेटर माइक ली; सीनेटर टॉमी ट्यूबरविल; कांग्रेसी टोनी गोंजालेज और कांग्रेसी जेक एलजे (आर-टीएक्स) शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) से मुलाकात की। सीनेटर स्टीव डाइन्स (आर-एमटी) ने 07-09 नवंबर 2021 को अलग से दिल्ली और बैंगलोर का दौरा किया। उन्होंने 8 नवंबर 2021 को वाणिज्य और उद्योग मंत्री से मुलाकात की।

विदेश सचिव ने 1-3 सितंबर 2021 को अमेरिका का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमेन, अवर सचिव बोनी डेनिस-जेनकिंस, शस्त्र नियंत्रण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन फाइनर से मुलाकात की। उप सचिव वेंडी शेरमेन ने 5 से 7 अक्टूबर 2021 को भारत का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, विदेश सचिव और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ से मुलाकात की। अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि थॉमस वेस्ट ने अफगानिस्तान की स्थिति और हाल के घटनाक्रम पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए 16 नवंबर 2021 को भारत का दौरा किया।

विदेश मंत्री ने मई 2021 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, राजदूत कैथरीन ताई से मुलाकात की

रक्षा सहयोग

रक्षा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख स्तंभों में से एक के रूप में उभरा है। यह व्यापक है और इसमे उच्च स्तरीय संपर्क, नीति संवाद, कार्य, खरीद, संयुक्त परियोजनाएं, अनुसंधान और क्षमता निर्माण शामिल है। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली एशिया यात्रा के भाग के रूप में 19-21 मार्च 2021 को भारत का दौरा किया। उन्होंने प्रधान मंत्री से मुलाकात की और रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की। सचिव ऑस्टिन ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अमेरिकी सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया।

रक्षा मंत्री ने 20 सितंबर 2021 को रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ टेलीफोन पर बात की और द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की, जिसमें अफगानिस्तान के घटनाक्रम और इस क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करना शामिल है।

रक्षा सचिव और रक्षा नीति के अवर सचिव डॉ. कॉलिन कहल ने वाशिंगटन डीसी में 08 अक्टूबर 2021 को 16वीं भारत-अमेरिका रक्षा नीति समूह की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका प्रमुख रक्षा साझेदारी, सैन्य संपर्क, मूलभूत रक्षा समझौतों के कार्यान्वयन, रक्षा अभियान, प्रौद्योगिकी सहयोग और रक्षा व्यापार के सशक्तिकरण प्रगति की समीक्षा की।

15वां भारत-अमेरिका रक्षा खरीद और उत्पादन समूह (डीपीपीजी) वर्चुअल पद्धति से 04-05 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया था।

भारत-अमेरिका रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (डीपीपीजी) की 11वीं बैठक 09 नवंबर 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित की गई थी। इससे पहले 09 नवंबर 2021 को विभिन्न कार्य समूहों और डीटीटीआई उद्योग सहयोग मंच की बैठक हुई थी।

जुलाई 2021 में नई दिल्ली में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ विदेश मंत्री

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच औद्योगिक सुरक्षा समझौता शिखर सम्मेलन 27 सितंबर -1 अक्टूबर 2021 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिखर सम्मेलन दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने हेतु आयोजित किया गया था।

वर्ष के दौरान सैन्य सहयोग को गहरा बनाने के लिए थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच आदान-प्रदान के लिए कार्यकारी संचालन समूहों की बैठकें आयोजित की गईं। सेना सहयोग समूह (एमसीजी) ने भी वर्ष 2021 में अपनी बैठक की।

वायु सेना प्रमुख ने 30 अगस्त-02 सितंबर 21 तक हवाई में प्रशांत वायु सेना प्रमुखों की संगोष्ठी में भाग लिया। नौसेनाध्यक्ष ने 14-18 सितंबर 2021 तक न्यूपोर्ट में 24वें अंतर्राष्ट्रीय समुद्र शक्ति संगोष्ठी-2021 में भाग लिया। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने 27 सितंबर से 01 अक्टूबर 2021 तक अमेरिका का दौरा किया।

प्रधानमंत्री ने मार्च 2021 में नई दिल्ली में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की

यूएस स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के जनरल रिचर्ड डी. क्लार्क कमांडर ने 30 जुलाई-01 अगस्त 2021 तक भारत का दौरा किया। यूएस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल जेम्स सी मैककॉनविले ने 03-05 अगस्त 2021 तक भारत का दौरा किया। इसके बाद यूएस इंडो-पेसिफिक कमांड के कमांडर एडीएम जॉन सी. एक्विलिनो और यूएस चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशंस एडमिरल माइक गिल्डे ने 13-15 अक्टूबर 2021 को भारत का दौरा किया।

17वां भारत-अमेरिका संयुक्त द्विपक्षीय सैन्य युद्धाभ्यास अलास्का में 14-29 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया, जहां अमेरिकी सेना के 40वीं कैवलरी रेजिमेंट के पहले स्क्वाड्रन (एयरबोर्न) के 300 सैनिकों और भारतीय सेना के 7वें मद्रास इनैफैंट्री बटालियन ग्रुप के 350 सैनिकों ने भाग लिया। भारत-अमेरिका सेना के विशेष अभियान बल द्विपक्षीय अभ्यास वज्र प्रहार 2021 का आयोजन 1-15 नवंबर 2021 तक जेबीएलएम, सिएटल में किया

गया था। भारतीय सेना की भागीदारी से 02-06 नवंबर 2021 तक माउंटेन वैलिडेशन एक्सर्साइज भी आयोजित की गई।

भारत के नेतृत्व में बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'मालाबार नौसेना अभ्यास का 25वां अभियान', भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं की भागीदारी से दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहला चरण अगस्त-सितंबर 2021 में गुआम (अमेरिका) और दूसरा चरण अक्टूबर 2021 में बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया था।

भारतीय नौसेना ने केन्या के तट पर 26 जुलाई से 7 अगस्त 2021 तक अमेरिका के नेतृत्व में बहुपक्षीय अभ्यास कटलास एक्सप्रेस- 2021 में भाग लिया। भारतीय नौसेना ने भी अमेरिकी नौसेना के साथ 5-7 अप्रैल 2021 तक ला पेरौस नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया और 10-13 अगस्त 2021 को एसईएसीएटी 2021 अभ्यास में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

भारतीय नौसेना ने औपचारिक रूप से 16 जुलाई 2021 को सैन डिएगो में एक समारोह के दौरान अमेरिकी नौसेना से अपने पहले दो एम-60आर मल्टी रोल हेलीकॉप्टर (एमआरएच) का अधिग्रहण किया।

सुरक्षा और आतंकवाद रोध

आतंकवाद के मुकाबले करने के संबंध में भारत-अमेरिका संयुक्त कार्य समूह की 18वीं बैठक और भारत-अमेरिका डेजिगनेशन डायलॉग का चौथा सत्र 26-27 अक्टूबर, 2021 को वाशिंगटन, डीसी में संयुक्त सचिव (काउंटर टेररिजम) और यू.एस. स्टेट डिपार्टमेंट एक्टिंग कार्डिनेटर फॉर काउंटर टेररिजम के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

दोनों पक्षों ने कानून प्रवर्तन, सूचना साझा करने, सर्वोत्तम कार्यों के आदान-प्रदान करने और आतंकवाद विरोधी चुनौतियों पर रणनीतिक अभिसरण बढ़ाने पर सहयोग का विस्तार करने की शपथ ली। उन्होंने पारस्परिक कानूनी और प्रत्यर्पण सहायता और द्विपक्षीय कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण के अवसरों पर चर्चा की, जिसमें हैदराबाद, भारत में पुलिस प्रशिक्षण के लिए केंद्रीय अकादमी भी शामिल है।

उन्होंने वर्तमान आतंकवाद विरोधी सहायता (एटीए) प्रशिक्षण की सराहना की, आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट के उपयोग का मुकाबला करने के लिए सर्वोत्तम कार्यों को साझा किया और एफएटीएफ सहित बहुपक्षीय मंचों पर आतंकवाद के मुकाबले को जारी रखने का निर्णय लिया।

मार्च 2021 में क्वाड नेताओं की वर्चुअल बैठक में प्रधानमंत्री

नारकोटिक्सरोधी द्विपक्षीय कार्य समूह की दूसरी बैठक 02 जून 2021 को आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों ने नशीले पदार्थों से संबंधित चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और अपने-अपने देशों में अवैध मादक द्रव्यों के खतरे को कम करने में मदद करने के लिए नीतिगत संपर्क और व्यापक सहयोग के द्विपक्षीय ढांचे के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों पक्ष नशीली दवाओं के खतरे को दूर करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग हेतु एक रूपरेखा तैयार करने के लिए एक उप-कार्य समूह का उपयोग करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध

अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और वस्तुओं और

सेवाओं के निर्यात के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। 2019 में वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 149 बिलियन अमरीकी डालर था। कोविड के कारण 2020 में व्यापार में कमी आई, जो कि 121 बिलियन अमरीकी डालर तक रह गया। महामारी की चुनौतियों के बावजूद, इस वर्ष फार्मास्युटिकल उत्पादों, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और अनाज के निर्यात में वृद्धि देखी गई। अप्रैल-अगस्त 2021 के दौरान माल का द्विपक्षीय व्यापार 84.71 प्रतिशत से बढ़कर 47 अरब अमेरिकी डॉलर (अमेरिकी आधिकारिक आंकड़े) तक पहुंच गया। द्विपक्षीय व्यापार 20 बिलियन अमरीकी डालर से भी अधिक हो गया, जो भारत के पक्ष में है।

अमेरिका ने 2020-21 के दौरान 13.82 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश करके भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के दूसरे सबसे बड़े स्रोत के रूप में मॉरीशस का स्थान ले लिया (स्रोत: मो कैंडी)। 2019 में दोतरफा निवेश 62.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिका प्रमुख 5 निवेश गंतव्यों में से एक है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने पदभार ग्रहण करने के बाद से अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत कैथरीन ताई के साथ तीन बार वर्चुअल रूप से बातचीत की। 25 मार्च 2021 को एक वीसी में, उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार पर चर्चा की और वे भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच के माध्यम से संपर्क का पुनरुद्धार करने पर सहमत हुए। 14 मई 2021 को, उन्होंने वैक्सीन उत्पादन में वृद्धि, और कोविड महामारी के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों (टीआरआईपीएस) के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के समझौते के कुछ प्रावधानों के लिए प्रस्तावित छूट पर वर्चुअल रूप से चर्चा की। यूएसटीआर ने अक्टूबर 2021 में रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान वाणिज्य और उद्योग मंत्री से मुलाकात की।

भारत-संयुक्त राज्य व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक 23 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में वाणिज्य और उद्योग मंत्री और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, राजदूत कैथरीन ताई की सह-अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। उन्होंने हमारे व्यापार संबंधों को प्रभावित करने वाले मौजूदा और उभरते हुए समस्त मुद्दों पर सहयोगात्मक चर्चा में शामिल होने के महत्व को पहचाना और महत्वपूर्ण, उभरती हुई व्यापार नीति संबंधी मुद्दों का पता लगाया। आम और अनार के लिए विपणन-सुविधा, भारत से अनार के दाने और अमेरिका से पशु चारा के लिए चेरी और अल्फाल्फा की घास पर समझौता हुआ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 28 अप्रैल 2021 को अपनी समकक्ष सुश्री जीना रायमोंडो, वाणिज्य सचिव, पुष्टिकरण पर उनके साथ वर्चुअल रूप से बातचीत की।

अमेरिका के वाणिज्य उप सचिव डॉन ग्रेव्स और विदेश मंत्री ने 06-08 जुलाई 2021 को मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडो-पैसिफिक बिजनेस समिट को संबोधित किया।

भारत ने अमेरिका के साथ 28-29 अक्टूबर 2021 को आयोजित भारत-प्रशांत व्यापार मंच की सह-अध्यक्षता की जिसमें विदेश मंत्री और अमरीकी विदेश मंत्री ने भाग लिया।

वित्त मंत्री ने 11-18 अक्टूबर 2021 को अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान, 14 अक्टूबर 2021 को वाशिंगटन डीसी में अपने समकक्ष जेनेट येलेन, ट्रेजरी सचिव के साथ आठवीं भारत-अमेरिका आर्थिक और वित्तीय भागीदारी वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इसमें वृहत आर्थिक दृष्टिकोण और कोविड महामारी से उबरने, वित्तीय नियामक और तकनीकी सहयोग, बहुपक्षीय संपर्क, जलवायु वित्तपोषण, मनी लॉन्ड्रिंग रोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्री ने अमेरिका के साथ आर्थिक और वित्तीय सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए अमेरिकी व्यापार जगत के राजनेताओं, निवेशकों, थिंक-टैंक, प्रवासी भारतीयों और शैक्षिक समुदाय के साथ कई वाताएं की।

10वीं भारत-अमेरिका वित्तीय नियामक वार्ता वर्चुअल रूप से 15-16 जून 2021 को आयोजित की गई। इस वार्ता का नेतृत्व अपर सचिव (वित्तीय बाजार), आर्थिक मामले विभाग और उप सहायक सचिव, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने किया था।

व्यापार सुविधा करार (एईओ-एमआरए म्यूचुअल रिकग्निशन एग्रीमेंट) पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों देशों के सीमा शुल्क प्रशासन एक दूसरे देश के कार्यक्रम के तहत जारी अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) प्राधिकरण को मान्यता देने के लिए सहमत होंगे और एक दूसरे के एईओ को पारस्परिक लाभ प्रदान करेंगे जिससे समान की ढुलाई में कम समय लेगा।

8 अक्टूबर 2021 को, भारत और अमेरिका अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाली कर चुनौतियों का सामना करने के लिए द्विस्तरीय समाधान से संबंधित वक्तव्य पर सहमति बनाने के लिए ओईसीडी/जी20 समावेशी ढांचे के 134 अन्य सदस्यों में शामिल हो गए। 24 नवंबर 2021 को भारत और अमेरिका के बीच ई-कॉमर्स सेवा आपूर्ति पर भारत की 2% शुल्क समानीकरण संबंधी एक सुधारात्मक दृष्टिकोण पर एक सहमति हुई। अमेरिका भारत के सामान पर वर्तमान में निलंबित अतिरिक्त शुल्क को समाप्त करेगा जिसे डीएसटी धारा 301 जांच में अंगीकार किया गया था।

कई भारतीय और अमेरिकी मंत्रियों ने सितंबर 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित चौथे यूएसआईएसपीएफ वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन में भाग लिया और उन्होंने 06-07 अक्टूबर 2021 को आयोजित वर्चुअल यूएसआईबीसी इंडिया आइडिया समित में भी भाग लिया।

जलवायु और ऊर्जा

प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति बाइडेन ने अप्रैल 2021 में जलवायु पर राजनेताओं के शिखर सम्मेलन में भारत-अमेरिका जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा 2030 साझेदारी की शुरुआत की। इसका उद्देश्य निधि जुटाना और स्वच्छ ऊर्जा नियोजन को गति प्रदान करना; उद्योग, परिवहन, विद्युत और इमारतों सहित क्षेत्रों को कार्बन से मुक्त करने के लिए आवश्यक नवीन स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना इन्हें मापना; और जलवायु से संबंधित प्रभावों के जोखिमों का आकलन, प्रबंधन और अनुकूलन क्षमता का निर्माण करना है। साझेदारी दो स्तरों पर एक साथ आगे बढ़ती है: सामरिक स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी (एससीईपी) और जलवायु कार्रवाई और वित्त संग्रहण वार्ता (सीएएफएमडी)।

9 सितंबर 2021 को, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और अमेरिकी ऊर्जा सचिव जेनिफर ग्रानहोम ने संशोधित यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप (एससीईपी) की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सहयोग के मौजूदा चार क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की:

1. ऊर्जा और शक्ति दक्षता;
2. जिम्मेदार तेल और गैस;
3. नवीकरणीय ऊर्जा; तथा
4. सतत विकास

उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा ईंधन को बढ़ावा देने के लिए उभरते हुए ईंधन पर पांचवें स्तंभ को जोड़ने की घोषणा की। जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए जैव ईंधन पर एक नए भारत-अमेरिका कार्यबल की भी घोषणा की गई।

क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबिलाइजेशन डायलॉग (सीएएफएमडी) की प्रारंभिक मंत्रिस्तरीय बैठक 13 सितंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसकी सह-अध्यक्षता पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्री और स्पेक जॉन केरी ने की थी।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने 17 सितंबर 2021 को राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित प्रमुख अर्थव्यवस्था मंच में भाग लिया।

एसपीईसी केरी ने नवंबर 2021 में सीओपी26 में अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने के लिए अवसंरचना करार पर हस्ताक्षर किए।

2020-21 में अमेरिका से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का आयात 6.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। 2011-12 से 2020-22 तक की अवधि के लिए अमेरिका से संचयी आयात लगभग 18 बिलियन अमरीकी डालर था, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अमेरिका एक महत्वपूर्ण भागीदार बन गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष सहयोग

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और यूएस नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) पृथ्वी अन्वेषण के लिए संयुक्त माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग उपग्रह में मिलकर काम कर रहे हैं, जिसका नाम नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (एनआईएसएआर) है। इसरो ने मार्च 2021 में जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) को एस-बैंड एसएआर (सिंथेटिक एपर्चर रडार) भेजा और आगे की एकीकरण गतिविधियों के लिए 15 अगस्त 2021 को बीडीएच (बेसबैंड डेटा हैंडलिंग) पैकेज जेपीएल में भेजा गया। एल-एसएआर के साथ एस-एसएआर इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल एकीकरण और एकीकृत परीक्षण प्रगति पर हैं; इन गतिविधियों के लिए इसरो का दल जेपीएल में तैनात है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत-अमेरिका सहयोग बहुआयामी है और यह अक्टूबर 2005 में हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग करार के ढांचे के तहत लगातार बढ़ रहा है, जिसे सितंबर 2019 में दस साल की अवधि के लिए आगे बढ़ाया गया था। भारत –अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच (आईयूएसएसटीएफ), विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक द्वि-राष्ट्रीय स्वायत्त संगठन ने इस क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईयूएसएएसटीएफ ने 8 वर्चुअल अनुसंधान केंद्रों और 11 स्टार्ट-अप को पुरस्कार प्रदान किए हैं।

स्वास्थ्य देखभाल और कोविड महामारी में सहयोग

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने 7 मई 2021 को अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा मंत्री के साथ वर्चुअल रूप से बातचीत की।

भारत-अमेरिका स्वास्थ्य वार्ता की चौथी बैठक महामारी विज्ञान अनुसंधान और निगरानी, वैक्सीन विकास, एक स्वास्थ्य, जूनोटिक और वेक्टर जनित रोगों, स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य नीतियों आदि को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए 27-28 सितंबर 2021 को दिल्ली में आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा विज्ञान में सहयोग के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इंटरनेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन रिसर्च पर सहयोग के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीव्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज के बीच एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति बाइडेन ने दिनांक 26 अप्रैल 2021 को टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके दौरान उन्होंने कोविड के खिलाफ लड़ाई में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। राष्ट्रपति बाइडेन भारत में टीकों के निर्माण के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली ऑक्सीजन से संबंधित आपूर्ति, वैक्सीन के लिए कच्चे माल, चिकित्सा विज्ञान और कच्चे माल के स्रोतों की पहचान सहित भारत को आपातकालीन कोविड राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अप्रैल 2021 में कोविड की दूसरी लहर ने भारत को प्रभावित किया, अमेरिकी सरकार, कांग्रेस, अमेरिका के कई राज्यों, उनके निजी क्षेत्र और प्रवासी भारतीयों ने महामारी को रोकने में मदद करने के लिए भारत को अपना पूरा समर्थन दिया। अमेरिकी सरकार द्वारा प्रदान की गई आपातकालीन आपूर्ति लाने वाली सात उड़ानें 17 मई 2021 तक भारत आईं। कुल मिलाकर, भारत को कोविड सहायता के लिए अमेरिकी सरकार की प्रतिबद्धता लगभग 100 मिलियन अमरीकी डालर की थी और इसमें ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर, रेमेडिसविर दवा, मास्क, रैपिड डायग्नोस्टिक किट और ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र शामिल थे।

दोनों पक्ष कोविड महामारी के दौरान आपूर्ति श्रृंखला संबंधी लचीलेपन, वैक्सीन से संबंधित मुद्दों, अंतरराष्ट्रीय यात्रा फिर से शुरू करने, स्वास्थ्य प्रोटोकॉल आदि के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए नियमित संपर्क में थे। इस संपर्क के भाग के रूप में, 22 सितंबर 2021 को, प्रधान मंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित वर्चुअल ग्लोबल कोविड शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश मंत्री ने 10 नवंबर 2021 को अमेरिकी विदेश मंत्री द्वारा आयोजित कोविड मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया।

कम से कम चार भारतीय कंपनियां कोविड वैक्सीन विकसित करने और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने के लिए अमेरिका स्थित एजेंसियों के साथ सहयोग कर

रही हैं, जो नैदानिक विकास और मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में हैं।

शिक्षा

शिक्षा मंत्री ने 10 नवंबर 2021 को 'भारत-अमेरिका शिक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने' पर कई अमेरिकी विश्वविद्यालयों के अध्यक्षों की भागीदारी से वर्चुअल रूप से गोलमेज बैठक को संबोधित किया। उन्होंने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सहयोग को और गहरा करने और विशेष रूप से देशों के उद्योग, शिक्षा और नीति निर्माता को आपस में जोड़ने में ज्ञान साझेदारी बनाने की क्षमता पर चर्चा की। वे अनुसंधान में पारस्परिक रूप से लाभप्रद भागीदारी, छात्रों और शिक्षकों की दो-तरफा आवाजाही, संस्थानों के बीच सहयोग और भारत के शिक्षा परिदृश्य में अवसरों का लाभ उठाने तथा साझेदारी और आपसी सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में 1.67 लाख भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए, जो उसी वर्ष अमेरिका में आने वाले कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों का लगभग 19% था। 2020 में अमेरिका में 207,000 से अधिक भारतीय छात्र पढ़ रहे थे, जो अमेरिका में कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों का लगभग 17% है।

फुलब्राइट नेहरू कार्यक्रम के तहत, कार्यक्रम वर्ष 2021-22 के लिए भारतीय और अमेरिकी आवेदकों को कुल 172 अनुदान दिए गए।

लोगों के बीच संबंध

लोगों के बीच परस्पर संपर्क भारत-अमेरिका साझेदारी के प्रमुख घटकों में से एक रहा है। लगभग 4.2 मिलियन भारतीय अमेरिकी/भारतीय मूल के लोग अमेरिका में रहते हैं। भारतीय अमेरिकी [3.18 मिलियन] अमेरिका में तीसरा सबसे बड़ा एशियाई जातीय समूह है। भारतीय समुदाय संपन्न, सुशिक्षित और सबसे अधिक करदाताओं में से है। अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय मूल के चार व्यक्ति हैं और कई राज्य विधानमंडलों में हैं। भारतीय मूल के व्यक्तियों को अमेरिकी प्रशासन में वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया गया है। भारतीय कुशल व्यावसायिकों को एक मूल्यवान संपत्ति माना जाता है। अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या दोनों देशों के ज्ञान और नवाचार साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है।

भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने 21 जून 2021 को 'योग फॉर वेलनेस' विषय पर हाइब्रिड रूप में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। योग दिवस के वर्चुअल उत्सव में पूरे अमेरिका से बड़ी संख्या में योग उत्साही शामिल हुए।

भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने आजादी का अमृत महोत्सव विषय के तहत भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए। इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने के लिए पूरे अमेरिका में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

यात्रा प्रतिबंधों में ढील

मई 2021 में राष्ट्रपति के प्रख्यापन के माध्यम से लागू कोविड संबंधी यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी गई और 08 नवंबर 2021 से टीकाकरण के प्रमाण और नेगेटिव आरटी-पीसीआर परीक्षण रिपोर्ट के साथ कोविशील्ड और कोवैक्सिन लगा चुके भारतीयों ने अमेरिका की यात्रा करना शुरू कर दिया।

निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/करारों पर हस्ताक्षर किए गए:

- रक्षा उपकरणों के सह-विकास के माध्यम से रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को गहरा करने के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल के तहत संयुक्त कार्य समूह एयर सिस्टम के तहत एयर-लॉन्चड अनमैनड एरियल व्हीकल के लिए परियोजना समझौते पर जुलाई 2021 में हस्ताक्षर किए गए।
- वैश्विक विकास के लिए त्रिकोणीय सहयोग पर मार्गदर्शक सिद्धांतों के वक्तव्य (एसजीपी) में दूसरे संशोधन पर 30 जुलाई 2021 को करार की वैधता को 2026 तक बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर किए गए।
- व्यापार सुविधा व्यवस्था (एईओ-एमआरए म्यूचुअल रिकग्निशन एग्रीमेंट) पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए गए।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग और साझेदारी के विस्तार के लिए सितंबर 2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- इंडो-यूएस इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन रिसर्च (आईसीईआर) कार्यक्रम - चेन्नई में राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान में संक्रामक रोग अनुसंधान साझेदारी के लिए संयुक्त रूप से सहायता जारी रखने के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज के बीच सितंबर 2021 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- बेहतर मौसम और जलवायु पूर्वानुमानों के लिए महासागर और वायुमंडलीय निगरानी के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के बीच अगस्त, 2021 में अपडेटेड पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एक नया संयुक्त समुद्र विज्ञान डेटा पोर्टल शुरू किया गया।

क्वाड अवसंरचना के तहत आदान-प्रदान

2017 के बाद से, क्वाड आदान-प्रदान बढ़ गए हैं। 2017 के बाद से कई आधिकारिक स्तर की बैठकों के बाद क्वाड समूह को बल मिला है।

2020 में टोक्यो में अपनी बैठक के बाद, क्वाड विदेश मंत्रियों ने वर्चुअल रूप से 18 फरवरी 2021 को मुलाकात की, जिसमें कोविड महामारी से निपटने, जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई और समुद्री सुरक्षा, एचडीएआर, आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन और आतंकवाद रोधी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा की गई।

12 मार्च 2021 को, प्रधान मंत्री ने पहले क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से भाग लिया, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति बाइडेन ने की थी। 2017 के बाद से विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठकों की वार्षिक

बैठकों के बाद, वार्ता को उच्चतम स्तर पर स्तरोन्नत करना एक तार्किक निष्कर्ष था। नेताओं ने एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने सामान दृष्टिकोण को दोहराया। शिखर सम्मेलन में साझेदारी के लिए चिह्नित किए गए तीन व्यावहारिक क्षेत्र - भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए सस्ती और न्यायोचित कोविड वैक्सीन की उपलब्धता; जलवायु कार्यों को मजबूत करना; और महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक थे।

24 सितंबर 2021 को, प्रधान मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा और राष्ट्रपति बाइडेन के साथ वाशिंगटन डीसी में व्यक्तिगत रूप से पहले क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। क्वाड लीडर्स ने अपने मार्च 2021 के शिखर सम्मेलन के बाद से विशेष रूप से कोविड वैक्सीन साझेदारी के संबंध में हुई प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने दक्षिण एशिया और भारत-प्रशांत की स्थिति सहित क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

नेताओं ने क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे की जरूरतों के आकलन को साझा करने और दृष्टिकोणों के समन्वय के लिए क्वाड अवसंरचना समन्वय समूह की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदा के विरुद्ध तैयारी और साझा क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने के लिए निगरानी और अनुकूलन के लिए उपग्रह डेटा का आदान-प्रदान करने हेतु अंतरिक्ष सहयोग कार्य समूह भी स्थापित किया। अमेरिका में एसटीईएम क्षेत्रों में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने के लिए प्रति वर्ष 100 छात्रों के लिए एक अध्येता कार्यक्रम शुरू किया गया।

मार्च में एक नए महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी कार्य समूह की स्थापना के बाद से, क्वाड ने तकनीकी मानकों, 5जी विविधीकरण और तैनाती, हॉरिजन-स्कैनिंग और प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। सितंबर के शिखर सम्मेलन में, 'प्रौद्योगिकी डिजाइन, विकास, शासन और उपयोग पर क्वाड सिद्धांत' जारी किया गया।

प्रधान मंत्री ने घोषणा की कि भारत अक्टूबर 2021 से शुरू होने वाले क्वाड वैक्सीन पहल के तहत भारत में जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा निर्मित जैनसेन वैक्सीन की आठ मिलियन खुराक की आपूर्ति करेगा। मार्च में प्रारंभ की गई, क्वाड वैक्सीन भागीदारी का शुभारंभ 2022 के अंत तक कोविड टीकों की कम से कम एक बिलियन खुराक का उत्पादन करने के उद्देश्य से भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित और प्रभावी टीकों तक समान पहुंच बढ़ाने में मदद करना है। भारत में बायोलॉजिकल ई कंपनी यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन के साथ कंपनी को वित्त पोषण संबंधी सहायता देने के लिए इन टीकों का निर्माण करेगी।

जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जहाजरानी मूल्य श्रृंखला को पर्यावरण अनुकूल और डीकार्बोनाइजिंग के लिए समर्पित नेटवर्क बनाने के लिए लॉस एंजिल्स, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, सिडनी (वनस्पति विज्ञान) और योकोहामा सहित बंदरगाहों की भागीदारी से एक क्वाड शिपिंग टास्कफोर्स का गठन किया गया था। स्वच्छ हाइड्रोजन साझेदारी स्वच्छ-हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला के सभी तत्वों में लागत को सशक्त और कम करेगी। क्वाड देश एक जलवायु और सूचना सेवा कार्य बल का गठन करेंगे और आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन के माध्यम से एक नई तकनीकी सुविधा का निर्माण करेंगे जो छोटे द्वीप में विकासशील देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

सितंबर 2021 में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्षों के साथ प्रधानमंत्री

कनाडा

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान

कोविड महामारी के दौरान, भारत और कनाडा ने साझा हित के मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत जारी रखी। 10 फरवरी 2021 को, प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा के लिए भारत के कोविड टीकों की आवश्यकता के संदर्भ में प्रधान मंत्री से फोन पर बातचीत की, जिसके बाद मार्च 2021 में कोविशील्ड टीकों की 500,000 खुराक वितरित की गईं।

विदेश मंत्री ने 27 अप्रैल 2021 और 01 सितंबर 2021 को कनाडा के विदेश मंत्री मार्क गार्न्यू के साथ एक महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान 05 मई 2021 को एक वर्चुअल बैठक की और 29 जून 2021 को मटेरा, इटली में एक व्यक्तिगत बैठक के माध्यम से अपनी बातचीत जारी रखी। उन्होंने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों जैसे कोविड महामारी का मुकाबला; जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और आपसी हित के क्षेत्रीय मुद्दे पर चर्चा की।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, निर्यात संवर्धन, लघु व्यवसाय और आर्थिक विकास मंत्री मैरी एनजी से 11 अक्टूबर 2021 को इटली के सोरेंटो में जी20 बैठक के दौरान मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार, व्यापार करार की संभावना, ऊर्जा, नवीन प्रौद्योगिकियों, निर्मित वस्तुओं और सेवाओं में सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

वित्त, व्यापार और उद्योग

01 अप्रैल 2021 से 31 अगस्त 2021 तक द्विपक्षीय व्यापार 2.968 बिलियन अमरीकी डॉलर का था। इस अवधि के दौरान भारत द्वारा कनाडा को किया गया निर्यात 1.982 बिलियन अमरीकी डॉलर और आयात 0.985 बिलियन अमरीकी डॉलर था। कनाडा से भारत में पोर्टफोलियो निवेश पिछले छह वर्षों में 5 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 55 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक हो गया है क्योंकि कनाडा के निवेशक भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य मानते हैं।

भारत में 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां स्थापित हैं और 1000 से अधिक कंपनियां भारत में व्यापार के अवसरों को तलाश रही हैं। भारत और कनाडा के व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) और द्विपक्षीय निवेश संवर्धन और संरक्षण करार (बीआईपीपीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू हो गई है। सीईपीए पर अंतिम वर्चुअल बैठक 20-22 अक्टूबर 2021 और बीआईपीपीए पर 22 जून 2021 को हुई थी।

द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और भारत में कनाडा के निवेश को आकर्षित करने के लिए, उद्योग संघों और वाणिज्य मंडलों के सहयोग से कनाडाई और भारतीय व्यवसायों के बीच कई सम्मेलन और खरीदार-विक्रेता बैठकें आयोजित की गई हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

16 जुलाई 2021 को, भारत-कनाडा सेंटर फॉर इनोवेटिव मल्टीडिसिप्लिनरी पार्टनरशिप टू एक्सीलरेट कम्युनिटी ट्रांसफॉर्मेशन एंड सस्टेनेबिलिटी (आईसी-आईएमपीएसीटीएस) और मिटैक्स, भारत के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें एकीकृत जल प्रबंधन, सुरक्षित और एकीकृत बुनियादी ढांचे, और सार्वजनिक स्वास्थ्य सहित परस्पर हित के क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग का समर्थन किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान परिषद (एनएसईआरसी) कनाडा के बीच आईसी-इम्पैक्ट्स कार्यक्रम के तहत, विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। डीएसटी कनाडा के साथ औद्योगिक अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सहायता प्रदान कर रहा है जिसमें अनुप्रयोग करने की क्षमता है।

शिक्षा

कनाडा में पढ़ने वाले 230,000 भारतीय छात्रों के साथ भारत विदेशी छात्रों का शीर्ष स्रोत है। अब तक 69 प्रतिष्ठित कनाडाई संकाय सदस्यों ने भारतीय संस्थानों में शिक्षण कार्य के लिए ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक वर्क्स (जीआईएएन) कार्यक्रम के तहत भारत का दौरा किया है। भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान क्षेत्र में सुधार के लिए अकादमिक और अनुसंधान सहयोग (एसपीएआरसी) को बढ़ावा देने हेतु योजना के तहत कनाडा के संकायों को एसपीएआरसी के तहत 19 परियोजनाएं प्रदान की गई हैं। जीआईएएन के तहत 106 परियोजनाएं प्रदान की गई।

भारत और कनाडा के बीच शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग और सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) 1968 में स्थापित एक द्वि-राष्ट्रीय संगठन है। 2 नवंबर 2021 को, सएआईसीआई ने सस्केचेवान और भारत में शैक्षणिक संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा मंत्रालय, सस्केचेवान प्रांत की सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत के स्वतंत्रता दिवस और अन्य भारतीय समारोहों पर शुभकामनाएं दीं।

वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए, 82 योग कार्यक्रम (वर्चुअल और भौतिक) आयोजित किए गए, जिसमें नियाग्रा फॉल्स में योग और 20 जून को सांसदों के लिए एक विशेष वर्चुअल योग सत्र शामिल है।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कनाडा में रेजिना विश्वविद्यालय के कला संग्रह में देवी अन्नपूर्णा की एक मूर्ति का पता चला, जो वाराणसी शहर की संरक्षक देवी (संभवतः 18 वीं शताब्दी की है) हैं और जो अवैध रूप से 1913 में अधिग्रहीत की गई। विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिमा लौटा दी गई और 15 अक्टूबर 2021 को भारत पहुंची। इसे 15 नवंबर 2021 को वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित किया गया था।

रक्षा और सुरक्षा सहयोग

आतंकवाद की जांच में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक दल ने 04-05 नवंबर 2021 को कनाडा का दौरा किया।

कोंसुली सहयोग

भारत और कनाडा ने एक-दूसरे के देशों से अपने फंसे हुए नागरिकों को निकालने में सहयोग किया। भारत और कनाडा के बीच 23 अप्रैल 2021 को सीधी उड़ानें स्थगित कर दी गईं और 27 सितंबर 2021 से फिर से शुरू कर दी गईं।

कोविड-19 के दौरान आपसी सहयोग

भारत और कनाडा ने वैश्विक महामारी से निपटने में सहयोग किया।

भारत ने कनाडा को 500,000 कोविशील्ड टीके, पैरासिटामोल और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की आपूर्ति की। अप्रैल-मई 2021 में भारत में कोविड की दूसरी लहर के दौरान, कनाडा ने रेमडेसिविर, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसंटेटर, ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की आपूर्ति की और कनाडाई रेड क्रॉस के माध्यम से भारतीय रेड क्रॉस को 10 मिलियन अमरीकी डालर का दान दिया।

लैटिन अमेरिका और कैरेबियन

दक्षिण अमेरिका

अर्जेंटीना

अर्जेंटीना के साथ भारत के द्विपक्षीय सहयोग में विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों के साथ-साथ विभिन्न बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से संपर्क में वृद्धि हुई है। विदेश मंत्री ने 30 जून 2021 को इटली के मटेरा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अर्जेंटीना के विदेश मंत्री श्री फेलिप सोला से मुलाकात की और द्विपक्षीय हित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत के वित्त मंत्री ने 14 अक्टूबर 2021 को आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के अवसर पर वाशिंगटन डीसी में अर्जेंटीना के अर्थव्यवस्था मंत्री श्री मार्टिन गुज़मैन से मुलाकात की।

विदेश मंत्री ने जून 2021 में इटली के मटेरा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अर्जेंटीना के विदेश मंत्री श्री फेलिप सोला से मुलाकात की।

दोनों देशों के बीच संबंधों में अंतरिक्ष और खनन क्षेत्र में वृद्धि हुई है। मंत्रिमंडल ने 02 जून 2021 को अर्जेंटीना के साथ खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन का अनुमोदन किया है। सचिव, खान मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 29 अगस्त से 03 सितंबर 2021 तक लिथियम में भागीदारी को अंतिम रूप देने और इसे आगे बढ़ाने के लिए अर्जेंटीना का दौरा किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन वर्चुअल रूप से मिशन के सोशल मीडिया के साथ-साथ विशेष रूप से बनाई गई वेबसाइट www.diadeyoga.com.ar के माध्यम से 2021 में "योग फॉर वेलनेस" के नारे के साथ किया गया। अर्जेंटीना के संस्कृति मंत्री श्री ट्रिस्टन बाउर ने भारत के राजदूत के साथ मिलकर गुरुदेव की 160 वीं जयंती मनाई और 07 मई 2021 को प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अर्जेंटीना में 27 अगस्त 2021 को भारत के दूतावास द्वारा पहली बार भारतीय कॉफी टेस्टिंग सत्र का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन अर्जेंटीना के कृषि मंत्री श्री लुइस बस्टररा और भारत के राजदूत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। विदेश राज्य मंत्री का एक वीडियो संदेश भी चलाया गया। इस कार्यक्रम में कॉफी विशेषज्ञ और आयातक, मीडिया, सरकारी अधिकारी, प्रमुख नागरिक और राजनयिक शामिल थे। दिनांक 22 अक्टूबर 2021 को आईकॉनिक कैफे ला बिएला में भारतीय कॉफी पर एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक 618.72 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात और 2.28 बिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ द्विपक्षीय व्यापार 2.90 बिलियन अमरीकी डालर था। 6वां भारत-अर्जेंटीना विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 24 नवंबर 2021 को दिल्ली में आयोजित किया गया था। अर्जेंटीना सरकार के विदेश मामलों के उप मंत्री श्री पाब्लो एंसेल्मो टेट्टामंती ने

अर्जेंटीना के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव (पूर्व) ने किया।

बोलीविया

भारत-बोलीविया द्विपक्षीय संबंध को 2019 में भारत के राष्ट्रपति की बोलीविया की राजकीय यात्रा के बाद अधिक महत्व मिला, जिसके तहत विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों, व्यापार और व्यसाय के क्षेत्रों में समृद्धि के लिए लाभकारी सहयोग हेतु बड़े अवसर मिल रहे हैं। विदेश मंत्री ने 05 अगस्त 2021 को तेहरान में विदेश मंत्री रोजेलियो मायटा के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसके दौरान अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के तहत सहयोग सहित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और परिवहन क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए भारत की तैयारी से अवगत कराया गया। विदेश मंत्री मायता ने इसे जीवंत करने के लिए बोलीविया की सरकार द्वारा की गई तैयारी से अवगत करवाया। उन्होंने फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, खनिज संसाधन, सांस्कृतिक सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आदि जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आश्वासन दिया।

बोलीविया के अधिकारियों के साथ जनवरी से अगस्त 2021 तक लिथियम साझेदारी पर चर्चा हुई। पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली पर भारत-बोलीविया संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक वर्चुअल रूप से 12 अक्टूबर 2021 को हुई। चिकित्सा और होम्योपैथी की पारंपरिक प्रणालियों के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन के तहत द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की गई। अगली बैठक नवंबर 2021 में करने का निर्णय लिया गया।

भारत और बोलीविया के बीच व्यापार बढ़ रहा है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है। 2020 में, भारत बोलीविया का आठवां सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता, सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य और चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। दोनों देशों के बीच संभावित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पिछले एक साल में कई ऑनलाइन व्यापार सत्र और व्यापार बैठकें आयोजित की गईं।

भारत के तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी) के तहत, 11 बोलिवियाई नागरिकों ने ई-आईटीईसी पाठ्यक्रमों में अक्टूबर 2021 तक महामारी के कारण वर्चुअल रूप से भाग लिया। अक्टूबर 2021 में, कोचाबाम्बा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज (सीईएनईटीआइसी) की स्थापना का काम मार्च 2019 में इस उद्देश्य के लिए हस्ताक्षरित भारत-बोलीविया समझौते के तहत शुरू हुआ। ला पाज़ के मेयर और भारत के राजदूत द्वारा भारत सरकार द्वारा उपहार में दी गई महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण 31 अगस्त 2021 को ला पाज़ में किया गया। बोलिविया में योग लोकप्रिय हो गया है, जून 2021 में 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में बोलीविया के योग करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है।

भारत के दूतावास ने इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) और बोलिवियन नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स (सीएनसी बोलीविया) के सहयोग से 16 नवंबर 2021 को बोलीविया में भारत की इंजीनियरिंग सामग्री निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक व्यावसायिक सत्र का आयोजन किया। इसके साथ-साथ, बोलीविया में भारतीय रसायनों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 23 नवंबर 2021 को एक वर्चुअल व्यापार कार्यक्रम आयोजित किया गया। दूतावास ने बोलीविया नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज (सीएनआई बोलीविया) के सहयोग से 01 दिसंबर 2021 को बोलीविया में भारत के प्लास्टिक और रबर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। दूतावास ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा 08 से 11 दिसंबर तक आयोजित वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक में बोलीविया के आयातकों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाया।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, नवंबर और दिसंबर 2021 के दौरान "देखो अपना देश" प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांप्रदायिक सद्भाव पर प्रकाश डालने वाले वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग, भारतीय और बोलिवियाई नृत्यों का एक विविध कार्यक्रम, पर्यटन प्रचार कार्यक्रम और भांगड़ा पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। बोलीविया के सांस्कृतिक कलाकार भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह के भाग के रूप में हमारे मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

ब्राजील

भारत और ब्राजील ने सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सामरिक भागीदारी को निरंतर आगे बढ़ाया। जनवरी 2020 में राष्ट्रपति बोल्सोनारो (पीबी) की ऐतिहासिक भारत यात्रा के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारत-ब्राजील संबंधों में उतपन्न उत्साह, जनवरी में अपने 9 कैबिनेट सहयोगियों के साथ ब्रासीलिया में गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के साथ जारी रहा। पीबी द्वारा भारत की टीकों की आपूर्ति की सार्वजनिक स्वीकृति ब्राजील की मीडिया में मुखर रिपोर्टिंग के समान ही थी।

पीबी ने 09 सितंबर 2021 को भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से भाग लिया। ब्राजील के विदेश मंत्री और ब्राजील के कई अन्य मंत्रियों ने ब्रिक्स और आईबीएसए एफएम और भारत द्वारा आयोजित मंत्रिस्तरीय वर्चुअल बैठकों में भाग लिया। विदेश मंत्री ने ब्राजील के नए एफएम एंब से भी मुलाकात की। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूनएजीए) सत्र के दौरान G-4 बैठक में कार्लोस अल्बर्टो फ्रैंका आयोजित किया गया। 27 अक्टूबर 2021 को सीओपी 26 से पहले, भारत और ब्राजील के पर्यावरण मंत्रियों ने एक वर्चुअल बैठक में भाग लिया और जलवायु परिवर्तन पर विचारों का आदान-प्रदान किया। सितंबर 2021 में, ब्राजील की सीनेट ने एक दिन में

दस मिलियन से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए भारत की प्रशंसा करते हुए एक बधाई पारित किया।

स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, पारंपरिक चिकित्सा, रक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग, कृषि, खनन और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कई बैठकें, वेबिनार और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। ब्राजील में भारत के दूतावास ने कई वस्तु-उन्मुख कार्यक्रमों के साथ 3टी (व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन) हितों और देश-विशिष्ट निर्यात लक्ष्यों के लिए कार्य किया।

ब्राजील के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा निर्धारित निर्यात लक्ष्य से आगे बढ़ते हुए निरंतर प्रयासों के बाद, वर्ष 2020 (अर्थात अप्रैल-अक्टूबर 2020 में 2.11 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अप्रैल-अक्टूबर 21 में 4.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की इसी अवधि में अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान भारत द्वारा ब्राजील को किए जाने वाले निर्यात में 100% की वृद्धि हुई है।

तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला भारत-ब्राजील जेडब्लूजी अप्रैल 2021 में और जैव ऊर्जा पर जेडब्लूजी अगस्त 2021 में हुआ। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और ब्राजील के आर्थिक रक्षा परिषद (सीएडीई) ने जून 2021 में द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ब्राजील के एक प्रतिनिधिमंडल ने 01 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित 7वीं भारत-ब्राजील संयुक्त रक्षा समिति (जेडीसी) में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया, जिसमें रणनीतिक साझेदारी, सैन्य आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

ब्राजील की शीर्ष दस रेडी मेड गारमेंट खुदरा श्रृंखलाओं के साथ परिधान, सहायक उपकरण, कालीन और हस्तशिल्प की सोर्सिंग को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल रूप से बैठकें आयोजित की गईं। भारतीय दूतावास ने भाग लेने वाली कंपनियों को डिजाइन संबंधी सहायता (आईआईएफटी के सहयोग से) और ई-कॉमर्स सोल्यूशन की पेशकश की। दूतावास ने 08-15 दिसंबर से हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित भारतीय हस्तशिल्प पर वर्चुअल क्रेता-विक्रेता-सम्मेलन का समर्थन किया।

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को सोयाबीन तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए ब्राजीलियन एडिबल ऑयल एसोसिएशन (एबीआईओवीई) और ब्राजील निर्यात प्रोत्साहन एजेंसी, एपेक्स ब्राजील के प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकें की गईं। एमआरई, एनप्रोटेक और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-भारत की साझेदारी से भारत-ब्राजील एग्रीटेक क्रॉस-इनक्यूबेशन प्रोग्राम 2021 दिनांक 07 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के भाग के रूप में, दूतावास ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। मिशन ने ब्राजील के संघीय गणराज्य के प्रेसीडेंसी के सिविल हाउस के द एलायंस फॉर वॉलंटियरिज्म (एलियांका पेलो वोलेंटारियाडो) के सहयोग से सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अवसर पर लोनावाला योग संस्थान के निदेशक डॉ मनमथ घरोटे द्वारा "आधुनिक युग में योग के लिए समग्र दृष्टिकोण" पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ब्राजील की प्रथम महिला श्रीमती मिशेल बोल्सोनारो ने भाग लिया।

दूतावास ने 02 नवंबर 2021 को 6वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में ब्राजील के सुधा योग और आयुर्वेद स्कूल और जामनगर इंस्टीव्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद के सहयोग से "पोषण के लिए आयुर्वेद" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। मिशन ने एकेएएम समारोह के तहत गांधी जयंती और दिवाली महोत्सव को भी शानदार तरीके से मनाया। सीनेटरों और संघीय प्रतिनियुक्तों ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के बीच एकेएएम के तहत 5 नवंबर 2021 को मिशन द्वारा आयोजित दिवाली समारोह में भाग लिया। मिशन ने 26 नवंबर 2021 को भारत के संविधान दिवस, 06 दिसंबर 2021 को महापरिनिर्वाण दिवस, 17 दिसंबर 2021 को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति और दिसंबर 2021 में सुशासन सप्ताह के उत्सव का भी आयोजन किया।

ब्राजील के स्वर्गीय प्रो. हेलेनो बोल्फ़रिन को सांख्यिकी में 10वें प्रोफेसर महालनोबिस अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चिली

बहुपक्षीय मंचों सहित वर्तमान द्विपक्षीय बातचीत और सहयोग के साथ भारत-चिली संबंध लगातार बढ़ रहे हैं और मजबूत हो रहे हैं। भारत-चिली पीटीए को आगे बढ़ाने पर वार्ता का दूसरा दौर वर्चुअल रूप से 08-09 अप्रैल 2021 को और उसके बाद तीसरा दौर 06-07 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया। इस दौर में बाजार सुविधाएं, उत्पत्ति के नियम, स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपाय और तकनीकी बाधाओं पर बातचीत करने वाले समूह एक साथ आए। चिली की वायु सेना ने अप्रैल 2021 में एमआईसीसीआई और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संगोष्ठी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर एयर वॉरियर्स' में भाग लिया।

भारत-चिली विदेश कार्यालय परामर्श का सातवां दौर 13-14 सितंबर 2021 को सैंटियागो में आयोजित किया गया। दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा, अंतरिक्ष, अंटार्कटिका में सहयोग, आपदा प्रबंधन, सांस्कृतिक और कोंसुली मुद्दों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की। विदेश मंत्री ने सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान आर्थिक संबंध और हरित ऊर्जा में सुधार सहित पारस्परिक हित के मुद्दों पर चिली के अपने समकक्ष के साथ चर्चा की।

एसोसिएशन ऑफ फ्रूट एक्सपोर्ट्स ऑफ चिली एजी (एएसओईएक्स), चिली ने 2020-21 में ताजे फलों के 4,451,087 बक्सों का निर्यात किया, जो 2019-20 की समान अवधि की तुलना में 133.07% अधिक है। भारतीय दूतावास, सैंटियागो ने चिली की एजेंसियों के सहयोग से 21 जून 2021 को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर एक वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया। दूतावास ने भारतीय चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई)के सहयोग से 1 सितंबर 2021 को एक वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीसी) में सहयोग के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार (MeitY) और चिली आर्थिक विकास एजेंसी (सीओआरएफओ) के बीच दूसरी बैठक वर्चुअल रूप से 13 अक्टूबर

2021 को हुई। दूतावास ने कल्चरल कॉर्पोरेशन ऑफ लास कोंडेस के सहयोग से 8-14 नवंबर 2021 को भारतीय रेशम साड़ियों पर वस्त्र प्रदर्शनी पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के सहयोग से 8-15 दिसंबर 2021 को एक वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) आयोजित की गई। चाय बोर्ड इंडिया के सहयोग से फरवरी 2022 में वर्चुअल बीएसएम और हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद के सहयोग से मार्च 2022 में एक व्यक्तिगत बीएसएम की योजना बनाई गई है।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) मनाने के लिए हर महीने सांस्कृतिक और व्यावसायिक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जाती थी।

कोलंबिया

दोनों देशों के बीच कई उच्च स्तरीय संबंधों से भारत और कोलंबिया के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। व्यापार और वाणिज्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर घनिष्ठ समन्वय सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग में निरंतर विकास प्रवृत्ति देखी गई है।

विदेश राज्य मंत्री ने 04-06 सितंबर 2021 को कोलंबिया की आधिकारिक यात्रा की और कोलंबिया के उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री सुश्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ और कोलंबिया के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री श्री टीटो जोस क्रिसियन बोरेरो के साथ एक व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। विदेश मंत्री ने 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री सुश्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ से मुलाकात की और पारस्परिक हित के मुद्दों पर चर्चा की।

क्टूबर 2021 में भारत यात्रा के दौरान कोलंबिया की विदेश मंत्री, सुश्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ के साथ विदेश मंत्री

कोलंबिया की उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री सुश्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ ने 01-03 अक्टूबर 2021 तक भारत का दौरा किया। उनके साथ 48 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल था, जिसमें स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा मंत्री डॉ. लुइज़ फर्नाडो रुइज़, उप मंत्री, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार श्री सर्जियो क्रिस्टानचो मारुलांडा और निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। यात्रा का मुख्य फोकस स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग पर था। यात्रा के दौरान, सुश्री रामिरेज़ ने 01 अक्टूबर 2021 को भारत के उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू से मुलाकात की और कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री ने 02 अक्टूबर 2021 को सुश्री रामिरेज़ के साथ स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष जैसे मुद्दों पर एक व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। परस्पर हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुधारों से संबंधित भारत की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। राज नेता बहुपक्षीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। जैव प्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपने कोलंबियाई समकक्षों के साथ जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए दो आशय पत्रों पर भी हस्ताक्षर किए। विदेश राज्य मंत्री ने 03 अक्टूबर 2021 को सुश्री रामिरेज़ से भी मुलाकात की, उनके साथ सितंबर 2021 में कोलंबिया की यात्रा के दौरान उनकी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई।

भारत और कोलंबिया के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का नौवां दौर दिनांक 07 मई 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित किया गया था। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सचिव (पूर्व) ने किया और कोलंबियाई पक्ष का नेतृत्व विदेश मामलों के उप मंत्री श्री फ्रांसिस्को जेवियर एचेवेरी ने किया। परामर्श के दौरान, आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, संस्कृति, शिक्षा और खेल और क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों के क्षेत्र में सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों

के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। .

14 अप्रैल 2021 को, भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और कोलंबिया के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्रालय (मिन्सिएनिया) के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए एक वीडियो सम्मेलन आयोजित किया गया।

महामारी संबंधी प्रतिबंधों और साजो-सामान संबंधी चुनौतियों के बावजूद, भारत और कोलंबिया के बीच 2020-21 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार में पर्याप्त वृद्धि हो रही है। आर्थिक, वाणिज्यिक और व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने के लिए, वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी), इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी), इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए), प्लास्टिक एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (प्लेक्स काउंसिल), इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईएससी-ईपीसी), मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमपीईडीए), सीएपीईएक्सआईएल, आदि सहित भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद के सहयोग से कई व्यावसायिक कार्यक्रम और वर्चुअल व्यापार सम्मेलन और क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की गईं।

कृषि और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भारत और कोलंबिया के बीच सहयोग को सुकर बनाने के लिए, इस विषय पर सहयोग के लिए फरवरी 2022 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत, कोलंबिया में सांस्कृतिक और शैक्षणिक पंहुच कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें भारतीय कला और संस्कृति पर फोटोग्राफिक प्रदर्शनियाँ, विश्वविद्यालयों और स्कूलों में भारतीय सांस्कृतिक सप्ताह, कोलंबियाई विश्वविद्यालयों में सम्मेलन और सेमिनार एवं भारतीय संस्कृति तथा अर्थव्यवस्था, वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर फिल्म की स्क्रीनिंग, सोशल मीडिया अभियान, अन्य क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए विशेष थिंक टैंक शामिल है। 7 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2021 के दौरान कोलंबिया के विभिन्न शहरों में 01-21 जून 2021 को योग और ध्यान सत्र, व्याख्यान और योग सम्मेलनों सहित 27 कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवंबर और दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 के दौरान पर्यटन प्रचार कार्यक्रम, संविधान दिवस, छठा आयुर्वेद दिवस, महापरिनिर्वाण दिवस, विश्व हिंदी दिवस आदि को उचित प्रकार से मनाया गया।

विदेश राज्य मंत्री (मीनाक्षी लेखी) ने अक्टूबर 2021 में अपनी कोलंबिया यात्रा के दौरान कोलंबिया की उप राष्ट्रपति और विदेश मंत्री सुश्री मार्ता लूसिया के साथ अंतरिक्ष सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

क्यूबा

क्यूबा के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध मधुर और सौहार्दपूर्ण रहे। भारत ने वर्तमान में क्यूबा को 248 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की ऋण सहायता (एलओसी) प्रदान की है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की चौथी महासभा 18-21 अक्टूबर, 2021 तक वर्चुअल रूप से आयोजित की गई और जिसकी अध्यक्षता हमारे ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री और डीजी आईएसए ने की, क्यूबा के ऊर्जा और खान मंत्री श्री लिवेन ऐरोनोते ने एलएसी क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में भाग लिया। उन्होंने किफायती लागत पर फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा के विकास सहित अगले पांच वर्षों के लिए रणनीतिक योजना पर चर्चा की।

छठा आयुर्वेद दिवस हवाना में आयुर्वेद केंद्र (पंचकर्म केंद्र), ला परदेरा में मनाया गया, जिसमें दो उप जन स्वास्थ्य मंत्री श्री फर्नांडो नवारो मार्टिनेज और डॉ. (सुश्री) तानिया मार्गारीटा क्रूज़ हर्नांडेज़ ने भाग लिया। पंचकर्म केंद्र लैटिन अमेरिका में अपनी तरह का पहला केंद्र है, जो दोनों देशों के बीच सहयोग का प्रतिफल है। दूतावास ने भारत@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में संविधान दिवस और महापरिनिर्वाण दिवस सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इक्वेडोर

इस अवधि के दौरान भारत और इक्वाडोर के बीच संबंध मजबूत होते रहे। फार्मास्यूटिकल्स और प्लास्टिक के क्षेत्र में इक्वाडोर के व्यवसायों सहित फारमएक्सिल और प्लेक्स काउंसिल के सहयोग से वर्चुअल व्यावसायिक बैठकें आयोजित की गईं।

India@75 "आज़ादी का अमृत महोत्सव" (एकेएएम) समारोह के तहत, गांधी जी की 152 वीं जयंती 01-02 अक्टूबर 2021 को ग्वायाकिल, इक्वाडोर में मनाई गई एवं दिनांक 14 अगस्त 2021 को ग्वायाकिल शहर के नगरपालिका संग्रहालय में महात्मा गांधी के जीवन पर एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और क्विटो में एक अन्य फोटोग्राफिक प्रदर्शनी आयोजित की गई। डिवाइन स्कूल, इक्वाडोर की सुश्री बारबरा फ्लोर्स की भागीदारी से 05 नवंबर 2021 को वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित करते हुए 6ठां आयुर्वेद दिवस मनाया गया और डब्लूएएच आयुर्वेद के सुश्री मारिया फर्नांडा ब्यूनो और इक्वेडोर से डॉ अश्वथी की भागीदारी से 11 नवंबर 2021 को आयुर्वेद पर एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया गया। क्वेंका, इक्वेडोर में दिनांक11-12 दिसंबर 2021 को आयोजित एक गैस्ट्रोनॉमी उत्सव "देशों की सांस्कृतिक बैठक और गैस्ट्रोनॉमी" में भारतीय व्यंजन प्रदर्शित किए गए।

मेक्सिको

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान से भारत और मेक्सिको के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होते रहे। वर्ष 2021 दोनों देशों के लिए एक (बड़ी उपलब्धि) से प्रारंभ हुआ है दोनों देशों ने 2021-2022 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में भाग लिया। मैक्सिकन अधिकारियों ने 14 फरवरी 2021 को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा निर्मित एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 870,000 खुराक के लिए आभार व्यक्त किया।

विदेश मंत्री ने 26-28 सितंबर 2021 को मेक्सिको की यात्रा की। विदेश मंत्री के रूप में मेक्सिको की यह उनकी पहली यात्रा थी। विदेश मंत्री ने अन्य विश्व राजनेताओं के साथ मैक्सिकन स्वतंत्रता के सशक्तिकरण की 200वीं वर्षगांठ के स्मारक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने मेक्सिको के राष्ट्रपति श्री मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर से मुलाकात की और उन्होंने विदेश मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पारस्परिक हितों के वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों पक्षों ने वाणिज्य, बाह्य अंतरिक्ष, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने की अपनी इच्छा व्यक्त की।

राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 11-16 अक्टूबर 2021 तक विदेशी अध्ययन यात्रा कार्यक्रम के भाग के रूप में मेक्सिको का दौरा किया और विदेश मंत्रालय, रक्षा, नौसेना, अर्थव्यवस्था और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ बातचीत की।

मेक्सिको में भारत के दूतावास ने भारत में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने और भारत से निर्यात में होने वाली वृद्धि का पता लगाने के लिए मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्रालय के साथ 16-18 नवंबर 2021 तक भारत-मेक्सिको आर्थिक अवसर मंच का आयोजन किया।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, दूतावास ने 31 अक्टूबर - 05 नवंबर से 2021 तक शानदार प्रतिष्ठित सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें स्थानीय सरकार के सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और इसमें आईसीसीआर से बॉलीवुड समूह द्वारा नृत्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसी क्रम में ललित कला अकादमी, आईसीसीआर, वस्त्र मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और अन्य की भागीदार से 26 जनवरी से 01 फरवरी तक बड़े पैमाने पर 2022 के प्रतिष्ठित सप्ताह का आयोजन किया गया।

पराग्वे

भारत और पराग्वे के बीच द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत होते रहे। विदेश मंत्री ने 11 मार्च 2021 को कोरोना वायरस की स्थिति पर पराग्वे के विदेश मंत्री श्री यूक्लिड्स एसेवेडो के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इसके बाद, भारत ने मार्च-अप्रैल 2021 में पराग्वे को कोवैक्सिन की 200,000 खुराकें दान कीं।

भारत-पराग्वे द्विपक्षीय व्यापार अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक 133.64 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात और 8.92 मिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ 142.56 मिलियन अमरीकी डालर है। तीसरा भारत-पराग्वे विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 01 दिसंबर 2021 को असुनसियन में आयोजित किया गया। सचिव (पूर्व) ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि पराग्वे के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री राउल कैनो रिकियार्डी - आर्थिक संबंध और एकीकरण उप मंत्री, विदेश मंत्रालय, पराग्वे ने किया।

भारतीय मंत्रिमंडल ने पराग्वे में एक भारतीय दूतावास खोलने की मंजूरी दी। दूतावास स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

पेरू

भारत और पेरू के बीच द्विपक्षीय संबंध व्यापार और वाणिज्य, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, संस्कृति आदि जैसे क्षेत्रों में बढ़ते रहे।

चालू वित्तीय वर्ष में भारत-पेरू द्विपक्षीय व्यापार में भी पर्याप्त वृद्धि देखी गई। चिकित्सा उपकरणों, फार्मास्यूटिकल्स, महत्वपूर्ण स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों, ऑटोमोबाइल, कृषि मशीनरी, अनुकूलित वाहन, चमड़े और जूते, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, सेवाओं, कपड़ा मशीनरी, आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ भारतीय कंपनियों के लिए व्यापार और व्यवसाय के अवसरों पर जोर देने के लिए वर्चुअल व्यापार वार्ता और क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की गईं। इस साल की शुरुआत में, पेरू के नियामक ने एक प्रस्ताव जारी किया जिसने भारत से मूंगफली के निर्यात को सुविधाजनक बनाया। भारतीय पक्ष ने सितंबर 2021 में पेरू के खट्टे फलों और ब्लूबेरी के आयात की अनुमति दी। इस वर्ष भारत और पेरू के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए छठे दौर की बातचीत की योजना बनाई जा रही है।

दिनांक 16 नवंबर 2021 को ईईपीसी इंडिया के सहयोग से इंजीनियरिंग सामग्री, दिनांक 23 नवंबर 2021 को केमेक्ससिल के साथ रासायनिक उत्पाद, और दिनांक 01 दिसंबर 2021 को प्लेक्सकॉन्सिल और कैपेक्सिल के साथ प्लास्टिक और रबर सामग्री को बढ़ावा देने के लिए कई व्यापारिक और व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दूतावास ने 25 नवंबर 2021 को एमएसएन लैब्स पेरू का आधिकारिक रूप से पुन: शुभारंभ करने के लिए लीमा में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कैपेक्सिल के साथ दूतावास ने 15-16 दिसंबर को भारत के सिरेमिक के निर्यात पर वर्चुअल बी 2 बी बैठकें आयोजित कीं। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के साथ व्यापार और निवेश के अवसरों के साथ-साथ वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स और चमड़े पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापार प्रोत्साहन कार्यक्रम और बीएसएम आयोजित किए गए।

आयुष मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और सैन मार्कोस के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय ने जुलाई 2021 में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों में सहयोग पर एक ऑनलाइन बैठक की। प्रशिक्षण, आदान-प्रदान, रक्षा औद्योगिक सहयोग, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) और पेरू के संगठन जैसे एफएएमई (शस्त्र और आयुद्ध कारखाना) आदि जैसे विभिन्न पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं पर कार्रवाई शुरू करने के लिए पेरू के रक्षा मंत्रालय में रक्षा संसाधन के उप मंत्री के साथ 27 अक्टूबर 2021 को बैठक आयोजित की गई। भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने सहकारी और सहयोगी संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देते हुए पारस्परिक समझ और मित्रता बढ़ाने के लिए 22 अक्टूबर 2021 को पेरू के पोंटिफिकल कैथोलिक विश्वविद्यालय (पीयूसीपी) के साथ सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

4 से अधिक उम्मीदवारों ने विभिन्न ई-आईटीईसी पाठ्यक्रमों में भाग लिया। भारतीय दूतावास, लीमा ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत@75 आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के भाग के रूप में पेरू में विभिन्न चिन्हित विषयों पर प्रकाश डालते हुए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। सातवीं आईडीवाई के अवसर पर योग के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए 16 कार्यक्रमों के साथ 12-26 जून 2021 तक दो सप्ताह के समारोह आयोजित किए गए।

प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक संबंध संवर्धन योजना (पीसीटीडी) के तहत, भारतीय संस्कृति और परंपरा की व्यापक विविधता का जश्न मनाते हुए 08 दिसंबर 2021 को लीमा में "अमृत महोत्सव" नामक एक भारतीय महोत्सव आयोजित किया गया। मुख्य विषय के रूप में "पोषण के लिए आयुर्वेद" के साथ 6ठां आयुर्वेद दिवस 02 नवंबर 2021 को वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से मनाया गया, जिसमें आयुर्वेद में भारत के ज्ञान और स्वस्थ जीवन को बनाए रखने के लिए दैनिक पोषण में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। भारत की सांस्कृतिक विरासत, उपलब्धियों, राष्ट्रीय एकता, वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति, विकास साझेदारी और प्रवासी भारतीयों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत की सांस्कृतिक विविधता, पर्यटन, विकास सहयोग व्यवसाय अवसरों के साथ-साथ संविधान दिवस, महापरिनिर्वाण दिवस, आदि पर प्रकाश डालने वाले विभिन्न कार्यक्रम जनवरी से मार्च 2022 तक आयोजित किए गए।

उरुग्वे

भारत ने उरुग्वे के साथ अपने घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध बनाए हुए हैं। चौथा भारत-उरुग्वे विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 29 नवंबर 2021 को मोंटेवीडियो में आयोजित किया गया था। सचिव (पूर्व) ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि उरुग्वे के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उरुग्वे की विदेश मामलों की उप मंत्री सुश्री कैरोलिना एचे बैटल ने किया।

इस साल अप्रैल से अगस्त तक 87.64 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात और 84.12 मिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ भारत-उरुग्वे द्विपक्षीय व्यापार 171.76 मिलियन अमरीकी डालर रहा।

वेनेजुएला

वेनेजुएला के साथ संबंध घनिष्ठ और सौहार्दपूर्ण रहे। भारत और वेनेजुएला ने 01 अक्टूबर 2021 को राजनयिक संबंधों की स्थापना की 62वीं वर्षगांठ मनाई। दोनों देशों के बहुपक्षीय मंचों पर सहयोगात्मक संबंध हैं। विदेश मंत्री ने 25 सितंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के दौरान वेनेजुएला के विदेश मंत्री श्री फेलिक्स प्लासेनिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कोविड चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। वे बहुपक्षीय क्षेत्र में सहयोग करने पर भी सहमत हुए।

भारत-वेनेजुएला व्यापार अप्रैल-अगस्त 2021 में कुल मिलाकर 252.70 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें से भारत द्वारा वेनेजुएला को 224.02 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया और वेनेजुएला से 29.58 मिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात किया गया। काराकस में भारत के दूतावास ने 27 अक्टूबर 2021 को वेनेजुएला के साथ व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यावसायिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें वेनेज़ुएला के वरिष्ठ नेताओं, अधिकारियों और व्यापारिक समुदाय ने भाग लिया।

India@75 आज़ादी के अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, काराकस में भारतीय दूतावास ने कल्टुरा डे ला इंडिया, खाना डे ला इंडिया, योगा डे ला इंडिया, नमस्ते इंडिया और बॉलीवुड अरेपा सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में वेनेज़ुएला के उप विदेश मंत्री की भागीदारी से गांधी जयंती का आयोजन किया गया और इसमें काराकस, वेनेज़ुएला में 'गांधी केंद्र' का उद्घाटन शामिल था।

वेनेज़ुएला के संस्कृति मंत्री, एशिया, मध्य पूर्व और ओशिनिया के उप विदेश मंत्री और योग प्रेमियों के एक बड़े समूह की भागीदारी से कराकस में ला कासोना में सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

काराकस में 24-30 नवंबर 2021 तक आइकॉनिक भारत सप्ताह मनाया गया। विदेश राज्य मंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए वर्चुअल रूप से एक संदेश दिया। भारत सप्ताह में वेनेज़ुएला के वरिष्ठ नेतृत्व, सांस्कृतिक संगठनों और व्यापारिक संघों के महत्वपूर्ण सदस्यों ने भाग लिया। भारत से वेनेज़ुएला को होने वाले निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जनवरी और फरवरी 2022 में कई वाणिज्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मध्य अमरीका

बेलीज़

2021 में भी बेलीज के साथ भारत के घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे। भारत ने 05 मार्च 2021 को 'मेड इन इंडिया' एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 25000 खुराक दान की। एसआईसीए, कैरिकॉम, सीईएलएसी और राष्ट्रमंडल जैसे बहुपक्षीय मंचों पर विदेश मंत्री के स्तर पर भारत की वार्ता ने बेलीज के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए संस्थागत ढांचा प्रदान किया है। बेलीज और भारत संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों में एक-दूसरे के मुद्दों का निरंतर रूप से समर्थन करते हैं, जिसमें 2021-2022 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी पद हेतु भारत की उम्मीदवारी के लिए बेलीज का समर्थन शामिल है।

कोस्टा रिका

भारत और कोस्टा रिका के मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। भारत-कोस्टा रिका विदेश कार्यालय परामर्श का तीसरा दौर 16 सितंबर 2021 को सैन जोस में आयोजित किया गया था। सचिव (पूर्व) ने भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया। कोस्टा रिकान पक्ष का नेतृत्व द्विपक्षीय मामलों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की उप मंत्री सुश्री एड्रियाना बोलानोस अर्गुएटा ने किया। दोनों पक्ष व्यापार, स्वास्थ्य, औषधि और अंतरिक्ष में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए।

भारत-कोस्टा रिका संयुक्त आर्थिक और व्यापार समिति (जेईटीसीओ) की स्थापना के लिए वाणिज्य विभाग और कोस्टा रिका विदेश व्यापार मंत्रालय के बीच 2013 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के तहत जून 2021 में एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। इस वर्ष 55.77 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात और 33.60 मिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ अप्रैल से अगस्त तक द्विपक्षीय व्यापार 89.37 मिलियन अमरीकी डालर था।

दूतावास ने कोस्टा रिका विश्वविद्यालय, सैन जोस के सहयोग से 30 अप्रैल 2021 को वर्चुअल रूप से सरलीकृत संस्कृत शिक्षण ऐप 'लिटिल गुरु' शुरू की। इस कार्यक्रम में सरकार के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कोस्टा रिका विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों, डीन और वाइस रेक्टर ने भाग लिया। कोस्टा रिका विश्वविद्यालय 50 से अधिक वर्षों से संस्कृत पढ़ा रहा है। 1950 के दशक में यूनेस्को की छात्रवृत्ति पर भारत आए प्रोफेसर हिल्डा चेन अपुय ने कोस्टा रिका विश्वविद्यालय में भारतीय इतिहास, दर्शनशास्त्र और संस्कृत पर अध्ययन शुरू किया।

अल साल्वाडोर

वर्ष 2021 में अल सल्वाडोर के साथ भारत के संबंधों में और वृद्धि हुई। दोनों देशों के बीच तीसरा विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 17 सितंबर 2021 को सैन सल्वाडोर में आयोजित किया गया। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सचिव (पूर्व) ने किया, और सल्वाडोरन पक्ष का नेतृत्व विदेश मामलों, एकीकरण और आर्थिक संवर्धन उप मंत्री सुश्री एड्रियाना मीरा ने किया। एफओसी के दौरान, दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, व्यापार और कोंसुली मामलों सहित सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा की। कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पारंपरिक

चिकित्सा और पर्यटन के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस), विदेश मंत्रालय और स्पेशलाइज्ड इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन फॉर डिप्लोमैटिक ट्रेनिंग (आईईईएसएफओआरडी), अल सल्वाडोर के विदेश मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

बहुपक्षीय मोर्चे पर, भारत को 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; 2022-23 की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद (आईएमओ); संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की कार्यकारी समिति; 2023-27 की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग; और 2022-24 की अवधि हेतु मानवाधिकार परिषद में अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन मिला।

व्यावसायिक मोर्चे पर, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में सुधार हुआ। 2020-21 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 87.94 मिलियन अमरीकी डालर रहा और अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान 95.14 मिलियन अमरीकी डालर था, जो भारत के पक्ष में व्यापार संतुलन के साथ, कई वर्षों से लगातार बढ़ रहा है।

India@75 समारोहों के एक भाग के रूप में, भारत-अल सल्वाडोर मैत्री संघ का गठन 6 सितंबर 2021 को सैन सल्वाडोर में किया गया था, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संस्कृति, व्यंजन, वाणिज्य और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देना था। भारतीय दूतावास ने 06 सितंबर 2021 को सैन सल्वाडोर में आईटीईसी दिवस समारोह आयोजित किया। राजदूत एड्रियाना मीरा, उप विदेश, एकीकरण और आर्थिक संवर्धन मंत्री, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया और साल्वाडोरन को छात्रवृत्तियां प्रदान करने के लिए भारत सरकार की भूमिका की सराहना की। अल सल्वाडोर के 210 विद्वानों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रशिक्षण पूरा किया है।

ग्वाटेमाला

भारत और ग्वाटेमाला के बीच वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। भारत और ग्वाटेमाला के बीच दूसरा विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) वर्चुअल रूप से 5 मई 2021 को आयोजित किया गया। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सचिव (पूर्व) ने किया था, और ग्वाटेमाला पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के उप मंत्री श्री कार्लोस रामिरो मार्टिनेज ने किया था। एफओसी के दौरान, दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, व्यापार और कोंसुली सहित सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

विदेश राज्य मंत्री (वी. मुरलीधरन) ने जुलाई 2021 में ग्वाटेमाला के विदेश मंत्री पेड्रो ब्रोलो से मुलाकात की

विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन [एसओएस (वीएल)] ने 04-06 जुलाई 2021 तक ग्वाटेमाला का दौरा किया। छह वर्षों में ग्वाटेमाला की यह पहली मंत्रिस्तरीय यात्रा थी। यात्रा के दौरान, एमओएस (वीएल) ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति डॉ. एलेजांद्रो जियामाटेई और ग्वाटेमाला के विदेश मंत्री राजदूत पेड्रो ब्रोलो विला से मुलाकात की और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की।

बहुपक्षीय क्षेत्र में, ग्वाटेमाला ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों में भारत की उम्मीदवारी का निरंतर रूप से समर्थन किया

कोविड के बाद से, व्यावसायिक संबंध ऑनलाइन क्षेत्र में अंतरित हो गए हैं। अप्रैल 2021 से, मिशन ने विभिन्न भारतीय वाणिज्य मंडलों और स्थानीय वाणिज्य मंडलों के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स, चमड़ा और सिरेमिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में 6 वर्चुअल क्रेता-विक्रेता मेलों का आयोजन किया। 06 दिसंबर

2021 को, दूतावास ने "ग्वाटेमाला में भारतीय कंपनियों के लिए वेयरहाउसिंग अवसर" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। एक भारतीय कंपनी ने 20 भारतीय कंपनियों के लिए वेयरहाउसिंग सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए ग्वाटेमाला की एक कंपनी के साथ रुचि की अभिव्यक्ति पर हस्ताक्षर किए हैं। यह मध्य अमेरिका में वेयरहाउसिंग हब के रूप में ग्वाटेमाला को लक्षित करते हुए भारतीय कंपनियों के लिए एक शुरुआत होगी। यह मध्य अमेरिका में भारतीय व्यवसायों को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। इस अवधि के दौरान मिशन ने ग्वाटेमाला से 8 भारतीय नागरिकों को निकालने में मदद की।

India@75 समारोहों के एक भाग के रूप में, भारतीय दूतावास ने ग्वाटेमाला से सोलर मामास की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें उपराष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए, ग्वाटेमाला के उपराष्ट्रपति महामहिम गुइलेर्मो कैस्टिलो रेयेस ने ग्वाटेमाला के लोगों के बीच क्षमता विकास में योगदान के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की। ग्वाटेमाला 1997-1998 से एक आईटीईसी भागीदार देश है और आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत और ग्वाटेमाला के बीच मजबूत संपर्क बना हुआ है। आईटीईसी कार्यक्रम के तहत अब तक 227 ग्वाटेमाला नागरिकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसमें ग्वाटेमाला के स्वदेशी समुदाय की 20 महिलाएं शामिल हैं जिन्हें भारत के बेयरफुट कॉलेज में सौर इंजीनियर और उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसी प्रकार, 03 दिसंबर 2021 को दूतावास ने ग्वाटेमाला से आईटीईसी के पूर्व छात्रों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। उप विदेश मंत्री राजदूत अवा अत्ज़ुम एरेवलो ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारत की आजादी के 75 साल पर एक प्रश्नोत्तरी और भारत की विकास यात्रा के 75 साल पर एक प्रदर्शनी भी शामिल थी।

7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) जून 2021 के पूरे महीने ग्वाटेमाला में मनाया गया। समारोह की शुरुआत 03 जून 2021 को ग्वाटेमाला ओलंपिक पदक विजेता एरिक बोरांडो के साथ कर्टेन-रेज़र इवेंट के साथ हुई और यह प्रसिद्ध शहर एंटिट्लान और माज़तेनांगो में समारोहों के साथ जारी रहा। पहली बार आईडीवाई नेशनल पैलेस के सामने स्थित कॉन्स्टीट्यूशनल प्लाजा में मनाया गया। आईडीवाई समारोह का समापन नेशनल स्टेडियम डोरोटो गुआमच फ्लोर्स में उत्सव के साथ हुआ, जिसमें उप विदेश मंत्री अवा अरवलो, ओलंपिक जिमनास्ट एना गोमेज़ और प्रसिद्ध ग्वाटेमाला कलाकार क्रिस पपीता के साथ 100 से अधिक योग चिकित्सकों ने भाग लिया। 02 नवंबर 2021 को दूतावास ने डाबर इंटरनेशनल के सहयोग से आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया।

India@75 समारोहों के भाग के रूप में, भारत के दूतावास ने यूनिवर्सिडैड डेल इस्तमो डी ग्वाटेमाला और यूनिवर्सिडैड फ्रांसिस्को मारोक्विन के सहयोग से क्रमशः पैज़रीरा लाइब्रेरी और लुडविग वॉन माइस लाइब्रेरी में एक 'इंडिया कॉर्नर' की स्थापना की, जिसमें अन्यों के साथ-साथ भारतीय इतिहास, संस्कृति, विदेश नीति, और भारतीय फिल्म उद्योग पर पुस्तकों का चयन शामिल हैं; दूतावास ने ग्वाटेमाला सिटी क्रिकेट टीम के सहयोग से 12 जून 2021 को ग्वाटेमाला में क्रिकेट प्रेमियों के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया; रॉयल एनफील्ड ग्वाटेमाला के सहयोग से दूतावास ने 26 जून 2021 को एक मोटरबाइक रैली का आयोजन किया, जो दूतावास परिसर से शुरू हुई और पुएब्लो रियल, टेकपैन (ग्वाटेमाला की प्राचीन राजधानी) में समाप्त हुई, जहां महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर उनकी लंबी प्रतिमा रखी गई है।

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, भारतीय दूतावास ने 14 और 15 अगस्त 2021 को ग्वाटेमाला सिटी के कायाला में 'नमस्ते इंडिया' नामक एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें भारत की विकास गाथा को प्रदर्शित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 3000 आगंतुकों ने दौरा किया। भारत के दूतावास द्वारा 02 अक्टूबर 2021 को, ग्वाटेमाला के नेशनल पैलेस में शांति के प्रतीक 'पैटियो डे ला पाज़' में एक भव्य गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में एक पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी के जीवन पर एक लघु स्पेनिश वृत्तचित्र पेश किया गया। 08 अक्टूबर 2021 को, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' और गांधी जयंती समारोह के रूप में, भारत के राजदूत बीएस मुबारक ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति डॉ. एलेजांद्रो जियामाटेई को महात्मा गांधी की एक छोटी प्रतिमा और दूतावास द्वारा प्रकाशित स्मारक पुस्तक की एक प्रति भेंट की। राष्ट्रपति ने अपनी टिप्पणी के दौरान बताया कि महात्मा गांधी उन विश्व नेताओं में से एक हैं जिनके जीवन और शिक्षाओं का उन पर बहुत प्रभाव है।

निकारागुआ

निकारागुआ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार मधुर और सौहार्दपूर्ण रहा। निकारागुआ के विदेश मंत्री श्री डेनिस रोनाल्डो मोनकाडा ने विदेश मंत्री के साथ यूएनजीए के दौरान दो बैठकों में भाग लिया जिसमें पहली बैठक अगस्त 2021 में तेहरान में और दूसरी बैठक सितंबर 2021 में न्यूयॉर्क में हुई।

महामारी की बाधाओं के बावजूद, पनामा में भारतीय दूतावास ने निकारागुआ सरकार के समर्थन से मानागुआ में एलेक्सिस अर्गुएलो स्पोर्ट्स सेंटर में 7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विदेश मंत्री श्री डेनिस रोनाल्डो मोनकाडा उस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे जिसमें 150 से अधिक योग उत्साही शामिल हुए और योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

इस साल अप्रैल से सितंबर तक 42.56 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात और 3.34 मिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ द्विपक्षीय व्यापार 45.90 मिलियन अमरीकी डालर रहा।

पनामा

भारत के पनामा के साथ मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बने हुए हैं। इस साल अप्रैल से सितंबर तक पनामा के साथ द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 226.52 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें 108.50 मिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात और 118.02 मिलियन अमरीकी डॉलर का आयात हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को संस्कृति मंत्रालय के मुख्यालय में मुख्य कार्यक्रम के साथ हाइब्रिड तरीके में मनाया गया, जहां उप मंत्री विशिष्ट अतिथि थे। पहली बार, यह कार्यक्रम विदेश मंत्रालय में आयोजित किया गया था जिसमें उप मंत्री ने भाग लिया था। भारतीय दूतावास, पनामा ने 14 से 18 जून 2021 तक अपने फेसबुक योग पेज पर एक सप्ताह तक चलने वाले वर्चुअल योग और आयुर्वेद कक्षाओं की मेजबानी की, जिसमें पनामा के 16 योग और आयुर्वेदाचार्यों ने विभिन्न योग कक्षाएं/वार्ता/ध्यान सत्र आयोजित किए। भारत के दूतावास ने 02 अक्टूबर 2021 को पनामा सिटी में 5 डी मेयो स्क्वायर पर गांधी प्रतिमा के स्थान पर गांधी जयंती मनाने के लिए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस अवसर पर, पनामा के रिपब्लिकन बैंड ने भारत और पनामा का राष्ट्रगान बजाया।

इसरो ने पनामा पक्ष के साथ कई वर्चुअल चर्चाएं आयोजित की और अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और इसके अनुप्रयोगों के क्षेत्र में सहयोग के लिए पनामा और भारत के बीच समझौते के पाठ को अंतिम रूप दिया।

कैरेबियन देश

एंटीगुआ और बारबुडा

एंटीगुआ और बारबुडा के साथ भारत के संबंध निरंतर रूप से बढ़ते रहे। एंटीगुआ और बारबुडा ने "वैक्सीन मैत्री" पहल के भाग के रूप में भारत द्वारा दान दिए गए 40,000 टीकों की सराहना की। एंटीगुआन सरकार को यूएनडीपी द्वारा कार्यान्वित की जा रही “एंटीगुआ और बारबुडा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य क्षमताओं को मजबूत करने और कोविड-19 संकट के नकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को कम करने” परियोजना के आउटपुट 2 के भाग के रूप में लगभग 800 लाभार्थियों को वितरण के लिए भारत-यूएनडीपी दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय के तहत 110,000 मिलियन अमरीकी डालर भी प्राप्त हुए। एंटीगुआ और बारबुडा सरकार ने मानवाधिकार परिषद की सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया, जिसके चुनाव अक्टूबर 2021 में हुए थे। यह प्रौद्योगिकी और ज्ञान-साझा करने के लिए कई क्षेत्रों में अधिक सहयोग के लिए भारत की ओर से आशान्वित है।

बहामास

वर्ष के दौरान भारत और बहामास के बीच द्विपक्षीय संबंध निरंतर आगे बढ़ते रहे। 27 अक्टूबर 2020 को विदेश मंत्री और बहामास के तत्कालीन विदेश मंत्री श्री डैरेन एलन हेनफील्ड के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। यह चर्चा कोविड के क्षेत्र में सहयोग, संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्रमंडल में विकास साझेदारी और सहयोग पर केंद्रित थी। 2020-21 में, भारत और बहामास के बीच द्विपक्षीय व्यापार 40.40 मिलियन अमरीकी डालर का था। जुलाई 2021 में, जमैका को दस्तावेज़ भेजे बिना भारतीय समुदाय के कोंसुली मुद्दों से निपटने के लिए नासाउ में एक कोंसुली शिविर का आयोजन किया गया।

बारबाडोस

भारत और बारबाडोस के बीच घनिष्ठ और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, राष्ट्रमंडल और गुटनिरपेक्ष आंदोलन में सक्रिय रूप से बातचीत करते हैं। प्रधान मंत्री मिया मोटली ने एक अरब कोविड टीके लगाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रधान मंत्री को बधाई दी। बारबाडोस ने विभिन्न बहुपक्षीय निकायों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

डोमिनिका

डोमिनिका के राष्ट्रमंडल के साथ भारत के मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। डोमिनिका संयुक्त राष्ट्र निकायों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता रहा है। इस साल फरवरी में एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 70,000 खुराक प्रदान करके भारत डोमिनिका को टीके प्रदान करने वाला पहला देश बन गया, जिसने देश में बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान को प्रेरित किया।

भारत और डोमिनिका ने 7 मई 2021 को राजनयिकों और अधिकारियों के वीजा मुक्त आवागमन के लिए एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंध और मजबूत हुए। इस समझौते के तहत राजनयिक और सरकारी पासपोर्ट धारक एक निर्दिष्ट अवधि के लिए वीजा के बिना डोमिनिका जा सकते हैं।

डोमिनिकन गणराज्य

भारत और डोमिनिकन गणराज्य के मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। सितंबर में, विदेश मंत्रालय (एमआईआरईएक्स) ने सस्नेह याद किया कि भारत सरकार द्वारा हमें टीकों की 30,000 खुराकें भेजना अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का उदाहरण था, जिससे डोमिनिकन गणराज्य में एक सफल टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत हो सकी। डोमिनिकन गणराज्य के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं, भारत ने डोमिनिकन गणराज्य में अपना दूतावास खोलने का निर्णय लिया। डोमिनिकन गणराज्य ने मई 2006 में भारत में अपना दूतावास स्थापित किया। मंत्रालय के एक अग्रिम दल ने नया मिशन खोलने के लिए डोमिनिकन गणराज्य का दौरा किया।

ग्रेनेडा

ग्रेनेडा के साथ भारत के पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। ग्रेनेडा के कृषि, भूमि और वानिकी मंत्री, चार्ल्स पीटर डेविड और भारत के कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री (एएफडब्लू) के साथ 27 मई 2021 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी। भारतीय पक्ष ने आईसीएआर द्वारा किए गए अग्रणी कार्यों पर प्रकाश डाला और ग्रेनेडा की सहायता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की पेशकश की। दोनों पक्ष चावल उत्पादन में तकनीकों को साझा करने और एफएओ, यूएनजीए और अन्य मंचों पर स्थिति को श्रेणीबद्ध करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। भारत और ग्रेनाडा बहुपक्षीय मंचों पर व्यापक सहयोग कर रहे हैं, जिसमें उम्मीदवारी को समर्थन देना भी शामिल है।

यूनियन कम्युनिटी कॉम्प्लेक्स - भारत सरकार की पूर्ण वित्त पोषित अनुदान सहायता परियोजना का भारत के उच्चायुक्त अरुण कुमार साहू की उपस्थिति में 08 दिसंबर 2021 को सेंट मार्क्स, ग्रेनेडा के पैरिश में उद्घाटन किया गया। ग्रेनेडियन सरकार द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता सेंट मार्क के संसदीय प्रतिनिधि और पर्यटन, नागरिक उड्डयन, जलवायु प्रतिरोध और पर्यावरण मंत्री - डॉ क्लेरिस मोडेस्ट-कुरवेन ने कई सीनेटरों, मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और मीडियाकर्मियों की उपस्थिति में की। भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को स्वीकार करते हुए, डॉ. क्लेरिस ने इस उदार समर्थन के लिए भारत की जनता और सरकार का आभार व्यक्त किया।

गुयाना

भारत और गुयाना के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। गुयाना और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों से गुयाना सरकार के साथ संबंध बढ़े हैं; गुयाना विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ अधिक से अधिक साझेदारी विकसित करने का इच्छुक है। भारत 2021 में गुयाना के लिए 50 स्लॉट के साथ आईटीईसी कार्यक्रम के तहत राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिक, रक्षा और मीडिया क्षेत्रों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की पेशकश कर रहा है। भारत ने गुयाना को "वैक्सीन मैत्री" पहल के भाग के रूप में 80,000 टीके सहायता स्वरूप दिए। विकास भागीदारी कार्यक्रम के तहत, भारत ने अनुदान और ऋण सहायता के तहत विगत में गुयाना में विभिन्न विकास परियोजनाओं को निष्पादित किया। भारत ने हाल ही में 4 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता वित्त पोषण सहित 12 बड़ी क्षमता वाले सिंचाई/जल निकासी पंपों की स्थापना और शुरूआत हेतु दी; 50 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता वित्त पोषण ईस्ट बैंक-ईस्ट कोस्ट रोड लिंकेज परियोजना का संचालन; 17.5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के साथ बार्टिका, सुडी और वेस्ट डेमेरारा में क्षेत्रीय अस्पतालों का स्तरोन्नयन; गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा 12.73 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से एक महासागर नौका का निर्माण आदि के लिए दी।

प्रधान मंत्री ने 2019 में केरीकॉम देशों के लिए सौर, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु-परिवर्तन से संबंधित परियोजनाओं के लिए 150 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की घोषणा की। इसके तहत, भारत ने हिंटरलैंड समुदायों में 30,000 घरों के लिए सोलर होम प्रकाश व्यवस्था की खरीद और स्थापना के लिए गुयाना सरकार को 7.29 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की है। इस संबंध में, गुयाना सरकार और एक्जिम बैंक के बीच अक्टूबर 2021 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

गुयाना ऑनलाइन अकादमी ऑफ लर्निंग (जीओएएल) के तहत गुयाना छात्रों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए गुयाना के शिक्षा मंत्रालय द्वारा इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और जैन "डीम्ड टू बी" विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। गुयाना सरकार द्वारा पांच साल के लिए प्रदान की गई सालाना 4500 ऑनलाइन छात्रवृत्तियों में से प्रति वर्ष 3200 छात्रवृतियां इन दो भारतीय विश्वविद्यालयों से होंगी। इग्नू ने 01 अक्टूबर 2021 को एक दूरस्थ कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय, गुयाना सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

गुयाना विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) भारतीय अध्ययन पीठ की स्थापना पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और गुयाना विश्वविद्यालय के बीच 15 अक्टूबर 2021 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

2020-21 में, भारत और गुयाना के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 2019-20 में 25.21 मिलियन अमरीकी डालर की तुलना में भारत से 35.69 मिलियन अमरीकी डालर (+40%) के निर्यात के साथ उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान गुयाना से 11.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ था।

भारत ने जुलाई 2021 में गुयाना सरकार से कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की गुयाना से कच्चे तेल की खरीद भारत द्वारा कच्चे तेल की विविधता में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा इंडिया द्वारा गुयाना को 2021 में 122 ट्रैक्टरों के निर्यात की सुविधा दी गई। इन ट्रैक्टरों का उपयोग संपूर्ण गुयाना के विभिन्न अंदरूनी इलाकों / जनजातीय क्षेत्रों में किया जाएगा।

दोनों देशों के बीच बहुपक्षीय मंचों में भी मजबूत सहयोग है। गुयाना सरकार ने विभिन्न संयुक्त राष्ट्र निकायों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, गुयाना के शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से गणतंत्र दिवस और होली, जिसे गुयाना में फगवा के नाम से जाना जाता है, सहित कई सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

हैती

भारत के हैती के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। अप्रैल 2021 में, राजदूत ने एक रेडियो टॉक शो के माध्यम से अमृत महोत्सव इंडिया@75 शुरू किया। उन्होंने श्रोताओं को विषय, भारत के स्वतंत्रता संग्राम और दो साल तक चलने वाले कार्यक्रमों के शीर्षक से अवगत कराया। उन्होंने 11 अप्रैल 2021 को भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की, और प्रवासी भारतीयों के संबंध में भारत सरकार की पहलों और ओसीआइ दिशानिर्देशों में हाल के परिवर्तनों के बारे में सदस्यों को अद्यतन सूचना प्रदान की।

होंडुरस

होंडुरस के साथ भारत के संबंध निरंतर बढ़ रहे हैं। हालांकि, वर्ष के दौरान कोविड महामारी के प्रकोप के कारण होंडुरास के साथ कोई उच्च-स्तरीय राजनीतिक बातचीत नही हुई है। बहुपक्षीय मंचों पर, होंडुरस ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

व्यापारिक मोर्चे पर, दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध संतोषजनक रहे। भारत के पक्ष में व्यापार संतुलन के साथ, 2020-2021 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 175.94 मिलियन अमरीकी डालर और अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान 180.35 मिलियन अमरीकी डालर था।

जमस्त्रन घाटी सिंचाई परियोजना के लिए एमएस अपोलो इंटरनेशनल लिमिटेड, भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी, जिसे भारत सरकार द्वारा 26.50 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के तहत संस्वीकृत किया गया था, ने वर्ष के दौरान परियोजना की कार्यान्वयन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जमैका

इस वर्ष जमैका के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। वर्ष के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 66.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें भारतीय निर्यात 64.06 मिलियन अमेरिकी डॉलर और भारतीय आयात 2.23 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी), मुंबई के सहयोग से जमैका और बहामास सहित भारतीय और जमैका के व्यवसायों के बीच बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु ऑनलाइन व्यापार प्रदर्शनी शुरू की गई थी। स्थानीय अभिरक्षकों और मेयर की उपस्थिति में जुलाई 2021 में मेय पेन शहर में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण किया गया। उच्चायुक्त और जमैका सरकार के तीन मंत्रियों द्वारा भारत-जमैका मैत्री उद्यान का उदघाटन संयुक्त रूप से किया गया।

दूतावास ने भारतीय समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति में इंडिया नॉलेज इनिशिएटिव फंड (आईकेआईएफ) शुरू किया। स्थानीय भारतीय समुदायों के सदस्यों के योगदान के माध्यम से निधि जुटाई गई और इसका उपयोग जमैका के छात्रों को भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा लेने के लिए भेजने के लिए किया जाएगा। जमैका में भारतीयों के 175 वर्ष पूरे होने पर 16-पृष्ठ का एक विशेष डाइजेस्ट भी जमैका के प्रमुख समाचार पत्र, 'द ग्लीनर' में प्रकाशित हुआ, जिसमें गवर्नर जनरल, प्रधान मंत्री और जमैका के विदेश मंत्री के संदेश थे।

सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 को मनाने के लिए, निबंध और चित्रकारी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त, स्थानीय योग और ध्यान शिक्षकों की सहायता से जमैका के विभिन्न भागों में सात योग सत्र आयोजित किए गए। जून 2021 में, राजनयिकों, अधिकारियों और भारतीय समुदाय के अन्य प्रमुख सदस्यों के लिए इंडिया हाउस में एक भारतीय भोजन उत्सव का आयोजन किया गया था।

India@75 मनाने के लिए, सेंट मैरी प्रांत में कमजोर लोगों को भोजन के कुल 750 पैकेट, वंचितों और कमजोरों को 500 देखभाल पैकेज घर-घर जाकर वितरित किए गए, सामुदायिक बच्चों के लिए भारतीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता और मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस और गांधी जयंती मनाने के लिए क्रमशः वाचन प्रतियोगिताओं और साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया।

नवंबर 2021 के दौरान स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए, भारतीय उच्चायोग ने नेचर प्रिजर्वेशन फाउंडेशन के साथ मिलकर होप बॉटनिकल गार्डन, किंग्स्टन में भारत-जमैका फ्रेंडशिप गार्डन बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। उच्चायोग ने एक सांसद और एक सीनेटर सहित चार जमैका नागरिकों

को भी आईसीसीआर के एक सप्ताह के अगली पीढ़ी के लोकतंत्र कार्यक्रम जानकारी यात्रा के लिए भारत भेजा। जमैका के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष ने चांसरी में संविधान दिवस समारोह के दौरान मुख्य भाषण दिया। दिसंबर 2021 में, उच्चायोग ने भारतीय डॉक्टरों और दवा कंपनियों के सहयोग से किंग्स्टन में एक साथ तीन चिकित्सा शिविर आयोजित किए।

सेंट किट्स एंड नेविसा

भारत और सेंट किट्स एंड नेविस के आपस में घनिष्ठ संबंध हैं। फरवरी 2021 में, भारत ने वैक्सीन मैत्री पहल के एक भाग के रूप में सेंट किट्स एंड नेविस को 20,000 टीके दान किए। दोनों देशों ने सेंट किट्स एंड नेविस के साथ बहुपक्षीय मंचों पर भी सहयोग किया, जो अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर सरकारी समिति हेतु भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता है।

सेंट लूसिया

भारत के सेंट लूसिया के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सरकार ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उच्चतम स्तर पर बातचीत को बढ़ाने के लिए नई पहल की है। प्रधान मंत्री फिलिप जे. पियरे ने 'भारत के महान राष्ट्र के जन्म' की 75वीं वर्षगांठ पर, सेंट लूसिया को अपना घर बनाने वाले भारतीय नागरिकों द्वारा इसके विकास में योगदान की प्रशंसा की। पियरे के अनुसार, सेंट लूसिया को एक राष्ट्र के रूप में भारत से और व्यक्तिगत नागरिकों से बहुत लाभ हुआ है जिन्होंने इस देश को अपना घर बना लिया है। सरकार और सेंट लूसिया के लोगों की ओर से, पियरे ने प्रधान मंत्री और सरकार एवं भारत के लोगों को स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं।

सेंट लूसिया बहुपक्षीय मंचों पर भारत को निरंतर रूप से अपना समर्थन दे रहा है, जिसमें विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करना भी शामिल है।

परियोजना संचालन समिति की बैठक सितंबर 2021 में 'हाशिए पर रहने वाले युवाओं के लिए प्रभावशाली व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सेंट लूसिया की क्षमता को बढ़ाने' पर आयोजित की गई थी और इसकी प्रगति की निगरानी की गई।

सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस

भारत और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस (एसवीजी) के बीच घनिष्ठ और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे को पूर्ण पारस्परिक समर्थन देते हैं। एसवीजी ने बहुपक्षीय संगठनों में पदों के चुनाव में भारत की सफल उम्मीदवारी का समर्थन किया है। एसवीजी इंडियन हेरिटेज फाउंडेशन ने 1 जून 2021 को सेंट विंसेंट (1861-1880) में भारतीयों के आगमन की 160वीं वर्षगांठ मनाई।

1,034,267 अमरीकी डॉलर के भारत-यूएनडीपी कोष के तहत सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस की सतत और जलवायु अनुकूल ग्रामीण आजीविका परियोजना के लिए अरारोट उद्योग आधुनिकीकरण पर छठी परियोजना संचालन समिति की बैठक दिनांक 08 सितंबर 2021 को आयोजित की गई।

भारत गणराज्य की सरकार और सेंट विंसेंट और ग्रेनाडाइन्स के बीच दिनांक 23 जून 2021 को सूचनाओं के आदान-प्रदान और कर संग्रह में सहायता के लिए समझौते को मंजूरी दी गई।

सूरीनाम

भारत के सूरीनाम के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो 148 वर्षों की अवधि में अद्वितीय सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों द्वारा मजबूत हुए हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। सूरीनाम ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों के चुनावों में भारत का समर्थन किया है।

भारत सरकार के विकास सहयोग भागीदारी कार्यक्रम के तहत, मिल्क सेंट्रल प्रोसेसिंग प्लांट से संबंधित चार परियोजनाओं, ट्रांसमिशन नेटवर्क के उन्नयन, तीन चेतक हेलीकॉप्टरों के रखरखाव और सर्विसिंग और सूरीनाम के अंदरूनी इलाकों में स्थित 50 गांवों के सौर विद्युतीकरण में अच्छी प्रगति हुई है। भारत सरकार द्वारा एक नए सॉकर स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। इसके अलावा, प्रधान मंत्री और कैरिकॉम-सदस्य राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों के बीच पहली बैठक के दौरान घोषित 1 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदान के तहत तीन परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। सूरीनाम के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में भारत ने मेड-इन-इंडिया कोविशील्ड वैक्सीन की 50000 खुराक भेजीं। राष्ट्रपति संतोखी ने एक अरब कोविड टीकाकरण का आंकड़ा पार करने पर प्रधानमंत्री को बधाई दी।

भारतीय दूतावास, पारामारिबो और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र ने 09 अप्रैल 2021 को भारतीय नृत्य और संगीत शाम के साथ आईसीसीआर का 71वां स्थापना दिवस मनाया। इसके मुख्य अतिथि विदेश मंत्री अल्बर्ट रामदीन थे। इस अवसर पर मिशन ने पहली बार सरल संस्कृत सीखने वाली ऐप 'लिटिल गुरु' शुरू की। सांस्कृतिक संघों में अपनी पहुंच के भाग के रूप में, दूतावास

ने विभिन्न संघों को संगीत वाद्ययंत्र दान किए। मिशन और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का सातवा संस्करण मनाया जिसका सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया गया। सूरीनाम की नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष डॉ. देव शरमन मुख्य अतिथि थे। भारतीय समुदाय कल्याण कोष (आईसीडब्लूएफ) दिवस 20 अगस्त 2021 को सूरीनाम के 30 से अधिक अनिवासी भारतीयों की भागीदारी से चांसरी में मानाया गया।

राजदूत द्वारा 09 जनवरी 2021 को वर्चुअल प्रवासी भारतीय दिवस में सूरीनाम गणराज्य के राष्ट्रपति श्री चंद्रिकाप्रसाद संतोखी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा लोक सेवा में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2021 को 23 नवंबर 2021 को राष्ट्रपति को सौंपा गया। विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री ने वर्चुअल रूप से भारत से समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति को बधाई दी।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, दूतावास ने 28 अक्टूबर 2021 को स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) में राष्ट्रीय एकता सप्ताह सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें भारत को जाने प्रश्नोत्तरी के 7 विजेताओं को पदकों का वितरण किया गया और 20 जुलाई 2021 को हिंदी कविता प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। छठा आयुर्वेद दिवस 02 नवंबर 2021 को मनाया गया, जिसमें लोक निर्माण मंत्री और अंतरिम कृषि मंत्री श्री रियाद मोहम्मद और राजदूत ने संयुक्त रूप से एक पट्टिका का अनावरण किया जिसमें पारामारिबो में भारतीय दूतावास द्वारा एक औषधीय पौधे की नर्सरी को उपहार स्वरूप देने का वर्णन किया गया है। दिनांक 19 नवंबर 2021 को माता गौरी प्लेस में गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव का आयोजन किया गया।

त्रिनिदाद और टोबैगो

भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो (टी एंड टी), महत्वपूर्ण भारतीय प्रवासी आबादी वाला एक गिरमिटिया देश, के बीच द्विपक्षीय संबंध, मित्रवत और सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। त्रिनिदाद और टोबैगो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता रहा है। त्रिनिदाद और टोबैगो सरकार ने यूएनडीपी कोष के तहत 1 मिलियन अमरीकी डालर की अनुदान सहायता के संबंध में भारत सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिसकी घोषणा प्रधान मंत्री द्वारा सितंबर 2019 में यूएनजीए की बैठकों के दौरान की गई। इस परियोजना को कोविड महामारी के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रतिक्रिया के समर्थन में त्रिनिदाद और टोबैगो में भारत द्वारा वित्तपोषित 1 मिलियन अमरीकी डॉलर भारत-यूएनडीपी परियोजना के तहत पैन अमेरिकी स्वास्थ्य संगठन/डब्लूएचओ द्वारा आधिकारिक तौर पर लागू किया गया।

13 अप्रैल 2021 को त्रिनिदाद और टोबैगो को भारत सरकार से उपहार के रूप में एस्ट्राजेनेका कोविशील्ड वैक्सीन की 40,000 खुराक दान स्वरूप प्राप्त हुई। त्रिनिदाद और टोबैगो में वैक्सीन को स्वास्थ्य और विदेश मामलों के मंत्री टेरेंस देयालसिंह और कैरिकॉम मंत्री डॉ अमेरी ब्राउन, अन्य अधिकारियों ने प्राप्त किया।

एफओसी का दूसरा दौर 16 अगस्त 2021 को पोर्ट ऑफ स्पेन में भारत और टीएंडटी के बीच आयोजित किया गया था। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सचिव (पूर्व) और टीएंडटी का नेतृत्व श्री ब्रूस लाई, स्थायी सचिव (पीएस), विदेश मंत्रालय और कैरिकॉम मामलों ने किया था। दोनों पक्षों ने व्यापार और आर्थिक सहयोग और स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), सूचना प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाओं (आईटीईएस), विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन, होटल और आतिथ्य उद्योग जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की।

India@75 आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, दूतावास ने वर्ष के दौरान, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से आयुर्वेद दिवस, संविधान दिवस, बिरसा मुंडा जयंती, महापरिनिर्वाण दिवस, विश्व हिंदी दिवस, भारतीय फिल्म महोत्सव, होली, दिवाली आदि को मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

10

बिम्सटेक और सार्क

भारत सार्क और बिम्सटेक दोनों का संस्थापक सदस्य है। सार्क और बिम्सटेक के अंतर्गत गतिविधियां भारत की 'पड़ोस प्रथम' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के पूरक हैं।

सार्क

वर्ष 1985 में स्थापित दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) एक क्षेत्रीय सहमति-आधारित संगठन है जिसमें आठ सदस्य देश शामिल हैं। सार्क में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सात संस्थापक सदस्य हैं। अफ़गानिस्तान वर्ष 2007 में एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके क्षेत्रीय संगठन में शामिल हुआ था। सार्क सचिवालय नेपाल के काठमांडू में स्थित है और श्रीलंका के महासचिव एसाला रुवान वीराकून मार्च 2020 से 14वें महासचिव के रूप में कार्यरत हैं। नेपाल अगले शिखर सम्मेलन तक संगठन की अध्यक्षता करता रहेगा।

कोविड की दूसरी लहर ने वैश्विक यात्रा प्रतिबंधों सहित महामारी, और विशेष रूप से सार्क सदस्य देशों में वर्ष के दौरान सार्क की गतिविधियों को काफी प्रभावित किया।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 54वीं वार्षिक बैठक के अवसर पर सार्क वित्त मंत्रियों की 16वीं अनौपचारिक बैठक 5 मई, 2021 को "कोविड-19 के प्रभाव से आर्थिक स्थिति की बहाली: समावेशी एवं समग्र विकास की दिशा में" विषय पर वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व आर्थिक कार्य विभाग के सचिव ने किया। प्रतिभागियों ने इस क्षेत्र में सतत और हरित विकास के लिए चुनौतियों और आवश्यक उपायों के साथ-साथ अपने-अपने देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर महामारी से पड़े प्रभाव पर चर्चा की।

14वें सार्क के महासचिव एसाला रुवान वीराकून ने 9-13 अगस्त 2021 के दौरान भारत का एक कस्टमरी इंट्रोडक्टरी दौरा किया। दौरे के दौरान, उन्होंने सचिव (पूर्व/ईस्ट) और विदेश सचिव से मुलाकात की, और विदेश राज्य मंत्री (डॉ. राजकुमार रंजन सिंह) तथा विदेश मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने 11 अगस्त 2021 को गांधीनगर में सार्क आपदा प्रबंधन केंद्र (एसडीएमसी)-अंतरिम इकाई और 13 अगस्त 2021 को दिल्ली में दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू) का दौरा किया।

अगस्त 2021 में भारत की यात्रा के दौरान, सार्क महासचिव के साथ विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह

बिम्सटेक

बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) एक क्षेत्रीय संगठन है जिसमें बंगाल की खाड़ी के आसपास के सात सदस्य देश शामिल हैं। बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक विशिष्ट कड़ी है जिसमें दक्षिण एशिया (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका) के पांच सदस्य और दक्षिण-पूर्व एशिया (म्यांमार और थाईलैंड) के दो सदस्य हैं। बिम्सटेक क्षेत्र में 1.68 बिलियन लोग निवास करते हैं - जो विश्व जनसंख्या का 21.7% है और लगभग 3.5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद के बराबर है। बिम्सटेक का स्थायी सचिवालय ढाका, बांग्लादेश में स्थित है। भूटान के तेनजिन लकफेल वर्तमान में बिम्सटेक संगठन के तीसरे महासचिव के रूप में कार्यरत हैं। श्रीलंका अगले शिखर सम्मेलन तक संगठन का अध्यक्ष बना रहेगा।

17वीं बिम्सटेक मंत्रिस्तरीय बैठक 01 अप्रैल 2021 को सभी बिम्सटेक सदस्य देशों की भागीदारी के साथ वर्चुअल मोड में आयोजित की गई थी। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री ने भाग लिया। बैठक में 21वीं वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) (सितंबर 2020 में आयोजित) तथा विशेष एसओएम (मार्च 2021 में आयोजित) और अगले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल करने के लिए अन्य बिम्सटेक क्षेत्रीय प्रक्रियाओं की सिफारिशों का समर्थन किया गया। सिफारिशों में परिवहन संपर्कता के लिए बिम्सटेक मास्टर प्लान को अपनाना और तीन समझौता ज्ञापनों / अनुबंध-पत्रों पर हस्ताक्षर करना शामिल है, अर्थात आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर बिम्सटेक कन्वेंशन; बिम्सटेक सदस्य देशों की राजनयिक अकादमियों/प्रशिक्षण संस्थानों के बीच पारस्परिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन; और कोलंबो, श्रीलंका में बिम्सटेक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा (टीटीएफ) की स्थापना पर संगम-अनुच्छेद यानी मेमोरन्डम ऑफ एसोसिएशन। उन्होंने बिम्सटेक ढांचे के तहत सहयोग के क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों के संशोधन का भी समर्थन किया जिसे अगले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में अंगीकृत किया जाएगा। भारतीय मंत्रिमंडल ने जून 2021 में अगले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में चार्टर पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी।

बिम्सटेक ग्रिड इंटरकनेक्शन समन्वय समिति (पहली बीजीआईसीसी) की पहली बैठक नाए पी टॉउ, म्यांमार में 30 जून 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित की गई थी। बैठक में बिम्सटेक के कार्यों और अधिदेश पर चर्चा की गई थी, जैसा कि ग्रिड इंटरकनेक्शन की स्थापना के लिए एमओयू में तथा बीजीआईसीसी के टीओआर में उल्लिखित किया गया था। बैठक में बिजली के पारेषण के लिए बिम्सटेक नीति के महत्व और बीजीआईसीसी के टीओआर के अनुरूप व्यापार, बिजली के आदान-प्रदान और टैरिफ कार्यपद्धति के लिए बिम्सटेक की नीति तैयार करने तथा बिम्सटेक ग्रिड इंटर-कनेक्टिविटी मास्टर प्लान का अध्ययन शुरू करने पर भी चर्चा हुई।

भारत ने बिम्सटेक देशों के कृषि विशेषज्ञों की 8वीं बैठक 31 अगस्त 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव ने की। भारत ने कृषि में मास्टर और पीएचडी प्रत्येक कार्यक्रमों के लिए छः सीटों की छात्रवृत्ति देने तथा क्षमता विकास और प्रशिक्षण के लिए अन्य पहलें करने की सहमति व्यक्त की। बैठक में पशुधन, कुक्कुट, जलजीवों सहित सीमापार रोगों, जलीय कृषि में जैव सुरक्षा और परिशुद्ध खेती में सहयोग पर चर्चा हुई।

बिम्सटेक सचिवालय और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बिम्सटेक व्यापार सुविधा रणनीतिक फ्रेमवर्क 2030 पर संयुक्त रूप से 14 सितंबर 2021 को एक वर्चुअल कार्यशाला और ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर 16 सितंबर 2021 को एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

बिम्सटेक सांस्कृतिक उद्योग आयोग (बीसीआईसी) की पहली बैठक 20 सितंबर 2021 को भूटान द्वारा वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। बैठक में

बीसीआईसी की कार्यविधियों और नियमों के प्रारूप पाठ को अंतिम रूप दिया गया।

हिमालय विज्ञान परिषद (एचएससी) पर भारत द्वारा बिम्सटेक विशेषज्ञ समूह की पहली बैठक 12 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव ने की। बैठक में, एचएससी के प्रस्ताव पर प्रारूप संकल्पना-पत्र पर बातचीत की गई और परिषद की स्थापना पर संगम-अनुच्छेद (एमओए) तैयार करने पर सहमति बनी।

'बिम्सटेक: ए व्हीकल फॉर ग्रोथ एंड डेवलपमेंट' विषय पर सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस), कोलकाता द्वारा मंत्रालय के साथ साझेदारी में 25-26 अक्टूबर 2021 के दौरान दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भारत के विदेश सचिव और बिम्सटेक के महासचिव, तेनजिन लेकफल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

नारकोटिक ड्रग्स, साइकोट्रोपिक पदार्थों और प्रिकर्सर रसायनों में अवैध तस्करी की रोकथाम पर बिम्सटेक उप-समूह की छठी बैठक वर्चुअल मोड में 28-29 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित की गई। बैठक में नशीली दवाओं के नियंत्रण पर बिम्सटेक कार्य योजना, बिम्सटेक वार्षिक औषध रिपोर्ट का प्रकाशन, मादक दवाओं, साइकोट्रोपिक पदार्थों और प्रिकर्सर रसायनों में अवैध तस्करी को रोकने और उसका दमन करने के लिए क्षमता निर्माण उपायों, फोकल बिंदुओं द्वारा उपयोग की जाने वाली एक हॉट लाइन की स्थापना, और खुफिया जानकारी साझा करने की सुविधा के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक बिम्सटेक ड्रग ऑफेंस मॉनिटरिंग डेस्क की स्थापना की गई।

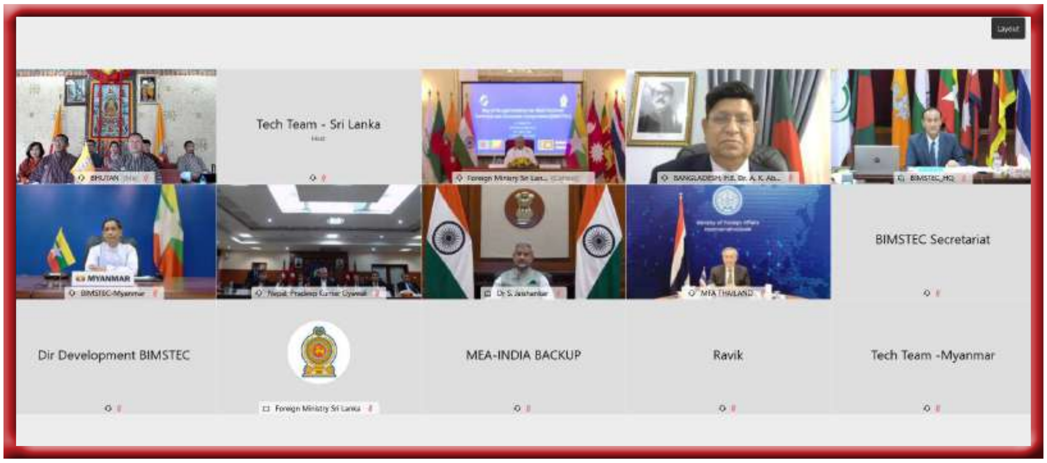

अप्रैल 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित बिम्सटेक की 17वीं मंत्रिस्तरीय बैठक

11

नालंदा विश्वविद्यालय

नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना नवंबर 2010 में संसद के एक अधिनियम द्वारा बौद्धिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अध्ययनों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में उभरने के उद्देश्य से की गई थी। नालंदा विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पर सकेंद्रित रहने के साथ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया गया है।

नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना सिंगापुर द्वारा वर्ष 2007 में फिलीपींस में दूसरे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में प्राचीन नालंदा को पुनर्जीवित करने और दक्षिण और पूर्वी एशिया को जोड़ने के लिए 21वीं सदी के शिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु किए गए एक प्रस्ताव की पृष्ठभूमि में की गई थी। इसके बाद, वर्ष 2009 में भारत के सक्रिय सहयोग के साथ ईएएस राजनेताओं ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया था जिसमें उन्होंने थाईलैंड में चौथे ईएएस शिखर सम्मेलन पर महाद्वीपीय फोकस के साथ एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, धर्मनिरपेक्ष और स्वशासी संस्थान के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना का समर्थन किया था।

नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम नवंबर 2010 में लागू हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय पर एक अंतर-सरकारी समझौता ज्ञापन पर अक्टूबर 2013 में 8 ईएएस प्रतिभागी देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद, 9 ईएएस और अन्य भाग लेने वाले देशों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके कारण भाग लेने वाले देशों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। भाग लेने वाले 17 देशों में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, लाओस, मॉरीशस, म्यांमार, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

शैक्षणिक

नालंदा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2014 में दो विद्यापीठों, दो मास्टर कार्यक्रमों और 14 छात्रों के साथ अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत की। पिछले पांच वर्षों में, विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने और मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए गए थे। वर्तमान में विश्वविद्यालय के विकास का समर्थन करने और उसकी प्रगति को बढ़ाने के लिए प्रशासनिक प्रणालियों का निर्माण करने तथा अभिनव अकादमिक अवसंरचना बनाने पर विशेष ध्या न दिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ाया है और अपनी विद्यापीठों एवं केंद्रों का विस्तार किया है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय अपने 5 विद्यापीठों के माध्यम से 6 स्नातकोत्तकर कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में विश्वविद्यालय

में 736 छात्र हैं जिनमें 31 विदेशों के 173 छात्र और 18 विदेशी संकाय सहित 45 संकाय सदस्य हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित एक नई शैक्षणिक अवसंरचना की शुरुआत वर्ष 2017 में शुरु की गई थी। शिक्षण के नए क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अंतरविषय अभिनव पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रमों की लेखापरीक्षा की जाए।

मास्टर स्तर के पाठ्यक्रमों को स्नातकोत्तर स्तर पर एक शोध प्रबंध के साथ फाउंडेशन, ब्रिज, एडवांस्ड् और स्पेंसिलाइज्डो पाठ्यक्रमों के रूप में पुनर्निर्मित और पुनर्गठित किया गया है।

सभी पाठ्यक्रम एक कैफेटेरिया मॉडल में हैं, जिनके अंतर्गत मेन्यू पर कई ऐच्छिक विकल्प हैं, जो अंतर्विषयक हैं।

विद्यापीठों में नए पाठ्यक्रम, जैसा कि अधिनियम और संविधियों में यथानिर्धारित है, शुरु हो चुके हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों द्वारा उन्हें आकलित करने का प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2017 में नालंदा विश्वविद्यालय में 3 पाठ्यक्रम पढ़ाए गए; वर्ष 2021-22 तक, योग और ध्यान; संस्कृत; पाली; कोरियाई; अंग्रेजी आदि में लघु पाठ्यक्रमों सहित 17 पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं। विद्यापीठों व विद्यापीठों की संख्या भी वर्ष 2017 में 3 से बढ़कर वर्ष 2021 में 5 हो गई है।

एक नोडल विश्वविद्यालय के रूप में, नालंदा विश्वविद्यालय को भारत-आसियान विश्वविद्यालय नेटवर्क के संचालन के लिए नामित किया गया है। विश्वविद्यालय लिंकेज, ट्विनिंग प्रोग्राम, छात्रों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान, क्रेडिट ट्रांसफर और अन्य सहयोगात्मपक पहलों के लिए रोड मैप स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

काठमांडू में चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने एक घोषणा की थी कि बंगाल की खाड़ी में कला, संस्कृति और अन्य विषयों पर शोध के लिए, भारत नालंदा विश्वविद्यालय में बंगाल की खाड़ी के अध्ययन के लिए एक समर्पित केंद्र स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय ने बंगाल खाड़ी अध्ययन केंद्र की स्थापना की है। इस क्षेत्र के छात्रों के लिए 30 छात्रवृत्तियां शुरू की जा रही हैं।

नीतिगत पहलें

वर्ष 2021-22 के दौरान, सांविधिक अनुमोदन और कुलाध्य क्ष की सहमति के साथ कई संविधियां व परिनियम बनाए गए। अंतरराष्ट्रीय फ्रेमवर्क के अनुसार विस्तृत शैक्षणिक अध्यादेश जारी किए गए, जिनमें विद्यापीठों और केंद्रों सहित शैक्षणिक अवसंरचना के सभी पहलुओं को; मूल्यांकन; क्रेडिट/ग्रेड; प्रवेश प्रक्रिया; पात्रता मापदंड; कैफेटेरिया मॉडल; शिक्षण कैलेंडर; छात्रवृत्तियां; वैश्विक पीएच.डी. और पोस्ट-डॉक्टोरल फैलोशिप आदि को शामिल किया गया था।

नालंदा विश्वविद्यालय (संशोधन) क़ानून, 2021, और नालंदा विश्वविद्यालय (शैक्षणिक) अध्यादेश, 2021, को वर्ष 2021 के दौरान कुलाध्यिक्ष की सहमति प्राप्त हुई और इसे दिसंबर 2021 में राजपत्र अधिसूचना के माध्यिम से अधिसूचित किया गया।

कैम्पदस इन्फ्रासस्ट्रिक्चार का विकास

भारत सरकार ने वर्ष 2014 में राजगीर में विश्वविद्यालय परिसर (कैम्पीस) के निर्माण और विकास के लिए पूंजीगत व्यय के तहत 1749.65 करोड़ रुपये की संस्वीकृति दी थी। विश्वविद्यालय भवनों के निर्माण के अंतर्गत परिसर में सुविधाओं, बुनियादी सुविधा वाली संरचनाओं और साइट विकास कार्यों के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन शामिल हैं। वर्ष के दौरान, परिसर के बुनियादी ढांचे के विकास में तेज़ी लाई गई जिसके कारण लगभग 90% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

विश्वविद्यालय परिसर एक नेट-जीरो सस्टेनेबल ग्रीन कैंपस है। इसकी प्रमुख स्थायी सुविधाओं में नेट जीरो ऊर्जा, नेट जीरो वाटर, नेट जीरो वेस्टं और नेट जीरो एमिशन शामिल हैं। यह परिसर भविष्य में अन्य आगामी परियोजनाओं / परिसरों और सामुदायिक निर्माण मॉडलों के लिए युक्तिसंगत दृष्टिकोणों का उदाहरण हो सकता है, क्योंकि इसके निर्माण के लिए स्वदेशी दृष्टिकोण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जाएगा और इसे विभिन्न अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकृत किया जाएगा।

इस परिसर के निर्माण के लिए कुछ महत्वकपूर्ण एवं स्वगदेशी पहलु तथा विभिन्न चरणों पर सकारात्म क परिचालन विधियों के सिद्धांत इस प्रकार हैं -

- इमारतों को ठंडा/गरम करने के लिए डेसीकेंट इवेपोरेटिव (डीईवीएपी)

तकनीक का उपयोग।

- एचवीएसी प्रणाली के लिए सौर एकीकृत थर्मल भंडारण प्रौद्योगिकी।
- स्मार्ट एलईडी लाइटिंग, ऑक्यूपेंसी सेंसर के साथ एकीकृत डिजिटली एड्रेसेड लाइटिंग इंटरफेस (डीएएलआई)।
- भट्टे में पकाई गई मिट्टी से निर्मित ईंटों के बजाय कंप्रेस्ड स्टेबिलाइज्ड अर्थ ब्लॉक्स (सीएसईबी) का उपयोग।
- भूकंपीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए एकीकृत चिनाई बक्से का उपयोग।
- थर्मल प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए मोटी कैविटी वाली दीवारों का उपयोग।

(हरित परिसर का दृश्य)

(परसिर का रात्रि दृश्य)

नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का रात्रिकालीन दृश्य

12

हिंद-प्रशांत

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान)

आसियान के साथ भारत का संबंध भारत की विदेश नीति और उसकी एक्ट-ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है। आसियान विषय भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण घटक है। वर्ष 1992 में शुरू हुई भारत-आसियान साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ 2022 में मील के पत्थर की तरह होगी। इसलिए दोनों पक्ष इसे हर्षोउल्लास के साथ मनाने की योजना बना रहे हैं। वर्ष 2021 में, ब्रुनेई ने 'वी केयर, वी प्रिपेयर, वी प्रॉस्पर' थीम के तहत आसियान की अध्यक्षता की। सिंगापुर ने भारत के लिए थाईलैंड से अगले तीन वर्षों तक आसियान देश समन्वयक का पद संभाला।

23वीं आसियान-भारत वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक 28 अप्रैल 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। बैठक में राजनीतिक-सुरक्षा, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और विकासात्मक सहयोग क्षेत्रों के पूरे स्पेक्ट्रम के तहत चल रहे आसियान-भारत सहयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में आसियान-भारत कार्ययोजना (2021-2025) को लागू करने के चरणों पर भी विचार-विमर्श किया गया और आसियान-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

भारत के विदेश मंत्री ने थाईलैंड के विदेश मंत्री श्री डॉन प्रमुदविनई के साथ 4 अगस्त, 2021 को आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की। बैठक में कनेक्टिविटी, शिक्षा, क्षमता निर्माण और समुद्री सहयोग सहित सभी क्षेत्रों में आसियान और भारत के बीच चल रहे सहयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में आसियान-भारत कार्य योजना (2021-2025) के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा की गई और 2022 में आसियान-भारत संबंधों की आगामी 30वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर भी चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने आसियान के वर्तमान अध्यक्ष ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया के साथ 28 अक्टूबर, 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित 18वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। राजनेताओं ने वर्ष 2022 में आसियान-भारत साझेदारी की 30वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए 2022 को भारत-आसियान मैत्री वर्ष के रूप में घोषित किया। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत पर आसियान आउटलुक (एओआईपी) - भारत-प्रशांत के लिए आसियान आउटलुक और भारत के हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के बीच सहयोग करने के लिए

आसियान-भारत संयुक्त वक्तव्य को भी पारित किया। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री ने आसियान सांस्कृतिक धरोहर सूची स्थापित करने के लिए भारत के समर्थन की भी घोषणा की ताकि आसियान-भारत सांस्कृतिक और सभ्यतागत संपर्क को और मजबूत बनाया जा सके।

वर्ष के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आसियान और भारत के बीच कई वार्तालाप, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसमें शामिल हैं:

सांस्कृतिक और सभ्यता संबंधों पर तीसरा आसियान-भारत सम्मेलन (एआईसी) हनोई में 7-8 अक्टूबर 2021 के दौरान हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। इसका आयोजन आसियान इंडिया सेंटर, नई दिल्ली और वियतनाम इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन एंड साउथवेस्ट एशियन स्टडीज (VIISAS) द्वारा वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसिस (VASS) में किया गया था। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को राज्य मंत्री (एमओएस आरआरएस) और वियतनाम के उप मंत्री, गुयेन क्वोक डज़ुंग ने संबोधित किया। सम्मेलन में आसियान-भारत सांस्कृतिक और सभ्यता संबंधों के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ समकालीन सांस्कृतिक वार्ताओं और विविधता, डिजिटलीकरण, पर्यटन, शिक्षा, युवाओं की संस्कृति तथा साझा धरोहर जैसे पहलुओं पर चर्चा की गई।

2. भारत-आसियान व्यापार शिखर सम्मेलन को सीआईआई के सहयोग से 7-8 अक्टूबर, 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में, व्यवसाय- शिखर सम्मेलन को विदेश मंत्री ने संबोधन दिया, जबकि क्षेत्र के व्यापार मंत्रियों के लिए विशेष पूर्णकालिक सत्र में वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने संबोधन दिया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में, ग्यारह सत्र आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इसमें आसियान देशों के 9 मंत्रियों और 900 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

3. तीसरा भारत-आसियान ट्रैक 1.5 साइबर वार्तालाप ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से 20 अक्टूबर, 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। इसमें आसियान सदस्य देशों और भारत के विभिन्न विशेषज्ञों तथा सरकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साइबर मुद्दों और डिजिटल कनेक्टिविटी पर आसियान के साथ भारत की चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए बातचीत जारी रही। साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा ज्यादा केंद्रित थी जिसमें एन्क्रिप्शन, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और उपयुक्त कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल था।

28 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित 18वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस)

ईएएस की स्थापना 2005 में हुई थी, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र में आसियान-अगुवाई फ्रेमवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। भारत ने ईएएस वरिष्ठ अधिकारियों की 24 जून 2021 को आयोजित बैठक में वर्चुअल रूप में भाग लिया। एसओएम राजनेताओं ने ईएएस के अंतर्गत सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए इसे और अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने के लिए ईएएस को मजबूत करने के तौर-तरीकों और उपायों पर चर्चा की।

विदेश मंत्री ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन विदेश मंत्रियों की 4 अगस्त 2021 को आयोजित बैठक में वर्चुअल रूप में भाग लिया। बैठक में ईएएस सहयोग और इसके भावी निर्देशन की समीक्षा की गई और कोविड महामारी के बाद की रिकवरी सहित वर्तमान क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया गया।

प्रधानमंत्री ने 27 अक्टूबर 2021 को ब्रुनेई द्वारा आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में, कोविड महामारी से लड़ने के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने महामारी के बाद की रिकवरी और उपयुक्त वैश्विक मूल्य श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री ने भारत के भारत-प्रशांत विज़न में "आसियान केंद्रीयता" की भी पुष्टि की तथा भारत-प्रशांत (एओआईपी) और भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) पर आसियान आउटलुक के बीच तालमेल पर प्रकाश डाला। ईएएस राजनेताओं ने पर्यटन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक सुधार और स्थायी रिकवरी पर तीन वक्तव्यों का पारित किया, जिन्हें भारत द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से, समुद्री सुरक्षा सहयोग पर 5वें ईएएस सम्मेलन का आयोजन 23-24 नवंबर 2021 के दौरान कोलकाता में हाइब्रिड रूप में किया; विकासशील देशों के लिए आसियान-भारत केंद्र (एआईसी) के साथ साझेदारी में अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन (एनएमएफ) और सेंटर फॉर ईस्ट एंड नॉर्थ ईस्ट रीजनल स्टडीज, कोलकाता (CENERS-K) में किया। यह सम्मेलन ईएएस में भारत का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। सम्मेलन के दौरान, भाग लेने वाले देशों के सरकारी विशेषज्ञों और शिक्षाविदों दोनों ने समुद्री सुरक्षा, संसाधन एवं सूचना साझाकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग, और महामारी तथा आपदा जोखिम प्रशमन एवं प्रबंधन सहित चार क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

विदेश मंत्री ने अगस्त 2021 में थाईलैंड के विदेश मंत्री के साथ आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की

हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए)

आईओआरए ने ढाका में आईओआरए की मंत्रिपरिषद की 21वीं वार्षिक बैठक 17 नवंबर 2021 को हाइब्रिड रूप में आयोजित की, जहां बांग्लादेश ने अगले दो वर्षों की अवधि के लिए यूएई से आईओआरए की अध्यक्षता संभाली। इस बैठक के दौरान, एमओएस (आरआरएस) ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। एमओएस ने अपनी टिप्पणियों में क्षेत्र में तथा विस्तृत भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने हेतु आईओआरए, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ा संगठन है, को मजबूत बनाए जाने के लिए अपनी कटिबद्धता को दोहराया। एमओएस ने शीर्षक 'कोविड का प्रभाव और हिंद महासागर क्षेत्र में आर्थिक रिकवरी के परिप्रेक्ष्य' विषय पर रणनीतिक वार्ता के दौरान, कोविड महामारी से निपटने में भारत के अनुभव का सिंहावलोकन प्रस्तुत करते हुए भारत द्वारा क्षेत्र में तथा कोविड महामारी के दौरान सबसे पहले दी गई सहायता को रेखांकित किया और एकजुटता की भावना में अपने अनुभव और संसाधनों को साझा करने के लिए भारत की तत्परता को उजागर किया।

आईओआरए को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध देश के रूप में, भारत ने वर्तमान वर्ष के दौरान आईओआरए सचिवालय की सहायता करने, योग और पारंपरिक दवाओं से लेकर रिमोट सेंसिंग, यूएनसीएलओएस और महासागर डेटा प्रबंधन तक के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करने सहित विभिन्न पहलें की हैं। भारत ने आईओआरए के तहत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा का नेतृत्व भी किया और उनमें भाग लिया। इस वर्ष, आईओआरए ने महासचिव के चयन के लिए अपने मानदंड को अंतिम रूप दिया, जिसमें भारत ने भाग लिया और आईओआरए के नए महासचिव के रूप में राजदूत सलमान अल-फ़ारीसी का स्वागत किया।

आईओआरए के आपदा जोखिम प्रबंधन और अकादमिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए अग्रणी देश के रूप में, भारत ने इस वर्ष के दौरान डीआरएम की पहली विशेषज्ञ समूह बैठक; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष की पहली कार्यसमूह बैठक और हिंद महासागर रिम अकादमिक समूह

(आईओआरएजी) की 26वीं बैठक आयोजित की। भारत ने भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से 8वें हिंद महासागर वार्ता का 15 दिसंबर, 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजन भी किया।

4 अगस्त 2021 को वीडियोकांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन विदेश मंत्रियों की 11वीं बैठक

भारत-प्रशांत महासागर पहलें (आईपीओआई)

प्रधानमंत्री ने एक गैर-संधि आधारित, वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक समाधान हेतु क्षेत्र में स्थित देशों के बीच सहयोग के लिए खुली पहल के रूप में, नवंबर 2019 में बैंकॉक में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) की घोषणा की।

आईपीओआई समुद्री सुरक्षा, समुद्री पारिस्थितिकी, समुद्री संसाधन, क्षमता निर्माण और संसाधन साझाकरण, आपदा जोखिम प्रशमन एवं प्रबंधन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा अकादमिक सहयोग, व्यापार, कनेक्टिविटी और समुद्री परिवहन सहित सात मुख्य मुद्दों पर केंद्रित रहता है।

समुद्री सुरक्षा और आपदा जोखिम प्रशमन एवं प्रबंधन के मुद्दों पर बात करते हुए, भारत ने इच्छुक देशों को आईपीओआई के एक या उससे अधिक मुद्दों पर उसके बोर्ड में आने के लिए आमंत्रित किया है। ऑस्ट्रेलिया ने आईपीओआई के समुद्री पारिस्थितिकी मुद्दे पर, जापान ने कनेक्टिविटी पर और फ्रांस एवं इंडोनेशिया ने आईपीओआई के समुद्री संसाधन मुद्दे पर नेतृत्व किया। आईपीओआई में शामिल देश इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न तौर-तरीकों और साधनों पर चर्चा कर रहे हैं।

मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी)

मेकांग गंगा सहयोग जिसे वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था, मेकांग उप-क्षेत्र में सबसे पुरानी पहलों में से एक है। विदेश मंत्री और कंबोडिया के विदेश मंत्री श्री प्राक सोखोन की सह-अध्यक्षता में 11वीं एमजीसी विदेश मंत्रियों की बैठक 21 जुलाई 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। बैठक में एमजीसी की 20वीं वर्षगांठ को एमजीसी वेबसाइट का उद्घाटन करके प्रदर्शित किया गया। एमजीसी देशों द्वारा साझा किए गए सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक बंधनों पर प्रकाश डालने वाला एक वीडियो लघुचित्र भी जारी किया गया। मंत्रियों ने एमजीसी की कार्यप्रणाली की स्थिति की भी समीक्षा की और सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अपने विचार रखे।

क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट (क्यूआईपी) स्कीम एमसीजी साझेदारी के प्रमुख आधारों में से एक रही है। ये क्षेत्र में सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अल्पकालिक, कम लागत वाली, समुदाय उन्मुख परियोजनाएं हैं। एमजीसी के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान, लाओस और म्यांमार के लिए क्यूआईपी की संख्या को प्रति वर्ष 5 से बढ़ाकर 10 कर दिया गया, जिससे 4 सीएलएमवी (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम) देशों में से प्रत्येक के लिए यह संख्या 10 कर दी गई। क्यूआईपी योजना के तहत वर्ष 2021 में कुल बीस नई परियोजनाएं शुरू की गईं।

एशिया-यूरोप बैठक (एएसईएम)

13वां एएसईएम शिखर सम्मेलन शीर्षक “साझा विकास के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना" विषय पर 25-26 नवंबर 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। उपराष्ट्रपति ने शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उपराष्ट्रपति ने शिखर सम्मेलन में प्लेनरी और रिट्रीट सत्र को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन के दौरान, एएसईएम प्रक्रिया की 25वीं वर्षगांठ पर सभी एएसईएम भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित मौजूदा वैश्विक संस्थागत संरचनाओं के उद्देश्यपूर्ण सुधार के लिए बेहतर बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। रिट्रीट सत्र को संबोधित करते हुए, उन्होंने कोविड महामारी, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन सहित हितकारी एवं चिंता के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की।

भारत ने 13वें एएसईएम शिखर सम्मेलन में आयोजित विभिन्न एएसईएम गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें "एशिया-यूरोप फोरम ऑन वीमेन, पीस एंड सिक्योरिटी" शामिल है। इसका आयोजन 13-14 अक्टूबर 2021 के दौरान कंबोडिया द्वारा किया गया और 11वीं एशिया-यूरोप संसदीय साझेदारी बैठक 16 नवंबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई।

अन्य संबंध

भारत ने फ्रांस (वर्तमान आईओसी अध्यक्ष) द्वारा 25-26 नवंबर 2021 के दौरान रीयूनियन द्वीप पर आयोजित हिंद महासागर आयोग (आईओसी) की विशेष मंत्रिपरिषद (सीओएम) बैठक में भाग लिया। भारत वर्ष 2020 में आईओसी में विकास भागीदार के रूप में शामिल हुआ और मई 2021 में अपनी पहली आईओसी सीओएम बैठक में भाग लिया।

भारत वर्ष 2019 में एक विकास भागीदार के रूप में, Ayeyawady-Chao Phraya-Mekong आर्थिक सहयोग रणनीति (एसीएमईसीएस) में शामिल हुआ और भारत-एसीएमईसीएस विकास भागीदारी योजना तैयार करने के लिए सदस्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

नवंबर 2021 में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर आयोजित 5वां ईएएस सम्मेलन

13

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठन

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 76वां सत्र

मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 76वें सत्र के अध्यक्ष (पीजीए) के रूप में चुने गए। विदेश मंत्री के निमंत्रण पर, पीजीए-निर्वाचित अब्दुल्ला शाहिद ने 22-24 जुलाई 2021 तक नई दिल्ली की यात्रा की। यात्रा के दौरान, पीजीए-निर्वाचित ने प्रधानमंत्री से औपचारिक मुलाकात की और आपसी हित के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, बहुपक्षीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मुद्दों पर विदेश मंत्री के साथ बातचीत की। उन्होंने यूएनजीए की अध्यक्षता के लिए अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया, और कई ऐसी वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जिनका वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सामना कर रहा है। भारत पहला देश था जहां अब्दुल्ला शाहिद ने पीजीए-निर्वाचित के रूप में अपनी आधिकारिक यात्रा की।

यूएनजीए के 76 वें सत्र का आरंभ 14 सितंबर 2021 को किया गया। 76वें यूएनजीए सत्र का विषय "कोविड-19 से उबरने की आशा के साथ प्रतिरोध क्षमता का निर्माण, धारनयिता का पुनर्निर्माण, पृथ्वी की आवश्यकताओं के अनुसार कार्य, लोगों के अधिकारों का सम्मान और संयुक्त राष्ट्र को पुनरुद्धार करना" था। भारत ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रासंगिक मुद्दों पर अपनी स्थिति को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने 25 दिसंबर, 2021 को न्यूयार्क में यूएनजीए के 76वें सत्र में आम बहस में भाग लिया। प्रधान मंत्री ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए पुष्टि की कि वह उपलब्धियां हासिल कर सकता है और उसे उपलब्धियां हासिल हुई हैं। इस बात पर बल देते हुए कि वैश्विक प्रगति पर भारत के विकास का प्रभाव स्पष्ट था उन्होंने कहा- 'जब भारत बढ़ता, तो दुनिया बढ़ती है; जब भारत सुधार करता है तो दुनिया परिवर्तित हो जाती है»।

प्रधानमंत्री ने यूएनजीए के 27 सितंबर, 2021 के 76वें सत्र के लिए अपनी न्यूयार्क यात्रा के दौरान पीजीए से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पीजीए की प्रेसीडेंसी ऑफ होप के लिए भारत 'का समर्थन व्यक्त किया और संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के बीच इस दृष्टिकोण के प्रभाव की सराहना की।

व्यक्तिगत सभाओं पर कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के कारण स्केलबैक प्रारूप के बावजूद यूएनजीए का 76वां सत्र भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। विकासशील विश्व की अग्रणी आवाज के रूप में यूएनजीए के 76वें सत्र की

उच्चस्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री के संबोधन से विविध मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ जिसमें कोविड और वैक्सीन इक्विटी, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा, उन्नत बहुपक्षवाद और सतत विकास शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत के उच्चस्तरीय आदान प्रदान से विशेष रूप से भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कोष, विकास के लिए वित्तपोषण तथा जलवायु परिवर्तन सहित एसडीजी के तहत वैश्विक सहभागिता के लिए मत के लिए भारत की प्रतिबद्धता के संदर्भ में दक्षिण-दक्षिण विकास सहभागी के रूप में इसके दीर्घकालिक तथा विकासशील साख को प्रस्तुत करने में भी सहायता मिली है।

छवि सम्मिलित करें: 76वें यूएनजीए के निर्वाचित राष्ट्रपति और मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद के साथ प्रधान मंत्री।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

भारत ने 01 जनवरी, 2021 को 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, भारत ने एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व, यूरोप और लातिन अमेरिका के मुद्दों और साथ ही आतंकवाद, शांति स्थापना और महिला, शांति और सुरक्षा जैसे विषयगत मुद्दों से संबंधित सुरक्षा परिषद की विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

भारत ने अगस्त 2021 के महीने के लिए यूएनएससी की अध्यक्षता ग्रहण की। प्रधानमंत्री ने 9 अगस्त 2021 को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद की एक उच्च स्तरीय वर्चुअल आम बहस की अध्यक्षता की। यह पहली बार था, जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की थी। एक अध्यक्षीय वक्तव्य को भी पारित किया गया था सुरक्षा की समग्र अवधारणा पर यूएनएससी का पहला परिणाम था।

2021-2022 के अपने यूएनएससी कार्यकाल के दौरान, भारत को 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति, 1970 लीबिया प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करने और 2022 में आतंकवाद विरोधी समिति की अध्यक्षता करने के लिए भी नामित किया गया था।

विदेश मंत्री ने 18 अगस्त 2021 को "यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस - प्रोटेक्टिंग द प्रोटेक्टर्स: टेक्नोलॉजी एंड पीसकीपिंग" विषय पर एक खुली बहस की अध्यक्षता की। इस बैठक के दौरान एक अध्यक्षीय वक्तव्य - प्रौद्योगिकी और शांति व्यवस्था पर केंद्रित परिषद का पहला स्टैंडअलोन परिणाम पारित किया गया।

संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सेवारत शांति सैनिकों के विरुद्ध अपराधों की जवाबदेही को मजबूत करने के उपायों को बढ़ाने के लिए विदेश मंत्री की अध्यक्षता में भारत द्वारा तैयार किए गए संकल्प 2589 (2021) भी पारित किए गए। इस संकल्प को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों सहित 80 देशों द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था।

अगस्त में शुरू की गई एक अन्य पहल संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी में यूनाइट अवेयर प्लेटफॉर्म का आरंभ था। भारत ने यूनाइट अवेयर प्लेटफॉर्म के लिए ऑपरेशनल सपोर्ट विभाग को 1.64 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अंशदान दिया। यह शांति स्थापना संबंधी मुद्दों में भारत की अग्रणी छवि के अनुरूप है। यूनाइट अवेयर प्लेटफॉर्म का उद्देश्य इलाके से संबंधित तुरंत जानकारी प्रदान करके और खतरों का पता लगाने में मदद करके शांति मिशनों की समग्र सुरक्षा स्थिति में सुधार करना है।

विदेश मंत्री ने आईएसआईएल/दाएश द्वारा अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को दी जाने वाली चुनौतियों पर महासचिव की 13वीं द्विवार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए 19 अगस्त 2021 को यूएनएसई के ब्रिफींग सत्र की अध्यक्षता भी की।

विदेश सचिव ने 30 अगस्त 2021 को फिलीस्तीनी के मुद्दे सहित मध्य पूर्व की स्थिति पर खुली बहस की अध्यक्षता की। विदेश सचिव की अध्यक्षता में 20 अगस्त 2021 को संकल्प 2593 (2021) भी पारित किया गया, तालिबान पर काबुल के कब्जे के बाद पहला संकल्प था। संकल्प में तालिबान से निम्न प्रतिबद्धताओं का आह्वान किया गया है: अफगान के भू-भाग का उपयोग आतंकवादियों द्वारा नहीं किया जाए; अफगानिस्तान से अफगानों और सभी विदेशी नागरिकों का संरक्षित, सुरक्षित और व्यवस्थित प्रस्थान; महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों सहित सभी के मानवाधिकारों का सम्मान।

विदेश मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, राज्य मंत्री (वीएम), राज्य मंत्री (एमएल), राज्य मंत्री (आरआरएस), विदेश सचिव और सचिव (पश्चिम) सहित वर्ष के दौरान सुरक्षा परिषद की विभिन्न बैठकों में भारत द्वारा लगातार उच्च स्तरीय भागीदारी की गई थी।

वर्ष के दौरान सुरक्षा परिषद की विभिन्न बैठकों में उच्च स्तरीय भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, मंत्रालय के लिए राज्य मंत्री (आरआरएस) ने 09 नवंबर 2021 को न्यूयॉर्क में 'अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना: बहिष्करण, असमानता और संघर्ष' पर यूएनएससी की खुली बहस में भाग लिया। राज्य मंत्री (आरआरएस) ने इस न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान क्रमशः मैक्सिको और एस्टोनिया के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने 10 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस (यूएनएसजी) और पीजीए से भी मुलाकात की। यूएनएसजी और एमओएस(आरआरएस) ने कई मुद्दों पर चर्चा की, जैसे - संयुक्त राष्ट्र में सुधार, टीकाकरण, कोविड से स्थायी रिकवरी और जलवायु परिवर्तन।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार

2021-22 में, भारत ने जी-4 और एल-69 जैसे सुधार-उन्मुख समूहों के साथ अपने सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से यूएनएससी में सुधार की प्रक्रिया को आगे

बढ़ाने के अपने प्रयासों को जारी रखा।

कोविड संबंधित प्रतिबंधों के कारण पिछले सत्र में व्यक्तिगत बैठकों के बाधित होने के बाद 75वें यूएनजीए सत्र में अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया पुनः शुरू की गई। इन बैठकों के दौरान, आईजीएन के कार्य के बेहतर तरीकों के लिए सदस्य राष्ट्रों से समर्थन बढ़ रहा था। यूएनजीए के 76वें सत्र में भारत एक निश्चित समय सीमा में ठोस परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से पाठ-आधारित वार्ता आरंभ करके ठोस प्रगति सुनिश्चित करने हेतु समान विचारधारा वाले प्रतिनिधिमंडलों के साथ काम करना जारी रखेगा।

जी-4 विदेश मंत्रियों (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) ने यूएनजीए के 76वें सत्र में उच्च-स्तरीय सप्ताह के दौरान 22 सितंबर 2021 को अपनी वार्षिक बैठक वर्चुअल रूप से आयोजित की। एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में, जी-4 मंत्रियों ने आईजीएन में और विलंब किए बिना पाठ-आधारित वार्ता शुरू करने की दिशा में कार्य करने का अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। इस बात की पुष्टि करते हुए कि यूएनएससी में सुधार के लिए स्थायी और गैर-स्थायी सीटों, दोनों श्रेणियों, में विस्तार करना अनिवार्य है, उन्होंने एजुलविनी मतैक्य और सिर्टे घोषणा में निहित कॉमन अफ्रीकन पोजिशन (सीएपी) के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने एक निश्चित समय-सीमा में ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए अन्य सुधार-उन्मुख देशों और समूहों सहित सभी इच्छुक सदस्य राष्ट्रों के साथ बातचीत को तेज करने का भी निर्णय लिया।

शांति स्थापना

भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में 1950 के दशक से लगभग 2,53,000 सैनिक भेजने वाला सबसे बड़ा संचयी योगदानकर्ता बना हुआ है। 31 अक्टूबर 2021 तक, भारत संयुक्त राष्ट्र के नौ मिशनों में तैनात 5,538 कर्मियों (सैन्य, पुलिस और नागरिक) के साथ तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता था। अब तक संयुक्त राष्ट्र मिशनों में सेवा करते हुए 174 भारतीय शांति सैनिकों की मृत्यु हो गई।

संयुक्त राष्ट्र में हुए विचार-विमर्श में भारत ने अधिदेश तैयार करने में ट्रूप कंट्रीब्यूटिंग कंट्रीज (टीसीसी) के साथ गंभीर और संस्थागत परामर्श की आवश्यकता; अधिदेशों को प्राथमिकता देने और कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधनों के आवंटन की आवश्यकता; कार्य निष्पादन में बाधा डालने वाली सभी राष्ट्रीय चेतावनियों को हटाने की आवश्यकता; विशेष आईईडी उपायों की आवश्यकता; कैंप की सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता; 'मजबूत जनादेश' के मुद्दे पर उचित सावधानी; और मजबूत अक्रामक अभियानों में सैनिकों के लिए कानूनी सुरक्षा पर ज़ोर देना जारी रखा।

इस अवधि के दौरान भारत ने निम्नानुसार संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना प्रयासों का समर्थन किया:

(क) विभिन्न फील्ड मिशनों में तैनात सैन्य कार्मिकों के लिए कोविड टीकों की 200,000 खुराक का योगदान, जिनका अगस्त 2021 तक उपयोग किया गया था।

(ख) जून में, भारत ने यूएन पीसकीपिंग कैपेबिलिटी रेडीनेस सिस्टम (यूएनपीसीआरएस) में पंजीकृत वित्त वर्ष 2020-21 के लिए किए गए सभी शांति स्थापना प्रतिबद्धताओं को नवीनीकृत किया। इसके अलावा, भारत ने माले/मिनुस्मा में संयुक्त राष्ट्र बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन को हवाई परिसंपत्ति प्रदान करने की प्रतिबद्धता दी।

(ग) भारत ने शांति स्थापना(ए4पी) के लिए अपने निरंतर समर्थन का प्रदर्शन करते हुए, ए4पी के चार महत्वपूर्ण विषयगत क्षेत्रों: महिला शांति एवं सुरक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षा, आचरण और भागीदारी के तहत कई परियोजनाओं के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान देने की प्रतिबद्धत दी।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम : अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ क्षमता निर्माण की पहल में भागीदार बनाने के लिए भारत अपने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति स्थापना के अनुभव का प्रयोग करता है। मित्र देशों के शांति सैनिकों के लिए प्रशिक्षकों का एक तैनाती-पूर्व प्रशिक्षण (टीओटी) पाठ्यक्रम जनवरी 2022 में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जाएगा । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य भावी संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के लिए संभावित आकस्मिक अधिकारियों को तैयार करना है। सीयूएनपीके के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक प्रभाग दुनिया भर के चुनिंदा देशों के सैन्य अधिकारियों के लिए 14-25 फरवरी 2022 तक एक राष्ट्रीय जांच अधिकारी (एनआईओ) पाठ्यक्रम भी आयोजित करेगा।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक 07-08 दिसंबर 2021 को सियोल, कोरिया गणराज्य में वर्चुअल रूप में आयोजित की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के मंत्रिस्तरीय, रक्षा राज्य मंत्री (आरआरएम) ने इस कार्यक्रम में पहले से रिकॉर्ड किया गया मुख्य भाषण दिया और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों: (क) एक इन्फैंट्री बटालियन समूह; (ख) एक इंजीनियर कंपनी; (ग) एक सिग्नल कंपनी; और, (घ) हेलीकॉप्टर के बिना एक कार्वेट, में भारत की प्रतिबद्धताओं से अवगत कराया।

छवि सम्मिलित करें: दक्षिण सूडान में स्थित और यूएनएमआईएसएस के साथ सेवारत भारत के 135 शांति सैनिकों ने जोंगलेई राज्य और ग्रेटर पिबोर प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक प्राप्त किए हैं ।

आतंकवाद-रोध

21-30 जून 2021 को दूसरे आतंकवाद-रोधी (सीटी) सप्ताह के हिस्से के रूप में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम करने के लिए अलग से एक कार्यक्रम का सह-आयोजन किया और 28-30 जून 2021 तक आयोजित सदस्य राष्ट्रों की

आतंकवाद-रोधी एजेंसियों के प्रमुखों के दूसरे उच्च-स्तरीय सम्मेलन में भाग लिया।

न्यूयॉर्क में यूएन में भारत के स्थायी मिशन द्वारा फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स एंड क्राइम (ओडीसी), आतंकवाद-रोधी कार्यालय (ओसीटी), और आतंकवाद-रोधी समिति के कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के साथ "काउंटरिंग द फाइनेंसिंग ऑफ टेररिज्म (सीएफटी) इन पोस्ट-कोविड-19 लैंडस्केप" विषय पर एक अतिरिक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया था। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफ़एटीएफ़), एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शन मॉनिटरिंग टीम (एमटी), फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय, भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रतिनिधियों ने भी इसमें भाग लिया। यह आयोजन आतंकवादी वित्तपोषण के खतरों और कोविड-पश्चात परिदृश्य की प्रवृत्ति पर केंद्रित था, जिसमें आतंकवादी वित्तपोषण उद्देश्यों के लिए डिजिटल स्पेस के दुरुपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया था।

वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति (जीसीटीएस) के 7वें समीक्षा संकल्प को दूसरे सीटी सप्ताह के अंतिम दिन सर्वसम्मति से पारित किया गया था। भारत ने रणनीति वार्ता के दौरान रचनात्मक योगदान दिया तथा आतंकवादी समूहों द्वारा पैसा जुटाने, कैडर की भर्ती करने, और झूठे आख्यानों का प्रचार करने के लिए नई तकनीकों के उपयोग और आतंकवाद के पीड़ितों के अधिकार कायम रखने जैसे मुद्दों पर ध्यान देते हुए आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम के लिए सदस्य राज्यों के दायित्वों को मजबूत करने पर चर्चा को गति प्रदान की।

सचिव (पश्चिम) ने 20 सितंबर 2021 को 11 सितंबर ("9/11") हमले की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक स्मरणोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय [यूएनओसीटी] और 9/11 स्मारक संग्रहालय द्वारा 76वें यूएनजीए के मौके पर न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक में किया गया था।

2018 से, भारत सदस्य देशों की क्षमता को मजबूत करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों का समर्थन करने के लिए, विशेष रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम करने और आतंकवादियों की यात्रा की रोकथाम करने के क्षेत्रों में उदारतापूर्वक योगदान दे रहा है। मई 2021 में, इन कार्यक्रमों का समर्थन जारी रखने के लिए 500,000 अमरीकी डालर की राशि का वित्त पोषण प्रदान किया गया था ।

सचिव (पश्चिम) ने यूएनजीए उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान 27 सितंबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद विरोधी कार्यालय के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव के साथ द्विपक्षीय बैठक की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सदस्य देशों के क्षमता निर्माण के लिए वित्तीय सहायता सहित यूएनओसीटी के अधिदेश के लिए भारत के निरंतर समर्थन का उल्लेख किया, जीसीटीएस के संतुलित कार्यान्वयन के महत्व पर बल दिया और आतंकवाद-रोधी मुद्दों से संबंधित भारत की चिंताओं से अवगत कराया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति (सीटीसी): भारत 2022 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सीटीसी की अध्यक्षता करेगा। भारत का स्थायी मिशन, न्यूयॉर्क (पीएमआई, एनवाई) नियमित रूप से सीटीसी की बैठकों में भाग लेता रहा है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1373 (11 सितंबर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले के बाद पारित एक आतंकवाद-रोधी उपाय, जिसे 28 सितंबर 2001 को सर्वसम्मति से अपनाया गया) और अन्य प्रासंगिक सुरक्षा परिषद संकल्पों के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सीटीसी आतंकवाद रोधी समिति के कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के साथ संपर्क बनाए हुआ है। भारत ने 04 नवंबर 2021 को सीटीसी की वार्षिक विशेष बैठक में भी भाग लिया।

1267 समिति (आईएसआईएल और अल-कायदा प्रतिबंध समिति) और निगरानी दल: पीएमआई , एनवाई ने 1267 समिति की बैठकों और विचार-विमर्श में भाग लिया। मिशन ने परिसंपत्तियों को जब्त करने और छूट उपायों की प्रभावशीलता में सुधार के मुद्दे पर विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम (एमटी) को शामिल किया। भारत ने 18 नवंबर 2021 को 1267 समिति और आतंकवाद-रोधी समिति की संयुक्त विशेष बैठक में भाग लिया, जिसमें भारत ने आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम करने के लिए सुरक्षा परिषद संकल्प 2462 (2019) के प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। मार्च 2021 में निगरानी दल की भारत यात्रा का प्रस्ताव किया जा रहा है।

अंतर संसदीय संघ सभा: 142वीं अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) सभा 24-27 मई 2021 के दौरान वर्चुअल रूप से आयोजित की गई थी। लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने सत्र में भाग लिया। सभा का समग्र विषय "आज की महामारी पर काबू पाना और एक बेहतर कल का निर्माण: सांसदों की भूमिका" था। बैठक के दौरान, मुख्य विषय पर एक परिणाम दस्तावेज और दो प्रस्तावों को अपनाया गया।

आईपीयू की 143वीं सभा 26 से 30 नवंबर 2021 तक मैड्रिड, स्पेन में आयोजित की गई थी। सांसद श्री भर्तृहरिमहताब ने लोकसभा में 11 सदस्यीय भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। विधानसभा द्वारा तीन परिणाम दस्तावेजों को पारित किया गया: (i) लोकतंत्र के लिए समकालीन चुनौतियों पर मैड्रिड घोषणा; (ii) ऑनलाइन बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार का मुकाबला करने के लिए दुनिया भर में कानून पर संकल्प और, (iii) कोविड महामारी के विरुद्ध लड़ाई में वैक्सीन इक्विटी के लिए वैश्विक संसदीय समर्थन का उपयोग करने पर संकल्प।

आईपीयू असेंबली के अवसर पर, भारत ने "महामारी-पश्चात एक न्यायसंगत और समावेशी आर्थिक सुधार सुनिश्चित करने में ब्रिक्स संसदों की भूमिका" विषय पर ब्रिक्स [ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका] संसदीय मंच के 7वें सत्र का आयोजन किया ।

स्पीकरों का पांचवां विश्व सम्मेलन

संसद के स्पीकरों का पांचवां विश्व सम्मेलन दो भागों में आयोजित किया जाना था - एक वर्चुअल बैठक और एक व्यक्तिगत बैठक। सम्मेलन की एक वर्चुअल बैठक, जो अपने 20 साल के इतिहास में पहली बार थी, "अधिक प्रभावी बहुपक्षवाद के लिए संसदीय नेतृत्व, जो लोगों और पृथ्वी के लिए शांति और सतत विकास प्रदान करती है" के समग्र विषय पर 19-20 अगस्त 2020 के दौरान आयोजित की गई थी। स्पीकरों के पांचवें विश्व सम्मेलन की व्यक्तिगत बैठक 07-08 सितंबर 2021 के दौरान वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित की गई थी। लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने वियना में बैठक में भाग लिया।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन

राज्य मंत्री (वीएम) ने 14 जुलाई 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) की मध्यावधिक मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया, जिसका विषय था "वैश्विक चुनौतियों के प्रत्युत्तर (का सामना करने में) में बहुपक्षीय प्रयासों के लिए गुटनिरपेक्ष आंदोलन"। राज्य मंत्री (वीएम) ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक प्रासंगिक और प्रभावी हितधारक होने के नाते, एनएएम का दृष्टिकोण समावेशी, पारदर्शी और उन्नत बहुपक्षवाद के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन से आतंकवाद और उसके समर्थकों का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों का नेतृत्व करने का भी आह्वान किया।

राज्य मंत्री (एमएल) ने 11-12 अक्टूबर, 2021 को बेलग्रेड में आयोजित एनएएम की 60वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए उच्च स्तरीय स्मारक बैठक में प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। सम्मेलन के समापन सत्र में अपने संबोधन में राज्य मंत्री (एमएल) ने एनएएम सदस्यों से वैश्विक परिणामों पर एनएएम की निरंतर प्रासंगिकता और प्रभाव सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और कोविड महामारी से निपटने जैसे प्रमुख समसामयिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एनएएम की आवश्यकता पर जोर दिया। उच्च स्तरीय गुटनिरपेक्ष आंदोलन की बैठक के दौरान, राज्य मंत्री (एमएल) ने युगांडा के विदेश मंत्री जनरल जेजे ओडोंगो के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी की और 2023 से युगांडा की आगामी अध्यक्षता के तहत एनएएम को और मजबूत और इसका जीर्णोद्धार करने के तरीकों पर चर्चा की।

26-30 नवंबर 2021 को मैड्रिड में आयोजित आईपीयू की 143वीं महासभा के अवसर पर, एनएएम संसदीय नेटवर्क की पहली प्रारम्भिक बैठक 28 नवंबर 2021 को हुई, जिसमें 3 सदस्यीय भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। एनएएम संसदीय नेटवर्क बैठक के अंत में, सहभागी प्रतिनिधियों ने" मैड्रिड घोषणा " पारित की।

बहुपक्षवाद के लिए गठबंधन

23 सितंबर 2021 को, बहुपक्षवाद के लिए गठबंधन ने अपनी दूसरी वर्षगांठ मनाने के लिए एक वर्चुअल मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित की। सचिव (पश्चिम) ने बैठक में अपने संबोधन में, ऐसे उन्नत बहुपक्षवाद का आह्वान किया जो आज की वास्तविकताओं को दर्शाता है, सभी हितधारकों के विचार व्यक्त करता है, समकालीन चुनौतियों का सामना करता है और मानव कल्याण पर ध्यान केंद्रित करता है।

24 सितंबर 2021 को, सूचना और लोकतंत्र के लिए एक मंत्रिस्तरीय शिखर सम्मेलन वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। यह शिखर सम्मेलन "सूचना और लोकतंत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी" की पहली उच्च स्तरीय बैठक थी, जो बहुपक्षवाद के लिए गठबंधन की एक पहल थी। बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री ने "इन्फोडेमिक" के मुद्दे से उच्चतम स्तर पर निपटने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विज्ञान और तथ्यों पर आधारित तेज और स्पष्ट संचार के माध्यम से महामारी के दौरान इस चुनौती से निपटने और सूचना के नियमित और प्रामाणिक आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित किया।

राष्ट्रमंडल

विदेश सचिव ने 16 सितंबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित राष्ट्रमंडल विदेश मामलों के मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। भारत ने वर्ष 2021-22 के लिए संयुक्त राष्ट्र में राष्ट्रमंडल स्थायी मिशनों के संयुक्त कार्यालय के लिए 250,000 अमरीकी डालर के वार्षिक योगदान के साथ राष्ट्रमंडल संयुक्त राष्ट्र मिशनों को अपना समर्थन जारी रखा।

भारत ने जिनेवा में कॉमनवेल्थ स्मॉल स्टेट्स ऑफिस को वार्षिक योगदान (0.15 मिलियन अमरीकी डॉलर) प्रदान किया था। प्रधान मंत्री ने 2018 में लंदन में आयोजित राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (सीएचओजीएम) के दौरान, छोटे राज्यों के लिए राष्ट्रमण्डल कार्यक्रमों में भारत के संवर्धित योगदान और न्यूयॉर्क और जिनेवा में कॉमनवेल्थ स्मॉल स्टेट्स ऑफिस प्रोग्राम के लिए हमारी वित्तीय सहायता को दोगुना करने की घोषणा की थी ।

लोकतान्त्रिक पहल

लोकतंत्र समुदाय (सीओडी) राष्ट्रों का एक वैश्विक अंतर-सरकारी गठबंधन है जो लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन करके और दुनिया भर में लोकतांत्रिक मानदंडों और संस्थानों को सशक्त बनाना है। सरकारों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र को एक साझा लक्ष्य प्राप्त करने हेतु एक साथ लाने के लिए है: सचिव (पश्चिम) ने 22 सितंबर, 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की 76वीं बैठक के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित सीओडी की 10वीं उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया।

भारत सामुदायिक सक्रियता, चुनावी प्रक्रियाओं, महिला-पुरुष समानता, मीडिया और सूचना की स्वतंत्रता, कानूनी प्रक्रिया और मानवाधिकारों, सरकार के साथ नागरिक समाज की बातचीत को मजबूती सहित, ज्ञान और युवा जुड़ाव के माध्यमों सहित दुनिया भर में लोकतंत्र की पहल का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र लोकतंत्र कोष में 150,000 अमरीकी डालर का वार्षिक योगदान देता है।

लोकतंत्र और चुनावी सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईडीईए): आईआईडीईए एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका अधिदेश दुनिया भर में लोकतंत्र का समर्थन करना और उसे आगे बढ़ाना है। इसके सभी कार्यों में मुख्य कार्य महिला सशक्तीकरण और समावेशन, संघर्ष संवेदनशीलता और सतत विकास है। भारत एक संस्थापक सदस्य है और नियमित रूप से वार्षिक मौद्रिक योगदान देने के अलावा, शुरू से ही एक प्रतिष्ठित भारतीय सलाहकार बोर्ड (बीओए) में रहा है, भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एसवाई कुरैशी 2013 से बीओए के सदस्य हैं और दिसंबर 2021 में अपना लगातार तीसरा कार्यकाल पूरा करेंगे। 1 दिसंबर 2021 को भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा को 1 जनवरी, 2022 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए बीओए के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय भवन में संयुक्त राष्ट्र में स्थायी मिशन द्वारा हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) समारोह आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कोविड प्रतिबंधों के कारण, मिशन ने संयुक्त राष्ट्र वेब टीवी और मिशन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जून 2021 को "योग फॉर वेलनेस" विषय पर आईडीवाई 2021 के वर्चुअल समारोह का आयोजन किया।

आईडीवाई 2021 कार्यक्रम इस पर तैयार किया गया था कि इसे योग का अभ्यास प्रत्येक व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया जा सकता है और किसी व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक कल्याण के प्रबंधन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण कैसे बनाया जाए। 75वें यूएनजीए के अध्यक्ष वोल्कन बोज़किर और संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कोविड महामारी के दौरान योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विशेष वक्तव्य दिया। "योग और कल्याण" विषय पर एक पैनल चर्चा भी हुई। पैनल के वक्ताओं में सऊदी अरब साम्राज्य खेल मंत्रालय के तहत सऊदी योग समिति के अध्यक्ष पद्मश्री थेनोफ अल मारवाई, सऊदी अरब साम्राज्य और मेडीयोग, भारत के संस्थापक डॉ कृष्ण रमन शामिल थे। भारत के स्थायी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग से भी भागीदारी की ताकि इस वर्ष के समारोह में अधिक से अधिक सहभागिता तथा व्यापक कवरेज सुनिश्चित किया जा सके।

छवि सम्मिलित करें: जमैका में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने 2 अक्टूबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने के लिए एक वर्चुअल समारोह आयोजित किए जिसमें महात्मा गांधी की जीवन और कार्य, अतीत और वर्तमान, पर वैश्विक नेताओं के विचारों और दृष्टिकोणों को एक साथ लाने के लिए श्रव्य दृश्यप्रस्तुती की जाए। यूएनएसजी और पीजीए ने इस अवसर पर विशेष संदेश जारी किए, जिसमें संयुक्त राष्ट्र और उसके उद्देश्यों के लिए गांधीवादी सिद्धांतों की निरंतर प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

संयुक्त राष्ट्र दिवस

प्रधानमंत्री ने 24 अक्टूबर 2021 को प्रसारित अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र दिवस, जो दुनिया भर में उसी दिन [24 अक्टूबर] मनाया जा रहा था, को मनाने के लिए विश्व शांति और वैश्विक कल्याण के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। संयुक्त राष्ट्र की शक्ति और प्रभाव को स्थापित करने में भारतीय महिलाओं द्वारा निभाई गई विशेष भूमिका की बात करते हुए, प्रधान मंत्री ने वैश्विक शांति, गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, मजदूरों के मुद्दों और स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

संयुक्त राष्ट्र में हिंदी

संयुक्त राष्ट्र जन संचार में हिंदी का उपयोग (संयुक्त राष्ट्र समाचार, संयुक्त राष्ट्र रेडियो और संयुक्त राष्ट्र सोशल मीडिया पर साप्ताहिक ऑडियो बुलेटिन) मार्च 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा किसी देश के साथ पहली बार हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के बाद शुरू हुआ। तब से संयुक्त राष्ट्र की हिंदी वेबसाइट और फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम सहित इसकी सोशल मीडिया साइटों दोनों में हिंदी सामग्री की मात्रा और आवृत्ति में लगातार वृद्धि हुई है। हिंदी के उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र के साथ समझौता ज्ञापन को 2025 तक पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है ।

यूएनईएस

संयुक्त राष्ट्र महासभा

महासभा की तीसरी समिति ने मानवाधिकारों संबंधी मुद्दों की जांच पर ध्यान देना जारी रखा, जिसमें मानवाधिकार परिषद (एचआरसी) की विशेष प्रक्रियाओं की रिपोर्ट भी शामिल है। समिति ने एचआरसी द्वारा अनिवार्य विशेष प्रतिवेदकों, स्वतंत्र विशेषज्ञों और कार्य समूहों के अध्यक्षों के साथ बातचीत की। 76वें यूएनजीए के दौरान समिति द्वारा कुल 63 प्रस्ताव पारित किए गए और भारत ने 26 प्रस्तावों को सह-प्रायोजित किया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों जैसे संस्कृति और सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय कार्यक्रम (21 मई 2021), भ्रष्टाचार को रोकने और उसका मुकाबला करने संबंधी चुनौतियों और उपायों तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए महासभा का विशेष सत्र (02-04 जून 2021), एचआईवी और एड्स पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च-स्तरीय बैठक (08-10 जून 2021), दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय के पक्षकार राष्ट्रों के सम्मेलन का 14वां सत्र (15- 17 जून 2021), और डरबन घोषणा तथा कार्रवाई कार्यक्रम को अंगीकार करने की बीसवीं वर्षगांठ के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक (22 सितंबर 2021) में भाग लिया है और अपना वक्तव्य दिया।

मानवाधिकार, मानवीय और सामाजिक मामले

महासभा की तीसरी समिति ने मानवाधिकारों संबंधी मुद्दों की जांच पर ध्यान देना जारी रखा, जिसमें मानवाधिकार परिषद की विशेष प्रक्रियाओं की रिपोर्ट भी शामिल थी। समिति ने मानवाधिकार परिषद द्वारा अनिवार्य विशेष प्रतिवेदकों, स्वतंत्र विशेषज्ञों और कार्य समूहों के अध्यक्षों के साथ बातचीत की। समिति ने महिलाओं की उन्नति, बच्चों की सुरक्षा, युवाओं, परिवार, बढ़ती उम्र, विकलांग व्यक्तियों, अपराध की रोकथाम, आपराधिक न्याय, शरणार्थियों के इलाज, अंतर्राष्ट्रीय नशीली दवाओं के नियंत्रण और स्वदेशी मुद्दों जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विकास के मुद्दों पर ध्यान दिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 76वीं बैठक के दौरान, समिति द्वारा कुल 63 प्रस्ताव पारित किए गए; भारत ने 26 प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया। बढ़ती उम्र पर पर यूएनजीए के ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप का 11वां सत्र 29 मार्च-01 अप्रैल 2021 से हाइब्रिड रूप में आयोजित किया गया था। यह चर्चा सदस्य राज्यों द्वारा कार्याधिकार, श्रम बाजार तक पहुंच और वृद्ध व्यक्तियों के लिए न्याय सुविधा प्रदान करने पर विशेष जोर देते हुए वृद्ध व्यक्तियों के आत्म सम्मान, मानवाधिकारों के सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ाने के लिए किए गए उपायों पर केंद्रित थी।

जनसंख्या और विकास पर 54वां आयोग (सीपीडी) 19-23 अप्रैल 2021 को प्राथमिकता प्राप्त विषय 'जनसंख्या, खाद्य सुरक्षा, पोषण और सतत विकास' पर हाइब्रिड रूप में आयोजित किया गया था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने बैठक में भाग लिया और पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यह आयोग मुख्य रूप से राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी, समीक्षा और मूल्यांकन करके जनसंख्या और विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्रवाई कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर अनुवर्ती कार्रवाई करता है। संस्कृति और सतत विकास पर यूएनजीए का उच्च स्तरीय आयोजन 21 मई 2021 को किया गया, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव ने पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से राष्ट्रीय वक्तव्य दिया।

भ्रष्टाचार को रोकने और उसका मुकाबला करने तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए चुनौतियों और उपायों पर महासभा का विशेष सत्र 02-04 जून 2021 को आयोजित किया गया था। इसमें राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने भाग लिया और पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। सत्र के उद्घाटन समारोह में एक राजनीतिक घोषणा पारित की गई। एचआईवी और एड्स पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक 08-10 जून 2021 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हाइब्रिड रूप में आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने बैठक में भाग लिया और पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। 'असमानताओं को समाप्त करना और 2030 तक एड्स को समाप्त करने की कार्य योजना लागू करने के संबंध में 2021 एचआईवी और एड्स पर राजनीतिक घोषणा बैठक के उद्घाटन सत्र में पारित की गई।

दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय के पक्षकार राष्ट्रों के सम्मेलन का 14वां सत्र 15-17 जून 2021 को आयोजित किया गया था। भारत गणराज्य के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सचिव ने

पहले से रिकॉर्ड किया गए वीडियो के माध्यम से वक्तव्य किए और 2017 में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के अधिनियमन और विकलांग व्यक्तियों के लिए एक अनुकूल वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से अन्य नीतियों और पहलों के माध्यम से इस मुद्दे पर भारत के प्रगतिशील कदम पर प्रकाश डाला ताकि वह अपने अधिकारों का प्रयोग कर सके और अपनी क्षमता को पहचान सकें। डरबन घोषणा और कार्रवाई कार्यक्रम को अंगीकार करने की बीसवीं वर्षगांठ मनाने के लिए यूएनजीए की उच्च स्तरीय बैठक 22 सितंबर 2021 को आयोजित की गई थी। पीआर ने बैठक में भाग लिया और राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। बैठक में राजनीतिक घोषणापत्र पारित किया गया। मानव तस्करी से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक कार्य योजना के मूल्यांकन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक 22-23 नवंबर 2021 को न्यूयॉर्क में यूएनजीए में हाइब्रिड रूप में आयोजित की गई थी। गृह राज्य मंत्री ने पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से हमारा राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। मानव तस्करी से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कार्य योजना के कार्यान्वयन पर 2021 राजनीतिक घोषणा उद्घाटन सत्र में पारित की गई। सामाजिक विकास आयोग का 60वां सत्र 07-16 फरवरी 2022 तक प्राथमिकता प्राप्त विषय "सबके लिए सतत आजीविका, कल्याण और सम्मान के लिए कोविड-19 से समावेशी और अनुकूलित रिकवरी: 2030 एजेंडा को प्राप्त करने के लिए सभी रूपों और आयामों में गरीबी एवं भूख का उन्मूलन" पर आयोजित किया जाएगा। आयोग मुख्य रूप से राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी, समीक्षा और मूल्यांकन करके जनसंख्या और विकास संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्रवाई कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर अनुवर्ती कार्रवाई है। महिलाओं की स्थिति पर आयोग का 66वां सत्र 14-25 मार्च 2022 तक प्राथमिकता प्रदान विषय "स्त्री पुरुष समानता और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण नीतियों एवं कार्यक्रम के संदर्भ में सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने" पर आयोजित किया जाएगा। सत्र का परिणाम एक सहमत निष्कर्षों का रूप में होगा, जो एक ऐसा दस्तावेज़ होगा जिसपर अंतर-सरकारी रूप से बातचीत की गई हो। आयोग प्रमुख वैश्विक अंतर सरकारी निकाय है जो विशेष रूप से लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

आर्थिक और सामाजिक मुद्दे

अप्रैल 2021 में, तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने डिजिटल सहयोग और कनेक्टिविटी पर संयुक्त राष्ट्र के उच्च-स्तरीय विषय पर बहस में भाग लिया और डिजिटल विभाजन को समाप्त करने के लिए पूरे समाज के दृष्टिकोण पर बात की। मई 2021 में, पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सतत विकास लक्ष्यों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर वर्चुअल 6वें वार्षिक बहु-हितधारक फोरम में भाग लिया और "सतत विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार और कोविड-19 की अनुकूलित रिकवरी, और एसडीजी के लिए समावेशी कार्रवाई के प्रभावी कार्ययोजना" पर एक बयान दिया। 1 जून 2021 को दक्षिण-दक्षिण सहयोग पर उच्च-स्तरीय समिति के 20वें सत्र में, राज्य मंत्री (वीएम) ने "कोविड-19 महामारी और इसी तरह के वैश्विक संकट का जवाब देते हुए बीएपीए+40 परिणाम दस्तावेज़ के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से एसडीजी की उपलब्धि में तेजी लाने" पर एक बयान दिया।

प्रधान मंत्री ने 14 जून 2021 को पीजीए द्वारा आयोजित मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय वार्ता में भाग लिया और अपने वक्तव्य में भूमि क्षरण के मुद्दों का समाधान करने में भारत की अगुवाई को प्रदर्शित किया। 23 जून 2021 को ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने ऊर्जा पर उच्च स्तरीय संवाद के लिए ऊर्जा संक्रमण पर मंत्रिस्तरीय विषयगत मंच में भारत का प्रतिनिधित्व किया। जुलाई 2021 में भारत ने सतत विकास पर आर्थिक और सामाजिक परिषद के तत्वावधान में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के उच्च-स्तरीय राजनीतिक मंच में भाग लिया। यह मंच "कोविड -19 महामारी से सतत और अनुकूलित व्यवस्था बहाली, जो सतत विकास के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों को बढ़ावा देता है: सतत विकास के लिए दशकों की कार्रवाई और लक्ष्य प्राप्त करने के संदर्भ में 2030 एजेंडा प्राप्त करने के लिए एक समावेशी और प्रभावी कार्य योजना के निर्माण" पर केन्द्रित था। इस मंच ने एसडीजी 1, 2, 3, 8, 10, 12, 13, 16 और 17 की समीक्षा की। वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन पर विशेषज्ञों की समिति का ग्यारहवां सत्र अगस्त 2021 के अंत हुआ जिसमें सर्वे ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। भारत ने सितंबर 2021 में "अधिक समावेशी, अनुकूलित और सतत भविष्य के समर्थन में एकजुटता" पर दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस पर बीज भाषण दिया। मिशन ने नवंबर 2021 में विश्व शौचालय दिवस कार्यक्रम की मध्यस्थता भी की, जिसमें भारत के स्वच्छ भारत मिशन से सर्वोत्तम व्यवस्थाओं को साझा किया गया।

2030 एजेंडा

2022 तक 'नए भारत' की रणनीति और 2030 के लिए देश का लक्षण 2030 एजेंडा को हासिल करने की भावना के अनुरूप है। विभिन्न प्रमुख कार्यक्रम- पोषण अभियान , आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्किल इंडिया, उज्जवला योजना, ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी मिशन - एसडीजी द्वारा रेखांकित चुनौतियों का सीधे समाधान करेगा। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का नारा किसी को पीछे न छोड़ने के सतत विकास के 2030 एजेंडा के सार को दर्शाता है। भारत ने एसडीजी को अपनाने, लागू करने और निगरानी करने में अपनी सफलता को बारे में बताया और अन्य सदस्य राष्ट्रों के लाभ के लिए इन सफलता की कहानियों का विवरण साझा किया।

चुनाव

2022-24 की अवधि के लिए अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय पर आयोग - अप्रैल 2021 में हुए चुनाव के परिणाम द्वारा चयनित था। 2022-24 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र महिला कार्यकारी बोर्ड को अप्रैल 2021 में हुए चुनाव के परिणामस्वरूप चुना गया। अप्रैल 2021 में हुए चुनाव के परिणामस्वरूप 2022-24 की अवधि के लिए ईसीओएसओसी द्वारा विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी बोर्ड का चयन किया गया। 2022-24 की अवधि के लिए आर्थिक और सामाजिक परिषद ने, जून 2021 में हुए चुनाव में 179 वोट हासिल किए। 2022-24 की अवधि के लिए एचआरसी को अक्टूबर 2021 में हुए चुनाव में 184 वोट प्राप्त हुए, जो एशिया-प्रशांत समूह में सबसे अधिक वोट थे। भारत के उम्मीदवार डॉ. बिमल एन पटेल 163 वोट प्राप्त किए 2023-27 की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग के लिए चुने गए जो नवंबर 2021 में हुए चुनाव में एशिया-प्रशांत समूह में सबसे अधिक वोट थे।

भारत को 25 अगस्त 2021 को आबिदजान में आयोजित 27वीं यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन कांग्रेस में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के प्रशासन परिषद (सीए) और पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल (पीओसी) के लिए चुना गया था। यूपीयू संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है और डाक क्षेत्र की कर्मचारियों के बीच सहयोग के लिए प्राथमिक मंच है। प्रवीण सिन्हा, वर्तमान में केंद्रीय जांच ब्यूरो के विशेष निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) की कार्यकारी समिति में प्रतिनिधि, एशिया क्षेत्र के पद के लिए चुने गए थे । 23-25 नवंबर 2021 को इस्तांबुल, तुर्की में इंटरपोल के 89 वें महासभा सत्र में चुनाव आयोजित किए गए थे। भारत को जापान, फिलीपींस, वियतनाम, चीन और एशिया प्रशांत समूह में कुक द्वीप समूह के साथ, 2021-2025 के कार्यकाल के लिए यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) के सदस्य के रूप में चुना गया था। 17 नवंबर 2021 को यूनेस्को के 41वें आम सम्मेलन के दौरान पेरिस में चुनाव किए गए थे। भारत ने 2021-2025 की अवधि के लिए विश्व धरोहर समिति (डबल्यूएचसी) में एक सीट प्राप्त की। विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण पर अभिसमय के लिए पक्षकार राष्ट्रों की 23वीं महासभा के दौरान 25 नवंबर 2021 को चुनाव आयोजित किए गए थे । भारत को 2022-23 द्विवार्षिक के लिए 'ख' श्रेणी के तहत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की परिषद की सदस्यता के लिए पुनः चुना गया। भारत इसकी स्थापना के समय से ही आईएमओ से जुड़ा हुआ है और इसके क्रियाकलापों में सक्रिय भाग लेता रहा है। 10 दिसंबर 2021 को लंदन में आईएमओ की सभा के 32वें सत्र में चुनाव आयोजित किए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र एचआरसी

भारत ने 2021 में एचआरसी में अपना पांचवां कार्यकाल पूरा किया। भारत ने अन्य बातों के साथ-साथ एचआरसी के सत्रों, वार्षिक मंच की बैठकों, अंतर सरकारी कार्य समूह की कार्यवाही और मानवाधिकार संधि निकायों की रिपोर्टिंग प्रक्रिया में अपनी संबद्धता और भागीदारी जारी रखी। साथ ही, मानवाधिकारों के लिए उच्चायुक्त के कार्यालय और मानवाधिकारों के मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेषज्ञों के साथ अपना उच्च-स्तरीय संपर्क जारी रखा। भारत ने सितंबर 2021 में नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय नियम (आईसीसीपीआर) पर अपनी चौथी आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। भारत को 14 अक्टूबर 2021 को छठे कार्यकाल के लिए न्यूयॉर्क में यूएनजीए में हुए चुनावों में 2022-2024 की अवधि के लिए एचआरसी हेतु पुनः चुना गया है।

भारत ने अफ्रीकी समूह द्वारा प्रस्तुत 'मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, मानव अधिकार और स्त्री-पुरुष समानता', 47वें एचआरसी सत्र में एनएएम द्वारा 'मानवाधिकारों के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि' और 48वें एचआरसी सत्र में एनएएम द्वारा 'विकास का अधिकार' सहित विभिन्न प्रस्तावों को सह-प्रायोजित किया। भारत एचआरसी सत्रों के दौरान एनएएम द्वारा दिए गए अन्य वक्तव्यों के अलावा कुष्ठ रोग, विश्व स्तर पर टीकों के निष्पक्ष और न्यायसंगत वितरण, महिला जननांग विकृति के उन्मूलन पर त्वरित परिवर्तन, अत्यधिक गरीबी और मानवाधिकार, 'महिला, शांति और कूटनीति' जैसे विभिन्न मानवाधिकार मुद्दों पर देशों के एक समूह द्वारा संयुक्त वक्तव्य में शामिल हुआ। सचिव (पश्चिम) ने एचआरसी के 48वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। साथ ही, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट से भी मुलाकात की।

विकास के लिए वित्तपोषण

विकास हेतु वित्तपोषण पर ईसीओएसओसी मंच एक अंतरसरकारी प्रक्रिया है जो विकास परिणामों के लिए वित्तपोषण की समीक्षा और 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन के साधनों पर चर्चा करने के लिए अधिदेशित है। भारत ने इस प्रयास में योगदान देना जारी रखा है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ)

सचिव (श्रम एवं रोजगार) अपूर्व चंद्रा ने अक्टूबर 2020 से जून 2021 की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के शासी निकाय के अध्यक्ष का पद संभाला। सचिव (श्रम और रोजगार) सुनील बर्थवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 01-13 नवंबर 2021 को आयोजित आईएलओ की 343वीं शासी निकाय की बैठक में भाग लिया। तत्कालीन श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 03-19 जून

2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) के 109वें सत्र के पहले भाग में भाग लिया। श्रम और रोजगार राज्य मंत्री ने 25 नवंबर -11 दिसंबर 2021 को आईएलसी फिर से शुरू हुए सत्र के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। तत्कालीन श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 109 आईएलसी के अवसर पर 4 जून 2021 को जिनेवा अध्याय की एनएएम श्रम मंत्रियों की वर्चुअल बैठक को संबोधित किया। मार्च 2022 में होने वाले आईएलओ के शासी निकाय के 344वें सत्र में प्रवासी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा संबंधी भारत के प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)

भारत ने 24-31 मई 2021 तक 74वें विश्व स्वास्थ्य सभा (डबल्यूएचए) सत्र में और 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2021 तक डबल्यूएचए के विशेष सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने किया। भारत ने 'स्वास्थ्य आपातकालिक स्थितियों के लिए डब्ल्यूएचओ की तैयारी और कार्रवाई को मजबूत करने' के प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया, जिसके कारण विभिन्न समीक्षा पैनल/समितियों के निष्कर्षों और सिफारिशों की समीक्षा करने के लिए एक ओपन-एंडेड अंतर-सरकारी कार्य समूह (डब्ल्यूजीपीआर) का गठन किया गया। भारत वर्तमान में मई 2020 से 3 वर्षों के लिए डबल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) के सदस्य के रूप में कार्य कर रहा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री को जिनेवा स्थित स्टॉप-टीबी पार्टनरशिप के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है । स्टॉप-टीबी बोर्ड की भारत की अध्यक्षता 2024 तक जारी रहेगी।

सचिव (पश्चिम) ने 11-15 सितंबर 2021 को जिनेवा की अपनी यात्रा के दौरान डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ . टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस से मुलाकात की। डब्ल्यूएचओ ने 03 नवंबर 2021 को भारत बायोटेक के कोवैक्सिन को आपातकालीन उपयोग सूची में शामिल किया। यह पूरी तरह से भारत में विकसित और उत्पादित वैक्सीन को दिया गया पहला ऐसा डबल्यूएचओ प्रमाणीकरण था। भारत अब तक 150 से अधिक देशों को कोविड से संबंधित चिकित्सा और अन्य सहायता प्रदान कर चुका है। जनवरी 2021 से 94 देशों और 2 संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं को वाणिज्यिक निर्यात या कोवैक्स सुविधा के माध्यम से, कोविड टीकों की 94 मिलियन से अधिक खुराक की आपूर्ति अनुदान के रूप में की गई है। भारत सरकार और डब्ल्यूएचओ भारत में पारंपरिक चिकित्सा के लिए एक वैश्विक केंद्र की स्थापना के लिए करार और विचारार्थ विषयों को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने भारत सरकार के सहयोग से 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एम-योग ऐप नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन शुरू की।

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के साथ भारत के संबंध 2021 में और आगे बढ़े हैं। भारत ने अक्टूबर 2021 में एशिया और प्रशांत समूह के क्षेत्रीय समन्वयक का पदभार संभाला जो डब्ल्यूआईपीओ में दूसरा सबसे बड़े क्षेत्रीय समूह है। इस साल ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की वैश्विक रैंकिंग में और सुधार हुआ है और वह 46 स्थान पर आ गया है जो 2015 के बाद से 35 स्थानों की वृद्धि है। भारत विश्व भर में आईपी फाइलिंग कार्यों के लिए डब्ल्यूआईपीओ के विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक 2021 में प्रमुख 8 देशों में से था, भारत ने 2020 में दिए गए पेटेंटों की संख्या में 11.8% की वृद्धि दर्ज की है।

ट्रिप्स छूट

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ कोविड वैक्सीन बौद्धिक संपदा अधिकार छूट और ट्रिप्स करार और ट्रिप्स करार और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर दोहा घोषणा की लोचशीलता के उपयोग पर विश्व व्यापार संगठन का नेतृत्व किया है। भारत ने सदस्य राष्ट्रों को कोविड टीकों के लिए समान और किफ़ायती पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एकजुट करना जारी रखा।

शरणार्थी और प्रवासी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) द्वारा अपनी कार्यकारी समिति और स्थायी समिति के सदस्य के रूप में आयोजित विभिन्न बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विदेश मंत्री ने 13 सितंबर 2021 को जिनेवा में यूएनओसीएचए द्वारा आयोजित अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति 2021 पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम)

सचिव (सीपीवी और ओआईए) ने 15 अक्टूबर 2021 को जिनेवा में प्रवास पर अंतर्राष्ट्रीय वार्ता में वर्चुअल रूप से भाग लिया। उन्होंने 30 नवंबर 2021

को "सीमाओं, प्रवासन और गतिशीलता पर कोविड-19 के प्रभाव: सीख लेना और भविष्य की तैयारी" पर आईओएम परिषद के 112वें सत्र में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

दक्षिण केंद्र

भारत और दक्षिण केंद्र के बीच चल रहे सहयोग तंत्र 2021 में और बढ़ा है। फरवरी 2021 में अपनी इक्कीसवीं बैठक में, प्रतिनिधि परिषद ने दक्षिण केंद्र के शासी बोर्ड के सदस्य के रूप में मोहनदास पई के कार्यकाल को बढ़ाने का निर्णय लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू)

आईटीयू द्वारा 29 जून 2021 को जारी ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी इंडेक्स (जीसीआई) 2020 में भारत 10वें स्थान पर है, जो 37 स्थानों की वृद्धि है, जिससे इस क्षेत्र में भारत की सफलता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन होता है। संचार राज्य मंत्री ने 12 अक्टूबर 2021 को आईटीयू डिजिटल वर्ल्ड 2021 के 50वीं वर्षगांठ संस्करण के मंत्रिस्तरीय गोलमेज सत्र में भाग लिया।

आगामी कार्यक्रमों में जलवायु एवं प्रकृति पर ध्यान केन्द्रित करना

फरवरी 2022 में महासागर सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक महासागर कार्रवाई का एक नया अध्याय शुरू करने के लिए विज्ञान आधारित नवाचार समाधान प्रदान करना है। मई 2022 में सीओपी15 जैव विविधता में जैव विविधता के लिए 2011-2020 के लिए सीबीडी की रणनीतिक योजना की उपलब्धियों और लक्ष्यों की समीक्षा की जाएगी। मई 2022 में भूमि के शुष्कीकरण के संबंध में सीओपी15 भूक्षरण संबंधी मुद्दों पर केन्द्रित होगा तथा स्टॉकहोम +50 सतत और हरित अर्थव्यवस्थाओं की ओर ले जाने वाले के सुधार पर चर्चा करने के लिए मानवीय पर्यावरण पर केन्द्रित होगा। भारत इन मंचों पर अपने पक्ष पर ज़ोर रखना जारी रखेगा। भारत दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना भारत-संयुक्त राष्ट्र सहभागिता निधि और आईबीएसए निधि के माध्यम से अपने सहयोगी विकासशील देशों विशेष रूप से भू-आबद्ध विकासशील देशों, न्यूनतम विकसित देशों तथा लघु विकासशील द्वीपीय राष्ट्रों के साथ आदान-प्रदान को सशक्त बनाने के लिए ध्यान केन्द्रित करता रहा है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें उच्चा स्तरीय सप्ताह के दौरान एलडीसी तथा एलएलडीसी समूहों की वार्षिक मंत्रालयी बैठकों तथा उनके प्रारम्भिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया जिसके परिणामस्वरूप एलडीसी पर 5वां संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जो 23-27 जनवरी 2022 को दोहा, कतर में आयोजित किया जाना था।

सीओपी26

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अवसंरचना अभिसमय के पक्षकारों का 26वां सम्मेलन (सीओपी26) 31 अक्तूबर से 13 नवंबर 2021 तक ग्लासगो में आयोजित किया गया था। प्रधान मंत्री ने 1-2 नवंबर 2021 को सीओपी26 के भाग के रूप में आयोजित वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने पाँच अमृत, भारत की संवर्धित प्रतिबद्धताओं की घोषणा की, जो इस प्रकार हैं: (1) 2005 से भारत की जीपीडी के ह्रास की गति को 2030 तक 45% तक कम करना; (ii) 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से संचयी विद्युत ऊर्जा स्थापित क्षमता का 50% प्राप्त करना; (iii) आज की तारीख और 2030 के बीच अनुमानित उत्सर्जन में 1 बिलियन टन की कमी; (iv) 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता हासिल करना; और (v) वर्ष 2070 तक भारत निवल शून्य का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

प्रधान मंत्री ने यूके के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन और ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ द्वीपीय राष्ट्रों में तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण अर्थात रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (आईआरआईएस) के लिया अवसंवरचना के लिए नई पहल शुरू की। आईआरएसआईएस का संयुक्त वित्तपोषण भारत, यूके और ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया जाता है तथा इसका नेतृत्व आपदा रोधी अवसंवरचना के लिए गठबंधन द्वारा किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने यूके के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के साथ ग्रीन ग्रिड इनिशिएटिव-वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड (जीजीआई-ओएसओडबल्यूओजी) पहल की भी शुरुआत की। जीजीआई-ओएसओडबल्यूओजी सीमा पार नवीकरणीय ऊर्जा अंतरण परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाने में सहायता करने के लिए तकनीकी, वित्तीय और अनुसंधान सहयोग स्थापित करेगा जो ओएसओडबल्यूओजी को वैश्विक अवसंवरचना उपलब्ध कराएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

भारत को यूएनजीए में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के लिए पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया था। सीओपी26 में सीडीआरआई और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (जीजीआई-ओएसओडबल्यूओजी- ग्रीन ग्रिड इनिशिएटिव-वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड) के तहत पहल शुरू की गई थी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जलवायु

संबंधी वार्ताओं के दौरान विकासशील देशों का पक्ष रखा, जिसमें विकसित देशों की 2020 पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उनके महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया। जलवायु आकांक्षा के लिए इसके जरूरतमंद को वित्तीय, तकनीकी और क्षमता-निर्माण अवसंवरचना सहायता की आवश्यकता है।

विकास संबंधी मुद्दे और जलवायु कार्रवाई

सीओपी26 में कई चर्चाओं निर्धारित करते समय अक्टूबर-दिसंबर सत्र में जलवायु परिवर्तन मुख्य फोकस रहा। सीओपी26 से पहले कई कार्यक्रमों आयोजित किए गए थे, जिसमें 26 अक्टूबर 2021 को पीपल, प्लेनेट एंड प्रोस्पेरिटी के लिए जलवायु कार्रवाई के लक्ष्य के संबंध में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष द्वारा उच्च-स्तरीय बैठक शामिल है, जहां पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने वर्चुअल रूप से भाग लिया।

आर्कटिक परिषद

रूस ने 20 मई 2021 को रिक्जेविक में आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान आर्कटिक परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने 08-09 मई 2021 को आयोजित आर्कटिक विज्ञान मंत्रिस्तरीय (एएसएम 3) बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि " भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से क्षेत्र के सतत विकास के संवर्धन के साथ-साथ पर्यवेक्षण, अनुसंधान, क्षमता निर्माण के माध्यम से आर्कटिक की साझा समझ को गहरा करने में सकारात्मक भूमिका निभाता रहेगा।" वरिष्ठ आर्कटिक अधिकारियों (एसएओ) की बैठकें हर साल दो बार आयोजित की जाती हैं । 01-02 दिसंबर 2021 को हुई हालिया बैठक में नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भाग लिया।

जैव विविधता शिखर सम्मेलन

जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (सीबीडी) के पक्षकारों का 15वां सम्मेलन (सीओपी15) 11-15 अक्टूबर 2021 को हाइब्रिड रूप से कुनमिंग में आयोजित किया गया था। इसका पहला भाग (भाग I) 11 से 15 अक्टूबर 2021 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था, और दूसरा भाग (भाग II) 25 अप्रैल से 8 मई 2022 तक कुनमिंग, चीन में व्यक्तिगत रूप से आयोजित किया जाएगा। जैव विविधता शिखर सम्मेलन में 'पारिस्थितिक सभ्यता: पृथ्वी पर सभी जीवन के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण' विषय पर कुनमिंग घोषणा दी गई थी। कुनमिंग घोषणा को भारत सहित 100 से अधिक देशों द्वारा पारित किया गया था । घोषणा पारित करने से एक नए वैश्विक जैव विविधता समझौते को और अधीक गति प्राप्त होगी। घोषणा में '30 में से 30' लक्ष्य का संदर्भ दिया गया था, जो सीओपी15 में एक मुख्य प्रस्ताव है जिसपर बहस चल रही है, जिसमें 2030 तक पृथ्वी की 30% भूमि और महासागरों को संरक्षित करने का प्रस्ताव है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सीबीडी पर वर्चुअल सम्मेलन में भाग लिया।

रामसर अभिसमय

इस वर्ष के दौरान पांच भारतीय स्थलों अर्थात, गुजरात में थोल और वाधवाना; हरियाणा में सुल्तानपुर और भिंडावास और उत्तर प्रदेश में हैदरपुर को वेटलैंड पर रामसर अभिसमय 1971 के तहत रामसर स्थलों के रूप में घोषित किया गया था। यह प्राकृतिक प्राणियों के अनुरक्षण के लिए भारत के सदियों पुरान सिद्धान्त की अभिव्यक्ति है।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

इस वर्ष के दौरान मंत्रिमंडल ने ओजोन परत को नष्ट करने वाले तत्वों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन के अनुसमर्थन का अनुमोदन किया गया। यह जलवायु परिवर्तन से निपटने में भारत के नेतृत्व की दिशा में एक और कदम है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी)

मिशन ने यूएनईपी के स्थायी प्रतिनिधियों की समिति की 154 वीं , 155 वीं और 156 वीं बैठकों में भाग लिया, जो क्रमशः 20 मई, 28 सितंबर और 30 नवंबर 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावास

वर्ष 2021 के कार्यकारी बोर्ड का पहला सत्र वर्चुअल रूप से 07-08 अप्रैल 2021 से आयोजित किया गया था । भारत 36 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड का सदस्य है। मिशन ने वर्ष 2021 के कार्यकारी बोर्ड के दूसरे सत्र में भी भाग लिया जो 15 और 16 नवंबर 2021 को हाइब्रिड रूप में आयोजित किया गया था।

कृषि विकास, खाद्य और कृषि संगठन (एफ़एओ) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डबल्यूएफ़पी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (आईएफ़एएस)

भारत आईएफ़एडी के कार्यकारी बोर्ड का एक सक्रिय सदस्य है और आईएफ़एडी की मूल्यांकन समिति का सदस्य बना हुआ है। भारत आईएफएडी की परिलब्धियों संबंधी समिति का अध्यक्ष भी है। आईएफएडी मुख्यालय में भारत का कक्ष स्थापित किया गया है और कलाकृतियों को अप्रैल 2021 में स्थापित किया गया है। भारत एफएओ परिषद के सदस्य के रूप में एफएओ में भाग लेता रहा है। भारत 01 जुलाई 2020 से 30 जून 2023 तक एक और कार्यकाल के लिए एफ़एओ परिषद में है। यह विभिन्न समितियों जैसे मत्स्य पालन समिति, वानिकी समिति, खाद्य सुरक्षा समिति, कमोडिटी समस्याओं पर समिति, और कृषि संबंधी समिति जैसी समितियों में सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहा है। भारत जनवरी 2021 से अंतर्राष्ट्रीय फल और सब्जिय वर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय संचालन समिति का सदस्य है। भारत अक्टूबर 2020 से 2022 तक कृषि -28 समिति का अध्यक्ष है। कृषि समिति एफ़एओ के महत्वपूर्ण शासी निकायों में से एक है। कृषि, पशुधन, खाद्य सुरक्षा, पोषण, ग्रामीण विकास और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर समग्र नीति और नियामक दिशानिर्देश प्रदान करने के लिए एफ़एओ का एक महत्वपूर्ण शासी निकाय है। सीओएजी की स्थापना के बाद भारत को दूसरी बार अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। भारत सितंबर 2021 में आयोजित खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन में विभिन्न कार्यवाही ट्रेकों विशेष रूप से आजीविका पर कार्यवाही ट्रैक 4 में चर्चा के माध्यम से सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। भारत को 5 अप्रैल 2021 को डबल्यूएफ़पी कार्यकारी बोर्ड का उपाध्यक्ष और 54 देशों का लिस्ट बी संयोजक चुना गया है। भारत को अप्रैल 2021 में 2022-24 की अवधि के लिए डबल्यूएफ़पी के कार्यकारी बोर्ड के लिए चुना गया है।

यूएनआईटीएआर

जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि को मार्च 2021 से फरवरी 2024 तक यूएनआईटीएआर के न्यासी बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था ।

भारत ने 2020/2021 के लिए महिला सशक्तिकरण के लिए यूएनआईटीएआर न्यास कोष में 50,000 अमरीकी डॉलर का योगदान दिया। योगदान का उपयोग महिला नेतृत्व कार्यक्रम शुरू करने के लिए किया जाएगा।

यूएनडीआरआर

प्रधान मंत्री ने 02 नवंबर 2021 को ग्लासगो में आयोजित सीओपी26 में विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन में सिड्स के लिए एक पहल अर्थात आईआरआईएस की शुरुआत की। यह एसआईडीएस में अनुकूल, सतत और समावेशी अवसंरचना विकास को बढ़ावा देगा। इसमें यूके, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, जमैका और मॉरीशस से उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

यूरोप के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (यूएनईसीई)

राष्ट्रीय जल मिशन के एएस और एमडी के नेतृत्व में सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने यूएनईसीई द्वारा 29 सितंबर से 01 अक्टूबर 2021 तक आयोजित बैठक में भाग लिया।

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन

आबिदजान में 27वीं यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) कांग्रेस में भारत को प्रशासन परिषद (सीए) के लिए 134 मतों के साथ चुना गया था । भारत को दक्षिण एशिया और ओशिनिया क्षेत्र से सीए चुनावों में सबसे अधिक मत प्राप्त हुए। भारत को 106 मतों (156 देशों में से) के साथ आबिदजान में 27वीं यूपीयू कांग्रेस में पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल (पीओसी) के लिए भी निर्वाचित किया गया था।

सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण और पुनरुद्धार के अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीसीआरओएम)

27-28 अक्टूबर 2021 को आयोजित आईसीसीआरओएम महासभा 32वें सत्र के बाद, भारत को चार वर्षों के कार्यकाल के लिए आईसीसीआरओएम परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया था और महासभा द्वारा परिषद की वित्त और लेखा परीक्षा समिति में कार्य करने के लिए भी चुना गया था।

मादक द्रव्यों और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएनओडीसी)

भारत ने 17-21 मई 2021 तक वियना में आयोजित अपराध निवारण और आपराधिक न्याय आयोग (सीसीपीसीजे) के 30वें सत्र में भाग लिया। भारत ने अक्टूबर 2021 में वियना में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी अकादमी (आईएसीए) के पक्षकारों की सभा के 10वें सत्र में भी भाग लिया।

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ)

भारत और यूएनआईडीओ ने अप्रैल 2021 में समावेशी और सतत औद्योगिक विकास पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए संगठन स्थापित करने हेतु एक करार पर हस्ताक्षर किए ताकि सतत विकास लक्ष्य एसडीजी9 के तहत समवेशी एवं सतत औद्योगिक विकास के संबंध में ज्ञान और क्षमता निर्माण को सृजित और साझा किया जा सके तथा परियोजनाओं और सहभागिता को सुविधाजनक बनाया जा सके। 29 नवंबर से 03 दिसंबर 2021 तक वियना में आयोजित यूएनआईडीओ के 19वें आम सम्मेलन में, भारत को यूएनआईडीओ के प्रमुख निर्णय लेने वाले निकायों, औद्योगिक विकास बोर्ड (आईडीबी), और कार्यक्रम और बजट समिति (पीबीसी) के लिए फिर से चुना गया।

आईबीएसए कोष

2006 में आईबीएसए कोष की स्थापना के बाद से 33 देशों में 38 विकास परियोजनाओं का समर्थन करते हुए 41.41 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक का वितरण किया गया है, जिनमें से अधिकांश एलडीसी हैं। भारत आईबीएसए कोष की स्थापना के बाद से इसका नियमित योगदानकर्ता रहा है और अब तक 16.1 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान कर चुका है । 2021 तक कुल 8 परियोजनाएं चल रही हैं; 24 परियोजनाओं को पूरा किया जा चुका है और 7 परियोजनाओं को लागू करने की तैयारी चल रही है।

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष

2017 में स्थापित भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष (फंड) ने 48 विकासशील देशों के साथ साझेदारी में 64 विकास परियोजनाओं का एक पोर्टफोलियो विकसित किया है, जो दक्षिणी-नेतृत्व वाली, मांग-संचालित विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं पर केंद्रित है। पिछले एक साल में, इस कोष ने कोविड महामारी से निपटने वाली परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए तेजी से काम किया है। ये परियोजनाएं टोंगा, बेलीज, गुयाना, सेंट किट्स और नेविस, किरिबाती, सोलोमन द्वीप, तुवालु, एंटीगुआ और बारबुडा, सेंट लूसिया, पापुआ न्यू गिनी और ग्रेनाडा जैसे देशों में फैली हुई हैं और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति और स्वास्थ्य देखभाल क्षमता के निर्माण, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को कम करने और सुधार उत्प्रेरित है।

यूएनईएससीएपी

एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि (पीआर) ने 26-29 अप्रैल 2021 तक वर्चुअल मोड में आयोजित 77वें आयोग सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और 'एशिया और प्रशांत में क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से संकटों से बेहतर बचाव' के विषय पर देश का वक्तव्य प्रस्तुत किया। राजदूत ने यूएनईएससीएपी के पर्यावरण पर समिति के 6वें सत्र की अध्यक्षता की और 7 सितंबर 2021 को यूएनईपी के एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय और यूएनईएससीएपी द्वारा आयोजित दूसरे इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काइस समारोह के दौरान बीज भाषण भी दिया। एशिया और प्रशांत क्षेत्र में नागरिक पंजीकरण और महत्वपूर्ण सांख्यिकी पर दूसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 16-19 नवंबर 2021 तक यूएनईएससीएपी द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवधि के दौरान दूतावास और संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने यूएनईएससीएपी की अंतर सरकारी समिति की विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

यूनेस्को

कार्यकारी बोर्ड का 211वां सत्रह 7-21 अप्रैल, 2021 को पेरिस में यूनेस्को के मुख्यालय में आयोजित किया गया था। कार्यकारी बोर्ड में भारत के प्रतिनिधि प्रोफेसर जेएस राजपूत ने सत्र में भाग लिया और पूर्ण सत्र के दौरान अपना भाषण दिया। विश्व धरोहर समिति (डबल्यूएचसी) का 44 वां सत्र 16-31 जुलाई 2021 तक वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था। विश्व धरोहर स्थल की प्रतिनिधि सूची में भारत के दो नामांकन अर्थात शिलालेख के लिए धोलावीरा और काकतैयारुद्रेश्वर: रामप्पा मंदिर थे। धोलावीरा और काकतैयारुद्रेश्वर: रामप्पा मंदिर दोनों के नाम विश्व धरोहर सूची में अंकित

किए गए था, जिससे सूची में अंकित भारतीय स्थलों की संख्या 40 हो गई थी। डब्ल्यूएचसी का अगला सत्र (45 वां सत्र) रूस के कज़ान में आयोजित किया जाएगा। कार्यकारी बोर्ड का 212वां सत्र 06-20 अक्टूबर 2021 तक आयोजित किया गया था। भारत के राष्ट्रीय वक्तव्य में सार्वभौमिक भाईचारा, वसुधैव कुटुम्बकम के महत्व को दर्शाया गया था। एशिया प्रशांत समूह से, भारत को 12-24 नवंबर 2021 के आम सम्मेलन के 41वें सत्र के दौरान वित्त और प्रशासनिक आयोगों (एफए) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। पिछले 75 वर्षों में पहली बार भारत पूर्ण अध्यक्ष के रूप में एफए आयोग की अध्यक्षता करेगा। भारत सभी कार्यक्रमों के लिए सूचना (आईएफ़एपी) और सामाजिक सुधार कार्यक्रम के प्रबंधन (एमओएसटी) के लिए भी चुना गया। डबल्यूएचसी के पक्षकार देशों की 23वीं महासभा 24-26 नवंबर 2021 को आयोजित की गई थी । भारत ने 2021-2025 के लिए चार साल के कार्यकाल हेतु चुनाव जीता था। 2 साल में एक बार, मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के लिए नामांकन किया जाता है । भारत के नामांकन 'कोलकाता में दुर्गा पूजा ' को 16 दिसंबर 2021 को सूची में अंकित किया गया था, जिससे भारत के नामांकन बढ़कर 14 हो गए थे। अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकविज्ञान केंद्र ने भारतीय गणितज्ञ प्रोफेसर (डॉ) नीना गुप्ता को गणित में 2021 रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया। जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क पर अंकित किया गया था।

आजादी का अमृत महोत्सव

राज्य मंत्री (एमएल) ने 29 सितंबर 2021 को जिनेवा का दौरा किया और भारत @ 75 समारोहों के हिस्से के रूप में मिशन द्वारा आयोजित भारतीय वस्त्रों पर 'भारतीय साड़ियों की शानदार गाथा ' कार्यक्रम में भाग लिया। राज्य मंत्री (एमएल) ने जिनेवा में यूएन और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में काम कर रहे भारतीय व्यावसायिकों से भी मुलाक़ात की और उनसे बातचीत की। मिशन ने जिनेवा में आज़ादी के अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में कई कार्यक्रम आयोजित किए।

महिला दिवस

08 मार्च 2021 को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने महिला-पुरुष समानता, महिलाओं के सशक्तिकरण और महिलाओं तथा लड़कियों के मानवाधिकारों पर वैश्विक समुदाय की जागरूकता बढ़ाने के लिए 'डॉ.हंसा मेहता वार्ता' के प्रथम दौर आयोजित किया। वार्ता का प्रारंभिक दौर आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री डॉ गीता गोपीनाथ के बीज भाषण के साथ कोविड महामारी के संदर्भ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर केंद्रित था ।

14

बहुपक्षीय आर्थिक संबंध

XIII ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

भारत ने 2012 और 2016 के बाद तीसरी बार 2021 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अध्यक्षता की। 2021 में भारत की अध्यक्षता ब्रिक्स की 15वीं वर्षगांठ के संयोग के साथ हुई। भारत ने समग्र विषय "ब्रिक्स@15: निरंतरता, समेकन और सहमति के लिए अंतर-ब्रिक्स सहयोग" चुना ।

अध्यक्षता वर्ष के लिए चार प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया:

· बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार,

· आतंकवाद-रोधी सहयोग,

· एसडीजी प्राप्त करने के लिए डिजिटल और तकनीकी समाधानों का उपयोग करना, और

· लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाना।

भारत के अध्यक्षता वर्ष के दौरान 140 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री ने 09 सितंबर 2021 को XIII वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी और अध्यक्षता की, जिसमें ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

[तस्वीर: **13**वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री, सितंबर **2021**]

शिखर सम्मेलन में, प्रधानमंत्री ने प्रथम ब्रिक्स डिजिटल स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन, बहुपक्षीय सुधारों पर पहला ब्रिक्स मंत्रिस्तरीय संयुक्त वक्तव्य, ब्रिक्स आतंकवाद-रोधी कार्य योजना, रिमोट-सेंसिंग उपग्रह तारामंडल के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता, ग्रीन पर्यटन पर ब्रिक्स गठबंधन, ब्रिक्स जलीय मंत्रियों की बैठक आदि सहित भारत की अध्यक्षता के दौरान हासिल की गई कई प्रथम उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कोविड के बाद वैश्विक सुधार में ब्रिक्स देशों द्वारा निभाई जा सकने वाली प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने 'लचीले रूप से वापस से निर्माण करना, नवोन्मेषिता ,विश्वसनीय और स्थायी रूप से' के आदर्श वाक्य के तहत ब्रिक्स सहयोग को बढ़ाने का आह्वान किया।

XIII वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन पर, ब्रिक्स नेताओं ने नई दिल्ली घोषणा को अंगीकार किया।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान कई महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हुए:

· बहुपक्षीय प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और सुधार पर पहली बार ब्रिक्स संयुक्त वक्तव्य,

· संशोधित ब्रिक्स विचारार्थ विषय,

· ब्रिक्स आतंकवाद-रोधी कार्य योजना,

· कृषि अनुसंधान मंच का संचालन,

· कृषि सहयोग के लिए कार्य योजना 2021-2024,

· नवाचार सहयोग कार्य योजना 2021-2024,

· सुदूर संवेदन उपग्रह तारामंडल के क्षेत्र में सहयोग पर करार पर हस्ताक्षर,

· बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली पर सहयोग पर वक्तव्य

· व्यावसायिक सेवाओं में व्यापार में सहयोग के लिए ढांचा,

· ई-कॉमर्स में उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए ढांचा,

· आनुवंशिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के संरक्षण के लिए सहयोग पर घोषणा,

· ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी 2025 भी रणनीति के व्यापार और निवेश पहलुओं पर कार्यान्वयन रोडमैप,

· सीमा शुल्क मामलों में सहयोग और पारस्परिक प्रशासनिक सहायता पर ब्रिक्स करार को अंतिम रूप देना, और

· मानव उपयोग के लिए चिकित्सा उत्पादों के विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर करार को अंतिम रूप देना।

ब्रिक्स शेरपा और सूस शेरपा ने 15 दिसंबर 2021 को भारत की अध्यक्षता में अपनी चौथी और समापन बैठक की। बैठक की अध्यक्षता भारत के ब्रिक्स शेरपा के रूप में सचिव (सीपीवी और ओआईए) ने की। चीन 1 जनवरी 2022 से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

इस बैठक ने इस वर्ष आयोजित गतिविधियों की समीक्षा करने का अवसर प्रदान किया। अपनी अध्यक्षता के लिए, भारत ने निम्नलिखित प्राथमिकताओं के साथ 'ब्रिक्स@15: निरंतरता, समेकन और सहमति के लिए ब्रिक्स सहयोग' विषय चुना था -

i. बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार;

ii. आतंकवाद-रोधी सहयोग;

iii. एसडीजी प्राप्त करने के लिए डिजिटल और तकनीकी समाधानों का उपयोग करना; तथा

iv. लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाना

वर्ष के दौरान, लगभग 150 ब्रिक्स बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से लगभग 20 मंत्री स्तर पर आयोजित किए गए। इंट्रा-ब्रिक्स सहयोग को नए क्षेत्रों में विस्तारित किया गया, जैसे उद्घाटन ब्रिक्स डिजिटल स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन और ब्रिक्स जल मंत्रियों की पहली बैठक।

<u>ब्रिक्स विदेश मामलों/अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मंत्रियों की बैठक</u>

विदेश मंत्री ने 01 जून 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ब्रिक्स विदेश मामलों/अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की। 'बहुपक्षीय प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और सुधार पर ब्रिक्स संयुक्त मंत्रिस्तरीय वक्तव्य' को अंगीकारकिया गया। यह ब्रिक्स देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार की मांग करने वाला पहला संयुक्त वक्तव्य है। संयुक्त वक्तव्य में पहली बार बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने और सुधार करने के सिद्धांतों को भी सूचीबद्ध किया गया है।

जून 2021 में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक

जी20 शिखर सम्मेलन

प्रधान मंत्री ने जी 20 रोम शिखर सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जो "लोग, ग्रह, समृद्धि" विषय के तहत रोम में 30 और 31 अक्टूबर 2021 को हुआ था। प्रधानमंत्री ने तीनों शिखर सम्मेलन सत्रों में भाग लिया: वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्वास्थ्य; जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण; और सतत विकास।

वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी सत्र में, प्रधानमंत्री ने न केवल वर्तमान महामारी बल्कि भविष्य के किसी भी वैश्विक संकट से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण सिद्धांत के रूप में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के भारत के दृष्टिकोण की बात की। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी सत्र में, प्रधानमंत्री ने जलवायु न्याय के बारे में बात की और सुझाव दिया कि विकसित देशों को विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 1 प्रतिशत उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने जी 20 भागीदारों के सामने तीन कार्रवाई योग्य बिंदु प्रस्तुत किए जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

अक्टूबर 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री

क. एक स्वच्छ ऊर्जा परियोजना कोष,

ख . जी 20 देशों में स्वच्छ-ऊर्जा पर काम करने वाले अनुसंधान संस्थानों का एक नेटवर्क जो नई तकनीकों के साथ-साथ उनकी तैनाती से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं पर काम करेगा, और

ग . इसके उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में वैश्विक मानक बनाने के लिए एक संस्था।

सतत विकास पर, प्रधानमंत्री ने एसडीजी को प्राप्त करने के लिए साझा जिम्मेदारी और इसमें जी 20 की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

जी 20 नेताओं ने जी 20 रोम घोषणा को अपनाया । यह घोषणा अर्थव्यवस्था के संदर्भ में और स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन, और सबसे महत्वपूर्ण, जलवायु कार्रवाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों में पुनर्प्राप्ति पर एक मजबूत संदेश देती है। जी 20 नेताओं ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और लैंगिक समानता की उपलब्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की।

भारत ने घोषणा को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहली बार, जी 20 ने 'स्थायी और जिम्मेदार उत्पादन और खपत' को, जैसा कि एसडीजी-12 में उल्लिखित है, जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में मान्यता दी है। जी 20 नेताओं ने ' वैश्विक शुद्ध शून्य ' पर सहमति व्यक्त की और स्थायी शहरी नियोजन के एजेंडे को तेज करने में आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) जैसी पहल की भूमिका को मान्यता दी। घरेलू स्तर पर सफलतापूर्वक ऐसा करने के बाद , भारत ने वैश्विक ' डिजिटल डिवाइड ' को पाटने के एजेंडे का तहे दिल से समर्थन किया।

इस वर्ष के जी 20 शिखर सम्मेलन से भारत के लिए अन्य महत्वपूर्ण परिणाम सतत कृषि, खाद्य सुरक्षा और पोषण के बारे में बात करते हुए छोटे और सीमांत किसानों के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता की मान्यता थे; परीक्षण और वैक्सीन प्रमाण-पत्र सहित यात्रा दस्तावेजों की पारस्परिक मान्यता की आवश्यकता; लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने और पुरुषों और महिलाओं के बीच कार्यबल की भागीदारी में स्पष्ट अंतराल को दूर करने और भ्रष्टाचार अपराधियों और उनकी संपत्ति को सुरक्षित पनाहगाह से वंचित करने पर जी 20 की स्थिति को मजबूत करने के लिए जी 20 का आह्वान आदि थे।

भारत 01 दिसंबर, 2021 को जी 20 ट्रायका (इटली और इंडोनेशिया के साथ, वर्तमान जी 20 अध्यक्ष) में शामिल हुआ।

भारत के जी 20 शेरपा और वाणिज्य और उद्योग, कपड़ा, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री ने वर्चुअल मोड में 07 और 08 दिसंबर को इंडोनेशिया द्वारा बुलाई गई पहली शेरपा बैठक में भाग लिया। जी 20 ट्रायका में शामिल होने के बाद से यह भारत की पहली जी 20 बैठक थी। भारत ट्रापका के सदस्य के रूप में जी 20 प्रक्रिया में रचनात्मक योगदान देने और प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक आख्यान को आकार देने के लिए तत्पर है, जब वह दिसंबर 2023 में जी 20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

वैश्विक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2021

ग्लोबल हेल्थ समिट 2021 की मेजबानी 21 मई 2021 को इटालियन प्रेसीडेंसी और यूरोपीय आयोग द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। शिखर सम्मेलन में रोम घोषणा को अपनाया गया था।

अफगानिस्तान पर असाधारण जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री ने 12 अक्टूबर 2021 को अफगानिस्तान पर असाधारण जी20 नेताओं की बैठक में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आवश्यकता पर जोर दिया कि अफगानिस्तान को तत्काल और निर्बाध मानवीय सहायता प्राप्त हो और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया कि अफगान भू-भाग क्षेत्रीय या वैश्विक रूप से कट्टरपंथ और आतंकवाद का स्रोत न बनें। प्रधानमंत्री ने अफगानिस्तान में एक समावेशी प्रशासन का आह्वान किया, जिसमें महिलाएं और अल्पसंख्यक शामिल हों। उन्होंने अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए समर्थन व्यक्त किया और अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 में निहित संदेश के लिए जी20 के नए समर्थन का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से एक एकीकृत अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया बनाने का आह्वान किया जिसके बिना अफगानिस्तान की स्थिति में वांछित परिवर्तन लाना मुश्किल होगा। प्रतिभागियों ने मानवीय सहायता, अर्थव्यवस्था के पतन, शिक्षा तक पहुंच, सुरक्षा मुद्दों और अफगानिस्तान में अवैध तस्करी जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।

: सितंबर 2021 में अफगानिस्तान पर आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक में विदेश मंत्री

जी 20 विदेश मंत्रियों की बैठक

जी 20 विदेश मंत्रियों की बैठक 22 सितंबर 2021 को बुलाई गई थी। विदेश मंत्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में विचारों का आदान-प्रदान हुआ कि अफगान संकट के संबंध में चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में समूह क्या उपयोगी योगदान दे सकता है। प्रतिभागियों ने संयुक्त राष्ट्र की अपरिहार्य भूमिका और देश में इसकी एजेंसियों की निरंतर उपस्थिति के महत्व पर सहमति व्यक्त की, अफगान लोगों की सहायता में इसके प्रयासों के लिए पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने विशेष रूप से आगामी सर्दियों के मौसम, आतंकवाद की रोकथाम और महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों को कायम रखने के आलोक में मानवीय सहायता और बुनियादी सेवाओं तक मुफ्त, सुरक्षित और निर्बाध पहुंच की गारंटी पर ध्यान केंद्रित किया।

जी 20 विदेश और विकास मंत्रियों की संयुक्त बैठक

पहली बार, जी20 ने 29 जून 2021 को जी20 विदेश और विकास मंत्रियों की संयुक्त बैठक के साथ-साथ मटेरा , इटली में जी20 विकास मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की। इन बैठकों में विदेश मंत्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। जी20 विदेश और विकास मंत्रियों की बैठक खाद्य सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्रित थी। मंत्रियों ने ' मटेरा घोषणापत्र ' को अपनाया जिसमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं पर ध्यान देने के साथ विकासशील देशों द्वारा निर्धारित जरूरतों और प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए सहयोग और समन्वय के लिए एक खाद्य गठबंधन बनाने के लिए समूह को बुलाया गया। विकास मंत्रियों की विज्ञप्ति ने समूह से सतत विकास के लिए वित्तपोषण और एसडीजी प्राप्त करने पर अपना ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

जी7

यूके ने 2021 के जी7 प्रेसीडेंसी के साथ, 2021 में जी7 प्रक्रिया में शामिल होने के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका को 'अतिथि देशों' के रूप में आमंत्रित किया। यह 'बेहतर कार्य का निर्माण करने' के समग्र विषय के तहत आयोजित किया गया था और इसने मुक्त और निष्पक्ष व्यापार का समर्थन करके भविष्य की समृद्धि को बढ़ावा देकर ; जलवायु परिवर्तन से निपटना और उपग्रह की जैव विविधता को संरक्षित करके , और

साझा मूल्यों का समर्थन करके , भविष्य की महामारियों के खिलाफ लचीलेपन को मजबूत करते हुए कोविड से वैश्विक सुधार पर ध्यान केंद्रित किया।

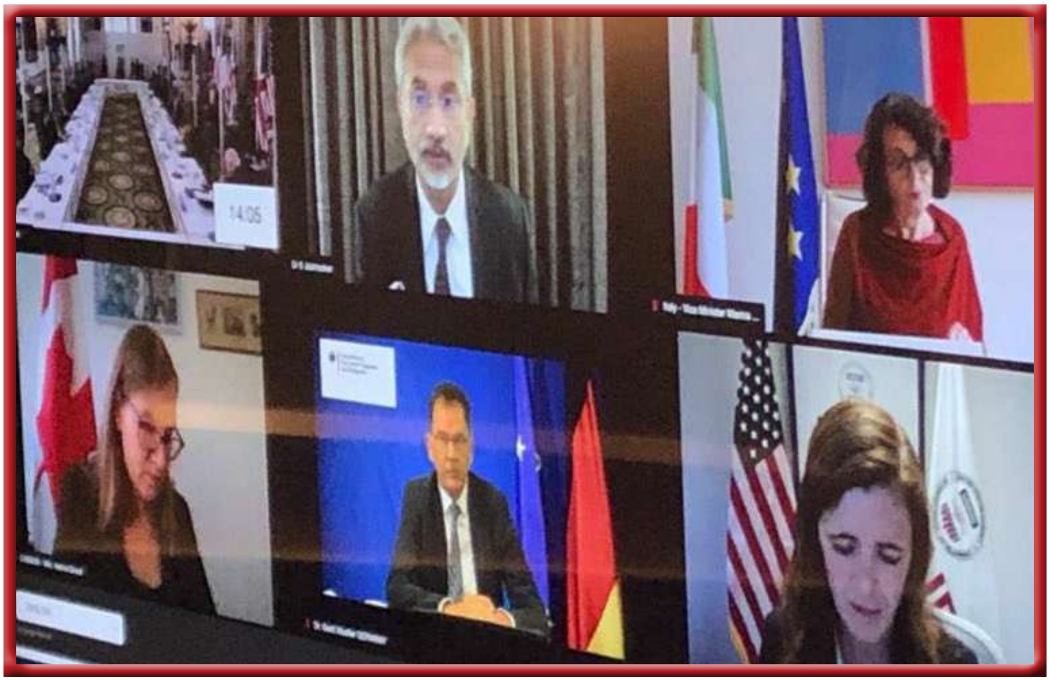

मई 2021 में जी7 विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक में विदेश मंत्री

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल फॉर्मेट में 12-13 जून 2021 को आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के अतिथि सत्रों में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने वास्तविक वैश्विक एकजुटता और नेतृत्व की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की बात की । उन्होंने विकासशील देशों को विकसित होने के लिए आवश्यक स्थान प्रदान करने के लिए शमन, अनुकूलन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, वित्तपोषण और इक्विटी, जलवायु न्याय और जीवन शैली में परिवर्तन के सभी आयामों को शामिल करने के लिए जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री 'खुले समाज और खुली अर्थव्यवस्था' संबंधी सत्र के प्रमुख अध्यक्ष थे और उन्होंने भारत की लोकतांत्रिक साख पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि भारत विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में उभर सकता है। शिखर सम्मेलन के दौरान जी7 और अतिथि देशों के नेताओं ने 'ओपन सोसाइटीज स्टेटमेंट' को अपनाया। यूके ने 'रोड टू सीओपी26' पर एक प्रेसीडेंसी वक्तव्य भी जारी किया जिसमें जलवायु कार्रवाई पर जी7 और भारत सहित अतिथि देशों की उपलब्धियों और योगदान का उल्लेख किया गया है।

भारत ने स्वास्थ्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मुद्दों पर कार्य समूह की बैठकों में भी भाग लिया। विदेश मंत्री ने जी 7 विदेश और विकास मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

[तस्वीर: जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री, मई **2021**]

भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका संवाद मंच (आईबीएसए)

आईबीएसए कार्यक्रम

भारत वर्तमान आईबीएसए अध्यक्ष है और इस वर्ष आईबीएसए तंत्र के पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित किया है। 2021 में कई आईबीएसए कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। मंत्री स्तर के कार्यक्रमों में 6 वां आईबीएसए महिला मंच (16 मार्च 2021) शामिल थे; आईबीएसए पर्यटन मंत्रियों की बैठक (12 अगस्त 2021); पहली आईबीएसए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक (25 अगस्त 2021); और पहला आईबीएसए युवा शिखर सम्मेलन (26-28 अगस्त 2021) शामिल है। आधिकारिक स्तर के कार्यक्रमों में आईबीएसए पर्यटन वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (10 अगस्त 2021); पारंपरिक दवाओं पर आईबीएसए के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (17 अगस्त 2021); मानकों, तकनीकी विनियमों और अनुरूपता आकलन के राष्ट्रीय संगठनों की 5वीं आईबीएसए त्रिपक्षीय बैठक (25-26 अगस्त 2021); ऊर्जा पर आईबीएसए संयुक्त कार्य समूह (27 अगस्त 2021); अंतर्राष्ट्रीय/त्रिपक्षीय विकास भागीदारी पर आईबीएसए कार्य समूह की बैठक (31 अगस्त 2021); कृषि पर आईबीएसए संयुक्त कार्य समूह की 7वीं बैठक (31 अगस्त 2021); और लघु और मध्यम उद्यमों पर आईबीएसए त्रि-राष्ट्र सम्मेलन (02-04 सितंबर 2021)। लोगों से लोगों के स्तर के कार्यक्रमों में आईबीएसए कॉफी महोत्सव का उद्घाटन (04-05 अगस्त 2021); 7वां आईबीएसए अकादमिक

फोरम (11-12 अगस्त 2021); और आईबीएसए युवा शिखर सम्मेलन (26-28 अगस्त 2021) शामिल है;

आईबीएसए फंड

आईबीएसए फंड-समर्थित परियोजनाएं विकासशील देशों में भागीदार देशों को उनकी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं। अपनी स्थापना के बाद से, आईबीएसए फंड ने 44 मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का वितरण किया है, 31 देशों में 35 विकास परियोजनाओं का समर्थन किया है। भारत अपनी स्थापना के समय से ही आईबीएसए फंड में नियमित योगदानकर्ता रहा है।

एशिया सहयोग वार्ता (एसीडी)

एसीडी विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक 17 नवंबर 2021 को हुई थी। एसीडी की अध्यक्षता तुर्की गणराज्य से बहरीन साम्राज्य में स्थानांतरित कर दी गई थी। एसीडी ब्लूप्रिंट 2021-30 को अपनाया गया था।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओइसीडी)

भारत ने ओईसीडी के साथ 'सीमित क्षेत्र-वार जुड़ाव' की अपनी घोषित नीति के तहत काम करना जारी रखा।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड)

भारत ने अंकटाड की विभिन्न बैठकों में अपनी भागीदारी जारी रखी। अंकटाड का XV सत्र 03-07 अक्टूबर 2021 को आभासी प्रारूप में हुआ।

विश्व व्यापार संगठन

विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक डॉ. नगोजी ओकोंजो-इवेला ने 20 से 23 अक्टूबर 2021 तक भारत का दौरा किया। डीजी डब्ल्यूटीओ ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और विदेश मंत्री और अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक की।

15

विकास सहयोग

डीपीए I

भारत की विकास सहायता के दायरे और पहुंच में पिछले कुछ वर्षों में काफी विस्तार हुआ है। भारत के स्थायी भू-राजनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक हितों और भारत के सहायता कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से वितरित करने की आवश्यकता से विकासशील देशों के साथ विशेष रूप से विकास सहायता के क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया है। इसकी पहचान के लिए विकास भागीदारी प्रशासन (डीपीए) जनवरी 2012 में बनाया गया था ताकि भारत की सहायता परियोजना की संकल्पना, शुभारम्भ, अमल और समापन के चरणों द्वारा इन परियोजनाओं का प्रभावी ढंग से रख-रखाव किया जा सके। डीपीए, विदेश मंत्रालय में प्रादेशिक प्रभागों के साथ निकट समन्वय में कार्य करता है, जो उनकी विकासात्मक आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं की पहचान करने में भागीदार देशों के साथ प्रमुख वार्ताकार रहे हैं। डीपीए परियोजना निर्माण, मूल्य निर्धारण, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के चरणों के माध्यम से विभिन्न सेक्टरों और क्षेत्रों में परियोजनाओं को संभालने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता विकसित कर रहा है।

भारत की विकास साझेदारी, भागीदार देशों की जरूरतों पर आधारित है एवं इन देशों से तकनीकी और वित्तीय रूप से व्यवहार्य अनुरोध प्राप्त होने पर इनकी मदद करने के लिए तैयार है। भारत की विकास सहायता के मुख्य क्षेत्रों में ऋण सहायता, अनुदान सहायता, उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं (एचआईसीडीपी), तकनीकी परामर्श, आपदा राहत और मानवीय सहायता, साथ ही भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी) के तहत नागरिक और सैन्य प्रशिक्षण के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शामिल हैं। विकास सहायता का फोकस भारत के पड़ोसी देशों, सीआईएस और अफ्रीका के देशों पर रहा है, हालांकि भारत दक्षिण पूर्व एशिया, कैरेबियाई, लैटिन अमेरिका, प्रशांत द्वीपीय देशों आदि तक भी अपनी विकास सहायता प्रदान कर रहा है।

ऋण सहायता (एलओसी)

एलओसी अनिवार्य रूप से रियायती ऋण हैं। भारत सरकार एलओसी द्विपक्षीय आधार पर विदेशों को प्रदान की जाती है। यह कार्य भारतीय एक्ज़िम बैंक के माध्यम से वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग और विदेश मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संपन्न किया जाता है।

एलओसी का उद्देश्य

एलओसी के माध्यम से भारत परियोजना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों जैसे परियोजना निर्माण, तकनीकी अध्ययन और उपयुक्त परियोजना प्रबंधन सलाहकारों और निष्पादन कंपनियों की पहचान करने में भागीदार देशों की मदद कर सकता है। एलओसी के तहत भागीदार देशों को कम ब्याज दरों, 5 साल की लंबी स्थगन अवधि और 20-25 साल की विस्तारित पुनर्भुगतान अवधि का लाभ मिलता है। भागीदार देशों के पास अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर क्षेत्रों की पहचान करने और परियोजनाओं को चुनने की छुट है। इसके अलावा, चूंकि एलओसी के तहत किसी भी विकास परियोजना का पर्याप्त हिस्सा स्थानीय उप-ठेकेदारों के साथ स्थानीय सामग्री का उपयोग करके किया जाता है, इससे स्थानीय उद्योग और भागीदार देशों में अर्थव्यवस्था को मदद मिलती है।

एलओसी के क्षेत्र को भौगोलिक और क्षेत्रीय रूप से विविध बनाया गया है। भौगोलिक रूप से एलओसी को अब रूस और मध्य एशियाई देशों तक बढ़ाया गया है। क्षेत्रीय रूप से, कनेक्टिविटी, आईसीटी, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल रिफाइनरी, जल और स्वच्छता आदि जैसे नए क्षेत्रों में परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एलओसी का विस्तार किया गया है।

पड़ोस में एलओसी

एलओसी का फोकस भारत सरकार की पड़ोस प्रथम नीति के आधार पर उधार लेने वाले देशों में, विशेष रूप से हमारे पड़ोस में किए गए विकास पहलों पर रहा है।

1. बांग्लादेश : भारत के एलओसी कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश सबसे बड़ा विकास भागीदार है। भारत ने बांग्लादेश सरकार को 7.862 बिलियन अमेरिकी डॉलर की 4 एलओसी प्रदान की है, जो भारत द्वारा दुनिया भर के 65 देशों को प्रदान की गई 31.17 बिलियन अमेरिकी डॉलर के एलओसी पोर्टफोलियो का 25% से अधिक है।

2. श्रीलंका: भारत सरकार ने श्रीलंका को 2.13 बिलियन अमेरिकी डालर मूल्य के 11 एलओसी प्रदान किए हैं, जिससे यह भारत सरकार के एलओसी कार्यक्रम के तहत दूसरा सबसे बड़ा विकास भागीदार बन गया है ।

3. नेपाल: नेपाल को सड़क, बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन लाइन, पुनर्वास, पुनर्निर्माण और आवास आदि जैसी विभिन्न बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए कुल मिलाकर 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर की 4 एलओसी दी गई हैं ।

4. म्यांमार: भारत सरकार ने रेल, बिजली, दूरसंचार, तेल रिफाइनरी, सिंचाई और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 475.57 मिलियन अमेरिकी डालर मूल्य की 10 एलओसी प्रदान की हैं।

5. मालदीव: भारत सरकार ने मालदीव को 1.33 बिलियन अमेरिकी डालर मूल्य की 5 एलओसी दी हैं जिसमें ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट भी शामिल है।

सीआईएस में एलओसी

28 अक्टूबर 2020 को आयोजित भारत-मध्य एशिया वार्ता की दूसरी बैठक के दौरान विदेश मंत्री ने 5 मध्य एशियाई देशों अर्थात कजाखस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के लिए कनेक्टिविटी, ऊर्जा, आईटी,स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में प्राथमिकता विकास परियोजनाओं की घोषणा की।

भारत सरकार ने उज्बेकिस्तान सरकार को 488 मिलियन अमेरिकी डालर की दो एलओसी प्रदान की हैं, जिसमें सामाजिक बुनियादी ढांचा और अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं।

अफ्रीका में विकास परियोजनाएं

भारत की अफ्रीका के साथ साझेदारी सहयोग और विकास अनुभवों को साझा करने के परामर्शी मॉडल पर आधारित है और अफ्रीकी देशों की प्राथमिकताओं और जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। पिछले दशक में विभिन्न विकास साझेदारी पहलों के माध्यम से अफ्रीकी देशों के साथ संपर्क प्रगाढ़ करने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2008, 2011 और 2015 में तीन भारत-अफ्रीकी फोरम शिखर सम्मेलन [आईएएफएस I, II और III] द्वारा इस महाद्वीप के साथ विकास साझेदारी और मजबूत हुई है।

भारत सरकार द्वारा अफ्रीकी देशों को बिजली संयंत्रों, जलविद्युत, विद्युत पारेषण और वितरण नेटवर्क, बांधों, सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, कृषि और सिंचाई, औद्योगिक इकाइयों, कौशल विकास, नागरिक निर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 12.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि की 206 एलओसी प्रदान की गई हैं । इस वर्ष भारत सरकार द्वारा अफ्रीका में दी जा रही एलओसी

के तहत दूरसंचार और सौर ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहायता प्रदान करके इसे मजबूत बनाया गया है। अफ्रीका में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कुछ बड़ी प्रतिष्ठित परियोजनाओं में संसद भवन, कन्वेंशन सेंटर आदि का निर्माण शामिल है। पेयजल और स्वच्छता और ग्रामीण विद्युतीकरण के क्षेत्र में जनोन्मुखी परियोजनाएं भी अफ्रीकी देशों में चलाई जा रही हैं।

पड़ोसी देशों में अनुदान सहायता के तहत चलाई जा रही विकास परियोजनाएं

पड़ोसी देशों में भारत सरकार की अनुदान सहायता से शुरू की जा रही विकास परियोजनाओं में निर्माण, सड़क और पुलों का निर्माण, जलमार्गों और पारेषण लाइनों के साथ-साथ बिजली उत्पादन, कृषि, क्षमता निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास सहित बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

श्रीलंका आवास परियोजना

श्रीलंका के साथ भारत की विकास साझेदारी एक परामर्शी दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें श्रीलंका सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा गया है। श्रीलंका में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास के लिए 50,000 घरों के निर्माण से जुड़ी चल रही आवास परियोजना अच्छी तरह से प्रगति कर रही है।

उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए स्वामित्व आधारित प्रक्रिया के तहत 46,000 घरों का निर्माण और मरम्मत पूरी हो चुकी है।

बागान क्षेत्र में कार्यरत भारतीय मूल के तमिलों (आईओटी) के लिए मध्य और उवा प्रांतों में शेष 4,000 घरों का निर्माण भी पूरा होने के करीब है। 30 नवंबर 2021 तक, 4000 में से 3833 घरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष 104 घर निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

मई 2017 में श्रीलंका की अपनी यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री द्वारा श्रीलंका के मध्य और उवा प्रांतों में भारतीय मूल के तमिलों के लिए अतिरिक्त 10,000 घरों के निर्माण की घोषणा की गई थी। इस परियोजना को लागू करने के लिए समुदाय संचालित मॉडल के माध्यम से भारत सरकार और श्रीलंका सरकार के बीच आदान-प्रदान पत्र पर 12 अगस्त 2018 को हस्ताक्षर किए गए । श्रीलंका सरकार द्वारा इनसे संबंधित साइट स्थानों और लाभार्थियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

एलओसी परियोजनाएं शीघ्र पूरी होने की संभावना है

निम्नलिखित एलओसी परियोजनाएं निष्पादन के अपने अंतिम चरण में हैं और इनके जल्द ही पूरा होने की संभावना है:

i. घाना (द्वितीय चरण) में अशंटी और ब्रोंग अहाफो क्षेत्रों में 183 ग्रामीण समुदायों का विद्युतीकरण ;
ii. नेपाल में(220 केवी डबल सर्किट कोशी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन (इनारुवा - बसंतपुर - बनेश्वर - टुमलिंगटार) परियोजना ;
iii. माली में बमाको और सिकासो को बौगौनी के माध्यम से जोड़ने वाली विद्युत पारेषण परियोजना ;
iv. श्रीलंका रेलवे के लिए रोलिंग स्टॉक की खरीद ;
v. नेपाल में सड़कों का उन्नयन अर्थात- चरीकोट-तमाकोशी-जिरी सेक्टर लामोसंघु-तमाकोशी- जिरी रोड ;
vi. गाम्बिया में ग्रेटर बंजुल क्षेत्र के लिए विद्युतीकरण विस्तार परियोजना ;
vii. मॉरीशस में मार्क ताबाइक और डागोटियर स्थलों पर 756 सामाजिक आवास इकाइयों का निर्माण;
viii. मॉरीशस में बाढ़ पंपों की आपूर्ति, उनका परीक्षण और चालू करना और
ix. मॉरीशस में 16 एलपीजी से चलने वाले मानव भस्मक की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

जी20 ऋण सेवा निलंबन पहल (डीएसएसआई) - पृष्ठभूमि

भारत सरकार ने विभिन्न विकासात्मक परियोजनाएं शुरू करने के लिए एलओसी रियायती ऋण शर्तों पर कई निम्न और निम्न मध्यम आय (एल एंड एमआई) देशों में द्विपक्षीय आधार पर प्रदान किया है। इनमें से कई देश अत्यधिक कर्ज में हैं और गरीब हैं और विश्व बैंक की अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए) की पहल के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र की सूची में सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) की सूची में शामिल हैं।

इन सबसे गरीब देशों पर कोविड महामारी के अप्रत्याशित प्रभाव के कारण जी 20 के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक के गवर्नरों ने 15 अप्रैल 2020 को आयोजित एक बैठक में, सबसे गरीब देशों के लिए आधिकारिक द्विपक्षीय लेनदारों द्वारा ऋण सेवा भुगतान के निलंबन के मुद्दे पर सहमति व्यक्त की। इस जी20 ऋण सेवा निलंबन पहल (जी20डीएसएसआई) के अनुसार जी20 डीएसएसआई के मानक टेम्पलेट के अनुसार भारत सरकार द्वारा समर्थित एलओसी उधारकर्ता सरकारों को ऋण निलंबन राहत उपलब्ध कराई जानी है। तदनुसार भारत सरकार ने 17 देशों के ऋण सेवा निलंबन के अनुरोध को मंजूरी दे दी है जिसमें कैमरून, जिबूती, इथियोपिया, लेसोथो, मलावी, मोजाम्बिक, म्यांमार, कांगो गणराज्य, सेनेगल, तंजानिया, जाम्बिया, मालदीव, टोगो, कोमोरोस, सिएरा लियोन, बुर्किना फासो और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो शामिल हैं।

विदेश में ऋण सहायता को बढ़ावा

भारत सरकार सोशल मीडिया, मासिक न्यूजलेटर आदि के माध्यम से एलओसी द्वारा विकास साझेदारी की पहल को मजबूती से बढ़ावा दे रही है। नई डिजिटल आउटरीच पहल के तहत, एलओसी के संबंध में नियमित अपडेट के लिए मंत्रालय की वेबसाइट पर एक डैशबोर्ड भी विकसित किया गया है। हमारे मिशन विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण अवसरों और महत्वपूर्ण कार्यों जैसे एलओसी करार पर हस्ताक्षर, शिलान्यास और उद्घाटन समारोह आदि को भी बढ़ावा दे रहे हैं ।

डीपीए II

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के माध्यम से क्षमता निर्माण

भारत सरकार के प्रमुख क्षमता निर्माण कार्यक्रम के रूप में, आईटीईसी कार्यक्रम 160 देशों में मौजूद है और इसने 1964 में अपनी स्थापना के बाद से 2,00,000 से अधिक पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने में योगदान दिया है। भारत की सॉफ्ट पावर नीति का एक शक्तिशाली उपकरण होने के अलावा आईटीईसी कार्यक्रम ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग में क्षमता निर्माण की पहल में अगुवाई की है।

सुशासन के पारंपरिक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के अलावा, एआई, नैनो प्रौद्योगिकी, फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को शामिल करने के लिए आईटीईसी का विस्तार किया गया है। अब आईटीईसी एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग करके भागीदार पेशेवरों को कार्यक्रमों और पंजीकरणों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) और सार्वजनिक क्षेत्र में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)के साथ-साथ प्रतिष्ठित निजी संस्थान माध्यम से अपनी प्रशिक्षण सामग्री प्रदान करता है। मंत्रालय आईटीईसी दिवस समारोहों और सोशल मीडिया कार्यक्रमों जैसी पहलों के माध्यम से आईटीईसी के तहत प्रशिक्षित पेशेवरों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। यह बहुत संतोष की बात है कि पिछले कुछ वर्षों में आईटीईसी के पूर्व छात्र भारत के साथ मजबूत संबंध बनाने में एक शक्तिशाली माध्यम बन गए हैं।

आईटीईसी के तहत सिविलियन प्रशिक्षण

आज तक, विभिन्न आईटीईसी कार्यक्रमों के तहत विकासशील भागीदार देशों में सिविलियन पेशेवरों के लिए भारत के 98 संस्थानों में 383 पाठ्यक्रमों में लगभग 12000 प्रशिक्षण स्लॉट के माध्यम से आईटीईसी सामग्री प्रदान की गई है। इन नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, विदेशी सरकारों से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर समय-समय पर देश विशिष्ट विशेष पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम विशिष्ट क्षमता निर्माण आवश्यकताओं जैसे अंग्रेजी भाषा (विभिन्न खाड़ी, मध्य एशियाई और एलएससी देशों के लिए), योग प्रशिक्षकों, फोरेंसिक जांच और पुलिस प्रशिक्षण (सेशेल्स के लिए), शिक्षकों के लिए प्रवीणता-सह-व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम (बांग्लादेश), एथलेटिक्स (मालदीव), सिविल सेवकों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (बांग्लादेश और म्यांमार), आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन (कंबोडिया) आदि के लिए संचालित किए जाते हैं ।

भौतिक/भारत में प्रशिक्षण के अलावा, नागरिकों के लिए आईटीईसी सामग्री तीन अन्य व्यापक चैनलों के माध्यम से भी प्रदान की जाती है। ई-आईटीईसी चैनल भारतीय संस्थानों द्वारा भागीदार देशों में स्थित पेशेवरों को ऑनलाइन, रीयल-टाइम प्रशिक्षण प्रदान करता है। आईटीईसी ऑनसाइट चैनल कम अवधि के लिए प्रशिक्षण पेशेवरों को संबंधित देश में नियुक्त करके प्रशिक्षण को उस देश में स्थानांतरित करके हमारे भागीदार देशों को अनुकूलित सामग्री प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों के लिए विषय वस्तुक्षेत्र-विशिष्ट प्रशिक्षण में हमारे भागीदार देशों की आवश्यकताओं पर केंद्रित है जैसे उर्वरक प्रौद्योगिकी ; मत्स्य प्रौद्योगिकी; कृषि और संबद्ध क्षेत्र; शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान; ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज; प्रतिभूति बाजार; पवन ऊर्जा; ग्रामीण विद्युतीकरण; दक्षिण-दक्षिण सहयोग आदि। आईटीईसी कार्यकारी तीसरा चैनल है, जो हमारे सहयोगी देशों में वरिष्ठ स्तर के पदाधिकारियों और नीति निर्माताओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम है; यह चैनल सम्मेलनों, कार्यशालाओं और अध्ययन/एक्सपोजर यात्राओं के माध्यम से विषय वस्तु प्रदान करता है जो भारत में परिपाटियों और प्रणालियों की समझ देता है।

वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में (अभी तक) कोई भी निर्धारित नियमित वास्तविक / इन इंडिया पाठ्यक्रम, आईटीईसी ऑनसाइट कार्यक्रम या आईटीईसी-कार्यकारी कार्यक्रम कोविड के कारण आयोजित नहीं किया जा सका। हालांकि प्रभाग ने ई-आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक नियमित कैलेंडर तैयार किया है। वर्ष 2021-22 के दौरान 83 पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं और अक्टूबर 2021 तक कुल 3114 प्रतिभागियों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कुल 120 पाठ्यक्रमों की योजना बनाई गई है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 23 विशेष ई-आईटीईसी पाठ्यक्रम संचालित किए गए और 04 प्रक्रिया में हैं।

आईटीईसी के तहत रक्षा प्रशिक्षण

2021-22 के दौरान 70 भागीदार देशों को 2740 आईटीईसी रक्षा स्लॉट आवंटित किए गए थे। सेना, नौसेना और वायु सेना के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रम सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन, रक्षा प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, समुद्री इंजीनियरिंग, लॉन्ग सी, लॉन्ग एन, मरीन हाइड्रोग्राफी, काउंटर इंसर्जेंसी, जंगल युद्ध, योग्य उड़ान प्रशिक्षक, ग्राउंड ड्यूटी, उड़ान प्रशिक्षण आदि से संबंधित थे। रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वरिष्ठ रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एसडीएमसी), उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी), रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (डीएमसी) और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में भी कुछ पाठ्यक्रम पेश किए गए थे। इसके अतिरिक्त, भारतीय तटरक्षक द्वारा 03 पाठ्यक्रमों अर्थात समुद्री कानून और ऑपरेशन पाठ्यक्रम; समुद्री रेस्क्यू समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) ऑपरेशन और खोज एवं रेस्क्यू (एसएआर) पाठ्यक्रम; अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) स्तर I और II पाठ्यक्रम में 31 भागीदार देशों को 192 स्लॉट की पेशकश की गई थी। टी वाई 2020-21 में 21 भागीदार देशों को 34 नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) स्लॉट आवंटित किए गए हैं। यह कोर्स फरवरी 2021 में नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली में शुरू हुआ था।

टी वाई 2020-21 में कोविड महामारी के कारण, भागीदार देशों को कम (कुल 1460) आईटीईसी रक्षा स्लॉट आवंटित किए गए थे, जिनमें से 635 स्लॉट का ही उपयोग किया गया। टी वाई जुलाई-अगस्त से जून तक है। टी

वाई 2020-21 के दौरान कोविड प्रतिबंधों के बावजूद इनमें अच्छी भागीदारी रही।

आईटीईसी विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति

साझेदार देशों की आवश्यकताओं के आधार पर वहां विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति करने से विकासशील देशों के साथ भारतीय विशेषज्ञता साझा करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब तक, रक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वास्तुशिल्प, आपदा प्रतिक्रिया, पुरातत्व, आयुर्वेद, कानून निर्माण और अंग्रेजी शिक्षण आदि विभिन्न क्षेत्रों में 41 विशेषज्ञ मेजबान सरकारों में प्रतिनियुक्ति पर हैं। कुछ प्रशिक्षण टीमों को भी कजाखस्तान, तंजानिया, उज्बेकिस्तान, युगांडा और सेशेल्स में प्रतिनियुक्त किया गया है।

अन्य विकासशील देशों में अनुदान परियोजनाएं

दक्षिण-दक्षिण सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के रूप में भारत स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आर्थिक सहयोग और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से अनुदान सहायता परियोजनाओं को शुरू करके विकासात्मक सहायता प्रदान कर रहा है। दुनिया भर के भागीदार देशों में आईटी उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईटी) कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं जैसे कि अर्जेंटीना, नामीबिया, मिस्र, पीआईसी आदि। बेलीज और जंज़ीबार में व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी) भी इस अवधि के दौरान कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

'इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी'पहल के तहत, यह प्रभाग भागीदार देशों में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) के साथ निकट समन्वय में जयपुर फुट कैंप का आयोजन करता है, जो अतीत में बहुत सफल रहे है और कई कैंप प्रक्रिया में हैं

डीपीए III

भारत की विकास साझेदारी

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से प्रेरित, भारत के अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग का हाल के वर्षों में अपनी भौगोलिक पहुंच के साथ-साथ सहयोग के क्षेत्रों में भी काफी विस्तार हुआ है। यह स्वाभाविक है कि भारत की अधिकांश महत्वपूर्ण विकास साझेदारियों में पड़ोसी देश शामिल हैं, जो 'पड़ोस प्रथम'और 'एक्ट ईस्ट'नीतियों द्वारा समर्थित अपने तत्काल और विस्तारित पड़ोस पर भारत के बाहरी संपर्क पर केंद्रित हैं। भारत की विकास साझेदारी की एक अन्य उल्लेखनीय विशेषता इसकी मांग-आधारित प्रकृति और भागीदार देशों के साथ प्राथमिकताओं का घनिष्ठ जुड़ाव रहा है।

जैसा कि मंत्रालय की डीपीए शाखा ने पिछले नौ वर्षों में अनुभव प्राप्त किया है, परियोजनाओं तैयार करने और कार्यान्वयन के अलावा इनकी स्थिरता पर अधिक ध्यान दिया गया है। परियोजनाओं के केंद्र में भागीदार देश की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के कारण भारत के विकास साझेदारी मॉडल को अपने भागीदारों से उच्च स्तर की स्वीकृति मिली है।

विकासात्मक भागीदारी के प्रति भारत का दृष्टिकोण व्यापक रहा है, जिसमें बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और सामुदायिक विकास तक की क्षमताओं के निर्माण से लेकर विभिन्न क्रियाकलापों में भारत के अपने विकासात्मक अनुभव को साझा करने की पेशकश की गई है।

भागीदार देशों में भारत की विकास सहायता बहुत आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक रही है जैसे रेल लिंक, सड़क और पुल, जलमार्ग, सीमा से संबंधित बुनियादी ढांचे, पारेषण लाइन, बिजली उत्पादन, जल विद्युत आदि का निर्माण।

अफ़ग़ानिस्तान

भारत गंभीर सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण और विकास के प्रयासों में निरंतर भागीदार रहा है। अफगानिस्तान के लिए भारत की विकास सहायता का मुख्य केंद्र अफगान नागरिकों की क्षमता और सार्वजनिक सेवा के वितरण और सामाजिक-आर्थिक अवसंरचना को विकसित करने, सुरक्षित जीवन जीने और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए अपनी संस्थाओं का निर्माण करना रहा है।

अफगानिस्तान की कुछ प्रमुख भारतीय परियोजनाएँ काबुल (2015) में नए 'पार्लियामेंट भवन और अफ़ग़ान भारत मैत्री बांध हैं, जिसे पहले सलमा बाँध (2016) के नाम से जाना जाता था, जो एक संयुक्त, लोकतांत्रिक और समृद्ध अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। दोनों देशों ने अफगानिस्तान को भारत की विकास सहायता को और बढ़ाने के लिए सितंबर 2017 में 'न्यू डेवलपमेंट पार्टनरशिप'शुरू की है। भारत ने शतूत बांध परियोजना शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है, जो काबुल के निवासियों को मौजूदा सिंचाई और जल निकासी नेटवर्क के पुनर्वास के लिए पीने का पानी प्रदान करेगी और परियोजना के लिए आवश्यक परीक्षण और सर्वेक्षण किए जा रहे हैं।

मांडले में भारत द्वारा सहायता प्राप्त 'म्यांमार सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान' परियोजना

अफगानिस्तान सरकार द्वारा शुरू की गई आवासीय परियोजना के सहयोग में, भारत जलालाबाद के निकट खानकाय-कासमाबाद में अफगान शरणार्थियों की वापसी के लिए एक कम लागत वाली आवास परियोजना, अफगान आवास परियोजना शुरू कर रहा है। इस परियोजना के तहत 27.364 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत से 4765 घर बनाए जा रहे हैं।

भारत अनुदान सहायता द्वारा अफगानिस्तान के सभी 34 प्रांतों में उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के लिए सहयोग प्रदान कर रहा है। 2005 से, भारतीय अनुदानों द्वारा कृषि, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए समुदाय-आधारित परियोजनाओं के 3-4 चरणों को अफगान सरकारी एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित किया गया है और इस प्रकार परियोजना प्रबंधन के लिए स्थानीय क्षमता का निर्माण किया गया है। 2005-2009 के दौरान कार्यान्वित चरण I और II के तहत 116 परियोजनाओं के लिए 20 मिलियन अमेरिकी डालर प्रदान किए गए थे। 2012 में शुरू किए गए चरण III के अंतर्गत, 420 परियोजनाओं के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डालर की वित्तीय सहायता प्रदान की गई हैं, जिनमें से 336-350 पूरी हो चुकी हैं। नवम्बर 2020 में जिनेवा में आयोजित अफगानिस्तान सम्मेलन 2020 में विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान में लगभग 100 नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता से एचआईसीडीपी के चरण IV के शुभारंभ की घोषणा की।

शिक्षा और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए सहायता अफगानिस्तान के साथ भारत की विकास साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा संचालित अफगान नागरिकों की विशेष छात्रवृत्ति योजना (एसएसएसएएन) के अंतर्गत, भारत भर में विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अध्ययन के लिए अफगान छात्रों को 1000 वार्षिक छात्रवृत्ति स्लॉट प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2006 से, 10,000 से अधिक अफगान छात्रों को इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों के शहीदों के बच्चों / आश्रितों और कृषि अध्ययन के लिए 614 फैलोशिप, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माध्यम से प्रशासित 500 छात्रवृत्ति स्लॉट और प्रदान किए जाते हैं। भारत कंधार में अफगानिस्तान राष्ट्रीय कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएनएएसटीयू) की स्थापना के लिए भी सहयोग कर रहा है जो अफगानिस्तान में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है।

हालांकि, वर्तमान राजनीतिक स्थिति के कारण भारतीय विश्वविद्यालय में नामांकित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के सहयोग को छोड़कर वर्तमान में अफगानिस्तान में सहायता अनुदान परियोजनओं पर रोक है। भारत सरकार ने भी कोविड की चुनौती के बावजूद मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान को 75000 मीट्रिक टन गेहूं की आपूर्ति की है।

भारत ने कोविड की चुनौतियों के बावजूद अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान अफगानिस्तान सरकार को अनुदान सहायता के रूप में 75,000 मीट्रिक टन गेहूं की आपूर्ति की।

म्यांमार

भारत म्यांमार में तीन प्रमुख सड़क संपर्क परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान कर रहा है जिसका उद्देश्य म्यांमार और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच सड़क नेटवर्क का निर्माण करके क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत बनाना है। कलादान मल्टी मोडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (केएमएमटीटीसी) परियोजना के अंतर्गत म्यांमार के सितवे में एक अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह बनाया गया है। सितवे बंदरगाह को पलेटवा से जोड़ने वाली कलादान नदी के भाग को नेविगेशन के लिए तैयार किया गया है और पलेटवा में एक अच्छी तरह से पुनर्निर्मित अंतर्देशीय जल टर्मिनल स्थापित किया गया है। भारत-म्यांमार सीमा पर पलेटवा और ज़ोरिनपुई के बीच भी एक सड़क बनाने के लिए कार्य चल रहा है। भारत ने म्यांमार में भारत-म्यांमार-थाईलैंड (आईएमटी) त्रिपक्षीय राजमार्ग से संबंधित दो परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सहयोग दिया है, अर्थाततमू-

काइगोन-कालवा सड़क खंड (150 किलोमीटर) 69 पुलों और उनके संपर्क मार्गों का पुनर्निर्माण और कालवा-यार्गी सड़क खंड (120 किलोमीटर) का उन्नयन। एक बार पूरा हो जाने के बाद, त्रिपक्षीय राजमार्ग भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को म्यांमार, थाईलैंड और अन्य एशियान देशों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और इससे माल तथा यातायात की आवाजाही की सुविधा मिल सकेगी।

भारत ने म्यांमार में क्षमता निर्माण परियोजनाओं के लिए मांडले में म्यांमार सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईआईटी) और यंगुन में आईटी कौशल में बढ़ोतरी के लिए भारत-म्यांमार केंद्र की स्थापना के साथ नैपीडाव के पास उन्नत कृषि अनुसंधान और शिक्षा केंद्र (एसीएआरई) के लिए भी सहयोग दिया है।

नेपाल

भारत-नेपाल विकासात्मक साझेदारी से रेलवे, सड़क, बिजली पारेषण लाइन, पुलिस प्रशिक्षण और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं सहित परियोजनाओं का विस्तृत प्रसार हुआ है। भारत नागरिकों और माल की आवाजाही को सुकर बनाने के लिए नेपाल में रेल लिंक तैयार कर रहा है। पहले चरण के तहत लगभग 950 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से जयनगर-बर्दीबास रेल लिंक (68.72 किलोमीटर) और जोगबनी-बिराटनगर रेल लिंक (18.60 किलोमीटर) का निर्माण किया जा रहा है।जयनगर से कुरथा रेल खंड (34कि.मी.) जो नेपाल रेललाइन का पहला ब्रॉडगेज है, को ट्रेन संचालन के लिए 22 अक्टूबर 2021 को नेपाल सरकार को सौंपा जा चुका हैI कुरथा-बीजलपुरा खंड पूरा हो चुका है और निकट भविष्य में इसे नेपाल को सौंपे जाने की संभावना हैI कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) द्वारा रक्सौल को काठमांडू से जोड़ने वाली नई विद्युतीकृत रेल लाइन का निर्माण भारत द्वारा किया जा रहा है।

भारत ने माल और यातायात के व्यापार और आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए नेपाल के बीरगंज और बिराटनगर में दो एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) का निर्माण किया है । इन्हें क्रमशः 2018 और 2020 में नेपाल सरकार को सौंप दिया गया था। नेपालगंज और भैरहवा में योजनाबद्ध दो और आईसीपी पर काम शुरू हो गया है।

भारत की विकास परियोजना सहायता के दायरे के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयोजन के लिए हेतौदा में नेवाल-भारत मैत्री पॉलिटेक्निक का निर्माण किया जा रहा है। भारत नेपाल को पानुती में नेपाल पुलिस अकादमी बनाने में भी सहायता कर रहा है।

श्रीलंका

भारत-श्रीलंका विकास साझेदारी के अंतर्गत जाफना में एक अत्याधुनिक सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण किया गया है। सांस्कृतिक केंद्र में एक 2-मंजिला संग्रहालय, 12-मंजिला शिक्षण टॉवर, एक सभागार ब्लॉक, एक पब्लिक स्कवेर और सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए एक फ्लोटिंग मंच शामिल है।

इससे पहले भारत ने 2018 -2019 के दौरान श्रीलंका में कुल 209 एम्बुलेंस के साथ सारे द्वीप के लिए आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा स्थापित करने में श्रीलंका की मदद की थी।

मालदीव

भारत और मालदीव के बीच अनुदान और एलओसी सहायता दोनों में विकास साझेदारी बढ़ी है। 2019 में पूरी होने वाली परियोजनाओं में माले में स्ट्रीटलाइट्स की स्थापना, रुपे कार्ड लॉन्च करना, सीजीएस कामियाब का उपहार और अड्डू एटोल में मछली प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन करना शामिल है।

भारत मालदीव के लिए रक्षा मंत्रालय भवन का निर्माण करने में सहायता कर रहा है। इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी एंड लॉ एनफोर्समेंट स्टडीज का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और परिसर को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। भारत की सहायता से माफ़िलाफ़ुशी द्वीप में निर्मित समग्र प्रशिक्षण केंद्र में अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण के लिए अनुदान प्रदान किया गया है।

मालदीव में भारत द्वारा सहायता प्राप्त 'ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना'

वर्ष 2020 के दौरान, मालदीव भारत की कोविड संबंधित सहायता का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता रहा है। भारत ने ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डालर और 400 मिलियन अमेरिकी डालर के एलओसी के माध्यम से सहयोग की घोषणा की है। जीएमसीपी में माले के साथ विलिंगली, गुल्हिफाल्हू और थिलाफुशी द्वीपों के बीच पुल का निर्माण शामिल है। यह परियोजना देश में शुरू की जाने वाली सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना है और इसकी मालदीव के लिए नई आर्थिक जीवन रेखा बनने की उम्मीद है।

मॉरीशस

भारत बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और क्षमता निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में मॉरीशस को विकास सहायता प्रदान करता रहा है। भारत ने अपने सहायता कार्यक्रम के तहत छह परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मॉरीशस को 2016 में विशेष आर्थिक पैकेज के रूप में 353 मिलियन अमेरिकी डालर का अनुदान दिया है जिसमें मेट्रो एक्सप्रेस (275 मिलियन अमेरिकी डालर), नई सुप्रीम कोर्ट बिल्डिंग (यूएसडी 30 मिलियन अमेरिकी डालर) , शिक्षा-टैबलेट (14 मिलियन अमेरिकी डालर), गरीबों के लिए सामाजिक आवास (20 मिलियन अमेरिकी डालर), नया ईएनटी अस्पताल (14 मिलियन अमेरिकी डालर) और 4 चिकित्सा-क्लीनिक और 2 क्षेत्र स्वास्थ्य केंद्र (एएचसी) शामिल हैं।

भारत-मॉरीशस विकास साझेदारी के तहत पोर्ट लुई में निर्मित मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना का पहला चरण 2020 में परिचालित किया गया, जिसमें पहले वर्ष में ही रिकॉर्ड सवारियों की संख्या के साथ यह बड़ी सफल साबित हुई। 28.12 मिलियन अमेरिकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता से पोर्ट लुई में निर्मित नई सुप्रीम कोर्ट की इमारत का उद्घाटन 30 जुलाई 2020 को भारत और मॉरीशस के प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। भारत द्वारा मॉरीशस में पूरी की गई अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा और क्षमता निर्माण परियोजनाएं हैं एक ईएनटी अस्पताल का निर्माण, पोर्ट लुई में सामाजिक आवास परियोजना और मॉरीशस में प्राथमिक विद्यालयों के लिए शिक्षण सहायता प्रदान करने के लिए ई-टैबलेट परियोजना। भारत ने पोर्ट लुई में एक सिविल सेवा कॉलेज के निर्माण के लिए भी अनुदान सहायता प्रदान की है। मॉरीशस के तट पर अगस्त 2020 में भयानक तेल रिसाव के मद्देनजर, भारत ने तेल रिसाव संबंधी नियंत्रण कार्यों में सहायता के लिए 30 टन तकनीकी उपकरण और सामग्री भेजी। भारत ने भारत सरकार की 10 मिलियन अमेरिकी डालर की अनुदान सहायता के तहत मॉरीशस में जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में रेनल ट्रांसप्लांट यूनिट के निर्माण के लिए सहमति दे दी है। इस परियोजना की घोषणा अक्टूबर 2019 में प्रधान मंत्री द्वारा मेट्रो एक्सप्रेस और ईएनटी अस्पताल परियोजनाओं के पहले चरण के संयुक्त वीडियो उद्घाटन के दौरान की गई थी।

प्रधानमंत्री द्वारा अक्टूबर 2021 के सम्मेलन में मॉरीशस में निर्मित मेट्रो एक्सप्रेस और ईएनटी अस्पतालों का उद्घाटन

तजाकिस्तान

भारत ताजिकिस्तान में पश्चिमी गेट से ग्राम चोरटूट रोड तक आठ लेन के बाईपास के निर्माण के लिए सहायता प्रदान कर रहा है, जिसमें फुटपाथ और एक ऑटोमोबाइल पुल सहित दोनों दिशाओं में चार लेन शामिल हैं। कुल सड़क कार्य में दो चरण शामिल हैं। फेज 1 का निर्माण दिसंबर 2020 से 17.46 अमेरिकी डॉलर की अनुबंध लागत पर शुरू किया गया है और चरण II के लिए विस्तार परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की जा चुकी है।

डीपीए IV

अंतर्राष्ट्रीय विरासत जीर्णोद्धार परियोजनाएं

भारत सरकार ने दुनिया भर में शुरू की गई विरासत जीर्णोद्धार परियोजनाओं को पूरा करने के लिए नोडल बिंदु के रूप में कार्य करने के लिए जनवरी 2020 में मंत्रालय में एक नया प्रभाग- डीपीए IV स्थापित किया है। भारत ने दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में कंबोडिया के ता प्रोहम और प्रीह विहार, वियतनाम में माई सन और लाओ पीडीआर में वाट फू में प्राचीन सांस्कृतिक विरासत स्मारकों और मंदिरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता और अनुभव को पहुंचाया। श्रीलंका, म्यांमार, भूटान, नेपाल और दुनिया के अन्य हिस्सों में इसी तरह के जीर्णोद्धार/संरक्षण परियोजनाएं पहले से ही शुरू की जा रही हैं। मध्य एशिया में स्थित बौद्ध स्थलों की खुदाई, जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए नई परियोजनाओं पर विचार चल रहा है। डीपीए-IV प्रभाग को पांडुलिपियों और धर्मग्रंथ, संग्रहालय विज्ञान आदि के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अधिदेश दिया गया है। भागीदार देशों में विरासत के डिजिटल प्रलेखन के आधार पर परियोजनाओं को शुरू करने के प्रयास किए गए हैं।

16

आर्थिक राजनय

आर्थिक राजनय प्रभाग (ईडी), विदेश मंत्रालय की एक आर्थिक शाखा है। यह प्रभाग विदेशी निवेश प्रवाह में सुविधा प्रदान करता है और विदेश में स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों, विदेश मंत्रालय के प्रादेशिक प्रभागों, भारत सरकार के मंत्रालयों/ विभागों, राज्य सरकारों और भारत में विदेश मिशनों/केंद्रों के समन्वय में द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा को बढ़ावा देता है। ईडी प्रभाग द्वारा 2021-22 में निम्नलिखित कार्य किए गए:

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)

ग्लासगो में सीओपी 26 के अवसर पर 10 नवंबर 2021 को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अनुबंध-पत्र (एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर करने के पश्चात, अब 101 देशों ने आईएसए के फ्रेमवर्क अनुबंध-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। आज की तारीख तक, इनमें से 80 देशों ने फ्रेमवर्क अनुबंध-पत्र का अनुसमर्थन किया है। आईएसए के फ्रेमवर्क अनुबंध-पत्र में संशोधन 8 जनवरी 2021 से लागू हुए थे। इन संशोधनों ने उष्णकटिबंध से परे क्षेत्रों सहित संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के लिए अपनी सदस्यता को प्रभावकारी रूप से खोल दिया है।

आईएसए ने 10 दिसंबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त किया था। 74 देशों ने आईएसए को पर्यवेक्षक का दर्जा दिए जाने के लिए प्रारूप प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया और इसे 28 अक्टूबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में पारित किया। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 76/123 को लागू किया और सर्वसम्मति से आईएसए को "पर्यवेक्षक" की भूमिका में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्रों और कार्यों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने का निर्णय लिया।

भारत वर्ष 2022 तक आईएसए महासभा का अध्यक्ष है। ईडी प्रभाग ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) एवं नोडल मंत्रालय के समन्वय में आईएसए की चौथी महासभा को आयोजित करने में सहायता की जिसे वर्चुअल फॉर्मेट में 20 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया था। चौथी महासभा के लिए एजेंडा को आईएसए की सामरिक योजना तथा इसके अनेक घटकों, जैसे कि कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क, प्राइवेट सेक्टर एंगेजमेंट स्ट्रैटेजी, और प्रोग्रामेटिक सपोर्ट मल्टी-डोनर ट्रस्ट फंड और ब्लेंडेड फाइनेंस रिस्क मिटिगेशन स्ट्रैटेजी को शामिल कर तैयार किया गया था। आईएसए महासभा ने अपनी 'वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड' पहल पर एक राजनीतिक घोषणा का समर्थन किया और आईएसए की विभिन्न अन्य प्रमुख पहलों, जैसे कि 2030 के लिए सौर निवेश रोडमैप और पिछले वर्ष में आईएसए द्वारा की गई प्रगति पर विचार-विमर्श किया।

प्रधानमंत्री ने सभी देशों को सौर ऊर्जा से जोड़ने की दृष्टि से 'वन सन वन वर्ल्ड

वन ग्रिड' (ओएसओडब्ल्यूओजी) पहल की घोषणा की। ओएसओडब्ल्यूओजी के पीछे मूल अवधारणा दुनियाभर में सौर ऊर्जा के उत्पादन को विभिन्न लोड सेंटरों तक पहुंचाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ग्रिड विकसित करना है। ग्लासगो में सीओपी 26 के दौरान, 2 नवंबर 2021 को विश्व राजनेताओं के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री ने यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन तथा अन्य के साथ ग्रीन ग्रिड्स पहल - वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड (जीजीआई-ओएसओडब्ल्यूओजी) दुनिया के समक्ष पेश किया।

यूएसए आईएसए के 101वें सदस्य के रूप में शामिल

आपदा सहिष्णु बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई)

ईडी प्रभाग सीडीआरआई के साथ आर्थिक नुकसान को कम करने और आपदाओं की स्थिति में समुदायों के कल्याण की दिशा में कार्य करते हुए दुनियाभर में आपदा सहिष्णु बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देता है।

ईडी प्रभाग और सीडीआरआई के बीच समन्वय के वर्तमान प्रयासों का लक्ष्य विविध भौगोलिक एवं सामाजिक-आर्थिक संदर्भों, आपदा जोखिम प्रोफाइल का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सदस्यों को शामिल करना तथा जलवायु परिवर्तन से अनुकूलनशीलता और आपदाओं के प्रशमन हेतु क्षमताएं विकसित करना है। आज तक, इस गठबंधन में 35 सदस्य हैं जिनमें 28 राष्ट्रीय सरकारें, 5 अंतर्राष्ट्रीय संगठन और 2 निजी क्षेत्र संगठन शामिल हैं। ब्राजील, बांग्लादेश, कनाडा, डोमिनिकन गणराज्य, घाना और हैती इसके नए सदस्य हैं। कई देशों ने वित्तीय संसाधनों की प्रतिबद्धता देकर, विभिन्न कार्यक्रमों के मूल्यांकन हेतु तकनीकी सहायता प्रदान कर और संचालन समितियों के लिए विशेषज्ञों का नामांकन कर तथा उनकी प्रतिनियुक्ति कर सीडीआरआई के अधिदेश का समर्थन किया है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग (यूएनसीआईटीआरएएल)

ईडी प्रभाग ने यूएनसीआईटीआरएएल आयोग के सत्र में भाग लिया जहां संयुक्त सचिव (आर्थिक राजनय) ने भारत की ओर से वक्तव्य दिया। यह प्रभाग यूएनसीआईटीआरएएल के विभिन्न कार्य समूहों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और सक्रिय रूप से समन्वय करता है, जिसमें निम्नलिखित कार्यसमूह शामिल हैं: -

1. सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (एमएसएमई) पर कार्य समूह I: विश्व में कई एमएसएमई उद्यमों द्वारा वर्तमान में सामना की जा रही कठिनाइयों को ध्यान में रखकर तथा कोविड-19 महामारी के परिणामस्वरूप उनके समक्ष आई कई और भी चुनौतियों को ध्यान में रखकर, यह कार्यकारी समूह एमएसएमई उद्यमों को ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए स्वदेशी कानूनी ढांचों में सुधार लाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए भविष्य के विषयों पर विचार-विमर्श करता है।

2. विवाद निपटान पर कार्य समूह II: यह कार्य समूह त्वरित माध्यस्थम और यूएनसीआईटीआरएएल के त्वरित माध्यस्थम नियमों के प्रारूप पर चर्चा करता है।

3. निवेशक-राज्य विवाद निपटान सुधार पर कार्य समूह III: यह कार्य समूह निवेशक-राज्य विवाद निपटान सुधारों पर, विशेष रूप से यूएनसीआईटीआरएएल सचिवालय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निपटान केंद्र (आईसीएसआईडी) सचिवालय द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवादों में अधिनिर्णायकों के लिए आचार संहिता के प्रारूप पर निरंतर विचार-विमर्श करता है। यह कार्यसमूह प्राय: अन्तर्विभागीय बैठकों के माध्यम से बैठके करता है।

4. इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य पर कार्यसमूह IV: यह कार्यसमूह प्रारूप प्रावधानों पर प्रारूप टिप्पणियों सहित सीमापार पहचान प्रबंधन (आईडेंटी मैनेजमेंट) और ट्रस्ट सेवाओं के उपयोग एवं मान्यता से संबंधित प्रारूप प्रावधानों पर विचार-विमर्श करता है।

5. दिवालियापन कानून पर कार्यसमूह V: यह कार्यसमूह सूक्ष्म और लघु आकार के उद्यमों के लिए दिवालियापन कानून पर एक प्रारूप विधिक मार्गदर्शिका पर चर्चा कर रहा है, जिसे संपन्न करने के बाद यह कार्यसमूह नागरिक संपत्तियों का पता लगाने एवं उन्हें पुन:प्राप्त करने से संबंधित विषयों पर तथा दिवालियापन संबंधी कार्यवाहियों के लिए लागू कानून पर कार्य करने का प्रस्ताव करता है।

6. जहाजों की न्यायिक बिक्री पर कार्यसमूह VI: इस कार्यसमूह में जहाजों की न्यायिक बिक्री की मान्यता पर एक अंतरराष्ट्रीय लिखत (इंस्ट्रूमेंट) तैयार करने के संबंध में विचार-विमर्श किया जाता है।

स्थायी माध्यस्थम न्यायालय (पीसीए)

पीसीए एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसका भारत 1950 से सदस्य है। पीसीए ने भारत में एक स्थायी सुविधा-केंद्र स्थापित करने के लिए 2008 में मेज़बान-देश भारत के साथ अनुबंध-पत्र पर हस्ताक्षर किए। हालांकि इस दिशा में अभी कार्य जारी है, परंतु पीसीए अनुबंध-पत्र के दायरे में पीसीए-भारत सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है, जिसमें इस प्रभाग द्वारा सहायता दी जाती है। नवंबर 2020 और फरवरी 2021 के बीच वर्चुअल रूप में आयोजित तीसरे सम्मेलन का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा 21 नवंबर 2020 को पीसीए के विदेश सचिव, महासचिव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इसके अलावा, पीसीए भारत की अधिकांश निवेश संधियों से संबंधित मामलों को निपटाता है और ईडी प्रभाग ऐसे मामलों में, हेग में स्थित मिशन के माध्यम से पीसीए के साथ समन्वय करता है।

ईडी प्रभाग, ने हेग में स्थित भारतीय मिशन के साथ पीसीए के महासचिव के चुनाव के लिए नियमों एवं तत्संबंध में कार्यविधियों को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाई। ईडी प्रभाग पीसीए के अगले महासचिव के चुनाव से संबंधित मामलों में समन्वय कर रहा है।

ऊर्जा सुरक्षा

ईडी प्रभाग अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के साथ भारत के संयुक्त सहयोग हेतु समन्वय करता है। यह प्रभाग प्राथमिक समन्वय एजेंसी भी है जो आईईए के साथ भारतीय ऊर्जा मंत्रालयों को अपनी भूमिकाएं निभाने में सुविधा प्रदान करता है। यह प्रभाग संस्थागत संबंधों को मजबूत करने और भारत के लिए आईईए सदस्यता हेतु संभावित मार्गों को आगे बढ़ाने हेतु एक फ्रेमवर्क/सामरिक साझेदारी पर कार्य करने के लिए आईईए एवं अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। बहुपक्षीय मंच पर भारत के ऊर्जा अनुबंधनों में सहायता देने के अलावा, ईडी प्रभाग उन संबद्ध मंत्रालयों के समूह का भी हिस्सा है जो विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय ऊर्जा वार्ताओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

बाजार विस्तार गतिविधियां

निर्यात और निवेश बढ़ाने हेतु विदेशों में स्थित हमारे मिशनों/केंद्रों के प्रयासों को मजबूती प्रदान करने के लिए तथा भारतीय उद्योग और व्यापार की बढ़ती मांगों की पूर्ति करने के लिए मिशनों/केंद्रों को रचनात्मक भूमिका निभाने में सक्षम बनाने के लिए, विदेश मंत्रालय बजट शीर्ष "बाजार विस्तार गतिविधियां" के तहत निधियां आवंटित करता है। विदेशों में हमारे मिशनों/केंद्रों को निधियों के आवंटन में ईडी प्रभाग समन्वय करता है। निधियों का आवंटन मिशनों/केंद्रों द्वारा किए गए द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा (तेल आयात को छोड़कर) पर आधारित होता है। इस बजट शीर्ष के तहत मिशनों/केंद्रों द्वारा किया गया खर्च "बाजार विस्तार बजट व्यय दिशानिर्देश" द्वारा अभिशासित होता है।

बजट हमारे वाणिज्यिक स्कंधों (विंग) को नेमी व छुटपुट व्यापार के प्रति प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने, व्यापार को समयबद्ध रूप से संचालित करने और निवेश पूछताछों को निपटाने में; जहां वाणिज्यिक स्कंध स्थित हैं उन देशों में आर्थिक और व्यावसायिक वातावरण के समवर्ती प्रत्यायन के बारे में वाणिज्यिक स्कंधों को सूचना उपलब्ध कराने में, और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अनेक प्रकार की संवर्धन गतिविधियां चलाकर; बाजार सर्वेक्षण, सेमिनार, कार्यशालाएं, चेंबर्स ऑफ कॉमर्स, उद्योग संघों आदि को लक्षित कर आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से नए व्यवसाय अवसरों की पहचान करने में सहायता प्रदान करता है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, प्रभाग ने विदेशों में स्थित विभिन्न भारतीय मिशनों/केंद्रों को 9.5 करोड़ रुपये आवंटित किए।

वेबसाइट और संसाधनों की वैश्विक मैपिंग

16 दिसंबर 2020 को ईएएम द्वारा शुरु की गई ईडी प्रभाग की वेबसाइट का उद्देश्य पाठकों, विदेशी उद्यमों एवं व्यवसाय-संगठनों, वैश्विक पटल पर अपना विस्तार करने के इच्छुक भारतीय व्यवसाय संगठनों, और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग, राज्य/शहर भागीदारियों हेतु अपने लिए भागीदार चुनने के लिए इच्छुक राज्य सरकारों को व्यवसाय संबंधी सूचना उपलब्ध कराने के लिए वन-स्टॉप स्रोत बनना है ताकि व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। इस वेबसाइट में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख आर्थिक संकेतकों के बारे में, भारत के विभिन्न क्षेत्रों/सेक्टरों, सरकारी नीतियों और विनियमों के बारे में पेन-पिक्चर रूप में स्नैपशॉट के अलावा, भारतीय व्यापार संवर्धन संगठनों के लिए उपयोगी लिंक दिए गए हैं। वेबसाइट में भारत सरकार की पहलों के बारे में भी विवरण दिए गए हैं, जो व्यवसाय वातावरण में सुधार लाने, हाल ही में लाए गए नीतिगत सुधारों तथा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहनों से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, इस वेबसाइट में भारत के राज्यों के बारे में

नवीनतम सूचना और विशिष्ट डेटा के बारे में भी सूचना उपलब्ध कराई गई है।

यह वेबसाइट विदेशों के बारे में, विदेशों में निवेश के अवसरों के बारे में सूचना के स्रोत के रूप में कार्य करती है, और दुनियाभर में स्थित भारतीय मिशनों को निवेश संबंधी सहायता प्रदान करती है। वर्ल्ड रिर्सोस इंडाउमेंट्स एंड अप्रोच्यूनिटीज सेक्शन व खंड एक ऐसा डेटाबेस उपलब्ध करता है जिसमें खनिजों, सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों जैसे संसाधनों की वैश्विक मांग एवं आपूर्ति के बारे में तथा व्यापार, कृषि निर्यात, रोजगार, आदि अवसरों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई जाती है। यह खंड भारतीय व्यवसाय संगठनों, राज्य सरकारों और पाठकों के लिए एक उपयोगी प्लेटफॉर्म है क्योंकि संसाधनों की मांग एवं आपूर्ति दोनों दिशाओं के बारे में उन्हें इससे आसानी से सूचना प्राप्त होती है। ईडी की वेबसाइट का लक्ष्य भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में और विदेशी उद्यमों को भारत तथा उसके राज्यों में व्यवसाय वातावरण के बारे में द्वि-पक्षीय सूचना उपलब्ध कराकर, तथा विदेशों में व्यवसाय करने के इच्छुक भारतीय व्यवसाय संगठनों को दुनियाभर के देशों की जानकारी उपलब्ध करकार, 'ब्रांड इंडिया' को समकालिक एवं व्यापक रूप में प्रचारित-प्रसारित करना है।

औद्योगिक आउटरीच, निवेश संवर्धन और प्रचार

- भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) का वार्षिक शीर्ष कार्यक्रम 'इन्डसफूड': ईडी प्रभाग ने टीपीसीआई के सहयोग से खाद्य और पेय क्षेत्र में भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 20-21 मार्च 2021 के दौरान एक कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विदेशी खरीदारों और भारतीय निर्यातकों के चिंताजक मामलों को सुलझाने हेतु एक औपचारिक सुविचारित संवाद करना तथा नियामक कार्यप्रणाली, गैर-टैरिफ बाधाओं, टैरिफ बाधाओं आदि जैसे मुद्दों पर चर्चा करना था।

सीआईआई द्वारा मंत्रालय की सहभागिता से आयोजित भारत-प्रशांत व्यापार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र

- भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 16वां सीआईआई-एग्जिम बैंक सम्मेलन : ईडी प्रभाग ने भारतीय उद्योग संघ (सीआईआई) के सहयोग से भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 16वें सीआईआई-एग्जिम बैंक सम्मेलन को 13-15 जुलाई 2021 के दौरान आयोजित करने में सहायता प्रदान की।

- डिजिटल हेल्थकेयर पर वर्चुअल प्रदर्शनी और क्रेता-विक्रेता बैठक: ईडी प्रभाग ने भारतीय वाणिज्य संघ के सहयोग से 14-15 जुलाई 2021 के दौरान डिजिटल हेल्थकेयर पर एक वर्चुअल प्रदर्शनी एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य देश में डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के एकीकरण के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना था।

- भारत-प्रशांत व्यवसाय शिखर सम्मेलन: ईडी प्रभाग ने सीआईआई के समन्वय में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 6-8 जुलाई 2021 के दौरान भारत-प्रशांत शिखर सम्मेलन के पहले संस्करण को आयोजित करने में सहायता प्रदान की। इस व्यवसाय-शिखर सम्मेलन में भारत-प्रशांत क्षेत्र के देशों की सरकारों, उद्यमों, व्यापार संघों, चिंतकों व थिंक टैंक एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता की थी। शिखर सम्मेलन में इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि भारत और भारत-प्रशांत क्षेत्र के देश आर्थिक भागीदारी को कैसे बढ़ा सकते हैं और भावी आर्थिक विकास के लिए कैसे सहयोग स्थापित कर सकते हैं।

- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दक्षिण एशिया विद्युत शिखर सम्मेलन : ईडी प्रभाग ने सीआईआई के सहयोग से 21 अक्टूबर 2021 को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर "साउथ एशिया पावर समिट" आयोजित करने

में सहायता की, ताकि बदलते विद्युत बाजार परिदृश्य में विद्युत व्यापार एवं हाइड्रो विकास को बढ़ाने के लिए रणनीति बनाई जा सके।

- भारत-प्रशांत व्यवसाय मंच : ईडी प्रभाग ने संयुक्त राज्य व्यापार एवं विकास एजेंसी (यूएसटीडीए) के सहयोग से भारत-प्रशांत व्यवसाय मंच (आईपीबीएफ) के चौथे संस्करण की सह-मेज़बानी की, जिसे 28-29 अक्टूबर के दौरान वर्चुअल फॉर्मेट में आयोजित किया गया था। उद्घाटन सत्र में अमेरिका के विदेश मंत्री (ईएएम) और विदेश सचिव श्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने मुख्य वक्ताओं के रूप में संबोधन दिए। इस कार्यक्रम में 75 नामबद्ध वक्ताओं और 1000 से अधिक व्यावसायिको ने भाग लिया था। यह कार्यक्रम आईपीबीएफ का पहला संस्करण था जिसे दक्षिण-एशिया में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अमेरिका, भारत और भारत-प्रशांत देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शीर्ष कार्यपालकों यानी सीईओ ने सहभागिता की थी। मंच में जिन विषयों पर चर्चाएं की गई थीं, वे जलवायु से अनुकुलनता, ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं स्वास्थ्य देखभाल सहित विकास के प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले नवीनतम घटनाक्रमों तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ाने हेतु नए अवसरों के लिए नीतिगत सिफारिशें करने से संबंधित थे।

- वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शनी एवं सम्मेलन : ईडी प्रभाग ने भारतीय वाणिज्य संघ (इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स) के समन्वय में 17-18 नवंबर 2021 के दौरान वर्चुअल वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शनी/एक्सपो एवं सम्मेलन आयोजित करने में सहायता की। इस सम्मेलन का उद्देश्य नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में संधारणीयता को बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना था।

- भारत में वैश्विक रसायनों एवं पेट्रो रसायनों के विनिर्माण केंद्र - 2021: ईडी प्रभाग ने "ग्लोबल केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरिंग हब्स इन इंडिया-2021" (जीसीपीएमएच 2021) पर शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण के लिए रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग तथा फिक्की को सहायता प्रदान की। इस सम्मेलन को 25-26 नवंबर 2021 के दौरान नई दिल्ली में हाइब्रिड प्ररूप में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य निवेशकों और अन्य हितधारकों को एक मंच प्रदान करना था ताकि वे इस मंच पर एक दूसरे से बातचीत कर गठबंधन स्थापित कर सकें, रसायन और पेट्रो-रसायन क्षेत्रों में क्षेत्रवार निवेश के अवसरों को उजागर एवं बढ़ावा दे सकें।

- सम्मेलन- भारत-प्रशांत में पुलों का निर्माण : ईडी प्रभाग ने एसोचैम को अपने 'वर्चुअल प्रारंभिक सम्मेलन - भारत-प्रशांत में पुलों का निर्माण' के आयोजन में सहायता प्रदान की जिसे 30 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत-प्रशांत में सकेंद्रित वाणिज्यिक गतिविधि हेतु एक नया रोडमैप शुरु करने के लिए भू-आर्थिक निहितार्थो को रेखांकित करना था।

- व्यापार एवं आर्थिक आउटरीच उत्पादों का प्रसार : ईडी प्रभाग विदेश में स्थित मिशनों/केंद्रों को भारत की नीतियों, नीतिगत निर्णयों, निवेश अवसरों, व्यापार से संबंधित विषयों तथा अन्य विषयों के संबंध में उपयुक्त संवर्धन, प्रचार एवं ज्ञान/सूचना सामग्री उपलब्ध कराकर आर्थिक एवं व्यवसाय आउटरीच गतिविधियों में सहायता प्रदान करता है।

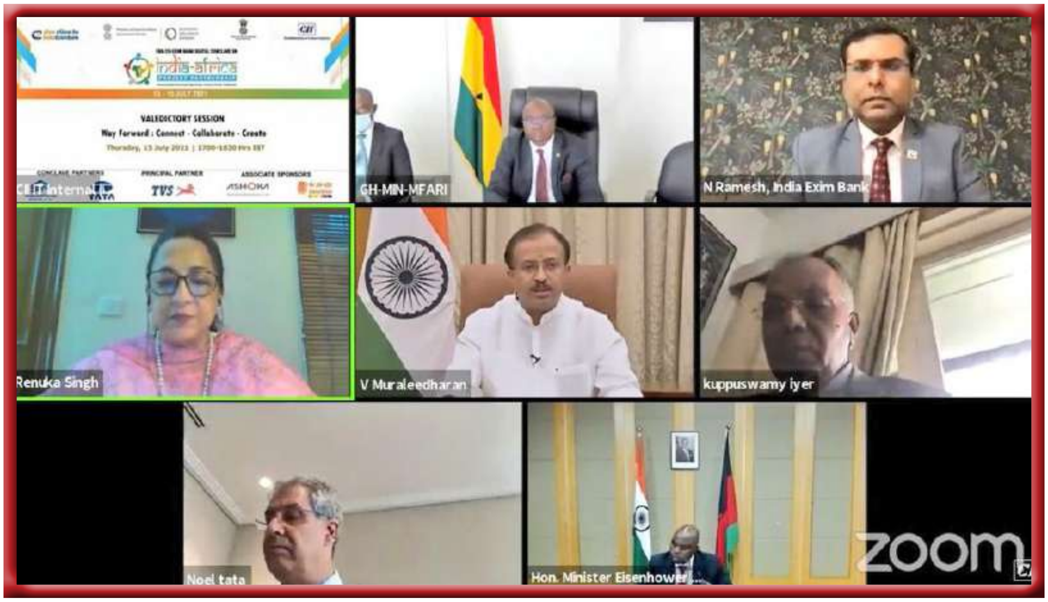

जुलाई 2021 में भारत-अफ्रीका परियोजना सहभागिता पर 16वां सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव

नागर विमानन

ईडी प्रभाग विभिन्न देशों और विमान कंपनियों (एयरलाइंस) के साथ वायुमार्ग सेवा अनुबंध-पत्रों से संबंधित सभी मामलों के लिए विदेश मंत्रालय में एक नोडल प्रभाग है, जो इन मामलों पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य करता है। यह प्रभाग पर्यटन को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय/बहुपक्षीय

संबंधों को मजबूत करने के लिए उड़ान संचालनों या कोड शेयर करने की आवश्यकता पर इनपुट भी प्रदान करता है।

निवेश संधियाँ

ईडी प्रभाग निवेश संबंधी संधि वार्ताओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है और इन वार्ताओं के समन्वय में सक्रियता से भूमिका निभाता है तथा नीति/राजनीतिक परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से और अंतर्राष्ट्रीय कानून परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से, अपेक्षित इनपुट प्रदान करता है। भारत अपनी पुरानी पीढ़ी की निवेश संधियों को समाप्त करने की प्रक्रिया में है और 2015 के नए मॉडल - द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के आधार पर निवेश संधियों के बारे में 30 से अधिक देशों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। निवेश संधियों से संबंधित मामलों के अंतर्गत मूल देश/विदेशों के साथ संबंध और अंतरराष्ट्रीय कानून से संबंधित मुद्दे आते हैं। अन्य देशों के साथ बीआईटी के बारे में पत्राचार ईडी प्रभाग के माध्यम से किया जाता है। ईडी प्रभाग ने "भारत और द्विपक्षीय निवेश संधियां" विषय पर संसदीय स्थायी समिति की बैठकों में भी भाग लिया, जहां इन संधियों के तहत विवादों सहित भारत और इसकी निवेश संधियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

ईडी प्रभाग निवेश संधि माध्यस्थम मामलों की कार्यवाहियों के लिए भी अपेक्षित सलाह और सहायता प्रदान करता है।

सामाजिक सुरक्षा अनुबंध-पत्र (एसएसए)

मोटे तौर पर एसएसए का तात्पर्य भारत और अन्य देशों के बीच द्विपक्षीय अनुबंध-पत्रों से है, जिन्हें सीमा पार कामगारों, यानी विदेशों में काम करने वाले भारतीय नागरिकों भारत में काम करने वाले पक्षकार देशों (कॉन्ट्रेक्टिंग कंट्रीज) के नागरिकों के हितों की रक्षा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एसएसए का मुख्य उद्देश्य 'नो कवरेज' या 'डबल कवरेज' से बचने के लिए सहायता प्रदान करना और दोनों देशों के कामगारों को एक ही दृष्टि से देखा जाना सुनिश्चित करना है।

द्विपक्षीय एसएसए विदेशों में कार्य कर रहे भारतीय व्यावसायिकों और कुशल श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हैं, जिन्हें एसएसए तीन लाभ प्रदान करते हैं - दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान देने से बचना, लाभों का सुगम प्रेषण (निर्यात सुगमता), और लाभों को संरक्षित करने के लिए योगदान अवधियों (दो देशों में) को संचित करना (समग्रीकरण)। विदेश मंत्रालय एसएसए पर बातचीत करने के लिए "सक्षम प्राधिकारी" है। ईपीएफओ को एसएसए के प्रावधानों को संचालित करने और अधिनियम के तहत शामिल संगठनों व प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों को कवरेज प्रमाण पत्र (सीओसी) जारी करने के लिए संपर्क एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। अब तक, भारत ने कुल 20 देशों के साथ एसएसए पर हस्ताक्षर कर उनका अनुसमर्थन किया है, जबकि 30 से अधिक देशों के साथ यह मामला प्रक्रियाधीन है।

विभिन्न बोर्डों/समितियों को इनपुट प्रदान करना

ईडी प्रभाग कई बोर्डों/समितियों, जैसे कि ईओयू और एसईजेड निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीईएस) (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय), परियोजना निर्यात संवर्धन परिषद (पीईपीसी), भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ), इनवेस्ट इंडिया, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) और वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विस लिमिटेड (वापकोस) का सदस्य है। ईडी प्रभाग के अधिकारी दलहनों के कार्टेलाइजेशन/ जमाखोरी, मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई), आदि के संबंध में गठित समूहों के साथ विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करते हैं। ईडी प्रभाग इन बोर्डों/समितियों की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेता है और उन्हें विदेश मंत्रालय से संबंधित आवश्यक इनपुट एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है।

सचिवों का क्षेत्रीय समूह (एसजीओएस)

विदेश मंत्रालय की ओर से ईडी प्रभाग संसाधन और अर्थव्यवस्था पर क्रमशः एसजीओएस समूह 3 और 7 में सहभागिता करता है। इन समूहों का मुख्य अधिदेश फिजिकल कनेक्टिविटी में सुधार लाकर, प्रतिस्पर्धात्मक अनुमोदन प्रदान कर, निवेशक अनुकूल नीतियां बनाकर, निर्यात बढ़ाने और उच्च आयात निर्भरता को कम करने की दिशा में भारत में निवेश वातावरण में सुधार लाना है। विदेश मंत्रालय से संबंधित प्रमुख निष्पादन संकेतकों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पहलों को बढ़ाना, सीमा पर हाटों का निर्माण, आईसीपी, अफ्रीका के साथ विकास साझेदारी करना शामिल है, और 3-टी (व्यापार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी) में सुधार लाना है। इसके लिए, प्रभाग विशिष्ट कनेक्टिविटी वाली परियोजनाओं और विकास साझेदारी पहलों पर हुई प्रगति के बारे में नियमित रूप से अद्यतित सूचना प्रदान करता है।

जीएफआर, 2017 नियम 144 (xi) के तहत भारत में सार्वजनिक क्रय के लिए सीमावर्ती देशों से आपूर्ति प्राप्त करने वाले बोलीदाताओं का पंजीकरण

अन्य देशों से सार्वजनिक क्रय को प्रतिबंधित करने/उसकी जांच करने के संबंध में, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय (सार्वजनिक क्रय विभाग) द्वारा जीएफआर, 2017 के नियम 144 में किए गए संशोधन के अनुसरण में, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय (एमएचए) और क्षेत्रक मंत्रालयों (सेक्टोरल मिनिस्ट्री) के सदस्यों के साथ पंजीकरण समिति (आसी) का गठन किया है। इस समिति में विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व ईडी प्रभाग द्वारा किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने पंजीकरण के आशय एवं उद्देश्यों की दृष्टि से पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया की जांच की है और डीपीआईआईटी को इस बारे में वास्तविक एवं विस्तृत इनपुट प्रदान किए हैं, जिनका बहु-मंत्रालय पंजीकरण समिति द्वारा स्वागत किया गया है। ये इनपुट आवेदकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने तथा प्रशासनिक मंत्रालयों द्वारा ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया को सार्थक बनाने के लिए प्रो-फॉर्म यानी आवश्यक शर्तों का हिस्सा बन चुके हैं। अब तक, मंत्रालय ने डीपीआईआईटी से टिप्पणियों हेतु 6 आवेदन प्राप्त किए हैं, जो विभिन्न चरणों पर विचाराधीन हैं, जबकि 2 मामलों में इनपुट डीपीआईआईटी को पहले ही भेज दिए गए हैं।

सीमावर्ती देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का विनियमन

भारत सरकार ने 17 अप्रैल 2020 को जारी प्रेस नोट 3 के माध्यम से

एफडीआई दिशानिर्देशों में संशोधन किया है, जिसमें यह अनिवार्य किया गया है कि सभी एफडीआई प्रस्तावों को सरकारी अनुमोदन मार्ग प्रक्रिया से गुज़रना होगा। एफडीआई नीति के लिए एक नोडल मंत्रालय के रूप में, डीपीआईआईटी ने एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया है जो इस प्रकार के एफडीआई आवेदनों से संबंधित मुद्दों को आगे बढ़ाने पर विचार करेगी और दिशानिर्देश बनाएगी। विदेश मंत्रालय, एमएचए, डीपीआईआईटी और प्रशासनिक मंत्रालय (एएम) इस आईएमसी समिति के सदस्य हैं। विदेश मंत्रालय ने डीपीआईआईटी को इनपुट दिए हैं जो एफडीआई प्रस्तावों की विवेचना - निवेश की वांछनीयता; स्थानीय प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव; रोजगार सृजन संख्या और तकनीकी/प्रौद्योगिकीय प्रतिस्पर्धा के आधार पर मूल्वर्धन के संदर्भ में बहुत ही अहम इनपुट हैं। मंत्रालय ने अब तक सीमावर्ती देशों से एफडीआई के लगभग 70 आवेदन प्राप्त किए हैं। इनमें से कुछ का निपटारा कर दिया गया है, जबकि अन्य आवेदनों पर समयबद्ध तरीके से विचार किया जा रहा है।

17

राज्यम प्रभाग (स्टेट डिवीजन)

राज्यम प्रभाग को मुख्य रूप से विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों और केंद्रों के नेटवर्क और भारत में शाखा सचिवालयों/क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों के माध्यम से राज्यों की बाह्य आर्थिक सहभागिता में सुविधा प्रदान करने का अधिदेश सौंपा गया है। यह वर्ष कोविड महामारी की क्रूर दूसरी लहर से काफी प्रभावित रहा, हालांकि अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। ऐसे समय में राज्या प्रभाग ने ऐसे सभी पहलुओं की खोज कर, कोविड के कारण खोए हुए समय एवं अवसरों की भरपाई करने के लिए अथक प्रयास किए, जो उसके अधिदेश के सभी पहलुओं को पूरा करने में सहायक होंगे। राज्यस प्रभाग ने उत्तर पूर्व क्षेत्र में अपने अधिदेश को अग्रसक्रियता के साथ आगे बढ़ाया, जहां उसने राज्य मंत्री, श्री राजकुमार रंजन सिंह (एमओएस [आरआरएस]) के साथ उत्तर पूर्व रेजिडेंट कमिश्नरों (आवासीय उपयुक्तए) के इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया। प्रभाग 2022 की शुरुआत में इम्फाल में उत्तर पूर्व राउंड टेबल सम्मेंलन का भी आयोजन करेगा।

राज्य् प्रभाग ने हरियाणा अफ्रीका सम्मीलन की श्रृंखला-I के शुभारंभ में भी सुविधा प्रदान की।

प्रभाग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के रेजिडेंट कमिश्नरों के साथ नियमित बातचीत कर राज्योंय और केंद्र शासित प्रदेशों से संपर्क जारी रखा। राज्यम प्रभाग ने राज्य सरकारों और शहरों के बीच तथा उनके विदेशी समकक्षों के साथ सिस्टर-स्टेट और सिटी पार्टनरशिप स्थापित करने के लिए कई समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्नस करने में सहायता प्रदान की।

राज्यों द्वारा राजनयिक पहुंच को सुगम बनाना

संयुक्त वीसी बैठक 03 जून 2021 को आयोजित की गई जिसमें ओएसडी (राज्य) ने भाग लिया, और राज्य वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बैठक की अध्य(क्षता की, जबकि मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने मत्स्य पालन सब्सिडी और वार्ताएं पर बैठक की अध्य क्षता की। राज्य प्रभाग के दोनों सुझावों

को इस अनुमोदित कार्य योजना में शामिल किया गया है। ये सुझाव हैं i) समान विचारधारा वाले / समान स्थितियों वाले राष्ट्रों के साथ गठबंधन करना, और ii) भारत की जरूरतों में सहायता देने के लिए फॉल-बैक फॉर्मूलेशन्सा सृजित करना।

मार्गदर्शन के साथ विर्चुअल बैठक, तमिलनाडु: ओएसडी (राज्य) ने 17 अगस्त 2021 को तमिलनाडु में निवेश प्रोत्साहन और सुगम निवेश के लिए नोडल एजेंसी की एमडी एवं मार्गदर्शक सीईओ, सुश्री पूजा कुलकर्णी के साथ एक विर्चुअल बैठक की।

एमओएस (आरआरएस) के साथ उत्तर पूर्व क्षेत्र के रेजिडेंट कमिश्नरों के साथ इंटरएक्टिव सत्र: हमारे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रधानमंत्री के निर्देश के अनुसरण में, एमओएस (आरआरएस) और उत्तर पूर्व क्षेत्र के आवायी आयुक्तों अर्थात रेजिडेंट कमिश्नरों के साथ 10 सितंबर 2021 को एक संवाद सत्र आयोजित किया गया था। अपनी तरह की यह पहली बैठक थी जिसका उद्देश्यद पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों से ऐसी प्राथमिक जानकारी प्राप्तर करना था कि मंत्रालय उनकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को कैसे सुगम बना सकता है और उसके लिए सहायता कर सकता है। बैठक में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा नागालैंड और सिक्किम सहित 08 पूर्वोत्तर राज्यों के रेजिडेंट कमिश्नर (आरसी) और नोडल अधिकारी उपस्थिति थे। उनके इनपुट एकत्र किए गए और यह प्रस्ताव किया गया कि एक नई पहल - पूर्वोत्तर राउंड टेबल सम्मेलन - शुरु किया जाएगा। इसकी पहली बैठक इम्फाल में आयोजित करने की परिकल्पिना की गई है।

हरियाणा-अफ्रीका सम्मेरलन: सीरीज-I राज्यत प्रभाग ने चंडीगढ़ में 28-29 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित हरियाणा अफ्रीका सम्मेतलन के सीरीज-I के शुभारंभ में सुविधा प्रदान की। मंत्रालय के परामर्श से, हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका उद्देश्यह हरियाणा और अफ्रीकी देशों के बीच आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और सर्वांगीण सहयोग को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में इथियोपिया, घाना, मलावी, मोजाम्बिक, युगांडा, तंजानिया, मेडागास्कर, केन्या, नाइजीरिया, इरिट्रिया, जिम्बाब्वे और सेनेगल सहित 12 अफ्रीकी देशों के राजदूतों ने भाग लिया।

09 नवंबर, 2021 को राज्ये प्रभाग ने वाइब्रेंट गुजरात समिट को बढ़ावा देने के लिए एक वर्किंग लंच कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सचिव (ईआर) और डिप्लोमैटिक कॉर्प्सा के क्षेत्रीय डीन ने भाग लिया।

25 नवंबर 2021 को, राज्य् प्रभाग ने भारत में विदेशी राजनयिकों के लिए नई दिल्ली के होटल लीला पैलेस में रात के खाने के बाद एक कर्टन रेज़र कार्यक्रम के आयोजन में भी सुविधा प्रदान की, जो 08-12 जनवरी 2022 के दौरान आयोजित किए जाने वाले वाइब्रेंट गुजरात समिट में भाग लेने के लिए आए हुए थे।

राज्य प्रभाग ने 16 नवंबर 2021 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में SARAS-IITF महोत्सजव में विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार में सुविधा प्रदान की। सारस 2021 का आयोजन आईटीपीओ में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान द्वारा किया गया, जिसमें 130 स्वयं सहायता समूहों ने अपने अद्वितीय उत्पादों एवं शिल्पों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रदर्शित करने के लिए भाग लिया था।

ओएसडी (राज्य) ने 16-18 दिसंबर 2021 को आयोजित यूपी एग्रो विज़न 2021 में विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया।

मिशनों/केंद्रों द्वारा विदेश में दी गई सुविधा

राज्य प्रभाग ने विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों और केंद्रों के माध्यम से स्टेअट फेसिलिटेशन गतिविधियों का आयोजन किया ताकि तथाकथित देशों से भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आने वाले निवेश तथा पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। इन गतिविधियों के लिए राज्य प्रभाग ने बजट शीर्ष 'स्टे ट फेसिलिटेशन एब्रॉड' के तहत उपलब्ध कराई गई निधियों का उपयोग किया गया।

कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए, राज्य संवर्धन हेतु कई कार्यक्रम, प्रोमोशन, प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की गईं, उदाहरण के लिए CGI Medan ने 26 नवंबर 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के भाग के रूप में भारत के राज्यों को बढ़ावा देने से संबंधित एक ओपन-फॉर-ऑल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में, पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय राज्यों के आर्थिक और ढांचागत विकास से संबंधित वीडियो का प्रसारण किया गया। इसके बाद स्वास्थ्य, शिक्षा आदि से संबंधित अन्य आयामों में विकास के दायरे के बारे में अतिथियों के साथ कांसुलर जनरल के साथ चर्चा की गई। इसके अलावा, भारत के विभिन्न राज्यों में विविध संस्कृति और प्रसिद्ध स्मारकों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न स्टैंड स्थारपित किए गए। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के व्यंजनों को भी प्रदर्शित किया गया।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों के साथ संबंध

राज्यद प्रभाग ने उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडलों के देश में आने-जाने वाले दौरों आदि में समन्वय करने के साथ-साथ, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के साथ मंत्रालय को जोड़ने के लिए एक पुल के रूप में कार्य किया।

राज्य प्रभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों के मुद्दों पर 28वें, 29वें और 32वें अंतर-मंत्रालयी परामर्शों में कई वेबिनारों, जिन्हेंय प्रतिवेदित अवधि के दौरान पूर्वात्तर अवसंरचना विकास योजना (एनईएसआईडीएस) के संदर्भ में आयोजित किया गया था, के माध्याम से मंत्रालय की ओर से सहभागिता की।

एकेएएम समारोहों के एक भाग के रूप में, राज्य् प्रभाग एकेएएम प्लेटफॉर्म के तहत कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव करने वाले राज्यों को अपने बजट शीर्ष "स्टेटट फेसिलिटेशन एंड नॉलेज सपोर्ट" के तहत निधियां भी संवितरित कर रहा है।

विदेशी शहर/राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों में सुविधा

वर्ष 2019-20 के दौरान, राज्यम प्रभाग ने विदेशी निकायों, जैसे कि शहरों और राज्य सरकारों के साथ निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों (कुछ वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं) पर हस्ताक्षर करने में सुविधा प्रदान की :

शहरी विकास, कर्नाटक सरकार शहरी बुनियादी ढांचा विकास एवं वित्त निगम (भारत) और इनोवेशन सेंटर डेनमार्क, बैंगलोर के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी 20 जुलाई 2021 को दी गई।

एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए विश्व कृषि वानिकी (केन्या), कृषि, विपणन एवं सहकारिता विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भारत) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन को मंजूरी 10 अगस्त 2021 को दी गई।

एक प्रायोगिक परियोजना शीर्षक 'सस्टेनेबल बायोचार प्रोडक्शन एंड यूज थ्रू एग्रोफोरेस्ट्री सिस्टम्स इन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्रा एंड ओडिशा : ए क्लाइमेट-रेजिलिएंट सॉयल मैनेजमेंट अप्रोच', जिसका लघु शीर्षक 'सस्टेनेबल बायोचर प्रोडक्शजन थ्रू एग्रोफोरेस्ट्री सिस्टम' था, के लिए जीआईजेड और विश्वर कृषि वानिकी के बीच प्रारूप परियोजना को मंजूरी 15 सितंबर 2021 को दी गई।

वाइटल स्ट्रैगटिजीज, जो कि ब्लूमबर्ग फिलेन्थ्रोतपीज पहल के लिए कार्यान्वयन भागीदार है, और कर्नाटक सरकार (भारत) के बीच समझौते को मंजूरी 23 सितंबर 2021 को दी गई।

थाईलैंड के वाणिज्य मंत्रालय, रॉयल थाई सरकार (थाईलैंड) और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, तेलंगाना सरकार (भारत) के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी 26 नवंबर 2021 को दी गई।

गोवा अपशिष्ट प्रबंधन निगम और आईवीएल स्वीडिश इन्वाायरमेंटल रिसर्च इंस्टिटयूट के बीच वेस्टर-टू-एनर्जी प्लांलट का पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए समझौते को मंजूरी 01 दिसंबर 2021 को दी गई।

नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के साथ राज्यों की पारस्पारिक वार्ता

इस्लामिक गणराज्य ईरान के राजदूत अली चेगेनी की 17-20 अगस्त 2021 के दौरान हैदराबाद यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

डैन जननिक जोर्गेनसेन, जलवायु, ऊर्जा और सेवाप्रदायगी मंत्री, रॉयल डेनिश दूतावास और राजदूत, फ्रेडी स्वेन की तमिलनाडु की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई। उन्होंने 08 सितंबर 2021 को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की।

फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन की मुंबई, महाराष्ट्र में 29 सितंबर से 01 अक्टूबर 2021 के दौरान यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

थाईलैंड के राजदूत, पट्टारत होंगटोंग तथा दूतावास के अधिकारियों की 17-18 सितंबर 2021 के दौरान उत्तर प्रदेश में गोरखपुर और कुशीनगर की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

मेयो कॉलेज द्वारा 06-07 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित जर्मन महोत्सव उद्घाटन के प्रतिभागियों को संबोधित करने के लिए जर्मन राजदूत, वाल्टर जे लिंडनर की अजमेर, राजस्थान की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

सिंगापुर गणराज्य के कोंसुलर जनरल, पोंग कोक तियान की 12 अक्टूबर 2021 को तमिलनाडु की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

मुंबई में स्थित सिंगापुर के कोंसुलर जनरल, चेओंग मिंग फूंगतो की 21-22 अक्टूबर 2021 के दौरान गुजरात की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

लैटविया गणराज्य के राजदूत, आर्टिस बर्टुलिस एवं उनकी पत्नी और लैटविया के दूतावास से थर्ड सेक्रेटरी तथा चोइर सिंगिंग (जिसे नागालैंड में आयोजित किया जाना है) में म्यू जिक मास्टथर क्लाससिस के संबंध में लैटविया के तीन म्यूहजिक प्रोफेसरों के एक प्रतिनिधिमंडल की 06-14 नवंबर 2021 के दौरान नागालैंड (दीमापुर, काजीरंगा और कोहिमा) की यात्रा हेतु तथा वहां अधिकारियों से मुलाकात करने हेतु सहायता की गई।

लैटविया गणराज्य के राजदूत, आर्टिस बर्टुलिस की 16-17 नवंबर 2021 के दौरान पश्चिम बंगाल, कोलकाता की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई, जो गई अपने देश के राष्ट्रीय पुस्तकालय की ओर से लैटविया शताब्दी समारोह के भाग के रूप में लैटविया के बारे में एक विशेष पुस्तक समुच्चाय कोलकाता में स्थित भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय को भेंट करने आए थे।

फ्रांस के राजदूत, श्री इमैनुएल लेनिन तथा पांडिचेरी एवं चेन्नई में फ्रांस के कोंसुलन जनरल, लिसे टैलबोट की 15-16 नवंबर 2021 के दौरान कोयंबटूर की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

कोलकाता में फ्रांस के कोंसुलर जनरल, डिडीयर तलपेन और राजनयिक संपर्क अधिकारी, अंजीता रॉय चौधरी की 25-27 नवंबर 2021 के दौरान ओडिशा की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई। यात्रा के दौरान, उन्होंने ओडिशा सरकार के मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिमंडल मंत्रियों, सचिवों और नीति निर्माताओं से भी मुलाकात की।

जर्मन राजदूत, वाल्टर जे. लिंडनर की 04-06 दिसंबर, 2021 के दौरान हैदराबाद, तेलंगाना की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई, जिसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के साथ-साथ हैदराबाद में वर्चुअल जर्मन लाइब्रेरी का शुभारंभ हुआ।

महाराष्ट्र के राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करने के लिए मुंबई में स्थित फ्रांस के कांसुलर जनरल, जीन मार्च सेरे चार्लेट की मुंबई के लिए यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने के लिए मुंबई में फ्रांस के कांसुलर जनरल, जीन मार्च सेरे चार्लेट की मध्य प्रदेश की यात्रा हेतु सहायता प्रदान की गई।

थाईलैंड के राजदूत, पट्टारत होंगटोंग की 10-11 दिसंबर 2021 को अमृतसर,

पंजाब की याला हेतु सहायता प्रदान की गई।

विदेश में स्थित मिशनों/केंद्रों के लिए 'स्टे ट फेसिलिटेशन एब्रॉड' शीर्ष के तहत निधि की स्वीशकृति

प्रभाग ने विदेशों में स्थित विभिन्न मिशनों/केंद्रों की मांगों और वित्तीय वर्ष 2020-21 में शीर्ष 'स्टे ट फेसिलिटेशन एब्रॉड' के तहत निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, अब तक 131 भारतीय मिशनों/केंद्रों को 5 करोड़ रुपये की स्वी कृति जारी की है।

'स्टेट फेसिलिटेशन एंड नॉलेज सपोर्ट फंड'

प्रभाग ने पर्यटन विभाग, दिनांक 10-12 फरवरी 2017 के दौरान आयोजित 'उदयपुर विश्व संगीत समारोह' के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को आवास एवं स्थानीय परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लिए राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग को वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान व्यय करने हेतु 2,00,000/- रुपये की स्वी कृति जारी की।

प्रभाग ने कृषि पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन यानी इको टूरिज्मग, खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात जैसे विषयों पर सिम्बायोसिस सिकल्सो एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के साथ एक कार्यक्रम / सेमिनार आयोजित करने के लिए क्षेतीय पासपोर्ट कार्यालय, पुणे के प्रमुख को 2,00,000/- रुपये की स्वी कृति जारी की।

प्रभाग ने विदेश में रोजगार चाहने वाले कामगारों, गैर सरकारी संगठनों, वाणिज्य और उद्योग संघों, चेन्नई में स्थित विदेशी कार्यालयों आदि जैसे प्रतिभागियों को शामिल कर कार्यक्रमों की मेज़बानी के लिए शाखा सचिवालय, चेन्नई के प्रमुख को 4,00,000/- रुपये की स्वीनकृति जारी की।

प्रभाग ने राज्य मंत्री (आरआरएस) के साथ पूर्वोत्तर आवासीय आयुक्तों के पारस्परिक-संवाद सत्र के लिए प्रतिभागियों (स्टैंडी) और फूलों के गुलदस्तों के प्रावधान के लिए वांगो एंटरप्राइजेज को 7,635/- रुपये की स्वीऔकृति जारी की।

एकेएएम के तहत राज्य विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'स्टे ट फेसिलिटेशन एंड नॉलेज सपोर्ट फंड:

क. प्रभाग ने शाखा सचिवालय, हैदराबाद को रु. 1,50,000/- की स्वीकृति जारी की।

ख. प्रभाग ने मेघालय राज्य सरकार को 12,04,000/- रुपये की स्वीकृति जारी की।

ग. प्रभाग ने क्षेतीय पासपोर्ट कार्यालय, मुंबई को 3,00,000/- रुपये की स्वीकृति जारी की।

घ. प्रभाग ने सिक्किम राज्य सरकार को 13,90,000/- रुपये की स्वीकृति जारी की।

बाह्य एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित राज्य परियोजनाओं को मंजूरी:

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान, प्रभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों में शुरु की जाने वाली उन 20 बाह्य सहायता प्राप्त वित्तपोषित परियोजनाओं के लिए मंत्रालय द्वारा मंजूरी देने में सुविधा प्रदान की, जिनका वित्तपोषण बहुपक्षीय और द्विपक्षीय एजेंसियों, जैसे कि डब्ल्यूबी-आईबीआरडी, एडीबी, जेआईसीए, आदि द्वारा किया जाना है। इस तरह की कई और भी परियोजनाएं हैं, जो अनुमोदन हेतु वर्तमान में प्रक्रियाधीन है।

राज्यर प्रभाग ने जनवरी 2022 में इम्फाजल में एक राउंड टेबल सम्मेलन की भी परिकल्पना की है, जिसके लिए सैद्धांतिक मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

पूर्वोत्तर क्रेता-विक्रेता की पहली बैठक की सफलता के बाद, इसके दूसरा संस्करण का आयोजन फरवरी 2022 में किए जाने का प्रस्ताव है।

18

निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामले (डी एंड आईएसए)

भारत ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और अंतर्राष्ट्री य सुरक्षा क्षेत्र में प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निरस्त्रीकरण, अप्रसार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित बहुपक्षीय मंचों में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत ने अनेक देशों के साथ भी द्विपक्षीय रूप से बातचीत की और इन मामलों के बारे में क्षेत्रीय मंचों पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। भारत न केवल अंतर्राष्ट्री य सुरक्षा वातावरण और विभिन्नप देशों द्वारा की गई पहलों पर अपनी प्रतिक्रिया देता रहा है, बल्कि उसने सार्वभौमिक और गैर-भेदभावपूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता देकर बड़ा योगदान दिया है। भारत ने अंतरिक्ष, समुद्र और व्याअपक विनाशकरी हथियारों जैसे क्षेत्रों में वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए समर्थन भी दिया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में

9 अगस्तप 2021 को समुद्री सुरक्षा पर एक उच्च स्तरीय विमर्श की मेज़बानी की जिसमें उभरते समुद्री मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। इस मेज़बानी की अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच व्यापक प्रशंसा की गई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की पहली समिति

भारत ने 4 अक्टूबर-4 नवंबर 2021 के दौरान न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की पहली समिति के 76वें सत्र में निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर अपने विचार रखे। विदेश सचिव ने यूएनजीए उच्च्र-स्तररीय पूर्णकालिक (प्लेमनरी) बैठक के अवसर पर एक व्यशक्तनव्यर 28 सितंबर 2021 को दिया, जिसे परमाणु हथियारों के संपूर्ण उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्री य दिवस मनाने एवं उसे बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक, गैर-भेदभावपूर्ण और प्रमाणन-योग्य परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।

भारत ने "आतंकवादियों को व्यापक विनाशकारी हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए उपाय" और "अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं निरस्त्रीकरण के संदर्भ में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर पहली समिति के समक्ष अपने संकल्पर प्रस्तुत किए जिन्हें नवंबर 2021 में पहली समिति द्वारा सर्वसम्मति से पुन:पारित किया गया। भारत ने 2021 की पहली समिति के समक्ष दो अन्य संकल्प - "परमाणु हथियारों के उपयोग के निषेध पर सम्मेलन"

(जो परमाणु हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित करने या परमाणु हथियों के

उपयोग के खतरे से बचने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बातचीत करने की अपेक्षा करता है) और "परमाणु खतरे को कम करना" (जो परमाणु सिद्धांतों की समीक्षा और परमाणु हथियारों के जानबूझकर या आकस्मिक उपयोग के जोखिम को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपेक्षा करता है) प्रस्तु त किए जिन्हेंन भी संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के व्यापक समर्थन के साथ पारित किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर 2020 में भारत के संकल्प के आधार पर, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट में वैज्ञानिक विकासों और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं निरस्त्रीकरण पर उनके संभावित प्रभाव की समीक्षा की गई थी। भारत ने परमाणु, रासायनिक और जैविक निरस्त्रीकरण, अप्रसार, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा संबंधित मामलों सहित विभिन्न विषयों पर पहली समिति के समक्ष विशिष्ट प्रस्तावों पर अपनी स्थिति को भी उजागर किया।

निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन (सीडी)

भारत ने जनवरी से सितंबर 2021 तक सीडी सत्रों में भाग लिया और उनमें योगदान दिया, जिनमें उसने परमाणु निरस्त्रीकरण, बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ की रोकथाम, व्या पक विनाशकारी नए प्रकार के हथियारों, हथियारों के लेन-देन में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्री य सुरक्षा में महिलाओं की भागीदारी एवं भूमिका, और युवा तथा निरस्त्रीकरण सहित सीडी के सभी मुख्य एजेंडा मदों पर अपनी स्थिति स्प ष्ट की। विदेश सचिव ने 22 फरवरी 2021 को सीडी के उच्च-स्तरीय सभा को वर्चुअल रूप में संबोधित किया, जहां उन्होंने एक व्यापक और संतुलित कार्यक्रम (प्रोग्राम ऑफ वर्क) के लिए भारत की कटिबद्धता को रेखांकित किया ताकि इस सम्मेलन में वैश्विक महत्व के मुद्दों पर बातचीत शुरु की जा सके।

यद्यपि सीडी उक्तम कार्यक्रम पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं रहा, परंतु विभिन्न एजेंडा मदों पर विषयगत चर्चा-परिचर्चाओं के रूप में इस दिशा में कार्य जारी रहा। भारत ने इन विषयगत सत्रों में अपना दृष्टिकोण रखा। भारत ने 'युवाओं के लिए निरस्त्रीकरण' के ढांचे के रूप में एक नई पहल शुरु की, जिसका उद्देश्य निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को युवा पीढ़ी के करीब लाना है।

भारत ने परमाणु निरस्त्रीकरण प्रमाणन (एनडीवी) पर सरकारी विशेषज्ञों के 25 सदस्यीय समूह (जीजीई) की अनौपचारिक बैठकों में भाग लिया। भारत ने अन्य मंचों जिनमें संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण अनुसंधान संस्थान तथा अन्य थिंक टैंकों द्वारा आयोजित बैठकें शामिल हैं, में भी निरस्त्रीकरण से संबंधित मुद्दों पर आयोजित बैठकों में भाग लिया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)

यूएनएससी के वर्तमान सदस्य के रूप में, भारत ने यूएनएससी में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मामलों पर विचार-विमर्श में भाग लिया। भारत ने व्यांपक विनाशकारी हथियारों के अप्रसार, और सीरिया, डीपीआरके से संबद्ध घटनाक्रमों के बारे में विशेष मामलों पर यून की संबद्ध समितियों तथा अन्य यूएनएससी समितियों एवं पैनलों में भी अपने विचार रखे।

भारत यूएनएससी का अध्यक्ष है, इस आधार पर प्रधानमंत्री ने 9 अगस्त 2021 को समुद्री सुरक्षा बढ़ाने पर यूएनएससी उच्च स्तरीय ओपन डिबेट की अध्यक्षता की। एक सुरक्षित, संरक्षित और स्थिर समुद्री क्षेत्र के संकल्प को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने समुद्री क्षेत्र में पाइरेसी, आतंकवाद, गैर-कानूनी गतिविधियों, समुद्री विवादों, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने हेतु सामूहिक प्रयास की आवश्ययकता को उजागर किया। इस दिशा में, उन्होंने पांच सिद्धांतों - नामत: कानूनसम्मात समुद्री व्यापार के लिए बाधाओं को हटाना; समुद्री विवादों का शांतिपूर्ण ढंग से और केवल अंतर्राष्ट्री य कानून के आधार पर समाधान करना; प्राकृतिक आपदाओं और गैर-राज्य समर्थित आतातियों (नॉन-स्टे ट एक्ट्र्स) द्वारा उत्पन्न समुद्री खतरों का सामूहिक रूप से समाधान करना; समुद्री प्रदूषण, तेल रिसाव, जरूरत से ज्यानदा मछली पकड़, और समुद्र विज्ञान में सहयोग बढ़ाकर समुद्री पर्यावरण एवं समुद्री संसाधनों को संरक्षित करना; और देशों की स्थिरता एवं अवशोषण क्षमता के आधार पर समुद्री संपर्क को प्रोत्साहित करना - के आधार पर समुद्री सुरक्षा सहयोग हेतु यूएनएससी में एक वैश्विक रोडमैप का प्रस्ताव दिया।

विदेश सचिव ने व्या पक विनाशकारी हथियारों के अप्रसार पर बुलाई गई यूएनएससी ब्रीफिंग में एक वक्तयव्य दिया, जिसमें उन्होंने एक प्रमुख भागीदार के रूप में, वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए भारत की भूमिका को दोहराया, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा नेटवर्कों के अवैध प्रसार पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया और परमाणू विस्फोटक परीक्षण पर भारत की स्वैच्छिक, एकतरफा प्रतिबंध लगाने की आवश्यरकता को दोहराया।

यूएनएससी संकल्प (यूएनएससीआर) 1540 (2004) के कार्यान्वयन के बारे में की जा रही व्यापक समीक्षा के क्रम में, भारत द्वारा व्याीपक विनाशकारी हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के प्रसार और इनकी वितरण प्रणालियों एवं संबंधित सामग्रियों, उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के प्रसार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और मूल्यांकन मापदंड के अनुसार अनिवार्यताओं के अनुरूप इन कदमों को संगत पाया गया। भारत के डब्यू ना एमडी अधिनियम 2005 के तहत, सलाहकार समितियों ने समीक्षा की, और डब्ल्यू अ एमडी के अप्रसार पर यूएनएससी प्रस्तावों से संबद्ध आदेशों को संबंधित अधिकारियों के माध्यम से लागू किया गया।

निरस्त्रीकरण मामलों पर यूएनएसजी का सलाहकार बोर्ड (एबीडीएम)

एबीडीएम के सदस्य के रूप में, भारत के प्रतिनिधि ने बोर्ड के 75वें और 76वें सत्र में भाग लिया, जिन्हें क्रमशः फरवरी और जून 2021 में वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था। इसके उपरांत एबीडीएम ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उसने अंतर्राष्ट्री य निरस्त्रीकरण एजेंडा की प्रगति एवं संभावनाओं का आकलन किया था।

रासायनिक हथियारों पर सम्मेलन (सीडब्ल्यूसी)

रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) में, भारत ने रासायनिक हथियारों के विनाश, उद्योग द्वारा सत्यीपन, राष्ट्रीय उपायों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के आधार पर सीडब्ल्यूसी का कार्यान्वयन करने की सहमति जताई। अप्रैल 2021 में, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) को ओपीसीडब्ल्यूजत सदस्यों के भारी बहुमत के साथ अगले तीन वर्षों के लिए ओपीसीडब्ल्यून् के बाह्य लेखापरीक्षक के रूप में चुना गया। भारत को रासायनिकों के क्षेत्र में उसकी महत्ता एवं भूमिका को ध्यीन में रखकर, एशिया समूह का प्रतिनिधित्व करने वाली ओपीसीडब्ल्यू की कार्यकारी परिषद (ईसी) के सदस्य के रूप में दो और वर्षों के लिए पुन: चुना गया। EC-96 ने सुरक्षात्मक प्रयोजनों पर अनुसंधान के लिए हमारे एकल लघु-स्तरीय सुविधा-केंद्र के संबंध में ओपीसीडब्ल्यू स और भारत के बीच सुविधा-केंद्र से संबंधित समझौते को मंजूरी दी। भारत ने ओपीसीडब्ल्यू में की गई घोषणाओं, दिए गए योगदानों और सहयोग गतिविधियों के आधार पर सीडब्ल्यूसी के तहत कार्यान्वयन आवश्यकताओं को भी पूरा किया और संधिपत्र (कन्वेंशन) के बारे में तथा इसके कार्यान्वयन से संबंधित मामलों पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

जैविक और विषैले हथियारों पर सम्मेलन (बीटीडब्यूत क सी)

भारत ने जिनेवा में 22-26 नवंबर, 2021 के दौरान बीटीडब्ल्यूसी पर राज्य पार्टियों की वार्षिक बैठक में भाग लिया, जहां भारत ने एक प्रभावी, सार्वभौमिक और गैर-भेदभावपूर्ण वाली सत्यापन कार्यप्रणाली पर बातचीत सहित कन्वें शन के संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए अपने आह्वान को दोहराया। बीटीडब्ल्यू सह सी के विशेषज्ञों की बैठक लगभग 2 वर्षों के अंतराल के बाद हाइब्रिड फॉर्मेट में 30 अगस्त से 8 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित की गई, जिसमें कन्वेंशिन को मजबूत करने, राष्ट्रीय स्तमर पर कन्वेंबशन के कार्यान्वयन को बढ़ाने, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय विकासों व उन्नतयनों की समीक्षा करने, सहयोग और सहायता, और अन्यम विषयों पर चर्चाएं पुन: शुरु हुईं। भारत ने बीटीडब्ल्यूसी के लिए अपने वार्षिक योगदानों को भी जारी रखा और विशिष्ट मुद्दों, जैसे कि सहायता के लिए विशिष्टे मांगों एवं अनुरोधों की संगतता में जरूरतमंद देशों को सहायता देने हेतु अनुच्छेद VII के तहत डेटाबेस स्थापित करना, और बीटीडब्ल्यूसी के तहत वैज्ञानिक समीक्षा प्रक्रिया विकसित करने के लिए अन्या देशों के साथ पुरजोर तरीके से बातचीत की। 9वीं बीटीडब्ल्यूसी समीक्षा सम्मेलन की प्राथमिक समिति का पहला सत्र 20 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया जिसमें 2022 में आयोजित किए जाने वाले समीक्षा सम्मेलन हेतु व्यवस्थाओं को रेखांकित किया गया।

कुछ पारंपरिक शस्त्रों पर सम्मेएलन (सीसीडब्ल्यू)

भारत ने घातक स्वायत्त शस्त्र प्रणाली (एलएडब्यू(षा एस) पर सीसीडब्यूएि के तहत सरकारी विशेषज्ञों के समूह (जीजीई) की बैठकों में भाग लिया, जिन्हेंस 3-13 अगस्त 2021, 24 सितंबर-1 अक्टूबर 2021 और 2-8 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। भारत ने खानों के संबंध में सीसीडब्ल्यू के संशोधित प्रोटोकॉल-II से संबद्ध विशेषज्ञों की बैठक (16-17 अगस्त 2021) और हाई कॉन्ट्रे क्टिंग पार्टीज के 23वें सम्मेलन (10 दिसंबर 2021) में भी भाग लिया, जहां उन्नत विस्फोटक यंत्रों (आईईडी) पर एक घोषणा को पारित किया गया। भारत ने प्रोटोकॉल V से संबद्ध विशेषज्ञों की बैठक (18 अगस्त 2021) और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों पर हाई कॉन्ट्रे क्टिंग पार्टीज के 15वें सम्मे लन (9 दिसंबर 2021) में भाग लिया। भारत ने सीसीडब्ल्यू के छठे समीक्षा सम्मेलन (13-17 दिसंबर 2021) में भी सक्रियता से भाग लिया, जिसमें पारंपरिक शस्त्रों के क्षेत्र में विकासों पर विचार किया गया और एलएडब्ल्यूएस पर जीजीई के अधिदेश को नवीनीकृत करने हेतु उसका मूल्यांकन करने का निर्णय लिया गया।

भारत ने छोटे एवं हल्केय शस्त्रोंद (एसएएलडब्यूसक) के संबंध में अवैध व्यापार को रोकने, उसका मुकाबला और उन्मूलन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रोग्राम ऑफ एक्शरन (यूएन पीओए) के कार्यान्वयन की समीक्षा करने हेतु 26-30 जुलाई 2021 के दौरान हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित स्टेयट पार्टीज की 7 वीं द्विवार्षिक बैठक में भाग लिया। भारत ने अवैध हथियारों की तस्करी, आतंकवाद के साथ इसकी लिंकेज को समाप्ति करने की महत्ता पर अपने विचार प्रस्तुत किए और द्विवार्षिक बैठक द्वारा पारित परिणाम दस्तावेज (आउटकम डॉक्यूमिंट) हेतु योगदान दिया, जिसमें भारत ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर चुनौतियों, अवैध व्यापार, पीओए के कार्यान्वयन की मापनीयता, सशस्त्र हिंसा और अवैध एसएएलडब्ल्यू का पता लगाने से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए कार्रवाइयों पर अपने विचार प्रकट किए। भारत ने एसएएलडब्ल्यू में अवैध व्यापार के कारण अंतर्राष्ट्री य शांति और सुरक्षा के लिए खतरे पर यूएनएससी की बैठक में तथा सितंबर और अक्टूबर 2021 में एसएएलडब्ल्यू पर यूएनएससी ब्रीफिंग्जस में भी भाग लिया।

भारत ने "माइन एक्शन एंड सस्टेनिंग पीस: स्ट्रॉन्ग पार्टनरशिप्स फॉर बेटर डिलीवरी" पर (8 अप्रैल 2021), माइन एक्शन नेशनल डायरेक्टर्स एंड यूएन एडवाइजर्स की 24वीं अंतर्राष्ट्री य बैठक (25-27 मई 2021) पर और एंटी-पर्सोनल माइन बैन कन्वेंशन की 19वीं बैठक (15-19 नवंबर 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में) में एक पर्यवेक्षक के रूप में यूएनएससी ओपन डिबेट में भाग लिया और अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। भारत ने अंतर्राष्ट्री य मानवीय कानून के प्रावधानों के प्रति सम्मान और विचार करने की अपनी बात को दोहराया तथा विभिन्न देशों के लिए खनन एवं क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण के लिए अपने योगदान को उजागर किया।

सामरिक निर्यात नियंत्रण शासनतंत्र

भारत ने व्यानपाक विनाशकारी हथियारों के अप्रसार और इसके वितरण प्रणालियों को समाप्तअ करने के लक्ष्यों की दिशा में बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण शासनतंत्रों के सदस्य के रूप में भूमिका निभाने की सहमति व्याक्तक की। इसमें निर्यात नियंत्रणों और मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण शासनतंत्र (एमटीसीआर), वासेनार अरेन्जरमेंट्स (डब्ल्यूए) एवं ऑस्ट्रेलिया समूह (एजी) के तहत विनियमित सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकियों की सूची के लिए संगत दिशानिर्देश विकसित करने में भागीदारी निभाना तथा परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी)। के साथ सामंजस्य स्थापित करना शामिल है।

भारत ने संबद्ध निर्यात नियंत्रण शासनतंत्रों की नियंत्रण सूचियां एवं रीतियां विकसित करने हेतु चर्चा करने के लिए एजी कार्यान्वयन बैठक (21 मई 2021) में, वियना में वर्चुअल रूप में आयोजित डब्यूके लए के विशेषज्ञों एवं सामान्यय कार्यसमूह की बैठक (सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2021) में तथा एमटीसीआर प्लेनरी (अक्टूबर 2021) बैठक में भाग लिया। इन बैठकों में प्रौद्योगिकीय विकासों, परमाणु हथियारों के प्रसार की प्रवृत्तियों और इन घटनाक्रमों के उभरने पर उनका समाधान करने हेतु किए जाने वाले उपायों की भी समीक्षा की गई।

मंत्रालय ने विशेष रसायनों, जीवों/ऑर्गेनिज्मक, सामग्रियों, उपकरण एवं प्रौद्योगिकियों (स्कोमेट) के तहत नियंत्रित एवं दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के नेतृत्व में; स्कोमेट की श्रेणी 6 (युद्ध सामग्री सूची) मदों के निर्यात के लिए रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) के नेतृत्वट में; और परमाणु से संबंधित वस्तुओं के निर्यात के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग के नेतृत्व में; अंतर-मंत्रालयी कार्यसमूह (आईएमडब्ल्यूजी) की निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं के लिए अपने योगदान को जारी रखा। मंत्रालय ने राष्ट्रीय अप्रसार उद्देश्यों के संदर्भ में प्रवर्तन कार्यप्रणाली के प्रति अपनी सहमति जताई।

मंत्रालय ने उद्योगों, उद्योग संघों व चैंबरों और संगठनों के बीच भारत के सामरिक निर्यात नियंत्रण उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आउटरीच गतिविधियों में समन्वय एवं सहभागिता की। उन उद्योगों के लिए उद्योग संघों, जैसे कि सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) और भारत के दक्षिण, पश्चिम, पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के भारतीय उद्योग संघों (सीआईआई) की भागीदारी में वेबिनारों के रूप में जुलाई और अगस्त 2021 के दौरान क्षेत्र-विशिष्ट आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए जो रक्षा और दोहरे उपयोग की वस्तुओं से संबद्ध हैं। निर्यात नियंत्रण उपायों पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन मार्च 2021 में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्कीब) के साथ एक ऑनलाइन फॉर्मेट में आयोजित किया गया था। इन आउटरीच कार्यक्रमों में रक्षा, अंतरिक्ष, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी भागीदारी हुई। सेक्टर-विशिष्ट आउटरीच कार्यक्रमों को इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के साथ भागीदारी में फरवरी 2021 में तथा अमूर्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर संबद्ध सरकारी एवं उद्योग हितधारकों, अर्थात नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज़ (नेसोकॉम) के साथ भागीदारी में जुलाई 2021 में आयोजित किया गया। नेसोकॉम द्वारा सरकारी संगठनों के सानिध्यर में अमूर्त प्रौद्योगिकी हस्तां तरण पर एक मार्गदर्शक नोट इस कार्यक्रम के दौरान विमोचित किया गया।

अन्य देशों के साथ संवाद

वर्ष के दौरान जापान (फरवरी 2021), ऑस्ट्रेलिया (मार्च 2021) और फ्रांस (नवंबर 2021) के साथ निरस्त्रीकरण और अप्रसार के संबंध में द्विपक्षीय संवाद आयोजित किए गए, जहां परमाणु, रासायनिक, जैविक क्षेत्रों में निरस्त्रीकरण के संबंध में अप्रसार एजेंडा पर घटनाक्रमों तथा बाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा, पारंपरिक शस्त्रों और सामरिक निर्यात नियंत्रण उपायों पर चर्चा की गई। शस्त्रष नियंत्रण, शस्त्रए अप्रसार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अमेरिकी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सितंबर 2021 में परामर्श किया गया था। बाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा पर एक अलग संवाद नवंबर 2021 में जापान के साथ और दिसंबर 2021 में यूके के साथ आयोजित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)

भारत ने 20-24 सितंबर 2021 के दौरान वियना में आयोजित आईएईए कॉमन कॉन्फ्रें स (जीसी) के 65वें सत्र के अलावा मार्च, जून, सितंबर और नवंबर 2021 में आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठकों में भाग लिया। इन बैठकों में, भारत ने परमाणु सुरक्षा उपायों से संबंधित मुद्दों, परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण ढंग से उपयोग, तकनीकी सहयोग, परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श में योगदान दिया।

भारत के सीएजी को, 65वें आईएईए जीसी में एक कड़े मुकाबले वाले चुनाव में, 2022 से 2027 तक छह वर्षों के कार्यकाल के लिए आईएईए के अगले बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में चुना गया।

असैन्य परमाणु सहयोग

भारत ने परमाणु ऊर्जा उत्पादन और परमाणु ऊर्जा के अन्य शांतिपूर्ण उपयोगों के क्षेत्र में, जैसे कि चिकित्सा के क्षेत्र में रेडियोसोटोप अनुप्रयोग के बारे में विभिन्न देशों के साथ अपने संबंध स्थाकपित किए। परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर सहयोग के संबंध में भारत और घाना गणराज्य के बीच अंतर-सरकारी समझौते पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और घाना परमाणु ऊर्जा आयोग के वैश्विक परमाणु ऊर्जा भागीदारी केंद्र (जीसीएनईपी) के साथ जुलाई 2021 में तथा जीसीएनईपी और कजाकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रीय परमाणु केंद्र के बीच सितंबर 2021 में समझौते पर हस्ता क्षर किए गए थे। भारत के परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड और फ्रांस के परमाणु सुरक्षा प्राधिकरण के बीच सितंबर 2021 में एक समझौता ज्ञापन किया गया था।

रूस के सहयोग से निर्मित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई 5 और 6 के लिए पहली बार कंक्रीट डालना जून 2021 में शुरु किया गया था। इन इकाइयों को वर्ष के दौरान आईएईए के सुरक्षा उपायों के तहत निगरानी के लिए रखा गया था। भारत ने वैज्ञानिक अनुसंधान की दिशा में विभिन्न भागीदारों को शामिल कर, फ्रांस में स्थित इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीएआर), जिनेवा में यूरोपियन ऑर्गनाइजेशन फॉर न्यूक्लियर रिसर्च (सीईआरएन), यूएस के साथ लेज़र इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल-वेव ऑब्जर्वेटरी (एलआईजीओ) प्रोजेक्ट तथा स्वेलेज़यर एरे (एसकेए) जैसी परियोजनाओं के लिए योगदान को जारी रखा।

बाह्‍य अंतरिक्ष मामले

भारत ने अंतरिक्ष से संबंधित मामलों पर अपना दृष्टिकोण निरस्त्रीकरण के संबंध में आयोजित सम्मेलन में विषयगत चर्चाओं के दौरान, और संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष शांतिपूर्ण उपयोग (सीओपीयूओएस) एवं इसके सहायक निकायों की बैठकों में प्रस्तुत किया। यूएन-सीओपीयूओएस पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी उप-समिति में कार्यसमूह के अध्यक्ष के रूप में बने रहने के अलावा, भारत को बाह्य अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता पर एक नए कार्यसमूह के अध्यक्ष के रूप में भी चुना गया। भारत ने विविध गतिविधियों और अंतरिक्ष सेवाओं, जैसे कि उपग्रह प्रक्षेपण सेवाएं और प्रशिक्षण सहायता के प्रावधान के माध्यम से बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय रूप से सहयोग को जारी रखा है। भारत ने हेग आचार संहिता (एचसीओसी) के प्रावधानों का निरंतर अनुपालन जारी रखा और अपनी बैलिस्टिक मिसाइल और अंतरिक्ष प्रक्षेपण के परीक्षण से पूर्व भारत ने इस बारे में अधिसूचनाएं दीं और तत्संबंध में निरस्त्रीपकरण शासनतंत्र को वार्षिक घोषणाएं प्रस्तु त कीं। भारत ने 7-8 जुलाई 2021 के दौरान वियना में आयोजित एचसीओसी की 20वीं वार्षिक नियमित बैठक में भाग लिया।

समुद्री सुरक्षा मामले

भारत-प्रशांत क्षेत्र और विश्व स्तर पर समुद्री सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में, भारत ने अनेक देशों और बहुपक्षीय संगठनों के साथ सक्रिय जुड़ाव को यथावत रखा। समुद्री सुरक्षा से संबंधित घटनाक्रमों, सहयोग अवसरों तथा उसे अंतर्राष्ट्रीवय स्त र पर मजबूती प्रदान करने के बारे में भारत ने वर्ष के दौरान यूरोपीय संघ (जनवरी 2021), वियतनाम (अप्रैल 2021), जापान (सितंबर 2021) और यूके (अक्टूबर 2021) के साथ अपने दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए समुद्री सुरक्षा संवाद आयोजित किए। जिबूती आचार संहिता - जेद्दा संशोधन की बैठकों में, जहां भारत एक पर्यवेक्षक देश है, भारत ने पश्चिमी हिंद महासागर के जलक्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया और नए अवसरों पर चर्चा की। भारत ने सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) में विभिन्न देशों के साथ अपने संबंधों का विस्तौर किया, जहां ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, यूके, मालदीव, म्यांमार और सेशेल्स ने समुद्री क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ाने की दिशा में वर्ष के दौरान अपने संपर्क अधिकारियों को तैनात किया था।

भारत ने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए गिनी की खाड़ी के जी7 मित्रवत राष्ट्रों (G7+FoGG) की दो पूर्णकालिक बैठकों में भाग लिया, जिन्हें वर्चुअल रूप में 23-25 जून 2021 के दौरान, और डकार, सेनेगल में 24-26 नवंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। भारत ने सोमालिया (सीजीपीसीएस) के तट पर समुद्री डकैती अर्थात पाइरेसी के बारे में नवगठित सामरिक योजना संचालन समूह (एसपीएसजी) के संपर्क-समूह की विभिन्न प्रारंभिक बैठकों में और सीजीपीसीएस के भावी दृष्टिकोण को रूपरेखा देने के लिए सीजीपीएस की अध्य क्षता में मित्रवत राष्ट्रों की 16 दिसंबर 2021 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

भारत ने एशिया के अंतर्गत सिंगापुर में जहाजों की डकैती और शस्त्रों की डकैती को रोकने के बारे में, मलक्का एवं सिंगापुर के जलडमरूमध्य पर सहकारी तंत्र (एसओएमएस) के बारे में, मलक्का जलडमरूमध्य में नौवहन कोष सहायता (एएनएफ) समिति के बारे में, और अन्या मंचों पर क्षेत्रीय सहयोग समझौता (आरईसीएएपी) के संबंध में लगातार संवाद जारी रखा। एक भारतीय

उम्मीदवार को, अन्य उम्मीदवारों के साथ एक प्रतियोगिता में दो-तिहाई बहुमत के साथ सिंगापुर में स्थित आरईसीएएपी-सूचना साझाकरण केंद्र के अगले कार्यकारी निदेशक के रूप में चुना गया, जिनका तीनवर्षीय कार्यकाल 2022 में शुरु होगा।

आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) और आसियान रक्षा मंत्री की बैठक प्लस (एडीएमएम प्लस)

विदेश राज्य मंत्री, डॉ. राजकुमाररंजन सिंह (एमओएस [आरआरएस]) ने दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र और उससे परे सुरक्षा के संबंध में 6 अगस्त 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित 28वीं एआरएफ मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया और उसे संबोधित किया। अंतर-सत्रीय वर्ष 2021-2022 के लिए ट्रैक I से संबंधित गतिविधियों की एआरएफ सूची के तहत, भारत ने "समुद्रों से संबंधित कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि (यूएनसीएलओएस) को लागू करना और उभरते समुद्री खतरों से निपटने के लिए अन्य अंतर्राष्ट्री य लिखतों" पर 1-2 जून 2021 के दौरान आयोजित तीसरी एआरएफ कार्यशाला की सह-अध्यक्षता की, समुद्र एवं मात्स्न की से संबंधित कानून पर 7-8 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित एआरएफ कार्यशाला की सह-अध्यक्षता की, जबकि समुद्री सुरक्षा पर 13वीं एआरएफ अंतर-सत्रीय बैठक का वह सह-अध्यक्ष बना।

भारत ने आसियान एडीएमएम प्लस के साथ भी संबंध जोड़ा है, जहां रक्षा मंत्री ने 16 जून 2021 को वर्चुअल फॉर्मेट में आयोजित एक वार्षिक बैठक में भाग लिया। सह-अध्यक्ष के रूप में, भारत और इंडोनेशिया ने मानवीय सहायता और आपदा राहत पर एडीएमएम प्लस विशेषज्ञ कार्यसमूहों की 16वीं और 17वीं बैठक अप्रैल और नवंबर 2021 में आयोजित की।

एशिया में पारस्पीरिक संवाद और आत्मवबल निर्माण उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए)

विदेश मंत्री ने 11-12 अक्टूबर 2021 के दौरान नूर-सुल्तान, कजाकिस्तान में आयोजित सीआईसीए देशों के विदेश मंत्रियों की छठी बैठक को संबोधित किया। बैठक का विषय था 'महामारी के बाद की दुनिया की नई वास्तविकताओं के परिप्रेक्ष्यि में, एशिया में सुरक्षा और सतत विकास'। बैठक में (i) प्रख्यात व्यक्तियों के साथ एक सीआईसीए परिषद की स्थापना (ii) सीआईसीए थिंक टैंक को एक वार्षिक मंच पर लाना, और (iii) सीआईसीए के तहत आत्मांबल निर्माण उपायों का अद्यतन करने पर सहमति हुई। विदेश मंत्री ने सीआईसीए और उससे परे साझेदार देशों को भारत द्वारा दिए गए योगदान, विशेष रूप से कोविड-19 के संदर्भ में, पर और यूरेशियाई क्षेत्र में सुरक्षा और सहयोग पर संबल प्रदान करने हेतु आतंकवाद के खतरे और अफगानिस्तान में स्थिति के बारे में भारत के विचारों पर प्रकाश डाला। 'ऊर्जा सुरक्षा' के क्षेत्र में सीआईसीए में एक सह-समन्वयक के रूप में, भारत ने जून 2021 में 'ऊर्जा सुरक्षा के लिए अक्षय ऊर्जा' शीर्षक पर एक कार्यशाला की मेज़बानी वर्चुअल रूप में की और सीआईसीए वित्तीय शिखर सम्मेलन, (अप्रैल 2021), सीआईसीए व्यरवसाय परिषद एवं व्यरवसाय मंच की बैठकों (जून 2021), सैन्य-राजनीतिक आयाम पर सेमिनार (अगस्त 2021), और अर्थव्यवस्था के डिजिटीकरण के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय मंच (सितंबर 2021) में अपने विचार रखे।

19

विधि एवं संधि प्रभाग

संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानून

संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति (विधिक)

संयुक्त राष्ट्र की छठी समिति संयुक्त राष्ट्र महासभा की मुख्य समितियों में से एक है और अंतरराष्ट्रीय कानूनी मुद्दों पर विचार करने के लिए एक प्रमुख मंच है। यह संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को कानूनी मामलोंपर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। समिति की बैठक 4 अक्टूबर से 19 नवंबर 2021 के दौरान महासभा के 76वें सत्र के दौरान अंतरराष्ट्रीय महत्व के कानूनी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए हुई। विगत वर्षों की तरह विधि एवं संधि प्रभाग ने छठी समिति के कार्यका अनुपालन किया और इसकीचर्चामें सक्रिय रूप से भाग लिया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के छिहत्तरवें सत्र में छठी समिति के समक्ष आतंकवाद और संबंधित मसलोंपरही चर्चा होती रही। सामान्य बहस केदौरान सदस्य देशोंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करने के अलावा, इसके प्रत्येककृत्य सेनिपटनेपर जोर दिया।

चूंकि आतंकवाद के खतरे को रोकने के लिए एक वैश्विक नियामक दस्तावेज की आवश्यकता है, इसलिए छठी समिति (मद111) के एजेंडे में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय शामिल किए जाएंगे। इस संबंध में छिहत्तरवें सत्र में प्रगति हुई, जिसमें"अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय"विषय पर एक मसौदा प्रस्ताव को अंगीकार किया गया था, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक कन्वेंशन सहित इससेसंबंधित खतरे से निपटने के लिए कारगर उपायों पर विचार करने का आह्वान किया गया था।

यूएनजीए के छिहत्तरवें सत्र में छठी समिति द्वारा विचार किए गए अन्य महत्वपूर्ण विषयों/बिंदुओं में निम्नलिखित शामिल हैं - (i) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कानून का शासन, (ii) सार्वभौमिक न्यायाधिकार के सिद्धांत का दायरा और अनुप्रयोग, (iii)) इसकेचौवनवें सत्र के कार्य पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून केसंबंधमेंसंयुक्त राष्ट्र आयोग की रिपोर्ट (iv) अंतर्राष्ट्रीय कानून के शिक्षण,

अध्ययन, प्रसार और व्यापक प्रचार के लिएसंयुक्त राष्ट्र सहायता कार्यक्रम (v) इसके बहत्तरवें सत्र के कार्यके संबंधमें अंतर्राष्ट्रीय कानून आयोग की रिपोर्ट (vii) मेजबान देश के साथ संबंधों पर समिति की रिपोर्ट (viii) मिशन के संबंधमेंसंयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और विशेषज्ञों की आपराधिक जवाबदेही (ix) आपदाओं की स्थिति में व्यक्तियों की सुरक्षा (xi) मानवता के खिलाफ अपराध और (xii) अंतरराष्ट्रीय संधि ढांचे को मजबूत बनाना और बढ़ावा देना।

छठी समिति ने अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग की रिपोर्ट पर भी विचार किया और उस पर चर्चाकी, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल हैं - वायुमंडल का संरक्षण, संधियों का अनंतिम अनुप्रयोग, विदेशी आपराधिक अधिकार क्षेत्र से राष्ट्रके अधिकारियों की उन्मुक्ति, समुद्र स्तर में वृद्धि के बारे में अंतर्राष्ट्रीय कानून, राष्ट्र केदायित्व के संबंध मेंराष्ट्रों काउत्तराधिकार और सामान्य कानून सिद्धांत ।भारत ने इन चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और कुछ विषयों पर वक्तव्य दिया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति के मुख्य सत्र के दौरान भारत ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपायों सहित निम्नलिखित दस वक्तव्य दिए जिनमेंराष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर कानून का शासन; मिशनोंमें संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और विशेषज्ञों की आपराधिक जवाबदेही; सार्वभौमिक क्षेत्राधिकार के सिद्धांत का दायरा और अनुप्रयोग; और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर विशेष समिति की रिपोर्ट और संगठन की भूमिका कोसुदृढ़ करना , अंतर्राष्ट्रीय विधिआयोग (आईएलसी), अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीआईटीआरएएल); मानवता के विरुद्धअपराध, आपदाओं में व्यक्तियों का संरक्षण और पूर्ण महासभामें अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग (आई एल सी) के कार्य के संबंध में रिपोर्ट पर इसके बहत्तरवें सत्र में तीन भागों मेंचर्चा कीगई । भारत ने तीनों भागों मेंवक्तव्य दिए, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल थे: वायुमंडलकासरंक्षण , संधियों का अनंतिम अनुप्रयोग , विदेशी आपराधिक अधिकार क्षेत्र से राष्ट्रके अधिकारियों की उन्मुक्ति, समुद्र स्तर में वृद्धि के बारे में अंतर्राष्ट्रीय कानून, राष्ट्र केदायित्व के संबंध मेंराष्ट्रों काउत्तराधिकार और सामान्य कानून सिद्धांत ।

आईएलसी सदस्यों का चुनाव यूएनजीए में 12 नवंबर 2021 को हुआ था। कथित चुनाव में भारतीय प्रतिनिधि केरूपमेंडॉ. प्रो. बिमल पटेल 1 जनवरी 2013 से लेकरपांच साल की अवधि तक आईएलसी सदस्य के रूप में चुने गए।

यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) को पर्यवेक्षक का दर्जा देने के लिए यूएनजीए को एक आवेदन प्रस्तुत किया। यूएनजीए में आवेदन करते समय, भारत को 65 आईएसए सदस्य देशों का समर्थन मिला, जिन्होंने उक्त आवेदन पर प्रतिहस्ताक्षर किए। यूएनजीए ने"महासभा में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के लिए पर्यवेक्षक की स्थिति"पर मसौदा संकल्प (एजेंडा आइटम 176) को अंगीकार कियाऔर आईएसए को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया।

अंतर्राष्ट्रीय कानून सप्ताहांत

इस वर्ष, 28-30 अक्टूबर 2021 को(वर्चुअल) आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कानून सप्ताह के दौरान संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के विदेश मंत्रालयों के कानूनी सलाहकारों की बैठक के लिए कनाडा मुख्य समन्वयक था। छठी समिति के विशेषज्ञों, अंतरराष्ट्रीय कानूनी शिक्षाविदों और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने भी इस बैठक में भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र विधिक मामलेकार्यालय ने इस कार्यक्रम के आयोजन केलिएकनाडा की सहायता की।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून संबंधीसंयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीआईटीआरएएल)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून संबंधी संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीआईटीआरएएल) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का मुख्य कानूनी निकाय है। 50 से अधिक वर्षों के लिए दुनिया भर में वाणिज्यिक कानून सुधार में विशेषज्ञता वाली सार्वभौमिक सदस्यता के साथ यूएनसीआईटीआरएएल एक कानूनी निकाय है जिसेअंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के प्रगतिशील सामंजस्य और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के वर्तमान और विकसित मुद्दों को वैश्विक स्तर पर संहिताबद्ध और सामंजस्य बनाने के लिए अधिदेश प्राप्त है । भारत, यूएनसीआईटीआरएएल के सदस्य के रूप में इसकीस्थापना के समय से ही इसके सत्रों में भाग लेता रहा है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के विकास में योगदान देता रहा है।यूएनसीआईटीआरएएलके तहत विभिन्न कार्य समूह हैं:

i. सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों पर कार्य समूह। कार्य समूहने सीमित देयता उद्यमों पर यूएनसीआईटीआरएएल विधायी गाइड पर अपना कार्यपूरा कर लिया है और एमएसएमई के लिए क्रेडिट उपलब्धकरवाने पर विचार-विमर्श किया है। प्रभाग ने इसकीचर्चाओंमें भाग लिया है।

ii. मध्यस्थता और सुलह/विवाद निपटान पर कार्य समूह II । कार्य समूह ने यूएनसीआईटीआरएएलत्वरितमध्यस्थता नियमों के व्याख्यात्मक नोट को अंतिम रूप देने पर चर्चा की। प्रभाग ने भारत की ओर से इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

iii. निवेशक-राष्ट्र विवाद निपटान सुधार पर कार्य समूह III । कार्य समूह ने निवेशक-राष्ट्रविवाद निपटान सुधारों में विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए औपचारिक और अनौपचारिक सत्र आयोजित किए। कार्यकारी समूह ने आईएसडीएस सुधारों पर अपना कार्य जारी रखा, जिसमें बहुपक्षीय सलाहकार केंद्र, स्थायी बहुपक्षीय तंत्र (आईएसडीएस ट्रिब्यूनल के सदस्यों का चयन और नियुक्ति और संबंधित मामले) और अंतरराष्ट्रीय निवेश विवादों में निर्णायकों के लिए आचार संहिता का मसौदा शामिल है। प्रभाग ने चर्चा में योगदान दिया है।

iv. इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स पर कार्य समूह IV । कार्य समूह ने पहचान प्रबंधन और ट्रस्ट सेवाओं (जैसा कि ए/सीएन.9/डब्लू जी.IV/रिट याचिका.170 में यथानिहित है) के उपयोग और सीमा पार मान्यता पर मसौदा प्रावधानों पर विचार किया और पहचान प्रबंधन और ट्रस्ट

सेवाओं के उपयोग और सीमा पार मान्यता पर मसौदा प्रावधानों के लिए एक मसौदा व्याख्यात्मक नोट पर भी विचार किया। प्रभाग नेइस सत्र में भाग लिया।

v. दिवालिया कानून पर कार्य समूह V। कार्य समूह ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए दिवालिया कानून पर एक मसौदा विधायी मार्गदर्शिका पर विचार-विमर्श किया। यह दिवालिया कार्यवाही में सिविल संपत्ति ट्रैकिंग और वसूली के साथ-साथ दिवालिया कार्यवाही में लागू कानून से उत्पन्न कानूनी मुद्दों पर भी विचार करता है। प्रभाग ने इसकी चर्चाओं में भाग लिया।

vi. जहाजों की न्यायिक बिक्री पर कार्य समूह VI । कार्यकारी समूह ने जहाजों की न्यायिक बिक्री पर मसौदा सम्मेलन पर विचार-विमर्श जारी रखा। प्रभाग ने इसकी चर्चाओं में योगदान दिया है।

एशियाई-अफ्रीकी विधिक परामर्शदात्री संगठन (एएएलसीओ)

विधि एवं संधि प्रभाग ने 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2021 तक हांगकांग में आयोजित एशियाई-अफ्रीकी कानूनी परामर्शदात्री संगठन (एएएलसीओ) के 59वें वार्षिक सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया। चीन जनवादी गणराज्य की राष्ट्र परिषद के प्रमुख श्री ली केकियांग ने सत्र का उद्घाटन किया।

सत्र की प्रमुख उपलब्धियों में थाईलैंड के डॉ. कमलिनपिनितपुवाडोल का एएएलसीओ के नए महासचिव का चुनाव करना शामिल है। ।सत्र में अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग के कार्य, साइबर स्पेस में अंतर्राष्ट्रीय कानून और फ़िलिस्तीन पर विचार-विमर्श किया गया। सत्र के दौरान हांगकांग में क्षेत्रीय मध्यस्थता केंद्र की स्थापना भी की गई ।

एएएलसीओ के बाईस सदस्य देशों ने सत्र में अपने वक्तव्य दिए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वर्चुअल रूप से इस सत्र में भाग लिया और इसका नेतृत्व विदेश मंत्रालय के विधि एवं संधि प्रभाग, के अतिरिक्त सचिव और कानूनी सलाहकार सुश्री उमा शेखर ने किया।

एएएलसीओ के 65वें निर्माण दिवस पर विधि एवं संधि प्रभाग ने भी भाग लिया, जिसका आयोजन 9 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में हुआ। विदेश मंत्रालय के अपर सचिव और विधिक सलाहकार ने भी इस अवसर पर एक विशेष भाषण दिया।

भारत से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय निवेश मध्यस्थता के मामले

विभिन्न निवेश संधियों को लागू करते हुए विदेशी निवेशकों द्वारा भारत गणराज्य के खिलाफ शुरू की गई मध्यस्थता की कार्यवाही में, चालू वर्ष (2020 - 21) के दौरान निम्नलिखित प्रमुख घटनाक्रम हुए:

i. केयर्न एनर्जी पीएलसी और अन्य बनाम भारत गणराज्य: नीदरलैंड में हेग स्थित स्थायी पंचाट न्यायालय ने भारत यूके बीआईटी के तहत 21 दिसंबर 2021 को भारत के खिलाफ 1.2 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक ब्याज और लागत का निर्णय दिया, भारत सरकार ने इस निर्णय के प्रवर्तन को रोकने के लिए कई कदम उठाए। सरकार ने भारत के खिलाफ पारित कार्यवाही को रद्द करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं।

ii. इस बीच भारत सरकार ने पूर्वव्यापी कराधान उपायों से कंपनियों को राहत प्रदान करते हुए कराधान संशोधन अधिनियम, 2021 पारित किया है। नतीजतन केयर्न ने कथित संशोधन (कानून) के आलोक में प्रवर्तन कार्यवाही को वापस लेने के लिए मामला दायर किया है।

iii. इस प्रभाग ने अन्य विवादों पर भी सलाह दी जो केयर्न के समान कराधान उपायों के दायरे में आते हैं जिसमें वेदांत और अर्लीगार्ड द्वारा आईएसडीएस के तहत विवाद शामिल हैं। सक्षम अधिकारियों द्वारा इस उद्देश्य के लिए गठित निकाय का हिस्सा होने के नाते, यह प्रभाग आईएसडीएस विवादों को संभालने वाले ऐसे निकायों की बैठकों में अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से सलाह देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

iv. प्रभाग ने विदेशी निवेशक ड्यूश टेलीकॉम एजी और सी/सी देवास मॉरीशस लिमिटेड द्वारा प्राप्त अवार्ड से संबंधित कई क्षेत्राधिकारों को शामिल करते हुए एंट्रिक्स देवास विवादों पर सलाह दी।

v. जीपीआईएक्स एलएलसी बनाम भारत गणराज्य के मामले में विधि एवं संधि प्रभाग ने अंतरराष्ट्रीय कानून के मुद्दों पर सलाह दी है और निवेशक- राष्ट्र मध्यस्थता के तहत परिवहन और भंडारण के मुद्दों की विवाद कार्यवाहियों में भाग लिया है। जीपीआईएक्स एलएलसी ने भारत और मॉरीशस के बीच 4 सितंबर 1998 को निवेश के संवर्धन और संरक्षण संबंधी करार के अनुच्छेद 8 और 1976 यूएनसीआईटीआरएएल मध्यस्थता नियमों के तहत 9 मार्च 2020 को मध्यस्थता नोटिस द्वारा भारत गणराज्य के खिलाफ येकार्यवाही शुरू की हैं।

vi. केओडब्ल्यूईपीओबनाम भारत गणराज्य के मामले में विधि एवं संधि प्रभाग ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के मुद्दों पर सलाह दी और भारत गणराज्य की सरकार और कोरिया गणराज्य की सरकार के बीच 26 फरवरी 1996 को निवेश संवर्धन और संरक्षण करार के तहत भारत गणराज्य के खिलाफ तेल और ऊर्जा क्षेत्र के तहत लाए गए विवाद की कार्यवाही में भाग लिया।

vii. खेतान होल्डिंग मॉरीशस (लिमिटेड) बनाम भारत गणराज्य के मामले में एलएंडटी प्रभाग ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के मसलों पर सलाह दी और बीआईटी (निवेश के संवर्धन और संरक्षण के लिए 1998 के मॉरीशस गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य सरकार के बीच करार)के अंतर्गत दूरसंचार क्षेत्र के तहत लाई गई विवाद कार्यवाहियों में भाग लिया।

viii. रास अल खैमाह (राकिया) बनाम भारत गणराज्य के मामले में

एल एंड टी प्रभाग ने राकिया द्वारा भारतीय गणराज्य के विरुद्धगैर-पूर्ति और बाद में आंध्र प्रदेश सरकार और राकिया के बीच 2007 में हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन को खारिज करने के संबंध में उत्पन्न होने वाले दावों के बारे में भारत गणराज्य के खिलाफ राकिया द्वारा लाए गए विवाद के विभिन्न चरणों पर सलाह दी। एलएंडटी प्रभाग ने 2013 के भारत यूएई बीआईटी के तहत लाए गए विवाद की विभिन्न कार्यवाहियों में भी भाग लिया है।

ix. एल एंड टी प्रभाग ने दूरसंचार क्षेत्र से संबंधित विभिन्न अन्य विवादों में अंतर्राष्ट्रीय कानून के मुद्दों पर भी सलाह दी है और भारत गणराज्य के खिलाफ कार्यवाहियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

पारस्परिक कानूनी सहायता और प्रत्यर्पण

विधि एवं संधि प्रभाग ने कई पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों पर सलाह देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। निम्नलिखित पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों और प्रत्यर्पण संधियों की जांच की गई:

i. मोज़ाम्बिक, डोमिनिकयाई गणराज्य, इटली और क्यूबा के साथ आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता संधियाँ।

ii. किर्गिस्तान, नेपाल, गुयाना, हंगरी और इटली के साथ प्रत्यर्पण संधियाँ।

विधि एवं संधि प्रभाग ने कई प्रत्यर्पण अनुरोधों की जांच की है, जिसमें श्री गोपाल शीलम रेड्डी, स्व-घोषित भगवान नित्यानंद के सहयोगी और घरेलू और विदेशी क्षेत्राधिकार से आपराधिक और नागरिक मामलों से संबंधित अन्य अनुरोध शामिल हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी

विधि एवं संधि प्रभाग ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विकास पर ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप के विभिन्न सत्रों में भाग लिया और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में आईसीटी के क्षेत्र में राज्य की जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने पर विशेषज्ञों के समूह ने भाग लिया।इन कार्य समूहों की रिपोर्टों को क्रमशः मार्च और मई 2021 के महीने में अपनाया गया था।

निवेश और व्यापार

i. इस प्रभाग ने कई द्विपक्षीय निवेश संधि वार्ताओं में भाग लिया है। इस वर्ष के दौरान हुई प्रमुख वार्ताओं में रूस, मंगोलिया, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय संघ, चिली, सऊदी अरब, टीईसीसी, यूएसए आदि के साथ बीआईटी वार्ता शामिल है।

ii. यह प्रभाग संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापक आर्थिक भागीदारी करार पर बातचीत करने में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा था। इस करार को रिकॉर्ड समय में अंतिम रूप दिया गया।

iii. प्रभाग ने व्यापार और निवेश मामलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर कई कानूनी सलाह दी हैजैसे कि सीईसीए/सीपीए की तुलना में गैट का इंटरप्ले।

iv. एलएंडटी प्रभाग ने विभिन्न द्विपक्षीय निवेश करारों के हिस्से के रूप में कानूनी स्थिति और प्रस्तावों पर भी सलाह दी है। विभिन्न व्यापार और निवेश करार वार्ताओं के दौरान एक करार के पाठ पर अंतर्राष्ट्रीय कानून के निहितार्थ भी प्रदान किए गए थे।

अन्य संधि वार्ता

विधि एवं संधि प्रभाग ने राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व के विभिन्न विषयों के बारे में कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय वार्ताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनमें से सबसे उल्लेखनीय हैं:

i. 26वां संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) ग्लासगो में आयोजित किया गया था। इस प्रभाग ने इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और योगदान दिया।

ii. साइबर अपराध पर अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह का 7वां सत्र;

iii. ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट तारामंडल पर सहयोग के संबंध में मसौदा करार पर ब्रिक्स विदेश मंत्रालयों और अंतरिक्ष एजेंसियों की संयुक्त बैठक।

iv. स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर बैठक (पारंपरिक हथियारों पर कन्वेंशन के दायरे में - घातक और स्वायत्त हथियार प्रणाली)।

v. घातक स्वायत्त हथियार प्रणाली (एलएडब्ल्यूएस) पर सरकारी विशेषज्ञों का समूह।

vi. पेरेंटेज/सरोगेसी परियोजना पर विशेषज्ञ समूह की बैठकें।

संधि प्रैक्टिस और ऑनलाइन संधि डेटाबेस

विधि एवं संधि प्रभाग के मुख्य कार्यों में से एक भारत की ओर से संधियों पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन को सुकर बनाना है। इस संबंध में ऐसी कई संधियों पर हस्ताक्षर करने के लिए पूर्ण अधिकार प्रदान किए गए थे। वर्ष 2021 के दौरान जारी पूर्ण शक्तियों के दस्तावेज़ों (लेख-पत्र) की सूची अनुबंध IIIमें दी गई है । इसी तरह हस्ताक्षरित संधियाँ अनुसमर्थन के लेख पत्रों केमाध्यम से लागू की जाती हैं, जो विधि एवं संधि प्रभाग द्वारा सुकर बनाई जाती हैं। प्रभाग ने वर्ष 2021 के दौरान द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संधियों के अनुसमर्थन की सुविधा प्रदान की है। वर्ष 2021 के दौरान जारी किए गए अनुसमर्थन / परिग्रहण की सूचीअनुबंध- IIमें दी गई है।

विधि एवं संधि प्रभाग, भारत की ओर से हस्ताक्षरित सभी संधियों का डिपॉजिटरी है। वर्ष 2021 के दौरान भारत द्वारा हस्ताक्षरित (गैर-वर्गीकृत) करारों/संधिओं की एक विस्तृत सूचीअनुबंध-Iमें दी गई है।

संधियों का डिपॉजिटरी होने के कारण, विदेशों के साथ भारत सरकार की ओर से संपन्न करारों/संधिओं को अनुक्रमित किया जाता है और भारतीय संधि डेटाबेस में अपलोड किया जाता है जिनका विधि एवं संधि प्रभाग द्वारा अनुरक्षण किया जाता है और लगातार अद्यतन किया जाता है। संधि डेटाबेस (वेब लिंक: https://www.mea.gov.in/TreatyList.htm?1) में 1950 से 2021 तक की अवधि के दौरान की गई संधियां शामिल हैं। वर्तमान में डेटाबेस में 3,300 से अधिक संधियां हैं जिन्हें आम जनता ऑनलाइन एक्सेस कर सकती है।

कानूनी दस्तावेजों की जांच/पुनरीक्षण

विधि एवं सिंधि प्रभाग ने समझौता ज्ञापनों, संधियों/करारों के साथ-साथ मंत्रिमंडल, नोट्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों की जांच की है और इन पर कानूनी राय प्रदान की है। प्रभाग ने अन्य बातों के साथ-साथ रक्षा सहयोग, कृषि, रेलवे, सार्क, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, बाह्य अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह) और बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी/नशीले पदार्थों से संबंधित करार; गोपनीयता परकरार; हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना; गैस और ऊर्जा; सांस्कृतिक सहयोग, दृश्य-श्रव्य सहयोग, सड़क परिवहन, व्यापार और निवेश, विदेशों में क्रियान्वित की जाने वाली परियोजनाओं, शिक्षा, पर्यटन, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर द्विपक्षीय समझौते; जल संसाधन; जैव विविधता; सौर गठबंधन; ओजोन क्षयकारी पदार्थ; हाइड्रोग्राफी, ट्विनिंग/सिस्टर सिटी करार और कस्टम सहयोग करार आदि सहित संधियों, करारों, समझौता ज्ञापनों की जांच की और अपने विचार प्रदान किए।

कानूनी राय और कानूनी अनुसंधान

विधि एवं संधि प्रभाग ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कानून और घरेलू कानूनी मामलों जैसे संयुक्त राष्ट्र के मामलों, उन्मुक्ति और विशेषाधिकार मुद्दों, स्थानीय कर्मचारियों के मामलों, मानवाधिकार मुद्दों, मानवीय कानून संबंधी मामलों, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कानून और कानूनी सहायता संबंधी मामलों, विशेष रूप से शामिल किए गए सजा सुनाए गए व्यक्तियों, अंतरिक्ष और वायु कानून के मुद्दों, पर्यावरण संबंधी मामलों, अदालती मामलों, निविदा दस्तावेजों आदि विभिन्न विषयों पर कानूनी राय प्रदान की।

20

नीति नियोजन एवं अनुसंधान (पीपी एवं आर)

नीति नियोजन एवं अनुसंधान (पीपी एवं आर) प्रभाग, मध्यावधि नीति नियोजन के लिए मंत्रालय का नोडल प्रभाग है, जो सामरिक और शैक्षणिक समुदाय के साथ सार्वजनिक कूटनीतिक व राजनय पहलें करता है। प्रभाग प्रमुख विदेश नीति के मुद्दों पर मंत्रालय के लिए नियमित आधार पर आंतरिक नीति विश्लेषण (इन-हाउस पॉलिसी एनालिसिस) करता है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समान समझ विकसित करने के लिए विदेशी समकक्षों के नीति नियोजन ब्यूरो के साथ नीति नियोजन संबंधी संवाद आयोजित करता है।

यह प्रभाग महत्वाककांक्षी पहलों, विशेष रूप से जिनके लिए भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों के साथ समन्वय करना होता है, में मंत्रालय का नेतृत्व करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में समकालीन प्रवृत्तियों का विश्लेषण और आकलन करने के लिए सामयिक विषयों पर विभिन्न शोध अध्ययनों के लिए निधियां भी देता है। शोध अध्यनयनों के आउटपुट का उपयोग मंत्रालय और विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों एवं केंद्रों द्वारा नीतियां बनाने और उनका कार्यान्वतयन करने के लिए किया जाता है

पीपी एवं आर प्रभाग मंत्रालय के पुस्तकालय और सीमा प्रकोष्ठ के कामकाज का पर्यवेक्षण करता है। यह प्रभाग आईसीडब्ल्यूए और आरआईएस - दो स्वायत्त अनुसंधान निकाय जो मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं, से संबंधित मामलों के लिए प्रशासनिक एजेंसी भी है।

मार्च 2021 में नालंदा विश्वविद्यालय से संबंधित कार्य पीपी एवं आर प्रभाग को स्थानांतरित कर दिया गया था। नालंदा विश्वविद्यालय के सांविधिक शासन में मंत्रालय का प्रतिनिधित्व विश्वयविद्यालय के शासी बोर्ड, वित्त समिति, भवन और निर्माण समिति और अन्य निकायों में भागीदारी के माध्यम से किया जाता है।

कोविड महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, प्रभाग ने इस वर्ष विशिष्ट नीति विश्लेषण कार्य किए और कूटनीतिक समुदाय के साथ मंत्रालय के संस्थागत संबंध को काफी बढ़ाया। प्रभाग ने कई आवधिक प्रकाशनों को प्रकाशित किया जिनमें मंत्रालय की प्रमुख गतिविधियों को कवर किया गया था, और उच्च महत्ता के कार्यक्रमों एवं घटनाक्रमों का विश्लेषण किया गया था।

कूटनीतिक समुदाय से पहुंच

सार्वजनिक कूटनीतिक पहुंच को कूटनीतिक और नीति समुदाय तक विस्तुरित करना पीपी एवं आर प्रभाग के मुख्य कार्यक्षेत्रों में से एक है। वर्ष के दौरान, प्रभाग ने चिंतकों व थिंक टैंक, अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ नियमित और सुविचारित पारस्पनरिक-संवाद (इंटरेक्शान्स) किए। प्रभाग ने महत्वा कांक्षी सम्मेलनों, सेमिनारों/वेबिनारों, ट्रैक 1.5/2 संवादों और अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से इन संस्थानों के साथ कई संयुक्त गतिविधियों का समर्थन किया। प्रभाग ने मंत्रालय के हित वाले क्षेत्रों पर कार्य कर रहे भारतीय विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा।

प्रभाग ने प्रमुख भारतीय थिंक-टैंकों द्वारा आयोजित चार वार्षिक महत्वारकांक्षी सम्मेलनों - रायसीना संवाद (ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के साथ साझेदारी में), एशिया आर्थिक संवाद (पुणे अंतर्राष्ट्री य केंद्र के साथ साझेदारी में), वैश्विक प्राद्योगिकी शिखरवार्ता (कार्नेगी इंडिया के साथ साझेदारी में) और हिंद महासागर सम्मेलन (इंडिया फाउंडेशन के साथ साझेदारी में) के लिए अपना समर्थन दिया। इन सम्मेलनों को मोटे तौर पर क्रमशः भू-राजनीति, भू-अर्थशास्त्र, भू-प्रौद्योगिकी और भू-कूटनीति जैसे विषयों के तहत शामिल किया गया है।

यह प्रभाग अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर विभिन्न अन्य सम्मेलनों को भी वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन सम्मेलनों को एक बहु-हितधारक, क्रॉस-सेक्टरल सम्मोलनों के रूप में संरचित किया गया है, जो मंत्रालयों के स्तंर पर निर्णयकर्ताओं और उच्च-स्तरीय सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ नीति संचालकों; व्यवसाय संगठनों एवं और उद्योग से अग्रणी व्यक्तियों; और कूटनीतिक समुदाय के सदस्यों, मीडिया एवं शिक्षाविदों को एक मंच पर साथ लाते हैं।

पीपी एवं आर प्रभाग ने 24 दिसंबर 2021 तक की स्थिति के आधार पर दूसरा अटल बिहारी वाजपेयी वार्षिक स्मृति व्याख्यान आयोजित किया। इसमें लोवी (Lowy) इंस्टिट्यूट के कार्यकारी निदेशक, डॉ. माइकल फुलिलोव ने व्याख्यान दिया। विदेश मंत्री ने इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में संबोधन दिया।

विदेश मंत्री ने दिसंबर 2021 में दूसरे अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति व्याख्यान के लिए उद्घाटन भाषण दिया

ट्रैक 1.5/2 संवाद और अनुसंधान के लिए सहायता

यह प्रभाग ट्रैक 1.5/2 संवादों का भी समर्थन करता है। ये संवाद देश-केंद्रित, द्विपक्षीय/बहुपक्षीय होते हैं जहां सरकारी अधिकारी शिक्षाविदों और विदेशी थिंक-टैंक भागीदारों के साथ भाग लेते हैं। 2020 के बाद आयोजित महत्वाकिांक्षी सम्मेलनों, ट्रैक 1.5/2 संवादों, और प्रभाग द्वारा समर्थित विभिन्न अन्य सम्मेलनों की सूची तालिका 1 में दी गई है।

पीपी एवं आर प्रभाग विषयगत अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुसंधान संस्थानों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। मंत्रालय द्वारा 2020 से समर्थित ऐसे विषयगत शोध अध्ययनों की सूची तालिका 2 में दी गई है।

नीति नियोजन संवाद

पीपी एवं आर प्रभाग के पास एक ऐसी कार्यप्रणाली है जिससे वह अन्य देशों के विदेश मंत्रालयों में समकक्ष नीति नियोजन इकाइयों के साथ संबंध स्था पित करता है। वर्ष के दौरान, 'साक्षात' संवाद आयोजित करने की संभावना बुरी तरह प्रभावित हुई। तथापि, प्रभाग ऑस्ट्रेलिया, ब्रिक्स, यूरोपीय संघ, पोलैंड और रूस सहित बड़ी संख्या में भागीदारों से अपने समकक्षों के साथ एक या कई बार विर्चुअल या 'साक्षात' पारस्परिक संवाद आयोजित करने में सफल रहा।

ये संवाद आपसी हित के क्षेत्रों और बड़ी संख्या् में भागीदारों के साथ सहयोग स्ाकरनपित करने के आयामों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आंतरिक अनुसंधान और प्रकाशन

प्रभाग ने अनेक शोध पत्रों एवं पॉलिसी ब्रीफ्स का प्रकाशन किया, जिनमें विदेश नीति प्रवृतियों और अंतर्राष्ट्रीकय घटनाक्रमों को कवर किया गया था। इन शोध पत्रों में मुख्ये रूप से मध्याोवधि एवं दीर्घावधि प्रवृतियों से उत्पन्न मुद्दों पर अविलंब प्रतिक्रिया वाले विकल्पोंऔ और विश्वो में घटित घटनाक्रमों तथा इस कूटनीतिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका एवं रुचियों पर प्रकाश डाला जाता है।

इन शोध पत्रों को मंत्रालय के भीतर उपलब्ध विशेषज्ञता तथा बाह्य रूप से उपलब्धए विशेषज्ञता के साथ और अन्य संबंधित विभागों/मंत्रालयों एवं थिंक-टैंक के साथ परामर्श के माध्यम से प्रकाशित किया जाता है। शोध पत्रों में किए गए सभी विश्लेषण भारत की विदेश नीति के उद्देश्यक - एक शांतिपूर्ण, स्थिर बाह्य वातावरण सुनिश्चित करना, और भारत की आर्थिक संवृद्धि एवं विकास के लिए उच्चश कोटि का वातावरण बनाना - को साकार करने की दिशा में उसके अंतर्राष्ट्रींय प्रतिबद्धताओं के लिए रोडमैप को उचित रूपरेखा देने में सामूहिक रूप से सहायता करते हैं। इन शोध पत्रों को सरकार के भीतर परिचालित किया गया और इन्हें व्यापक कूटनीतिक समुदाय के साथ साझा भी किया गया।

पूरे वर्ष के दौरान, पीपी एवं आर प्रभाग ने कई प्रकाशन भी जारी किए। इनमें प्रमुख समाचारों और विदेश नीति से संबंधित दिलचस्प फ़ुटकर समाचारों की दैनिक रिपोर्टें, थिंक टैंकों द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण नीति कार्यक्रमों पर मासिक थिंक-टैंक सार-संग्रह, कैबिनेट के कार्यों पर मासिक सारांश और मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट शामिल हैं।

पीपी एवं आर प्रभाग के अन्य प्रशासनिक कार्य

यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन दिसंबर 2021में ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट 2021 में विशेष भाषण देते हुए

आईसीडब्ल्यूए: यह प्रभाग आईसीडब्ल्यूए को सहायता अनुदान देने के लिए तथा आईसीडब्ल्यूए के शासन से संबंधित प्रशासनिक मामलों को आगे बढ़ाने व उनका निपटारा करने के लिए एक प्रशासनिक प्रभाग है। अप्रैल-दिसंबर 2021 के लिए आईसीडब्ल्यूए के लिए अनुदान 3 करोड़ रुपये था। यह प्रभाग आईसीडब्ल्यूए की वार्षिक रिपोर्ट को संसद में प्रस्तुदत करने के लिए भी जिम्मेदार है।

आरआईएस: यह प्रभाग आरआईएस को सहायता अनुदान देने के लिए तथा आरआईएस के शासन से संबंधित प्रशासनिक मामलों का निपटारा करने के लिए नोडल प्रभाग है। इसके लंबित मामलों में से एक मामला आसियान इंडिया सेंटर के कार्यकरण को मजबूती प्रदान करना है, जो प्रशासनिक रूप से आरआईएस के भीतर स्थित है। अप्रैल-दिसंबर 2021 के दौरान, आरआईएस के लिए अनुदान 6.31 करोड़ रुपये था। यह प्रभाग आरआईएस की वार्षिक रिपोर्ट को संसद में प्रस्तु त करने के लिए भी जिम्मेदार है।

पुस्तकालय

मंत्रालय का पुस्तकालय न केवल एक पुस्तकालय के कर्तव्यों का निर्वहन करता है, अपितु एक संसाधन और सूचना केंद्र के रूप में भी कार्य करता है, जिसका उपयोग मुख्यालयों में तथा विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों एवं केंद्रों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारीगणों द्वारा किया जाता है। पुस्तकालय वर्तमान में पटियाला हाउस और जवाहरलाल नेहरू भवन (जेएनबी) से कार्य कर रहा है।

पुस्तकालय में एक लाख से अधिक पुस्तकें, उपयोगी संसाधन सूचना-सामग्रियां और मानचित्रों का एक बड़ा संग्रह, माइक्रोफिल्में और आधिकारिक दस्तावेज हैं। पुस्तकालय 300 से अधिक पीरियोडिकल्सग/जर्नलों और समाचार-पत्र आलेखों (ऑन-लाइन जर्नलों और डेटाबेस सहित) के लिए अभिदान देता है और उन्हेंच कायम रखता है।

वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 1947 से 2017 तक "भारत की द्विपक्षीय संधियों और समझौतों सहित संयुक्त घोषणाओं एवं अनुबंध-पत्रों" को फिर से मुद्रित करने के लिए एक परियोजना पूर्ण की। इसे 18 खंडों में प्रकाशित किया गया।

मंत्रालय ने वर्ष के दौरान विदेशों में भारतीय मिशनों को भारतीय दूतावास के पुस्त ।कालय नेटवर्क के तहत एनआईसी क्लोउड पर ई-पुस्तमकालय नियमित आधार पर स्था पित करने में मिशनों को सहायता प्रदान की (Link: https://eg4.nic.in/embassies/home).

सीमा प्रकोष्ठ

सीमा प्रकोष्ठ ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रादेशिक प्रभागों को पूरे वर्ष समय-समय पर कार्टोग्राफिक एवं तकनीकी इनपुट और सहायता प्रदान की।

सीमा प्रकोष्ठ ने क्षेत्रीय प्रभागों द्वारा आयोजित अंतर-मंत्रालयी बैठकों में भाग लिया, जिनमें सीमा संबंधी मामलों/ नो मैन्स लैंड के रखरखाव और सीमा पर स्तंभों/दीवारों के निर्माण/ मरम्मत/ पुनर्स्थापन/ रिले पर चर्चा की गई। प्रकोष्ठ ने भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा मामलों पर द्विपक्षीय बैठकों (संयुक्त सीमा सम्मेलन) में भी भाग लिया और प्रासंगिक सूचना प्रदान की।

प्रकोष्ठ ने भारत-बांग्लादेश और भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा कार्यों के लिए संबंधित राज्य / केंद्रीय विभागों और स्तंभ निर्माण के लिए जिम्मेदार सुरक्षा बलों के साथ क्षेत्रीय कार्य में समन्वय किया।

सीमा प्रकोष्ठ ने भारत-बांग्लादेश आईबी से सटे सीमा स्तंभों के संयुक्त निरीक्षण/रखरखाव के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने हेतु डीएलआर एंड एस पश्चिम-बंगाल, असम, मेघालय और मिजोरम राज्यों को सलाह दी।

तालिका 1

प्रभाग द्वारा 2020 से समर्थित महत्वाकांक्षी सम्मेलनों/ट्रैक 1.5/2 संवादों/ अन्य सम्मेलनों की सूची

क्र.सं.	सम्मेलन/ट्रैक 1.5/2 संवाद	भागीदार संस्थान
महत्वाकांक्षी सम्मेलन		
1.	रायसीना संवाद	ऑब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन
2.	वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखरवार्ता	कार्नेगी इंडिया
3.	एशिया आर्थिक संवाद	पुणे इंटरनेशनल सेंटर
4.	भारतीय महासागर पर सम्मेलन	इंडिया फाउंडेशन
ट्रैक 1.5/2 संवाद		
5.	भारत-कोरिया गणराज्य	अनंता ऐस्पेन सेंटर
7.	भारत-यूएस मंच	
8.	भारत-जापान ट्रैक 1.5	दिल्ली पॉलिसी ग्रुप
9.	भारत-कनाडा ट्रैक 1.5	गेटवे हाउस
10.	भारत-यूएस ट्रैक 2	हडसन इंस्टिट्यूट

11.	भारत-बांग्लादेश सम्मेलन	जादवपुर एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स (जेएआईआर)
12.	पश्चिम एशिया सम्मेलन	मनोहर परिकर रक्षा शिक्षा एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए)
13.	कोलकाता-ढाका संवाद	एचपी घोष अनुसंधान केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय
अन्य सम्मेलन		
14.	सामरिक सुरक्षा खतरों पर संवाद	राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थान, एनआईएएस-सीआईएसएसी
15.	पड़ोसी देशों के साथ भारत की विदेश नीति पर सम्मेलन	विद्या प्रसारक मंडल
16.	भारत-प्रशांत सम्मेलन	मदुरै कामराज विश्वविद्यालय
17.	आईएएपीएस सम्मेलन	इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पेसिफिक स्ट्डीज
18	प्रभाव (Prabhav) सम्मेलन	इम्पैक्ट इन्वेस्टर काउंसिल

तालिका 2
प्रभाग द्वारा 2020 से समर्थित विषयगत शोध अध्ययनों की सूची

क्र.सं.	थिंक-टैंक/अनुसंधान संस्थान	शोध अध्ययन
1	मनोहर परिकर रक्षा शिक्षा संस्थान	एनालिटिकल एंड रिसर्च स्ट्डीज ऑन पाकिस्तान
2	मनोहर परिकर रक्षा शिक्षा संस्थान	एनालिटिकल एंड रिसर्च स्ट्डीज ऑन बांग्लादेश
3	एसोसिएशन ऑफ इंडियन डिप्लोमैट्स	विदेश नीति का एक त्रैमासिक जर्नल
4	चेन्नई सेंटर फौर चाइना स्ट्डीज	एनालिटिकल एंड रिसर्च स्ट्डीज ऑन चाइना
5	सेंटर फौर चाइना एलालिसिस एंड स्ट्रैटिजी	एनालिटिकल एंड रिसर्च स्ट्डीज ऑन चाइना

21

आतंकवाद का प्रतिकार

आतंकवाद को आज मुख्यम रूप से एक वैश्विक खतरे और सार्वभौमिक खतरे के रूप में देखा जाता है। लोकतांत्रिक सिद्धांतों, मानवाधिकारों और कानून आधारित शासन के लिए प्रतिबद्ध एक बहु-सांस्कृतिक, विविधतापूर्ण, बहुपंथ समाज के रूप में, भारत आतंकवाद से उत्पन्न गंभीर चुनौतियों को गंभीरता से लेता है। आतंकवाद का ख़ात्मा करने के लिए भारत वैश्विक प्रयासों में हमेशा सबसे आगे रहा है। आतंकवाद के ख़ात्मे का मुद्दा भारत की द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में सभी स्तरों पर छाया रहता है। भारत ने वैश्विक स्तर पर आतंकवाद का ख़ात्मां करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को लगातार दोहराया है और आतंकवाद के सभी रूपों एवं कृत्यों की कड़ी निंदा की है। भारत ने आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित किए गए सभी प्रमुख संधिपत्रों और नयाचारों पर हस्ताक्षर किए हैं और उनका अनुसमर्थन किया है। भारत इस संबंध में सभी प्रमुख वैश्विक पहलों का हिस्सा है।

भारत का आतंकवाद विरोधी सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त सिद्धांत पर आधारित है, जो यह कहता है कि आतंकवाद अपने सभी रूपों में एक आपराधिक गतिविधि है और इसे किसी भी आधार पर उचित नहीं माना जा सकता है - चाहे वह राजनीतिक, धार्मिक, जातीय या सामाजिक प्रकृति का ही हो। आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता के भारत के आवाह्न को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच भारी स्वीकृति मिली है, क्योंकि भारत आतंक के किसी भी कृत्य के लिए किसी भी औचित्य को अस्वीकार करने, आतंकवाद को धर्म से अलग रखने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी देशों को एकजुट होने की आवश्यकता पर लगातार जोर देता आया है।

जब भी भारत अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से बातचीत करता है, भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल सामूहिक रूप से ही हराया जा सकता है। भारत इस बात पर भी जोर देता है कि आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों और बुनियादी ढांचे को खत्म करने, आतंकवादी नेटवर्क और उनके वित्तपोषण चैनलों को ध्वरस्ता करने तथा आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही पर रोक लगाने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना चाहिए। आतंकवाद को एक समग्र एवं स्थोयी तरीके से समाप्तक करने की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए, भारत ने अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिज्ब-उल मुजाहिदीन और उनके सहयोगियों एवं परदे के पीछे से समर्थन देने वाले उनके समर्थकों सहित सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया है।

2021 के दौरान, आतंकवाद के खिलाफ यूएनएससी में एक खुली बहस में बोलते हुए, विदेश मंत्री ने आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता हासिल करने हेतु सदस्य देशों द्वारा प्रभावकारी कदम उठाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से

और भी अधिक प्रतिबद्धता दिखाने का आवाह्न किया तथा आतंकवाद को समाप्तट करने के लिए आठ सूत्री कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा, जिसमें शामिल है - आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति को प्रबल बनाने की आवश्यकता; "अच्छे"और "बुरे"आतंकवादियों के बीच अंतर करने में कोई दोहरा मापदंड नहीं अपनाना; संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों का कोई राजनीतिकरण नहीं करना; बिना किसी कारण के सूचीबद्ध करने अनुरोधों पर कोई रोक या होल्ड नहीं लगाया जाना; संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादियों की सूची में उनके नाम तर्कसंगत रूप में डालना और हटाना; कट्टरता को बढ़ावा देने वाली चरमपंथी सोच को हतोत्साहित करना; संगठित अपराध से जुड़े आतंकवाद को भी आतंकवाद की तरह मानना; वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) जैसे धन-शोधन-रोधी और आतंकवाद-रोधी वित्तीय-प्रशासन ढांचे को मजबूत बनाना; और संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोध (यूएनओसीटी) के तहत बहुपक्षीय आतंकवाद प्रतिकार अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण करना।

महत्वपूर्ण देशों के साथ द्विपक्षीय आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने के लिए, भारत ने यूरोपीय संघ के साथ एक जेडब्यूंकव जी-सीटी स्थाापित करने के अलावा, दुनियाभर में फैले 26 महत्वपूर्ण देशों के साथ आतंकवाद प्रतिकार पर संयुक्त कार्यसमूहों (जेडब्यूक   जी-सीटी) की स्थापना की है। भारत ब्रिक्स और बिम्सटेक की जेडब्ल्यूजी-सीटी बैठकों में भी भाग लेता है। इन सभी संयुक्त कार्यसमूहों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में भारत सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों का प्रतिनिधित्व होता है, जो आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सरकार के व्याएपक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं।

जेडब्यूं   जी-सीटी बैठकें आतंकवाद विरोधी सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करती हैं जिससे आतंकवाद से जुड़ी सूचना और अनुभव को साझा करने, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर आतंकवादी खतरे की आशंका को साझा करने, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में तथा आतंकवाद के वित्तपोषण को समाप्तर करने में बहुपक्षीय प्रयासों को मजबूत करने, पारस्परिक कानूनी सहायता अनुरोधों को शीघ्रता से निपटाने, एजेंसी-दर-एजेंसी सहयोग को सुविधाजनक बनाने, और संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक संधिपत्र (सीसीआईटी) को जल्दी पारित करने की महत्ता पर जोर देने में सहायता मिलती है।

भारत ने 2021 में मालदीव, संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस के साथ द्विपक्षीय जेडब्यू   जी-सीटी बैठकें कीं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर पर भारत और नाइजीरिया के बीच प्रारंभिक द्विपक्षीय आतंकवाद विरोधी संवाद 4 मार्च 2021 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। आतंकवादी प्रयोजनों के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग को रोकने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों के बीच एक वर्चुअल बैठक 01 सितंबर 2021 को हुई।

भारत ने आतंकवाद से लड़ने के लिए बहुपक्षीय प्रयासों को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोध कार्यालय (यूएनओसीटी) के नेतृत्व में यूएन आतंकवाद प्रतिकार अवसंरचना यानी काउंटर टेररिज्म आर्किटेक्च)र को मजबूत करने की भी पुरजोर वकालत की है। भारत ने 21-30 जून 2021 के दौरान यूएनओसीटी द्वारा आयोजित दूसरे वर्चुअल आतंकवाद प्रतिकार सप्ताारह में भाग लिया। सप्ताह के दौरान, भारत ने कोविड-19 परिदृश्य में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़े खतरों और उसकी प्रवृतियों पर विशेष फोकस के साथ एक साइड इवेंट का सह-आयोजन किया, जिसमें आतंकवाद के लिए वित्तपोषण प्रयोजनों हेतु डिजिटल स्पेटस के दुरुपयोग को रोकने पर विशेष बल दिया गया।

सदस्य देशों की आतंकवाद से लड़ने की क्षमता को मजबूत करने, विशेष रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण को ध्वक्स्तक करने, और आतंकवादियों की यात्रा पर विराम लगाने हेतु, भारत संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के लिए 2018 से उदारतापूर्वक योगदान दे रहा है। इन कार्यक्रमों के प्रति अपना समर्थन जारी रखने के लिए मई 2021 में 5,00,000 अमरीकी डालर का वित्तपोषण प्रदान किया गया था। भारत संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोध केंद्र (यूएनसीसीटी) के सलाहकार बोर्ड का सदस्य है। भारत आतंकवाद के पीड़ितों के मित्रों के समूह का भी सदस्य है, जिसे जून 2019 में शुरु किया गया था, और भारत ने उनकी मंत्रिस्तरीय बैठकों में भाग भी लिया था।

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर परिषद को जागरुक कर और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को एक कड़ा संदेश भेजने के लिए उसे प्रोत्साहित कर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अपनी वर्तमान अस्थायी सदस्यता का पूरी तरह से लाभ उठाया है। अगस्त 2021 के महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता के दौरान, भारत ने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए कई पहलें कीं। भारत ने आईएसआईएल या दाएश द्वारा उत्पन्न खतरे पर 19 अगस्त 2021 को एक विशेष मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन किया, जिसमें अफ्रीका के कई देशों के साथ-साथ अफगानिस्तान में आईएसआईएल के क्षेत्रीय सहयोगियों के उदय पर प्रकाश डाला गया। भारत की अध्याक्षता के दौरान, सुरक्षा परिषद ने 29 अगस्त 2021 को एक प्रस्ताभव पारित किया और अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा कि अफगान क्षेत्र का उपयोग किसी देश को धमकी देने या हमला करने या आतंकवादियों को शरण देने या आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने या किसी देश के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने या आतंकवाद का वित्तपोषण करने के लिए नहीं किया जाए।

जून 2021 में आयोजित वैश्विक आतंकवाद विरोधी रणनीति (जीसीटीएस) की 7वीं समीक्षा के दौरान, भारत ने इस रणनीति की दिशा में रचनात्मिक योगदान दिया और आतंकवाद के वित्तपोषण का खात्मा करने, वित्तपोषण एकत्र करने हेतु आतंकवादी समूहों द्वारा नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग को रोकने के लिए, आतंकवादियों की भर्ती पर रोक लगाने,   दुष्प्रचार एवं झूठी अफवाह फैलाने पर रोक लगाने, और आतंकवाद से पीड़ितों के अधिकारों को संरक्षित करने के लिए सदस्य देशों से अपने दायित्वों को मजबूत बनाने पर गहन चर्चा की।

क्षेत्रीय स्तर पर, भारत आतंकवाद को समाप्ते करने के लिए विभिन्न प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। भारत आतंकवाद प्रतिकार पर ब्रिक्स और बिम्सटेक संयुक्त कार्यसमूहों और उनके उप-समूहों की बैठकों में भाग लेता है। भारत ने ब्रिक्स आतकंवाद प्रतिकार कार्यसमूह (सीटीडब्ल्यूजी) की छठी बैठक की मेजबानी जुलाई 2021 में वर्चुअल रूप में की। इस बैठक का मुख्य परिणाम यह था कि इसमें ब्रिक्स आतंकवाद प्रतिकार कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया था जिसमें 2020 में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रा ध्य्क्षों द्वारा पारित की गई ब्रिक्स आतंकवाद प्रतिकार रणनीति को लागू करने के लिए विशिष्ट उपाय शामिल थे। इस कार्ययोजना को 24 अगस्त 2021 को आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में अंगीकृत किया गया था और सितंबर

2021 में आयोजित 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इसका पृष्ठां कन किया गया था।

आतंकवाद प्रतिकार सहयोग भी बिम्सटेक ढांचे में एक उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। भारत बिम्सटेक में आतंकवाद प्रतिकार और परादेशीय अपराध के मुद्दों के लिए अग्रणी देश है और बिम्सटेक संयुक्त कार्यसमूह तथा इसके 6 उप-समूहों की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेता रहा है। भारत क्षेत्रीय संगठनों, जैसे कि एशियाई क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) और शंघाई सहयोग संगठनों के क्षेत्रीय आतंकवाद प्रतिकार मंच (जिसे एससीओ-आरएटीएस के रूप में जाना जाता है) द्वारा स्थापित आतंकवाद विरोधी तंत्र में भी एक सक्रिय भागीदार है। भारत ने सितंबर 2021 में एससीओ-आरएटीएस की अध्यक्षता ग्रहण की है। भारत एससीओ सदस्य देशों के संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियानों में भी भाग लेता रहा है। एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने परादेशीय अपराध पर आसियान के वरिष्ठ अधिकारियों (एसओएमटीसी) की 8वीं बैठक में भाग लिया।

भारत 2010 से एफएटीएफ का सदस्य है और उसकी पूर्णकालिक बैठकों में नियमित रूप से भाग लेता रहा है। भारत एफएटीएफ की तरह दो क्षेत्रीय निकायों का भी सदस्य है: अर्थात धन शोधन और आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटने के संबंध में यूरोशियाई समूह (ईएजी) और एशिया प्रशांत समूह (एपीजी)। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के सदस्य के रूप में, भारत ने 2021 के दौरान फरवरी, जून और अक्टूबर में वर्चुअल रूप में आयोजित उसकी तीन पूर्णकालिक बैठकों में भाग लिया। भारत ने जनवरी, मई और सितंबर 2021 में एफएटीएफ एशिया प्रशांत संयुक्त समूह की बैठकों में भी भाग लिया।

भारत वैश्विक आतंकवाद प्रतिकार मंच (जीसीटीएफ) का संस्थापक सदस्य है जिसकी शुरुआत 2011 में हुई थी और नियमित रूप से इसकी बैठकों में भाग लेता है। भारत ने 19वीं जीसीटीएफ समन्वय समिति की बैठक में और 6-7 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित 11वीं जीसीटीएफ मंत्रिस्तरीय पूर्णकालिक बैठक में वरिष्ठ आधिकारिक स्तर पर भाग लिया।

22

साइबर राजनय, ई-गवर्नेंस और सूचना प्रौद्योगिकी

साइबर राजनय (सीडी)

मंत्रालय का सीडी प्रभाग एक विशेषज्ञताप्राप्त प्रभाग है जो संयुक्त राष्ट्र सहित द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर आईसीटी की अंतरराष्ट्रीय साइबर शासन नीति निर्माण और विकास से संबंधित विषयों का निपटारा करता है। साइबर राजनय प्रभाग ने भारत सरकार के अन्य हितधारकों अर्थात राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस), गृह मंत्रालय (एमएचए), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), इंडियन कंप्यूकटर इमर्जेंसी रिस्पॉं,स टीम (सीईआरटी-इन), नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इन्फ्रा स्ट्रईक्च र प्रोटेक्शएन सेंटर (एनसीआईआईपीसी), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), दूरसंचार विभाग (डीओटी), आदि के परामर्श से साइबर सुरक्षा मुद्दों, डेटा सुरक्षा, साइबर अपराध और इंटरनेट शासन पर चर्चा के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्रवाई शुरू की।

भारत अपने विचारों को व्यक्त करने, वैश्विक साइबर नीतियों को रूपरेखा देने और अपनी साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए साइबर वार्ताओं/सम्मेलनों और शिखरवार्ताओं में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है, और योगदान देता रहा है। साइबर शासन के बहु-हितधारक मॉडल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, भारत साइबर नीति की रूपरेखा देने और रणनीति बनाने के लिए निजी क्षेत्र, सिविल सोसायटी तथा शिक्षाविदों के साथ गतिविधियां चला रहा है। साइबर राजनय प्रभाग सामरिक देशों के साथ द्विपक्षीय साइबर परामर्श का प्रस्ताव देने और उनका प्रस्तारव करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इस दिशा में प्रभाग ने 16 देशों, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस आदि के संयुक्त कार्यसमूहों और एससीओ, ब्रिक्स, एआरएफ, ईयू, आईबीएसए जैसे अन्य क्षेत्रीय ब्लॉकों के साथ साइबर सुरक्षा से संबंधित परामर्श किए हैं।

व्यक्तिगत देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध

- साइबर सुरक्षा सहयोग पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त कार्यसमूह की बैठक 10 जून 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। संयुक्त सचिव (ईजी एवं आईटी और सीडी) ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथी साइबर वार्ता 06 जुलाई 2021 को आयोजित की गई और भारत ने चौथी भारत-फ्रांस साइबर वार्ता का आयोजन वर्चुअल रूप में 13 अक्टूबर 2021 को किया।

- साइबर शासन पर यूनाइटेड किंगडम के साथ 20 सितंबर 2021 को और क्षमता निर्माण पर 13 अक्टूबर 2021 को संयुक्त कार्यसमूह की बैठकें वर्चुअल रूप में आयोजित की गईं।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया सामरिक राष्ट्रीय सुरक्षा साइबर वार्ता 21 अक्टूबर 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई।

साइबर मुद्दों के क्षेत्र में क्षेत्रीय और बहुपक्षीय सहयोग

भारत ने साइबर अपराध पर एक व्यापक अध्ययन करने के लिए अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह के संयुक्त राष्ट्र औषध एवं अपराध कार्यालय के 7वें सत्र में 06-08 अप्रैल 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में भाग लिया। जेएस (ईजी एवं आईटी और सीडी) ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें एनएससीएस, एमएचए, सीबीआई, एल एवं टी प्रभाग और मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल थे।

भारत ने साइबर मुद्दों पर एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्सं रीजनल फोरम (एआरएफ) की बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर तीसरी एआरएफ अंतर-सत्रीय बैठक में 27-28 अप्रैल 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में भाग लिया।

ओपन-एंडेड एडॉक इंटरगवर्मेंटल कमेटी एक महत्वपूर्ण समिति है, जिसका उद्देश्य आपराधिक प्रयोजनों के लिए आईसीटी के उपयोग को रोकने हेतु एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विस्तानर करना है। भारत ने 10-12 मई 2021 के दौरान तदर्थ समिति के संगठनात्मक सत्र में भाग लिया।

भारत ने वियना में 17-21 मई 2021 के दौरान अपराध निवारण और आपराधिक न्याय आयोग के 30वें सत्र में भाग लिया।

मंत्रालय के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2019-2021 अवधि के लिए छठे संयुक्त राष्ट्र सरकारी विशेषज्ञ समूह (यूएनजीजीई) में चुनिंदा पच्चीस देशों में से एक के रूप में भाग लिया। छठे यूएनजीजीई का अंतिम सत्र 24-28 मई 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया और इस सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संयुक्तद सचिव (ईजी एवं आईटी और सीडी) ने किया। भारत ने मतैक्य अंतिम रिपोर्ट के लिए अपना समर्थन दिया, जिसे अंतिम सत्र के दौरान अंगीकृत किया जाना है। इस अंतिम रूप दी गई रिपोर्ट में विभिन्न साइबर नीति मामलों पर भारत के विचार और सिफारिशें शामिल थीं।

भारत न्यू ओपन एंडेड वर्किंग ग्रुप (ओईडब्ल्यूजी) 2021-2025 की बैठकों में भाग लेता रहा है, जो साइबर से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है। समूह ने अपने संगठन के बारे में एक सत्र 01-02 जून 2021 के दौरान आयोजित किया, जिसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेएस (ईजी एवं आईटी और सीडी) ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा (आईआईएस) पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समूह की बैठक 15-16 जून, 1 जुलाई और 12 जुलाई 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संयुक्त सचिव (ईजी एवं आईटी और सीडी) ने किया। यह बैठक '2022-23 के लिए अंतर्राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा पर एससीओ के सदस्य देशों की बातचीत की योजना' भारत द्वारा व्यक्त किए गए सुझावों और विचारों का दर्पण थी।

भारत ने ब्रिक्स देशों के लिए डिजिटल फोरेंसिक पर 3-5 अगस्त, 2021 के दौरान एक कार्यशाला का आयोजन किया।

आईसीटी के उपयोग हेतु सुरक्षा पर सातवां ब्रिक्स कार्यसमूह की बैठक 12 अगस्त 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। सातवीं बैठक ने आम सहमति के आधार पर 'बैठक का सारांश' दस्तावेज अंगीकृत किया, जो आईसीटी पर ब्रिक्स कार्यसमूह की पांचवीं बैठक के समापन के बाद अपने आप में पहली बार है।

वर्ष 2021-22 के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के उपयोग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग पर तीसरा भारत-रूस द्विपक्षीय अंतर-एजेंसी परामर्श 7-8 सितंबर 2021 के दौरान मास्को में आयोजित किया गया।

तीसरी क्वाड वरिष्ठ साइबर अधिकारियों की बैठक 15 सितंबर 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई।

कोविड महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों के बावजूद, साइबर राजनय प्रभाग ने वर्चुअल और भौतिक रूप (जो उपयुक्त हो) में कई द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय साइबर परामर्श बैठकें बुलाईं और उनमें भाग लिया। बैठक में, वैश्विक समुदाय के साथ अंतर्राष्ट्रीय साइबर शासन और आईसीटी से संबंधित विमर्श में रचनात्मक विचारों और पहलों को सामने रखा।

ई-गवर्नेंस और आईटी प्रभाग

ई-गवर्नेंस और आईटी (ईजी एंड आईटी) प्रभाग अन्य कार्यों के अतिरिक्त, मंत्रालय के लिए विभिन्न ई-शासन अनुप्रयोगों के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और रखरखाव कार्य करता है। ईजी एंड आईटी प्रभाग सभी सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के क्रय, अनुरक्षण और रखरखाव के लिए मंत्रालय और विदेशों में स्थित मिशनों/केंद्रों को हर प्रकार की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संबंधी सहायता भी प्रदान करता है।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, ईजी एंड आईटी प्रभाग ने मंत्रालय और विदेशों में सभी मिशनों/केंद्रों में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विभिन्न घटकों को लागू करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मंत्रालय में स्वचालन और नेटवर्किंग का उपयोग कामकाज के सभी स्तरों पर तालमेल बनाने और सरकारी अधिकारियों को दक्षतायुक्ति आईटी सेवाएं प्रदान करने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा है।

प्रतिवेदित अवधि, 1 अप्रैल 2021 - 31 अक्टूबर 2021 के दौरान निम्नलिखित ई-गवर्नेंस पहलों/ परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया है:

क) विदेश मंत्रालय डिजिटल ऑनलाइन कार्यप्रणाली (एम ई ए डी ओ डब्ल्न यूएस): एमईएडीओडब्यूविदेएस ऐप जिसे 01 जनवरी 2021 को शुरु किया गया था, मंत्रालय के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में "न्यूनतम कागज़, अधिकतम शासन" दृष्टिकोण को दर्शाता है। एमईएडीओडब्यूं सएस एक इन-हाउस ऐप है जिसे एक बास्केट के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें कई विशिष्टसताएँ, जैसे कि एपीएआर फाइलिंग, अवकाश प्रबंधन, इन्वेंटरी प्रबंधन, बिल प्रबंधन, कर्मियों की तैनाती, एफएसबी, जेईबी, एसईबी आदि शामिल हैं। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, ऐप में उपयोगकर्ता के अनुकूल कई बदलाव किए गए, जिससे आधिकारिक काम करने में सुगमता आई।

ख) लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) पोर्टल: कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान दुनियाभर से प्राप्त चिकित्सा सहायता से संबंधित डेटा एकत्र एवं संकलित करने के लिए एक लघु नोटिस के साथ मई-जुलाई 2021 की अवधि के दौरान एक विशेष पोर्टल (एलएमएस) शुरु किया गया।

ग) प्रयास डैशबोर्ड: मंत्रालय के 20 केपीआई (प्रमुख निष्पा दन संकेतक) से संबंधित डेटा को प्रयास डैशबोर्ड में फीड करने के लिए एक इन-हाउस एपीआई विकसित किया गया, जिसकी निगरानी पीएमओ द्वारा की जा रही है।

घ) डीजीक्यूआई 5.0 (डेटा गवर्नेंस क्वालिटी इंडेक्स): डीजीक्यूआई 5.0 नीति आयोग की एक विशेष पहल है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों के गुणवत्तापूर्ण आंकड़े हैं। इन आंकड़ो का उपयोग भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है। ईजी एंड आईटी प्रभाग डीजीक्यूआई की पहल के अनुसार मंत्रालय की 10 योजनाओं/पहलों से संबंधित इनपुट की निगरानी कर रहा है।

ड.) एकीकृत मिशन लेखाकरण प्रणाली वर्जन 2.0 (आईएमएएस 2.0): आईएमएएस 2.0 को 05 अप्रैल 2021 से कार्यान्वित किया गया। वर्तमान में आईएमएएस 2.0 ऐप पर कुल 60 भारतीय मिशन/केंद्र लाइव हैं। मई 2022 तक इसको सभी मिशनों/केंद्रों में पूरी तरह से कार्यान्वित किए जाने की संभावना है।

च) ब्रिक्स 2021 पोर्टल: भारत 2021 में ब्रिक्स समूह का अध्यक्ष होने के नाते, ब्रिक्स 2021 के दौरान भारत द्वारा की गई सभी गतिविधियों के बारे में सूचना प्रसारित करने हेतु एक विशेष पोर्टल विकसित किया गया।

ईजी एंड आईटी प्रभाग पहले से विकसित 56 पोर्टलों/वेबसाइटों, जो मंत्रालय के दैनंदिन कामकाज के लिए आवश्यक हैं, का रखरखाव अनवरत रूप से करता है।

मंत्रालय में सुरक्षा ढांचे की समीक्षा की गई और साइबर सुरक्षा की लगातार बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए नई जनरेशन नेटवर्किंग और खतरा प्रबंधन उपकरणों के साथ मौजूदा आईटी ढांचे को उन्नत किया गया है।

विभाग ने मंत्रालय के अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और साइबर खतरों से निपटने तथा उन्हें साइबर खतरों को कम करने में सहायता प्रदान करने हेतु साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों, साइबर सुरक्षा नीति के कार्यान्वयन आदि के बारे में समय-समय पर कई शिविरों/व्याख्यानों का आयोजन किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

दुनिया में महामारी के बढ़ते प्रभाव के साथ, एक बड़ा बदलावा आया है क्योंकि अब बैठकों को अधिकतर भौतिक रूप के बजाय वर्चुअल रूप में आयोजित किया जाता है। मंत्रालय ने विश्वभर से संबंधित हितधारकों से सामंजस्य स्थांपित कर वर्चुअल रूप में वार्ताओं को शामिल कर इस व्यसवस्थाो को अंगीकृत किया है। ईजी एंड आईटी प्रभाग ने क्लाउड आधारित ढांचे के साथ-साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अवसंरचना का प्रयोग करके निर्बाध वीडियो कॉन्फ्रेंस संचालित करने हेतु अत्याधुनिक हार्डवेयर और अनुप्रयोगों के साथ मंत्रालय को सहायता प्रदान की। इन प्लेटफार्मों और बुनियादी ढाँचों का प्रयोग अतिमहत्ता वाले बहुपक्षीय आयोजनों तथा शिखर सम्मेलनों, अर्थात प्रवासी भारतीय दिवस, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, एससीओ शिखर सम्मेलन, जी-20 आदि के आयोजन के लिए प्रभावकारी रूप से किया जा रहा है।

23

कांसुलर, पासपोर्ट एवं वीज़ा सेवाएं

ओआईए-I

मंत्रालय का सीपीवी प्रभाग कांसुलर मामलों और शिकायतों, भारतीय वीज़ा नीतियां जारी करने और दस्तावेजों के सत्यापन, भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) कार्ड, राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट जारी करने में समन्वय करता है।

विदेश में भारतीयों की कांसुलर शिकायतों को हल करने के लिए सुशासन की पहल के भाग के रूप में, मंत्रालय ने फरवरी 2015 में एक वेब पोर्टल 'मदद' (ऑनलाइन कांसुलर सेवाएं प्रबंधन प्रणाली) की शुरूआत की। विदेश में सभी भारतीय मिशनों और केंद्रों के साथ-साथ मंत्रालय के शाखा सचिवालयों और राज्य/संघ राज्यभ क्षेत्र सरकारों को कांसुलर शिकायत के निवारण के लिए इस पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है। मदद ऑनलाइन पोर्टल ने कांसुलर शिकायतों के ऑनलाइन पंजीकरण, अग्रेषण, ट्रैकिंग और उनके अंतिम समाधान तक कांसुलर शिकायतों से निपटने में गुणात्मक सुधार किया है।

वर्ष के दौरान, प्रभाग ने विभिन्न कांसुलर वार्ताएं, वीज़ा छूट समझौते, प्रत्यर्पण संधियां की हैं, और ओसीआई एवं ई-वीज़ा योजना आदि की अनुशंसा की है जिनका विवरण नीचे दिया गया है। वीज़ा छूट समझौते

भारत ने 120 देशों के साथ राजनयिक और आधिकारिक/सेवा पासपोर्ट धारकों के संबंध में वीज़ा छूट समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया और रिपब्लिक ऑफ गाम्बिया, यूनियन ऑफ कोमोरोस, किंगडम ऑफ लेसोथो, घाना गणराज्य और पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया के साथ राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा छूट समझौतों पर 01 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2021 के दौरान हस्ताक्षर किए गए।

वीज़ा और यात्रा प्रतिबंधों में ढील

भारत सरकार ने ई-पर्यटक वीज़ा और नियमित पर्यटक वीज़ा पर भारत आने के इच्छुक विदेशी पर्यटकों के लिए (केवल समूह पर्यटन के लिए) वीज़ा और यात्रा प्रतिबंधों में 15 अक्टूबर 2021 से छूट दी थी। व्यक्तिगत पर्यटकों के लिए यह छूट 15 नवंबर 2021 से प्रभावी होगी।

भारत वीज़ा सुस्वा-गतम मोबाइल ऐप

भारत की यात्रा करने के इच्छुक विदेशी नागरिकों की यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने वीज़ा और आप्रवासन सुविधा के लिए "भारत वीज़ा सुस्वागतम" नामक एक मोबाइल ऐप विकसित किया है। ऐप विदेशी नागरिकों को वीज़ा आवेदन के समय से भारत से प्रस्थाऐन करने तक सभी सुविधाएं प्रदान करने के अलावा, विदेशी नागरिकों को वीज़ा के विस्तार, आवासीय परमिट, संबंधित एफआरआरओ/एफआरओ को प्रस्थानन परमिट के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। एंड्रॉयड और आईओएस यूजर्स के लिए यह ऐप, जुलाई 2020 में 24 देशों के नागरिकों के लिए 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में शुरु किया गया, जिसे अक्टूबर 2021 से 36 अन्य देशों के नागरिकों के लिए इसका विस्तालर किया गया है। अब 60 देशों के नागरिक "भारत वीज़ा सुस्वागतम" मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कांसुलर वार्ता तंत्र

विभिन्न देशों के साथ कांसुलर मामलों की व्यापक समीक्षा के लिए स्थापित कार्यतंत्र के भाग के रूप में, भारत ने अब तक 27 देशों के साथ द्विपक्षीय कांसुलर वार्ता कार्यतंत्र स्थीपित किए हैं। प्रत्यकर्पण

मंत्रालय भारत में प्रत्यर्पण मामलों के लिए केंद्रीय प्राधिकरण है। मंत्रालय अंतरराष्ट्रीरय आतंकवाद, वित्तीय धोखाधड़ी, नशीली दवाओं की तस्करी और अन्य अंतरराष्ट्रीटय संगठित अपराधों में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाने के लिए कानूनी और संस्थागत ढांचा प्रदान करने के लिए द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधियों हेतु विभिन्न देशों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भगोड़े अपराधी न्याय से बच न जाएं, ज्यासदा संख्या के देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियों को अंतिम रूप देना भारत सरकार की नीति है। मंत्रालय आपराधिक मामलों और नागरिक एवं वाणिज्यिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर समझौतों और सजा सुनाए गए व्यक्तियों के स्थामनांतरण पर समझौतों को भी सुविधाजनक बनाता है। भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पण को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारत सरकार ने अब तक 50 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियों पर हस्ताक्षर किए हैं। अगस्त 2021 में, भारत ने न्यूजीलैंड सहित 12 देशों के साथ प्रत्यर्पण समझौते किए हैं।

कांसुलर मामले

भारतीय मिशन/केंद्र विभिन्न कांसुलर सेवाएं, जैसे कि विभिन्न श्रेणियों के दस्तावेजों का सत्यापन, भारतीय नागरिकों के जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण और जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करना, भारतीय नागरिकों के नश्व र अवशेषों को भारत वापस ले जाने को सुविधाजनक बनाना, भारतीय नागरिकों के विवाह का पंजीकरण, विदेशी जेलों में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए कांसुलर ऐक्सेस, विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों को भारतीय अदालतों जारी जारी समनों की तामील करना, कल्याणकारी सहायता प्रदान करना आदि प्रदान करते हैं। मिशन/केंद्र जरूरत पड़ने पर भारतीय समुदाय को सलाह, सहायता और मार्गदर्शन भी करते हैं, और विभिन्न स्थानों पर शिकायतों पर ध्यान देने और भारतीय नागरिकों को समय पर सहायता प्रदान करने के लिए मिशनों/पोस्टों और कांसुलर शिविरों में ओपन हाउस आयोजित करते हैं। खाड़ी देशों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय कामगार हैं, हमारे मिशनों और केंद्रों में विशेष समुदाय कल्याण शाखा और श्रमिक शाखा हैं। जुलाई 2020 में शुरू किया गया एक ऑनलाइन कांसुलर सर्विस मॉड्यूल 'सेवा' यानी एसईडब्यू और ए, 13 देशों में कार्यशील है और नवंबर 2021 के दौरान 6 अन्य देशों में इसे लाइव किए जाने की योजना है।

भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) कार्ड योजना

भारत सरकार ने विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के उद्देश्य से अगस्त 2005 में ओसीआई कार्ड योजना शुरू की थी। ओसीआई कार्ड भारत आने के लिए आजीवन वीज़ा है। भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) कार्ड योजना, जिसे वर्ष 1999 में शुरू किया गया था, का 2015 में ओसीआई योजना में विलय कर दिया गया था।

ओसीआई प्रक्रियाओं तथा कार्ड जारी करने/नवीकरण प्रक्रियाओं सहित उनका सुदृढ़ीकरण करने के लिए मंत्रालय द्वारा गृह मंत्रालय (एमएचए) के समन्वय से प्रयास किए जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, भारत सरकार ने ओसीआई आवेदकों की आसानी के लिए ओसीआई नीतियों को सुव्यवस्थित किया है जिसमें अमेरिका के भीतर ओसीआई आवेदन जमा करने के लिए क्षेत्राधिकार प्रतिबंधों को हटाना और मॉरीशस, सूरीनाम तथा सेंट डेनिस, रीयूनियन द्वीप के

भारतीय प्रवासी समुदाय व डायस्पोरा को चौथी पीढ़ी से आगे ओसीआई कार्ड सुविधा प्रदान करना शामिल है। मंत्रालय के प्रयासों की निरंतरता में, अप्रैल 2021 में, ओसीआई दिशानिर्देशों में और ढील दी गई, जिसमें ओसीआई कार्ड को फिर से जारी करने की अनिवार्य जरूरत को समाप्त किया गया है, क्यों कि जब भी किसी विदेशी नागरिक को 20 वर्ष की आयु तक और 50 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद एक बार नया पासपोर्ट जारी किया जाता था, तब हर बार ओसीआई कार्ड जारी करना पड़ता था।

अगस्त 2005 से अब तक 39.5 लाख (लगभग) ओसीआई कार्ड जारी किए गए हैं। 01 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान जारी किए गए ओसीआई कार्डों की संख्या 1,26,463 है।

ई-वीज़ा योजना

भारत सरकार ने 27 नवंबर 2014 को ई-वीज़ा योजना शुरू की। यह योजना पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में कार्यान्वित की गई है। प्रारंभ में यह योजना केवल 43 देशों के लिए ई-पर्यटक वीज़ा के लिए खुली थी और प्रवेश केवल पांच हवाई अड्डों तक ही सीमित था। इन वर्षों में, ई-वीज़ा योजना को क्रमिक रूप से और अधिक उदार बनाया गया है और उसमें अनेक वीज़ा श्रेणियों, जैसे कि ई-बिजनेस वीज़ा, ई-मेडिकल वीज़ा, ई-कॉन्फ्रेंस और ई-मेडिकल अटेंडेंट को शामिल किया गया है तथा इन सुविधाओं को अन्य देशों के नागरिकों को भी प्रदान किया गया है। कोविड महामारी की शुरुआत के कारण मार्च 2020 में इसके निलंबन से पहले 171 देशों के नागरिक ई-वीज़ा योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र थे। इसी प्रकार, 28 भारतीय हवाई अड्डों और 5 भारतीय बंदरगाहों को ई-वीज़ा सेवाएं प्रदान करने के लिए नामित किया गया। मार्च 2020 में कोविड महामारी के बाद निलंबित कर दी गई ई-वीज़ा योजना की सभी श्रेणियां अब 156 देशों के लिए बहाल कर दी गई हैं।

सत्यापिन/ एपॉस्टिल

भारत 5 अक्टूबर 1961 के हेग संधिपत्र का वर्ष 2005 से सदस्य है, जिसने विदेशी सार्वजनिक दस्तावेजों के वैधीकरण की आवश्यकता को समाप्तह किया था। एपॉस्टिल संधिपत्र से जुड़े सभी सदस्य देशों में स्वीकार्य है। अप्रैल 2021 से अक्टूबर 2021 तक 42658 दस्तावेजों को प्रमाणित किया गया है और 57014 दस्तावेजों को ऑनलाइन मोड में प्रमाणित किया गया है। अप्रैल 2021 से अक्टूबर 2021 तक 198038 सत्यापन और 222556 एपॉस्टिल सेवाएं ऑफ़लाइन मोड में प्रदान की गई हैं। 2017 में ई-सनद की शुरूआत के बाद 7,84,887 से अधिक दस्तावेजों को सफलतापूर्वक निपटाया गया है।

पासपोर्ट सेवा

मंत्रालय का पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) प्रभाग भारत और विदेशों में पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करता है। पासपोर्ट जारी करना मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली एक सबसे अधिक उल्लेखनीय सांविधिक और नागरिक केंद्रित सेवाओं के रूप में उभरकर आई है। मंत्रालय मात्रात्मक और गुणात्मक परिवर्तन कर रहा है ताकि नागरिकों को सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के माध्यम से और प्रतिबद्ध, प्रशिक्षित और प्रेरित कार्यबल द्वारा समयबद्ध, पारदर्शी, ज्या दा सुगम, विश्वमसनीय और सुविधाजनक माहौल में पासपोर्ट वितरित किए जा सकें।

मंत्रालय द्वारा भारतीय पासपोर्ट (अन्य यात्रा दस्तावेजों, जैसे कि नागरिकता विहीन व्यक्तियों के लिए पहचान प्रमाणपत्र, भारत लौटने वालों के लिए आपातकालीन प्रमाणपत्र, पुलिस मंजूरी प्रमाणपत्र, अभ्यपर्पण प्रमाणपत्र के साथ) केंद्रीय पासपोर्ट संगठन (सीपीओ) और इसके 36 पासपोर्ट कार्यालयों, सीपीवी प्रभाग (केवल राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट) तथा अंडमान और निकोबार द्वीप प्रशासन के अखिल भारतीय नेटवर्क के माध्यम से जारी किए जाते हैं। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में 93 पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) और 428 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) (डाक विभाग के सहयोग से) को जोड़कर इस नेटवर्क का व्यापक रूप से विस्तार किया गया है। 30 नवंबर 2021 तक, देश में कार्यरत पीएसके और पीओपीएसके सहित पासपोर्ट सेवा केंद्रों की कुल संख्या 521 थी। विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए पासपोर्ट संबंधी सेवाएं विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। अब तक, 176 भारतीय मिशनों/केंद्रों को पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम में एकीकृत किया जा चुका है।

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी)

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी), जो कि एक मिशन मोड परियोजना है, सेवा प्रदाता के रूप में मैसर्स टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में कार्यान्वित की जा रही है। 12 जून 2012 को 'लाइव' होने के बाद इसने अपने सफल परिचालन के 9 से अधिक वर्ष पूरे कर लिए हैं।

भारत और विदेशों में मिशनों/केंद्रों में पासपोर्ट सेवाएं

अप्रैल से नवंबर 2021 तक, भारत सरकार को भारत में और विदेशों में अपने मिशनों/केंद्रों के माध्यम से 60.54 लाख से अधिक पासपोर्ट और पासपोर्ट संबंधी आवेदन प्राप्तं हुए।

मंत्रालय ने वर्ष 2021 के दौरान भारत में लगभग 50.10 लाख पासपोर्ट और

पासपोर्ट संबंधी आवेदनों को निपटाया और इनमें से 48.00 लाख से अधिक पर कार्रवाई की।

विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों में 10.44 लाख पासपोर्ट और पासपोर्ट से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए और अप्रैल से नवंबर 2021 की अवधि के दौरान इनमें से 9.94 लाख पासपोर्ट जारी किए गए। जबकि, भारत सरकार ने इसी अवधि के दौरान 57.94 लाख से अधिक पासपोर्ट और पासपोर्ट संबंधी दस्तावेज जारी किए।

पासपोर्ट सेवा वितरण में सुधार

पीएसपी के कार्यान्वयन और मंत्रालय द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से देश में पासपोर्ट सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पीपीपी मोड में देशभर में अच्छी सुविधाओं के साथ स्थापित पीएसके द्वारा लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान की जा रही है। इस प्रणाली के तहत, आवेदकों को अपने पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा, अपेक्षित दस्तावेज अपलोड करने होंगे, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) नेट बैंकिंग/एसबीआई चालान के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा, मुलाकात का समय लेना होगा और फिर नामित पीएसके/पीओपीएसके में जाना होगा। एक उपयोगकर्ता–अनुकूल पोर्टल उपलब्ध कराया गया है। जब कोई आवेदक पीएसके/पीओपीएसके में आता है, तो आवेदकों की आवाजाही की निगरानी के लिए सभी पीएसके/पीओपीएसके में पहले आओ-पहले जाओ सिद्धांत पर काम करने वाली इलेक्ट्रॉनिक पंक्ति प्रबंधन प्रणाली (ईक्यूएमएस) उपलब्ध रहती है। पोर्टल और एसएमएस सेवा के माध्यम से आवेदक अपने आवेदनों की स्थिति का स्वयं पता लगा सकते हैं। पासपोर्ट जारी करने की मौजूदा प्रणाली में, किसी भी स्तर पर कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहएता है, और पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से एकबारगी यात्रा मंजूरी के माध्यम से पुन:व्यनवस्थित प्रक्रिया के साथ चलती है।

एम-पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप

पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन करने, भुगतान करने और समय निर्धारित करने की अतिरिक्त सुविधाओं सहित एम-पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। अप्रैल से नवंबर 2021 तक की अवधि के दौरान एम-पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप का उपयोग करके 1.34 लाख आवेदन दाखिल किए गए। पासपोर्ट सेवाओं हेतु आवेदन करने के लिए नागरिकों को कंप्यूटर और प्रिंटर तक पहुंच की जरूरत नहीं होती। एम-पासपोर्ट सेवा ऐप पासपोर्ट सेवाओं के निम्नट उन्नत सेट का समर्थन करती है:

i. नए यूजर का पंजीकरण
ii. यूजर के पंजीकृत एकाउंट में साइन इन
iii. पासपोर्ट और पुलिस स्वी कृति प्रमाणपत्र (पीसीसी) के लिए आवेदन करने के लिए आवेदन प्रपत्र भरना
iv. पासपोर्ट सेवाओं के लिए भुगतान करना
v. मुलाकात निर्धारित करना
vi. आवेदन की उपलब्धिता की स्थिति
vii. दस्ता वेज सलाहकार
viii. शुल्क गणक

भारत में कहीं से भी आवेदन करना

अब कोई भी आवेदक भारत में कहीं से भी पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकता है। इस पहल ने आवेदकों को पासपोर्ट कार्यालय (पीओ) और ऐसे पीओ के तहत वांछित पीएसके/पीओपीएसके जहां वे अपना आवेदन जमा करना चाहते हैं, चुनने की सुविधा प्रदान की गई है, भले ही आवेदन पत्र में निर्दिष्टर मौजूदा आवासीय पता चयनित पीओ के क्षेत्राधिकार में हो या न हो। पुलिस सत्यापन उस पुलिस स्टेशन द्वारा किया जाता है जिसके क्षेत्राधिकार के तहत आवेदन प्रपत्र में उल्लिखित पता आता है और इसी पते पर यानी जो आवेदक ने आवेदन जमा करने के समय पर दिया है, चयनित पीओ द्वारा मुद्रित कर पासपोर्ट भेजा जाता है। इस योजना के तहत अप्रैल से नवंबर 2021 तक की अवधि के दौरान 7.15 लाख से अधिक आवेदन जमा किए गए।

मुलाकातें

मंत्रालय ने प्रति दिन लगभग 77,600 मुलाकातों की मंजूरी दी। पीएसके में पासपोर्ट आवेदन जमा करने के लिए ऑनलाइन मुलाकातें सुनिश्चित करना आसान बना दिया गया है। मौजूदा प्रावधान आवेदकों को पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं के लिए मुलाकात का समय निर्धारण/ पुनर्निर्धारण करने के लिए अतिशीघ्र पांच उपलब्ध तारीखों (कार्य दिवसों) में कोई भी मुलाकाती तारीख चुनने की सुविधा देता है। इसने पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया को आसान और त्वरित बना दिया है।

आवेदनों की मात्रा

पासपोर्ट के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या के मामले में, शीर्ष पांच राज्य केरल (5,98,980), महाराष्ट्र (5,15,012), पंजाब (4,74,594), उत्तर प्रदेश (4,59,088) और तमिलनाडु (4,45,969) थे जो अप्रैल से नवंबर 2021 के दौरान देशभर से प्राप्तत कुल आवेदनों (47.39 लाख) का लगभग 52.6% है।

वर्ष 2021 में इसी अवधि के दौरान प्राप्तै आवेदनों की संख्या के मामले में, शीर्ष पांच पासपोर्ट कार्यालय चंडीगढ़ (3,19,008), मुंबई (3,13,480), बेंगलुरु (2,86,389), हैदराबाद (2,85,708) और अहमदाबाद (2,83,404) थे।

पुरस्कार एवं सम्मान

पीएसपी ने सरकार में उच्चतम स्तरों पर सम्मांन प्राप्त3 किया है। यह केस स्टडी ज का विषय रहा है। पीएसपी ने वर्ष 2020 में प्रदान किए गए निम्न पुरस्का रों सहित कई पुरस्कार जीते हैं:

i. पीएसपी ने ग्राहक सेवा में नवाचार की श्रेणी में 28 फरवरी 2020 को सिल्वर स्टीव पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार भारत में पासपोर्ट जारी करने की प्रणाली में लाए गए बदलाव के लिए दिया गया है।
ii. मंत्रालय के पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम, पीएसपी प्रभाग को महामारी के दौरान नागरिकों को सेवाओं के वितरण हेतु डिजिटल पारिस्थितिकी

तंत्र को कार्यशील बनाने के लिए 28 नवंबर 2020 को 'कोविड के प्रति कार्रवाई यानी रिस्पॉनस टू कोविड' श्रेणी में 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड' प्रदान किया गया।

पासपोर्ट सेवाओं की पहुंच

क. पासपोर्ट कार्यालय (पीओ)

मंत्रालय ने आम जनता द्वारा पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कदम उठाए हैं। इनमें पासपोर्ट नियमों का सरलीकरण और पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के वितरण में लोगों तक पहुंच बनाना शामिल है। सरकार का उद्देश्य पासपोर्ट की मांग को पूरा करना और पासपोर्ट कार्यालयों से दूर स्थित लोगों तक पहुंच को सुगम बनाना है। 36 पासपोर्ट कार्यालयों की सूची अनुबंध IX पर है।

ख. पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके)

इस दिशा में, मंत्रालय ने मई 2014 से अब तक 16 पीएसके खोले हैं, जिसमें भारत के सभी पूर्वोत्तर राज्य शामिल हैं। 30 नवंबर 2021 तक देश में 93 पीएसके कार्यरत हैं। इन 93 पीएसके की सूची अनुबंध X पर है।

ग. डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके)

मंत्रालय ने 24 जनवरी 2017 को डाक विभाग (डीओपी) के सहयोग से देश में प्रधान डाकघरों/डाकघरों में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने के लिए एक अभिनव पहल की घोषणा की, जिसे 'डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र' (पीओपीएसके) कहा जाता है। मंत्रालय ने 30 नवंबर 2021 तक अनुबंध XI में दी गई सूची के अनुसार 428 पीओपीएसके को संचालित किया है।

पीओपीएसके अन्य मौजूदा पीएसके की तरह काम कर रहे हैं। पीओपीएसके खुलने के बाद पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं आया है। पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले आवेदक, मुलाकात का समय निर्धारित कर सकते हैं और पासपोर्ट जारी करने से पहले आवश्यक पीएसके जैसी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए नामित पीओपीएसके पर पुन: जा सकते हैं। पीओपीएसके में फोटो, बायोमेट्रिक्स और सहायक दस्तावेज़ इलेक्ट्रॉनिक रूप से अभिगृहीत किए जाते हैं और आवेदक को पासपोर्ट जारी करने से पहले दुबारा आने की जरूरत नहीं पड़ती है।

घ. विदेश में भारतीय मिशनों/केंद्रों का पीएसपी में समेकन

विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों को पीएसपी में समेकित करने की अक्टूबर 2018 में शुरू हुई प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य विदेशों में रहने वाले और पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के इच्छुेक भारतीय नागरिकों के लिए एकल केंद्रीकृत डेटाबेस पर काम करने वाली एक समान केंद्रीकृत पासपोर्ट जारी करने की आवेदन प्रक्रिया की व्यरवस्था करना है। मंत्रालय ने 176 भारतीय मिशनों/केंद्रों में पासपोर्ट जारी करने की प्रणाली को पीएसपी प्रणाली में सफलतापूर्वक समेकित किया है। ये मिशन/केंद्र विदेशों में 95% से अधिक पासपोर्ट जारी करते हैं। मंत्रालय विदेश में शेष 16 भारतीय मिशनों/केंद्रों के समेकन को अतिशीघ्र पूरा करने के लिए कार्य कर रहा है।

पुलिस सत्यापन

पुलिस सत्यापन समय पर पासपोर्ट जारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्रालय पुलिस सत्यापन में तेजी लाने के लिए राज्यों/संघ राज्यभ क्षेत्रों (यूटी) के पुलिस विभागों के निकट संपर्क में रहता है। पुलिस सत्यापन को पूरा करने में लगने वाले दिनों की संख्या का अखिल भारतीय औसत अब 15 दिन है। 2021 में 21 दिनों के भीतर 87 प्रतिशत पुलिस सत्यापन पूरा किया गया।

कुछ राज्यों/संघ राज्यै क्षेत्रों ने पुलिस सत्यापन निपटान समय लगातार कम रखा है। उदाहरण के लिए, हिमाचल प्रदेश पुलिस सत्यापन केवल दो दिनों में; जबकि केरल, ओडिशा और तेलंगाना चार दिनों में और आंध्र प्रदेश केवल पांच दिनों में पूरा करता है। मंत्रालय द्वारा निरंतर और ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप पंसदीदा जिला पुलिस मुख्यालय (डीपीएचक्यू) सत्यापन मॉडल अपनाने वाले जिलों की संख्या में वृद्धि हुई है। अब तक 833 में से, 801 पुलिस जिलों ने नई प्रणाली को अपनाया है और जिला मॉडल पर कार्य कर रहे हैं।

मंत्रालय ने एंड-टू-एंड कागजरहित डिजिटल प्रवाह के लिए एंड्रॉइड-आधारित एमपासपोर्ट पुलिस ऐप शुरू किया है। ऐप में आवेदक के व्यक्तिगत विवरण और तस्वीर को अभिगृहीत करने और उसे संबंधित हितधारकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रसारित करने की क्षमता है। पुलिस द्वारा क्षेत्र सत्यापन की प्रामाणिकता सुनिश्चित करते हुए, ऐप आवेदक के निवास स्थान के स्थान निर्देशांक को भी अभिगृहीत करता है। 379 जिला पुलिस मुख्योलय एमपासपोर्ट पुलिस ऐप का उपयोग कर रहे हैं। अप्रैल से नवंबर 2021 की अवधि के दौरान मोबाइल एप के माध्यम से कुल 22,82,096 आवेदन जमा किए गए हैं।

न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन को साकार करने के लिए कामकाज में वृद्धि/प्रक्रियाओं का सरलीकरण

i. भारत और विदेश में रहने वाले नागरिकों की कठिनाइयों को कम करने के लिए, पासपोर्ट जमा करने की तारीख समाप्ति होने के बाद 03 वर्ष तक के सभी पासपोर्ट पुन:जारी करने के मामले नो-पीवी आधार पर निपटाए जाएंगे।

ii. पीसीसी के लिए दिशानिर्देशों को उचित रूप से उदार बनाया गया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा गया है कि व्यक्तिगत विवरण में किसी भी बदलाव, यानी पते में बदलाव, पति या पत्नी के नाम में बदलाव, आदि में कोई भी बदलाव के चलते आवेदकों को पहले एक नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करना पड़ता था और फिर पीसीसी के लिए आवेदन करना होता था। अब आवेदक को नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करना आवश्यएक नहीं है, यदि पीसीसी जारी करने के लिए मौजूदा पते और पति या पत्नी के नाम में बदलाव किया जाता है तो।

iii. भारत और विदेश में सभी पासपोर्ट निर्गम प्राधिकारियों को स्प ष्टीनकरण जारी किए गए हैं जिनमें कहा गया है कि वे आवेदकों के नामों को उनके द्वारा उपलब्धक कराए गए दस्तावेजों के अनुसार स्वीआकार करें, भले ही पीआईए को आशंका हो कि आवेदक ने अपना नाम संक्षिप्त रूप में लिखा है या नहीं।

iv. भारत और विदेशों में सभी पासपोर्ट निर्गम प्राधिकारियों (पीआईए) को, उन नाबालिगों को जिनके पासपोर्ट आवेदन एकल माता-पिता द्वारा दायर किए गए हैं, पासपोर्ट जारी करने के लिए स्पष्टीरकरण जारी किए गए हैं। मंत्रालय द्वारा दिए गए इन निर्देशों से पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में दक्षता बढ़ेगी।

पासपोर्ट सेवा दिवस 2021

24 जून 1967 को पासपोर्ट अधिनियम के अधिनियमन के उपलक्ष्य में, 24 जून 2021 को पासपोर्ट सेवा दिवस मनाया गया। इस अवसर को मनाने के लिए मंत्रालय द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विदेश मंत्री और राज्यमंत्री, श्री वी. मुरलीधरन (राज्य मंत्री [वीएम]) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पासपोर्ट अधिकारियों को संबोधित किया।

अपने मुख्य भाषण में, विदेश मंत्री ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पासपोर्ट और पासपोर्ट संबंधी सेवाएं प्रदान करने में सभी पासपोर्ट कार्यालयों के समर्पण और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले केंद्रीय पासपोर्ट संगठन (सीपीओ) के कर्मियों के शोकसंतप्तन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्तप की।

विदेश मंत्री ने कहा कि पासपोर्ट कार्यालयों को नागरिक-केंद्रित सेवाओं को और अधिक नागरिक-अनुकूल बनाना चाहिए और नागरिकों पर अनुपालन बोझ को कम करके पासपोर्ट नियमों एवं प्रक्रियाओं को और भी सरल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने डाक विभाग के साथ मिलकर पूरे देश में पीओएसपीके स्थापित करके नागरिकों तक पासपोर्ट सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ किया है।

इस बात पर जोर देते हुए कि मंत्रालय ने पासपोर्ट वितरित करने की सेवाओं सहित अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रणालियों के उपयोग का लाभ उठाया है, उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने हाल ही में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम को डिजिलॉकर के साथ समेकित किया है, जिसने नागरिकों को कागजरहित मोड में पासपोर्ट सेवा प्राप्ते करने के लिए विभिन्न दस्तावेज जमा करने में सुविधा प्राप्ति हुई है और उन्हें मूल दस्तावेज ले जाना आवश्यिक नहीं है।

राज्यरमंत्री (वीएम) ने एक प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से, पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम की आउटरीच गतिविधियों के लिए एक 'लोगो' और एक 'टैगलाइन' के चयन की घोषणा की, जिसके लिए मंत्रालय को नागरिकों से भारी संख्या में प्रविष्टियां प्राप्तऔ हुई। अपने संबोधन में, राज्यंमंत्री (वीएम) ने नागरिकों के हित में पारदर्शी और उत्कृाष्टम पासपोर्ट वितरण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए भारत और विदेशों में पासपोर्ट जारी करने वाले सभी प्राधिकारियों के प्रयासों का उल्ले ख किया। उन्होंने यह भी उल्लेीख किया कि इस उत्कृकष्टऔ शिकायत निवारण प्रणाली, जिसे अपनी कार्यदक्षता के लिए सीपीग्राम्सृ में सम्मानि प्राप्तल हुआ है, ने हमारी सेवाओं के वितरण में और ज्यालदा सुधार ला दिया है।

विदेश मंत्री द्वारा पोर्ट ब्लेयर में पीओपीएसके का औपचारिक रूप से वर्चुअल उद्घाटन

सर्वश्रेष्ठी निष्पाबदन करने वाले पासपोर्ट कार्यालयों और सेवा प्रदाता, यानी टीसीएस के कर्मचारियों के लिए पासपोर्ट सेवा पुरस्कारों की घोषणा की गई। चूंकि पुलिस सत्यापन पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक है, इसलिए त्वरित पुलिस मंजूरी प्रदान करने के लिए पुलिस विभागों द्वारा किए गए प्रयासों का विशेष उल्लेख किया गया।

लोक शिकायत निवारण तंत्र

पासपोर्ट सेवा परियोजना के तहत, मंत्रालय ने एक सशक्तल शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की है जिसमें शिकायतों से निपटने और नागरिकों की प्रतिक्रिया सहित विभिन्न पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के बारे में सूचना का प्रसार करने हेतु 17 भाषाओं में और 24 x 7 आधार पर कार्यरत टोल-फ्री नंबर (1800-258-1800) वाला एक बहुभाषी राष्ट्रीसय कॉल सेंटर स्थापित किया गया है, जो वर्तमान में एक केंद्रीय प्रणाली मंच पर कार्य करता है। इसने वर्ष 2021 में प्रति दिन लगभग 13,000 कॉलों का प्रबंध किया (जिनमें 52% हिंदी में, 26% अंग्रेजी में और 22% क्षेत्रीय भाषाओं में थीं)। पासपोर्ट पोर्टल में एक ईमेल-आधारित हेल्पडेस्क भी है, जहां सुझावों और शिकायतों को दर्ज किया जा सकता है। नागरिक इस पोर्टल के माध्यम से अपने पासपोर्ट आवेदनों/शिकायतों की स्थिति की ऑनलाइन निगरानी भी कर सकते हैं।

पीएसपी प्रभाग में संयुक्तक सचिव (पीएसपी) और सीपीओ की देखरेख में एक लोक शिकायत निवारण प्रकोष्ठय (पीजीआरसी) स्थापित किया गया है, जिसे केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्सी) के लिए मंत्रालय के लोक शिकायतों के प्रभारी अधिकारी के रूप में भी नामित किया गया है। यह दूरभाष, ई-मेल और डाक के माध्यम से आम जनता से सीधे प्राप्तय शिकायतों और राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग आदि जैसे विभिन्न सरकारी कार्यालयों के माध्यम से भेजी गई शिकायतों को निपटाता है। इसके अलावा, सभी पीओ कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की सीपीग्राम्सै वेबसाइट (https://pgportal.gov.in) और पासपोर्ट शिकायतों, यानी पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से प्राप्ता सेवा अनुरोध संख्या (एसआरएन) के माध्यम से जनता से प्राप्टत शिकायतों का निपटान करते हैं। आवेदकों की सहायता करने और शिकायतों पर तेजी से ध्यान देने के लिए पीओ एवं पीएसके में महत्वंपूर्ण स्थानों पर सूचना और सुविधा काउंटर, लोक शिकायत प्रकोष्ठय, शिकायत/सुझाव पेटियां और सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं। लोक शिकायत अधिकारी का नाम, पता और दूरभाष नंबर पीओ/पीएसके में और पीओ की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया जाता है। सभी पीओ में एक समय-सीमा के भीतर नागरिकों की किसी भी शिकायत की जांच करने और उसका निवारण करने के लिए एक लोक शिकायत निवारण प्रणाली है।

सीपीग्राम्सी के तहत 01 अप्रैल से 30 नवंबर 2021 की अवधि के दौरान 14,060 शिकायतें (2020 की बकाया 1,111 सहित) प्राप्तक हुई, जिनमें से 13,642 शिकायतों का निपटान किया गया। इस अवधि के दौरान, 44,542 जन शिकायत याचिकाएं (शिकायतों/पूछताछ और ऊपर उल्लिखित सीपीग्राम्सन से संबंधित ईमेल, डाक, फैक्स से प्राप्तर 30,482 शिकायतों सहित) प्राप्तव हुई, जिनमें से 44,124 शिकायतों का निपटान किया गया। शिकायत पर ताजा स्थिति, आगे की कार्रवाई के निर्देशों सहित, वेबसाइट पर पोस्ट की जाती है, जिसे जनता द्वारा देखा जा सकता है।

पासपोर्ट अदालतें

पासपोर्ट आवेदकों की शिकायतों के निवारण के लिए पासपोर्ट कार्यालय नियमित रूप से पासपोर्ट अदालतें आयोजित करते हैं। ये अदालतें आवेदकों से सीधे संवाद के माध्यम से जटिल मामलों के निपटान में बहुत उपयोगी रही हैं।

हज़ यात्री

भारतीय हज़ समिति (संसद के अधिनियम, 2002 की संख्या 35 के तहत गठित) के निर्णय के अनुसार, केवल वैध पासपोर्ट धारक ही हज़ के लिए आवेदन कर सकते हैं। पिछले वर्षों की तरह, सभी पासपोर्ट जारी करने वाले अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें निर्देश दिया गया है कि वे संभावित हज़ यात्रियों के पासपोर्ट आवेदनों को निपटाने हेतु उच्च प्राथमिकता दें और एक नोडल अधिकारी नामित करें, सुविधा काउंटर खोलें, आवेदकों के लिए समय आरक्षित करें, और ऐसे नागरिकों से प्राप्तर अनुरोधों को शीघ्रतापूर्वक निपटाएं तथा आवश्यक दस्तावेज, पुलिस सत्यापन और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पासपोर्ट जारी करना सुनिश्चित करें।

पासपोर्ट कार्यालयों का निरीक्षण

पासपोर्ट कार्यालयों तथा विभिन्न राज्यों में पीएसके और पीओपीएसके का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है, ताकि उनकी प्रक्रियात्मक एवं प्रचालन दक्षता को तथा नागरिक केंद्रित सेवाएं संतोषजनक प्रक्रिया में प्रदान करने की क्षमता को बढ़ाया जा सके। पूरे भारत में कार्यरत पीएसके का निरीक्षण नियमित आधार पर गैर-तकनीकी सेवा स्तरीय समझौते के तहत भी किया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई)

आवेदकों को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक पासपोर्ट कार्यालय में केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारी की नियुक्ति की गई है। पीएसपी प्रभाग में केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी भी नियुक्ति किए गए हैं। संयुक्ति सचिव (पीएसपी) और मुख्य पासपोर्ट अधिकारी (सीपीओ) मंत्रालय में पीएसपी प्रभाग से संबंधित आरटीआई मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी हैं। 17 जून 2014 से सभी पासपोर्ट कार्यालयों में एक सीपीआईओ पोर्टल ऑनलाइन बनाया गया है। अप्रैल से नवंबर 2021 की अवधि के दौरान कुल 3,414 ऑनलाइन आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2,591 का निपटान किया गया।

अपीलें (पासपोर्ट अधिनियम की धारा 11 के तहत)

पीआईए के निर्णयों के खिलाफ अपील करना उन व्यक्तियों के लिए एक सांविधिक अधिकार है, जो पासपोर्ट अधिनियम की धारा 11 के तहत प्रभावित होते हैं। इन मामलों के लिए संयुक्त5 सचिव (पीएसपी) और मुख्य पासपोर्ट अधिकारी अपीलीय प्राधिकारी हैं। कोविड महामारी के मद्देनजर, मंत्रालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपील की सुनवाई करने का निर्णय लिया ताकि अपील याचिकाओं के समय पर निपटान में किसी भी तरह की देरी से बचा जा सके। अप्रैल से नवंबर 2021 की अवधि के दौरान, कुल 18 अपीलों की सुनवाई की गई और उनका निपटान किया गया।

यात्रा दस्ताकवेज़ों का विनिर्माण और वैयक्तिकीकरण

सभी भारतीय यात्रा दस्तावेज़ इंडिया सिक्योरिटी प्रेस, नासिक द्वारा विनिर्मित किए जाते हैं, जो सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) के अधीन एक इकाई है। भारतीय पासपोर्ट की समग्र गुणवत्ता, कार्यक्षमता और सुरक्षा में सुधार के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। पीओ में नए डिजाइन और लेआउट में पासपोर्ट पुस्तिका को चरणबद्ध तरीके से पेश किया गया है। विदेशों में सभी डाकघरों, मुख्यालयों और चुनिंदा मिशनों/केंद्रों को मशीन-पठनीय पासपोर्ट प्रिंटर उपलब्ध कराए गए हैं। सभी पीआईए अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार मशीन-पठनीय पासपोर्ट (एमआरपी) जारी करते हैं। विदेश में 192 दूतावासों/वाणिज्य दूतावासों और सहायक सचिव (पासपोर्ट), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर के कार्यालय के लिए, घोस्टा इमेज सुरक्षा सुविधा वाले एमआरपी मंत्रालय के नई दिल्ली स्थित पीएसपी प्रभाग के केंद्रीय भारतीय पासपोर्ट मुद्रण प्रणाली (सीआईपीपीएस) में मुद्रित किए जाते हैं। सीआईपीपीएस ने नवंबर 2021 तक 7,36,061 पासपोर्ट (जिसमें 501 राजनयिक पासपोर्ट और 442 आधिकारिक पासपोर्ट शामिल हैं) मुद्रित किए। 2,27,788 प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डों को भी अप्रैल से नवंबर 2021 के दौरान विदेशों में सीआईपीपीएस/ओसीआई प्रकोष्ठों और मिशनों में वैयक्तीकृत किया गया।

ई-पासपोर्ट

आईसीएओ की सिफारिश के अनुसार, मशीन-पठनीय यात्रा दस्तावेज़ों (एमआरटीडी) में बायोमेट्रिक डेटा को शामिल करने के लिए, भारत सरकार ने मौजूदा पासपोटों को अपग्रेड करने और नागरिकों को उन्नत सुरक्षा सुविधाओं एवं मुद्रण तथा कागज की बेहतर गुणवत्ता वाले चिप वाले ई-पासपोर्ट जारी करने का भी निर्णय लिया है। ई-पासपोर्ट धोखाधड़ी और छेड़छाड़ की घटनाओं से ज्याईदा सुरक्षा प्रदान करता है।

अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ)

भारत आईसीएओ के 'ई-पासपोर्ट पर सार्वजनिक मुख्य निर्देशिका (पीकेडी) बोर्ड' का सदस्य है, जो एमआरटीडी के दिशानिर्देशों को लागू कर रहा है। आईसीएओ ने केंद्रीय संदर्भ के रूप में दस्तावेज़ 9303 के संदर्भ में, नागरिक विमानन सुरक्षा में सुधार के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा दस्तावेजों के लिए वैश्विक रूप से अंतर-संचालित ई-पासपोर्ट सत्यापन योजना को बढ़ावा देने के लिए लागत साझाकरण आधार पर आईसीएओ पीकेडी स्था-पित किया है। पीकेडी बोर्ड के सदस्यों को पीकेडी प्रतिभागी देशों द्वारा नामित किया जाता है और आईसीएओ परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है। भारत फरवरी 2009 से आईसीएओ पीकेडी का सदस्य है। भारत ने 27-28 अक्टूबर 2021 के दौरान एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में पीकेडी बोर्ड की 28वीं बोर्ड बैठक में भी भाग लिया।

केंद्रीय पासपोर्ट संगठन

केंद्रीय पासपोर्ट संगठन को 1959 में मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में सृजित किया गया था, जिसके प्रमुख संयुक्तए सचिव एवं मुख्य पासपोर्ट अधिकारी हैं, जो पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत अपीलीय प्राधिकारी और वित्तीय शक्तियों की प्रत्यामयोजन नियमावली 1978 के तहत विभाग के प्रमुख के रूप में भी कार्य करते हैं।

31 नवंबर 2021 तक, सीपीओ की स्वीकृत जनशक्ति 2,741 थी और कार्यबल संख्याय 1,746 थी। इसके अलावा, पासपोर्ट सेवा परियोजना की परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) में 15 तकनीकी और 6 सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। वर्तमान में समूह 'क' स्तर पर 39, समूह 'ख' राजपत्रित और अराजपत्रित स्तरों पर 553 और समूह 'ग' स्तर पर कुल 995 रिक्तियां हैं। समूह 'क' स्तर पर रिक्तियां (i) संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से समूह 'क' के पदों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर, (ii) समूह 'ख' (राजपत्रित) रिक्तियों को फीडर पद से पदोन्नति के माध्यम से और (iii) समूह 'ख' (अराजपत्रित) तथा समूह 'ग' की रिक्तियां कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के माध्यम से फीडर कैडर और सीधी भर्ती/सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (एलडीसीई) से पदोन्नति के माध्यम से भरी गई हैं। सीधी भर्ती/एलडीसीई के लिए रिक्तियों को रिक्ति वर्ष 2018, 2019 और 2020 के लिए एसएससी को सूचित किया गया है। सीधी भर्ती/एलडीसीई परीक्षा के लिए वर्ष 2021 के लिए रिक्तियों की संख्याय एसएससी द्वारा मांगे जाने पर सूचित की जाएंगी।

मंत्रालय ने पीओ के सुचारू कामकाज के लिए अराजपत्रित पदों की स्वीकृत संख्या और कार्यबल के बीच के अंतर को कम करने के लिए एक आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से रिक्त अराजपत्रित पदों पर 347 डाटा एंट्री ऑपरेटर्स और 51 कार्यालय सहायक भी तैनात किए हैं। एसएससी को 59 सहायक अधीक्षकों और 25 कनिष्ठर अनुवाद अधिकारियों की सीधी भर्ती के रिक्ती पदों को भरने के लिए सूचित किया गया है। विभिन्न ग्रेडों में एमएसीपी के लिए सीपीओ के 19 अधिकारियों के संबंध में विचार किया गया।

2010 से 2019 तक (कोविड-पूर्व) सीपीओ द्वारा 36 पासपोर्ट कार्यालयों, 93 पीएसके और 428 पीओपीएसके के नेटवर्क के माध्यम से निपटाए गए पासपोर्ट आवेदनों में 100% वृद्धि को देखते हुए, सीपीओ के संवर्ग के पुनर्गठन और संवर्ग की कर्मचारी संख्या की समीक्षा करने की आवश्यकता महसूस की गई। व्यय विभाग (डीओई) की कर्मचारी निरीक्षण इकाई (एसआईयू) द्वारा सीपीओ के भौतिक निरीक्षण और स्टाफिंग अध्ययन का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को नवंबर 2019 में भेजा गया। अब व्यय विभाग ने सलाह दी है कि प्रभावी दिशानिर्देशों के अनुसार प्रशासनिक मंत्रालय अपने अधीन संवर्गों की समीक्षा कर सकता है जिनके लिए वे संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी है, और इस संबंध में प्रस्ताहव संबंधित वित्तीय सलाहकार की सिफारिश के बाद तथा प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद डीओई को भेजे जा सकते हैं। तदनुसार, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से सीपीओ के सभी संवर्गों के पुनर्गठन के लिए एक संवर्ग समीक्षा समिति का गठन किया जा रहा है।

24

प्रवासी भारतीय मामले

ओआईए-I

यह वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण बहुत चुनौतीपूर्ण रहा क्यों कि इसने दुनिया को बूरी तबाह कर दिया था। लॉकडाउन के कारण, प्रभाग की कई योजनाएं और लक्ष्य काफी हद तक प्रभावित हुए, हालांकि यथासंभव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके प्रभाग ने अपने कार्यों को आगे बढ़ाने के प्रयास किए। 2021-22 के दौरान इस प्रभाग की मुख्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

भारतीय समुदाय कल्याण कोष (आईसीडब्यूिए। एफ) के तहत सहायता

आईसीडब्य़ुदा एफ को 2009 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य आपातकालीन चिकित्सा सहायता, फंसे हुए भारतीयों को हवाई मार्ग, कानूनी सहायता, बोर्डिंग और लॉजिंग, वैवाहिक मुद्दों से पीड़ित भारतीय महिलाओं को सहायता, और मृतकों के पार्थिव शरीरों को भारत में लाने के लिए संकट से जूझ रहे एवं बहुत ज्याओदा जरूरतमंद प्रवासी भारतीय नागरिकों को संकटकाल के दौरान सहायता प्रदान करना था। सितंबर 2017 से आईसीडब्ल्यूएफ के नए दिशानिर्देशों ने विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों को अधिक लचीलापन के साथ विदेशों में भारतीय नागरिकों द्वारा प्राप्त् सहायता अनुरोधों को निपटाने में सहायता प्रदान की। कोविड-19 महामारी के दौरान, विदेशों में स्थित मिशनों/केंद्रों ने आईसीडब्ल्यूएफ से संकटग्रस्त/फंसे भारतीयों की लगातार सहायता की। इसी क्रम में 1,71,600 से अधिक प्रवासी भारतीयों को सहायता प्रदान करने के लिए 31 अक्टूबर 2021 तक लगभग 44.19 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2014 से, इस कोष के तहत सितंबर-2021 तक लगभग 2,70,000 लाभार्थी हैं, जिन पर कुल खर्च 471 करोड़ रुपए था।

प्रस्थान-पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम (पीडीओटी)

मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा पीडीओटी प्रशिक्षण काफी गति से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में 31 पीडीओटी केंद्र प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। अक्टूबर 2021 तक लगभग 1,04,000 संभावित उत्प्रवासियों (इमिग्रेंट्स) ने पीडीओटी में भाग लिया। अप्रैल 2021 में, ऑनलाइन पीडीओटी की शुरुआत की गई जिसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

प्रवासी भारतीय बीमा योजना (पीबीबीवाई)

प्रवासी भारतीय बीमा योजना (पीबीबीवाई) ईसीआर देशों में जाने वाले सभी प्रकार के कामगारों के लिए अनिवार्य बीमा योजना है, जिन्हेंआ आवश्यक उत्प्रवास जांच (ईसीआर) से गुज़रना होता है। इस योजना के अंतर्गत आकस्मिक मृत्यु या स्थायी विकलांगता के मामले में 10 लाख का बीमा कवर और अन्यश लाभ दिए जाते हैं, जबकि इसके लिए दो साल के लिए 275 रुपये या तीन वर्षों की वैधता के साथ 375 रुपये का साधारण बीमा प्रीमीयम देना होता है। इस योजना को संशोधित कर 01 अगस्त 2017 से लागू किया गया था जिसे अब विस्तौरित किया गया है ताकि उसके अंतर्गत इमिग्रेशन चेक नॉट रिक्वायर्ड (ईसीएनआर) श्रेणी के श्रमिकों को शामिल किया जा सके और हमारे श्रमिकों के हित में दावों के निपटान को आसान बनाया जा सके। इसका उद्देश्य दावों के शीघ्र निपटान को सुनिश्चित करना भी है। 2014 में ई-माइग्रेट पोर्टल के शुभारंभ के बाद, सरकार ऑनलाइन उत्प्रवास मंजूरी (ईसी) जारी कर रही है। पीबीबीवाई के तहत अप्रैल 2010 से सितंबर 2021 तक 36 लाख पॉलिसियां जारी की गईं।

प्रवासन और सुगम्यखता भागीदारी

प्रवासन और सुगम्यखता (माइग्रेशन एंड मोबिलिटी) भागीदारियां हमारे जनसांख्यिकीय लाभ का दोहन करने और हमारे छात्रों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, व्याहवसायिकों, व्यवसाय-संगठनों आदि की सुगम्यगता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रही हैं। भारतीय कुशल श्रमिकों की सुगम्यछता में सुविधा प्रदान करने के लिए जापान के साथ "स्पेशलाइज्ड स्किल्ड वर्कर" (एसएसडब्ल्यू) वीजा केटेगरी ऑफ जापान के तहत 18 जनवरी 2021 को सहयोग समझौता ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किए गए और एमओसी को अंतिम रूप देने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के कार्यान्वयन के भाग के रूप में, जापान सरकार ने 22 दिसंबर 2021 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत के लिए एक समर्पित "जॉब फेयर" की मेज़बानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एसएसडब्ल्यू कार्यक्रम के सभी हितधारकों को एक छत के नीचे लाना था। जापान सरकार ने जनवरी 2022 से अर्हक परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया है।

भारत और पुर्तगाल ने भारतीय कामगारों की भर्ती-नियुक्ति पर 13 सितंबर 2021 को एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को संपन्नप करने के बाद, पुर्तगाल और भारत के पास G2G तंत्र के माध्यम से भारतीय श्रमिकों की भर्ती के लिए एक औपचारिक व्यवस्था होगी। इसके अनुसमर्थन की प्रक्रिया जारी है।

भारत और यूके ने 4 मई 2021 को प्रवासन और सुगम्य ता भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए और युवा पेशेवरों के लिए सुगम्य2ता प्रावधानों को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। प्रवासन और सुगम्येता साझेदारी पर समझौता ज्ञापन के तहत पहली भारत-यूके संयुक्त कार्यसमूह की बैठक अगस्त 2021 में आयोजित की गई थी।

श्रम और जनशक्ति से संबंधित मुद्दों पर सहयोग

श्रम और जनशक्ति सहयोग समझौता ज्ञापन/समझौते खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों, यानी बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के साथ किए गए। सऊदी अरब के साथ घरेलू कामगारों की भर्ती पर समझौता और संयुक्त अरब अमीरात के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के साथ संलग्नऔ घरेलू कामगारों पर एक प्रोटोकॉल भी संपन्नद किया गया। घरेलू कामगारों की भर्ती पर कुवैत के साथ सहयोग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर विदेश मंत्री की कुवैत यात्रा के दौरान 10 जून 2021 को गए।

हमारे इमिग्रेंट पोर्टल को श्रम बाजार नियामक प्राधिकरण (एलएमआरए), बहरीन के पोर्टल के लिए एकीकृत करने के लिए श्रम और जनशक्ति की संयुक्त समिति की दूसरी बैठक; और श्रम, रोजगार तथा भारत और कुवैत के बीच जनशक्ति के विकास पर 7वें संयुक्त कार्यसमूह की बैठक जुलाई 2021 में आयोजित की गई थी।

प्रवासन और सुगम्यईता के लिए आपसी सहमति का एजेंडा (सीएएमएम)

प्रवासन और सुगम्यईता के लिए भारत-ईयू कॉमन एजेंडा (सीएएमएम) के तहत तकनीकी परियोजना हेतु तीसरी परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक 2 जुलाई 2021 को विर्चुअल रूप में आयोजित की गई। बैठक में सीएएमएम के सभी चार स्तंभों के संतुलित कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए, अगले एक वर्ष के दौरान की जाने वाली गतिविधियों पर आपसी सहमति के साथ संपन्न हुई। इसके अलावा, सीएएमएम प्रतिबद्धताओं को पूरा करने तथा यूरोपीय संघ और भारत दोनों के बीच सहयोग को गहरा करने के लिए 10 जून 2021 को एक विर्चुअल सेमिनार आयोजित किया गया ताकि अनियमित प्रवासन को रोका जा सके और उसका पता लगाया जा सके।

प्रवासन से संबंधित अन्य कार्य

इनडेन्च ड लेबर रूट प्रोजेक्टक (आईएलआरपी) के लिए प्रस्ताव हेतु अंतर-मंत्रालयी समिति की पहली बैठक जुलाई 2021 में कला और संस्कृति मंत्रालय, मॉरीशस सरकार द्वारा आयोजित की गई थी। श्री प्रविंद जुगनॉट, मॉरीशस के प्रधानमंत्री और श्री अविनाश तिलक, कला और संस्कृति राज्यद मंत्री मॉरीशस ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। राज्य मंत्री ने एक रिकॉर्डेड संदेश दिया। प्रवासन और सुगम्यतता पर भारत ने संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में जुलाई 2021 को ऑनलाइन जीएफएमडी-एडीडी क्षेत्रीय परामर्श प्रक्रियाओं में भाग लिया। भारत ने राज्य मंत्री के नेतृत्व में, दुबई में 25-27 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित छठे मंत्रिस्तरीय परामर्श में भी भाग लिया।

भारत प्रवासन केंद्र

भारत प्रवासन केंद्र (आईसीएम) अंतर्राष्ट्रीय प्रवास से संबंधित सभी मामलों पर मंत्रालय का एक शोध चिंतक व थिंक-टैंक है। आईसीएम की मुख्य गतिविधियों में अनुसंधान, क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय प्रवास एवं सुगम्य ता से संबंधित मामलों में मंत्रालय की सहायता करना है। आईसीएम ने जापान के लिए एक पीडीओटी मैनुअल तैयार किया जिसे भारत और जापान की सरकारों के बीच हस्ताक्षरित एसएसडब्यूडी समझौते को ध्यान में रखकर विकसित

किया गया था। इसी क्रम में 7 अक्टूबर 2021 को प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यशाला का आयोजन किया गया था। आईसीएम ने पीबीबीवाई, आईसीडब्ल्यूएफ, पीडीओटी और एसएसडब्ल्यू पर जागरूकता पैदा करने वाली सामग्री भी विकसित की है, जिन्हें संबंधित हितधारकों के साथ व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था।

मई 2020 से, आईसीएम ने अंतर्राष्ट्रीय प्रवास और प्रवासी भारतीय नागरिकों से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न वर्चुअल पैनल चर्चाओं का भी आयोजन किया और नवंबर 2021 तक ऐसी 21 चर्चाएँ की गईं। इनके अलावा, आईसीएम ने स्किल-मैपिंग पर 3 क्षेत्रीय परामर्श आयोजित किए। अंतर्राष्ट्रीलय संगठनों के साथ अपने सहयोग को आगे ले जाने के लिए, आईसीएम प्रवासन और सुगम्यलता पर कॉमन एजेंडा (सीएएमएम) के संबंध में भारत-ईयू तकनीकी परियोजना के लिए भारत की ओर से कार्यान्वयन भागीदार है। आईसीएम "भारत में डेटा-सूचित और प्रवासी-केंद्रित प्रवास प्रबंधन ढांचे को मजबूत करना" पर एक परियोजना के लिए भी सहयोग कर रहा है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य सुदृढ प्रवासन प्रबंधन ढांचों के माध्यम से इच्छुक भारतीय प्रवासियों को श्रम प्रवास के अवसरों तक पहुंच में सुधार करना है।

ओआईए-II

प्रवासी भारतीय मामले प्रभाग-II प्रवासी भारतीय नागरिकों से संबंधित मुद्दों को निपटाता है। प्रभाग द्वारा संचालित प्रमुख कार्यक्रमों/योजनाओं में प्रवासी भारतीय दिवस संगोष्ठीं, प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन (पीबीडीसी), क्षेत्रीय प्रवासी भारतीय दिवस, नो इंडिया प्रोग्राम (केआईपी), प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना (पीटीडीवाई), प्रवासी भारतीय नागरिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम (एसपीडीसी), भारत को जानिए (बीकेजे) प्रतियोगिता, अनिवासी भारतीय नागरिक (एनआरआई) वैवाहिक विवाद, प्रवासी भारतीय नागरिकों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना (पीसीटीडी), छात्रों के मुद्दे, प्रवासी भारतीय नागरिकों से संबंधित शिकायतें, प्रवासी भारतीय नागरिकों से संबंधित कोई भी अन्य मुद्दे और सरकार द्वारा समय-समय पर की गई नई पहलें शामिल हैं।

01 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान, निम्नलिखित विषयों पर इंडिया @ 75 को मनाने के लिए जो कार्यक्रम आयोजित किए गए वे इस प्रकार हैं : -

गिरमिटिया पर केंद्रित भारतीय प्रवासी समुदाय पर सम्मेलन

इंडिया फाउंडेशन और मंत्रालय द्वारा पहली बार गिरमिटिया सम्मेलन 2021 का आयोजन 16-17 सितंबर 2021 के दौरान विर्चुअल रूप में किया गया। राज्य मंत्री, श्री वी. मुरलीधरन (एमओएस [वीएम]) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन का शीर्षक था 'बदलती असमितताएं, बदलती प्रवृतियां और भूमिकाएं'। 18 देशों के प्रतिभागियों ने दुनियाभर में गिरमिटियाओं के मुद्दों, योगदानों, सफलताओं और संघर्षों पर उनके इतिहास, असमिता/पहचान स्थापपित करना, सांस्कृतिक संरक्षण, और भारत के साथ उनके उभरते संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विचार-विमर्श किया।

प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन "भारत की जनशक्ति/सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना"

मंत्रालय द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और डायोस्पो"रा रिर्सोस एंड रिसर्च सेंटर (अंतर्राष्ट्री य सहयोग परिषद) के सहयोग से "भारत की जनशक्ति यानी सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना - शिल्प, भारतीय व्यींजन और रचनात्मकता के माध्यम से" पर 16 अक्टूबर 2021 को पीबीडी सम्मेलन आयोजित किया गया था। डायस्पोरा विशेषज्ञों ने उन तौर-तरीकों पर चर्चा की कि डायस्पोरा के योगदान के बढ़ते महत्व को सॉफ्ट पावर प्रोजेक्शन में किस प्रकार उपयोग किया जाए और इस परिसंपत्ति को किस प्रकार अधिक प्रभावी बनाया जाए। एमओएस (वीएम) ने उद्घाटन सत्र में संबोधन दिया। महिला, बाल और गरीबी उन्मूअलन मंत्री सम्मीलन में सम्माघनित अतिथि थीं।

"प्राकृतिक संसाधनों का भविष्य" पर पीबीडी सम्मेलन

मंत्रालय द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से "प्राकृतिक संसाधनों का भविष्यर (हाइड्रोकार्बन, रेयर अर्थ मेटल्स एंड ब्लू इकोनॉमी)" पर 29 अक्टूबर 2021 को एक विर्चुअल पीबीडी सम्मेलन आयोजित किया गया था। राज्य मंत्री, सुश्री मीनाक्षी लेखी (एमओएस) [एमएल]) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। यू.एस., यूके, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया और भारत के डायस्पोरा वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने महासागर संसाधनों के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों को सुरक्षित करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

01 नवंबर 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान, India@75 - आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) मनाने के विषयातंर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों का नियोजन किया गया

i. "एकेएएम में डायोस्पोरा युवाओं की भूमिका; नवप्रवर्तन और नई प्रौद्योगिकियां"

युवा प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन 9 जनवरी 2022 को 1100 बजे से लेकर 1230 बजे (भारतीय समय) तक आयोजित किया गया था। युवा पीबीडी सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से बढ़ रही युवा डायस्पोरा आबादी के साथ सरकार के संबंध को गहरा करना था, जिन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। सम्मेथलन डायोस्पोरा युवाओं को समान तरंग दैर्ध्य पर भारत के संपन्न युवाओं के साथ उसी रूप में जोड़ने तथा प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने हेतु चर्चा करने और नए विचारों की खोज करने के लिए मंच प्रदान करता है, जिससे विदेशों में भारत की वर्तमान एवं भावी जनशक्ति में उच्चत प्रतिभा एवं क्षमता सृजित होगी।

ii. आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) ऑनलाइन प्रतियोगिता"

भारत @75 समारोह को मनाने के लिए, मंत्रालय ने प्रवासी भारतीय/विदेशी युवाओं के लिए एक एकेएएम ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया ताकि भारत को जानने-समझने के बारे में नई पीढ़ी की जिज्ञासा को जगाया जा सके और उनमें भारत के बारे में सर्वांगीण समझ विकसित हो सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 16 से 35 वर्ष की आयु के सभी एनआरआई, पीआईओ और विदेशी लोग पात्र थे। इसके पंजीकरण हेतु पोर्टल www.akamquiz.in को 01 दिसंबर 2021 से खोला गया था जो 31 जनवरी

2022 तक खुला रहेगा। प्रतियोगिता को 01-31 जनवरी 2022 के बीच आयोजित किया गया था। परिणाम 21 फरवरी 2022 को घोषित किया जाना प्रस्तावित है; यानी मंत्रालय के एकेएएम सप्ताह के दौरान।

iii. यूरोपीय संघ में बढ़ते भारतीय डायस्पोरा के साथ संबंध बढ़ाने के लिए, मंत्रालय द्वारा एकेएएम सप्ताह के दौरान "यूरोपीय संघ में भारत के डायोस्पोयरा का दोहन" विषय पर फरवरी 2022 में एक विर्चुअल सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव है।

प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना (पीसीटीडी)

पीसीटीडी के तहत, ओआईए-II प्रभाग विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों को प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से उनकी पहलों में समर्थन देने हेतु अनुदान प्रदान करता है ताकि प्रवासी भारतीय समुदाय अपनी विरासत और संस्कृति को संरक्षित, अनुरक्षित और प्रदर्शित कर सके। इस योजना का उद्देश्य भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच सांस्कृतिक बंधनों को बढ़ाना एवं सुदृढ़ करना है। योजना के अनुमानित परिणाम से भारतीय मूल के व्यक्तियों की सांस्कृतिक पहचान बढ़ेगी। भारत में उन चिंतकों अर्थात थिंक-टैंकों और संगठनों को भी अनुदान प्रदान किया जाता है, जो प्रवासी भारतीय समुदाय से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

प्रवासी भारतीय समुदाय के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम (एसपीडीसी)

भारत सरकार के एसपीडीसी को शैक्षणिक वर्ष 2006-07 में शुरु किया गया था ताकि विभिन्न क्षेत्रों (भारत में चिकित्सा और संबंधित पाठ्यक्रमों को छोड़कर) के संबंध में भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उच्च शिक्षा को प्रवासी भारतीय समुदाय के बच्चों के लिए सुलभ कराया जा सके और भारत को उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में बढ़ावा दिया जा सके। वर्तमान में, इस योजना के तहत, ईसीआर देशों में भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ), एनआरआई और भारतीय कामगारों के बच्चों को 150 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में, राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा प्रत्याययित 'ए' ग्रेड एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों में, और विदेश में छात्रों को प्रत्यक्ष प्रवेश (डीएएसए) योजना के तहत कवर किए गए अन्यप संस्थांनों/संस्थादओं में स्नातक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने के लिए प्रत्येक दाखिला दिए गए छात्र को प्रति वर्ष 4000 अमरीकी डालर तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2006-07 से अब तक 1227 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जा चुकी हैं। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए एसपीडीसी की घोषणा 31 मई 2021 को पहले ही की जा चुकी थी और एसपीडीसी पोर्टल पर आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2021 निर्धारित की गई थी।

प्रभाग द्वारा शुरु की गई अन्य योजनाएं/कार्यक्रम आदि निम्नर प्रकार हैं:

भारत को जानिए कार्यक्रम (केआईपी)

मंत्रालय 18-30 वर्ष की आयु के प्रवासी भारतीय युवाओं को उनकी मातृभूमि से जोड़ने और उन्हें भारत की कला, विरासत तथा संस्कृति के विविध रूपों से परिचित कराने के उद्देश्य से केआईपी का आयोजन 2003-04 से करता आ रहा है। मंत्रालय ने अब तक इस कार्यक्रम के 59 संस्करणों का आयोजन किया है, जिनमें कुल 2061 प्रवासी भारतीय युवाओं की भागीदारी है। केआईपी के 6वां संस्करण वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आयोजित किया जाना तय है, लेकिन कोविड महामारी के कारण अभी तक उसकी तारीख घोषित नहीं की गई है।

प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना (पीटीडीवाई)

मंत्रालय 2018-19 से प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना (पीटीडीवाई) का आयोजन करता आ रहा है, जिसका उद्देश्य 45-65 वर्ष के आयु के भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने का अवसर प्रदान करना है। यह 17 दिनों का कार्यक्रम है जिसे भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के समन्वय से आयोजित किया जाता है। अब तक पीटीडीवाई के 4 संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं जिनसे 160 पीआईओ लाभान्वित हुए हैं। केआईपी के 2 संस्करण वित्त वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित हैं, परंतु कोविड-19 महामारी के कारण उनकी तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है।

जागरूकता अभियान और मीडिया योजना

मंत्रालय ने आउटरीच एंड कॉम्यूनिकेशन ब्यूरो (बीओसी) (पूर्व में डीएवीपी) के माध्यम से समाचार पत्रों में हिंदी और 6 क्षेत्रीय भाषाओं अर्थात बांग्ला, मलयालम, पंजाबी, मराठी, तमिल एवं तेलुगु में विज्ञापन देकर 12 सप्ताह तक सुरक्षित और कानून-संगत प्रवास पर मीडिया जागरूकता अभियान चलाया। विदेश मामलों पर स्थायी समिति की सिफारिशों और मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुसार, भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा प्रभाव मूल्यांलकन अध्ययन किया गया है।

राज्य आउटरीच कार्यक्रम - विदेश संपर्क

मंत्रालय ने 2017 में "विदेश संपर्क" बैनर के तहत राज्य आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया, ताकि विदेशों में रहने वाले एनआरआई के कल्याण एवं सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को हल करने में सहयोग प्राप्त किया जा सके तथा प्रवासी भारतीय समुदाय से जुड़ाव एवं उनके कल्यामण के संबंध में मंत्रालय की पहलों के बारे में राज्य सरकारों को अवगत कराया जा सके और अवैध प्रवासन पर लगाम लगाई जा सके। अब तक, मंत्रालय द्वारा तेलंगाना, महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में छह राज्य आउटरीच कार्यक्रम पहले ही संचालित किए जा चुके हैं।

वैवाहिक विवादों से काफी हद तक प्रभावित एवं व्यथित एनआरआई महिलाओं को सहायता

मंत्रालय और उसके मिशन वैवाहिक मुद्दों से पीड़ित व व्यथित भारतीय महिलाओं को कई तरह से सहायता प्रदान करते हैं। मंत्रालय ने 01 जनवरी 2016 से अब तक 6369 शिकायतों का समाधान किया है।

छात्र मुद्दे

विदेशी विश्वविद्यालयों में नामांकित भारतीय छात्रों से संबंधित कई मुद्दों, जैसे फीस की वापसी, दाखिले में समस्या और धोखाधड़ी के मामलों को भी संबंधित क्षेत्रीय प्रभाग और विदेशों में मिशनों/केंद्रों के परामर्श से इस विभाग द्वारा हल किया गया है। मंत्रालय ने उन छात्रों की यात्रा में भी सुविधा प्रदान की जो कोविड-19 के कारण विदेश और भारत में फंसे हुए थे।

25

नई, उभरती और सामरिक प्रौद्योगिकी प्रभाग

नए उभरते और सामरिक प्रौद्योगिकी (नेस्टर) प्रभाग विदेश मंत्रालय में जनवरी 2020 में शुरू किया गया था जो उन उभरती प्रौद्योगिकियों पर लगातार नज़र बनाए रखता है जिनके सामरिक निहितार्थ हैं। प्रभाग ऐसी प्रौद्योगिकियों के विदेश नीति से संबंधित निहितार्थों का आकलन करता है और भारत में आंतरिक हितधारकों को उनके प्रौद्योगिकी मांग-अधारित पाथवेज में सहायता करना है। विदेश मंत्रालय का नेस्टप प्रभाग राष्ट्रीय पोर्टल "प्रवासी भारतीय अकादमिक एवं वैज्ञानिक संपर्क" के कार्यसमूह का हिस्सा है, जिसे भारत में वैज्ञानिक समुदाय से जोड़ने के लिए स्थापित किया जा रहा है।

पिछले एक वर्ष के दौरान, भारत ने उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग के संबंध में लेंग्वे ज पर दूरगामी कदम उठाए हैं, जिन पर बहुपक्षीय या क्षेत्रीय संदर्भ के व्यक्तव्यों में वर्णन किया जाता रहा है। इसकी समीक्षा मंत्रालय के नेस्टत प्रभाग द्वारा की जाती है।

अपनी "सिनैप्टिक" भूमिका को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय और विज्ञान नीति मंच के साथ साझेदारी में नेस्टय प्रभाग में अगस्त 2020 में इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज इनिशिएटिव की शुरुआत की गई, जिसके फलस्वसरूप भारत में आवश्यक उभरती प्रौद्योगिकियों के एक्सवप्रेशन ऑफ इंटेंट(ईओआईज़) को क्राउडसोर्स करने का कार्य आगे बढ़ाया गया। उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रमुख क्षेत्रों में उपस्थित 183 ईओआई के उत्सा हवर्धक प्रत्युत्तर से चयनित ईओआई को रणनीति के आधार पर एवं हितधारकों के परामर्श से संशोधित किया जा रहा है।

भारत मार्च 2021 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र के संस्थापक साझेदार के रूप में शामिल हुआ, जिसे यूनेस्को के तत्वावधान में स्थापित किया गया है।

नेस्ट प्रभाग विदेशों में भारतीय मिशनों, संबंधित मंत्रालयों, सरकारी एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ साझा किए गए विस्तृत कार्रवाई-उन्मुख पत्रों के माध्यम से विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता स्तर को बढ़ाने का भी प्रयास कर रहा है।

इसलिए, नेस्ट प्रभाग और हमारे मिशनों ने एआई पर राष्ट्रीय मिशन, राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन, राष्ट्रीय डीप ओशियन मिशन आदि के लिए नॉलेज डेटा-बेस में योगदान दिया है। इस डेटाबेस ने एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों, लाइफ साइंस रिसर्च, डेटा सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि क्षेत्रों आदि में उभरती प्रौद्योगिकियों की प्रासंगिकता को बढ़ाया भी है।

नेस्ट न्यूज़लेटर दिसंबर 2020 में शुरू किया गया था, इसमें भारत के भीतर नई और उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित विभिन्न घटनाक्रमों के बारे में विवरण एवं वर्णन किया जाता है। इसका अब मासिक रूप से परिचालन किया जाता है और इसके पाठकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

26

प्रोटोकॉल प्रभाग

प्रोटोकॉल - I अनुभाग

प्रोटोकॉल- I विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों/ उप-राष्ट्रपतियों और विदेश मंत्रियों की देश में यात्राओं तथा भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों, मनोरंजन (विदेश मंत्रालय की ओर से आधिकारिक दोपहर भोज, रात्रि भोज और स्वागत) और औपचारिक समारोहों, हवाई अड्डा पास, समारोह वाले स्थलों और आरक्षित लॉज आदि तक पहुंच से संबंधित मामलों का निपटारा करता है।

प्रोटोकॉल-I अनुभाग ने 2021 के दौरान भारत की ओर से प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 9 वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किए। इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष/ विदेश मंत्री के स्तर पर विदेशों से भारत की 16 यात्राएं और 146 मनोरंजन संबंधी समारोह आयोजित किए गए। प्रोटोकॉल-I अनुभाग ने हवाई अड्डा पासों, लॉज (समारोह आयोजन वाले एवं आरक्षित), तलाशी से छूट संबंधी 1230 अनुरोधों के निपटान में भी सहायता प्रदान की।

द्विपक्षीय यात्राओं और वर्चुअल शिखर सम्मेलनों का विवरण अनुबंध IV और अनुबंध V में दिया गया है।

प्रोटोकॉल III और प्रोटोकॉल-विशेष अनुभाग

प्रोटोकॉल-III और प्रोटोकॉल (आवासन) अनुभाग ने वर्ष 2021-22 में, लॉकडाउन के दौरान सभी विदेशी मिशनों के सुचारू कामकाज के लिए मिशन प्रमुख और राजनयिकों की आवाजाही में सुविधा प्रदान की।

प्रोटोकॉल-III अनुभाग ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए परिपत्रों/ आदेशों/ दिशानिर्देशों (यात्रा/वीजा प्रतिबंधों, चिकित्सा सुविधाओं, बदलते लॉकडाउन दिशानिर्देशों आदि के संबंध में) को सभी विदेशी राजनयिक मिशनों, अवैतनिक कोंसुलेट

एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तक प्रसारित किया और उन्हें इनके बारे में जानकारी प्रदान की।

प्रोटोकॉल-III अनुभाग निम्नलिखित नियमित कार्य करता है:

i. मिशन प्रमुखों के पहली बार आगमन और उनके प्रस्थान पर प्रोटोकॉल सुविधाएं प्रदान करना।

ii. राष्ट्रपति भवन में द्वितीय क्रेडेंशियल समारोह ऑनलाइन आयोजित करना, जहां आगमन करने वाले मिशन प्रमुख भारत के महामहिम राष्ट्रपति को अपने गोपनीय दस्तावेज यानी क्रेडेंशियल पेपर सौंपते हैं।

iii. गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, संसद के संयुक्त सत्र, भारत के माननीय प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह, योग दिवस आदि के दौरान मिशन प्रमुखों और राजनयिकों (जो भी हों) को सुविधा प्रदान करना।

iv. भारत में विदेशी राजनयिक मिशनों/केंद्रों के संबंध में प्रत्येक वर्ष, पारस्परिकता के अधीन, स्थायी हवाईअड्डा प्रवेश पास जारी करने में सहायता प्रदान करना, जिन्हें विदेशों में हमारे सभी मिशनों/केंद्रों से इनपुट प्राप्त करने और उसकी जांच करने के बाद निर्धारित किया जाता है।

v. नए महावाणिज्य दूतावास, उप उच्चायोगों, व्यापार कार्यालयों, सांस्कृतिक केंद्रों को स्थापित करने के लिए अनुमोदन देना।

vi. विदेशों के अवैतनिक दूतावासों, महावाणिज्य दूतावास, उप उच्चायोगों (राष्ट्रमंडल देशों के लिए केंद्रों के प्रमुख) की नियुक्ति और उसके बाद कार्यपालिका/राजपत्र अधिसूचना तैयार करना।

vii. विदेशी मिशन परिसरों में सैटेलाइट अर्थ स्टेशनों की स्थापना के मामलों को अनुमोदन हेतु आगे बढ़ाना।

viii. भारतीय अधिकारियों को विदेशों द्वारा दिए गए पुरस्कारों के संबंध में अनुमोदन।

ix. विदेशी राजनयिक मिशनों में रक्षा अताशे और रक्षा कर्मियों की नियुक्ति। विदेशी राजनयिक मिशनों में नए राजनयिक या आधिकारिक पदों के सृजन के लिए अनुमोदन हेतु मामलों को आगे बढ़ाना।

x. भारत में विदेशी मिशनों द्वारा मनाए जाने वाले विदेशों के राष्ट्रीय दिवसों के लिए मुख्य अतिथि की व्यवस्था करना और यह सुनिश्चित करवाना कि आयोजन स्थल पर प्रोटोकॉल दिशानिर्देशों का पालन करना।

xi. वीवीआईपी (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री) के संदेशों को राज्यों के प्रमुखों और विदेशों के शासनाध्यक्षों को अग्रेषित करना। विदेशों के राष्ट्रप्रमुखों एवं शासनाध्यक्षों से प्राप्त संदेशों को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और भारत सरकार के अधिकारियों को अग्रेषित करना।

xii. विदेशी राजनयिक मिशनों और भारतीय स्थानीय कर्मचारियों के बीच भुगतान के विवादों से संबंधित अदालती मामलों का निपटान करना।

xiii. एचओएम/एचओपी द्वारा भेजे गए शिष्टाचार संबंधी अनुरोधों को निपटाना और सौंपे गए अन्य आधिकारिक कार्य करना।

xiv. स्वतंत्रता दिवस के दौरान मिशन प्रमुख और अन्य राजनयिकों को प्रोटोकॉल सुविधा प्रदान करना और रक्षा मंत्रालय के साथ उन खंडों का प्रबंध करना जहां उनकी आवाजाही होती है। विवरण के लिए अनुबंध-VI देखें

दिनांक 01.04.2021 से 31.10.2021 तक अनुमोदित रेजिडेंट मिशनों / व्यापार कार्यालयों/ कोंसलावासों/ उप उच्चायोगों/ अवैतनिक कोंसल की सूची

रेजिडेंट मिशन: कोई नहीं

व्यापार कार्यालय: कोई नहीं

सांस्कृतिक केंद्र: कोई नहीं

महावाणिज्य दूतावास / उप उच्चायोग:

1. श्रीलंका- चेन्नई
2. जापान-मुंबई
3. यूएसए-कोलकाता
4. भूटान-कोलकाता
5. श्रीलंका-मुंबई
6. बांग्लादेश- चेन्नई
7. इज़राइल-मुंबई
8. सिंगापुर-मुंबई
9. स्विट्ज़रलैंड-बेंगलुरू
10. स्पेन-मुंबई
11. फ्रांस-बेंगलुरू
12. कतर-मुंबई
13. फ्रांस-कोलकाता
14. फ्रांस-मुंबई
15. कनाडा-मुंबई
16. कनाडा-बेंगलुरू
17. कनाडा-चंडीगढ़

अवैतनिक महावाणिज्य दूतावास / अवैतनिक वाणिज्य दूतावास:

1. सैन मैरिनो- नई दिल्ली
2. वियतनाम-बेंगलुरू
3. जॉर्जिया-कोलकाता
4. पुर्तगाल-कोलकाता
5. फ्रांस- हैदराबाद
6. जर्मनी- हैदराबाद
7. कनाडा-कोलकाता
8. सिएरा लियोन- नई दिल्ली

भारत में दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक विदेशी राजनयिक मिशनों में नव सृजित पदों की माह-वार सूची

अप्रैल	2
मई	3
जून	6
जुलाई	4
अगस्त	2
सितंबर	4

प्रोटोकॉल आवासन अनुभाग

प्रोटोकॉल आवासन अनुभाग सीपीडब्ल्यूडी के बागवानी, सिविल और इलेक्ट्रिकल खंडों के सहयोग से हैदराबाद हाउस की मरम्मत और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। इसमें इलेक्ट्रिकल/ सिविल/ बागवानी से संबंधित मरम्मत और रखरखाव कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह अनुभाग आईटीडीसी को उनके प्रशासनिक, प्रबंधन और परिचालन व्यय हेतु भुगतान की प्रक्रिया को भी संभालता है; दिल्ली में सभी राजनयिक मिशनों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से संबंधित भूमि की खरीद / बिक्री / आवंटन, निर्मित संपत्ति, पट्टा, आदि मामलों को भी देखता है, जिसमें भूमि आवंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ संचार, स्थायी पट्टा विलेख पर हस्ताक्षर आदि शामिल हैं; दिल्ली और अन्य राज्यों में जमींदारों और राजनयिक मिशनों के बीच अदालती मामलों को एनडीएमसी, डीडीए, एमसीडी, जल बोर्ड, एमटीएनएल, विद्युत बोर्ड आदि जैसी स्थानीय एजेंसियों के साथ प्राथमिकता के आधार पर निपटवाना; पालम स्थित वायु सेना केंद्र में मिलेट्री इंजीनियरिंग सेवाओं (एमईएस) और सीपीडब्ल्यूडी की सहायता से वीवीआईपी स्वागत कक्ष का संचालन एवं परिचालन तथा एनडीएमसी, एमसीडी, डीडीए, एमटीएनएल आदि जैसी सेवाओं के संबंध में राजनयिक मिशनों की सहायता करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, पिछले कुछ वर्षों से यह अनुभाग द्वारका, नई दिल्ली में आगामी दूसरी डिप्लोमैटिक एन्क्लेव परियोजना पर विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय कर रहा है। विदेशी मिशनों में आवंटन के लिए कुल 85 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जिन्हें अपनी यथार्थ आवश्यकता और संभावित भूमि उपयोग के लिए नई दिल्ली में भूमि की आवश्यकता होती है।

27

विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग

विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग (एक्सपीडी) ने अपने अधिदेश के अनुसार विदेश नीति से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर भारत की स्थिति को प्रभावी ढंग से उजागर करने के अपने प्रयासों को जारी रखा। साथ ही, 'इंडिया स्टोरी' और देश की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों को अंतर्राष्ट्रीय पटल के समक्ष प्रस्तुपत करने के लिए सक्रिय प्रयास गत्युात्मीक रूप से जारी रखे गए। यद्यपि कोविड महामारी के कारण हुए व्यवधानों ने अनेक चुनौतियां पैदा कीं, लेकिन वर्चुअल प्लेटफार्मों के रचनात्मक प्रयोग के साथ, प्रभाग वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियों को गति प्रदान करने में सफल रहा।

मीडिया के साथ जुड़ाव

प्रेस विज्ञाप्ति

कोविड महामारी ने वर्ष 2021 में लगातार मुश्किलें पैदा कीं जिनके कारण विभिन्नि देशों के बीच लोगों की निर्बाध आवाजाही काफी प्रभावित हुई। हमारे देश से दूसरे देश जाने वाले तथा दूसरे देशों से हमारे देश में आने वाले लोगों की यात्राओं की आवृत्ति भी प्रभावित हुई। तथापि, उच्चह स्त रीय वार्ताएं जारी रखी गईं, जिन्हें एक्सपी प्रभाग द्वारा कवर किया गया और उनके लिए उपयुक्तच प्रचार-प्रसार किया गया।

अप्रैल-मई 2021 में कोविड की दूसरी लहर के दौरान, जिसने भारत को बहुत ज्या दा प्रभावित किया था, प्रभाग ने भारत द्वारा दुनियाभर के देशों से प्राप्तत सहायता का व्यातपाक प्रचार किया। विभिन्न् देशों के बीच पारस्प रिक वार्ताओं के लिए वर्चुअल इवेंट एक नियमित माध्यरम बन गए थे जिन्हेंन इस अवधि के दौरान एक्स्पी प्रभाग द्वारा कवर किया गया।

ऐसी स्थिति के बीच भी रूसी संघ, बहरीन, इरिट्रिया, फ्रांस और मालदीव के विदेश मंत्रियों ने अप्रैल 2021 में भारत का दौरा भौतिक यात्राओं के रूप में किया। 76वें यूएनजीए के निर्वाचित राष्ट्रपति और मालदीव के विदेश मंत्री तथा अमेरिकी विदेश मंत्री ने जुलाई 2021 में भारत का दौरा किया। सितंबर 2021 में ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री (भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता), सऊदी अरब और कोलंबिया के विदेश मंत्रियों ने भारत का दौरा किया। कोविड के बाद, देश में सबसे पहले प्रधानमंत्री की यात्रा अक्टूबर 2021 में डेनमार्क के प्रधानमंत्री की थी। रूस के राष्ट्रपति, विदेश और रक्षा मंत्रियों ने दिसंबर 2021 में भारत-रूस 2 + 2 और द्विपक्षीय शिखरवार्ता में भाग लेने के

लिए भारत का दौरा किया। भारत के राष्ट्रपति ने दिसंबर 2021 में ढाका का दौरा किया। पांच मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने भारत-मध्य एशियाई संवाद की तीसरी बैठक के लिए दिसंबर 2021 में भारत का दौरा किया। इन घटनाक्रमों का समुचित प्रचार-प्रसार किया गया।

प्रधानमंत्री ने भारत-सेशेल्स उच्च-स्तरीय वर्चुअल बैठक, भारत-नीदरलैंड वर्चुअल द्विपक्षीय बैठक और जलवायु पर राष्ट्रा ध्य क्षों की शिखरवार्ता में भाग लिया, जो अप्रैल 2021 में हुई। भारत-यूके वर्चुअल द्विपक्षीय शिखरवार्ता और भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक मई 2021 में हुई जिसमें प्रधानमंत्री ने सहभागिता की। 47वां जी7 शिखरवार्ता और 13वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री स्तर पर क्रमशः जून और सितंबर 2021 में वर्चुअल रूप में आयोजित किए गए थे। 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेज़बानी भारत ने की थी। प्रधानमंत्री ने एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 21वीं बैठक में वर्चुअल रूप में भाग लिया और सितंबर 2021 में व्लादिवोस्तोक में आयोजित 6वें पूर्वी आर्थिक मंच को वर्चुअल माध्यऔम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अफगानिस्तान पर जी20 असाधारण शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से भाग लिया जिसे अक्टूबर 2021 में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 18वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की और अक्टूबर 2021 में आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। इन घटनाक्रमों को भी व्यापक कवरेज दिया गया।

प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय यात्रा के क्रम में, मार्च 2021 में बांग्लादेश का दौरा किया, जबकि पहले भौतिक चतुर्भुज शिखर सम्मेलन के लिए सितंबर 2021 में संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने जी 20 नेताओं के शिखर सम्मेलन और सीओपी 26 में भाग लेने के लिए अक्टूबर-नवंबर 2021 में इटली और यूके (ग्लासगो) का भी दौरा किया।

विदेश मंत्री ने एससीओ विदेश मंत्री परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए मई 2021 में यूके और यूएसए का, जून 2021 में कुवैत और केन्या का, जुलाई 2021 में रूस और जॉर्जिया का, जुलाई 2021 में ताजिकिस्तान का और अगस्त 2021 में ईरान का दौरा किया। उन्होंने न्यूयॉर्क में, अगस्त 2021 में यूएनएससी में इंडिया प्रेसीडेंसी इनिशिएटिव्स की अध्यक्षता की। विदेश मंत्री ने भी सितंबर 2021 में मैक्सिको, स्लोवेनिया, क्रोएशिया और डेनमार्क का और इज़राइल, किर्गिज़ गणराज्य, कजाकिस्तान तथा आर्मेनिया का अक्टूबर 2021 में दौरा किया। विदेश मंत्री ने नवंबर 2021 में कजाकिस्तान में राष्ट्रा ध्यमक्षों की एससीओ परिषद की 20 वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। आरआईसी विदेश मंत्रियों की 18वीं बैठक नवंबर 2021 में वर्चुअल रूप में हुई। इन सभी घटनाक्रमों का व्यापक प्रचार किया गया।

विदेशी राजनयिकों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

एक्सपपी प्रभाग ने अफ़गानिस्तान के राजनयिकों के लिए जनसंचार और लोक राजनय पर प्रशिक्षण मॉड्यूल का आयोजन जुलाई 2021 में और हिंद महासागर रिम देशों (यानी कोमोरोस, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, सेशेल्स और श्रीलंका) के राजनयिकों के लिए अक्टूबर 2021 के दौरान किया। गाम्बिया के राजनयिकों के लिए भी नवंबर 2021 में प्रशिक्षण मॉड्यूल आयोजित किया गया, जबकि ओमान के राजनयिकों के लिए दिसंबर 2021 में आयोजित किया गया।

डिजिटल आउटरीच

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एमईए भारत सरकार के मंत्रालयों में अग्रणी है जिसकी सोशल मीडिया पर व्या1पक उपस्थिति और डिजिटल पहचान है। मंत्रालय के फॉलोवर की संख्याि सभी प्लेटफार्मों पर लगातार बढ़ती जा रही है।

a) ट्विटर पर एमईए के 3.74 मिलियन से अधिक फॉलोअर हैं, @एमईए इंडिया के 2.2 मिलियन फॉलोअर हैं और @इंडियन डिप्लोखमेसी के 1.5 मिलियन फॉलोअर हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 140,000 फॉलोअर्स की बढ़ोत्तरी हैं। विदेशों में स्थित मिशनों और केंद्रों ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मेज़बान देश में प्रवासी भारतीय समुदाय और स्थानीय आबादी के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाया है। आज की स्थिति के अनुसार, लगभग 192 भारतीय मिशनों/केंद्रों की ट्विटर पर उपस्थिति है; फेसबुक पर 186 मिशनों/केंद्रों की हैं; जबकि लगभग 105 मिशनों की इंस्टाग्राम पर है। इससे भी अधिक संख्याो में लोगों को प्लेजटफार्म से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मंत्रालय की इस विश्वव्याापी डिजिटल आउटरीच से न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व समुदाय में मंत्रालय और मिशनों / केंद्रों की गतिविधियों पर सूचना को त्व रित, प्रत्यक्ष और यथार्थ रूप में प्रसारित करने में सहायता प्राप्तफ हुई है।

ख) महत्वपूर्ण सूचनाओं के तत्काल प्रसार हेतु ट्विटर मंत्रालय के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता के हैंडल (@एमईए इंडिया) और पब्लिक डिप्लोमेसी हैंडल (@इंडियन डिप्लोलमेसी) ने पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 140,000 फॉलोवर्स की संचित वृद्धि दर्ज की है। @एमईए इंडिया अब दुनियाभर के सभी विदेश मंत्रालयों में सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले हैंडल में से एक है। इस प्ले टफॉर्म का उपयोग भारत के विदेश संबंधों पर अपडेट ट्वीट करने के लिए किया जाता है। द्विपक्षीय, बहुलवादी और बहुपक्षीय कार्यक्रमों के दौरान, ट्विटर को रीयल-टाइम आधार पर अपडेट किया जाता है। ये दोनों ट्विटर हैंडल मल्टीमीडिया कन्टें ट का उपयोग करते हैं जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव में वृद्धि हुई है।

ग) एक्स पी प्रभाग मंत्रालय के लिए दो यूट्यूब चैनल चलाता है। एमईए इंडिया चैनल के दिसंबर 2021 तक 125,000 से अधिक सब्सलक्राइबर हैं, इंडियन डिप्लोमेसी चैनल के 139,000 से अधिक सब्सलक्राइबर हैं, दोनों चैनलों को देखने वाले लोगों की संचयी संख्या9 बढ़कर 31 मिलियन से अधिक हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 16% से अधिक की वृद्धि है।

घ) विदेश मंत्रालय ने इंस्टाग्राम, जो एक वर्चुअल-रिच प्ले टफॉर्म है,

पर अपने फॉलोअर्स में अभूतपूर्व वृद्धि प्राप्तअ की है। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35% की वृद्धि के साथ, मंत्रालय के अब लगभग 706,000 फॉलोवर हैं। युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है, क्योंकि इस आबादी के लिए कन्टें ट विशेष रूप से तैयार किया जाता है।

ड़) मंत्रालय का Flickr अकाउंट (एमईए फोटो गैलरी) मंत्रालय द्वारा भारत और विदेशों में आयोजित कार्यक्रमों के फोटोग्राफ को संग्रहित करने के लिए एक रिपोजिटरी के रूप में निरंतर कार्य कर रहा है। दिसंबर 2021 तक इसके फोटो बैंक में 43,183 HD फोटो हैं।

च) मंत्रालय का साउंड क्लाकउड अकाउंट (एमईए इंडिया) सभी मीडिया ब्रीफिंग के ऑडियो क्लिप्सं को ऐक्सेउस करने के लिए एक उपयोगी ऑडियो क्लिप डेटाबेस है। सभी मीडिया ब्रीफिंग के वीडियो क्लिप यूट्यूब पर भी अपलोड किए जाते हैं।

छ) मंत्रालय ने लिंकडिन पर अपने कुल 37,980 फॉलोवरों की संख्या के साथ उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 50% की वृद्धि है।

ज) मंत्रालय विभिन्नक महत्व्पूर्ण समारोहों, जैसे कि महात्मा गांधी की 151वीं जयंती, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आयुर्वेद दिवस, टीकाकरण अभियान, वंदे भारत मिशन, कोविड पर सहयोग, 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले की वर्षगांठ, आदि को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित करने में अग्रसक्रिय रहा है। मंत्रालय ने कोविड महामारी से निपटने में भारत सरकार के प्रयासों के साथ-साथ मित्रवत देशों को उनकी महामारी के खिलाफ लड़ाई में दी गई सहायता का भी प्रचार-प्रसार किया।

झ) इस वर्ष महामारी के मद्देनजर, मंत्रालय और उसके मिशनों/केंद्रों ने विशेष रूप से तब डिजिटल प्ले टफॉर्म की शक्ति का लाभ उठाया, जब आयोजनों में भौतिक रूप से भाग लेने से परहेज किया जाता था। प्रभाग ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय समुदाय की आउटरीच, हमारे वार्ताकारों के साथ आउटरीच और भारत की सॉफ्ट पावर का संवर्धन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी निर्बाध रूप से जारी रहे।

ञ) डिजिटल आउटरीच का विस्तार करने और 'डिजिटली फॉरवर्ड' मंत्रालय के रूप में अपनी ब्रांडिंग स्थापित करने के लिए मंत्रालय की लोकप्रियता और उसके प्रयासों की सफलता का अंदाज़ा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके फॉलोवरों की निरंतर वृद्धि से लगाया जा सकता है।

विजुअल आउटरीच - फिल्में और डॉक्यूशमेंटरियां

एक्सपीडी प्रभाग डॉक्यूंमेंटरियां (लघु फिल्में्) बनाता है जिनका उद्देश्य विदेशों में भारत की छवि को बढ़ाना है। प्रभाग द्वारा निर्मित लघुफिल्मों् के एफ़टीपी लिंक को प्रस्तुतीकरण और स्क्रीनिंग प्रयोजन हेतु विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों के साथ साझा किया जाता है। इन लघु फिल्मोंन को तात्कातलिक संदर्भ के लिए मंत्रालय के यूट्यूब चैनल "इंडियन डिप्लोमेसी" पर भी अपलोड किया जाता है। लोकप्रिय भारतीय सिनेमा (बॉलीवुड) और क्षेत्रीय फीचर फिल्मों के गैर-व्यावसायिक स्क्रीनिंग अधिकारों को खरीदकर विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों के साथ एफटीपी लिंक / डीसीपी के माध्यम से स्क्रीनिंग तथा स्थानीय फिल्म समारोहों में भाग लेने के लिए साझा किया जाता है।

प्रचार अभियानों, फोटोग्राफिक प्रदर्शनियों आदि के आयोजन के लिए अन्य प्रचार सामग्री भी खरीदी जाती है और उन्हेंक विदेशों में मिशनों/केंद्रों के साथ साझा किया जाता है। लोकप्रिय भारतीय शास्त्रीय/बॉलीवुड संगीत कार्डों के कस्टवमाइज्डन सेट भी खरीदे जाते हैं जिनका उपयोग मंत्रालय और विदेशों में हमारे मिशनों/केंद्रों द्वारा उपहार/भेंट प्रदान करने के लिए किया जाता है। वर्ष के दौरान, प्रभाग ने क्लारसिकल फ्यूजन और बॉलीवुड टाइमलेस, विदेश मंत्रालय के दो सिग्नेचर इंडियन म्यूजिक कलेक्शकन्सल कार्यक्रम संचालित किए।

वर्ष के दौरान, प्रभाग ने कई लघु फिल्में और वीडियो बनाए, जैसे कि:

क) विलुप्तर भारतीय पुरावशेषों की संयुक्त राज्य अमेरिका से वापसी

ख) मैत्री दिवस: भारत-बांग्लादेश मैत्री

ग) विदेश में गांधी @150 समारोह

घ) भारत की विदेश नीति, लोक नीति

ड़.) प्रवासी भारतीय दिवस 2019

च) खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का दूसरा संस्करण

छ) अफगानिस्तान से हिंदू और सिख समुदाय का भारत में पुनर्वास

ज) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

झ) वैक्सीन मैत्री

ञj) भारतीय विदेश सेवा दिवस

ट) जम्मू-कश्मीर: मार्चिंग अहेड पर वीडियो की श्रृंखला

ठ) पीएम के संबोधन

ण) आज़ादी का अमृत महोत्सव आदि मनाने के लिए लघु वीडियो की श्रृंखला।

सार्वजनिक पहुँच

कोविड महामारी के कारण हुए व्यवधानों के कारण, भारत सरकार के मितव्ययिता निर्देशों (आस्ट्रिरिटी मीजर्स) के अनुसार, मुद्रित प्रकाशनों को बंद करना पड़ा। तथापि, प्रभाग ने विभिन्न ई-पुस्तकें प्रकाशित कीं जिनके माध्यतम से महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और गतिविधियों, जैसे कि सोनाली अध्याय: भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक स्वर्णिम अध्याय (जिसमें प्रधानमंत्री की बांग्लादेश यात्रा को दर्शाया गया है); नमस्ते यूएसए (जिसमें प्रधानमंत्री की संयुक्त राज्य

अमेरिका की यात्रा को दर्शाया गया है), इंडिया'ज एन्गेघजमेंट विद ग्लोबल पार्टनर्स (जिसमें प्रधानमंत्री की इटली और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा को दर्शाया गया है) को प्रदर्शित किया गया।

पुस्तरकें एवं लघु-पत्रिकाएं (परीरियोडिकल्सड)

पुस्तक समिति

एक लोक राजनय टूल के रूप में, पुस्तक समिति की स्थापना 2003 में की गई थी। यह समिति विभिन्न श्रेणियों - जैसे कि भारतीय शास्त्रीय संगीत, विदेश नीति और सामरिक मामले, प्रौद्योगिकी और विज्ञान; हिंदी और संस्कृत; कला और संस्कृति; धर्म और आध्यात्व; बच्चों की लोकप्रिय पुस्तरकें और राजनीति एवं अर्थव्यावस्थाम - से पुस्तककों का चयन कर खरीदती है और उन्हेंक विदेश में स्थित मिशनों/केंद्रों को उपयोग हेतु तथा प्रस्तुतीकरण उद्देश्यों के लिए भेजती है। 42वीं पुस्तक समिति के अंतर्गत 233 पुस्तऔकों का चयन किया गया। विभिन्न पुस्त कों के लिए 109 मिशनों/केंद्रों से 28414 प्रतियों की मांग प्राप्त की गई थी। पहले चरण में, इन पुस्तकों की खरीद के लिए कुल व्यय 3,03,11,013/- रुपये था। दूसरे चरण में, 17 मिशनों/केंद्रों ने चयनित पुस्तलकों से 2377 प्रतियों के लिए अपना अनुरोध भेजा था जिनकी खरीद पर 21,03,395/- रुपये की राशि खर्च की गई।

भारत के परिप्रेक्ष्य

मंत्रालय की द्विमासिक महत्वा कंक्षी पत्रिका अब 16 भाषाओं में डिजिटल प्ररूप में उपलब्ध है। पत्रिका का वेब संस्करण कन्टेंकट को कस्टिमाइज करने, उसे डाउनलोड करने और मिशनों एवं केंद्रों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रसारित करने का विकल्पं प्रदान करता। पत्रिका में चुनिंदा विषयों, जैसे कि साझेदारी, जीवन और शैली, नवप्रवर्तन और संस्थाओं, अर्थव्यवस्था और खेल, यात्रा, आदि को जगह दी जाती है। इसे www.indiaperspectives.gov.in और www.mea.gov.in पर ऑनलाइन पढ़ा जा सकता है।

28

प्रशासन, स्थापना, वैश्विक संपदा प्रबंधन, और सूचना का अधिकार

प्रशासन

मंत्रालय में, प्रशासन प्रभाग की मुख्य जिम्मेदारी मुख्यालयों और 199 भारतीय मिशनों/ केंद्रों तथा 3 प्रतिनिधि कार्यालयों में जनशक्ति संसाधन उपलब्ध कराना है। इस संबंध में प्रभाग, संवर्ग प्रबंधन प्रक्रिया का निरीक्षण करता है जिसमें भर्ती, प्रशिक्षण, तैनाती/ स्थानांतरण, प्रतिनियुक्तियां और करियर उन्नयन शामिल है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रभाग विदेशों में तैनात भारतीय कार्मिकों और भारतीय मिशनों तथा केंद्रों में कार्यरत स्थानीय कर्मचारियों से संबंधित सभी संबद्ध नियमों और विनियमों को बनाने, संशोधन और सुधार से संबंधित कार्य भी करता है।

यह प्रभाग नए घटनाक्रमों और कार्यात्मक प्राथमिकताओं, जैसे कि कोविड प्रकोष्ठ और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) को एकीकृत कर रैपिड रिस्पांस सेल (आरआरसी) के सृजन के लिए भी जिम्मेदार है। वर्तमान में, मंत्रालय में 56 प्रभाग हैं।

एमईए इंटर्नशिप नीति 2021 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कार्यक्रम को और अधिक पारदर्शी, संरचित, उद्देश्यपूर्ण, समावेशी, विविध, सकेंद्रित और परिणामोन्मुख बनाना है, और मंत्रालय तथा उसके कार्य को जनता तक करीबी से पहुँचाना तथा उसे उनके रोजमर्रा के जीवन से जोड़ना है। तदनुसार, एक कोटा-कम-वेटेज प्रणाली पर आधारित एक पूरी तरह से ऑनलाइन आवेदन-सह-चयन प्रक्रिया को डिजाइन और कार्यान्वित किया गया ताकि भारत सरकार के आकांक्षी जिला कार्यक्रम (टीएडीपी) के कायांतरण के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों और जिलों पर विशेष ध्यान देने के साथ, सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक वर्ष 60 इंटर्नशिप्स दिया जाना अपेक्षित है, जिसमें से 30%-50% महिला उम्मीदवारों को दी जाएँगी। टर्म-1 2021 में, 14 अलग-अलग राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों (आकांक्षी जिलों से 7 सहित) के 19 इंटर्न 1-3 महीने तक की इंटर्नशिप अवधि के लिए पहले ही अक्टूबर-नवंबर 2021 के दौरान मंत्रालय में कार्य करना शुरु कर चुके हैं।

वर्ष 2018-21 के दौरान अफ्रीका में 18 नए मिशनों को खोलने के लिए मार्च 2018 में कैबिनेट की मंजूरी के अनुसरण में, मोनरोविया (लाइबेरिया) और नौआकचॉट (मॉरिटानिया) में मिशनों ने क्रमशः मई, 2021 और जून, 2021 में कामकाज करना शुरू कर दिया है। अधिकारियों की चाड में तैनाती कर दी गई है, जो पदभार ग्रहण करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केप वर्डे, गिनी बिसाऊ और सोमालिया में नए मिशनों की स्थापना की दिशा में प्रारंभिक प्रशासनिक और स्थापना संबंधी उपाय शुरू किए गए हैं।

दिसंबर 2020 में एस्टोनिया, पराग्वे और डोमिनिकन गणराज्य में 3 नए मिशन खोलने के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बाद, राजदूतों को नामित किया गया है और विदेश मंत्रालय के कार्मिकों की तैनाती की गई है, जो आगामी महीनों में कार्यभार ग्रहण करेंगे। कैबिनेट ने मई 2021 में एड्डू, मालदीव में वाणिज्य दूतावास खोलने को भी मंजूरी दी थी, जिन्हें कार्यात्मक बनाने के प्रयास चल रहे हैं।

कोविड संबंधी यात्रा प्रतिबंधों के प्रति त्वरित कार्रवाई करते हुए, मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एयर इंडिया, भारतीय नौसेना और अन्य विभागों तथा एजेंसियों के सहयोग से वंदे भारत मिशन चलाया। वंदे भारत मिशन के विभिन्न माध्यमों से 31 दिसंबर 2020 तक 44.7 लाख से अधिक लोगों को इसकी सुविधा प्रदान की जा चुकी है। एयर बबल व्यवस्थाओं के अंतर्गत परिचालन शुरू होने के बाद, 31 अक्टूबर 2021 तक, वंदे भारत मिशन के अब तक पूरे हुए 14 चरणों के दौरान, एयर इंडिया समूह द्वारा में 19,529 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें की गईं जिनसे विश्वभर के 55 देशों के 22.25 लाख से अधिक फंसे भारतीयों को निकालकर भारतवर्ष में 32 हवाई अड्डों तक पहुंचने में सुविधा प्रदान की गई। द्विपक्षीय 'एयर बबल' व्यवस्थाओं पर बातचीत की गई है और 28 देशों के साथ इसे शुरू किया गया है। वीबीएम के फेज 15 को 01 नवंबर 2021 से शुरू कर दिया गया है।

टीका मैत्री भारत सरकार की एक पहल है, जिसके अंतर्गत भारत सरकार घरेलू उत्पादन क्षमता और राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विश्वभर के विभिन्न देशों को 'मेड-इन-इंडिया' कोविड 19 टीकों की आपूर्ति करती है। भारत ने 5 नवंबर 2021 तक मेड इन इंडिया कोविड-19 टीकों की कुल 70.37 मिलियन खुराकों की आपूर्ति की है, जिसमें 47 देशों और संयुक्त राष्ट्र शांतिदूतों को अनुदान के रूप में 12.7 मिलियन से अधिक खुराकें और कोवैक्स सुविधा के अंतर्गत 47 देशों को लगभग 20 मिलियन खुराकें शामिल हैं।

विभाग दैनिक व नेमी प्रशासनिक मामलों के निपटान के लिए ई-समीक्षा पोर्टल और ई-ऑफिस का प्रभावकारी ढंग से उपयोग करता है, जो भारत सरकार में निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने के लिए प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की पहलों के अनुरूप है। यह प्रभाग मंत्रालय को गाड़ियाँ उपलब्ध कराने हेतु आउटसोर्स जनशक्ति और विक्रेताओं/वेन्डर को काम पर रखने के लिए सरकार के ई मार्केट प्लेस (जीईएम) पोर्टल का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहा है।

प्रभाग ने दंपत्ति अधिकारियों (विभिन्न स्थलों पर तैनात) को उनकी हकदारी वाली मिड-टर्म होम लीव पैसेज के बदले इंटर-स्टेशन अवकाश का लाभ उठाने के प्रावधान को शामिल किया है। प्रभाग ने क्रॉकरी, कटलरी ग्रांट (सीसीजी), रिप्रेजेंटेटिव कटलरी ग्रांट (आरसीजी) और बेड एंड लिनन ग्रांट (बीएलजी) को भी संशोधित किया है। 19वां विदेश यात्रा भत्ता सूचकांक अगस्त 2021 में शुरु किया गया था और विदेश में सभी मिशनों / केंद्रों के लिए विदेश भत्ते को अक्टूबर 2021 में संशोधित किया गया था। भारत आधारित सेवा कर्मचारी (आईबीएसएस) के सेवकों के वेतनों को भी संशोधित किया गया है।

मंत्रालय की वर्तमान स्वीकृत जनशक्ति 4477 (परिशिष्ट VII) है, जिसमें से लगभग 53% पद विदेशों में मिशनों और केंद्रों से संबंधित हैं। कुल जनशक्ति मंत्रालय के विभिन्न संवर्गों में वितरित है, अर्थात भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), आईएफएस सामान्य संवर्ग, शाखा B, आशुलिपिक संवर्ग, दुभाषिए संवर्ग, विधिक और संधि संवर्ग, और अन्य। संवर्ग प्रबंधन के भाग के रूप में, मंत्रालय ने भर्ती वर्ष 2020-21 में सीधी भर्ती (डीआर) और विभागीय पदोन्नति (डीपी) के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर कार्मिकों की भर्ती करके अपनी जनशक्ति को बढ़ाया है।

मंत्रालय ने आर्थिक कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय कानून, साइबर सुरक्षा, लैंगिक बजट, लेखाकरण, कांसुलर और पासपोर्ट सेवाओं, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग आदि पर विशेष मॉड्यूल के साथ-साथ अपने सभी संवर्गों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया। द्विभाषिया स्तर सहित अधिकारियों के विदेशी भाषाई कौशल के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। समय के साथ, इसके परिणामस्वरूप सेवा के भीतर गुणवत्तापूर्ण विदेशी भाषा कौशल वाले अधिकारियों के एक बड़े समूह का सृजन किया गया है। (परिशिष्ट VIII)

स्थापना

वर्ष 2021 में, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत अपनी गतिविधियों को जारी रखते हुए, स्थापना प्रभाग ने अप्रैल-मई 2021 के दूसरे चरण के दौरान कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाई। प्रभाग ने विदेश मंत्रालय के आवासीय परिसरों में ऑक्सीजन सिलेंडर, मेडिकल बेड और आवश्यक दवाएँ उपलब्ध कराईं। प्रभाग ने सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करने के लिए कार्यालय परिसर में पारटिशन/हाथ धोने के साबुनों के लिए फेस-मास्क/ सैनिटाइज़र डिस्पेंसिंग मशीनों और सैनिटाइज़र/ ऐक्रेलिक प्लास्टिक शीटों की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की। प्रभाग ने जेएनबी में मासिक टीका शिविरों के आयोजन के लिए अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं के साथ उपयुक्त स्थान की भी व्यवस्था की।

अपने नियमित कार्यों को पूरा करने और विदेशों में मिशनों / केंद्रों को सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त, प्रभाग ने 2-31 अक्टूबर 2021 के दौरान सभी विदेश मंत्रालय परिसरों और आवास परिसरों में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। जेएनबी में लगभग 3000 वर्ग फुट की जगह सृजित करने के लिए, पुरानी खराब/अनुपयोगी वस्तुओं की छंटाई और निपटान पर विशेष जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के मुख्यालय के रूप में जेएनबी की स्वच्छता पर 8 नवंबर 2021 को प्रसार भारती द्वारा एक छोटा वीडियो क्लिप रिकॉर्ड किया गया।

इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा तैयार किए गए विशेष स्वच्छता अभियान के मूल्यांकन के अंतर्गत भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) की दो-सदस्यीय निरीक्षण टीम ने भी 11 नवंबर 2021 को जेएनबी का दौरा किया। विदेश मंत्रालय द्वारा दिव्यांग कार्मिकों के लिए वॉशरूम हेतु किए गए प्रावधान को, अन्य प्रावधानों व व्यवस्थाओं की तुलना में सर्वोत्तम व्यवस्थाओं में से एक माना गया।

विदेश मंत्रालय आवासन परिसरों की पुनर्विकास योजना के अंतर्गत, प्रभाग ने विभिन्न औपचारिकताओं को पूरा करने और निवासियों को स्थानांतरित करने के बाद, नवंबर 2021 में नए विदेश मामलों के छात्रावास, भारत सरकार बाजार को जीईएम प्रभाग को सौंप दिया। प्रभाग ने राष्ट्रमंडल खेल गांव, अक्षरधाम में डीडीए से मंत्रालय द्वारा खरीदे गए 50 आवासों का भी कब्जा लिया जिन्हें पात्र अधिकारियों को आवंटित किया गया।

वैश्विक संपदा प्रबंधन (जीईएम)

वैश्विक संपदा प्रबंधन प्रभाग ने विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों और भारत में आरपीओ/ आईसीसीआर/ पीओई/ शाखा सचिवालयों के लिए संपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण, पुनर्विकास और नवीनीकरण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के लिए नई दिल्ली में आवासीय व्यवस्था को बढ़ाने की पहल की गई, जिससे कि आवासों की उपलब्धता के मौजूदा शॉर्टफाल की पूर्ति की जा सके विदेश मंत्रालय की बढ़ती भावी आवासीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

संपत्तियों का अधिग्रहण आबिदजान (चान्सरी, राजदूत के निवास और अन्य निवासों के लिए भूमि), चटगांव (चान्सरी, एएचसी के निवास और अन्य निवासों के लिए भूमि), व्लादिवोस्तोक (चान्सरी-सह-कर्मचारी निवास), तेल अवीव (चान्सरी और सांस्कृतिक केंद्र के लिए भूमि) और दोहा (चान्सरी के लिए भूमि का भूखंड) में किया गया। विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रमंडल खेल ग्राम परिसर, नई दिल्ली में अपने उपयोग हेतु 50 आवासों का औपचारिक कब्जा लिया।

महामारी के दौरान निर्माण कार्यों में मंदी के बावजूद, परियोजनाओं के निर्माण का कार्य तेज गति से आगे बढ़ा, जिसके कारण खार्तूम (चान्सरी और स्टाफ निवास), वेलिंगटन (चान्सरी और निवास), ब्रुनेई दार-उस-सलाम (चान्सरी, दूतावास निवास और निवास), जिनेवा (चान्सरी), फुंटशोलिंग (चान्सरी और निवास) और गोल मार्केट, नई दिल्ली (एमईए आवास परिसर) में परियोजनाएं पूरी होने के करीब हैं। पोर्ट ऑफ स्पेन (सांस्कृतिक केंद्र), बैंकॉक (राजदूत निवास और निवास), इस्लामाबाद (आवास परिसर), काठमांडू (चान्सरी और आवास परिसर), चीन में लुओयोंग मंदिर (कला कार्य का नवीनीकरण और स्थापना) और काबुल (निवास) में परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या पूरी होने वाली हैं।

नवीकरण कार्यों पर उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की गईं, जिनमें यांगॉन (चान्सरी), विंडहोक (चान्सरी) और वायु सेना स्टेशन पालम का वीवीआईपी स्वागत कक्ष जैसे कार्य शामिल हैं। वारसॉ (दूतावास निवास), लखनऊ में आरपीओ भवन और दरभंगा में पीओ भवन में प्रमुख नवीकरण परियोजनाओं में काफी प्रगति हुई। वियना (दूतावास निवास), कोलकाता में रवींद्रनाथ टैगोर केंद्र और मुंबई में जिन्ना हाउस में प्रमुख नवीकरण कार्य शुरू किए गए थे।

सूचना का अधिकार (आरटीआई)

वर्ष के दौरान, मंत्रालय ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के पूर्ण कार्यान्वयन की दिशा में प्रयास जारी रखा। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपी एंड टी) के स्वत: प्रकटीकरण पर दिए गए अनुदेशों को ध्यान में रखते हुए, सूचना का अधिकार से संबंधित आवेदनों/ अपीलों/ प्रत्युत्तरों और मासिक आरटीआई आंकड़ों को सार्वजनिक डोमेन पर अपलोड कर इन अनुदेशों को कार्यान्वित किया गया। आरटीआई आवेदनों को ऑनलाइन प्राप्त करने एवं उनका निपटान करले के लिए की प्रणाली को आरटीआई वेब पोर्टल के साथ संरेखित करके विदेशों में 193 मिशनों/केंद्रों में लागू किया गया है।

आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत 01 जनवरी 2021 से 20 दिसंबर 2021 के दौरान, सूचना प्राप्त करने के लिए इच्छुक कुल 1666 आरटीआई आवेदन और 114 प्रथम अपील वाले आवेदन मंत्रालय में प्राप्त हुए जिन्हें संतोषजनक ढंग से निपटाया गया। इन आवेदन सामान्य तौर पर, विदेश संबंधों, प्रशासनिक मुद्दों, द्विपक्षीय यात्राओं, कोविड-19 महामारी, वंदे भारत उड़ानों और उस पर किए गए खर्च जैसे विषयों से संबधित थे।

केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) की सभी सुनवाइयों में संबंधित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ के एक प्रतिनिधि उपस्थित रहते हैं। सीआईसी के पास आवश्यकतानुसार तिमाही विवरणी निर्धारित समय पर दाखिल की गई है।

सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस) के सहयोग से, सीआईसी के अनुदेशों के अनुसार, मंत्रालय के सभी सीपीआईओ द्वारा ऑनलाइन स्वत: प्रकटीकरण (पारदर्शिता लेखा परीक्षा) का कार्यान्वयन समयबद्ध तरीके से शुरू कर दिया गया है।

29

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

विदेश मंत्रालय के पास भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु एक परिपूर्ण योजना है। विश्व हिंदी सम्मेलन और क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक वर्ष हिंदी पखवाड़ा के साथ 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। मंत्रालय ने विशेषज्ञाप्राप्त दुभाषियों का एक पूल बनाने की दिशा में भाषा विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देने के लिए अटल भाषांतर योजना (एबीवाई) की स्थापना की है।

विदेश मंत्रालय भारत सरकार की राजभाषा नीति को बढ़ावा देने और उसे अपने मुख्यालयों और विदेशों में स्थित कार्यालयों तथा पूरे भारत में अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यान्वित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, हिंदी अब 75 से अधिक मिशनों और केंद्रों के प्रादेशिक अधिकार-क्षेत्र में पढ़ाई जा रही है।

विश्वभर में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, भारत सरकार और मॉरीशस सरकारों के बीच एक द्विपक्षीय समझौते के तहत मॉरीशस में 2008 से 'विश्व हिंदी सचिवालय' कार्य कर रहा है। विश्व हिंदी सचिवालय के बजट को दोनों देशों द्वारा समान रूप में विभाजित किया गया है।

मंत्रालय ने विदेशों में स्थित मिशनों/केंद्रों को हिंदी की कक्षाएं संचालित करने के लिए शिक्षकों को नियुक्त करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की। इसके अतिरिक्त, हिंदी कक्षाओं के आयोजन के लिए हमारे मिशनों के माध्यम से शिक्षण सामग्री और किताबें भी प्रदान की गईं।

मंत्रालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की उच्च भागीदारी थी। हिंदी दिवस मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में एमओएस (एलएल) की उपस्थिति से उसकी शोभा बढ़ गई, जिन्होंने और हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

अटल भाषांतर योजना के अंतर्गत, तीन उम्मीदवारों - अरबी, चीनी और रूसी भाषा प्रत्येक में एक उम्मीदवार ने द्विभाषिया एवं अनुवाद में अपना प्रशिक्षण व पढ़ाई पूरी की और मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों में कार्यभार संभाला।

30

वित्त और बजट

बजट अनुमान (बीई) चरण पर वित्त वर्ष (वित्त वर्ष) 2021-22 के लिए मंत्रालय को आवंटित कुल बजट 18,154.73 करोड़ रुपये है। प्रमुख आवंटनों के लिए बजट का क्षेत्रवार वितरण, नीचे दिया गया है:

क्षेत्र		आवंटन (करोड़ रुपये में)
विदेशों के साथ तकनीकी और आर्थिक सहयोग (टीईसी)	अनुदान	6754.40
	ऋण	880.75
	कुल टीईसी	7635.15
विदेशों में भारतीय मिशन और केंद्र		3240.07
विशेष राजनयिक व्यय		3000.01
पासपोर्ट और उत्प्रवास		1328.63
अंतरराष्ट्रीय सहयोग		1149.97
लोक निर्माण और आवासन पर पूंजीगत परिव्यय		610.00
विदेश मंत्रालय सचिवालय		522.85
स्वायत्त निकायों और अन्य संस्थानों को सहायता		333.14
अन्य		334.88
वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कुल बजट अनुमान (बीई)		18,154.73

विकास साझेदारी पोर्टफोलियो (या तकनीकी और आर्थिक सहयोग) जिसमें विभिन्न देशों के लिए भारत द्वारा दी गई सहायता सम्मिलित होती है, को मंत्रालय के बजट में सर्वाधिक आवंटन के साथ उच्च बल एवं प्राथमिकता दी जा रही है। वित्त वर्ष 2021-22 में, 18,154.73 करोड़ रुपये के कुल बजट में से, तकनीकी और आर्थिक सहयोग (टीईसी) शीर्ष परिव्यय 42.06% या 7635.15 करोड़ रुपये है, जिसमें से 6754.40 करोड़ रुपये (37.20%) अनुदान कार्यक्रमों के लिए और 880.75 करोड़ रुपये (4.85%) ऋण के लिए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में टीईसी परिव्यय का शीर्ष-वार वितरण नीचे दिया गया है:

तकनीकी और आर्थिक सहयोग (टीईसी) शीर्ष		**आवंटन (करोड़ रुपये में)**	**कुल टीईसी आवंटन का %**
बांग्लादेश को सहायता		200.00	2.62%
भूटान	अनुदान	2124.20	39.36%
	ऋण	880.75	
	भूटान के लिए कुल	3004.95	
नेपाल को सहायता		992.00	12.99%
मॉरीशस को सहायता		900.00	11.78%
अफगानिस्तान को सहायता		350.00	4.58%
सेशेल्स को सहायता		160.00	2.10%
म्यांमार को सहायता		400.00	5.24%
आईटीईसी कार्यक्रम		150.00	1.96%
अफ्रीकी देशों को सहायता		300.00	3.93%
श्रीलंका को सहायता		200.00	2.62%
चाहबहार बंदरगाह, ईरान		100.00	1.31%
मालदीव को सहायता		250.00	3.27%
अन्य विकासशील देशों को सहायता		130.00	1.70%
निवेश प्रचार और संवर्धन कार्यक्रम		270.00	3.54%
भारत-प्रशांत सहयोग		40.00	0.52%
यूरेशियन देशों को सहायता		100.00	1.31%
बहुपक्षीय आर्थिक संबंध कार्यक्रम		10.20	0.13%
लैटिन अमेरिकी देशों को सहायता		40.00	0.52%
आपदा राहत के लिए सहायता		20.00	0.26%
सार्क कार्यक्रम		6.00	0.08%
मंगोलिया को सहायता		2.00	0.03%
कुल		7635.15	

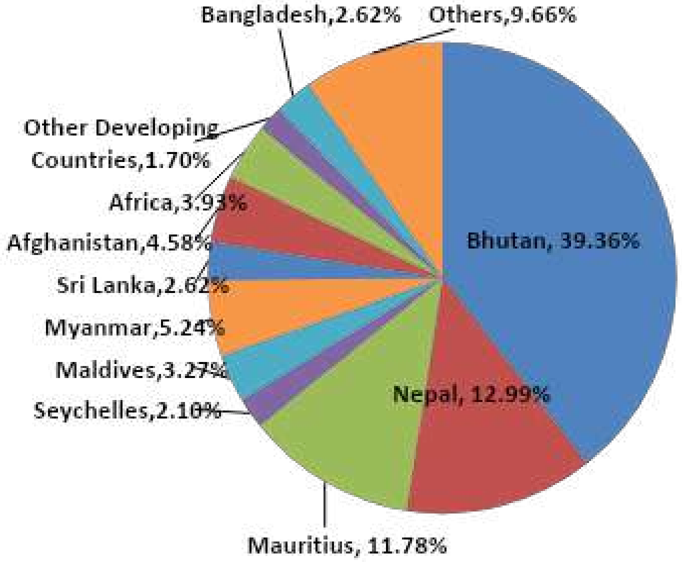

मंत्रालय के विकास साझेदारी बजट, जो की लगभग 66% है, का अधिकांश भाग सरकार की "पड़ोस प्रथम" नीति के अंतर्गत पड़ोसी देशों को आवंटित किया जाता है, इसके बाद हिंद महासागर क्षेत्र (20%), विस्तारित पड़ोस (7.2%), अफ्रीका (3.93%), लैटिन अमेरिकी देशों (0.52%) को आवंटित किया जाता है।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 18,154.73 करोड़ रुपये के कुल बजट में से, स्थापना शीर्षों और गैर-स्थापना शीर्षों के बीच आवंटन का विभाजन क्रमशः 28% (5118 करोड़ रुपये) और 72% (13036 करोड़ रुपये) है। मंत्रालय ने अपने कुल बजट के 30% के भीतर स्थापना शीर्षों पर अपने व्यय को निरंतर यथावत रखा है।

मंत्रालय वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान (आरई) चरण पर आवंटित निधि का इष्टतम उपयोग करता है, जैसा कि पिछले दस वित्तीय वर्ष के संबंध में नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	बजट अनुमान आवंटन	संशोधित अनुमान आवंटन	वास्तविक व्यय	बजट अनुमान का % में उपयोग	संशोधित अनुमान का % में उपयोग
	करोड़ रुपये में; निकटतम पूर्णांक				
2011-12	7106	7836	**7873**	**111 %**	**100 %**
2012-13	9662	10062	**10121**	**105 %**	**100 %**
2013-14	11719	11794	**11807**	**101 %**	**100 %**
2014-15	14730	12620	**12149**	**82 %**	**96 %**
2015-16	14967	14967	**14541**	**97 %**	**97 %**
2016-17	14663	13426	**12772**	**87 %**	**95 %**
2017-18	14798	13690	**13750**	**93 %**	**100 %**
2018-19	15011	15582	15526	**103%**	**99%**
2019-20	17885	17372	**17272**	**97%**	**99%**
2020-21	17347	15000	14362	83%	96%

मंत्रालय के पास वित्त वर्ष 2021-22 में, 30 सितंबर 2021 तक पासपोर्ट सेवाओं (963.12 करोड़ रुपये), वीज़ा शुल्क (90.86 करोड़ रुपये) और अन्य प्राप्तियों (361.19 करोड़ रुपये) से 1415.17 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां हुई हैं। वित्त वर्ष 2017-2018 से वित्त वर्ष 2021-2022 तक पिछले 5 वित्तीय वर्षों के लिए राजस्व प्राप्ति नीचे दी गई है:

वर्ष	शीर्ष	राशि	प्रतिशत
2017-18	पासपोर्ट	2479.08	47%
	वीज़ा	2152.15	41%
	अन्य	668.38	12%
	कुल	5299.61	
2018-19	पासपोर्ट	2679.75	44%
	वीज़ा	2688.9	44%
	अन्य	680.06	11%
	कुल	6048.71	
2019-20	पासपोर्ट	2522.71	49%
	वीज़ा	1792.11	35%
	अन्य	856.16	17%
	कुल	5170.98	
2020-21	पासपोर्ट	583.56	77%
	वीज़ा	24.85	3%
	अन्य	149.73	20%
	कुल	758.14	
2021-22 (*30 सितंबर 2021 तक के आंकड़े)	पासपोर्ट	1407.84	73%
	वीज़ा	145.96	8%
	अन्य	380.91	20%
	कुल	1934.71	

जनवरी 2020 में, मंत्रालय के पास नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 2017 की रिपोर्ट संख्या 12 और 2020 की रिपोर्ट संख्या 6 से 2 पैरा लंबित थे। सीएजी की वर्ष 2021 की रिपोर्ट संख्या 2 में 5 और पैरा शामिल किए गए थे। इन सभी 7 पैराओं के लिए की गई कार्रवाई नोट (एटीएन) प्रस्तुत करने की स्थिति नीचे दर्शाई गई है:

वर्ष	सी एंड एजी रिपोर्ट	कुल पैराज़	प्रस्तुत किए गए अंतिम एटीएन	प्रक्रियाधीन एटीएन
2017	वर्ष 2017 की रिपोर्ट संख्या 12	4	4	शून्य
2018	वर्ष 2018 की रिपोर्ट संख्या 4	5	5	शून्य
2019	विदेश मंत्रालय के लिए सीएजी द्वारा कोई रिपोर्ट तैयार नहीं की गई	-	-	-
2020	वर्ष 2020 की रिपोर्ट संख्या 6	4	3	1
2021	वर्ष 2021 की रिपोर्ट नंबर 2	5	2	3
कुल		18	14	4

इन सी एंड एजी पैराओं का ववरिण और स्थतिनिीचे दर्शाई गई है:

सी एंड ए जी रिपोर्ट सं.	पैरा सं.	विषय	स्थिति
6 of 2020	8.4	दरों को गलत ढंग से अंगीकृत किए जाने के कारण अतिरिक्त लागत - नालंदा विश्वविद्यालय	मंत्रालय द्वारा संशोधित की गई कार्रवाई नोट तैयार किया जा रहा है
2 of 2021	5.3	एचसीआई लंदन द्वारा प्रतिकर की प्राप्ति और उपयोग में अनियमितताएं	मंत्रालय द्वारा संशोधित की गई कार्रवाई नोट तैयार किया जा रहा है
	5.4	इंडिया हाउस, लंदन में बेसमेंट के नवीनीकरण संबंधित कार्य में अत्यधिक अनियमितता और मनमाने ढंग से कार्य अवार्ड किया गया जिसके कारण एचसीआई लंदन द्वारा ठेकेदार को अनुचित लाभ दिए गए।	मंत्रालय द्वारा संशोधित की गई कार्रवाई नोट तैयार किया जा रहा है
	5.5	नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर द्वारा ठेकेदार को दिया गया अनुचित लाभ	मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई नोट प्रारूप तैयार किया जा रहा है

पीएसी पैराज़

वर्ष	पीएसी रिपोर्ट सं.	कुल पैराज़	प्रस्तुत किए गए अंतिम एटीआर	शेष एटीआर	टिप्पणी
2018	पीएसी रिपोर्ट सं.112	7	7	-	अंतिम की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है। पैरा निपटा दिए गए हैं।
2020	पीएसी रिपोर्ट सं.17	5	2	3	मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

बकाया पीएसी पैराज़ का ववरिण और स्थतिनिम्निानुसार है :

लोक सभा सं.	रिपोर्ट सं.	पैरा सं.	विषय	स्थिति
17	17	5	समिति की टिप्पणियों/सिफारिशों पर मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई पर समिति की टिप्पणियां उसकी 112वीं रिपोर्ट (16वीं लोक सभा) “ओटावा और उसके वाणिज्य दूतावासों में विनिमय दर को अनुचित तरीके से अपनाना" में निहित हैं, जैसा कि सीएजी की 2016 की रिपोर्ट संख्या 11 के अध्याय VII के पैरा 7.1 में उल्लेखित है [समिति यह नोट करती है कि विदेश मंत्रालय द्वारा एक वर्ष से अधिक की देरी के बाद की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत किए गए थे। समिति मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किए गए एक्शन टेकन नोट्स में अनुचित देरी की निंदा करती है और यह अपेक्षा करती है कि आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि अब से समिति को उत्तर समय पर प्रस्तुत किए जाएं।]	की गई कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रारूप तैयार किया जा रहा है

		7	समिति की टिप्पणियों/सिफारिशों पर मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई पर समिति की टिप्पणियां उसकी 112वीं रिपोर्ट (16वीं लोक सभा) "ओटावा और उसके वाणिज्य दूतावासों में विनिमय दर को अनुचित तरीके से अपनाना" में निहित हैं, जैसा कि सीएजी की 2016 की रिपोर्ट संख्या 11 के अध्याय VII के पैरा 7.1 में उल्लेखित है [समिति यह चाहती है कि विदेश मंत्रालय अध्याया I में निहित टिप्पणियों/सिफारिशों के संबंध में की गई कार्रवाई नोट्स संसद को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के छ- माह के भीतर प्रस्तुत करे।]	एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रारूप तैयार किया जा रहा है
		22	समिति की टिप्पणियों/सिफारिशों पर मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई पर समिति की टिप्पणियां उसकी 112वीं रिपोर्ट (16वीं लोक सभा) "ओटावा और उसके वाणिज्य दूतावासों में विनिमय दर को अनुचित तरीके से अपनाना" में निहित हैं, जैसा कि सीएजी की 2016 की रिपोर्ट संख्या 11 के अध्याय VII के पैरा 7.1 में उल्लेखित है [समिति यह चाहती है कि उसे वैश्विक पासपोर्ट सेवा परियोजना के विवरणों के साथ-साथ निगरानी और रीयल टाइम रिपोर्टिंग पर परिणामी प्रभाव से अवगत कराया जाए। समिति यह भी जानना चाहती है कि क्या इस परियोजना का कार्यान्वयन उसके द्वारा पूर्व में जताई गई चिंता का समाधन करती है या नहीं।]।	अंतिम एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) तैयार किया जा रहा है

31

संसद और समन्वय प्रभाग

संसद और समन्वय प्रभाग की जिम्मेदारी में मोटे तौर पर संसदीय कार्य; मंत्रालय के भीतर और बाहर समन्वय; भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में कुछ श्रेणी के विदेशी छात्रों का प्रवेश, 'आजादी का अमृत महोत्सव' (एकेएएम) के तहत मंत्रालय की गतिविधियों का समन्वय और निगरानी के साथ-साथ विदेशों के साथ भारत द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) की समीक्षा जैसे कार्य शामिल हैं।

संसद अनुभाग

संसद अनुभाग संसद के साथ मंत्रालय का इंटरफेस और मंत्रालय के संसद संबंधी कार्यों के लिए नोडल बिंदु है। मंत्रालय का प्रयास संसद द्वारा उठाए गए मुद्दों पर समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है, जिसमें अंतर-संसदीय संघ, संसदीय विनिमय कार्यक्रम आदि से संबंधित मुद्दों पर सहायता करना शामिल है।

कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान महामारी की स्थिति के बावजूद, विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति ने निम्नलिखित 7 विषयों पर 12 बैठकें कीं:

i. कोविड महामारी: वैश्विक प्रतिक्रिया, भारत का योगदान और आगे की राह;
ii. भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति: संभावनाएं और परिसीमाएं;
iii. भारत और द्विपक्षीय निवेश संधियाँ;
iv. भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी;
v. भारतीय प्रवासी समुदाय का कल्याण: नीतियां/योजनाएं;
vi. वर्ष 2021-22 के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) की अनुदान मांगों की समीक्षा; और
vii. क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करना।

वर्ष 2021 में, 'भारत की वैश्विक रणनीति' पर पहली सलाहकार समिति की बैठक और 'द् क्वाड एंड इंडो-पैसिफिक' पर सलाहकार समिति की दूसरी बैठक क्रमशः दिनांक 16 जनवरी और दिनांक 12 नवंबर को विदेश मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

कैलेंडर वर्ष के दौरान, मंत्रालय ने 15 संसदीय आश्वासनों का अनुपालन किया, इस प्रकार बकाया आश्वासनों को 6 तक लाया गया। विशेष उल्लेख / नियम 377, शून्यकाल के तहत कुल 24 मामले उठाए गए। इन्हें प्राथमिकता के

आधार पर लिया गया और समय पर जवाब दिया गया। वर्ष 2021 में संसद के बजट, शीतकालीन और मानसून सत्रों के दौरान 297 प्रश्न एडमिट किए गए जिनके उनके उत्तर दिए गए।

कैलेंडर वर्ष के दौरान, भारतीय विश्व मामले परिषद (आईसीडब्ल्यूए), भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), भारत प्रवासन केंद्र (आईसीएम), नालंदा विश्वविद्यालय, की वार्षिक रिपोर्टें और वार्षिक लेखा संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे गए।

विदेश मंत्री ने नवंबर 2021 में 'द क्वाड एंड इंडो-पैसिफिक' पर आयोजित परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की

समन्वय अनुभाग

समन्वय अनुभाग ने मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों, राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों, स्वायत्त निकायों और निजी संस्थानों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत की। इस अनुभाग ने विदेश दौरों, खेल आयोजनों, सम्मेलनों/सेमिनारों/प्रदर्शनियों और राजनयिक सैन्य उड़ानों के लिए राजनीतिक अनुमोदन हेतु कार्य आगे बढ़ाया। वर्ष 2021 में कुल 1654 राजनीतिक मंजूरियां जारी की गईं।

इस अनुभाग ने कैबिनेट सचिवालय के पोर्टल पर मंत्रालय की प्रतिक्रियाओं तथा शिकायत निवारण पर प्रधानमंत्री की PRAGATI वीडियो कांफ्रेंसिंग में मंत्रालय की भागीदारी और कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं की समीक्षा में समन्वय किया।

अनुभाग ने पद्म पुरस्कार, गांधी शांति पुरस्कार, सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार और संस्कृत एवं शास्त्रीय भाषाओं के विद्वानों को राष्ट्रपति पुरस्कार (अंतर्राष्ट्रीय) सहित विभिन्न पुरस्कारों से संबंधित कार्यों में भी समन्वय किया।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय में समन्वय प्रभाग को मुख्यालयों और विदेशों में हमारे मिशनों/केंद्रों में एकेएएम मनाने के लिए नोडल प्वाइंट के रूप में नामित किया गया है। विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों ने दिनांक 12 मार्च 2021 से एकेएएम आयोजित किए। मिशनों/केंद्रों द्वारा दिनांक 12 मार्च से नवंबर 2021 तक लगभग 5000 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। आईसीसीआर/ मिशनों/ केंद्रों द्वारा एकेएम समारोहों में भारतीय डायस्पोरा, भारत के मित्रवत देशों और स्थानीय सरकारों की भागीदारी उत्साहवर्धक थी।

आईसीसीआर द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत प्रस्तुति

विदेश में आईसीसीआर/ मिशनों/ केंद्रों के माध्यम से मंत्रालय विदेशों में भारत सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों, जैसे कि राष्ट्रगान पहल, राष्ट्रीय एकता दिवस/ सप्ताह, पोस्ट कार्ड अभियान, काशी उत्सव, बाल: अधिकार, विचार और पोषण, संविधान दिवस, अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस, सुशासन सप्ताह, सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

निगरानी प्रकोष्ठ

निगरानी प्रकोष्ठ विदेशों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन/समझौतों की नियमित समीक्षा में, उनकी निरंतर प्रासंगिकता एवं स्थिति के दृष्टिकोण के साथ, भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों के साथ समन्वय करता है।

कुल मौजूद 3240 एमओयू/करारों में से 3172 एमओयू/करारों की समीक्षा की जा चुकी है। दिनांक 31 दिसंबर 2021 तक, 2413 समझौता ज्ञापनों की पहचान उन्हें जारी रखने के लिए और 759 समझौता ज्ञापनों को समाप्त करने के लिए की गई है। वर्ष 2021 में कुल 665 समझौता ज्ञापनों को समाप्त किया गया और शेष को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है।

शिक्षा प्रकोष्ठ

मंत्रालय का शिक्षा अनुभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस मंत्रालय को आबंटित सीटों के लिए स्व-वित्तपोषण योजना के अंतर्गत भारत के विभिन्न संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, एमडी/एमएस, बी. आर्क, बीई, बी. फार्मेसी और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए 57 मित्र पड़ोसी और विकासशील देशों के विदेशी छात्रों के चयन, नामांकन और प्रवेश से संबंधित कार्य देखता है। भारत में स्थित अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यक प्रवासियों को भी इस योजना के तहत सीटें प्रदान की जाती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान बी.ई./बी.टेक/बी.आर्क/बी.फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 72 आवेदन प्राप्त हुए थे। इंजीनियरिंग और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए 49 सीटें आवंटित की गईं और डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में 2 सीटें आवंटित की गईं। चिकित्सा पाठ्यक्रमों (एमबीबीएस और बीडीएस) के लिए आवंटन प्रक्रियाधीन है।

शिक्षा अनुभाग ने जनवरी-दिसंबर 2021 के दौरान, निम्नलिखित राजनीतिक मंजूरियाँ संचालित कीं:

ऐच्छिक प्रशिक्षण, पर्यवेक्षक जहाजों और लघु/दीर्घकालिक प्रशिक्षण के लिए विदेशी छात्रों के संबंध में राजनीतिक मंजूरियों के 24 मामले,

विभिन्न स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं में बैठने वाले विदेशी छात्रों के मामले में राजनीतिक मंजूरियों के 2430 मामले, और

शोध हेतु वीजा मंजूरियों के 25 मामलों को मंजूरी दी गई।

32

सम्मेलन प्रभाग

शिखरवार्ता /सम्मेलन प्रभाग, भारत और विदेशों में विदेश मंत्रियों/ प्रतिनिधिमंडलों की अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय भागीदारी सहित बैठकों/ कार्यक्रमों/ सेमिनार/ सम्मेलनों के आयोजन में मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों को सभी साजो-सामान संबंधी सुविधाएं प्रदान करता है।

शिखरवार्ता/सम्मेलन प्रभाग ने दिनांक 01 अप्रैल 2021 से 31 अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान, 106 ब्रिक्स/ G7/ IBSA/ G20 संबंधित वर्चुअल बैठकों और 44 अन्य बैठकों के लिए समस्त लॉजिस्टिकल सहायता प्रदान की, जिन्हें वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था, ताकि विभिन्न स्तरों पर भागीदारी की जा सके। इसका विवरण निम्न प्रकार है:

BRICS/IBSA/G7/G20 प्रधानमंत्री स्तरीय बैठक	BRICS/IBSA/G7/G20 मंत्रिस्तरीय बैठकें	BRICS/IBSA/G7/G20 आधिकारिक स्तर की बैठकें	कुल बैठकें
01	18	88	107

शिखरवार्ता/सम्मेलन प्रभाग ने दिनांक 01 अप्रैल 2021 से दिनांक 31 अक्टूबर 2021 की अवधि के दौरान, 44 अन्य बैठकों के लिए समस्त लॉजिस्टिकल सहायता प्रदान की, जिन्हें वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था, ताकि विभिन्न स्तरों पर भागीदारी की जा सके। इसका विवरण निम्न प्रकार है:

प्रधानमंत्री स्तरीय बैठक	मंत्रिस्तरीय बैठकें	आधिकारिक स्तर की बैठकें	कुल बैठकें
2	14	28	44

इसके अतिरिक्त, शिखरवार्ता/सम्मेलन प्रभाग सुषमा स्वराज भवन (एसएसबी) (पूर्व में प्रवासी भारतीय केंद्र पीबीके) के लिए नोडल एजेंसी के रूप में भी कार्य करता है। सुषमा स्वराज भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा 02 अक्टूबर 2016 को किया गया था। पीबीके के उद्घाटन के बाद, राष्ट्रपति ने उसके 4 कार्यक्रमों

(एक वर्चुअल रूप में) में, उपराष्ट्रपति ने 09 कार्यक्रमों में और प्रधानमंत्री ने सम्मानित अतिथि के रूप में 17 कार्यक्रमों में भाग लिया है। प्रधानमंत्री ने एसएसबी में मंत्रिपरिषद की 08 बैठकों की अध्यक्षता भी की है। एसएसबी विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और अन्य सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित आधिकारिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि के लिए एक पसंदीदा स्थल रहता है। एसएसबी में आयोजित कार्यक्रमों की वर्षवार संख्या नीचे दी गई है:

क्र.सं.	अवधि	घटनाक्रमों की संख्या
1	अक्टूबर 2016 से मार्च 2017	45
2	अप्रैल 2017 से मार्च 2018	144
3	अप्रैल 2018 से मार्च 2019	210
4	अप्रैल 2019 से मार्च 2020	89
5	अप्रैल 2020 से मार्च 2021	17
6	अप्रैल 2021 से अक्टूबर 2021	151
	कुल	656

एसएसबी में आयोजित कार्यक्रमों की संगठनवार कुल संख्या इस प्रकार है:

क्र.सं.	कार्यक्रम के आयोजक	अक्टूबर 2016 से मार्च 2017	अप्रैल 2017 से मार्च 2018	अप्रैल 2018 से मार्च 2019	अप्रैल 2019 से मार्च 2020	अप्रैल 2020 से मार्च 2021	अप्रैल 2021 से अक्टूबर 2021	कुल
1	विदेश मंत्रालय (एमईए)	23	69	89	23	14	107	325
2	अन्य मंत्रालय/विभाग	16	59	95	40	3	44	257
3	अन्य सरकारी संगठन	0	10	3	18	0	0	31
4	अन्य संगठन	6	6	23	8	0	0	43
	कुल	45	144	210	89	17	151	656

एसएसबी में किया गया उन्नयन, वर्ष 2021 में भारत के ब्रिक्स सचिवालय के रूप में और उसके उपरांत लगभग 300 अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ भारत के जी-20 शिखर सम्मेलन सचिवालय के रूप में कार्य करेगा, और जी-20 संबंधित प्रारंभिक बैठकों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल होगा, क्योंकि अब भारत जी-20 ट्रोइका में शामिल हो गया है।

33

अभिलेखागार

विदेश मंत्रालय का अभिलेखागार और अभिलेख प्रबंधन प्रभाग, अभिलेखागार और अभिलेख प्रबंधन से संबंधित सभी मामलों को देखता है। यह प्रभाग वर्तमान में आईएसआईएल भवन, भगवान दास रोड और सी-1 हटमेंट्स, दारा शिकोह रोड पर स्थित है। यह प्रभाग नई जगह पर स्थानांतरण के लिए तैयार है, जहां फाइलों को रखने के लिए कॉम्पेक्टर स्थापित करने तथा परिसर को कब्जे के लिए तैयार कर लेने के पश्चात अपना कामकाज सामान्य रूप से कर सकेगा।

34

सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस)

सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस) की स्थापना 1986 में भारत सरकार द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से हर वर्ष यूपीएससी के माध्यम से सीधे भर्ती किए गए भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारियों की व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एसएसआईएफएस ने भारतीय और विदेशी प्रशिणार्थियों के लिए अपनी प्रशिक्षण प्रक्रिया को वर्ष के दौरान संकट को ध्यान में रखकर परिवर्तित कर कोविड महामारी की चुनौती का सामना किया। 2020 बैच के आईएफएस ओटी (ऑफिसर ट्रेनी) के छह महीने के इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीएम) का अंतिम चरण हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। कोविड की दूसरी लहर की शुरुआत के बाद, सप्ताह भर चलने वाले मिशन ओरिएंटेशन अटैचमेंट को रद्द करना पड़ा। प्रशिक्षणाधीन अधिकारी (ओटी) मई 2021 से परिसर में लौट आए और आईटीपी के समापन पर अपने मूल्यांकन के लिए भौतिक मोड में उपस्थित हुए। विदेश मंत्री ने जून 2021 में समापन समारोह में भाग लिया था।

एसएसआईएफएस ने सीएजी (नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) कार्यालय, एचआईपीए (हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान) और एनएससीएस (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय) के अधिकारियों के लिए उनके अनुरूप कार्यक्रमों के अनुरोधों के आधार पर पहली बार रक्षा अतोशे (अटैचियों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

जहां तक विदेशी राजनयिकों के प्रशिक्षण का संबंध है, आवासीय राजनयिक मिशनों के राजनयिकों के लिए कई फैमिलराइजेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से एक अगस्त 2021 में रेज़ीडेंट हैड ऑफ मिशन्स के लिए था। विदेशी राजनयिकों (विदेश से आने वाले) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भौतिक प्ररूप में जुलाई 2021 से फिर से शुरु किए गए, जब अफ़गान राजनयिकों के लिए 8वें विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था।

थिंक-टैंक इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए 'भारत के परिचय पर सुषमा स्वराज व्याख्यान' का दूसरा संस्करण अक्टूबर 2021 में आयोजित किया गया। डी एंड आईएसए प्रभाग के सहयोग से वार्षिक निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर अध्येतावृत्ति कार्यक्रम का तीसरा संस्करण 2022 की पहली छमाही में आयोजित किए जाने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के कार्मिकों के लिए पदोन्नति-संबंधी और तैनाती-संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष के पूर्वाद्ध के कुछ महीनों के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित किए गए, जिन्हें बाद में अगस्त 2021 से भौतिक प्रारूप में फिर से

शुरु किया गया। निजी सहायकों और आशुलिपिकों तथा सहायक अनुभाग अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम नवंबर-दिसंबर 2021 में आयोजित किए गए थे।

I. भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के लिए संवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम:

इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम:

2020 बैच के 24 भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी प्रशिणार्थियों (ओटीएस) और दो भूटानी राजनयिकों ने 21 दिसंबर 2020 से 11 जून 2021 तक छह महीने के इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) में भाग लिया। आईटीपी में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों पर मॉड्यूल, विदेश नीति, पड़ोसी देशों और प्रमुख शक्तिशाली राष्ट्रों एवं बहुपक्षीय संगठनों के साथ द्विपक्षीय संबंध पर मॉड्यूल शामिल किए गए थे। इसमें वित्त, लेखा, प्रशासन, स्थापना, कांसुलर, पासपोर्ट और वीजा, अंतर्राष्ट्रीय कानून, प्रोटोकॉल, आर्थिक और वाणिज्यिक कूटनीति, रक्षा कूटनीति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, घरेलू नीति, स्वास्थ्य मॉड्यूल, पर्यटन, आतिथ्य और मीडिया प्रबंधन पर मॉड्यूल भी शामिल किए गए थे। सॉफ्ट पावर और संचार कौशल पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिणार्थियों तक ज्ञान के प्रभावकारी प्रसार के लिए, अनुभवी सिविल सेवकों, सेवानिवृत्त राजदूतों, विभिन्न मंत्रालयों, संस्थानों से वरिष्ठ संकाय-सदस्यों और रिसर्च फेलो तथा चिंतकों (थिंक टैंक) को संसाधन व्यक्तियों के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसके अतिरिक्त, एसएसआईएफएस ने आईएफएस ओटी के साथ संवाद कराने के लिए विदेशों के राजदूतों/उच्चायुक्तों (P5 देशों सहित) को भी आमंत्रित किया था।

अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) टूल्स (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों) का प्रयोग कर आईएफएस ओटी को प्रशिक्षण देने के लिए विभिन्न शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाए गए। पेडालॉजीकल टूल्स यानी शैक्षणिक सामग्रियों में इंटरैक्टिव व्याख्यान, सिमुलेशन, रोल प्ले, कार्यशालाएं, अभ्यासिक (ऑन हैंड) प्रशिक्षण, केस स्ट्डी, सफलता गाथाएं, रचनात्मक मैन्टरिंग कार्यक्रम, विदेशी और भारतीय राजनयिकों के बीच पारस्परिक संवाद, क्षेत्र दौरे और विभिन्न प्रकार की भागीदारियों के माध्यम से प्रदर्शन शामिल थे।

सीमा प्रबंधन के बारे में बेहतर परिप्रेक्ष्य बनाने के लिए और क्षेत्र में सेना के अधिकारियों के साथ बातचीत करने हेतु ओटी ने भारतीय सेना के लिए एक सप्ताह (22-26 मार्च 2021) का प्रशिक्षण (अटैचमेंट) आयोजित किया। देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, विरासत और पर्यटन संभावना से उन्हें गहनता से परिचित कराने के लिए, दस दिवसीय भारत दर्शन यात्रा (28 मार्च-05 अप्रैल 2021) और उनके संबंधित राज्यों में एक तीन दिवसीय स्टेट अटैचमेंट (07-09 अप्रैल 2021) का भी आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, आईटीपी के दौरान 'साइबर सुरक्षा' (राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा संचालित) और 'रैपिड रीडिंग' पाठ्यक्रम (आइरिस, शिकागो द्वारा संचालित) में एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी आयोजित किया गया।

2020 बैच के आईटीपी को स्मरणीय बनाने के लिए, 08 जून 2021 को एक समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री ने की। एमओएस (वीएम) ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर 2020 बैच के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारी प्रशिणार्थियों यानी ओटी को ईएएम स्वर्ण पदक, एस्प्रिट डी कॉर्प्स को एमओएस रजत पदक, सर्वश्रेष्ठ शोधप्रबंध के लिए राजदूत बिमल सन्याल स्मृति पदक, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली समिति (सांस्कृतिक समिति) को ट्राफियां, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और भूटानी राजनयिकों को इस अवसर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

2021 बैच के आईएफएस ओटी अपने छह महीने के इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए मार्च 2022 में एसएसआईएफएस में शामिल होंगे।

मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम-I:

2009 बैच के आईएफएस आईएफएस अधिकारियों और पिछले बैच के कुछ अधिकारियों, जो पहले आयोजित एमसीटीपी में शामिल नहीं हो पाए थे, के लिए मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम-I (एमसीटीपी-I) का आयोजन 05-16 जुलाई 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विदेश नीति मॉड्यूल (विदेश नीति मामलों के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए), 'अपनी पसंद के देश से भारत में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियाँ' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत करना और भारत की विदेश नीति पर एक पुस्तक समीक्षा जैसे मॉड्यूल शामिल किए गए थे।

मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम-II:

2005 बैच के 08 आईएफएस अधिकारियों, जो नियमित एमसीटीपी-II में शामिल नहीं हो पाए थे, के लिए एक अनुपूरक मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम-II, 04-14 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए एक विदेश नीति मॉड्यूल; आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा संचालित एक प्रबंधन एवं राजनय मॉड्यूल; विदेश नीति पर एक पुस्तक की समीक्षा सहित शोधपत्र प्रस्तुतीकरण को शामिल किया गया था।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम:

(क) आईएफएस (बी) से आईएफएस के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नत अधिकारियों के लिए परिवीक्षा और सेवा-स्थायीकरण पास करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: आईएफएस शाखा 'बी' के ग्रेड-I से आईएफएस के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नत 22 अधिकारियों के लिए परिवीक्षा और सेवा-स्थायीकरण पास करने के लिए एसएसआईएफएस द्वारा 31 अगस्त - 24 सितंबर 2021 के दौरान वर्चुअल मोड के माध्यम से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारत की विदेश नीति, राजनय प्रैक्टिस, दुनियाभर में संबंधों एवं आउटरीच से संबंधित कई मुद्दों पर इंटरैक्टिव सत्र शामिल किए गए थे। इसके अलावा, महत्वपूर्ण घरेलू मुद्दों और विषयों, जैसे कि स्वास्थ्य कूटनीति, सांस्कृतिक कूटनीति, संवाद कौशल, लैंगिक जागरुकता, साइबर सुरक्षा आदि पर सत्र भी आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के अंतर्गत (i) विदेश नीति पर किसी भी पुस्तक की समीक्षा, (ii) विदेश नीति पर शोधप्रबंध एवं उसका प्रस्तुतीकरण, और (iii) राजनीतिक एवं वाणिज्यिक रिपोर्टों का प्रस्तुतीकरण शामिल था। अधिदेश के अनुसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रतिभागियों के लिए परीक्षाएं भी आयोजित की गईं।

(ख) आशुलिपिक संवर्ग के प्रधान निजी सचिवों (पीपीएस) के लिए पदोन्नति संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम: आशुलिपिक संवर्ग के 61 प्रधान निजी सचिवों (पीपीएस) के लिए एक पदोन्नति-संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम एसएसआईएफएस द्वारा हाइब्रिड मोड में 05-09 अप्रैल 2021 के दौरान आयोजित किया गया था।

विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम:

(क) रक्षा अताशे और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: विदेशों में भारतीय मिशनों में प्रतिनियुक्त 11 रक्षा अताशे के लिए 27 सितंबर-01 अक्टूबर 2021 के दौरान एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(ख) भारत के सीएजी कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रभाग के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग के 14 अधिकारियों के लिए 02-03 अगस्त 2021 के दौरान एक कस्टमाइज्ड दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीएजी कार्यालय की बढ़ती वैश्विक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों की लेखापरीक्षा करना, प्रतिभागियों के लिए एसएसआईएफएस में प्रशिक्षण संचालित किया गया ताकि उन्हें भारत की विदेश नीति और कूटनीति के बुनियादी कौशलों एवं साधनों से अवगत कराया जा सके।

(ग) हरियाणा राज्य अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: हरियाणा राज्य के अधिकारियों के लिए विदेश नीति पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 जुलाई 2021 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) के सहयोग से आयोजित किया गया। हरियाणा राज्य सरकार के 25 अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। यह पहला राज्य-विशिष्ट कार्यक्रम था जिसे एसएसआईएफएस द्वारा भारत के राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के आईएएस एवं अन्य अधिकारियों के लिए जनवरी और फरवरी 2021 में आयोजित आर्थिक एवं वाणिज्यिक कूटनीति में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की निरंतरता में आयोजित किया गया था। पैराडिप्लोमेसी की भावना पर आधारित विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के अंतर्गत, भारत की विदेश नीति का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत करने और भारत की विदेश में गतिविधियों को आगे बढ़ाने में राज्य सरकारों द्वारा, भागीदारों के रूप में, दिए गए सहयोग को प्रस्तुत करने पर सकेंद्रित था।

II. आईएफएस की शाखा बी के लिए गैर-प्रतिनिधि ग्रेड (एनआरजी) प्रशिक्षण कार्यक्रम:

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, गैर-प्रतिनिधि ग्रेड (एनआरजी) के अधिकारियों (अनुभाग अधिकारी और उससे निचले पद के) के प्रशिक्षण के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

i. विदेश में स्थित मिशनों/केंद्रों के लिए पीएपी/आरएपी (संरक्षित/प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट) पर आईवीएफआरटी (आप्रवास, वीज़ा और विदेशी नागरिकों का पंजीकरण और ट्रैकिंग) ई-एफआरआरओ मॉड्यूल 18 मार्च 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमें 126 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ii. सहायक अनुभाग अधिकारियों (एएसओ) और निजी सहायकों (पीए) के लिए पदोन्नति संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम 22-26 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 122 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

iii. अनुभाग अधिकारियों (एसओ) और निजी सचिवों (पीएस) के लिए पदोन्नति से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम 12-23 जुलाई 2021 के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमें 87 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

iv. आईवीएफआरटी (आप्रवास, वीज़ा और विदेशी नागरिकों का पंजीकरण और ट्रैकिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम 02-03 अगस्त 2021 के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमें 64 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

v. लेखा प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईएमएएस प्रशिक्षण की तैयारी करने हेतु) 05-06 अगस्त 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

vi. 80वां आईएमएएस (एकीकृत मिशन लेखा प्रणाली) प्रशिक्षण कार्यक्रम 09-23 अगस्त 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

vii. लेखा प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईएमएएस प्रशिक्षण की तैयारी हेतु) 02-03 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

viii. आईवीएफआरटी (आप्रवास, वीज़ा और विदेशी नागरिकों का पंजीकरण और ट्रैकिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम 06-09 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ix. 81वां आईएमएएस (एकीकृत मिशन लेखा प्रणाली) प्रशिक्षण कार्यक्रम 13-24 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

x. सीधी भर्ती किए जाने वाले सहायक अनुभाग अधिकारियों (डीआर एएसओ), कनिष्ठ सचिवालय सहायकों (जेएसए) और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के लिए 28 अक्टूबर 2021 को त्रैमासिक टंकण परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 07 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

xi. 2017 और 2018 बैचों के निजी सहायकों और आशुलिपिकों के लिए इनडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम 22 नवंबर - 03 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

xii. सीधी भर्ती किए जाने वाले निजी सहायकों और आशुलिपिकों के लिए अनिवार्य अंग्रेजी आशुलिपि परीक्षा 09 दिसंबर 2021 को आयोजित की गई जिसमें 22 निजी सहायकों और 14 आशुलिपिकों ने भाग लिया।

xiii. 2017 और 2018 बैचों [बैच- I] के सहायक अनुभाग अधिकारियों (एएसओ) के लिए इनडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम 13-24 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

xiv. आईवीएफआरटी (आप्रवास, वीज़ा और विदेशी नागरिकों का

पंजीकरण और ट्रैकिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम 10-12 जनवरी 2022 के बीच आयोजित किया जाना है।

xv. लेखा प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईएमएएस प्रशिक्षण की तैयारी हेतु) 13-14 जनवरी 2022 के बीच आयोजित किया जाना है।

xvi. 82वां आईएमएएस (एकीकृत मिशन लेखा प्रणाली) प्रशिक्षण कार्यक्रम 17-21 जनवरी 2022 के बीच आयोजित किया जाना है।

III. विदेशी राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

(i) वियतनाम के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम

वियतनाम के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम 11-12 मई 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वियतनाम के इक्यावन राजनयिकों ने भाग लिया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सेवानिवृत्त भारतीय राजदूतों ने भारतीय विदेश नीति के कुछ मुख्य पहलुओं और वियतनाम एवं आसियान के साथ उसके संबंधों पर राजनयिकों को संबोधित किया।

(ii) डोमिनिकन गणराज्य के राजनयिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल

डोमिनिकन गणराज्य (डीआर) के राजनयिकों के लिए 'रचनात्मक बहुपक्षवाद' पर एक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल 16 जून 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। डोमिनिकन गणराज्य के सत्तर राजनयिकों/प्रतिभागियों ने इस मॉड्यूल के अंतर्गत प्रशिक्षण में भाग लिया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, सेवानिवृत्त भारतीय राजदूतों ने संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन के संबंध में 'रचनात्मक बहुपक्षवाद' पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में डीआर स्थायी प्रतिनिधि और न्यूयॉर्क में डीआर के उप स्थायी प्रतिनिधि द्वारा सत्रों में विशेष संबोधन दिया।

(iii) सिएरा लियोन के राजनयिकों के लिए पहला विशेष पाठ्यक्रम

सिएरा लियोन के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम 21 जून से 02 जुलाई 2021 के दौरान वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। सिएरा लियोन के पैंतीस राजनयिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस दो सप्ताह के कार्यक्रम में भारत की विदेश नीति, समकालीन अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, जैसे कि समुद्री सुरक्षा, बहुपक्षीय कूटनीति, कूटनीतिक कौशल, भारत का आर्थिक और तकनीकी विकास, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य कूटनीति, क्षेत्रीय समूहों सहित भारत-पश्चिम अफ्रीका संबंधों पर मॉड्यूल शामिल किए गए थे, जबकि भारत-सिएरा लियोन संबंधों पर मॉड्यूल के संबंध में विशेष ध्यान आकृष्ट किया गया था। हालांकि इस कार्यक्रम को ऑनलाइन आयोजित किया गया था, पर सिएरा लियोन के राजनयिकों से इस पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

(iv) अफ़गानिस्तान के राजनयिकों के लिए 8वां विशेष पाठ्यक्रम

अफ़गानिस्तान के राजनयिकों के लिए 8वां विशेष पाठ्यक्रम 05-17 जुलाई 2021 के दौरान आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम की विशेषता यह थी कि विदेश से आने वाले विदेशी राजनयिकों के लिए इसे वापस भौतिक प्ररूप में आयोजित किया गया। अफ़गानिस्तान के पच्चीस राजनयिकों और नई दिल्ली में उसके दूतावास के तीन राजनयिकों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। व्याख्यान सत्रों में, भारत की विदेश नीति, अफ़गानिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध, पड़ोसी देशों के साथ संबंध, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दे, बहुपक्षीय कूटनीति, राजनय/कूटनीति और संचार कौशल, राजनयिक नयाचार, कूटनीति में महिलाओं की भूमिका, आर्थिक कूटनीति, संवाद कौशल, अंतर्राष्ट्रीय कानून स्वास्थ्य कूटनीति, भारतीय संस्कृति और सिनेमा, भारत में उच्च शिक्षा के अवसर आदि पर मॉड्यूल शामिल किए गए थे। अपने अध्ययन दौरों के भाग के रूप में, राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन, निर्वाचन आयोग, अंतर्राष्ट्रीय सौर संघ, ऑडियो-विजुअल मीडिया हाउस का दौरा किया। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने-समझने के लिए, उन्होंने अपने गंतव्य स्थल से दूर स्थित आगरा और फतेहपुर सीकरी का दौरा किया। दिल्ली में, उन्होंने राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय और दिल्लीहाट का दौरा किया। उनके समूह में तीन महिला राजनयिक शामिल थीं। कार्यक्रम के अंतिम दिन राजनयिकों ने अफ़गानिस्तान की अपार बहु-आयामी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए एक मनोरम देश के रूप में प्रस्तुति दी।

(v) आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए चौथा फैमिलराइजेशन कार्यक्रम

आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए चौथा फैमिलराइजेशन कार्यक्रम 26-30 जुलाई 2021 के दौरान आयोजित किया गया। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और अमेरिका के आवासीय राजनयिक मिशनों के पच्चीस राजनयिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और उसकी विदेश नीति के बारे में एक विस्तृत सिंहावलोकन प्रस्तुत करना था। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समकालीन रणनीतिक मुद्दों, प्रमुख महाशक्ति वाले देशों और उनके पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों, हिंद महासागर क्षेत्र, संयुक्त राष्ट्र, आर्थिक कूटनीति एवं इस संबंध में पहलों, स्वास्थ्य कूटनीति आदि पर राजनयिकों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम फैमिलराइजेशन कार्यक्रमों की श्रृंखला में चौथा था जिसका आयोजन आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए 2021 में एसएसआईएफएस द्वारा किया गया था। डिप्लोमेटिक कॉर्प्स द्वारा इन कार्यक्रमों की सराहना की गई है क्योंकि इनमें भारत और उसकी विदेश नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

(vi) मिशनों के आवासीय प्रमुखों के लिए चौथा फैमिलराइजेशन कार्यक्रम

नई दिल्ली में स्थित मिशनों के विदेशी प्रमुखों (एचओएम) के लिए चौथा फैमिलराइजेशन कार्यक्रम 23-27 अगस्त 2021 के दौरान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छब्बीस राजदूतों / उच्चायुक्तों ने भाग लिया। यह इस कार्यक्रम का चौथा संस्करण था। अगस्त 2018 में, एसएसआईएफएस ने लैटिन और कैरिबियाई देशों के एचओएमएस के लिए पहला फैमिलराइजेशन कार्यक्रम आयोजित किया; पूर्व, पश्चिम और दक्षिण अफ्रीका के आवासीय एचओएमएस के लिए द्वितीय फैमिलराइजेशन कार्यक्रम फरवरी 2019 में आयोजित किया गया, जबकि अरब, कोकेशियान, मध्य एशिया और उत्तरी अफ्रीकी देशों के आवासीय एचओएमएस के लिए तृतीय फैमिलराइजेशन कार्यक्रम अगस्त 2019 में आयोजित किया गया था। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने एचओएमएस को सप्ताह भर चले कार्यक्रम के दौरान विदेश नीति के मुद्दों के बारे में संबोधित किया। उनके संबोधन का उद्देश्य भारत और उसकी विदेश नीति के बारे मे जानकारी प्रदान करना तथा समकालीन आयामों, चुनौतियों, रणनीतिक मुद्दों, पड़ोसी देशों और प्रमुख महाशक्तियों एवं यूएन के साथ संबंधों, विकास भागीदारी, आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबधों तथा सांस्कृतिक कूटनीति के बारे में जानकारी प्रदान करना था। एमओएस (डॉ राजकुमार रंजन सिंह) ने 27 अगस्त 2021 को समापन समारोह में भाग लेकर उसकी गरिमा बढ़ाई और विदेशों में स्थित आवासीय मिशनों के प्रमुखों

के साथ बातचीत की।

(vii) हिंद महासागर क्षेत्र के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम (आईओआर)

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम 20 सितंबर से 01 अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया। छह आईओआर देशों, अर्थात कोमोरोस, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, सेशेल्स और श्रीलंका के पैंतीस राजनयिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। दो सप्ताह तक चले इस विशेष पाठ्यक्रम में भारत की राजनीति और विदेश नीति, समकालीन समुद्री मुद्दों, चुनौतियों एवं रणनीतियों, मानवीय सहायता और आपदा राहत पहलें, यूएनसीएलओएस के तहत अंतर्राष्ट्रीय ढांचा, बहुपक्षीय कूटनीति, आर्थिक और वाणिज्यिक कूटनीति, राजनयिक नयाचार और संचार, संवाद कौशल, विकास साझेदारी सहयोग, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां और उसके लिए उपाय, स्वास्थ्य कूटनीति, आपदा प्रबंधन आदि को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में व्याख्यान विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, सेवानिवृत्त राजदूतों तथा शिक्षाविदों एवं थिंक टैंक के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए थे। समूह ने राष्ट्रपति भवन, निर्वाचन आयोग, गांधी स्मृति, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय और नई दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया, दिल्ली से बाहर आगरा एवं फतेहपुर सीकरी का दौरा किया। उन्होंने मीडिया घरानों का भी दौरा किया और भारत में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की गतिकियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। राजनयिकों के प्रत्येक छह समूहों ने भारत के बारे में अपनी प्रस्तुतियों में उसके विविध क्षेत्रों की अपार क्षमता के साथ-साथ उसके सुंदर द्वीप देशों का चित्रण किया।

(viii) आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए 'भारत से परिचय पर सुषमा स्वराज व्याख्यान (एसएसएल 2021)'

एसएसआईएफएस ने थिंक-टैंक इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से, आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तत्वावधान में 21-22 अक्टूबर 2021 के दौरान आवासीय विदेशी राजनयिकों के लिए 'भारत से परिचय पर सुषमा स्वराज व्याख्यान (एसएसएल 2021)' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। पहला संस्करण अक्टूबर और नवंबर 2020 में दो भागों में आयोजित किया गया था। व्याख्यान श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य भारत में रहने वाले विदेशी राजनयिकों को भारत से परिचित कराना था। उद्घाटन सत्र को सचिव (पूर्व) द्वारा संबोधित किया गया। उन्होंने सम्मान (डिगनिटी), संवाद (डायलॉग), समृद्धि (शेयर्ड प्रॉस्परेटी), सुरक्षा (क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा) और संस्कृति एवं सभ्यता (सांस्कृतिक और सभ्यता संबंधी संबंधों) के बारे में उन भारतीय राजनयिक आदर्शों का वर्णन किया, जो भारत के व्यापक राजनीतिक एवं आर्थिक लक्ष्यों से अंतर-संबंधित थे। श्री राम माधव, सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, इंडिया फाउंडेशन ने 'इंडियाज ग्लोबल विज़न' पर 22 अक्टूबर को समापन सत्र में संबोधन दिया। एसएसएल 2021 में, तैंतालीस देशों के पचास राजनयिकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारतीय इतिहास, राजनीति, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और विदेश नीति पर व्याख्यान शामिल किए गए थे, जिन्हें प्रख्यात वार्ताकारों तथा संसद सदस्यों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और शिक्षाविदों द्वारा दिया गया था।

(ix) गाम्बिया के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम

गाम्बिया के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम 15 नवंबर - 26 नवंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया। गाम्बिया के तीस राजनयिकों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। इस पाठ्यक्रम से पहले आयोजित पाठ्यक्रम में गाम्बिया के पच्चीस वरिष्ठ नागरिक सेवकों के अलावा, जिन्होंने 2019 में मसूरी स्थित नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस में प्रशिक्षण लिया था, इकतीस राजनयिकों ने एसएसआईएफएस में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस विशेष पाठ्यक्रम में भारत की विदेश नीति पर मॉड्यूल, भारत-पश्चिम अफ्रीका संबंध और विशेष रूप से गाम्बिया के साथ संबंध, विकास साझेदारी सहयोग, राजनयिक नयाचार, भारत में उच्च शिक्षा के अवसर, आयुर्वेद आदि पर मॉड्यूल शामिल किए गए थे। अपने अध्ययन दौरों के भाग के रूप में, राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन और निर्वाचन आयोग का दौरा किया। प्रतिभागियों ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2021 का भी दौरा किया, ताकि उन्हें ट्रेड एक्सपो के व्यापक कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर भारत' (सेल्फ रिलाइंट) के बारे में वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके। इस पाठ्यक्रम में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने-समझने के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारकों पर अध्ययन दौरे शामिल किए गए थे।

(x) ओमान के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम

ओमान के राजनयिकों के लिए प्रथम विशेष पाठ्यक्रम 06 से 17 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया। ओमान सल्तनत के पच्चीस राजनयिकों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। इस विशेष पाठ्यक्रम में भारत की विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, राजनीति, बहुपंथ संस्कृति, भारत-ओमान द्विपक्षीय और वाणिज्यिक संबंध, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा, अरब से परिचय और जीसीसी, प्रमुख महाशक्तियों के साथ भारत के संबंध, स्वास्थ्य कूटनीति, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल सशक्तिकरण, संवाद कौशल और राजनयिक संचार कौशल, योग और आयुर्वेद पर सत्र शामिल किए गए थे। उपरोक्त राजनयिकों के साथ सचिव (सीपीवी और ओआईए) का एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया था। अपने अध्ययन दौरों के भाग के रूप में, राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन, निर्वाचन आयोग और मीडिया घरानों का दौरा किया। पाठ्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय और हुमायूँ के मकबरे सहित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारकों के अध्ययन दौरे तथा आगरा और फतेहपुर सीकरी के दौरे भी शामिल किए गए थे।

(xi) 10-28 जनवरी 2022 के दौरान तीसरा वार्षिक निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा फैलोशिप कार्यक्रम

तीसरा वार्षिक निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा फैलोशिप कार्यक्रम 2022 की पहली छमाही में आयोजित किया जाना है। इस गौरवमयी व विषयगत कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करने के लिए निरस्त्रीकरण कार्यों से जुड़े दुनिया के अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं को आमंत्रित किया जाएगा।

(xii) मिस्र के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम

मिस्र के राजनयिकों के लिए द्वितीय विशेष पाठ्यक्रम 07-18 फरवरी 2022 के दौरान आयोजित किया जाना है जिसमें 34 राजनयिक भाग लेंगे।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

एसएसआईएफएस ने 2021-22 के दौरान अल सल्वाडोर के साथ 17 सितंबर 2021 को; सेनेगल के साथ 05 नवंबर 2021 को और ताजिकिस्तान के साथ 18 दिसंबर 2021 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जिसके फलस्वरूप समकक्ष संस्थानों/विदेश मंत्रालयों के साथ एमओयू की कुल संख्या 92 हो गई है।

एसएसआईएफएस परिसर

संस्थान में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के रखरखाव, नवीनीकरण, उन्नयन और आधुनिकीकरण की निरंतर प्रक्रिया के क्रम में, कई परियोजनाएं, जैसे कि छात्रावास के कमरों का उन्नयन, वर्षाजल संचयन को बहाल करना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष (जहां से ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं) को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

35

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने और संपूर्ण विश्व में भारत की सांस्कृतिक ऊर्जा (सॉफ्ट पॉवर) को बढ़ावा देने के अपने अभियान में लगातार प्रयासरत रहा है, जिसमें उसने कई गुणा प्रगति की है। लगभग समाप्त होती महामारी, जिसने दुनिया को एक ठहराव की स्थिति में ला दिया था, में भी आईसीसीआर ने अपने कार्यात्मक भाव को बनाए रखा तथा अपनी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन गतिविधियों के माध्यम से विदेशी छात्रों और दुनिया के साथ तालमेल स्थापित करने में सफलता प्राप्त की। आईसीसीआर ने सरकार के प्रमुख कार्यक्रम "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तहत भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को उत्साहपूर्वक मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद विदेशों में स्थित अपने 37 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों (आईसीसी) एवं 18 क्षेत्रीय केंद्रों के साथ मिलकर कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीसीआर 'पीपीपी' मॉडल (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) पर संस्थापित वेलाडोलिड, स्पेन में कासा डे ला इंडिया को भी सहायता प्रदान करती है। आईसीसीआर की पहले से चल रही एवं नियमित गतिविधियों के साथ-साथ कई नई पहलों एवं विशेष गतिविधियां भी चलती रहती हैं। इस अवधि में परिषद द्वारा किए गए कुछ उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार हैं:

छात्रवृत्तियां:

भारतीय कला, विरासत एवं संस्कृति के अध्ययन तथा मूल्यांकन के लिए विदेशी नागरिकों को छात्रवृत्ति प्रदान करना एक महत्वपूर्ण पहल है। यह दूसरे देशों में अपनी पहुंच (आउटरीच) बनाने, सद्भावना पैदा करने और दुनियाभर में भारत के शांति संदेश को बढ़ावा देने का एक तरीका है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में आईसीसीआर ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 23 विभिन्न योजनाओं के तहत प्रदर्शन कला, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी में 3825 छात्रवृत्तियां प्रदान कीं जिसमें मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य भारतीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पीएचडी पाठ्यक्रम स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। अक्टूबर 2021 तक, कुल 2,393 छात्रों ने इन पाठ्यकमों हेतु अपनी स्वीकृति दी है। इस अवधि के दौरान, आईसीसीआर और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों ने भारत में फंसे अफगान छात्रों के हितों एवं कल्याण के लिए विशेष प्रयास किए।

परिषद ने अपने संस्थापक अध्यक्ष मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती मनाने के लिए 08 दिसंबर, 2021 को आईसीसीआर, आज़ाद भवन में एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस का आयोजन किया जिसमें 23 देशों के छात्रों ने "आज़ादी का अमृत महोत्सव " के हिस्से के रूप में एक मनोरम सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

ज्ञानपीठें (चेयर्स):

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने राजनीति विज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और बौद्ध अध्ययन, हिंदी, संस्कृत, उर्दू एवं बंगाली जैसे विभिन्न विषयों पर विदेशों में भारतीय अध्ययन पीठ स्थापित करने में सहयोग किया है जिसमें सांस्कृतिक क्रियाकलापों को भी शामिल किया गया है। परिषद द्वारा दुनियाभर में लगभग 50 परिचालनात्मक पीठों को स्थापित किया है तथा बांग्लादेश, तुर्कमेनिस्तान, थाईलैंड, वेस्ट इंडीज, पोलैंड, कंबोडिया, जर्मनी, मॉरीशस, स्विट्जरलैंड और हांगकांग में इसी प्रकार के पीठों को स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। दिल्ली विश्वविद्यालय में बांग्लादेश के बंगबंधु पीठ की स्थापना की गई है जो अपनी तरह का पहली पीठ है और प्रतिवेदित अवधि के दौरान यह परिषद के उल्लेखनीय कार्यों में से एक रहा है।

परिषद ने विदेशी छात्रों को भारत, इसके इतिहास, की सांस्कृतिक एवं राजनीति के बारे में अवगत कराने के लिए वर्ष 2021-2022 के दौरान विदेशों में पीठों की स्थापना हेतु निम्नलिखित विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया के अधीन है। इस प्रकार यह विदेशों में भारतीय अध्ययन एवं भारतीय भाषाओं के संस्थानों को विकसित करने का एक प्रमुख केंद्र बन गया है :

क. कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल, कनाडा में गुरु नानक देव जी की पीठ की स्थापना (दिसंबर 2021 के उत्तरार्ध में)।

ख. कतर विश्वविद्यालय, दोहा, कतर में खाड़ी अध्ययन हेतु पीठ की स्थापना (दिसंबर 2021 के उत्तरार्ध में)।

ग. अज़रबैजान भाषा विश्वविद्यालय, अज़रबैजान में संस्कृत के अध्ययन हेतु पीठ की स्थापना (जनवरी 2022)।

घ. गवर्नर्स ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ अलबर्टा में भारतीय अध्ययन हेतु पीठ की स्थापना (जनवरी 2022)।

ड़. बाथ स्पा यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम में भारतीय अध्ययन हेतु पीठ की स्थापना (फरवरी 2022)।

ञ. बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम में भारतीय अध्ययन हेतु पीठ की स्थापना (फरवरी 2022)।

सम्मेलन एवं संगोष्ठियां :

भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं कूटनीतिक कौशल को बढ़ाने तथा विभिन्न सभ्यताओं के बीच संवाद को सुदृढ़ करने के लिए, परिषद द्वारा भारत के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक उत्थान के प्रतीकों से संबंधित विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। इस अवधि के दौरान आयोजित कुछ प्रमुख सम्मेलन और सेमिनार इस प्रकार थे :

· डेस्टिनेशन इंडिया-भारत को शिक्षा का पसंदीदा केंद्र बनाने पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन को 15 अप्रैल, 2021 को आईसीसीआर द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया।

· पंडित दीनदयाल उपाध्याय चतुर्थ स्मृति अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान विश्व संस्कृति दिवस पर 21 मई 2021 को "भारत की पाक प्रथाओं में अंतर्दृष्टि" विषय पर आयोजित किया गया ।

· आईसीसीआर द्वारा भारतीय एवं अफ्रीकी परंपराओं के बीच समानता खोजने के लिए "यूबीयूएनटीयू: अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन-सार्वभौमिक कल्याण के लिए योग" का आयोजन 21-22 जून, 2021 को किया गया। अन्य कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों सहित श्री किरेन रिजिजू, भारत के माननीय केंद्रीय आयुष, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

· 15 सितंबर, 2021 को आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल वेबिनार "स्वतंत्र भारत © 75: लोकतांत्रिक परंपरा" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ईएएम (विदेश मंत्री) ने उद्घाटन संदेश (वीडियो) दिया तथा विभिन्न देशों के प्रख्यात वक्ताओं ने वेबिनार में सहभागिता की।

· 16 अक्टूबर 2021 को "भारत की सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाना - शिल्प, पाककला एवं रचनात्मकता के माध्यम से सद्भावना" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि विदेश राज्य मंत्री थे।

· अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ एवं नव नालंदा महावीर के सहयोग से, 'वैश्विक बुद्ध सम्मेलन' हेतु मुख्य आयोजन के पूर्व 07 आयोजन-पूर्व सम्मेलनों का आयोजन किया गया जिसमें से तीन भारत में तेलंगाना (11 अक्टूबर 2021), नई दिल्ली (27-28 अक्टूबर 2021) और धर्मशाला (01 अक्टूबर 2021) में तथा 04 सम्मेलनों का आयोजन जापान (22 अक्टूबर 2021), दक्षिण कोरिया (12 अक्टूबर 2021), थाईलैंड (7 अक्टूबर 2021) और कंबोडिया (25 अक्टूबर 2021) में किया गया।

पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से मार्च, 2022 में आयोजित किए जाने वाले 'अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन' के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, नव नालंदा महाविहार एवं स्थानीय भागीदारों के सहयोग से वैश्विक बौद्ध सम्मेलन की एक कड़ी के रूप में गंगटोक (सिक्किम) में 01 नवंबर, 2021 को 'भारत में बौद्ध धर्म' विषय पर एक पूर्व-सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आईसीसीआर ने "भारत की सांस्कृतिक विरासत शक्ति का संकलन" पर एक प्रकाशन निकालने में आईजीएनसीए का सहयोग किया। आईसीसीआर ने हिमालयी प्रतिध्वनि 2021 - सी.ए.एल.एम. (रचनात्मकता, कला, साहित्य, पर्वत) के 6वें संस्करण, जो सभी हिमालय पर्वतीय देशों को एक साथ लाने वाले शीर्ष साहित्यिक आयोजनों में से एक है, का नवंबर, 2021 में डिजिटल रूप से आयोजन किया।

आईसीसीआर ने यूनाइटेड कन्सियसनेस द्वारा 11, 12, 18 और 19 दिसंबर 2021 को आयोजित "यूनाइटेड कन्सियसनेस कॉन्क्लेव 2021" में सहयोग किया जिसमें 107 से अधिक देशों ने भाग लिया।

रूट्स 2 रूट्स के सहयोग से "अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण प्रतियोगिता" का प्रारंभ 01 जनवरी 2022 को होगा। इस फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में दुनियाभर में

भारतीय डायस्पोरा एवं भारत के विदेशी एल्यूम्नी (पूर्व छात्रों) की लघु फिल्में शामिल होंगी।

भारत एवं मध्य एशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की योजना बनाई गई है। आईसीसीआर जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन : एजेंडा 2021 में भी सहयोग कर रहा है।

सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडलों का विदेश दौरा :

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, दुनियाभर के देशों में बेहतरीन कला का प्रदर्शन करने वाले कलाकारों/समूहों की कला को प्रदर्शित करती है ताकि लोगों को भारत की प्रदर्शन कला (पर्फार्मिंग आर्टस) के रूपों की विविधता एवं जीवंतता को देखने और समझने का अवसर मिले।

- श्री रजित कपूर, रेज प्रोडक्शन, महाराष्ट्र द्वारा “अनलॉक्ड 2” शीर्षक से तैयार एक नाटक (थिएटर) की रिकॉर्डिंग को मई, 2021 में ताज़ा, मोरक्को में युवाओं के अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव के दौरान प्रदर्शित किया गया।

- आईसीसीआर ने 30 जून, 2021 को लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल वीक में भी भाग लिया, जहाँ परिषद ने दो रिकॉर्डर नृत्य प्रस्तुतियों सहित इंडोलॉजी अवार्ड समारोह एवं सांस्कृतिक बोर्ड इंटरेक्शन को सम्मिलित करते हुए दो खंडों का समन्वय किया।

- आईसीसीआर ने 12-21 सितंबर, 2021 के दौरान एससीओ पर्व संगीत (गेला कंसर्ट) कार्यक्रम में सहभागिता हेतु बॉलीवुड अभिनेता एवं कथक नृत्यांगना, सुश्री प्राची शाह के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कथक बॉलीवुड नृत्य मंडली के कार्यक्रम को प्रायोजित किया। कथक नर्तकों ने प्राची शाह पांड्या के नेतृत्व में दुशांबे, ताजिकिस्तान में एससीओ के गेला कंसर्ट में अपनी प्रस्तुति दी। इस मेगा कार्यक्रम में भारत की ओर से विदेश मंत्री तथा ताजिकिस्तान गणराज्य के सांस्कृतिक मामलों के प्रथम उप मंत्री श्री नज़रियन ओबिद ओडिलज़ोडा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके बाद, इस दल ने 23 सितंबर से 03 अक्टूबर 2021 तक क्षेत्रीय पर्यटन फोरम में प्रदर्शन करने के लिए किर्गिस्तान की यात्रा की।

- आईसीसीआर ने इंडिया पवेलियन के उद्घाटन कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए 29 सितंबर से 02 अक्टूबर 2021 के दौरान पहली बार, दुबई एक्सपो 2020 में सुश्री जयाप्रदा मेनोंटो के 09 सदस्यीय मोहिनीअट्टम नृत्य समूह के साथ सहभाग किया। 12 से 16 अक्टूबर, 2021 तक कर्नाटक से सुश्री गौरी के नेतृत्व में 10 सदस्यीय लोक "कर्नाटक महिला यक्षगान" दल को दशहरा के अवसर पर एक्सपो में प्रदर्शन हेतु भेजा गया।

- मोरक्को में 09-16 अक्टूबर, 2021 के दौरान वर्चुअल रूप से आयोजित ‘सूफ़ी संस्कृति उत्सव’ में भाग लेने के लिए आईसीसीआर द्वारा कव्वाली समूह ‘द कश्मीर म्यूजिक क्लब कोऑपरेटिव लिमिटेड बाई श्री वहीद जिलानी’ की एक वीडियो रिकॉर्डिंग को साझा किया गया।

- श्री गजल्ला जयंत नायडू, तेलंगाना के नेतृत्व में 8 सदस्यीय क्लासिकल फ्यूजन ग्रुप को 09-17 अक्टूबर 2021 के दौरान ‘अंतर्राष्ट्रीय संगीत समारोह’ में भाग लेने के लिए बहरीन भेजा गया था।

- श्री नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक 12 सदस्यीय बॉलीवुड भांगड़ा दल "तक्का दिमी ता" को 23 अक्टूबर से 03 नवंबर 2021 के दौरान इंडिया@75 तथा "सर्वेंटिनो फेस्टिवल" के अवसर पर मैक्सिको भेजा गया था।

- आईसीसीआर ने उड़ीसा के श्री चंद्रमणि प्रधान के नेतृत्व में 12 सदस्यीय गोटीपुआ दल को तंजानिया में ‘बागामोयो इंटरनेशनल फेस्टिवल’ तथा 27 अक्टूबर, 2021 से 06 नवंबर 2021 के दौरान ‘नाइजीरिया में अंतर्राष्ट्रीय कला एवं शिल्प एक्सपो ‘ में सहभागिता के लिए भेजा।

- श्री नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक 12 सदस्यीय बॉलीवुड दल "तक्का दिमी ता" ने 23 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2021 के दौरान सेरवेंटिनो फेस्टिवल में भाग लेने तथा आसपास के शहरों जैसे ज़िलिटला, सैन लुइस पोटोसी, इरापुआटो , गुआनाजुआतो, लियोन, मेटेपेक, मैक्सिको सिटी एवं वेनस्टियानो कैरान्ज़ा में कई अन्य प्रस्तुतियों के लिए भेजा गया।

- ओडिशा के श्री चंद्रमणि प्रधान के नेतृत्व में एक 12 सदस्यीय गोटीपुआ दल "बाबा गोरखनाथ गोटीपुआ डांस एसोसिएशन" ने तंजानिया में "बागामोयो इंटरनेशनल फेस्टिवल" और 27 अक्टूबर से 06 नवंबर तक नाइजीरिया में ‘अंतर्राष्ट्रीय कला एवं शिल्प एक्सपो ’ में भाग लिया।

- सुश्री संगीता शर्मा के नेतृत्व में एक 12 सदस्यीय समकालीन दल "अन्वेषण" ने फिलिस्तीन में “इंडिया कल्चर वीक" में प्रस्तुति देने के लिए 23-29 नवंबर, 2021 तक भाग लिया जो फिलिस्तीन में भारत के राजनयिक मिशन की स्थापना / उद्घाटन के 24 साल पूरे होने के समकालिक था। इस दल ने 30 नवंबर - 08 दिसंबर, 2021 तक मिस्र के विभिन्न शहरों जैसे इस्मालिया, पोर्ट सईद, काहिरा एवं अलेक्जेंड्रिया में भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए मिस्र की यात्रा की।

- आईसीसीआर ने 09 दिसंबर 2021 को प्रतिष्ठित फ़िनलैंड टालो में हेलसिंकी में भारत दिवस समारोह के अवसर पर फ़िनिश कलाकारों के साथ एक फ़्यूज़न संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए हेलसिंकी, फ़िनलैंड में तीन प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा सहभागिता के कार्यक्रम को प्रायोजित किया। इन तीन भारतीय कलाकारों में ग्वालियर घराने के एक प्रसिद्ध हिंदुस्तानी गायक पंडित विद्याधर व्यास, उस्ताद कमल सरवर साबरी, सैनिया घराने के प्रसिद्ध सारंगी वादक और सैनिया घराने के प्रसिद्ध तबला वादक/ टेबल प्रतिपादक श्री गुलफाम सरवर साबरी शामिल थे।

- परिषद ने श्री वरुण राजपूत, दिल्ली के नेतृत्व में बॉलीवुड संगीत दल "अंतरिक्ष" द्वारा 21 नवंबर 2021 को इंडियन बिजनेस चैंबर, वियतनाम (आईएनसीएचएएम, हनोई) द्वारा आयोजित दिवाली पर्व संगीत कार्यक्रम के अवसर पर प्रस्तुत एक हाइब्रिड शो में सहयोग किया।

- आईसीसीआर ने 30 दिसंबर, 2021 को भारतीय दूतावास, बगदाद द्वारा आयोजित फूड फेस्टिवल में प्रस्तुत किए जाने वाले बॉलीवुड ग्रुप, ईओआई, बगदाद के यूट्यूब लिंक भेजे।

- अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2022 के दौरान आयोजित "अनलॉक द म्यूजिक" सीजन 2 का आयोजन किया जा रहा है। आईसीसीआर ने श्री शुभेंद्र राव एवं विदुषी सास्किया राव-डी हास के सहयोग से अक्टूबर, 2020 - मार्च 2021 के दौरान लाइव वर्चुअल म्यूजिक कॉन्सर्ट, "अनलॉक द म्यूजिक" की एक श्रृंखला का आयोजन किया। आईसीसीआर ने वित्त वर्ष 2020-21 में सीजन-1 का आर्थिक सहयोग किया था जो भारत रत्न पंडित रविशंकर जी को समर्पित था और जिसमें उस्ताद वसीफुद्दीन डागर, पंडित विश्व मोहन भट्ट, डॉ. सोनल मानसिंह, पंडित शुभेंद्र राव, सुश्री सास्किया राव-दे हास, पंडित मधुप मुद्गल और पंडित रोनू मजूमदार जैसे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा 6 प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए थे। सीज़न-2 में पंडित तेजेंद्र नारायण मजूमदार द्वारा सरोद वादन, 30 अक्टूबर, 2021 को पंडित शौनक अभिषेकी द्वारा एक गायन तथा तबले पर श्री दुर्जय भौमिक और 27 नवंबर 2021 को श्री विनय मिश्रा के साथ आयोजित किया गया। सीज़न-2 के अगले चार संगीत समारोहों में संगीतज्ञ सास्किया राव द्वारा सेलो संगीत कार्यक्रम, विदुषी कलापिनी कोमकली द्वारा गायन, उस्ताद बहाउद्दीन डागर द्वारा रुद्र वीणा गायन और पंडित तरुण भट्टाचार्य द्वारा संतूर वादन शामिल हैं, जिन्हें जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान आयोजित करने की योजना है।

वे कार्यक्रम जिनके मार्च 2022 तक पूरा होने की संभावना है :

- श्री सलमान खान के नेतृत्व में एक हिंदुस्तानी पॉप/बॉलीवुड संगीत दल "अस्तित्व" ने जेद्दा उत्सव में भाग लेने के लिए जेद्दाह, सऊदी अरब की यात्रा की। अबिदजान, आइवरी कोस्ट में एकेएएम समारोह के एक भाग के रूप में सहभागिता हेतु जनवरी 2022 में एक सांस्कृतिक दल को प्रायोजित किया जाएगा।

- सुश्री मधु नटराज प्रख्यात कथक नृत्यांगना के 10 सदस्यीय समकालीन कथक दल को जनवरी, 2022 के अंतिम सप्ताह में एकेएएम समारोह के भाग के रूप में "विशेष सप्ताह" में सहभाग हेतु ओमान भेजा गया है।

- शिलांग चैंबर गायक मंडल 27 जनवरी - 04 फरवरी 2022 के दौरान एकेएएम के 'विशेष सप्ताह' में भाग लेने के लिए नेपाल का दौरा करेगा।

- श्री कल्पेश बाबूभाई दलाल के नेतृत्व में 13 सदस्यीय गुजराती लोक समूह "अविष्कार" ने WOMAD महोत्सव में भाग लेने और 21-27 फरवरी, 2022 तक एकेएएम समारोह के हिस्से के रूप में प्रस्तुति हेतु चिली जाने की योजना की है।

- 02 वाद्य कलाकारों (सरोद और बांसुरी) को फरवरी, 2022 में एकेएएम समारोह में भाग लेने के लिए स्लोवेनिया भेजा जाएगा।

- श्री टेरेंस लुईस के नेतृत्व में एक 20 सदस्यीय समकालीन नृत्य दल, "पैराडॉक्स" ने 25 फरवरी-04 मार्च 2022 तक रिजेका कार्निवल उत्सव में भाग लेने के लिए क्रोएशिया का दौरा करेगा।

देश में आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल:

- संस्कृति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय समझ बनाने के लिए, विदेशी सांस्कृतिक मंडलों द्वारा भारत में प्रस्तुतियां दी जाती हैं जिससे कि भारत के लोग दुनियाभर की संस्कृतियों की झलक को देख सकें और उनकी सराहना कर सकें, इस प्रकार बाहर से आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल भी परिषद के कार्य का एक अभिन्न अंग रहा है जो देश में विदेशी संस्कृति के प्रस्तुतिकरण से संबंधित है।

- बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के शताब्दी वर्ष तथा भारत एवं बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष के अवसर पर आईसीसीआर तथा बांग्लादेश उच्चायोग ने 03 अप्रैल, 2021 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में एक "नृत्य प्रदर्शन" का आयोजन किया।

- 09 अप्रैल 2021 को आईसीसीआर के स्थापना दिवस के अवसर पर "माई इंप्रेशन ऑफ इंडिया " या "मेरे लिए भारत का क्या अर्थ है" विषय पर 9 अप्रैल 2021 को एक अंतर्राष्ट्रीय वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

- भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आईसीसीआर ने 13 अगस्त, 2021 को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में भारत की विविधता, भाषा, विरासत, संस्कृति एवं क्षमता को प्रदर्शित करते हुए आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक गेला सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे और विदेश राज्य मंत्री एवं संस्कृति राज्य मंत्री तथा शिक्षा एवं विदेश राज्य मंत्री ने भी इस कार्यक्रम में सहभागिता की।

- आईसीसीआर एवं ग्वाटेमाला गणराज्य, अल सल्वाडोर तथा कोस्टा रिका ने मध्य अमेरिकी देशों के द्विशताब्दी वर्षगांठ समारोह के अवसर पर 15 सितंबर, 2021 को सुषमा स्वराज भवन (पीबीके), दिल्ली में कोस्टा रिका के कलाकार - मिस्टर मैनुअल ओब्रेगॉन तथा भारतीय गायक एवं संगीतकार-सोनम कालरा एवं ग्रुप द्वारा प्रदर्शित एक संयुक्त संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया, भारत के विदेश मंत्री इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

- आईसीसीआर तथा कोरियाई संस्कृति केंद्र भारत, कोरिया गणराज्य के दूतावास ने कमानी सभागार, नई दिल्ली में 13 अक्टूबर 2021 को संयुक्त रूप से एक संगीतमय प्रस्तुति "द लीजेंड ऑफ प्रिंसेस श्रीरत्न" का आयोजन किया।

- आईसीसीआर ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा रायपुर में 28-30 अक्टूबर, 2021 के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव को समर्थन दिया। इस उत्सव में भाग लेने के लिए 7 देशों, जैसे कि इस्वातिनी (स्वाज़ीलैंड), नाइजीरिया, माली, फिलिस्तीन, श्रीलंका, उज्बेकिस्तान एवं युगांडा के प्रख्यात दलों ने भारत का दौरा किया।

- आईसीसीआर द्वारा आयोजित जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के युवा सांसदों के सम्मान में 25 नवंबर, 2021 को "ओपन एयर रानी बाग" होटल ताज पैलेस में आईसीसीआर

के अध्यक्ष एवं महानिदेशक द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के दौरान सुश्री मोनिशा नायक, प्रतिष्ठित कथक नृत्यांगना एवं उनके दल द्वारा कथक पर एक व्याख्यान प्रदर्शन एवं प्रस्तुति दी गई।

- भारत की संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के शताब्दी समारोह के अवसर पर 04 दिसंबर 2021 को कन्वेंशन हॉल, द अशोक, होटल नई दिल्ली में शास्त्रीय नृत्य (कथक, भरतनाट्यम एवं ओडिसी) पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- कमानी सभागार, नई दिल्ली में 6 दिसंबर 2021 को "मैत्री दिवस" (भारत द्वारा बांग्लादेश को वर्ष 1971 में मान्यता दिए जाने का दिन) पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री के. एम. खालिद, माननीय सांसद, बांग्लादेश सरकार के सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री एवं भारत सरकार के विदेश मामले तथा शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

- मध्य एशिया से आए प्रतिनिधिमंडल के लिए विदेश मंत्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 18 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुरस्कार :

आईसीसीआर ने कई पुरस्कारों अधिष्ठापित किए हैं जिन्हें विदेशी नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों, यानी विश्व संस्कृत पुरस्कार, विशिष्ट भारतविद/इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार, विशिष्ट एल्युमिनी पुरस्कार एवं गिसेला बॉन पुरस्कार में उनके योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। 30 जून 2021 को लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल वीक के दौरान प्रो. वर्नर मेन्स्की को वर्ष 2018 के लिए विशिष्ट इंडोलॉजिस्ट यानी भारतविद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परिषद द्वारा 14 सितंबर, 2021 को अध्यक्ष, आईसीसीआर की अध्यक्षता में आज़ाद भवन में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए आईसीसीआर के एक नए पुरस्कार की घोषणा की गई थी।

सुश्री मार्टीन मेटायर, भरतनाट्यम नृत्यांगना तथा फ्रांस की शिक्षका एवं कोरियोग्राफर को एल्यूमिनी (पूर्व छात्र) पुरस्कार, 2020 के लिए चुना गया है। पुरस्कार समारोह, 26 जनवरी, 2022 को पेरिस में सम्पन्न होगा।

डॉ. रियाद मुस्तफा अबू शेहादेह, फिलिस्तीन के पूर्व उप राज्यपाल को एल्यूमिनी अवार्ड, 2020 के लिए चुना गया है। पुरस्कार वितरण समारोह मार्च, 2022 में फिलिस्तीन में सम्पन्न होगा।

आगंतुक कार्यक्रम:

नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण एवं अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री महामहिम मिस्टर एरिक सोलहेम ने आईसीसीआर के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम (डीवीपी) के तहत 19-28 अप्रैल, 2021 के दौरान भारत का दौरा किया।

परिषद ने विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम (डीवीपी) के तहत 7-15 नवंबर 2021 तक एंटानानारिवो, मेडागास्कर की शहरी नगर पालिका के मेयर महामहिम मिस्टर नैना एंड्रियंटिटोहैना के भारत दौरे की मेज़बानी की।

परिषद ने "जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क" प्रोग्राम (डीवीपी) के तहत 25 नवंबर से 2 दिसंबर 2021 के दौरान 08 देशों अर्थात भूटान, स्वीडन, जमैका, तंजानिया, श्रीलंका, पोलैंड, उजबेकिस्तान और मलेशिया के 19-प्रतिनिधियों के भारत दौरे की मेज़बानी की। ।

परिषद द्वारा फरवरी एवं मार्च, 2022 में "जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम" के तहत 7-8 देशों के 25 सदस्यों वाले दो समूहों को आमंत्रित किया जाएगा।

परिषद आगामी समय में निम्नलिखित यात्राओं की मेजबानी करेगी:

i. शैक्षणिक आगंतुक कार्यक्रम के तहत मिस्टर अगस्टिन पनिकर, स्पेन की 24 जनवरी से 3 फरवरी 2022 तक भारत यात्रा।

ii. विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत मिस्टर क्रिस्टोबल गैबरोन, स्पेन की 15-24 फरवरी 2022 के दौरान भारत यात्रा।

iii. मिस्टर क्रिश्चियन एस्कोबर, ग्वाटेमाला की 01 से 10 मार्च, 2022 तक भारत यात्रा, और

iv. प्रो. एघोसा ई. ओसाघे, नाइजीरिया की 07 से 17 मार्च, 2022 तक भारत यात्रा।

प्रदर्शनियां:

ललित कला अकादमी में विदेशी एवं भारतीय कलाकारों द्वारा अगस्त 2021 में "कलारंभ" नामक एक प्रदर्शनी लगाई गई। आईसीसीआर द्वारा अक्टूबर, 2021 में आईसीसीआर आर्ट गैलरी में कोस्टा रिका के श्री राउडिन अल्फारो की कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

आईसीसीआर द्वारा 'माई आइडिया ऑफ इंडिया' विषय पर एक ऑनलाइन 'पेंटिंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता 2020-21' का आयोजन किया गया। भारत सहित लगभग 40 देशों से इस प्रतियोगिता हेतु लगभग 600 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। 22-27 फरवरी, 2022 के दौरान विदेश मंत्रालय के एकेएएम सप्ताह समारोह में प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार की घोषणा की जाएगी।

मार्च 2022 तक जिन प्रदर्शनियों के सम्पन्न होने की संभावना है :

- स्पेन के मिस्टर क्रिस गैबरोन की कलाकृतियों की प्रदर्शनी 15-24 फरवरी, 2022 के दौरान बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। कलाकारों को कोलकाता, अहमदाबाद और मुंबई भी ले जाया जाएगा।

- अमर नाथ सहगल, कलाकार, के 100वें जन्मदिन पर राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा (एनजीएमए) में फरवरी, 2022 में उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

- विदेश मंत्रालय द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव (एकेएएम) सप्ताह के दौरान 23-25 फरवरी, 2022 के दौरान बीकानेर हाउस में शिल्प, कला, परिधान, सुगंधित सामग्रियों के प्रदर्शन पर एक कला मेला आयोजित किया जाएगा। "पृथ्वी ग्रह की छटा को बनाए रखना " शीर्षक

के साथ शिल्प एवं जलवायु परिवर्तन पर तीन दिनों तक आयोजित कार्यक्रम भारत की शिल्प प्रथाओं को उजागर करेगा जो भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं स्थानीय आजीविका को बरकरार रखते हुए ग्रह की पारिस्थितिकी को संतुलित करने में सहायक होगा। इस प्रदर्शनी में भारत के विभिन्न हिस्सों के 22 शिल्पकारों के शिल्प, परिधान, पारंपरिक कला एवं लोक कला, सुगंधित एवं पुन: तैयार उत्पादों पर 5 संघटकों को शामिल किया जाएगा।

- बांग्लादेश की स्वतंत्रता के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में बांग्लादेश की एक प्रख्यात कलाकार सुश्री रोकैया सुल्ताना की अतीतकालीन यात्रा कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 12-27 फरवरी, 2022 के दौरान ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में तथा 11-27 मार्च, 2022 के दौरान आरटीसी, कोलकाता में आयोजित की जाएगी।

प्रतिमाएं एवं मूर्तियाँ (बस्ट एंड स्टैच्यू):

अप्रैल से अक्टूबर, 2021 के दौरान, आईसीसीआर ने दक्षिण कोरिया, कुवैत, स्वाज़ीलैंड, भूटान, ऑस्ट्रेलिया, सर्बिया, स्पेन, जर्मनी, सेशेल्स, मिस्र, उज़्बेकिस्तान, कोस्टा रिका, इराक एवं सऊदी अरब में स्मारक संस्थापना के लिए भारतीय प्रतीकों एवं राष्ट्रीय नेताओं की 42 प्रतिमाएँ एवं मूर्तियां भेजीं।

नवंबर 2021 में, आईसीसीआर ने महात्मा गांधी स्ट्रीट, ताशकंद तथा समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर वर्ल्ड स्टडीज, ईओआई, ताशकंद, उजबेकिस्तान में स्थापित करने के लिए स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी प्रत्येक की दो प्रतिमाएं भेजीं तथा महात्मा गांधी की एक और प्रतिमा को कोस्टा रिका विश्वविद्यालय को भेजा गया।

जनवरी-मार्च 2022 के दौरान निम्नलिखित प्रतिमाओं एवं मूर्तियों को स्थापित करने के लिए भेजने का प्रस्ताव है:

(1) महात्मा गांधी की 3 प्रतिमाएं जिन्हें (i) बयात अल-किकमा, (ii) बयात अल-हिकमा तथा (iii) इराक में सुलेमानिया शहर में स्थापित किया जाना है।

(2) महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को सीजीआई, जेद्दा में स्थापित किया जाना है।

(3) बुद्ध की 5 प्रतिमाओं को (i) कोयासन विश्वविद्यालय, (ii) ओसाका विश्वविद्यालय, (iii) क्योटो विश्वविद्यालय, (iv) ओटानी विश्वविद्यालय तथा (v) जापान में रित्सुमिकन विश्वविद्यालय में स्थापित किया जाना है।

(4) महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को सर्वरनी पार्क, ईओआई, स्लोवेनिया में स्थापित किया जाना है।

(5) महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को तंजानिया में विक्टोरिया गार्डन, सीजीआई, ज़ांज़ीबार में स्थापित किया जाना है।

(6) मेक्सिको में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ द स्टेट ऑफ हिडाल्गो के पचुका स्थित मुख्य परिसर में स्वामी विवेकानंद की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

(7) महात्मा गांधी शांति पार्क, ब्रासीलिया में महात्मा गांधी की दो प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी।

(8) स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, दुशांबे में स्वामी विवेकानंद की एक प्रतिमा स्थापित की जानी है।

(9) ईओआई, नूर-सुल्तान, कजाकिस्तान में महात्मा गांधी जी की एक प्रतिमा स्थापित की जानी है।

(10) बेक निन्ह इंटरनेशनल फ्रेंडशिप पार्क, हनोई में रवींद्र नाथ टैगोर की एक प्रतिमा स्थापित की जानी है।

(11) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की एक प्रतिमा को सीजीआई मांडले, म्यांमार में स्थापित की जानी है।

(12) ह्यूस्टन के इटरनल गांधी म्यूजियम में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को स्थापित की जानी है।

(13) ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा स्थापित की जानी है।

(14) सांताक्रूज, ला पाज़, बोलीविया में महात्मा गांधी जी की एक प्रतिमा को स्थापित किया जाना है।

प्रकाशन:

परिषद के हिंदी अनुभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में एक द्विमासिक पत्रिका "गगनांचल" का प्रकाशन किया जाता है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान इस पत्रिका के दो अंक क्रमश: अगस्त एवं अक्टूबर, 2021 में जारी किए गए। परिषद द्वारा प्रकाशित “गगनांचल" पत्रिका को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2020-21 प्रदान किया गया जो परिषद के लिए बड़े गर्व की बात थी।

इंडिया-किरगिज़ डिक्शनरी ऑफ़ वर्ड्स ऑफ़ कॉमन ओरिजिन, जो कि मिशन एवं किरगिज नेशनल कमीशन ऑन स्टेट लैंग्वेज का एक संयुक्त प्रकाशन है, को आईसीसीआर द्वारा वित्तपोषित किया गया। भारत एवं किर्गिस्तान के विदेश मंत्रियों ने 11 अक्टूबर, 2021 को हिंदी और किर्गिज़ भाषाओं में उपर्युक्त सामान्य शब्दों वाला शब्दकोश को विमोचन किया।

परिषद भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर एक पुस्तक को पूरा करने की प्रक्रिया में है जिसे संभवत: मार्च, 2022 में प्रकाशित/जारी किया जाएगा।

36

त्वरित सहायता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में एक नया प्रभाग नामत: त्वरित सहायता प्रकोष्ठ (आर आर सी) जुलाई 2021 में सृजित किया गया, जो कोविड संबंधी मामलों, टीकों और इनसे संबंधित मुद्दों तथा अन्य मंत्रालयों के साथ संपर्क करने के दायित्वों का निर्वहन करता है। इस प्रकोष्ठ में कोविड सेल एवं एचएडीआर सेल का विलय किया गया है।

मुख्य उपलब्धियां:

वैक्सीन मैत्री: वैक्सीन मैत्री भारत सरकार की एक पहल है जिसके अंतर्गत घरेलू उत्पादन क्षमता एवं राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, दुनियाभर के देशों में भारत में निर्मित कोविड टीकों की आपूर्ति की जाती है। यह पहल हमारे प्रधानमंत्री द्वारा सितंबर, 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान की गई प्रतिबद्धता के क्रम में है, जब उन्होंने कहा था कि "दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन उत्पादक देश के रूप में, आज मैं वैश्विक समुदाय को एक और आश्वासन देना चाहता हूं। भारत के वैक्सीन उत्पादन और वितरण क्षमता का इस्तेमाल इस संकट से लड़ने में पूरी मानवता की मदद के लिए किया जाएगा।" भारत में 16 जनवरी 2021 को कोविड वैक्सीन की शुरुआत के बाद, भारत ने वैक्सीन मैत्री के तहत 20 जनवरी, 2021 से पड़ोसी एवं सहयोगी देशों को वैक्सीन की आपूर्ति प्रारंभ की। हमारी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के अनुरूप टीके की आपूर्ति सबसे पहले पड़ोसी देशों को भारत की तरफ से उपहार-स्वरूप प्रदान की गई थी। इसके बाद उपहार एवं व्यावसायिक करारों के तहत अन्य देशों को इसकी आपूर्ति की गई। भारत ने 20 दिसंबर, 2021 तक 95 देशों तथा दो संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं (शांतिरक्षकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं) को मेड इन इंडिया कोविड टीकों की कुल 101 मिलियन खुराक की आपूर्ति की है। इसमें 47 देशों तथा संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों को अनुदान के रूप में 12.7 मिलियन से अधिक खुराकें और कोवैक्स सुविधा के तहत 47 देशों को लगभग 33 मिलियन खुराकें शामिल हैं। भारत, क्वाड का एक सक्रिय सदस्य भी है, जो भारतीय प्रशांत क्षेत्र में कोविड टीकाकरण दिशाओं में कार्य कर रहा है।

भारत में निर्मित वैक्सीन बहरीन को सौंपते हुए

कोविड संबंधी चिकित्सा सहायता: भारत ने 150 से अधिक देशों को कोविड से संबंधित आवश्यक दवाएं, परीक्षण किट, सुरक्षा उपकरण आदि की आपूर्ति की। इस आपूर्ति का आधे से अधिक भाग गैर-व्यावसायिक आधार पर दिया गया था। हाल के महीनों में, भारत ने पड़ोसी देशों, भारतीय-प्रशांत क्षेत्र और उससे बाहर के देशों में सीरिंज, एलएमओ (लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन), रेमेडिसविर और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की आपूर्ति की है।

फ्रांस द्वारा भारत को ऑक्सीजन की आपूर्ति

कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र की पारस्परिक मान्यता: कोविड ने देशों को अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं आसान यात्रा सुनिश्चित करने के उपायों को तलाशने के लिए मजबूर किया है। इस संबंध में कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र की पारस्परिक मान्यता लोगों की यात्रा को सुरक्षित एवं आसान बनाने में सहायक होगी। प्रत्येक देश के साथ टीकाकरण प्रमाण पत्र की पारस्परिक मान्यता को आगे बढ़ाने के लिए भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के फलस्वरूप, 3 दिसंबर, 2021 तक 25 देशों के साथ आपसी मान्यता पर आधारित समझौते किए गए हैं। विश्व के लगभग 92 देशों ने सार्वभौमिक रूप से लागू स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के तहत यात्रा उद्देश्यों के लिए भारत के टीकाकरण प्रमाण पत्र को मान्यता प्रदान की है।

महत्वपूर्ण घटकों की खरीद: भारत में वर्ष 2021 में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान, मंत्रालय ने अन्य मंत्रालयों, सशस्त्र बलों, राज्य सरकारों तथा पीएसयू के साथ समन्वय कर 50 से अधिक देशों से संपर्क करके महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों एवं दवाओं की आपूर्ति को सुदृढ़ करने तथा उन्हें लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फ्रांस द्वारा भारत को ऑक्सीजन की आपूर्ति

कोविड संबंधी अनुभवों को साझा करना: कोविड महामारी के प्रबंधन के संबंध में भारत के अनुभवों को साझा करने के लिए कोविड जांच, नैदानिक प्रक्रियाएं, केस प्रबंधन, वैक्सीन विकास एवं वितरण के लिए कई ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। एशियाई, दक्षिण पूर्व एशियाई एवं अफ्रीकी देशों के 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तरों पर टीकाकरण प्रबंधकों, कोल्ड चेन अधिकारियों, संचार अधिकारियों एवं सहभागी देशों के डेटा प्रबंधकों के लिए प्रशासनिक तथा परिचालन पहलुओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 19-20 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पड़ोसी देशों के 150 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने 18 फरवरी 2021 को 10 पड़ोसी देशों के साथ 'कोविड प्रबंधन: अनुभव, अच्छी प्रथाएं तथा भावी राह' विषय पर एक कार्यशाला को संबोधित किया, जिसमें सार्क देशों, मॉरीशस एवं सेशेल्स के स्वास्थ्य सचिवों तथा तकनीकी विशेषज्ञों ने कोविड महामारी से निपटने में अपने अनुभवों को बताया।

वंदे भारत मिशन: मंत्रालय ने "वंदे भारत मिशन" के क्रियान्वयन हेतु नागरिक उड्डयन मंत्रालय एवं भारत व विदेशों के अन्य हितधारकों के बीच मॉडरेटर की सक्रिय भूमिका निभाई तथा महामारी के चलते विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को निर्धारित अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं के निलंबन के कारण स्वदेश वापस लाया गया। यह मिशन अब तक संचालित सबसे बड़े लॉजिस्टिक मिशनों में से एक था। इसने मई, 2020 से कोविड लॉकडाउन तथा लॉकडाउन के बाद की अवधि में 7 मिलियन से अधिक लोगों को आवाजाही की सुविधा प्रदान की।

आईएनएस ऐरावत द्वारा मानवीय सहायता और आपदा राहत के भाग के रूप में 50 मीट्रिक टन खाद्य पदार्थ जिबूती को भेंट स्वरूप प्रेषित किए गए

एचएडीआर प्रयास: भारतीय एचएडीआर मिशन एक प्रकार के जटिल अंतर-एजेंसी परिचालन हैं जिनके लिए विस्तृत नियोजन एवं कुशल क्रियान्वयन की आवश्यकता होती है। वैश्विक भूख से लड़ने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को देखते हुए त्वरित सहायता प्रकोष्ठ ने दिसंबर माह में मोजाम्बिक को 500 मीट्रिक टन चावल की खरीद एवं आपूर्ति में सुविधा प्रदान की। भारत सरकार द्वारा प्रतिबद्ध कुल 2,000 मीट्रिक टन चावल में से 500 मीट्रिक टन की एक और खाद्य सहायता की खेप तिमोर-लेस्ते को भेजी गई। मंत्रालय ने लगभग 6 करोड़ भारतीय रुपये मूल्य के 6 टन सब्जियों के बीज स्थानीय उत्पादन में सहायता देने हेतु फिजी को भेजे हैं।

बहरीन को 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन सौंपते हुए

आईएनएस ऐरावत द्वारा पहुंचाई गई मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के एक भाग के रूप में, जिबूती को 50 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री का उपहार

मंत्रालय का त्वरित सहायता प्रकोष्ठ अफगानिस्तान के लोगों को भारत से निरंतर सहायता के रूप में 50,000 मीट्रिक टन गेहूं प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है। फिजी, मोजाम्बिक तथा आर्मेनिया को 2.25 करोड़ भारतीय रुपये की कोविड एवं अन्य क्रॉनिक बीमारियों से संबंधित दवाओं एवं अन्य अनिवार्य वस्तुओं की आपूर्ति पर भी विचार किया जा रहा है।

परिशिष्ट

अनुबंध-I: 2020-2021 में प्रदत्त पूर्ण अधिकारों की सूची

अनुबंध II: 2020-2021 में भारत द्वारा अनुसमर्थन संधियों की सूची

अनुबंध-III: 2020-2021 के दौरान संपन्न हुई संधियों, करारों, समझौता ज्ञापनों इत्यादि की सूची

अनुबंध-IV: 2020-2021 के दौरान द्विपक्षीय यात्राएं

अनुबंध-V: अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 तक वर्चुअल शिखर सम्मेलन

अनुबंध-VI: 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 के दौरान विदेशी मिशन प्रमुखों द्वारा प्रत्ययी पत्र की प्रस्तुति

अनुबंध-VII: 2020-2021 के दौरान मुख्यालय और विदेश स्थित मिशनों में कार्मिकों की संवर्ग संख्या

अनुबंध-VIII: विभिन्न भाषाओं में दक्ष आईएफएस अधिकारियों की संख्या

अनुबंध-IX: क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों (आरपीओ) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार सूची।

अनुबंध-X: पासपोर्ट सेवा केन्द्र (पीएसके) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार सूची।

अनुबंध-XI: डाकघर पासपोर्ट सेवा केन्द्र (पीओपीएसके) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार सूची।

अनुबंध I

2021 में संपन्न हुई संधियों, करारों, समझौता ज्ञापनों की सूची।

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
1.	ललान्दर (शतूत) बांध के निर्माण के लिए अफगानिस्तान गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापन	अफ़ग़ानिस्तान	02/09/2021	विदेश मंत्रालय
2.	भारत गणराज्य और बेल्जियम साम्राज्य के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर संधि	बेल्जियम	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
3.	पर्यावरण के क्षेत्र में भारत और भूटान के बीच सहयोग पर समझौता ज्ञापन	भूटान	30/12/2021	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
4.	शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और उपयोग में सहयोग पर भारत गणराज्य की सरकार और कोलंबिया गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापन।	कोलंबिया	09/06/2021	अंतरिक्ष विभाग
5.	राजनयिक और सरकारी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा आवश्यकताओं की छूट पर भारत गणराज्य की सरकार और डोमिनिका के राष्ट्रमंडल की सरकार के बीच समझौता	डोमिनिकन गणराज्य	05/07/2021	विदेश मंत्रालय
6.	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और कृषि मंत्रालय, फिजी सरकार के बीच कृषि सहयोग पर समझौता ज्ञापन	फ़िजी	30/12/2021	कृषि एवं क़िसान कल्याण मंत्रालय
7.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग और सीएनआरएस, फ्रांस के बीच समझौता ज्ञापन	फ्रांस	30/12/2021	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
8.	एचएसएफसी और सीएनईएस के बीच कार्यान्वयन समझौता	फ्रांस	30/12/2021	अंतरिक्ष विभाग

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
9.	भारत के लोगों दवारा जॉर्जिया के लोगों को सेंट क्वीन केतेवान की एक निशानी उपहार स्वरूप दिए जाने के लिए भारत गणराज्य की सरकार और जॉर्जिया गणराज्य की सरकार के बीच करार	जॉर्जिया	07/08/2021	
10.	"विशिष्ट कुशल कामगार" से संबंधित प्रणाली के उचित संचालन हेतु साझेदारी के लिए एक बुनियादी ढांचे पर भारत गणराज्य की सरकार और जापान सरकार के बीच सहयोग ज्ञापन	जापान	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
11.	संचार मंत्रालय, भारत और संचार मंत्रालय, जापान के बीच सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में □□□□□ □□□□□□	जापान	30/12/2021	संचार मंत्रालय
12.	उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) पर भारत और किर्गिज़ गणराज्य के बीच समझौता ज्ञापन	किर्गिज गणरा-ज्य	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
13.	फोनथोंग जिला, लुआंग प्रबंग प्रांत में कीवजांग प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण पर त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में भारतीय दूतावास और लाओ पीडीआर के शिक्षा एवं खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन।	लाओ पीडीआर	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
14.	लाओ–भारत उद्यमशीलता विकास केन्द्र (एलआईईडीसी) में 5 कमरों की सराय के निर्माण पर त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के क्रियान्व-यन हेतु भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में भारतीय दूतावास और लाओ पीडीआर के शिक्षा एवं खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन।	लाओ पीडीआर	30/12/2021	विदेश मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
15.	खॉम्फेत जिला, लुआंग प्रबंग प्रांत में नखेंग प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण पर त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में भारतीय दूतावास और लाओ पीडीआर के शिक्षा एवं खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन।	लाओ पीडीआर	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
16.	अरहर (अरहर दाल या पिजन पीज) के व्यापार के क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य की सरकार और मलावी गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापन	मलावी	30/12/2021	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
17.	विदेश मंत्रालय, मालदीव सरकार और भारतीय उच्चायोग, माले तथा अड्डू नगर परिषद के बीच अड्डू पर्यटन क्षेत्र के विकास पर के बीच समझौता ज्ञापन (धिगीहेरा–फेय-धू)	मालदीव	02/02/2021	विदेश मंत्रालय
18.	सतत शहरी विकास के क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य की सरकार और मालदीव गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापन	मालदीव	30/12/2021	आवास और शहरी विकास मंत्रालय
19.	भारतीय उच्चायोग, माले और विदेश मंत्रालय, मालदीव सरकार और एन. केंदीकुलहुधू द्वीप परिषद के बीच गेयधाशु एमएएस संयंत्र के लिए एन. केंदीकुलहुधू में समझौता ज्ञापन (पड़ोसी मछली प्रसंस्करण संयंत्र)	मालदीव	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
20.	भारत गणराज्य की सरकार और मालदीव गणराज्य की सरकार के बीच उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में समझौता ज्ञापन	मालदीव	30/12/2021	विदेश मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
21.	मालदीव गणराज्य के परिवहन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय और भारत गणराज्य के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के बीच समुद्री सुरक्षा, अभिरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने पर करार	मालदीव	30/12/2021	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
22.	भारत और मॉरीशस के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी करार (सीईसीपीए)	मॉरीशस	30/12/2021	वाणिज्य मंत्रालय
23.	भारत और मॉरीशस के बीच उपभोक्ता संरक्षण और कानूनी परिवेश के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन	मॉरीशस	30/12/2021	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
24.	भारत सरकार और मॉरीशस सरकार के बीच मॉरीशस में गुर्दा प्रतिरोपण इकाई के निर्माण के समर्थन में विनिमय पत्र	मॉरीशस	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
25.	भारत सरकार की 353 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता के साथ परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर समझौता ज्ञापन में विनिमय संशोधन पत्र	मॉरीशस	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
26.	नौपरिवहन पर समुद्री सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन पर सम्मेलन	बहुपक्षीय	09/01/2021	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
27.	भारत और म्यांमार के बीच अरहर और उड़द के व्यापार के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन	म्यांमार	30/12/2021	भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
28.	नामीबिया गणराज्य की सरकार के साथ "द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक संयुक्त आयोग की स्थापना" पर समझौता ज्ञापन	नामीबिया	30/12/2021	विदेश मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
29.	भारत सरकार और नेपाल सरकार के बीच प्रस्तावित रक्सौल और काठमांडू ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के 'फाइनल लोकेशन सर्वे' के संबंध में समझौता ज्ञापन।	नेपाल	10/07/2021	रेल मंत्रालय
30.	भारत–नेपाल रेल सेवा करार (आरएसए) 2004 पर एलओई (आरएसए) 2004	नेपाल	30/12/2021	रेल मंत्रालय
31.	पुर्तगाली गणराज्य और भारत गणराज्य के बीच पुर्तगाली गणराज्य में काम करने के लिए भारत के नागरिकों की भर्ती पर करार।	पुर्तगाल	30/12/2021	श्रम और रोजगार मंत्रालय
32.	स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और उत्तर मैसेडोनिया गणराज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन	उत्तर मैसेडोनिया गणराज्य	30/12/2021	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
33.	रूसी परिसंघ के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा मंत्रालय और भारत गणराज्य की सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग के लिए रोडमैप।	रूस	12/06/2021	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
34.	भारत गणराज्य की सरकार के वाणिज्य एवं उद्योगग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन तथा आंतरिक व्यापार विभाग और द फेडरल सर्विस फॉर मल्टीलेट्रल प्रॉपर्टी, रूसी परिसंघ के बीच बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन	रूस	12/06/2021	वाणिज्य मंत्रालय
35.	भारत गणराज्य की सरकार और रूसी परिसंघ की सरकार के बीच मर्चेंट शिपिंग एग्रीमेंट में संशोधन की शुरूआत पर प्रोटोकॉल	रूस	12/06/2021	नौपरिवहन मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
36.	भारत गणराज्य की सरकार के संस्कृति मंत्रालय और रूसी संघ के संस्कृति मंत्रालय के बीच वर्ष 2021–2024 के लिए सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम।	रूस	12/06/2021	संस्कृति मंत्रालय
37.	रूसी संघ के संस्कृति मंत्रालय के कला और लोक रचनात्मकता संबंधी राज्य सहायता विभाग (डि-पार्टमेण्ट ऑफ स्टेट सपोर्ट ऑफ द आर्ट एण्ड फोक क्रिएटिविटी) और भारत गणराज्य के विदेश मं-त्रालय के भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के बीच 2022–23 के लिए रूसी संघ तथा भारत गणराज्य के बीच संस्कृति समारोह के आयोजन संबंधी प्रोटोकॉल।	रूस	12/06/2021	विदेश मंत्रालय
38.	भारत गणराज्य की सरकार और रूसी परिसंघ की सरकार के बीच प्रौद्योगिकी सुरक्षा पर करार जोकि शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष के प्रयोग और अनु-संधान तथा अंतरिक्ष अवसंरचना पर भूमि आधारित और प्रक्षेपण प्रणाली के संचालन के क्षेत्र में सहयोग के लिए है।	रूस	12/06/2021	अंतरिक्ष विभाग
39.	रूसी परिसंघ की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच भारत गणराज्य के कांसुलर कार्यालयों के आवंटन के लिए भारतीय गणराज्य के दूतावास और न्यायालय की शर्तों के तहत भूमि भूखंडों के आवंटन पर प्रोटोकॉल .	रूस	12/06/2021	विदेश मंत्रालय
40.	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और लीडर विकास संस्थान, खेल मंत्रा-लय, सऊदी के बीच योग के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन	सऊदी अरब	30/12/2021	आयुष मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
41.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत एवं नगरपालिका, ग्रामीण मामले और आवास मंत्रालय, सऊदी अरब के सहयोग कार्यक्रम	सऊदी अरब	30/12/2021	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
42.	भारत सरकार और सर्बिया गणराज्य की सरकार के बीच एक राजनयिक मिशन या कांसुलर पद के सदस्यों के आश्रितों कौ लाभकारी रोजगार में संलग्न करने के लिए अधिकृत करने हेतु करार।	सर्बिया	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
43.	भारत और सर्बिया के बीच संस्कृति और कला के क्षेत्र में सहयोग पर सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	सर्बिया	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
44.	भारत और सेशेल्स के बीच सेशेल्स को एक तेज़ गश्ती पोत की आपूर्ति पर समझौता ज्ञापन	सेशेल्स	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
45.	प्रसार भारती, भारत और सेशेल्स प्रसारण निगम के बीच प्रसारण पर □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□	सेशल्स	30/12/2021	प्रसार भारती
46.	भारत गणराज्य की सरकार और तुर्कमेनिस्तान सरकार के बीच उच्च प्रभाव समुदाय विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अनुदान सहायता के संबंध में समझौता ज्ञापन	तुर्कमेनिस्तान	30/12/2021	विदेश मंत्रालय
47.	विदेश मंत्रालय ("एमईए") भारत सरकार और विदेश राष्ट्रमंडल विकास कार्यालय ("एफसीडीओ") यूनाइटेड किंगडम की सरकार के बीच भारत–ब्रिटेन वैश्विक नवाचार भागीदारी ("जीआईपी पार्टनरशिप") पर समझौता ज्ञापन।	यूके	05/04/2021	विदेश मंत्रालय

क्रमांक	शीर्षक	देश	हस्ताक्षर की तिथि	मंत्रालय
48.	भारत गणराज्य की सरकार और ग्रेट ब्रिटेन एवं उत्तरी आयरलैण्ड की संयुक्त साम्राज्य की महारानी की सरकार के बीच प्रवासन और गतिशील साझेदारी पर समझौता ज्ञापन (एमओयू)	यूके	05/04/2021	विदेश मंत्रालय
49.	भारत गणराज्य की सरकार और द यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन की सरकार एवं उत्तरी आयरलैंड के बीच सीमा शुल्क सहयोग और सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता पर करार	यूके	30/12/2021	वित्त □□□□□□□□□
50.	दूरसंचार विभाग, भारत और यूके के डिजिटल, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग के बीच दूरसंचार/आईसीटी के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन	यूके	30/12/2021	संचार मंत्रालय
51.	डाक सेवा डेटा के इलेक्ट्रॉनिक आदान–प्रदान □□ □□□□	यूपीयू	30/12/2021	डाक विभाग
52.	सीमा शुल्क डेटा के इलेक्ट्रॉनिक आदान–प्रदान पर करार	यूपीयू	30/12/2021	डाक विभाग
53.	भारत गणराज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वा-स्थ्य और मानव सेवा विभाग के बीच स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा विज्ञान पर सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन	अमेरीका	30/12/2021	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
54.	प्राइम युनाइटेड स्टेट्स पोस्टल सर्विस ट्रैक्ड सर्विस □□□□	अमेरीका	30/12/2021	डाक विभाग
55.	वर्ष 2021–2025 के लिए भारत गणराज्य की सरकार और उजबे-किस्तान गणराज्य की सरकार के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान का-र्यक्रम।	उज़्बेकिस्तान	30/12/2021	विदेश मंत्रालय

अनुबंध II

वर्ष 2021 में जारी की गई अनुसमर्थन की सूची

क्रमांक	शीर्षक	देश/संस्था	करार पर हस्ताक्षर करने की तिथि	अनुसमर्थन की तिथि
1.	भारत गणराज्य और न्यू डेवलपमेंट बैंक के बीच भारत गणराज्य में न्यू डेवलपमेंट बैंक के भारतीय क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाने पर करार	न्यू डेवलपमेंट बैंक	11/12/2020	12/01/2021
2.	भारत गणराज्य की सरकार और डोमिनिका के राष्ट्रमंडल की सरकार के बीच राजनयिक और आधिकारिक पास-पोर्ट धारकों के लिए वीजा आवश्यकता से छूट पर करार	डोमिनिका	07/05/2021	15/06/2021
3.	भारत गणराज्य की सरकार और सेशेल्स गणराज्य की सरकार के बीच राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए अल्पावधि वीजा छूट पर करार	सेशेल्स	24/05/2021	05/07/2021
4.	संचार मीडिया के क्षेत्र में सहयोग पर शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य राष्ट्रों की सरकारों के बीच करार	बहुपक्षीय /एससीओ	14/06/2019	12/08/2021
5.	ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर किगाली संशोधन, 1987	बहुपक्षीय	15/10/2016	03/09/2021
6.	भारत गणराज्य और बेल्जियम साम्राज्य के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता	बेल्जियम	16/09/2021	10/11/2021
7.	भारत गणराज्य और ब्राजील के संघीय गणराज्य के बीच सामाजिक सुरक्षा पर करार	ब्राजील	25/01/2020	10/11/2021
8.	भारत गणराज्य की सरकार और मलावी गणराज्य की सरकार के बीच प्रत्यर्पण संधि	मलावी	05/11/2018	26/02/2021

9.	नौवहन के लिए समुद्री सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन पर कन्वेंशन	बहुपक्षीय	01/09/2021	28/12/2021*

* अनुमोदन के लिए प्रस्तुत

अनुबंध III

2021 में जारी शक्ति समझौतों की सूची

क्रमांक	शीर्षक	देश/संगठन	जारी करने की तारीख
1.	भारत जापान व्यापक आर्थिक भागीदारी (आईजेसीईपीए), 2011 के अनुच्छेद 13 के अनुसार भारत और जापान के बीच हस्ताक्षरित कार्यान्वयन समझौते (आईए) के अनुच्छेद 7 (सूचना का आदान–प्रदान) के संशोधन के संबंध में प्रोटोकॉल।	जापान	03/02/2021
2.	भारत गणराज्य और मॉरीशस गणराज्य के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी करार	मॉरीशस	19/02/2021
3.	भारत गणराज्य और यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन की सरकार एवं उत्तरी आयरलैंड की सरकार के बीच सीमा शुल्क मामलों में सीमा शुल्क सहयोग और पारस्परिक प्रशासनिक सहायता पर करार।	यूनाइटेड किंगडम	11/06/2021
4.	नौपरिवहन पर समुद्री सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन पर अभिसमय।	बहुपक्षीय	12/08/2021
5.	भारत गणराज्य और बेल्जियम साम्राज्य के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर संधि	बेल्जियम	12/08/2021
6.	भारत गणराज्य सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), और अफ्रीकी–एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के बीच समझौता ज्ञापन।	अफ्रीकी–एशियाई ग्रामीण विकास संगठन	10/11/2021

***

अनुबंध IV

राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष/उपराष्ट्रपती/विदिश मंत्रियों और समकक्ष द्वारा कए गए दौरों का ब्यौरा

देश	तारीख
रूसी परिसंघ के विदेश मंत्री महामहिम श्री सर्गेई वी. लावरोव की यात्रा	अप्रैल 05-06, 2021
बहरीन साम्राज्य के विदेश मंत्री महामहिम डॉ अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी की यात्रा	अप्रैल 06-08, 2021
इरिट्रिया राज्य के विदेश मंत्री महामहिम श्री उस्मान सालेह मोह-म्मद की यात्रा	अप्रैल 07-12, 2021
यूरोप और विदेश मामलों के फ्रांसीसी मंत्री महामहिम श्री जीन-यवेस ले ड्रियन की यात्रा	अप्रैल 12-16, 2021
मालदीव गणराज्य के विदेश मंत्री, महामहिम श्री अब्दुल्ला शाहिद की यात्रा	अप्रैल 14-17, 2021
संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य सचिव, माननीय श्री एंटनी ब्लिंकन की यात्रा	जुलाई 27-28, 2021
संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के निर्वाचित अध्यक्ष और मालदीव गणराज्य के विदेश मंत्री महामहिम श्री अब्दुल्ला शाहिद की यात्रा	21-24 जुलाई, 2021
सार्क के महासचिव महामहिम श्री एसाला रुवानवीराकून और श्रीमती कृष्णंति वीराकून की यात्रा	अगस्त 08-14, 2021
संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार, महा-महिम डॉ. अनवर मोहम्मद अब्दुलखलीक गर्गश की यात्रा	30 अगस्त, 2021
सीनेटर माननीय मारिस पायने, विदेश मंत्री और ऑस्ट्रेलिया की महिला मंत्री की यात्रा (2+2 संवाद)	सितंबर 10-12, 2021
सऊदी अरब साम्राज्य के विदेश मंत्री महामहिम प्रिंस फैसल बिन फरहाद अल सऊद की यात्रा	सितंबर 18-20, 2021
सर्बिया गणराज्य के विदेश मंत्री, महामहिम श्री निकोला सेलाकोविक की यात्रा	सितंबर 19-20, 2021
कोलंबिया के उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री महामान्या सुश्री मार्ता लूसिया रामिरेज़ डी रिनकॉन की यात्रा	अक्टूबर 01-04, 2021
महामान्या सुश्री मेटे फ्रेडरिकसेन, डेनमार्क साम्राज्य की प्रधानमंत्री और श्री रो टैंगबर्ग की राजकीय यात्रा	अक्टूबर 09-12, 2021

कुशीनगर में राजदूतों और श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल की कुशीनगर और वाराणसी की यात्रा	अक्टूबर 20-21, 2021
यूनाइटेड किंगडम के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के राज्य सचिव द राइट आनरेबल ट्रस पी की यात्रा	अक्टूबर 22-24, 2021

राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति/प्रधानमंत्री की विदेशी यात्राओं का विवरण

देश	**तारीख**
प्रधानमंत्री की संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा (वाशिंगटन और न्यूयॉर्क)	सितंबर 22-26, 2021
प्रधानमंत्री की रूस, इटली (G20 शिखर सम्मेलन) और ग्लासगो, यूके (कॉप 26) की यात्रा	अक्टूबर 29-नवंबर 02, 2021

अनुबंध V

2021 में वर्चुअल शिखर सम्मेलन/कार्यक्रम

क्र म सं.	विषय	तारीख
1.	भारत-सेशेल्स वर्चुअल बैठक	08 अप्रैल, 2021
2.	भारत-नीदरलैंड वर्चुअल बैठक	09 अप्रैल, 2021
3.	जलवायु पर नेताओं का वर्चुअल शिखर सम्मेलन	22-23 अप्रैल, 2021
4.	जी7 शिखर सम्मेलन में वर्चुअल भागीदार	जून 12-13, 2021
5.	संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्चुअल बैठक	09अगस्त, 2021
6.	वर्चुअल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन	09 सितंबर, 2021
7.	वर्चुअल एससीओ शिखर सम्मेलन	17 सितंबर, 2021
8.	अफगानिस्तान पर जी-20 असाधारण नेताओं की बैठक	12 अक्टूबर, 2021
9.	वर्चुअल 16वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और 18वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन	अक्टूबर 27-28, 2021

अनुबंध VI

1 अप्रैल, 2021 से 31 अक्टूबर 2021 के दौरान विदेशी मिशन अध्यक्षों द्वारा प्रत्याहन-पत्र की प्रस्तुति

क्र. सं.	देश	राजदूत/उच्चायुक्त का नाम	प्रत्याहन-पत्र प्रस्तुति करने की तिथि
1.	कोलंबिया	महामान्या श्रीमती मारियाना पाचेको मोंटेस	06.07.2021
2.	उरुग्वे	महामहिम श्री अल्बर्टो एंटोनियो गुआनी अमारीला	06.07.2021
3.	जमैका	महामहिम श्री जेसन हॉल	06.07.2021
4.	आर्मेनिया	महामहिम श्री योरी बाबाखान्यान	06.07.2021
5.	थाईलैंड	महामान्या पट्टारत हांगटोंग	07.07.2021
6.	रोमानिया	महामान्या श्रीमती डेनिएला मारियाना सेज़ोनोव - ताने	07.07.2021
7.	कजाखस्तान	महामहिम श्री नुरलान झालगसबायेव	07.07.2021
8.	मॉरिटानिया ** (अबू धाबी में)	महामहिम श्री मुहम्मद अहमद सलेम मु-हम्मद राराह	करार की तिथि 12.05.2021
9.	तुर्की	महामहिम श्री फिरात सुनेल	07.07.2021
10.	अपोस्टोलिक नन्नशीअजर (होली सी)	महामहिम महाधर्माध्यक्ष लियोपोल्डो गिरेली	18.08.2021
11.	नाइजीरिया	महामहिम श्री अहमद सुले	18.08.2021
12.	ऑस्ट्रिया	महामहिम श्रीमती कथरीना विसेर	18.08.2021
13.	कोरिया गणराज्य	महामान्या श्री चांग जे बोक	18.08.2021

01 अप्रैल, 2021 से 31 अक्टूबर 2021 के बीच विदेशी मिशनों के प्रमुखों की अंतिम प्रस्थान स्थिति

क्र. सं.	मिशन	मिशन प्रमुखों के नाम	अंतिम प्रस्थान की तिथि

1.	तुर्की गणराज्य	श्री साकिर ओज़्कान तोरुनलार	06.05.2021
2.	ऑस्ट्रिया	श्रीमती ब्रिगिट ओपिंगर-वाल्चशोफ़र	06.05.2021
3.	कोरिया गणराज्य	श्री शिन बोंग किल	01.07.2021
4.	लक्ज़मबर्ग के ग्रैंड डची	श्री जीन क्लाउड कुगेनेर	20.08.2021
5.	मिस्र अरब गणराज्य	डॉ हेबा सालाहल्डिन एल्मरासी	27.08.2021
6.	मंगोलिया	श्री गोंचिगो गनबोल्ड	29.08.2021
7.	स्लोवाक गणराज्य	इवान लंकारिक	17.09.2021
8.	नेपाल	नीलांबर आचार्य	20.10.2021
9.	अल्जीरिया	श्री हमज़ा याहिया-चेरीफ़	29.10.2021
10.	जाम्बिया गणराज्य	श्रीमती जूडिथ कांगोमा के.के. कपिल जिम्पंगा	15.11.2021
11.	चेक गणराज्य	श्री मिलान होवोर्क	19.11.2021
12.	जिबूती गणराज्य	श्री सईद अबसी हवरसामा	18.11.2021
13.	बुर्किना फासो	श्री अमादौ ट्रैओर	30.11.2021

अनुबंध VII

01.12.2021 तक 2021-22 के दौरान मुख्यालयों और विदेश स्थित मिशनों में संवर्ग संख्या (जिनमें वे पद भी शामिल हैं जिनका प्रावधान वाणिज्य मंत्रालय के बजट में है और एमओआईए एवं पीओई से संवर्ग इतर के पद शामिल हैं)				
क्रमांक	संवर्ग/पद	मुख्यालय में पद	मिशन में पद	कुल
1	ग्रेड I	5	28	33
2	ग्रेड II	6	40	46
3	ग्रेड III	38	147	185
4	ग्रेड IV	58	155	213
5	कनिष्ठ प्रशासन ग्रेड / वरिष्ठ स्केल	117	282	399
6	(i)कनिष्ठ स्केल	10	25	35
	(ii) **परिवीक्षार्थी** रिजर्व	62		62
	(iii) अवकाश रिजर्व	15		15
	(iv) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	19		19
	(v) प्रशिक्षण रिजर्व	7		7
	कुल I	**337**	**677**	**1014**
आईएफएस (बी)				
7	(i) ग्रेड I	118	125	243
	(ii) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	6		6
8	(i) एकीकृत ग्रेड II और III	362	253	615
	(ii) अवकाश रिजर्व	30		30
	(iii) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	16		16
	(iv) प्रशिक्षण रिजर्व	25		25
9	(i) ग्रेड IV	217	560	777
	(ii) अवकाश रिजर्व	60		60

	(iii) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	54		54
10	(i) ग्रेड V/VI	173	84	257
	(ii) अवकाश रिजर्व	60		60
	(iii) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	14		14
11	(i) साइफर संवर्ग का ग्रेड II	47	47	94
	(ii) अवकाश रिजर्व	5		5
12	(i) आशुलिपिक संवर्ग	526	554	1080
	(ii) अवकाश रिजर्व	47		47
	(iii) प्रशिक्षण रिजर्व (हिंदी)	10		10
	(iv) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	12		12
13	दुभाषिया संवर्ग	9	26	35
14	एल एंड टी संवर्ग	20	3	23
कुल II		**1811**	**1652**	**3463**
कुल योग (उपयोग I+II)		**2148**	**2329**	**4477**

अनुबंध VIII

वभिन्नि भाषाओं में प्रवीणता वाले आईएफएस अधकिारियों की संख्या

(9 नवंबर 2021 तक)

क्रमांक	भाषा	अधिकारियों की संख्या
1.	अम्हारिक	1
2.	अरबी	128
3.	बहासा इंडोनेशिया	11
4.	बहासा मलय	2
5.	बर्मीज	9
6.	चीनी	93
7.	फ्रेंच	118
8.	जर्मन	39
9.	हिब्रू	8
10.	इतालवी	3
11.	जापानी	28
12.	कजाख	1
13.	कोरियाई	8
14.	नेपाली	1
15.	पश्तो	3
16.	फ़ारसी	25
17.	पोलिश	1
18.	पुर्तगीज़	23
19.	रूसी	107
20.	सिंघलिज	9
21.	स्पेनिश	103
22.	स्वाहिली	1

23.	तुर्की	6
24.	यूक्रेनी	1
25.	वियतनामी	2
	कुल योग	731

अनुबंध IX

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार पासपोर्ट कार्यालय

क्रम सं.	पासपोर्ट कार्यालय	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र
1	पीओ अहमदाबाद	गुजरात
2	पीओ अमृतसर	पंजाब
3	पीओ बरेली	उत्तर प्रदेश
4	पीओ बेंगलुरु	कर्नाटक
5	पीओ भोपाल	मध्य प्रदेश
6	पीओ भुवनेश्वर	उड़ीसा
7	पीओ चंडीगढ़	चंडीगढ़
8	पीओ चेन्नई	तमिलनाडु
9	पीओ कोचीन	केरल
10	पीओ कोयंबटूर	तमिलनाडु
1 1	पीओ देहरादून	उत्तराखंड
12	पीओ दिल्ली	दिल्ली
13	पीओ गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश
14	पीओ गोवा	गोवा
15	पीओ गुवाहाटी	असम
16	पीओ हैदराबाद	तेलंगाना
17	पीओ जयपुर	राजस्थान
18	पीओ जालंधर	पंजाब
19	पीओ जम्मू	जम्मू एवं कश्मीर
20	पीओ कोलकाता	पश्चिम बंगाल
21	पीओ कोझीकोड	केरल
22	पीओ लखनऊ	उत्तर प्रदेश
23	पीओ मदुरै	तमिलनाडु

24	पीओ मुंबई	महाराष्ट्र
25	पीओ नागपुर	महाराष्ट्र
26	पीओ पटना	बिहार
27	पीओ पुणे	महाराष्ट्र
28	पीओ रायपुर	छत्तीसगढ़
29	पीओ रांची	झारखंड
30	पीओ शिमला	हिमाचल प्रदेश
31	पीओ श्रीनगर	जम्मू एवं कश्मीर
32	पीओ सूरत	गुजरात
33	पीओ तिरुचिरापल्ली	तमिलनाडु
34	पीओ त्रिवेंद्रम	केरल
35	पीओ विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश
36	पीओ विशाखापत्तनम	आंध्र प्रदेश

अनुबंध X

पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची

क्रम.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पासपोर्ट सेवा केंद्रों की संख्या	पासपोर्ट सेवा केंद्र का स्थान
1.	आंध्र प्रदेश	4	विजयवाड़ा, तिरुपति , विशाखापत्तनम, भीज मावरम
2.	अरुणाचल प्रदेश	1	ईटानगर
3.	असम *	1	गुवाहाटी
4.	बिहार	2	पटना, दरभंगा
5.	चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र **	1	चंडीगढ़
6.	छत्तीसगढ़	1	रायपुर
7.	दिल्ली एनसीटी ***	3	हेराल्ड हाउस, शालीमार प्लेस, भीकाजीकामा प्लेस
8.	गोवा	1	पणजी
9.	गुजरात	5	अहमदाबाद I और II, वडोदरा, राजकोट , सूरत
10.	हरियाणा	2	अंबाला, गुड़गांव
1 1।	हिमाचल प्रदेश	1	शिमला
12.	जम्मू एवं कश्मीर	2	जम्मू, श्रीनगर
13.	झारखंड	1	रांची
14.	कर्नाटक	5	बैंगलोर I और II, हुबली , मैंगलोर, कलब्र बुर्गी
15.	केरल	13	तिरुवनंतपुरम, तिरुवनंतपुरम (ग्रामीण), कोल्लम, कोचीन, एर्नाकुलम ग्रामीण, अलापुझा , कोट्टायम, मलप्पुरम, त्रिशूर, कोझीकोड I और II, कन्नूर I और II
16.	मध्य प्रदेश	2	भोपाल, इंदौर
17.	महाराष्ट्र	8	मुंबई I, II और III, पुणे, नागपुर, ठाणे, नासिक, सोलापुर

18.	मणिपुर	1	इंफाल
19.	मेघालय	1	शिलांग
20.	मिजोरम	1	आइजोल
21.	नगालैंड	1	दीमापुर
22.	उड़ीसा	1	भुवनेश्वर
23.	पुदुचेरी	1	पुदुचेरी
24.	पंजाब	5	अमृतसर, लुधियाना, जालंधर-I, जालंधर-II, होशियारपुर
25.	राजस्थान	4	जयपुर, जोधपुर, सीकर, उदयपुर
26.	सिक्किम	1	गंगटोक
27.	तमिलनाडु	8	चेन्नई I, II और III, त्रिची, तंजावुर, मदुरै, तिरुनेलवेली, कोयंबटूर
28.	तेलंगाना	5	हैदराबाद I, II और III, निजामाबाद, करीर मनगर
29.	त्रिपुरा	1	अगरतला
30.	उत्तर प्रदेश	6	लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, बरेली, गाजियाबाद
31.	उत्तराखंड	1	देहरादून
32.	पश्चिम बंगाल @	3	कोलकाता, बरहामपुर , सिलीगुड़ी
	कुल	**93**	

*आरपीओ गुवाहाटी र्वतमान में पांच अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को भी शामलि करता है।

**आरपीओ चंडीगढ़ में पंजाब और हरयिाणा के कुछ हस्सिे शामलि हैं।

***आरपीओ दल्लिी में हरयिाणा के कुछ हस्सिे शामलि हैं।

@आरपीओ कोलकाता में सक्किमि और त्रपिुरा शामलि हैं।

अनुबंध XI

डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) की राज्य/संघ राज्य वार सूची

क्रमांक संख्या	स्थान	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पासपोर्ट कार्यालय
1	पोर्ट ब्लेयर	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	कोलकाता
2	अनंतपुर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
3	बापतला	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
4	चित्तूर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
5	गुड़ीवाड़ा	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
6	गुंटूर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
7	हिन्दुपुर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
8	कडप्पा	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
9	कोडुर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
10	कुरनूल	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
1 1	नांदयाल	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
12	नरसरायोपेट	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
13	नेल्लोर	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
14	ओंगोल	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
15	अमलापुरम	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
16	एलुरु	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
17	काकीनाडा	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
18	राजमुंदरी	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
19	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
20	विजयनगरम	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम

21	येलमंचिली	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
22	चांगलांग	अरुणाचल प्रदेश	गुवाहाटी
23	खोंसा	अरुणाचल प्रदेश	गुवाहाटी
24	बारपेटा	असम	गुवाहाटी
25	धुबरी	असम	गुवाहाटी
26	डिब्रूगढ़	असम	गुवाहाटी
27	गोलपाड़ा	असम	गुवाहाटी
28	गोलाघाट	असम	गुवाहाटी
29	जोरहाट	असम	गुवाहाटी
30	कार्बी आंगलोंग	असम	गुवाहाटी
31	करीमगंज	असम	गुवाहाटी
32	कोकराझारी	असम	गुवाहाटी
33	मंगलदोई	असम	गुवाहाटी
34	नवगोंग	असम	गुवाहाटी
35	उत्तर लखीमपुर	असम	गुवाहाटी
36	सिलचर	असम	गुवाहाटी
37	तेजपुर	असम	गुवाहाटी
38	तिनसुकिया	असम	गुवाहाटी
39	आरा	बिहार	पटना
40	औरंगाबाद	बिहार	पटना
41	बांका	बिहार	पटना
42	बेगूसराय	बिहार	पटना
43	बेतिया	बिहार	पटना
44	भागलपुर	बिहार	पटना
45	बक्सर	बिहार	पटना
46	छपरा	बिहार	पटना

47	डालमिया नगर	बिहार	पटना
48	दलसिंहसराय	बिहार	पटना
49	एकमा	बिहार	पटना
50	फार्बिसगंज	बिहार	पटना
51	गया	बिहार	पटना
52	गोपालगंज	बिहार	पटना
53	हाजीपुर	बिहार	पटना
54	जहानाबाद	बिहार	पटना
55	जमुई	बिहार	पटना
56	कटिहार	बिहार	पटना
57	खगरिया	बिहार	पटना
58	किशनगंज	बिहार	पटना
59	मधुबनी	बिहार	पटना
60	मनेर	बिहार	पटना
61	मोतिहारी	बिहार	पटना
62	मुंगेर	बिहार	पटना
63	मुजफ्फरपुर	बिहार	पटना
64	नालंदा	बिहार	पटना
65	नवादा	बिहार	पटना
66	पूर्णिया	बिहार	पटना
67	सहरसा	बिहार	पटना
68	समस्तीपुर	बिहार	पटना
69	सासाराम	बिहार	पटना
70	शिवहर	बिहार	पटना
71	सीतामढ़ी	बिहार	पटना
72	सिवान	बिहार	पटना

73	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	रायपुर
74	दुर्ग	छत्तीसगढ़	रायपुर
75	जांजगीर-चंपा	छत्तीसगढ़	रायपुर
76	कोरबा	छत्तीसगढ़	रायपुर
77	रायगढ़	छत्तीसगढ़	रायपुर
78	राजनंदगांव	छत्तीसगढ़	रायपुर
79	सरगुजा	छत्तीसगढ़	रायपुर
80	सिलवासा	दादर और नगर हवेली	मुंबई
81	दमन	दमन	मुंबई
82	जनकपुरी	दिल्ली	दिल्ली
83	महरौली	दिल्ली	दिल्ली
84	नेहरू प्लेस	दिल्ली	दिल्ली
85	पटपड़गंज	दिल्ली	दिल्ली
86	यमुना विहार	दिल्ली	दिल्ली
87	मार्गो	गोवा	पणजी
88	अमरेली	गुजरात	अहमदाबाद
89	आनंद	गुजरात	अहमदाबाद
90	भरूच	गुजरात	अहमदाबाद
91	भावनगर	गुजरात	अहमदाबाद
92	भुज	गुजरात	अहमदाबाद
93	छोटा उदयपुर	गुजरात	अहमदाबाद
94	दाहोद	गुजरात	अहमदाबाद
95	गांधीनगर	गुजरात	अहमदाबाद
96	गोधरा	गुजरात	अहमदाबाद
97	जामनगर	गुजरात	अहमदाबाद
98	जूनागढ़	गुजरात	अहमदाबाद

99	खेड़ा	गुजरात	अहमदाबाद
100	मेहसाणा	गुजरात	अहमदाबाद
101	पालनपुर	गुजरात	अहमदाबाद
102	पाटन	गुजरात	अहमदाबाद
103	पोरबंदर	गुजरात	अहमदाबाद
104	साबरकांठा	गुजरात	अहमदाबाद
105	सुरेंद्रनगर	गुजरात	अहमदाबाद
106	वेरावल	गुजरात	अहमदाबाद
107	बारडोली	गुजरात	सूरत
108	नवसारी	गुजरात	सूरत
109	राजपिपला	गुजरात	सूरत
110	वलसाड	गुजरात	सूरत
111	भिवानी महेंद्रगढ़	हरियाणा	चंडीगढ़
112	हिसार	हरियाणा	चंडीगढ़
113	कैथल	हरियाणा	चंडीगढ़
114	करनाल	हरियाणा	चंडीगढ़
115	पानीपत	हरियाणा	चंडीगढ़
116	सिरसा	हरियाणा	चंडीगढ़
117	यमुनानगर	हरियाणा	चंडीगढ़
118	फरीदाबाद	हरियाणा	दिल्ली
119	नारनौल	हरियाणा	दिल्ली
120	रोहतक	हरियाणा	दिल्ली
121	सोनीपत	हरियाणा	दिल्ली
122	हमीरपुर	हिमाचल प्रदेश	शिमला
123	कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश	शिमला
124	कुल्लू	हिमाचल प्रदेश	शिमला

125	मंडी	हिमाचल प्रदेश	शिमला
126	पालमपुर	हिमाचल प्रदेश	शिमला
127	ऊना	हिमाचल प्रदेश	शिमला
128	कठुआ	जम्मू और कश्मीर	जम्मू
129	राजौरी	जम्मू और कश्मीर	जम्मू
130	उधमपुर	जम्मू और कश्मीर	जम्मू
131	अनंतनाग	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
132	बारामूला	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
133	लेह	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
134	बोकारो	झारखंड	रांची
135	चाईबाशा	झारखंड	रांची
136	देवघर	झारखंड	रांची
137	धनबाद	झारखंड	रांची
138	दुमका	झारखंड	रांची
139	गिरिडीह	झारखंड	रांची
140	गुमला	झारखंड	रांची
141	हजारीबाग	झारखंड	रांची
142	जमशेदपुर	झारखंड	रांची
143	झुमरी तलैया	झारखंड	रांची
144	खुंटी	झारखंड	रांची
145	मेदिनीनगर	झारखंड	रांची
146	साहिबगंज	झारखंड	रांची
147	शिमरिया	झारखंड	रांची
148	अंकोला	कर्नाटक	बेंगलुरु
149	बागलकोट	कर्नाटक	बेंगलुरु
150	बेलगावी	कर्नाटक	बेंगलुरु

151	बेल्लारी	कर्नाटक	बेंगलुरु
152	बीदर	कर्नाटक	बेंगलुरु
153	चामराजनगर	कर्नाटक	बेंगलुरु
154	चन्नापटना	कर्नाटक	बेंगलुरु
155	चिकबलपुर	कर्नाटक	बेंगलुरु
156	चिक्कोडी	कर्नाटक	बेंगलुरु
157	चित्रदुर्ग	कर्नाटक	बेंगलुरु
158	दावणगेरे	कर्नाटक	बेंगलुरु
159	गदग	कर्नाटक	बेंगलुरु
160	हसन	कर्नाटक	बेंगलुरु
161	जलहाली	कर्नाटक	बेंगलुरु
162	कोप्पल	कर्नाटक	बेंगलुरु
163	माद्दुर	कर्नाटक	बेंगलुरु
164	मैसूर	कर्नाटक	बेंगलुरु
165	रायचुर	कर्नाटक	बेंगलुरु
166	रॉबर्टसनपेट	कर्नाटक	बेंगलुरु
167	शिवमोगा	कर्नाटक	बेंगलुरु
168	तुमकुरु	कर्नाटक	बेंगलुरु
169	उडुपी	कर्नाटक	बेंगलुरु
170	विजयपुर	कर्नाटक	बेंगलुरु
171	चेगान्नुर	केरल	कोचीन
172	कट्टाप्पना	केरल	कोचीन
173	नेनमार	केरल	कोचीन
174	पलक्कड़	केरल	कोचीन
175	कासरगोड	केरल	कोझिकोड
176	अतिंगल	केरल	तिरुवनंतपुरम

177	पथानामथिट्टा	केरल	तिरुवनंतपुरम
178	कवरत्ती	लक्षद्वीप	कोचीन
179	बालाघाट	मध्य प्रदेश	भोपाल
180	बेतुल	मध्य प्रदेश	भोपाल
181	छतरपुर	मध्य प्रदेश	भोपाल
182	छिंदवाड़ा	मध्य प्रदेश	भोपाल
183	दमोह	मध्य प्रदेश	भोपाल
184	देवास	मध्य प्रदेश	भोपाल
185	धार	मध्य प्रदेश	भोपाल
186	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	भोपाल
187	होशंगाबाद	मध्य प्रदेश	भोपाल
188	जबलपुर	मध्य प्रदेश	भोपाल
189	रतलाम	मध्य प्रदेश	भोपाल
190	रेवा	मध्य प्रदेश	भोपाल
191	सागर	मध्य प्रदेश	भोपाल
192	सतना	मध्य प्रदेश	भोपाल
193	सिओनी	मध्य प्रदेश	भोपाल
194	टीकमगढ़	मध्य प्रदेश	भोपाल
195	उज्जैन	मध्य प्रदेश	भोपाल
196	विदिशा	मध्य प्रदेश	भोपाल
197	औरंगाबाद	महाराष्ट्र	मुंबई
198	भिवंडी	महाराष्ट्र	मुंबई
199	भुसावाल	महाराष्ट्र	मुंबई
200	धुले	महाराष्ट्र	मुंबई
201	डोंबिव्लि	महाराष्ट्र	मुंबई
202	जलगांव	महाराष्ट्र	मुंबई

203	राजापुरी	महाराष्ट्र	मुंबई
204	सांताक्रूज	महाराष्ट्र	मुंबई
205	सायन	महाराष्ट्र	मुंबई
206	वाशी	महाराष्ट्र	मुंबई
207	विक्रोलि	महाराष्ट्र	मुंबई
208	अकोला	महाराष्ट्र	नागपुर
209	अमरावती	महाराष्ट्र	नागपुर
210	भंडारा	महाराष्ट्र	नागपुर
211	बुलढाना	महाराष्ट्र	नागपुर
212	चंद्रपुर	महाराष्ट्र	नागपुर
213	गडचिरोली	महाराष्ट्र	नागपुर
214	हिंगोली	महाराष्ट्र	नागपुर
215	काटोल	महाराष्ट्र	नागपुर
216	वर्धा	महाराष्ट्र	नागपुर
217	यवतमाल	महाराष्ट्र	नागपुर
218	अहमदनगर	महाराष्ट्र	पुणे
219	बारामती	महाराष्ट्र	पुणे
220	बीड	महाराष्ट्र	पुणे
221	इचलकरंजी	महाराष्ट्र	पुणे
222	जलना	महाराष्ट्र	पुणे
223	कोल्हापुर	महाराष्ट्र	पुणे
224	लातूर	महाराष्ट्र	पुणे
225	माढा	महाराष्ट्र	पुणे
226	नांदेड़	महाराष्ट्र	पुणे
227	उस्मानाबाद	महाराष्ट्र	पुणे
228	पंढरपुर	महाराष्ट्र	पुणे

229	परभनी	महाराष्ट्र	पुणे
230	पिंपरीचिंचवाड़	महाराष्ट्र	पुणे
231	सांगली	महाराष्ट्र	पुणे
232	सतारा	महाराष्ट्र	पुणे
233	शिरुर	महाराष्ट्र	पुणे
234	श्रीरामपुर	महाराष्ट्र	पुणे
235	काकचिंग	मणिपुर	गुवाहाटी
236	तुरा	मेघालय	गुवाहाटी
237	अस्का	उड़ीसा	भुवनेश्वर
238	बालासोर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
239	बारगढ़	उड़ीसा	भुवनेश्वर
240	बारीपदा	उड़ीसा	भुवनेश्वर
241	बेरहामपुर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
242	भद्रक	उड़ीसा	भुवनेश्वर
243	भवानीपटना	उड़ीसा	भुवनेश्वर
244	बोलंगीर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
245	कटक	उड़ीसा	भुवनेश्वर
246	ढेंकनाल	उड़ीसा	भुवनेश्वर
247	जगतसिंहपुर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
248	जाजपुर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
249	केंद्रपाड़ा	उड़ीसा	भुवनेश्वर
250	क्योंझर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
251	कोरापुट	उड़ीसा	भुवनेश्वर
252	नबरंगपुर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
253	फूलबनी	उड़ीसा	भुवनेश्वर
254	पुरी	उड़ीसा	भुवनेश्वर

255	राउरकेला	उड़ीसा	भुवनेश्वर
256	संबलपुर	उड़ीसा	भुवनेश्वर
257	कराईकल	पुदुचेरी	तिरुचिरापल्ली
258	फिरोजपुर	पंजाब	अमृतसर
259	बसीपट्टना	पंजाब	चंडीगढ़
260	बठिंडा	पंजाब	चंडीगढ़
261	मलेरकोटला	पंजाब	चंडीगढ़
262	पटियाला	पंजाब	चंडीगढ़
263	रोपड़	पंजाब	चंडीगढ़
264	मोगा	पंजाब	जालंधर
265	पठानकोट	पंजाब	जालंधर
266	फगवाड़ा	पंजाब	जालंधर
267	अजमेर	राजस्थान	जयपुर
268	अलवर	राजस्थान	जयपुर
269	बांसवाड़ा	राजस्थान	जयपुर
270	बाड़मेर	राजस्थान	जयपुर
271	भरतपुर	राजस्थान	जयपुर
272	भीलवाड़ा	राजस्थान	जयपुर
273	बीकानेर	राजस्थान	जयपुर
274	चित्तौड़गढ़	राजस्थान	जयपुर
275	चुरू	राजस्थान	जयपुर
276	दौसा	राजस्थान	जयपुर
277	हनुमानगढ़	राजस्थान	जयपुर
278	जैसलमेर	राजस्थान	जयपुर
279	झालावाडी	राजस्थान	जयपुर
280	झुंझुनूं	राजस्थान	जयपुर

281	कांकरोलि	राजस्थान	जयपुर
282	करौली-धौलपुर	राजस्थान	जयपुर
283	कोटा	राजस्थान	जयपुर
284	कोटपुतली	राजस्थान	जयपुर
285	नागौर	राजस्थान	जयपुर
286	पाली	राजस्थान	जयपुर
287	प्रतापगढ़	राजस्थान	जयपुर
288	सवाईमाधोपुर	राजस्थान	जयपुर
289	सिरोही	राजस्थान	जयपुर
290	श्रीगंगानगर	राजस्थान	जयपुर
291	अरणि	तमिलनाडु	चेन्नई
292	चेन्नई जीपीओ	तमिलनाडु	चेन्नई
293	चिदंबरम	तमिलनाडु	चेन्नई
294	कुड्डालोर	तमिलनाडु	चेन्नई
295	धर्मपुरी	तमिलनाडु	चेन्नई
296	कल्लाकुरिची	तमिलनाडु	चेन्नई
297	कांचीपुरम	तमिलनाडु	चेन्नई
298	कृष्णागिरी	तमिलनाडु	चेन्नई
299	रानीपेट	तमिलनाडु	चेन्नई
300	तिरुवल्लुर	तमिलनाडु	चेन्नई
301	तिरुवन्नामलाई	तमिलनाडु	चेन्नई
302	वेल्लोर	तमिलनाडु	चेन्नई
303	विलुप्पुरम	तमिलनाडु	चेन्नई
304	कुन्नूर	तमिलनाडु	कोयंबटूर
305	इरोड	तमिलनाडु	कोयंबटूर
306	रासीपुरम	तमिलनाडु	कोयंबटूर

307	सलेम	तमिलनाडु	कोयंबटूर
308	बोडिनेयकनुर	तमिलनाडु	मदुरै
309	देवाकोत्तई	तमिलनाडु	मदुरै
310	कोडाइरोड	तमिलनाडु	मदुरै
311	नागरकोइल	तमिलनाडु	मदुरै
312	राजपालयम	तमिलनाडु	मदुरै
313	रामथपुरम	तमिलनाडु	मदुरै
314	थोथूकुडी	तमिलनाडु	मदुरै
315	विरुधुनगर	तमिलनाडु	मदुरै
316	पेरम्बलुर	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली
317	करूर	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली
318	सिरकालिक	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली
319	थिरुथुराईपुंडी	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली
320	आदिलाबाद	तेलंगाना	हैदराबाद
321	भोंगीर	तेलंगाना	हैदराबाद
322	कामारेड्डी	तेलंगाना	हैदराबाद
323	खम्मम	तेलंगाना	हैदराबाद
324	महबुबाबाद	तेलंगाना	हैदराबाद
325	मनचेराइल	तेलंगाना	हैदराबाद
326	मेडक	तेलंगाना	हैदराबाद
327	मेडचाल	तेलंगाना	हैदराबाद
328	महबूबनगर	तेलंगाना	हैदराबाद
329	नलगोंडा	तेलंगाना	हैदराबाद
330	सिद्दीपेट	तेलंगाना	हैदराबाद
331	विकाराबाद	तेलंगाना	हैदराबाद
332	वानापर्थी	तेलंगाना	हैदराबाद

333	वारंगल	तेलंगाना	हैदराबाद
334	धर्मनगर	त्रिपुरा	कोलकाता
335	अमरोहा	उत्तर प्रदेश	बरेली
336	बदायूं	उत्तर प्रदेश	बरेली
337	बिजनौर	उत्तर प्रदेश	बरेली
338	मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	बरेली
339	पीलीभीत	उत्तर प्रदेश	बरेली
340	रामपुर	उत्तर प्रदेश	बरेली
341	शाहजहांपुर	उत्तर प्रदेश	बरेली
342	अछनेरा	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
343	आगरा	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
344	अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
345	बागपत	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
346	बुलंदशहर	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
347	हाथरस	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
348	मेरठ	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
349	मुजफ्फरनगर	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
350	नोएडा	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
351	सहारनपुर	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
352	वृंदावन	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद
353	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
354	अम्बेडकर नगर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
355	अमेठी	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
356	अयोध्या	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
357	आजमगढ़	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
358	बहराइच	उत्तर प्रदेश	लखनऊ

359	बलिया	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
360	बलरामपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
361	बाँदा	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
362	भदोही	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
363	चुनार	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
364	देवरिया	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
365	फर्रुखाबाद	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
366	फतेहपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
367	गाजीपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
368	गौंडा	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
369	गोशी (मऊ)	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
370	हमीरपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
371	हरदोई	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
372	जौनपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
373	झांसी	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
374	खेरी	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
375	महाराजगंज	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
376	मिसरिख	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
377	प्रतापगढ़	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
378	रायबरेली	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
379	सिद्धार्थ नगर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
380	सीतापुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
381	सुल्तानपुर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
382	उन्नाव	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
383	अल्मोड़ा	उत्तराखंड	देहरादून
384	काठगोदाम	उत्तराखंड	देहरादून

385	नैनीताल	उत्तराखंड	देहरादून
386	रुड़की	उत्तराखंड	देहरादून
387	रुद्रपुर	उत्तराखंड	देहरादून
388	श्रीनगर	उत्तराखंड	देहरादून
389	अलीपुरद्वार	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
390	अम्टास	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
391	आरामबाघी	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
392	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
393	अशोक नगर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
394	बेलूरघाट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
395	बनगांव	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
396	बांकुरा	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
397	बर्धमान	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
398	बैरकपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
399	बशीरहाट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
400	बीडॉन स्ट्रीट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
401	बिश्नुपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
402	बोलपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
403	कैनिंग रोड फेरी घाट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
404	चिनसुराह	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
405	कूचबिहार	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
406	दार्जिलिंग	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
407	डायमंड हार्बर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
408	दम दम	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
409	घटली	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
410	हावड़ा	पश्चिम बंगाल	कोलकाता

411	जादवपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
412	जलपाईगुड़ी	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
413	झारग्राम	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
414	जियागंज	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
415	काकद्वीप	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
416	कांथी	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
417	कटवा	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
418	खड़गपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
419	कृष्णनगर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
420	मखदुमपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
421	उत्तर दिनाजपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
422	पुरुलिया	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
423	रघुनाथगंज	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
424	रामपुरहाट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
425	रानाघाट	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
426	समसी	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
427	श्रीरामपुर	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
428	तामलुक	पश्चिम बंगाल	कोलकाता

विदेश मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट | 2021-2022

यह वार्षिक रिपोर्ट विदेश मंत्रालय के वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है
www.mea.gov.in